मैडम बोवरी

लिडिया डेविस द्वारा

एक नया अनुवाद

गुस्ताव फ़्लौबर्ट

Table of Contents

शीर्षक पेज

कॉपीराइट पृष्ठ

अंतर्वस्तु

परिचय

आगे पढ़ने के लिए सुझाव

कालक्रम

समर्पण

मैडम बोवरी

भाग 1

अध्याय 1

अध्याय दो

अध्याय 3

अध्याय 4

अध्याय 5

अध्याय 6

अध्याय 7

अध्याय 8

अध्याय 9

भाग II

अध्याय 1

अध्याय दो

अध्याय 3

अध्याय 4

अध्याय 5

अध्याय 6

अध्याय 7

अध्याय 8

अध्याय 9

अध्याय 10

अध्याय 11

अध्याय 12

अध्याय 13

अध्याय 14

अध्याय 15

भाग III

अध्याय 1

अध्याय दो

अध्याय 3

अध्याय 4

अध्याय 5

अध्याय 6

अध्याय 7

अध्याय 8

अध्याय 9

अध्याय 10

अध्याय 11

नोट्स

मैडम बोवरी

प्रांतीय मार्ग

गुस्ताव फ्लाउबर्ट

द्वारा अनुवादित, परिचय और टिप्पणियों सहित।

लिडिया डेविस

पेंगुइन क्लासिक्स

एक छाप

पेंगुइन बुक्स

पेंगुइन क्लासिक्स

पेंगुइन ग्रुप द्वारा प्रकाशित

पेंगुइन बुक्स लिमिटेड, 80 स्ट्रैंड, लंदन WC2R 0RL, इंग्लैंड

पेंगुइन ग्रुप (यूएसए) इंक., 375 हडसन स्ट्रीट, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10014, यूएसए

पेंगुइन ग्रुप (कनाडा), 90 एग्लिंटन एवेन्यू ईस्ट, सुइट 700, टोरंटो, ओंटारियो, कनाडा M4P 2Y3 (पियर्सन पेंगुइन कनाडा इंक. का एक प्रभाग)

पेंगुइन आयरलैंड, 25 सेंट स्टीफंस ग्रीन, डबलिन 2, आयरलैंड (पेंगुइन बुक्स लिमिटेड का एक प्रभाग)

पेंगुइन ग्रुप (ऑस्ट्रेलिया), 250 कैम्बरवेल रोड, कैम्बरवेल, विक्टोरिया 3124, ऑस्ट्रेलिया (पियर्सन ऑस्ट्रेलिया ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड का एक प्रभाग)

पेंगुइन बुक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 11 कम्युनिटी सेंटर, पंचशील पार्क, नई दिल्ली – 110 017, भारत

पेंगुइन ग्रुप (न्यूजीलैंड), 67 अपोलो ड्राइव, रोजडेल, नॉर्थ शोर 0632, न्यूजीलैंड (पियर्सन न्यूजीलैंड लिमिटेड का एक प्रभाग)

पेंगुइन बुक्स (दक्षिण अफ्रीका) (प्राइवेट) लिमिटेड, 24 स्टर्डी एवेन्यू, रोज़बैंक, जोहान्सबर्ग 2196, दक्षिण अफ्रीका

पेंगुइन बुक्स लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय: 80 स्ट्रैंड, लंदन WC2R 0RL, इंग्लैंड

www.penguin.com

पहली बार 1856 में छह किस्तों में प्रकाशित हुआ।

यह अनुवाद सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 में प्रकाशित हुआ था।

यह अनुवाद सर्वप्रथम पेंगुइन क्लासिक्स 2010 में प्रकाशित हुआ था।

अनुवाद और प्रस्तावना का कॉपीराइट © लिडिया डेविस, 2010

सर्वाधिकार सुरक्षित

अनुवादक के नैतिक अधिकार पर जोर दिया गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका को छोड़कर, इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के अधीन है कि इसे प्रकाशक की पूर्व सहमति के बिना, व्यापारिक रूप से या किसी अन्य तरीके से, उधार नहीं दिया जाएगा, पुनर्विक्रय नहीं किया जाएगा, किराए पर नहीं दिया जाएगा या किसी अन्य प्रकार से प्रसारित नहीं किया जाएगा, सिवाय उस बाइंडिंग या कवर के जिसमें यह प्रकाशित हुई है, और बाद के खरीदार पर भी इसी तरह की शर्त लागू की जाएगी।

ISBN: 978-0-141-96685-4

अंतर्वस्तु

परिचय

आगे पढ़ने के लिए सुझाव

कालक्रम

मैडम बोवरी

भाग 1

भाग II

भाग III

नोट्स

परिचय

जो पाठक कथानक के विवरण या अंत के बारे में नहीं जानना चाहते हैं, उन्हें उपन्यास पढ़ने के बाद ही इस प्रस्तावना को पढ़ना चाहिए।

“कल शाम मैंने अपना उपन्यास लिखना शुरू किया। अब मुझे शैलीगत ऐसी कठिनाइयाँ नज़र आने लगी हैं जिनसे मैं भयभीत हूँ। सरल होना कोई आसान बात नहीं है।” ये वो बातें हैं जो फ्लाउबर्ट ने 20 सितंबर, 1851 की शाम को अपनी मित्र, प्रेमिका और साथी लेखिका लुईस कोलेट को लिखी थीं, और जिस उपन्यास का वे जिक्र कर रहे थे वह था मैडम बोवरी। उनकी उम्र तीस वर्ष से कुछ कम थी।

एक लंबे-चौड़े, आकर्षक, लेकिन थोड़े मोटे और समय से पहले गंजे हो रहे आदमी की कल्पना कीजिए, जिसकी नीली-हरी आँखें साफ थीं और जिसकी आवाज़ कभी-कभी तेज़ और कर्कश होती थी (वह वाक्य बनाते समय और दोस्तों के साथ खाना खाते समय भी ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाता था)। वह अपनी मेज पर झुका हुआ, लैंप की रोशनी में हंस के पंख वाले पेन से लिख रहा था (उसे धातु की निब से नफरत थी)। वह बहुत धीरे-धीरे और कष्ट से लिखता था, जितना वह अंत में रखता था उससे कहीं अधिक सामग्री का मसौदा तैयार करता और उसमें संशोधन करता था। उसकी एकाग्रता गहरी, तीव्र और निरंतर थी; वह एक बार में कई घंटों तक अपने काम में लगा रहता था। उसकी माँ कभी-कभी दोपहर में किसी काम से घर से बाहर चली जाती थी और लौटने पर उसे ठीक उसी स्थिति में पाती थी जिस स्थिति में वह गई थी।

आम तौर पर वह दोपहर के शुरुआती घंटों में काम शुरू करते हैं और सुबह के शुरुआती घंटों तक काम करते रहते हैं, केवल रात के खाने के लिए ही आराम करते हैं। उनका अध्ययन कक्ष दूसरी मंजिल पर एक विशाल कमरा है, जहाँ से ट्यूलिप के पेड़ के पीछे से नदी की ओर जाने वाले रास्ते का दृश्य दिखाई देता है। घंटों की गहन मेहनत के बावजूद, वह अक्सर सुबह एक या दो बजे कोलेट को एक लंबा पत्र लिखते हैं, शायद तनाव से राहत पाने के लिए। इन्हीं पत्रों के कारण, जो ढाई साल बाद उनके अलगाव तक जारी रहे, हम उनके उपन्यास लेखन की प्रगति को इतनी बारीकी से देख पाते हैं।

क्योंकि वे काफी सामग्री को त्याग देते हैं और जो सामग्री रखते हैं उसे भी काफी कम कर देते हैं, इसलिए वे बहुत कम पूर्ण पृष्ठ ही तैयार कर पाते हैं—वे अलग-अलग समय पर प्रति सप्ताह एक पृष्ठ, हर चार दिन में एक पृष्ठ, तीन महीनों में तेरह पृष्ठ, तीन महीनों में तीस पृष्ठ, एक वर्ष में नब्बे पृष्ठ लिखते हैं। (यह उनकी पहले लिखी गई रचना 'द टेम्प्टेशन ऑफ सेंट एंथोनी' के पहले संस्करण की सहजता के विपरीत है—उन्होंने कहा था कि

उन्होंने अठारह महीनों में पाँच सौ पृष्ठ लिखे थे।) फिर भी वे निरंतर प्रगति करते रहते हैं। उनके सबसे करीबी मित्र, कवि लुई बौइल्हेट, लगभग हर रविवार को नियमित रूप से आते हैं, जब फ्लाउबर्ट उन्हें उस सप्ताह की अपनी रचनाएँ पढ़कर सुनाते हैं। बौइल्हेट अक्सर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं: उन्हें यह बहुत पसंद आया, या फ्लाउबर्ट को इसे और कम करना चाहिए, या इसमें बहुत अधिक रूपक हैं।

फ्लाउबर्ट ने उपन्यास लिखने में लगभग साढ़े चार साल बिताए, महीनों तक अपने काम में डूबे रहते थे, केवल समय-समय पर पेरिस के लिए ट्रेन से जाते थे ताकि कुछ दिनों के लिए शहर के जीवन का आनंद ले सकें और दोस्तों के साथ सामाजिक मेलजोल कर सकें, हालांकि जब वह वहां होते थे तो वह हमेशा काम करना बंद नहीं करते थे।

उन्होंने इसे मार्च 1856 के आसपास पूरा किया; फिर उनके पुराने मित्र मैक्सिम डू कैंप, जो ला रिव्यू डे पेरिस के संपादकों में से एक थे, ने इसे प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया और यह उस पत्रिका में 1 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक छह किस्तों में धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। हेनरी जेम्स बताते हैं कि उन्होंने इसे इस रूप में "पेरिस में एक बहुत छोटे व्यक्ति के रूप में" पाया और इसे "माता-पिता की मेज से" उठाया। "इसका आवरण... पीला था, अगर मैं गलत नहीं हूँ।" उन्हें याद है कि उन्होंने इसे "आग के सामने खड़े होकर, अपनी पीठ को नीची, मखमली और अलंकृत फ्रांसीसी चिमनी से टिकाकर" पढ़ते हुए "आश्चर्यचकित रुचि से" ग्रहण किया था।

हालांकि एहतियात के तौर पर इस संस्करण से कुछ दृश्य हटा दिए गए थे—जिसका शायद उल्टा असर हुआ और संदेह पैदा हो गया—फिर भी सरकार ने इसे नैतिकता और धर्म के लिए खतरा बताकर इसके खिलाफ आरोप लगाए। मुकदमा 29 जनवरी, 1857 को शुरू हुआ और एक दिन चला; एक हफ्ते बाद फ्लाउबर्ट और पत्रिका को बरी कर दिया गया। जब अप्रैल में यह पुस्तक एक खंड के रूप में प्रकाशित हुई, तो इस पर एक दूसरा समर्पण था, जो रूएन के प्रभावशाली और वाक्पटु वकील मैरी-एंटोइन-जूल्स सेनार्ड को समर्पित था, जिन्होंने फ्लाउबर्ट का बचाव किया था।

जिस दृष्टिकोण के कारण यह उपन्यास द्वितीय साम्राज्य की सरकार द्वारा अभियोग का शिकार हुआ, वही इसे उस समय के साहित्य के लिए इतना क्रांतिकारी बनाता था—इसमें पात्रों के जीवन का वस्तुनिष्ठ चित्रण किया गया था, बिना आदर्शवाद, बिना रोमांटिकता और बिना किसी उपदेश या नैतिक शिक्षा देने के इरादे के। यह उपन्यास, जिसे उनके समकालीनों ने जल्द ही "यथार्थवादी" करार दिया, हालांकि फ्लाउबर्ट ने इस नाम का विरोध किया, जैसे उन्होंने किसी भी साहित्यिक "स्कूल" से जुड़ने का विरोध किया, अब यथार्थवादी साहित्य की पहली उत्कृष्ट कृति के रूप में देखा जाता है। फिर भी, इसकी क्रांतिकारी प्रकृति को समझना हमारे लिए

विरोधाभासी रूप से कठिन है: इसका दृष्टिकोण हमें इसलिए परिचित है क्योंकि मैडम बोवरी ने उसके बाद उपन्यास लिखने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

फ्लाउबर्ट का जन्म 12 दिसंबर, 1821 को रूएन बंदरगाह शहर में स्थित अस्पताल के एक हिस्से में उनके परिवार के अपार्टमेंट में हुआ था, जहाँ उनके पिता मुख्य सर्जन थे। उन्होंने बहुत कम उम्र से ही लेखन में रुचि दिखाई और सोलह वर्ष की आयु में अपनी पहली रचना प्रकाशित की, लेकिन उनके पिता ने उन्हें विधि विद्यालय में दाखिला लेने के लिए प्रेरित किया। तेईस वर्ष की आयु में मिर्गी का पहला दौरा पड़ने के कारण, उन्हें (बिना अनिच्छा के) विधि की पढ़ाई छोड़नी पड़ी और तब से उन्होंने अपना पूरा जीवन लेखन में समर्पित कर दिया। उस समय तक वे अपने उपन्यास 'ए सेंटीमेंटल एजुकेशन' का पहला संस्करण लिखना शुरू कर चुके थे।

परिवार ने रूएन से कुछ मील दूर क्रोइसेट नामक छोटे से गाँव में सीन नदी के किनारे एक बड़ा और आरामदायक घर खरीद लिया था, और यहीं पर वे बस गए। 1846 में अपने पिता और बहन दोनों की मृत्यु के बाद, कई वर्षों तक घर में फ्लाउबर्ट, उनकी माँ और उनकी छोटी भतीजी कैरोलीन, जिनके पालन-पोषण में उन्होंने मदद की, साथ ही उनकी देखभाल करने वाले नौकर ही रहे। कुछ यात्राओं, ट्रौविले में समुद्र तट पर कुछ छुट्टियों और पेरिस में कुछ समय बिताने के अलावा, उन्होंने अपने शेष जीवन का अधिकांश समय क्रोइसेट में ही बिताया।

विदेशी विषयों के प्रति आकर्षित होकर उन्होंने एक और उपन्यास, 'द टेम्प्टेशन ऑफ सेंट एंथोनी' का मसौदा लिखा, लेकिन 1849 में इस पर काम रोक दिया, जब बौइल्हेट और डू कैंप ने चार दिनों तक लगातार पढ़ने के बाद इसे इतना नापसंद किया कि उन्होंने इसे आग में फेंकने का सुझाव दिया। हालांकि, उन्होंने अपने दोनों शुरुआती उपन्यासों को नहीं छोड़ा: उन्होंने 'ए सेंटीमेंटल एजुकेशन' को 1869 में और 'द टेम्प्टेशन ऑफ सेंट एंथोनी' को 1872 में पूरा किया।

इसलिए, उन्होंने बहुत कुछ लिखा था, हालांकि साहित्यिक जगत में वे अज्ञात थे, इससे पहले कि उन्होंने अपना पहला प्रकाशित उपन्यास लिखना शुरू किया।

फ्लाउबर्ट की विदेशी विषयों पर भावुक और अतिरंजित प्रतिक्रिया देने की प्रवृत्ति का मुकाबला करने के लिए, बौइल्हेट ने सुझाव दिया कि वे अपने अगले उपन्यास के लिए किसी साधारण विषय को चुनें। मैडम बोवरी की कहानी वास्तव में दो स्थानीय घटनाओं पर आधारित है: एक स्थानीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी की पत्नी डेल्फ़िन डेलामारे का व्यभिचार और उसके बाद आत्महत्या, और फ्लाउबर्ट के व्यक्तिगत रूप से परिचित एक

मूर्तिकार की पत्नी लुईस प्रैडियर की फिजूलखर्ची और अंततः आर्थिक बर्बादी। उपन्यास पर तीसरा प्रभाव बाल्ज़ाक के क्षेत्रीय उपन्यासों का था, जिनकी फ्लाउबर्ट बहुत प्रशंसा करते थे। यह पुस्तक न केवल एक ऐसी महिला के बारे में थी जिसका चरित्र उसके जीवन की दिशा को निर्णायक रूप से निर्धारित करता है, बल्कि उस स्थान के बारे में भी है जहाँ वह रहती थी और उस स्थान का उस पर पड़ने वाले सीमित प्रभाव के बारे में भी है। पहले फ़्लैंडर्स को पृष्ठभूमि के रूप में विचार करने के बाद, फ्लाउबर्ट ने अपने गृह क्षेत्र नॉर्मंडी को चुना, जो उनके लिए बहुत परिचित था।

उपन्यास की मुख्य कहानी लुई-फिलिप के जुलाई राजतंत्र (1830-48) के दौरान घटित होती है, जो फ्रांसीसी इतिहास में अपेक्षाकृत शांत काल था और फ्लाउबर्ट के लिए, यह उनके किशोरावस्था और प्रारंभिक वयस्कता के वर्ष थे। 'ए सेंटीमेंटल एजुकेशन' के विपरीत, इस उपन्यास में राजनीतिक अशांति का कोई संकेत नहीं मिलता: यहाँ नाटक घरेलू और स्थानीय है, और बाहरी दुनिया का इसमें कोई खास दखल नहीं है।

लुई-फिलिप के शासनकाल के दौरान, जिन्हें उनके बुर्जुआ तौर-तरीकों और पहनावे के कारण "नागरिक राजा" के नाम से जाना जाता था, मध्य वर्ग ने खुद को श्रमिक वर्ग और कुलीन वर्ग से अलग परिभाषित करना शुरू किया। उपन्यास की विषयवस्तु के प्रति फ्लाउबर्ट के दृष्टिकोण का एक प्रेरक बल बुर्जुआ वर्ग के प्रति उनका तिरस्कार था, हालांकि उन्होंने स्वयं को भी उनमें शामिल किया। वास्तव में, वे एक विशेष प्रकार के बुर्जुआ रवैये से घृणा करते थे—जिसे बाद में उन्होंने अपनी "स्वीकृत विचारों का शब्दकोश" में संहिताबद्ध किया। इसमें बौद्धिक और आध्यात्मिक सतहीपन, अतृप्त महत्वाकांक्षा, खोखली संस्कृति, भौतिक वस्तुओं के प्रति प्रेम, लालच और सबसे बढ़कर भावनाओं और विश्वासों का अंधाधुंध रटना जैसे लक्षण शामिल थे। वे इस प्रकार की सोच पर हमला करने में आनंद लेते थे जहाँ भी वे इसे देखते थे: उनके पत्र व्यंग्य और कटाक्षों से भरे हुए हैं, चाहे वह क्रोइसेट में एक दिन के लिए आए एक आडंबरी चचेरे भाई के खिलाफ हो या पेरिस में एक साथी लेखक के खिलाफ, जो एक सरकारी मंत्री के साथ भोजन करने के निमंत्रण पर गर्व करता था।

यह उपन्यास फ्लाउबर्ट के समय की संस्कृति के ऐसे चिह्नों से भरा है जिन्हें हम आज के समय में शायद पहचान न पाएं: पेरिस का ला चौमिएर नृत्यशाला; पोम्पाडोर घड़ियाँ और मूर्तियाँ; कवि बेरेंजर; उपन्यासकार सर वाल्टर स्कॉट; आतिशबाजी; इटली के पर्यटक आकर्षण; घुड़दौड़ और अंग्रेजी शब्दों और अभिव्यक्तियों के अनौपचारिक उपयोग सहित अंग्रेजी आयात की भरमार। फ्लाउबर्ट अपने समय के मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग की दुनिया को, उसकी सभी छोटी-छोटी आदतों, फैशनों और सनक के साथ, एक दर्पण में प्रस्तुत कर रहे हैं। उस दुनिया से संबंधित फ्रांसीसी पाठक स्वयं को (या अपने माता-पिता को) पहचान लेंगे और या तो शरमा जाएंगे या मिलीभगत से हंसेंगे: वे, या उनके माता-पिता, शाम को व्हिस्ट खेलते होंगे (जैसा कि स्वयं राजा करते थे), या

उनके मेंटलपीस पर मूंगे का एक समान टुकड़ा या बैठक की दीवार पर वही प्रिंट होगा; शायद यह उनकी चाची थीं, जिन्होंने एम्मा की तरह, एक टिलबरी - वह फैशनेबल अंग्रेजी गाड़ी - या खाने की मेज पर मुंह धोने का कटोरा चाहा होगा; या शायद होमेस की तरह कोई अहंकारी चाचा, क्रूस पर चढ़ाए जाने की उम्मीद कर रहा हो।

इक्कीसवीं सदी में इस उपन्यास को पढ़ते हुए हमें यह बात उतनी स्पष्ट नहीं लगती कि ये ज़रूरी नहीं कि सोचे-समझे व्यक्तिगत चुनाव थे, बल्कि ये पारंपरिक और अक्सर संदिग्ध रुचियों के प्रति अंधभक्ति के लक्षण थे। लेकिन जिसे फ्लाउबर्ट ने मूर्खता कहा, वह केवल बुर्जुआ वर्ग तक सीमित नहीं थी। या यूँ कहें कि अगर उन्हें जीवन भर मूर्खता को खोजने और उसके उदाहरणों का आनंद लेने की आदत थी, तो उन्होंने इसे "पूरी मानवता" में पाया; पूरी मानवता बुर्जुआ थी। उदाहरण के लिए, वे दाढ़ी बनाते समय उसकी मूर्खता पर हँसे बिना नहीं रह सकते थे।

एम्मा और लियोन की पहली मुलाकात की रचना करते समय कोलेट को लिखे एक पत्र में, वह बताते हैं कि उनकी रुचि दो संवेदनशील, काव्यात्मक व्यक्तियों के बीच कथित रूप से उच्च कोटि की बातचीत की कुरूपता में है, जो वास्तव में घिसे-पिटे विचारों से भरी है। उन्हें शुरू में ही एहसास हो जाता है कि उन्होंने अपने लिए एक कठिन चुनौती चुन ली है: इस कुरूपता को अपना विषय बनाना, एक नीरस परिवेश में सतही, संवेदनहीन लोगों के बारे में एक उपन्यास लिखना, जिनमें से कुछ गलत निर्णय लेते हैं और उनका अंत भयावह होता है। विषय का कोई रोमांटिकरण नहीं होगा—वास्तव में, पूरी परियोजना ही रोमांटिकता के विरुद्ध है। रोमांटिकता से ग्रस्त नायिका इसी के कारण दुख भोगती है—असंभव सपनों की उसकी लालसा के कारण, अपने जीवन की साधारणता और सुख की सीमित संभावनाओं को स्वीकार करने से उसके इनकार के कारण।

लेखक की ओर से कोई उपदेशात्मक शिक्षा भी नहीं दी गई है—यही एक कारण है कि उपन्यास सरकार के हमलों के प्रति इतना संवेदनशील रहा। कहानी में कोई उपदेश नहीं है जो इसकी नैतिकता को उजागर करे; इसमें एम्मा जैसी "बुरी" स्त्री के विपरीत कोई "अच्छा" नैतिक उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया गया है। लेखक उसके व्यवहार की निंदा नहीं करता, बल्कि उसके प्रति कुछ सहानुभूति भी रखता है; न ही वह अन्य पात्रों पर कोई निर्णय सुनाता है। कहानी अटल है: नायिका व्यभिचार करती है और फिर आत्महत्या कर लेती है; उसका नेक पति भी मर जाता है; उसके निर्दोष बच्चे का जीवन कष्टों से भरा होता है; एम्मा के पतन का कारण बना दुष्ट साहूकार समृद्ध होता जाता है; धूर्त, पाखंडी और विश्वासघाती "मित्र" होमेस को प्रतिष्ठित पदक से सम्मानित किया जाता है।

फ्लाउबर्ट ने ऐसे पात्रों को गढ़ना चुना जो प्रशंसनीय नहीं हैं और उनके साथ व्यंग्यात्मक वस्तुनिष्ठता का भाव प्रदर्शित किया। एम्मा और लियोन के बीच के दृश्य पर काम करते हुए, वे एक अन्य पत्र में टिप्पणी करते हैं, "मुझे लगता है कि यह पहली बार होगा जब कोई ऐसी पुस्तक देखेगा जो अपनी युवा नायिका और अपने युवा नायक का मज़ाक उड़ाती है।" फिर भी वे आगे कहते हैं कि "व्यंग्य करुणा को कम नहीं करता।" व्लादिमीर नाबोकोव ने उपन्यास पर अपने व्याख्यान में इसी बात को दोहराया है: "व्यंग्य और करुणा खूबसूरती से आपस में गुंथे हुए हैं।"

फ्लाउबर्ट चाहते हैं कि उनके पाठक पात्रों से प्रभावित हों। उदाहरण के लिए, चार्ल्स के शोक के संदर्भ में वे स्पष्ट रूप से कहते हैं, "मुझे आशा है कि मैं इस एक व्यक्ति के आँसुओं के साथ-साथ पाठकों को भी रुला सकूँगा।" एक अन्य पत्र में वे लिखते हैं, "मेरे तीसरे भाग में, जो हास्यप्रद घटनाओं से भरपूर होगा, मैं चाहता हूँ कि लोग रोएँ।"

और यद्यपि उनमें शायद ही कोई सहानुभूति जगाने वाला पात्र हो—कुछ पाठकों को लग सकता है कि इसके अपवाद एम्मा के पिता; या फार्मासिस्ट का सहायक, जस्टिन; या स्वयं चार्ल्स हो सकते हैं—फिर भी हमें कभी-कभी सहानुभूति या पसंद की झलक अवश्य मिलती है। यह सच हो सकता है कि होमेस का प्रत्येक कथन एक पूरी तरह से पारंपरिक "स्वीकृत विचार" है, फिर भी उनकी चतुराई, उद्यमशीलता, बौद्धिक खोजों का आनंद लेना और कभी-कभी उनसे सहमत होना भी मुश्किल नहीं है। अंत में एम्मा की बहादुरी, चार्ल्स के प्रति उसके सच्चे स्नेह का क्षण, अपनी मृत्यु के प्रति उसकी रुचि के लिए सम्मान का भाव मन में आता है: "वह उत्सुकता से खुद को देख रही थी, यह देखने के लिए कि क्या उसे दर्द हो रहा है। लेकिन नहीं! अभी तक कुछ नहीं। … 'आह! यह तो वास्तव में एक छोटी सी बात है—मृत्यु!' उसने सोचा; 'मैं सो जाऊंगी, और सब कुछ खत्म हो जाएगा!'" हम वास्तव में भावुक हो जाते हैं, हालांकि शायद उस हद तक नहीं जितना फ्लाउबर्ट ने उम्मीद की होगी—प्रचलित विडंबना हमें कहानी से बहुत दूर कर देती है, भले ही यह इसके नाटकीय भयावहता को बढ़ाती हो।

और वे स्वयं भी पात्रों से अप्रभावित नहीं हैं। वे कहते हैं, "मैं उनके जैसा महसूस करता हूँ"—हालाँकि बाद में वे उस एहसास को "प्रतिकूल" बताते हैं। हम जानते हैं कि लिखते समय वे कभी-कभी रो पड़ते थे और एम्मा के अंतिम दिनों में वे उससे इतना जुड़ाव महसूस करते थे कि उनकी तबीयत खराब हो गई थी।

फ्लाउबर्ट का उद्देश्य उपन्यास को "वस्तुनिष्ठ" रूप से लिखना था, जिसमें लेखक की भूमिका न हो। हालांकि मैडम बोवरी राजनीतिक और सामाजिक विवरणों से भरपूर है जो फ्लाउबर्ट के दृढ़ विचारों को दर्शाते हैं (उनके मित्र एमिल ज़ोला बताते हैं कि फ्लाउबर्ट किसी भी बहस में अपने विरोध को बर्दाश्त नहीं कर पाते थे), उनकी

तकनीक सामग्री को बिना किसी टिप्पणी के प्रस्तुत करना है, हालांकि कभी-कभी कोई टिप्पणी बीच में आ जाती है। तथ्यों को वस्तुनिष्ठ रूप से प्रस्तुत करना, किसी हास्यास्पद वस्तु का सावधानीपूर्वक वस्तुनिष्ठ वर्णन देना ही पर्याप्त टिप्पणी होनी चाहिए। फ्लाउबर्ट कोलेट को लिखे एक अन्य पत्र में उस दृश्य के बारे में टिप्पणी करते हैं जिसमें एम्मा मदद के लिए पादरी के पास जाती है, "इस प्रसंग में लेखक की ओर से एक भी विचार या व्याख्या के बिना अधिकतम छह या सात पृष्ठ होने चाहिए (सब कुछ प्रत्यक्ष संवाद में होना चाहिए)।"

लेखक की टिप्पणी के स्थान पर, दृश्यों का विवरण और गहन मनोवैज्ञानिक चित्रण ही सब कुछ बयां करते हैं—और फ्लाउबर्ट के लिए, प्रत्यक्ष संवाद भी कथानक को आगे बढ़ाने की बजाय पात्रों का चित्रण करने का काम करता था। विस्तृत वर्णन पाठक को विषयवस्तु के साथ सटकर रखता था। प्रभावी होने के लिए, विवरणों को बारीकी से देखा जाना चाहिए, सावधानीपूर्वक चुना जाना चाहिए, सटीक और सजीव होना चाहिए, जैसे कि एम्मा के विवाह के गुलदस्ते का वर्णन, जिसे उसने आग में फेंक दिया था: “छोटे गत्ते के फूल फट गए, बंधन का तार मुड़ गया, चोटी पिघल गई; और मुरझाई हुई कागज़ की पंखुड़ियाँ, काली तितलियों की तरह आग की लपटों के किनारे मंडराती हुई, अंत में चिमनी से ऊपर उड़ गईं।”

यदि उपन्यास को पाठक को प्रभावित या रुचिकर बनाना है, तो फ्लाउबर्ट को अपनी शैली की शक्ति के बल पर उस घिनौनी दुनिया को, जिसे वह नीच मानते हैं, औपचारिक और शैलीगत सुंदरता से परिपूर्ण रचना में बदलना होगा—और यह सब करते हुए उन्हें अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति के विपरीत लिखना होगा। वे कई बार स्पष्ट रूप से कहते हैं कि उन्हें डर है कि वे ऐसा नहीं कर पाएंगे: सब कुछ शैली पर निर्भर करता है।

विषयवस्तु के प्रति अपने सरल, लगभग नैदानिक दृष्टिकोण के अनुरूप, उन्होंने उपमाओं का प्रयोग बहुत संयमित तरीके से करना सीखा। अक्सर, गहन संशोधन के दौरान, जो संस्करण उन्होंने हटाया, वह उस संस्करण से कहीं अधिक काव्यात्मक था जिसे उन्होंने बरकरार रखा। मार्सेल प्राउस्ट ने, उपन्यास के प्रकाशन के साठ वर्षों से अधिक समय बाद लिखते हुए, उपमाओं के अभाव पर खेद व्यक्त किया, क्योंकि उनका मानना था, जैसा कि उन्होंने कहा, कि "केवल उपमा ही शैली को एक प्रकार की शाश्वतता प्रदान कर सकती है।" लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शैली में केवल उपमाओं से कहीं अधिक तत्व होते हैं।

प्रॉस्ट आगे कहते हैं कि फ्लाउबर्ट की पूरी रचनाओं में एक भी सुंदर रूपक नहीं है। फिर भी, यहाँ तितली से एक और मनमोहक तुलना है: रूएन से गुज़रती बंद गाड़ी में, जब एम्मा पहली बार लियोन को अपना प्रेम सौंप देती है, तो वह उसे व्यर्थ में लिखा हुआ अस्वीकृति पत्र फाड़ देती है, और "एक नंगा हाथ पीले कैनवास के छोटे पर्दों के नीचे से गुज़रा और कागज़ के कुछ फटे हुए टुकड़े फेंक दिए, जो हवा में बिखर गए और दूर जाकर, खिले हुए लाल तिपतिया घास के खेत पर, सफेद तितलियों की तरह, आकर बैठ गए।"

यदि वस्तुनिष्ठ वर्णन फ्लाउबर्ट की साहित्यिक शैली थी, तो वह वस्तुनिष्ठता हमेशा व्यंग्य से ओतप्रोत रहती थी। किसी वस्तु को निष्पक्ष दृष्टि से देखना और उसका मूल्यांकन करना, उस व्यंग्य से उसका मूल्यांकन करना था जो बचपन से ही उनके स्वभाव का हिस्सा रहा था। उनका व्यंग्य पूरी पुस्तक में व्याप्त है, जो प्रत्येक विवरण, प्रत्येक स्थिति, प्रत्येक घटना, प्रत्येक पात्र, प्रत्येक पात्र के भाग्य और समग्र कहानी को रंग देता है।

यह उनके नामकरण के तरीके में भी झलकता है: "स्वैलो" नामक खटारा सा कोच; कई पात्रों के नाम, जैसे कि बोवरी स्वयं, जो फ्रांसीसी भाषा में "बैल" के विभिन्न रूप हैं; दुष्ट साहूकार ल्यूरेक्स ("खुशमिजाज")।

यह उपन्यास के उन शब्दों और वाक्यांशों में मौजूद है जिन पर लेखक विशेष ज़ोर देता है—मूल पांडुलिपि में तो उन्होंने उन्हें रेखांकित किया होगा, जैसा कि वे अपने पत्राचार में भी इसी तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं; मुद्रित रूप में उन्हें इटैलिक में लिखा गया है। ये पूरे उपन्यास में दिखाई देते हैं, पहले पृष्ठ पर 'नया लड़का' से शुरू होते हैं। इस ज़ोर के माध्यम से वे उस भाषा की ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं जिसका प्रयोग आम तौर पर और बिना सोचे-समझे उन साझा विचारों को व्यक्त करने के लिए किया जाता था जिन पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता था। कुछ, जैसे 'नया लड़का', अपेक्षाकृत हानिरहित हैं; अन्य एक द्वेषपूर्ण पूर्वाग्रह को प्रकट कर सकते हैं, जैसे कि महापौर की पत्नी मैडम तुवाचे द्वारा अपनी नौकरानी से की गई टिप्पणी (जिसे अप्रत्यक्ष कथन के रूप में बताया गया है), जब उन्हें पता चलता है कि एम्मा लियोन के साथ अकेले टहलने गई थी: "मैडम बोवरी खुद को खतरे में डाल रही थीं।"

फ्लोबर्ट की विडंबना उनके द्वारा रचे गए काव्यात्मक और निर्मम सामान्यता के बीच के वाक्पटु संयोजनों में निहित है, जिसका प्रभाव कभी हास्यपूर्ण होता है, कभी चौंकाने वाला, लेकिन हमेशा हमें विराम देता है, माहौल को तोड़ देता है। एक उत्कृष्ट अंश—अक्सर प्रकृति का वर्णन—के ठीक बाद आने वाली एक साधारण, सांसारिक तुलना या क्रिया से मानो फ्लोबर्ट अपनी ही काव्यात्मक प्रेरणा को कमजोर कर रहे हों। इसके अनेक उदाहरण हैं।

उदाहरण के लिए, एम्मा जंगल में ज़मीन पर लेटी है, रोडोल्फ़ के साथ अपने पहले प्रेम प्रसंग से अभी भी कांप रही है, आसपास के प्राकृतिक परिदृश्य के साथ सामंजस्य बिठाए हुए है, जिसका पूर्ण और कामुक वर्णन किया गया है; यह अंश इस सीधे-सादे कथन के साथ समाप्त होता है कि रोडोल्फ़, अपने दाँतों के बीच सिगार दबाए, एक लगाम की मरम्मत कर रहा है। कहानी में बहुत बाद में, लियोन के साथ एक नाव में, एम्मा को रोडोल्फ़ को अन्य महिलाओं के साथ देखकर ठंडक महसूस होती है; नाविक, जिसने अनजाने में उसे नाराज़ कर दिया है, अपनी हथेली में थूकता है और चप्पू उठा लेता है। बड़े ही दुखद और दयनीय ढंग से, एम्मा की मृत्यु के बाद, जब उसे रखा जा रहा होता है, तो उसके ऊपर काम कर रही महिलाओं में से एक उसकी सुंदरता की प्रशंसा बड़े

सतही शब्दों में करती है - वह अभी भी कितनी जीवंत दिखती है; मानो फटकार लगाते हुए, जब वह महिला एम्मा का सिर उठाकर उसे फूलों की माला पहनाती है, तो उसके मुँह से काला तरल निकलता है। इस क्षण से अधिक स्पष्ट रूप से फ्लाउबर्ट का कठोर प्रेम-विरोधी दृष्टिकोण कहीं और प्रकट नहीं हो सकता।

जैसा कि ऊपर दिए गए उदाहरणों में है, यह काव्य विवरणों की तीक्ष्ण विशिष्टता और फिर जिस अचानकता से फ्लाउबर्ट समान रूप से विशिष्ट लेकिन परेशान करने वाले या क्रूर विवरणों की ओर "कटिंग" करते हैं, वही हमें झकझोर देता है।

इन विडंबनापूर्ण संयोजनों में से कुछ भय या करुणा उत्पन्न नहीं करते, बल्कि हास्य उत्पन्न करते हैं।

उदाहरण के लिए, कृषि मेले के दृश्य के दौरान, टाउन हॉल से ऊपर से देख रहे रोडोल्फ़ और एम्मा के बीच काव्यात्मक और रोमांटिक संवादों के बीच (लेखक की टिप्पणी के बिना) "खाद" और "तिलहन खली के उपयोग" जैसे क्षेत्रों में कृषि संबंधी प्रगति के लिए पुरस्कारों की गंभीर घोषणाएँ होती हैं। या हास्य असंगत तत्वों के संयोजन से उत्पन्न होता है, जैसा कि उदाहरण के लिए, होमेस के लेखन में है, जो एक पत्रकार होने के साथ-साथ एक औषध विक्रेता भी हैं: कभी-कभी उनकी शैली की भव्यता उनके विषय (साइडर) की सामान्यता से मेल नहीं खाती; या, जब वे उत्सवों का वर्णन करते हैं, तो उनके लेख में जिन शानदार रंगों से उनका चित्रण किया गया है, उनका हमारे द्वारा उनकी तुच्छता और अपर्याप्तता के बारे में ज्ञात तथ्यों से कोई संबंध नहीं है।

या फिर यह असंतुलन होमेस के लेखन में नहीं, बल्कि उनके व्यवहार में निहित है—शोकग्रस्त चार्ल्स के साथ शर्मिंदगी के क्षण में उनकी आडंबरपूर्णता और उनके इस कथन की स्पष्टता के बीच: "होमेस ने बागवानी के बारे में थोड़ी बात करना उचित समझा; पौधों को नमी की आवश्यकता होती है।"

फिर भी, इन क्षणों पर हमारी प्रतिक्रियाओं को जटिल बनाने वाली बात यह है कि एक उदाहरण में, कृषि मेले में पुरस्कार समारोह के दौरान, कृषि में प्रगति के समर्थकों की चिंताओं के प्रति कुछ हद तक सम्मान की भावना होती है, और दूसरे उदाहरण में, जब होमेस अंतिम संस्कार के बारे में चार्ल्स के अटपटे सवाल के बाद उसके पौधों को पानी देता है, तो फार्मासिस्ट की शर्मिंदगी के क्षण में कुछ सहानुभूतिपूर्ण समझ दिखाई देती है। उपन्यास की घटनाओं के प्रति हमारी भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ कभी भी पूरी तरह से मिश्रित नहीं होतीं, जो निश्चित रूप से इसकी शक्ति के स्रोतों में से एक है।

होमेस एक लेखक हैं, और फ्लाउबर्ट उन्हें बहुत पसंद करते हैं (अपने पत्रों में उन्हें प्यार से "मेरा फार्मासिस्ट" कहते हैं और कभी-कभी होमेस द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मुहावरे का प्रयोग करना पसंद करते हैं), इसलिए यह सोचना स्वाभाविक है कि वे लेखक की भूमिका या लेखन शैली, या उसके किसी पहलू पर टिप्पणी करते हैं। वास्तव में, उपन्यास के अंत में, महान संशोधक फ्लाउबर्ट आत्म-व्यंग्य का एक ऐसा क्षण प्रस्तुत करते हैं जो

एम्मा के अंतिम क्षणों के नाटकीय प्रभाव में दब जाने पर हास्यास्पद लगता। जब एम्मा गंभीर रूप से बीमार होती हैं, तो होमेस को संदेशवाहक के माध्यम से उन दो डॉक्टरों को संदेश भेजना होता है जो शायद उनकी जान बचा सकते हैं। वे घर लौटते हैं और अपने काम में जुट जाते हैं, लेकिन हालांकि गति अत्यंत महत्वपूर्ण है, वे इतने उत्तेजित (और अपनी गद्य शैली के प्रति इतने सजग) होते हैं कि सही शब्द खोजने के लिए उन्हें कम से कम पंद्रह मसौदे लिखने पड़ते हैं।

कम से कम दो बार हमें किसी घटना का अनुभव करने और फिर होमेस द्वारा लिखित उसके वर्णन को पढ़ने का अवसर मिलता है। होमेस की विषयवस्तु (फ्लोबर्ट की तरह) सामान्य है और साधारणता की ओर झुकी हुई है—कृषि मेले के समापन पर दिखाई गई आतिशबाजी फीकी पड़ जाती है और बुझ जाती है, पूरी तरह असफल। लेकिन वह इस विषयवस्तु को रूपांतरित करते हैं, उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं, उसे महत्व और सफलता प्रदान करते हैं, एक आडंबरपूर्ण शैली के माध्यम से जिसे फ्लोबर्ट व्यंग्यपूर्वक एक पत्र में "दार्शनिक, काव्यात्मक और प्रगतिशील" बताते हैं—और अपने खुले झूठों के माध्यम से। फ्लोबर्ट यह दर्शाना चाहते हैं कि एक रचना हमेशा झूठी हो सकती है: लेखक के पास वास्तविकता को अपनी इच्छा अनुसार रूपांतरित करने की शक्ति होती है। शब्द, विशेषकर मुद्रित रूप में, भ्रामक रूप से प्रस्तुत करने और धोखा देने की कपटी शक्ति रखते हैं। और वाक्पटुता विशेष रूप से खतरनाक है: जितना अच्छा कोई लिख सकता है, उतना ही अधिक प्रभावशाली ढंग से वह झूठ बोल सकता है।

हालाँकि होमेस इस पुस्तक में एकमात्र "पेशेवर" लेखक हैं, फिर भी लेखन की अन्य शैलियाँ भी इसमें दिखाई देती हैं: एम्मा के पिता के पत्र, अधिकारियों के भाषण, रोडोल्फ़ का एम्मा को विदाई पत्र, चार्ल्स के शवदाह संबंधी निर्देश। फ़्लोबर्ट, अपने पात्रों के दृष्टिकोण में पूरी तरह से डूबकर, इन अन्य शैलियों में सहजता से बदलाव करते हैं, जो शायद उनके लिए पुस्तक की कथा शैली से कम अपरिचित नहीं हैं। एक पत्र में वे स्वयं कहते हैं कि उनकी अपनी स्वाभाविक शैली संत एंथोनी की है: वे जो लिखना चाहते हैं, वह है "भव्य मुहावरे, नदियों की तरह बहते हुए लंबे-लंबे वाक्य, अनेक रूपक, शैली का ज़बरदस्त विस्फोट।"

इसके विपरीत, इस पुस्तक में वह जिस शैली को प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, वह स्पष्ट और सीधी, संक्षिप्त और सटीक होने के साथ-साथ लयबद्ध, मधुर, संगीतमय और सतह पर "संगमरमर की तरह चिकनी" है, जिसमें विविध वाक्य संरचनाएं हैं और एक दृश्य से दूसरे दृश्य और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से क्रिया तक सूक्ष्म संक्रमण हैं।

हालाँकि फ्लाउबर्ट स्वयं कविता नहीं लिखते थे, फिर भी उन्होंने कोलेट को लिखे एक पत्र में शिकायत की, “गद्य कितना कष्टदायक होता है! यह कभी समाप्त नहीं होता; हमेशा कुछ न कुछ सुधार करना पड़ता है। फिर भी मुझे

लगता है कि इसे कविता जैसी निरंतरता दी जा सकती है। गद्य का एक अच्छा वाक्य कविता की एक अच्छी पंक्ति की तरह होना चाहिए, अपरिवर्तनीय, लयबद्ध और मधुर।"

फिर भी, 1920 में फ्लाउबर्ट के बारे में एक नकारात्मक लेख पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया के दौरान, प्रॉस्ट ने फ्लाउबर्ट की "व्याकरणिक विलक्षणताओं" की प्रशंसा करते हुए टिप्पणी की, जिन्हें उन्होंने "एक नया दृष्टिकोण" बताया; फ्लाउबर्ट द्वारा भूतकाल निश्चित, भूतकाल अनिश्चित, वर्तमान कृदंत, कुछ सर्वनामों और कुछ पूर्वसर्गों के "पूरी तरह से नए और व्यक्तिगत उपयोग" से बाहरी वास्तविकता को देखने का हमारा तरीका मौलिक रूप से बदल गया था। उन्होंने अन्य विलक्षणताओं के बारे में भी बात की: अप्रत्यक्ष कथन का फ्लाउबर्ट का अभूतपूर्व तरीका, "और" शब्द का उनका अपरंपरागत प्रयोग—जहां इसकी अपेक्षा की जाती है वहां इसे छोड़ देना और जहां इसकी सामान्यतः आवश्यकता नहीं होती वहां इसे शामिल करना—क्रियाओं का उनका स्पष्ट "सपाट" उपयोग, और क्रियाविशेषणों का उनका जानबूझकर अधिक प्रयोग। लेकिन फ्लाउबर्ट द्वारा अपूर्ण काल के अभिनव प्रयोग ने प्रॉस्ट को सबसे अधिक प्रभावित किया: "साहित्य में अपूर्ण काल का यह प्रयोग, जो इतना नया है, चीजों और लोगों के स्वरूप को पूरी तरह से बदल देता है," उन्होंने कहा।

फ्रेंच में अपूर्ण काल (इम्परफ़ेक्ट टेंस) भूतकाल का वह रूप है जो किसी निरंतर या प्रचलित स्थिति या बार-बार होने वाली क्रिया को व्यक्त करता है। अंग्रेजी में इसे आमतौर पर "would" या "used to" से दर्शाया जाता है। निरंतर स्थिति या क्रिया को व्यक्त करते हुए, और इस प्रकार समय की निरंतरता का संकेत देते हुए, यह पूरी तरह से उस प्रभाव को उत्पन्न करता है जिसे फ़्लोबर्ट तलाश रहे थे—जिसे नाबोकोव "एम्मा के जीवन में पुनरावृत्ति और उदासी की भावना" के रूप में वर्णित करते हैं। इस प्रकार, शादी के शुरुआती दिनों में, चार्ल्स की (थका देने वाली हद तक अनुमानित) आदतों का वर्णन अपूर्ण काल में क्रियाओं की एक श्रृंखला का उपयोग करके किया गया है: "वह देर से घर लौटता था... फिर वह कुछ खाने के लिए मांगता था... वह अपना फ्रॉक कोट उतार देता था... वह उसे एक-एक करके उन सभी लोगों के बारे में बताता था जिनसे वह मिला था... वह प्याज के साथ बीफ़ हैश का बचा हुआ हिस्सा खाता था... फिर बिस्तर पर चला जाता था, पीठ के बल सोता था और खर्राटे लेता था।"

हालांकि अपूर्ण काल, पृष्ठभूमि वर्णन और नियमित गतिविधियों के माध्यम से, फ्लाउबर्ट से पहले परंपरागत रूप से सरल भूतकाल के अधीन था, जिसका उपयोग सीमित क्रियाओं को बताने के लिए किया जाता था, फ्लाउबर्ट के साथ, नियमित और निरंतर क्रियाओं को प्रमुखता दी गई है, और वर्णन और क्रिया के बीच का विभाजन धुंधला हो जाता है, जैसा कि भूतकाल और वर्तमान के बीच का विभाजन भी धुंधला हो जाता है, जिससे कहानी में निरंतर तात्कालिकता बनी रहती है। यहां तक कि पात्रों के संवाद भी अक्सर अपूर्ण काल में अप्रत्यक्ष रूप से

बताए जाते हैं (उदाहरण के लिए, मेयर की पत्नी की ऊपर उद्धृत टिप्पणी: "मैडम बोवरी खुद को खतरे में डाल रही थीं"), जिससे फ्लाउबर्ट तीसरे व्यक्ति के वर्णन की तटस्थता को छोड़े बिना सहजता से पात्र के दृष्टिकोण में प्रवेश कर पाते हैं। फ्लाउबर्ट के विचार में, पुस्तक का एक बड़ा हिस्सा वर्णन या क्रिया की तैयारी होने के बावजूद, वर्णन गतिशील बना रहता है।

15 जनवरी, 1853 को कोलेट को लिखे एक पत्र में—किताब लिखे जाने के सोलह महीने बाद—फ्लाउबर्ट ने अब तक की घटनाओं की मात्रा पर चिंता व्यक्त की: "मैंने अपने दूसरे भाग के पाँच अध्याय तैयार कर लिए हैं जिनमें कुछ भी नहीं घटित होता।" यह एक अतिशयोक्ति थी, बेशक—लेकिन उन्हें लगा कि इसमें बहुत अधिक भूमिका या प्रस्तावना होगी, और फिर निष्कर्ष से पहले बहुत कम घटनाएँ घटित होंगी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था—इतनी कम घटनाओं के साथ कहानी सुनाना। उनका मानना था कि ये अनुपात जीवन के अनुरूप थे: "एक आघात एक मिनट तक रहता है लेकिन उसकी आशंका महीनों से बनी रहती है—हमारी भावनाएँ ज्वालामुखियों की तरह हैं: हमेशा गर्जना करती रहती हैं लेकिन रुक-रुक कर ही फटती हैं।" फिर भी उन्हें चिंता थी कि सौंदर्यशास्त्र की माँगें कुछ अलग थीं।

यदि प्रॉस्ट 'ए सेंटीमेंटल एजुकेशन' को "एक लंबी रिपोर्ट" कहते हैं जिसमें पात्र वास्तव में घटनाओं में भाग नहीं लेते, तो फ्लाउबर्ट 'मैडम बोवरी' को एक "जीवनी" कहते हैं, जो एक महिला के मनोविज्ञान के विस्तृत विश्लेषण का रूप लेती है। लेकिन उनका मानना था कि फिर भी इसमें घटनाओं की गति हो सकती है: "मुझे लगता है कि मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को विशुद्ध नाटकीय वर्णन की गति, स्पष्टता और जोश देना असंभव नहीं है। ऐसा कभी नहीं किया गया है और यह सुंदर होगा।" वास्तव में, ऐसा लगता है कि यही वह प्रकार की क्रिया थी जिसमें फ्लाउबर्ट की वास्तव में रुचि थी: वर्णन और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण द्वारा पाठक में उत्पन्न होने वाले सूक्ष्म भाव परिवर्तन। वे कहते हैं, "मेरा मानना है कि चित्र ही क्रिया हैं। इस माध्यम से पुस्तक की रुचि बनाए रखना कठिन है, लेकिन यदि कोई असफल होता है, तो यह शैली की गलती है।"

फ्लाउबर्ट के कई उपन्यासों में बदलाव इतने सूक्ष्म हैं कि उनका एहसास नहीं होता, जबकि कुछ बदलाव अचानक होते हैं; उपन्यास में कई जगहों पर कथा अचानक तेज़ी से आगे बढ़ती है और एक या दो पैराग्राफ में ही महीनों या वर्षों का वर्णन समेट लेती है। लेकिन पूरे उपन्यास में एक मज़बूत एकता है, जो न केवल इसकी अति संक्षिप्तता से उत्पन्न होती है—जिसमें हर तत्व एक से अधिक भूमिका निभाता है—बल्कि बार-बार आने वाले शब्दों, वाक्यांशों, बिम्बों और क्रियाओं से भी। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं: तितलियाँ (वास्तविक और लाक्षणिक, जैसा कि ऊपर उद्धृत अंशों में है); परतदार संरचनाएँ (चार्ल्स की स्कूली टोपी, शादी का केक, एम्मा

के ताबूतों के बीच का घेरा); एम्मा का धार्मिक आस्था के प्रति क्षणिक आकर्षण; होमेस के उद्धृत लेख; पुस्तक के अंत के पास चार्ल्स का दो बार भावनाओं से "घुटना" महसूस करना; वही वाक्यांश—bloquer les interstices —जिसका प्रयोग पहले शाब्दिक रूप से एम्मा के शरीर और ताबूत के किनारों के बीच "अंतराल भरने" का वर्णन करने के लिए किया गया है, और फिर लाक्षणिक रूप से रोडोल्फ और चार्ल्स के बीच असहज अंतिम बातचीत के दौरान।

विशेष रूप से पानी, समुद्र और नावों से जुड़ी छवियां बार-बार दिखाई देती हैं। इनमें एम्मा के कॉन्वेंट में पढ़ने के दौरान "चांदनी रात में छोटी नावें", रोडोल्फ के साथ भविष्य के जीवन के उसके दिवास्वप्न में गोंडोला, वह वास्तविक "चांदनी रात में छोटी नाव" जिसमें लियोन और वह अपने तीन दिवसीय "हनीमून" की हर शाम द्वीप पर जाते हैं, और होटल के कमरे में गोंडोला के आकार का बिस्तर शामिल है, जहां वह और लियोन उसके बाद हर हफ्ते मिलते हैं।

लेकिन सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात यह है कि एक अशांत समुद्र की लहरों में एक बंद पात्र (दो बार रथ, एक बार ताबूत) की छवि बार-बार दिखाई देती है। यह पहली बार कृषि मेले के उद्घाटन के अवसर पर मंच पर खड़े अधिकारी के आडंबरपूर्ण भाषण में प्रकट होती है, जब वह "राजा... जो तूफानी समुद्र के निरंतर खतरों के बीच राज्य रथ का मार्गदर्शन करते हैं" को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। फिर, उपन्यास के तीसरे भाग के प्रसिद्ध मिलन दृश्य में, जिसमें एम्मा शहर के लंबे सफर के दौरान लियोन को स्वयं को सौंप देती है, राजा की जगह एक टैक्सी चालक आ जाता है, जो (काफी लापरवाही से) "एक ऐसे रथ को चला रहा है जिसके पर्दे बार-बार खुलते और बंद होते रहते हैं, जो किसी मकबरे से भी ज्यादा कसकर बंद है और समुद्र में किसी जहाज की तरह हिल रहा है।" यहां फ्लाउबर्ट ने वक्ता के मिश्रित रूपक में बंद मकबरे की उपमा जोड़ दी है। फिर वह उपन्यास के अंत में इस तुलना को दोहराता है, जब एम्मा के एक के ऊपर एक रखे ताबूत, जिन्हें हथौड़े से पीटकर और जोड़-तोड़कर बनाया गया था, कब्रिस्तान ले जाए जा रहे थे: "शव को रखने का डिब्बा छोटे-छोटे झटकों के साथ आगे बढ़ा, जैसे कोई नाव हर लहर के साथ हिल रही हो।"

उपन्यास की संरचना इतनी सुदृढ़ है, और इसमें दिए गए विस्तृत वर्णन और मनोवैज्ञानिक चित्रण इतने प्रभावशाली हैं कि हम कथानक में मौजूद विसंगतियों या कुछ तथ्यों की अविश्वसनीयता को लेकर उठने वाले प्रश्नों को अक्सर सहजता से अनदेखा कर देते हैं। इनमें सबसे उल्लेखनीय है कि चार्ल्स को एम्मा के किसी भी विश्वासघात का कभी संदेह नहीं होता, जब वे दोनों बैठकर पढ़ रहे होते हैं तो उसे खिड़कियों पर रेत के टकराने की आवाज सुनाई नहीं देती, और उसे किसी दखलंदाज का गुमनाम पत्र भी नहीं मिलता। (और अब तक गहरे कर्ज में डूबे चार्ल्स ने एम्मा के तीन ताबूतों का भुगतान कैसे किया?) यदि उपन्यास में समय और स्थान का

चित्रण कुछ आलोचकों के अनुसार "लचीला" है, तो विश्वसनीयता भी वैसी ही है। फिर भी, पढ़ते समय यह बात हमें विचलित नहीं करती—यह लगभग न के बराबर ही ध्यान देने योग्य है। मनोविज्ञान की आवश्यकताएं समय और स्थान की विश्वसनीयता और संगति से अधिक महत्वपूर्ण हैं, और मनोविज्ञान पूरी तरह से विश्वसनीय है।

पहले के मसौदे

फ्लाउबर्ट क्रमिक योजनाओं पर काम करते थे, उनका अनुसरण करते थे और उनमें संशोधन करते थे। वे हर अंश के कई मसौदे लिखते थे, अक्सर उसे पूरी तरह से हटाने से पहले उसे फिर से लिखते और परिपूर्ण करते थे—एक समय उन्होंने अनुमान लगाया था कि उनके पास 120 तैयार पृष्ठ हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए उन्होंने 500 पृष्ठ लिखे थे। (वे काट-छांट करके संशोधन करते थे, जबकि प्रॉस्ट विस्तार करके संशोधन करते थे।) फिर से लिखते समय वे खराब अनुप्रास, ध्वनियों और शब्दों की गलत पुनरावृत्ति (विशेष रूप से qui और que, जिन्हें वे कभी-कभी रेखांकित करते थे और अपने पत्रों में भी इसके लिए माफी मांगते थे) पर विशेष ध्यान देते थे—ज़ोला टिप्पणी करते हैं कि "अक्सर एक ही पत्र उन्हें परेशान कर देता था।"

उन्होंने इन शुरुआती मसौदों को जलाया नहीं, बल्कि हमारे अध्ययन के लिए छोड़ दिया—कुल मिलाकर लगभग 4,500 पृष्ठ, जो रूएन के नगर पुस्तकालय में रखे हैं। ये हमें स्पष्ट रूप से पठनीय रूप में उपलब्ध हैं—यहां तक कि ऑनलाइन भी (http://www.bovary.fr पर)—क्योंकि रूएन विश्वविद्यालय के फ़्लॉबर्ट केंद्र में इवान लेक्लेर्क के निर्देशन में स्वयंसेवकों द्वारा इन्हें प्रतिलेखित किया गया है। इन स्वयंसेवकों ने हर अस्वीकृत दृश्य, हर गलत शुरुआत, हर काटी गई पंक्ति को हूबहू प्रस्तुत किया है। ये मसौदे विद्वानों और अनुवादकों के लिए अमूल्य संसाधन हैं।

फ्लाउबर्ट की गहन काट-छांट के कारण कभी-कभी कोई वाक्य या वाक्यांश छूट जाता था, जिससे पूरा अंश थोड़ा अस्पष्ट या पेचीदा हो जाता था, या फिर किसी (गलत) धारणा की गुंजाइश रह जाती थी। ला वाउबीसार्ड बॉल में महिलाओं के दस्ताने पहने हाथों में पकड़ी छोटी बोतलों में क्या था? एक पुराने मसौदे से पता चलता है कि वह इत्र नहीं, बल्कि सिरका था—जो कहीं अधिक रोचक है, हालांकि अगर हम विवेकशील हैं, तो हम उस जानकारी को पाठ में शामिल नहीं कर सकते।

अन्यत्र, कुछ अन्य पहेलियाँ सुलझ जाती हैं: छात्र जीवन में चार्ल्स दोपहर का भोजन करते समय अपने कमरे की दीवार पर पैर क्यों पटकता था? इसका उत्तर एक पुराने मसौदे में मिलता है: खुद को गर्म रखने के लिए। चर्च में पुआल की चटाइयाँ क्यों बिछाई गई थीं? उपासकों को ठंड से बचाने के लिए। फिर से, हम मूल पाठ में मौजूद जानकारी से अधिक जानकारी नहीं जोड़ेंगे, लेकिन अब हम गलत निष्कर्ष पर भी नहीं पहुँचेंगे।

फ्लाउबर्ट ने किसी दृश्य के एक क्षण पर किस प्रकार पुनर्विचार किया, इसका एक विस्तृत उदाहरण उनके काम को देखने के आकर्षण को दर्शाता है, और वह है एम्मा की कब्र पर चार्ल्स का दृश्य। फ्रांसीसी संस्करण के अंतिम मुद्रित संस्करण को ध्यानपूर्वक पढ़ने से हमें संदेह हो सकता है कि चार्ल्स ने वास्तव में होमेस द्वारा उसे दिया गया शंख नहीं लिया था, भले ही यह मान लेना आसान हो। और यदि हम प्रारंभिक मसौदों को देखकर अपने संदेह की पुष्टि करें, तो हम इस घटना में फ्लाउबर्ट द्वारा परिकल्पित इन क्रमिक परिवर्तनों को देखते हैं: (1) ल्यूरेक्स (होमेस नहीं) चार्ल्स को शंख देता है, वह उसे गिरा देता है; (2) ल्यूरेक्स उसे शंख देता है, वह उसे अस्वीकार कर देता है; (3) होमेस उसे शंख देता है, वह उसे नहीं चाहता। अंतिम मसौदे में, फ्लाउबर्ट ने चार्ल्स की एस्परगिलम के प्रति किसी भी प्रतिक्रिया को हटा दिया है: होमेस ने बस उसे चार्ल्स की ओर बढ़ाया, और चार्ल्स ने न तो स्पष्ट रूप से इसे अस्वीकार किया और न ही इसे लिया, बल्कि वह घुटनों के बल जमीन पर गिर पड़ा और मुट्ठी भर मिट्टी कब्र में फेंकने लगा। यदि हम मूल पाठ के शब्दों पर भरोसा करें और उनका अनुवाद "उसे दिया" के बजाय "उसे आगे बढ़ाया" के रूप में करें, तो हम सही अनुवाद कर लेंगे, लेकिन गलती करना भी आसान होगा।

अनुवाद पर एक टिप्पणी

फ्लाउबर्ट कहते हैं, “गद्य में एक अच्छा वाक्य कविता की एक अच्छी पंक्ति की तरह होना चाहिए, अपरिवर्तनीय, लयबद्ध और मधुर।” इस उच्च मानक के अनुरूप अनुवाद करना कठिन है, शायद असंभव भी। बेशक, कम जटिल शैली के अनुवाद में भी लाखों छोटे-छोटे, बारीक निर्णय लेने पड़ते हैं; कई बार पुनर्विचार करना पड़ता है; एक शब्द या वाक्यांश की दूसरे शब्द या वाक्यांश से कई बार तुलना करनी पड़ती है। मैडम बोवरी के मामले में, इसके पहले से ही कई अनुवाद उपलब्ध हैं—मैंने अंग्रेजी में कम से कम उन्नीस गिने हैं—और यह देखना दिलचस्प है कि पिछले अनुवादकों ने इन निर्णयों को कितनी अलग-अलग तरह से लिया है।

अपने अनुवाद के दूसरे मसौदे में, मैंने दस अन्य अनुवादों को देखा, और अंततः ग्यारहवें, सबसे नए अनुवाद को भी। व्यापक तुलना करते हुए, अर्थ, शब्दावली और संरचना में अच्छे समाधान खोजने का प्रयास करते हुए, मैं उनमें से पाँच या छह को अच्छी तरह से समझने लगा। अनुवादों में पाई जाने वाली व्यापक विविधता, निश्चित रूप से, दो कारकों पर निर्भर करती है: प्रत्येक अनुवादक अभिव्यंजक अंग्रेजी का उपयोग कैसे करता है और प्रत्येक अनुवादक अपने कार्य को कितनी उदारतापूर्वक या संकीर्ण रूप से परिभाषित करता है।

दिलचस्प बात यह है कि फ्लाउबर्ट जैसे लेखक, जो अपनी शैली के प्रति इतने समर्पित थे, उनके मामले में कई अनुवाद उनकी शैली को हूबहू दोहराने की कोशिश नहीं करते, बल्कि इस मनोरंजक कहानी को अपने पसंदीदा तरीके से सुनाते हैं। इसलिए मैडम बोवरी की तलाश में पाठक के पास कई विकल्प मौजूद हैं: जेराल्ड हॉपकिंस

का 1948 का संस्करण, जिसमें लगभग हर वाक्य में अतिरिक्त सामग्री जोड़ी गई है; फ्रांसिस स्टीगमुलर का सुव्यवस्थित और आकर्षक संस्करण, जो फ्लाउबर्ट के संस्करण से कहीं अधिक सहज है, जिसमें वाक्यों का नियमित पुनर्गठन और विवेकपूर्ण ढंग से कुछ अंश हटाए और जोड़े गए हैं (1957); एलेनोर मार्क्स एवेलिंग (1886) का वह संस्करण जो शाब्दिक और कभी-कभी गलत भी है, जिसके लिए नाबोकोव ने अपनी हाशिये की टिप्पणियों में काफी नाराजगी व्यक्त की थी, लेकिन उपन्यास पढ़ाते समय उन्होंने इसी संस्करण का सहारा लिया; पॉल डी मैन (या, अफवाह है, उनकी अज्ञात पत्नी) द्वारा संशोधित (हमेशा संतोषजनक नहीं) वह संस्करण, जिन्होंने उदाहरण के लिए इटैलिक अक्षरों को छोड़ दिया। मैडम बोवरी का एक संस्करण है जिसमें उन अनावश्यक अर्धविरामों की संख्या कम है, लगातार "और" का प्रयोग किया गया है, और अतिरिक्त रूपक जोड़े गए हैं। एक संस्करण ऐसा भी है जिसमें चार्ल्स को अंतिम पृष्ठ पर रोते हुए दिखाया गया है, और एक अन्य संस्करण में, अपनी पहली पत्नी की मृत्यु पर उसे "बेचारा!" कहते हुए दिखाया गया है। यहाँ तक कि फ्लाउबर्ट का वह संस्करण भी है जिसमें वे अनैच्छिक पुनरावृत्तियाँ शामिल हैं जिन्हें वे बहुत नापसंद करते थे।

शायद फ्लाउबर्ट गलत थे जब उन्होंने यह माना कि पुस्तक की सफलता पूरी तरह से उसकी शैली पर निर्भर करेगी—क्योंकि वर्षों से उनके कई अनुवादकों ने ऐसे मार्मिक संस्करण तैयार किए हैं जो उनकी शैली को हूबहू नहीं उतार पाते। फिर भी, जब ज़ोला ने टिप्पणी की कि पुस्तक में शैली से कहीं अधिक कुछ है, तो उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी, बल्कि क्रोधित हो गए।

यह ध्यान देने योग्य है कि गद्य की कुछ विशेषताओं के प्रति फ्लाउबर्ट अत्यंत सावधानी बरतते थे, जबकि अन्य विशेषताओं, विशेषकर सर्वनामों के संदर्भ और बड़े अक्षरों के प्रयोग के प्रति वे काफी लापरवाह थे। जहाँ अस्पष्ट सर्वनाम संदर्भ पूरी तरह से भ्रामक नहीं हैं, उन्हें उनके लिखे अनुसार ही रखा गया है। बड़े अक्षरों के प्रयोग में उनकी असंगति (जैसे "Square" और "square" के बार-बार प्रयोग में) को भी मैंने वैसे ही रखा है। यह असंगति स्पष्ट रूप से किसी संपादकीय चूक का परिणाम नहीं थी, क्योंकि मूल फ्रांसीसी पाठ के कई संस्करणों का अलग-अलग लेखकों द्वारा संपादन किया गया था और उनमें यह असंगति बनी रही, यहाँ तक कि 1971 के सबसे प्रामाणिक गोथोट-मर्स संस्करण में भी। जाहिर है, या तो फ्लाउबर्ट को इसकी परवाह नहीं थी, जैसा कि प्रॉस्ट का मानना था कि उन्हें कुछ सर्वनाम संदर्भों की परवाह ही नहीं थी, या शायद अधिक संभावना यह है कि उन्होंने सहज रूप से, बिना सोचे-समझे बड़े अक्षरों का प्रयोग किया। किसी भी स्थिति में, चूंकि यह फ्रांसीसी पाठक के अनुभव का हिस्सा है, इसलिए मैंने इसे यथावत रखा है।

फ्लोबर्ट नियमित रूप से ऐसे वाक्य लिखते थे जिनमें अल्पविराम का प्रयोग होता था, जिसमें वाक्यों को एक श्रृंखला में पिरोया जाता था, केवल अल्पविराम से अलग किया जाता था और कोई संयोजक नहीं होता था।

इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण उपन्यास के अंत के पास स्थित सबसे छोटे वाक्यों में से एक है: "रात ढल रही थी, कौवे ऊपर उड़ रहे थे।" इस रचना का एक प्रभाव यह है कि प्रत्येक वाक्य को समान महत्व और मूल्य मिलता है। दूसरा प्रभाव यह है कि कभी-कभी यह क्रिया को गति देता है, पाठकों के रूप में हमारे विचारों को समय या विषयवस्तु के माध्यम से आगे बढ़ाता है, जिससे वाक्य के अंत में पूर्णविराम भी एक क्षणिक विराम जैसा लगता है। फिर भी, कभी-कभी यह रचना एक सूक्ष्म तथ्यात्मकता के संकेत से गीतात्मक या नाटकीय विषयवस्तु को संतुलित करती है। फ्लोबर्ट की यह आदत मैंने बनाए रखने का निर्णय लिया है।

एक आखिरी बात: उपन्यास की शुरुआत में एक वाक्य है जिसे शायद पूरी तरह से समानांतर संरचना से सुधारने की आवश्यकता है: "वह शांत स्वभाव का लड़का था, जो अवकाश में खेलता था, अध्ययन कक्ष में काम करता था, कक्षा में ध्यान से सुनता था, छात्रावास में अच्छी नींद लेता था और भोजन कक्ष में अच्छा खाना खाता था।" फिर से, यह असंतुलन फ्रेंच में जैसा है वैसा ही छोड़ दिया गया है।

अंत में दिए गए नोट्स पर एक टिप्पणी

इस पुस्तक के अंत में दिए गए नोट्स यथासंभव विस्तृत और व्यापक हैं। ये नोट्स केवल उन रहस्यमय संदर्भों की व्याख्या तक ही सीमित नहीं हैं, जिन पर शोध करना कठिन होगा, जैसे कि "पुल्वरमाकर जलविद्युत बेल्ट" और होमेस के उपचार, बल्कि ऐतिहासिक संदर्भों, जैसे कि राजा हेनरी चतुर्थ, "द बेर्नैस" का स्पष्टीकरण भी देते हैं। व्यापकता को प्राथमिकता देते हुए, ये नोट्स घरेलू वस्तुओं, जैसे कि कपड़े और गाड़ियों के प्रकार, चिकित्सा पद्धतियों, जैसे कि रक्तस्राव, विशिष्ट सामाजिक संकेतों, जैसे कि फैशनेबल लोगों द्वारा पहने जाने वाले पीले दस्ताने, आदि को भी परिभाषित करते हैं। इनमें से अधिकांश नोट्स उस समय की रीति-रिवाजों और संस्कृति में गहराई से समाहित असंख्य चीजों की पहचान करने के लिए हैं, जिनमें उपन्यास की पृष्ठभूमि निहित है, और जो इसके प्रकाशन के समय पाठकों के लिए स्वतः स्पष्ट रही होंगी। फ्लाउबर्ट ने इस सावधानीपूर्वक संपादित उपन्यास में क्या शामिल किया जाए और क्या छोड़ा जाए, इस पर बहुत सोच-विचार किया था, इसलिए हम मान सकते हैं कि उनके पास कैम्ब्रिक, बेरेगे और ट्विल, या लैंडौ, बर्लिन और टिलबरी जैसे शब्दों का विशेष रूप से उल्लेख करने का कोई ठोस कारण रहा होगा, और शायद उन्हें इनका उल्लेख करने में आनंद भी आया होगा; अतः हमें शायद इन्हें समझने का प्रयास करना चाहिए। इसी प्रकार, व्हिस्ट और ट्रेंट एट उन जैसे खेल या सड़क पर दिखने वाली आम चीजें, जैसे कि पत्थर के स्तंभ—कभी सुरक्षा पत्थर, कभी मील के पत्थर या सीमा चिन्ह—इक्कीसवीं सदी के पाठक के लिए पूरी तरह से अस्पष्ट नहीं होने चाहिए। इसलिए पाठक से अनुरोध है कि वह उन मामलों में क्षमा करें जहां आवश्यकता से अधिक स्पष्टीकरण दिया गया है: यदि आपका पालन-पोषण कैथोलिक धर्म में हुआ है, तो आप घुटने टेकने का अर्थ भली-भांति जानते होंगे; यदि नहीं, तो शायद नहीं।

ये नोट्स "अस्पष्ट" रूप में दिए गए हैं—अर्थात्, पाठ के पृष्ठों पर कोई निशान नहीं हैं—ताकि पाठक और उपन्यास के अनुभव में कोई बाधा न आए। इससे पुस्तक का आनंद निर्बाध रूप से लिया जा सकेगा, लेकिन यदि अतिरिक्त पृष्ठभूमि जानकारी चाहिए, तो वह उपलब्ध है।

आगे पढ़ने के लिए सुझाव

बार्न्स, जूलियन। फ्लाउबर्ट का तोता। न्यूयॉर्क: अल्फ्रेड ए. नोपफ, 1985।

ब्रोम्बर्ट, विक्टर। फ्लाउबर्ट के उपन्यास: विषय और तकनीक का अध्ययन। प्रिंसटन: प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस, 1966।

ब्राउन, फ्रेडरिक। फ्लाउबर्ट: एक जीवनी। न्यूयॉर्क: लिटिल, ब्राउन, 2006।

फ्लाउबर्ट, गुस्ताव। बौवार्ड और पेकुचेत, अनुवादक: मार्क पोलिज़ोटी। स्वीकृत विचारों का शब्दकोश शामिल है। शैम्पेन, इलिनोइस: डाल्की आर्काइव प्रेस, 2005।

———. पत्राचार II (जुलाई 1851-दिसंबर 1858), संस्करण। जीन ब्रूनो. पेरिस: एडिशन गैलिमार्ड (एडिशन डे ला प्लीएड), 1980।

गुस्ताव फ्लाउबर्ट के पत्र 1830-1857, फ्रांसिस स्टीगमुलर द्वारा चयनित, संपादित और अनुवादित। कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1979, 1980।

———. मैडम बोवरी: मोअर्स डे प्रोविंस। पेरिस: एडिशन्स गार्नियर फ्रेरेस, 1971। क्लाउडीन गोथोट-मर्स द्वारा संपादित। इस प्रस्तावना की कुछ सामग्री मैडम गोथोट-मर्स की प्रस्तावना में उपन्यास की समृद्ध और व्यापक चर्चा के जवाब में विकसित की गई है, जो स्वयं पूर्व के आलोचनात्मक कार्यों पर आधारित है।

———. एक भावुक शिक्षा, अनुवादक: रॉबर्ट बाल्डिक। न्यूयॉर्क: पेंगुइन बुक्स, 1964। अन्य अंग्रेजी अनुवाद भी उपलब्ध हैं।

गोनकोर्ट, एडमंड डी, और जूल्स डी गोनकोर्ट। गोनकोर्ट जर्नल्स के पृष्ठ, अनुवादक: रॉबर्ट बाल्डिक। न्यूयॉर्क: न्यूयॉर्क रिव्यू ऑफ बुक्स, 2007।

जेम्स, हेनरी। "गुस्ताव फ्लाउबर्ट" इन नोट्स ऑन नॉवेलिस्ट्स, विद सम अदर नोट्स। न्यूयॉर्क: चार्ल्स स्क्रिबनर्स संस, 1914।

लॉटमैन, हर्बर्ट। फ्लाउबर्ट: एक जीवनी। बोस्टन: लिटिल, ब्राउन, 1989।

मराइनी, डेशिया। एम्मा की खोज: गुस्ताव फ्लाउबर्ट और मैडम बोवरी, अनुवादक: विंसेंट जे. बर्टोलिनी। शिकागो: यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस, 1998।

नाबोकोव, व्लादिमीर। साहित्य पर व्याख्यान, संपादक: फ्रेडसन बोवर्स। न्यूयॉर्क: हारकोर्ट ब्रेस जोवानोविच, 1980।

प्राउस्ट, मार्सेल. 1 जनवरी, 1920 को ला नोवेल रिव्यू फ़्रैन्काइज़ में "मार्सेल प्राउस्ट फ़्लौबर्ट को उद्घाटित करता है"।

स्टीगमुलर, फ्रांसिस। फ्लाउबर्ट और मैडम बोवरी: एक दोहरा चित्र। न्यूयॉर्क: फर्रार, स्ट्रॉस एंड गिरौक्स, 1939, 1966।

थर्लवेल, एडम. मिस हर्बर्ट. लंदन: जोनाथन केप, 2007.

वर्गास ल्लोसा, मारियो। द पर्पेचुअल ओर्गी: फ्लाउबर्ट और मैडम बोवरी, अनुवादक: हेलेन लेन। न्यूयॉर्क: फर्रार, स्ट्रॉस एंड गिरौक्स, 1986।

वुड, जेम्स। हाउ फिक्शन वर्क्स। न्यूयॉर्क: फर्रार, स्ट्रॉस एंड गिरौक्स, 2008।

ज़ोला, एमिल. लेस रोमान्सिएर्स नेचरिस्ट्स (1881) में "गुस्ताव फ्लेबर्ट"। Oeuvres में पूरा होता है. पेरिस: एफ. बर्नौर्ड, 1928।

कालक्रम

12 दिसंबर 1821: रूएन के होटल-डियू में गुस्ताव फ्लाउबर्ट का जन्म हुआ; उनके पिता अस्पताल के प्रमुख ("मुख्य सर्जन") थे। उनके भाई, अकिले, आठ वर्ष के थे।

1824 में उनकी बहन कैरोलिन फ्लाउबर्ट का जन्म हुआ, जो आगे चलकर उनकी घनिष्ठ मित्र बनीं।

1825 में चार्ल्स X का राज्याभिषेक हुआ, जो एक अलोकप्रिय, प्रतिक्रियावादी और दमनकारी सम्राट था।

1830 में जुलाई क्रांति हुई, जिसने पुनर्स्थापना काल का अंत किया; असंतुष्ट उच्च पूंजीपति वर्ग और उदारवादी पत्रकारों के समर्थन से लुई-फिलिप फ्रांस के सिंहासन पर आसीन हुए। उनका शासनकाल, जिसे "जुलाई राजतंत्र" कहा जाता है, 1848 तक चला; इसके अंत में अल्जीरिया पर विजय प्राप्त की गई। 1848 की फरवरी क्रांति के बाद, उन्होंने सिंहासन त्याग दिया और इंग्लैंड भाग गए, जहाँ उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें उनके बुर्जुआ तौर-तरीकों और पहनावे के कारण "नागरिक राजा" के रूप में जाना जाता है।

फ्लाउबर्ट आठ साल का है।

1831 में फ्लाउबर्ट ने कॉर्निल की प्रशंसा में रचित 'एलोज डे कॉर्निल' (Éloge de Corneille) जैसी असाधारण रूप से प्रभावशाली रचनाएँ लिखीं, साथ ही घर पर प्रदर्शित कई नाट्य रचनाएँ भी लिखीं।

1832 में फ्लाउबर्ट ने कॉलेज रॉयल में दाखिला लिया, और जल्द ही बोर्डिंग छात्र बन गए। उन्होंने डॉन क्विक्सोट को पढ़ा और उसकी प्रशंसा की।

1834 में लुई बौइल्हेट के साथ उनकी मित्रता शुरू हुई।

1836 में उन्होंने कई कहानियाँ लिखीं। ट्रौविल में उनकी मुलाकात उस महिला से हुई जिससे उन्हें जीवन भर प्रेम रहा, हालाँकि यह प्रेम शायद कभी पूर्ण नहीं हुआ: एलिसा फौको, जो उनसे दस साल बड़ी थीं और जल्द ही मौरिस श्लेसिंगर से शादी करने वाली थीं। संभवतः वही 'एल'एजुकेशन सेंटीमेंटेल' (एक भावुक शिक्षा) की नायिका का आधार थीं।

1837 में प्रकाशित अन्य रचनाएँ, जिनमें "पैशन एट वर्चु" (जुनून और सद्गुण) भी शामिल है, जो मैडम बोवरी का एक स्रोत है। पहली बार प्रकाशित।

1838 में उन्होंने “मेमोइर्स डी’उन फौ” (एक पागल के संस्मरण) नामक आत्मकथात्मक रचना लिखी।

1840 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। पारिवारिक मित्र डॉ. क्लोकेट के साथ पाइरेनीज़, मार्सिले और कोर्सिका की यात्रा की।

1841 में उन्होंने पेरिस में कानून के छात्र के रूप में पंजीकरण कराया, जबकि वे अपने घर पर ही रहते रहे।

1842 में उन्होंने अपनी दूसरी आत्मकथात्मक रचना, नोवेम्ब्रे (नवंबर) लिखी। वे पेरिस चले गए। दिसंबर में उन्होंने अपनी पहली बार परीक्षा उत्तीर्ण की।

1843 में मैक्सिम डू कैम्प से दोस्ती हुई। दूसरी बार परीक्षा में असफल रहे। 'एल'एजुकेशन सेंटीमेंटेल' का पहला संस्करण लिखना शुरू किया। एक मूर्तिकार की पत्नी लुईस प्रैडियर के सैलून में अक्सर जाते थे; उनके जीवन के कुछ पहलुओं से मैडम बोवरी की रचना के लिए प्रेरणा मिली।

1844 में दौरे के दौरान गाड़ी से गिर गए, जिससे एक बीमारी के पहले लक्षण दिखाई दिए जो संभवतः मिर्गी का एक रूप था। उन्होंने कानून की पढ़ाई हमेशा के लिए छोड़ दी। परिवार ने क्रोइसेट में एक घर खरीदा और वहां रहने चले गए।

1845 में उन्होंने 'एल'एजुकेशन सेंटीमेंटेल' का पहला संस्करण पूरा किया। वे और उनका परिवार अपनी बहन कैरोलिन के साथ इटली में हनीमून मनाने गए। जेनोआ में उन्होंने पीटर ब्रूगेल द यंगर द्वारा बनाई गई पेंटिंग 'द टेम्प्टेशन ऑफ सेंट एंथोनी' देखी और उससे बेहद प्रभावित हुए।

1846 में उनके पिता और फिर बहन की मृत्यु हो गई। वे अपनी माँ और भतीजी कैरोलीन के साथ क्रोइसेट में बस गए, जिनके पालन-पोषण में उन्होंने मदद की। पेरिस की यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात लुईस कोलेट से हुई, जो उनकी प्रेमिका बन गईं।

1847 में डू कैम्प के साथ ब्रिटनी की यात्रा, जिसका विवरण उन्होंने 'पार लेस चैम्प्स एट पार लेस ग्रेव्स' (खेतों और तटों के किनारे) शीर्षक से लिखा।

1848 की फरवरी क्रांति; जुलाई राजशाही का अंत, लुई-फिलिप का पदत्याग। फ्लाउबर्ट ने लुई बौइल्हेट और मैक्सिम डू कैम्प के साथ "फरवरी के दिनों" को देखा। इन दृश्यों की यादें बाद में 'ल'एजुकेशन सेंटीमेंटेल' के एक संस्करण के लिए सामग्री प्रदान करेंगी। लुईस कोलेट के साथ पहला झगड़ा। 'ला टेंटेशन डे सेंट एंटोइन' (संत एंथोनी का प्रलोभन) की रचना शुरू हुई।

1849 में उन्होंने सेंट एंटोइन को बुइल्हेट और डू कैम्प को जोर से पढ़कर सुनाया, जिन्हें यह पसंद नहीं आया। डू कैम्प के साथ पूर्व की ओर प्रस्थान।

1850 में मिस्र, बेरूत, यरूशलेम, कॉन्स्टेंटिनोपल और ग्रीस की यात्राएँ।

1851 में ग्रीस और इटली की यात्रा की। क्रोइसेट लौटकर 19 सितंबर को मैडम बोवरी लिखना शुरू किया।

1854 लुईस कोलेट के साथ अंतिम सौहार्दपूर्ण पत्राचार। रिश्ता समाप्त।

1856 में मार्च में मैडम बोवरी लिखना समाप्त किया। उपन्यास का प्रकाशन ला रिव्यू डे पेरिस में छह किस्तों में 1 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक हुआ। सेंट एंटोनी पर काम फिर से शुरू किया।

1857 में, सार्वजनिक नैतिकता और धर्म के विरुद्ध अपराधों के आरोप में फ्लाउबर्ट और रेव्यू के संपादकों पर एक दिवसीय मुकदमा चला। एक सप्ताह बाद उन्हें बरी कर दिया गया। अप्रैल में मिशेल लेवी द्वारा मैडम बोवरी का पुस्तक रूप में प्रकाशन हुआ। उन्होंने अपने अनोखे ऐतिहासिक उपन्यास, सलामम्बो की शुरुआत की।

1858 में सलामम्बो पर शोध करने के लिए कार्थेज और ट्यूनीशिया का दौरा किया।

1859-62 के दौरान उन्होंने 'सलामम्बो' लिखा। वे अक्सर पेरिस जाते थे। 'सलामम्बो' नवंबर 1862 में प्रकाशित हुआ।

1863 में जॉर्ज सैंड के साथ पत्राचार शुरू हुआ; इवान तुर्गेनेव से मुलाकात हुई।

1864-69 भावनात्मक शिक्षा पर रचनाएँ। सामाजिक जीवन में राजकुमारी मैथिल्डे, राजकुमार नेपोलियन, गोनकोर्ट बंधुओं, जॉर्ज सैंड, इवान तुर्गेनेव शामिल हैं।

1866 में उन्हें लीजन ऑफ ऑनर का शेवेलियर नामित किया गया।

1869 में बौइल्हेट की मृत्यु हुई। 'भावनात्मक शिक्षा' का प्रकाशन हुआ।

1870 में सेंट एंटोइन के तीसरे संस्करण की शुरुआत हुई। फ्रांको-प्रशिया युद्ध शुरू हुआ। गार्ड नेशनेल में लेफ्टिनेंट बने। नवंबर में प्रशियाई सेना ने क्रोइसेट में डेरा डाला।

1871 पेरिस में विद्रोह। देखता है, सामाजिक रूप से, विक्टर ह्यूगो, थियोफाइल गौटियर, अल्फोंस डौडेट, गाइ डे मौपासेंट, एमिल ज़ोला।

1872 में फ्लाउबर्ट की माता का निधन हुआ। ला टेंटेशन डे सेंट एंटोइन (तीसरा संस्करण) का समापन हुआ।

1873 में डी मौपासांत के साथ बढ़ती मित्रता।

1874 में 'द टेम्प्टेशन ऑफ सेंट एंथोनी' का प्रकाशन हुआ। फ्लाउबर्ट ने 'बुवार्ड एंड पेकुचेत' लिखना शुरू करने की तैयारी की।

1875 में, अपनी भतीजी कैरोलिन और उसके पति को आर्थिक तंगी से बाहर निकालने के लिए, फ्लाउबर्ट ने अपना सारा जीवन बर्बाद कर दिया: उन्हें जीवन भर तंगहाली में जीना पड़ा। उन्होंने "ला लेजेंड डे सेंट जूलियन हॉस्पिटेलियर" (संत जूलियन हॉस्पिटेलर की कथा) नामक कहानी लिखना शुरू किया।

1876 में “सेंट जूलियन” की रचना पूरी की, “अन कोउर सिंपल” (एक सरल हृदय) लिखा और “हेरोडियास” लिखना शुरू किया। लुईस कोलेट का निधन। जॉर्ज सैंड का निधन।

1877 में ट्रोइस कॉन्टेस (तीन कहानियां) का प्रकाशन हुआ। फ्लाउबर्ट ने बुवार्ड एट पेकुचेत पर काम करना फिर से शुरू किया, जो उनकी मृत्यु के समय अधूरा ही रह गया।

1879 में उन्हें तीन हजार फ्रैंक प्रति वर्ष वेतन वाला एक मानद पद प्रदान किया गया, जिससे उनका गुजारा चलता है।

8 मई 1880 को, फ्लाउबर्ट की 58 वर्ष की आयु में मस्तिष्क रक्तस्राव से मृत्यु हो गई।

1881 डिक्शननेयर डेस आइडीज़ रिक्यूज़ (स्वीकृत विचारों का शब्दकोश) के साथ अधूरे बौवार्ड एट पेकुचेट का प्रकाशन।

को

मैरी-एंटोइन-जूल्स सेनाड

पेरिस बार के सदस्य

राष्ट्रीय सभा के पूर्व अध्यक्ष

और पूर्व गृह मंत्री

मेरे प्रिय और प्रख्यात मित्र,

मुझे इस पुस्तक के प्रारंभ में, समर्पण से पहले ही, आपका नाम अंकित करने की अनुमति दें; क्योंकि इसका प्रकाशन मुख्य रूप से आपके कारण ही संभव हो पाया है। मेरे मामले की आपकी उत्कृष्ट प्रस्तुति में आपके नाम के समावेश से मेरी इस रचना को एक अप्रत्याशित महत्व प्राप्त हुआ है। अतः, मेरी कृतज्ञता की इस श्रद्धांजलि को स्वीकार कीजिए, जो चाहे कितनी भी महान क्यों न हो, आपकी वाक्पटुता और समर्पण की ऊँचाई तक कभी नहीं पहुँच पाएगी।

पेरिस, 12 अप्रैल, 1857 गुस्ताव फ्लाउबर्ट

लुई बाउल्हेट को

भाग 1

[1]

हम अध्ययन कक्ष में थे, तभी प्रधानाध्यापक अंदर आए। उनके पीछे सामान्य कपड़ों में एक नया लड़का और एक बड़ा डेस्क लिए हुए एक स्कूल का नौकर था। जो लोग सो रहे थे, वे जाग गए और सब ऐसे उठ खड़े हुए मानो काम करते-करते अचानक किसी घटना से चौंक गए हों।

प्रधानाध्यापक ने हमें दोबारा बैठने का इशारा किया; फिर अध्ययन कक्ष के शिक्षक की ओर मुड़ते हुए:

"महाशय रोजर," उसने धीमी आवाज़ में उससे कहा, "यह एक छात्र है जिसे मैं आपकी देखरेख में सौंप रहा हूँ; वह पाँचवीं कक्षा में प्रवेश कर रहा है। यदि उसका काम और आचरण सराहनीय रहा, तो उसे उसकी उम्र के अनुसार वरिष्ठ कक्षाओं में पदोन्नत कर दिया जाएगा।"

दरवाजे के पीछे कोने में खड़ा, जिसे मुश्किल से देखा जा सकता था, वह नया लड़का गाँव का रहने वाला था, लगभग पंद्रह साल का, और हम सब से लंबा था। उसके बाल माथे पर सीधे कटे हुए थे, जैसे किसी गाँव के गायक के होते हैं, उसका व्यवहार सजग और बहुत असहज था। हालाँकि उसके कंधे चौड़े नहीं थे, फिर भी काले बटनों वाली हरे कपड़े की उसकी सूट जैकेट उसकी बगलों में चुभ रही होगी, और उसकी कलाईयों के छेदों से उसकी लाल कलाइयाँ दिख रही थीं, जो नंगे रहने की आदी थीं। नीली मोज़ों में उसकी टांगें पीले रंग की पैंट से बाहर निकली हुई थीं, जिसे उसने सस्पेंडर्स से कसकर खींचा हुआ था। उसने मोटे, बेजान, कीलों से जड़े जूते पहने हुए थे।

हमने अपने पाठ पढ़ना शुरू किया। वह पूरी एकाग्रता से उन्हें सुन रहा था, मानो किसी उपदेश को सुन रहा हो, यहाँ तक कि अपने पैर भी नहीं मोड़ रहा था और न ही कोहनी पर सहारा ले रहा था। दो बजे जब घंटी बजी, तो शिक्षक को उसे सचेत करना पड़ा ताकि वह हमारे साथ पंक्ति में लग जाए।

कक्षा में प्रवेश करते समय हमारी आदत थी कि हम अपनी टोपियाँ फर्श पर फेंक देते थे ताकि हमारे हाथ खाली रहें; दरवाजे की चौखट से, हमें उन्हें बेंच के नीचे इस तरह फेंकना पड़ता था कि वे दीवार से टकराकर बहुत सारी धूल उड़ा दें; यही करना चलन में था।

लेकिन या तो उसने इस चाल पर ध्यान नहीं दिया था या फिर उसमें शामिल होने की हिम्मत नहीं की थी, प्रार्थना समाप्त होने के बाद भी नया लड़का अपनी टोपी घुटनों पर रखे बैठा था। यह एक मिश्रित प्रकार की टोपी थी, जिसमें बसबी, लांसर की टोपी, बॉलर हैट, ऊदबिलाव की खाल की टोपी और सूती नाइट कैप के अंश पहचाने जा सकते थे; वास्तव में, यह उन दयनीय वस्तुओं में से एक थी, जिसकी मूक कुरूपता में भावों की गहराई छिपी थी, जैसे किसी मंदबुद्धि व्यक्ति का चेहरा। अंडाकार और व्हेल की हड्डियों से कड़क की गई, इसकी शुरुआत तीन गोलाकार सॉसेज से होती थी; फिर एक लाल पट्टी से अलग होकर, बारी-बारी से मखमल और

खरगोश के फर के हीरे के आकार के टुकड़े थे; इसके बाद एक थैली जैसी संरचना थी जो गत्ते से बने एक बहुभुज में समाप्त होती थी, जिस पर जटिल कढ़ाई की गई थी, और जिसके अंत में एक लंबी, अत्यधिक पतली डोरी से सोने के धागों का एक छोटा सा क्रॉसपीस लटक रहा था, जो एक लटकन का काम कर रहा था। यह नई थी; इसका विज़र चमक रहा था।

शिक्षक ने कहा, "खड़े हो जाओ।"

वह खड़ा हुआ; उसकी टोपी गिर गई। पूरी कक्षा हंसने लगी।

वह उसे उठाने के लिए झुका। उसके बगल में खड़े एक लड़के ने कोहनी से धक्का देकर उसे फिर से गिरा दिया; उसने उसे दोबारा उठा लिया।

"अपना वो हेलमेट उतार दो," मजाकिया स्वभाव वाले शिक्षक ने कहा।

कक्षा में ज़ोरदार हंसी की आवाज़ गूंजी, जिससे बेचारा लड़का इतना परेशान हो गया कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह अपनी टोपी हाथ में रखे, ज़मीन पर छोड़ दे या सिर पर पहन ले। आखिरकार वह बैठ गया और टोपी को अपने घुटनों पर रख लिया।

शिक्षक ने कहा, "खड़े हो जाओ और अपना नाम बताओ।"

हकलाते हुए, नए लड़के ने एक अस्पष्ट नाम का उच्चारण किया।

"दोबारा!"

कक्षा के शोरगुल में दबी हुई वही अस्पष्ट ध्वनि सुनाई दी।

“ज़ोर से बोलो!” शिक्षक चिल्लाया। “ज़ोर से बोलो!”

उस नए लड़के ने, अत्यंत दृढ़ संकल्प जुटाते हुए, अपना मुंह बहुत बड़ा करके जोर-जोर से चिल्लाया, मानो वह किसी को पुकार रहा हो, और उसने चारबोवारी शब्द का उच्चारण किया।

अब अचानक एक ज़ोरदार कोलाहल मच गया, जो धीरे-धीरे बढ़ता गया, तीखी आवाज़ों के विस्फोटों के साथ (वे चिल्ला रहे थे, भौंक रहे थे, पैर पटक रहे थे, बार-बार दोहरा रहे थे: चारबोवारी! चारबोवारी!), फिर रुक-रुक कर जारी रहा, बड़ी मुश्किल से शांत हुआ और कभी-कभी अचानक एक बेंच के किनारे से फिर से शुरू हो गया, जहाँ से बीच-बीच में एक दबी हुई हंसी फिर से सुनाई देने लगती, जैसे कोई आधा जला हुआ पटाखा।

हालांकि, दंडों की बौछार के बीच धीरे-धीरे कक्षा में व्यवस्था बहाल हुई, और शिक्षक ने चार्ल्स बोवरी का नाम, जो उसे बोलकर लिखवाया गया था, और पढ़कर सुनाया गया था, समझ लिया और तुरंत उस बेचारे को मंच के नीचे बनी मूर्खों की बेंच पर बैठने का आदेश दिया। वह चलने लगा, लेकिन जाने से पहले हिचकिचाया।

“आप क्या ढूंढ रहे हैं?” शिक्षक ने पूछा।

“मेरा क…,” नए लड़के ने झिझकते हुए कहा और अपने चारों ओर बेचैन निगाहें घुमाईं।

“पूरी कक्षा के लिए पाँच सौ पंक्तियाँ!” गुस्से से भरी इस उद्गार ने, मानो Quos ego के अचानक आए तूफान को शांत कर दिया। “अब चुप रहो!” नाराज़ शिक्षक ने अपनी टोपी के अंदर से निकाले रुमाल से अपना माथा पोंछते हुए कहा। “और तुम, नए लड़के, मेरे लिए क्रिया ridiculus sum को बीस बार लिखो।”

फिर, और भी धीरे से:

“चलो अब! तुम्हें तुम्हारी टोपी मिल जाएगी; वह चोरी नहीं हुई है!”

फिर से सब शांत हो गया। सिर थैलों पर झुके हुए थे, और दो घंटे तक नए लड़के का व्यवहार अनुकरणीय बना रहा, हालांकि बीच-बीच में कलम की नोक से निकली कागज की एक छोटी सी गोली उसके चेहरे पर छिटक जाती थी। लेकिन वह अपने हाथ से खुद को पोंछ लेता और आंखें झुकाए स्थिर बैठा रहता।

उस शाम, अध्ययन कक्ष में, उन्होंने अपनी मेज से अपने कफ़ गार्ड निकाले, अपनी छोटी-छोटी चीज़ें व्यवस्थित कीं और कागज़ पर सावधानीपूर्वक रेखाएँ खींचीं। हमने उन्हें लगन से काम करते देखा, वे शब्दकोश में सभी शब्दों का अर्थ देख रहे थे और बड़ी मेहनत कर रहे थे। निस्संदेह, उनकी इसी लगन के कारण उन्हें निचली कक्षा में नहीं जाना पड़ा; क्योंकि यद्यपि उन्हें नियम ठीक-ठाक आते थे, फिर भी उनकी वाक्य रचना में कोई शालीनता नहीं थी। उनके गाँव के पादरी ने ही उन्हें लैटिन भाषा सिखाना शुरू किया था, उनके माता-पिता ने आर्थिक कारणों से उन्हें स्कूल भेजने में यथासंभव देरी की थी।

उनके पिता, महाशय चार्ल्स-डेनिस-बार्थोलोमे बोवरी, जो पूर्व सहायक सेना सर्जन थे, लगभग 1812 में अनिवार्य सैन्य सेवा से संबंधित किसी मामले में समझौता करने के कारण सेना छोड़ने के लिए मजबूर हो गए थे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत गुणों का लाभ उठाकर साठ हजार फ़्रैंक का दहेज प्राप्त किया, जो एक मोज़े बनाने वाले की बेटी के रूप में आया था, जो उनके आकर्षक रूप पर मोहित हो गई थी। एक सुंदर, अभिमानी व्यक्ति, जो अपने स्पर्स को ज़ोर से झनझनाता था, मूंछों से मिलती हुई साइड-व्हिस्कर्स रखता था, उंगलियों में हमेशा अंगूठियां सजी रहती थीं, और भड़कीले रंगों के कपड़े पहनता था, वह एक वीर सैनिक के रूप में दिखाई देता था, साथ ही एक यात्रा करने वाले विक्रेता के सहज उत्साह से भी भरपूर था। शादी के बाद, वह दो-तीन साल तक अपनी पत्नी की संपत्ति पर निर्भर रहा, अच्छा खाना खाता था, देर से उठता था, बड़े चीनी मिट्टी के पाइप पीता था, रात में केवल थिएटर के बाद घर आता था, और कैफे में समय बिताता था। ससुर की मृत्यु हो गई और उन्होंने बहुत कम संपत्ति छोड़ी; इस बात से वह नाराज़ हुआ, उसने विनिर्माण का काम शुरू किया, उसमें कुछ पैसा गंवाया, फिर वह गाँव लौट गया, जहाँ उसने खेती करने का इरादा किया। लेकिन चूंकि उसे खेती की उतनी ही समझ थी जितनी कि चिंट्ज़ की, चूंकि वह घोड़ों को हल चलाने के बजाय उन पर सवारी करता था, अपनी साइडर को

बैरल में बेचने के बजाय बोतल से पीता था, अपने आँगन में सबसे बढ़िया मुर्गी खाता था और अपने शिकार के जूतों पर अपने सूअरों की चर्बी लगाता था, इसलिए उसे जल्द ही एहसास हो गया कि सभी वित्तीय उद्यमों को छोड़ देना ही बेहतर होगा।

इसलिए, दो सौ फ्रैंक प्रति वर्ष के किराए पर, उन्होंने कॉक्स क्षेत्र और पिकार्डी की सीमाओं पर स्थित एक गाँव में एक ऐसा आवास पाया जो आधा खेत और आधा एक सज्जन का निवास था; और वहाँ, उदास, पछतावे से ग्रस्त, ईश्वर पर दोषारोपण करते हुए, पूरी दुनिया से ईर्ष्या करते हुए, उन्होंने पैंतालीस वर्ष की आयु में स्वयं को एकांत में बंद कर लिया, उन्होंने कहा कि वे पुरुषों से निराश हो चुके थे और शांति से रहने का निश्चय कर लिया था।

एक समय उनकी पत्नी उनसे बेइंतहा प्यार करती थीं; उन्होंने अनगिनत दासतापूर्ण देखभाल से उन्हें इतना मोहित कर लिया था कि वे उनसे और भी दूर हो गए थे। कभी जीवंत, उदार और दिल से स्नेहशील रहीं, उम्र बढ़ने के साथ-साथ (जैसे बासी शराब सिरके में बदल जाती है) उनका स्वभाव चिड़चिड़ा, कर्कश और घबराहटशील हो गया था। उन्होंने बहुत कुछ सहा, पहले तो बिना शिकायत किए, जब उन्होंने देखा कि वे गाँव की हर वेश्या के पीछे भागते हैं और जब कई नीच जगहों से उन्हें रात में नशे में धुत और बदबूदार हालत में वापस भेजा जाता था! फिर उनके स्वाभिमान ने विद्रोह कर दिया। वे चुप हो गईं, अपने गुस्से को मौन धैर्य में दबा लिया, जो उन्होंने अपनी मृत्यु तक बनाए रखा। वे लगातार कामों और व्यापारिक यात्राओं पर बाहर रहती थीं। वे वकीलों से मिलने जातीं, पीठासीन न्यायाधीश से मिलतीं, नोटों की देय तिथियों का ध्यान रखतीं, समय सीमा बढ़ाने की व्यवस्था करतीं; और घर पर, वह इस्त्री करती, सिलाई करती, कपड़े धोती, कामगारों की देखभाल करती, हिसाब-किताब रखती, जबकि महाशय, बिना किसी बात की चिंता किए, एक उदास सुस्ती में डूबे रहते, जिससे वह केवल उसे अप्रिय बातें कहने के लिए जागते थे, आग के पास बैठकर सिगरेट पीते और राख में थूकते रहते थे।

जब माँ ने बच्चे को जन्म दिया, तो उसे दूध पिलाने के लिए अलग रखना पड़ा। घर लौटने पर, उस छोटे लड़के को राजकुमार की तरह लाड़-प्यार मिला। उसकी माँ उसे जैम खिलाती थी; उसके पिता उसे बिना जूतों के इधर-उधर दौड़ने देते थे, और खुद को ज्ञानी समझते हुए यहाँ तक कहते थे कि वह जानवरों के बच्चों की तरह नंगा भी घूम सकता है। माँ की इच्छाओं के विपरीत, उनके मन में बचपन का एक खास मर्दाना आदर्श था, जिसके अनुसार वे अपने बेटे को ढालने की कोशिश करते थे, वे चाहते थे कि उसका पालन-पोषण सादगी से हो, ताकि उसका स्वास्थ्य अच्छा रहे। वे उसे बिना आग के सोने भेजते थे, उसे खूब रम पीना और चर्च के जुलूसों का मज़ाक उड़ाना सिखाते थे। लेकिन स्वभाव से शांत होने के कारण, लड़के ने उनके प्रयासों पर कोई खास

प्रतिक्रिया नहीं दी। उसकी माँ उसे हमेशा अपने पीछे-पीछे रखती थी; वह उसके लिए गत्ते की आकृतियाँ काटती, उसे कहानियाँ सुनाती, उससे अंतहीन बातें करती, जो उदासी भरी कल्पनाओं और मोहक बातों से भरी होती थीं। अपने एकांत जीवन में, उसने अपने सारे अधूरे, टूटे हुए भ्रम उस बच्चे के मन में भर दिए। उसने ऊँचे पदों के सपने देखे, उसने उसे बड़ा, सुंदर, बुद्धिमान, सफल और पुलों, सड़कों या न्यायपालिका में काम करते देखा। उसने उसे पढ़ना सिखाया और यहाँ तक कि अपने पुराने पियानो पर दो-तीन छोटे गीत गाना भी सिखाया। लेकिन इन सब पर, साहित्य में कम रुचि रखने वाले श्री बोवरी ने कहा कि यह सब व्यर्थ है! क्या उनके पास उसे सरकारी स्कूल में पढ़ाने, उसका व्यवसाय शुरू करवाने या उसे व्यवसाय में स्थापित करने के लिए पर्याप्त धन होगा? वैसे भी, थोड़ी हिम्मत से इंसान दुनिया में हमेशा सफल हो सकता है। मैडम बोवरी अपने होंठ दबातीं और बच्चा गाँव में बेफिक्र घूमता रहता।

वह हल चलाने वालों के पीछे-पीछे जाता और कौवों को भगाता, उन पर मिट्टी के ढेले फेंकता जब तक कि वे उड़ न जाएं। वह नालियों के किनारे जामुन खाता, एक लंबी छड़ी से टर्की की देखभाल करता, फसल कटाई के समय घास उछालता, जंगलों में दौड़ता, बरसात के दिनों में चर्च के बरामदे पर हॉपस्कॉच खेलता और सबसे महत्वपूर्ण पवित्र दिनों में, गिरजाघर के रखवाले से घंटियाँ बजाने की अनुमति मांगता ताकि वह अपने पूरे वजन के साथ बड़ी रस्सी पर लटक सके और उसके उड़ने का अनुभव कर सके।

और इस तरह वह एक बलूत के पेड़ की तरह बढ़ता गया। उसके हाथ मजबूत हो गए और रंग भी निखर गया।

जब वह बारह वर्ष का हुआ, तो उसकी माँ ने उसकी पढ़ाई शुरू करवाने का प्रबंध किया। यह ज़िम्मेदारी पादरी को सौंपी गई थी। लेकिन पाठ इतने संक्षिप्त और इतने कम समझ में आने वाले थे कि उनका कोई खास उपयोग नहीं हो सका। ये पाठ खाली समय में, प्रार्थना कक्ष में, खड़े होकर, जल्दबाजी में, बपतिस्मा और अंतिम संस्कार के बीच में दिए जाते थे; या पादरी प्रार्थना के बाद अपने शिष्य को बुला लेते थे, जब उन्हें बाहर नहीं जाना होता था। वे उसके कमरे में जाते, बैठ जाते; मच्छर और पतंगे मोमबत्ती के चारों ओर मंडराते रहते। गर्मी होती, बच्चा सो जाता; और पादरी, पेट पर हाथ रखकर ऊंघते हुए, जल्द ही खर्राटे लेने लगते, मुँह खुला हुआ। कभी-कभी, जब पादरी महोदय आसपास के किसी बीमार व्यक्ति को अंतिम संस्कार देकर लौटते समय चार्ल्स को ग्रामीण इलाकों में घूमते हुए देखते, तो उसे पुकारते, पंद्रह मिनट तक उपदेश देते, और इस अवसर का लाभ उठाकर उसे पेड़ के नीचे क्रिया का रूप बदलवाते। बारिश आ जाती और उनकी बातचीत में खलल डालती, या फिर कोई परिचित वहां से गुजर जाता। इसके अलावा, वह हमेशा उससे खुश रहता था, यहां तक कि कहता था कि उस युवक की याददाश्त अच्छी थी।

चार्ल्स इससे आगे नहीं जा सकता था। मैडम ने दृढ़ता से कहा। शर्मिंदा होकर, या यूँ कहें कि थककर, महाशय ने बिना किसी विरोध के हार मान ली, और उन्होंने एक और साल इंतजार किया जब तक कि लड़के ने अपना पहला कम्युनियन नहीं कर लिया।

छह महीने और बीत गए; और, अगले साल, चार्ल्स का अंततः रूएन के स्कूल में दाखिला हो गया, जहाँ उसके पिता स्वयं उसे अक्टूबर के अंत में, सेंट-रोमेन मेले के समय ले गए थे।

अब तो हममें से किसी के लिए भी उसके बारे में कुछ याद रखना नामुमकिन होगा। वह शांत स्वभाव का लड़का था, जो अवकाश में खेलता था, अध्ययन कक्ष में पढ़ाई करता था, कक्षा में ध्यान से सुनता था, छात्रावास में अच्छी नींद सोता था और भोजन कक्ष में भरपेट खाना खाता था। उसका अभिभावक गेंटरी गली में एक थोक हार्डवेयर व्यापारी था, जो उसे महीने में एक बार, रविवार को, अपनी दुकान बंद होने के बाद बाहर ले जाता था, उसे बंदरगाह पर नावों को देखने के लिए टहलने भेजता था और फिर उसे शाम सात बजे, भोजन से पहले, वापस स्कूल ले आता था। हर गुरुवार की शाम को, वह अपनी माँ को लाल स्याही और तीन बार सीलिंग वैक्स लगाकर एक लंबा पत्र लिखता था; फिर वह अपनी इतिहास की नोटबुक देखता था या अध्ययन कक्ष में पड़ी अनाचारसिस की कोई पुरानी किताब पढ़ता था। टहलते हुए वह नौकर से बातें करता था, जो उसी की तरह गाँव से था।

अपनी लगन के बल पर वह कक्षा में औसत स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा; एक बार तो उसने प्राकृतिक इतिहास में प्रथम सम्मानजनक उल्लेख भी प्राप्त किया। लेकिन तीसरे वर्ष के अंत में, उसके माता-पिता ने उसे चिकित्सा की पढ़ाई कराने के लिए स्कूल से निकाल लिया, क्योंकि उन्हें विश्वास था कि वह स्नातक की उपाधि अकेले ही प्राप्त कर लेगा।

उसकी माँ ने उसके लिए पाँचवीं मंज़िल पर एक कमरा चुना, जहाँ से ओ डे रोबेक नदी का नज़ारा दिखता था। यह कमरा एक ऐसे रंगसाज़ के घर में था जिसे वह जानती थी। उसने उसके रहने-खाने का इंतज़ाम कर लिया, कुछ फर्नीचर, एक मेज़ और दो कुर्सियाँ मंगवाईं, चेरी की लकड़ी का एक पुराना पलंग मंगवाया और साथ ही एक छोटा सा लोहे का चूल्हा और लकड़ी का सामान भी खरीदा ताकि उसके बेचारे बच्चे को गर्मी मिल सके। फिर हफ्ते के अंत में वह चली गई, उसे हज़ार बार हिदायत देने के बाद कि अब उसे अकेले ही संभालना होगा।

नोटिस बोर्ड पर लिखे पाठ्यक्रम को पढ़कर उसका सिर चकरा गया: शरीर रचना विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, रोग विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, शरीर क्रिया विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, दवा विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, रसायन विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, वनस्पति विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, नैदानिक अभ्यास का एक पाठ्यक्रम और

चिकित्सा विज्ञान का एक पाठ्यक्रम, इसके अलावा स्वच्छता और औषधि विज्ञान का पाठ्यक्रम भी था - ऐसे अपरिचित व्युत्पत्ति वाले नाम जो गंभीर छायाओं से भरे पवित्र स्थानों के कई दरवाजों की तरह थे।

उसे कुछ भी समझ नहीं आया; हालाँकि उसने सुना, पर कुछ भी ग्रहण नहीं किया। फिर भी वह काम करता रहा, उसके पास जिल्दबंद नोटबुक थीं, वह सभी व्याख्यानों में उपस्थित रहता था, और अस्पताल का कोई भी राउंड कभी नहीं चूकता था। वह अपना छोटा सा दैनिक कार्य ऐसे पूरा करता था जैसे चक्की का घोड़ा आँखें ढँककर गोल-गोल घूमता रहता है, यह जाने बिना कि वह क्या पीस रहा है।

खर्च बचाने के लिए, उसकी माँ हर हफ्ते उसे डाक से भुना हुआ बछड़े का मांस भेजती थी, जिसे वह अस्पताल से लौटने के बाद सुबह दोपहर के भोजन के रूप में खाता था और दीवार पर पैर पटकता था। फिर उसे अस्पताल के एम्फीथिएटर में अपनी कक्षाओं के लिए जल्दी जाना पड़ता था और उन सभी गलियों से होते हुए घर लौटना पड़ता था। शाम को, मकान मालिक द्वारा दिए गए मामूली भोजन के बाद, वह अपने कमरे में वापस जाता और काम पर लग जाता, उसके गीले कपड़े उसके शरीर पर भाप छोड़ते रहते, और वह धधकते चूल्हे के सामने खड़ा रहता।

गर्मी की सुहावनी शामों में, जब गर्म सड़कें सुनसान होती थीं, जब नौकरानियाँ अपने दरवाजों के सामने शटलकॉक खेलती थीं, तब वह अपनी खिड़की खोलकर कोहनियों के बल झुक जाता था। रूएन के इस हिस्से को एक तरह से छोटा सा वेनिस जैसा बना देने वाली नदी उसके नीचे से बहती थी, पीले, बैंगनी या नीले रंग की, अपने पुलों और रेलिंगों के बीच से। किनारे पर बैठे मजदूर पानी में अपनी बाहें धोते थे। अटारी की छतों से निकले खंभों पर रुई के गट्ठे हवा में सूख रहे होते थे। उसके सामने, छतों के पार, विशाल, निर्मल आकाश फैला होता था, जिसमें लाल सूरज डूब रहा होता था। बाहर कितना अच्छा लगता होगा! बीच के पेड़ों के नीचे कितनी ठंडक होगी! और वह अपनी नाक खोलकर देश की उन अच्छी खुशबूओं को सूंघता था, जो उस तक नहीं पहुँचती थीं।

वह दुबला हो गया, उसका शरीर लंबा हो गया, और उसके चेहरे पर एक तरह का दुख भरा भाव आ गया जो इसे लगभग रोचक बना देता था।

स्वाभाविक रूप से, उदासीनता के कारण, समय के साथ उसने अपने सभी संकल्पों को त्याग दिया। एक दिन वह अस्पताल के दौरे पर नहीं गया, अगले दिन अपनी कक्षा में नहीं गया, और इस आलस्य का आनंद लेते हुए, धीरे-धीरे वह वापस लौटना ही बंद कर दिया।

उन्हें शराबखानों में जाने की आदत पड़ गई, साथ ही डोमिनोज़ का भी शौक हो गया। हर रात किसी गंदे से सार्वजनिक कमरे में खुद को बंद कर लेना, काले बिंदुओं से चिह्नित छोटी-छोटी हड्डियों से सजी संगमरमर की

मेज पर डोमिनोज़ बजाना, उन्हें अपनी आज़ादी का एक अनमोल दावा लगता था, जिससे उनका आत्मसम्मान बढ़ता था। यह उनके लिए दुनिया में प्रवेश करने जैसा था, वर्जित सुखों तक पहुँचने जैसा था; और अंदर जाते ही, वे लगभग कामुक आनंद से दरवाज़े की मूठ पकड़ लेते थे। फिर उनके भीतर दबी हुई कई भावनाएँ खुल गईं; उन्होंने गाने कंठस्थ कर लिए और अपनी सहेलियों को सुनाने लगे, उन्हें बेरेंजर बीयर का शौक हो गया, पंच बनाना सीख गए, और अंत में उन्होंने प्रेम का अनुभव किया।

इस तैयारी के कारण वह लोक स्वास्थ्य अधिकारी की परीक्षा में पूरी तरह असफल हो गया। उसी शाम उसके सफल होने का जश्न मनाने के लिए उसके घर पर सभी लोग उसका इंतजार कर रहे थे!

वह पैदल ही चल पड़ा और गाँव के प्रवेश द्वार पर रुक गया, जहाँ उसने किसी को अपनी माँ को बुलाने के लिए भेजा और उसे सब कुछ बता दिया। उसकी माँ ने उसका बचाव किया, उसकी असफलता का दोष परीक्षकों की नाइंसाफी पर मढ़ दिया और उसे थोड़ा दिलासा देते हुए मामले को सुलझाने का जिम्मा खुद पर ले लिया। पाँच साल बाद ही श्री बोवरी को सच्चाई का पता चला; तब तक सच्चाई पुरानी हो चुकी थी, उसने इसे स्वीकार कर लिया, और तो और, वह यह सोच भी नहीं सकता था कि उसकी संतान में कोई मूर्ख हो सकता है।

इसलिए चार्ल्स ने फिर से मेहनत शुरू कर दी और अपनी परीक्षा के विषयों की निरंतर तैयारी में जुट गया, जिसके लिए उसने सभी प्रश्न पहले से ही याद कर लिए थे। वह अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुआ। उसकी माँ के लिए कितना खुशी का दिन था! उन्होंने एक शानदार भोज का आयोजन किया।

वह अभ्यास करने कहाँ जाता? टोस्टेस। वहाँ केवल एक ही बुजुर्ग डॉक्टर थे। मैडम बोवरी लंबे समय से उनके मरने का इंतजार कर रही थीं, और उस बुजुर्ग ने अभी अपनी अंतिम सांस भी नहीं ली थी कि चार्ल्स को सड़क के उस पार उनके उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त कर दिया गया।

लेकिन अपने बेटे का पालन-पोषण करना, उसकी चिकित्सा शिक्षा सुनिश्चित करना और उसके अभ्यास के लिए टोस्टेस को ढूंढना ही काफी नहीं था: उसे एक पत्नी की भी आवश्यकता थी। उसने उसके लिए एक पत्नी ढूंढ ली: डिएप्पे की एक बेलीफ की विधवा, जो पैंतालीस वर्ष की थी और जिसकी आय बारह सौ लिवर थी।

हालांकि वह बदसूरत, दुबली-पतली और मुहांसों से भरी हुई थी, फिर भी मैडम डुबुक के पास चाहने वालों की कोई कमी नहीं थी। अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए, मेरे बोवरी को उन सभी को दरकिनार करना पड़ा, और उसने बड़ी कुशलता से पादरियों के चहेते एक सूअर का मांस बेचने वाले की साजिशों को भी नाकाम कर दिया।

चार्ल्स ने शादी में बेहतर आर्थिक स्थिति की उम्मीद की थी, यह सोचकर कि उसे अधिक स्वतंत्रता मिलेगी और वह अपने पैसे का इस्तेमाल अपनी मर्जी से कर सकेगा। लेकिन असल में उसकी पत्नी ही सब कुछ संभालती थी;

लोगों के बीच उसे कुछ कहना होता था, कुछ नहीं कहना होता था, शुक्रवार को मांस नहीं खाना होता था, उसकी इच्छानुसार कपड़े पहनने होते थे, और उसके आदेश पर उन ग्राहकों को परेशान करना होता था जिन्होंने भुगतान नहीं किया था। वह उसके पत्र पढ़ती, उसकी गतिविधियों पर नजर रखती, और अगर मरीज महिला होती तो दीवार के पार से उसकी बातें सुनती।

उसे हर सुबह हॉट चॉकलेट चाहिए होती थी, उसे हर पल सबका ध्यान चाहिए था। वह लगातार अपनी नसों, सीने की तकलीफ और मन की उदासी के बारे में शिकायत करती रहती थी। कदमों की आहट भी उसे चुभती थी; अगर लोग उसे छोड़कर चले जाते, तो अकेलापन उसे असहनीय लगने लगता; और अगर वे वापस आते, तो निस्संदेह उसे मरते हुए देखने आते। शाम को जब चार्ल्स घर लौटता, तो वह अपनी लंबी, पतली बाहें चादर के नीचे से निकालकर उसकी गर्दन में डाल देती और उसे बिस्तर के किनारे बिठाकर अपनी परेशानियाँ बताने लगती: वह उसे भूल रहा है, वह किसी और से प्यार करता है! लोगों ने उससे कहा था कि वह दुखी रहेगी; और अंत में वह उससे अपनी सेहत के लिए कोई टॉनिक और थोड़ा और प्यार माँगती।

[2]

एक रात, लगभग ग्यारह बजे, वे दरवाजे के ठीक सामने घोड़े के रुकने की आवाज़ से जाग गए। नौकरानी ने अटारी की खिड़की खोली और नीचे गली में खड़े एक आदमी से कुछ देर बात की। वह डॉक्टर को लेने आया था; उसके पास एक पत्र था। नास्तासी कांपते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरी और एक-एक करके ताला और कुंडी खोली। वह आदमी अपने घोड़े से उतरा और नौकरानी के पीछे-पीछे अंदर चला गया। उसने अपनी भूरे रंग की ऊनी टोपी के अंदर से कपड़े के एक टुकड़े में लिपटा हुआ पत्र निकाला और उसे बड़े ही सलीके से चार्ल्स को दिया, जिसने उसे पढ़ने के लिए अपनी कोहनी तकिए पर टिका दी। नास्तासी बिस्तर के पास रोशनी पकड़े खड़ी थी। मैडम, शर्म के मारे, बिस्तर और दीवार के बीच की जगह की ओर मुंह करके खड़ी रहीं, उनकी पीठ दिखाई दे रही थी।

नीले मोम की एक छोटी सी मुहर से सील किए गए इस पत्र में श्री बोवरी से विनती की गई थी कि वे तुरंत लेस बर्टो नामक फार्म पर जाकर अपनी टूटी हुई टांग का इलाज करवाएं। टोस्टेस से लेस बर्टो तक का रास्ता लगभग छह मील लंबा है, जो लोंग्यूविल और सेंट-विक्टर होते हुए जाता है। रात काफ़ी गहरी थी। छोटी मैडम बोवरी को डर था कि कहीं उनके पति का एक्सीडेंट न हो जाए। इसलिए यह तय किया गया कि अस्तबल का नौकर आगे चला जाएगा। चार्ल्स तीन घंटे बाद, चांद निकलने पर रवाना होंगे। उन्हें लेने के लिए एक लड़के को भेजा जाएगा, जो उन्हें फार्म का रास्ता दिखाएगा और उनके लिए गेट खोल देगा।

लगभग सुबह चार बजे, चार्ल्स, अपने लबादे में अच्छी तरह लिपटा हुआ, लेस बर्टोंक्स के लिए रवाना हुआ। नींद की गर्माहट से अभी भी ऊंघता हुआ, वह अपनी घोड़ी की शांत चाल के साथ झूम रहा था। जब भी वह किसानों द्वारा अपनी क्यारियों के किनारे खोदे गए कंटीली झाड़ियों वाले गड्ढों में से किसी एक के सामने अपनी मर्जी से रुकती, चार्ल्स अचानक जाग जाता और उसे तुरंत अपनी टूटी हुई टांग याद आ जाती और वह अपने सभी पुराने फ्रैक्चर में से जो कुछ भी याद कर पाता, उसे याद करने की कोशिश करता। बारिश रुक चुकी थी; दिन निकलने लगा था, और पत्तों से रहित सेब के पेड़ों की शाखाओं पर पक्षी स्थिर बैठे थे, ठंडी सुबह की हवा में अपने छोटे-छोटे पंख फड़फड़ा रहे थे। समतल मैदान दूर-दूर तक फैला हुआ था, और खेतों के चारों ओर पेड़ों के झुंड उस विशाल धूसर सतह पर दूर-दूर तक गहरे बैंगनी रंग के धब्बे बना रहे थे, जो क्षितिज पर आकाश के धुंधले रंगों में विलीन हो जाती थी। चार्ल्स समय-समय पर अपनी आँखें खोलता था; फिर, उसका दिमाग थकने लगता और नींद अपने आप लौट आती, वह जल्द ही एक प्रकार की उन्मत्तता में डूब जाता, जिसमें उसकी हाल की अनुभूतियाँ उसकी यादों के साथ घुलमिल जातीं, और वह खुद को दो रूपों में देखता, एक ही समय में छात्र और विवाहित पुरुष, अपने बिस्तर पर उसी तरह लेटा हुआ जैसे अभी था, और एक शल्यचिकित्सा वार्ड को उसी

तरह पार कर रहा होता जैसे पहले करता था। उसके दिमाग में मलहम की गर्म गंध ओस की तीखी गंध के साथ घुलमिल जाती; वह बिस्तर के पर्दों की लोहे की घंटियों की आवाज को छड़ों पर चलते हुए और अपनी पत्नी को सोते हुए सुनता... जब वह वासनविले से गुजर रहा था, तो उसने एक नाले के किनारे घास पर बैठे एक छोटे लड़के को देखा।

“क्या आप डॉक्टर हैं?” बच्चे ने पूछा।

और चार्ल्स के जवाब पर, उसने अपने लकड़ी के जूते हाथों में लिए और उसके आगे दौड़ने लगा।

स्वास्थ्य अधिकारी ने अपने मार्गदर्शक से सुना कि श्री रूऑल्ट एक अत्यंत धनी किसान होंगे। पिछली शाम पड़ोसी के घर बारहवीं रात का उत्सव मनाकर लौटते समय उनका पैर टूट गया था। उनकी पत्नी को मरे हुए दो साल हो गए थे। उनके साथ केवल उनकी प्रेमिका रहती थी; वह घर चलाने में उनकी मदद करती थी।

सड़क पर बने निशान गहरे होते जा रहे थे। वे लेस बर्टो के पास पहुँच रहे थे। छोटा लड़का एक झाड़ी के छेद से फिसलते हुए गायब हो गया, फिर खेत के दूसरे छोर पर गेट खोलने के लिए प्रकट हुआ। घोड़ा गीली घास पर फिसल रहा था; चार्ल्स शाखाओं के नीचे से निकलने के लिए झुक गया। कुत्ते के बाड़े में पहरेदार भौंक रहे थे और अपनी जंजीरें खींच रहे थे। जब वह लेस बर्टो में दाखिल हुआ, तो उसका घोड़ा डर गया और बुरी तरह से बिदक उठा।

यह एक समृद्ध दिखने वाला फार्म था। अस्तबल में, दरवाजों के खुले ऊपरी हिस्सों से, बड़े-बड़े मेहनती घोड़े नए रैक पर शांति से चरते हुए दिखाई दे रहे थे। इमारतों के किनारों पर गोबर का एक बड़ा ढेर फैला हुआ था, जिससे भाप उठ रही थी, और मुर्गियों और टर्की के बीच, पाँच-छह मोर उस पर खरोंच रहे थे, जो कॉक्स के मुर्गीपालन फार्म में एक विलासिता थी। भेड़बाड़ा लंबा था, खलिहान ऊँचा था, जिसकी दीवारें हाथ की तरह चिकनी थीं। शेड में दो बड़ी गाड़ियाँ और चार हल थे, उनके चाबुक, उनके कॉलर, उनके पूरे हार्नेस के साथ, जिनकी नीली ऊन की ऊन मचानों से गिरने वाली बारीक धूल से गंदी हो गई थी। आँगन ऊपर की ओर ढलान वाला था, जिसमें समरूप दूरी पर पेड़ लगे थे, और तालाब के पास हंसों के झुंड का चहचहाना गूंज रहा था।

तीन झालरों से सजी नीले रंग की मेरिनो ऊन की पोशाक पहने एक युवती श्री बोवरी का स्वागत करने के लिए घर के दरवाजे पर आई। उसने श्री बोवरी को रसोई में ले जाकर दिखाया, जहाँ एक बड़ी आग धधक रही थी। खेत में काम करने वालों का नाश्ता उसके चारों ओर अलग-अलग आकार के छोटे-छोटे बर्तनों में उबल रहा था। चूल्हे के अंदर गीले कपड़े सूख रहे थे। आग बुझाने वाला फावड़ा, चिमटा और धौंकनी का अगला हिस्सा, सभी विशाल आकार के, पॉलिश किए हुए स्टील की तरह चमक रहे थे, जबकि दीवारों के किनारे रसोई के बर्तनों का

एक बड़ा संग्रह फैला हुआ था, जिन पर खिड़की के शीशों से आती सूरज की पहली किरणें और चूल्हे की तेज लौ असमान रूप से झिलमिला रही थीं।

चार्ल्स मरीज़ को देखने के लिए दूसरी मंज़िल पर गया। उसने उसे बिस्तर पर पाया, चादर ओढ़े पसीने से तरबतर, उसने अपनी सूती टोपी दूर फेंक दी थी। वह पचास साल का एक हट्टा-कट्टा छोटा आदमी था, जिसकी त्वचा सफेद और आँखें नीली थीं, सामने से गंजा था और कान में बालियाँ पहने हुए था। उसके पास एक कुर्सी पर शराब का एक बड़ा जग रखा था, जिसमें से वह बीच-बीच में थोड़ी-थोड़ी शराब पीकर अपना हौसला बनाए रखता था; लेकिन डॉक्टर को देखते ही उसका उत्साह शांत हो गया, और पिछले बारह घंटों से जिस तरह वह गालियाँ दे रहा था, उसके बजाय वह धीरे-धीरे कराहने लगा।

हड्डी का फ्रैक्चर मामूली था, उसमें किसी तरह की कोई जटिलता नहीं थी। चार्ल्स इससे आसान फ्रैक्चर की उम्मीद भी नहीं कर सकता था। इसलिए, घायलों के बिस्तर के पास अपने शिक्षकों के व्यवहार को याद करते हुए, उसने तरह-तरह की जीवंत बातों से मरीज को दिलासा दिया—जैसे कोई सर्जन अपने स्केलपेल को चिकना करने के लिए तेल लगाता है, वैसे ही प्यार से उसे सहलाता है। पट्टियों के लिए, वे गाड़ी के शेड से पट्टियों का एक गट्ठा लाने चले गए। चार्ल्स ने एक पट्टी चुनी, उसे टुकड़ों में काटा और खिड़की के शीशे के एक टुकड़े से उसे चमकाया, जबकि नौकरानी ने पट्टियाँ बनाने के लिए कुछ चादरें फाड़ीं और मैडमोजेल एम्मा कुछ पैड सिलने लगीं। उसे अपनी सुई का डिब्बा ढूंढने में काफी समय लग गया और उसके पिता अधीर हो गए; उसने कुछ नहीं कहा; लेकिन, सिलते-सिलते उसकी उंगलियों में बार-बार सुई चुभ रही थी, जिसे वह चूसने के लिए अपने मुंह तक ले जाती थी।

चार्ल्स उसकी सफेदी देखकर हैरान रह गया। उसके नाखून चमकदार, सिरे नाजुक और डाइपे के हाथीदांतों से भी ज्यादा साफ किए हुए थे, और बादाम के आकार में संवारे हुए थे। फिर भी उसका हाथ उतना सुंदर नहीं था, शायद उतना गोरा नहीं था, और उंगलियों के जोड़ थोड़े सूखे थे; वह बहुत लंबा भी था और उसकी बनावट में कोई कोमलता नहीं थी। उसकी खूबसूरती उसकी आंखों में थी: हालांकि वे भूरी थीं, पलकों की वजह से काली लगती थीं, और उसकी निगाहें खुलेपन और बेबाकी से आप पर पड़ती थीं।

पट्टी बांधने के बाद, डॉक्टर को स्वयं श्री रूऑल्ट ने जाने से पहले कुछ खाने के लिए आमंत्रित किया।

चार्ल्स भूतल पर बने बैठक कक्ष में नीचे गया। तुर्कों की आकृतियों से सजे कैलिको कपड़े से ढके एक बड़े चंदवा वाले पलंग के चरणों में एक छोटी मेज पर चांदी के मगों के साथ दो स्थान रखे हुए थे। खिड़की के सामने स्थित ऊंचे ओक के अलमारी से उरिसरूट और नम चादरों की गंध आ रही थी। फर्श पर, कोनों में, सीधे खड़े किए हुए, गेहूं के बोरे रखे थे। यह पास के अनाज भंडार से अतिरिक्त गेहूं था, जहाँ तीन पत्थर की सीढ़ियाँ चढ़कर पहुँचा

जा सकता था। कमरे की सजावट के रूप में, दीवार के बीचोंबीच, जिसकी हरी रंगत नमक के नीचे से उखड़ रही थी, एक कील से मिनर्वा की एक आकृति लटकी हुई थी, जिसे काले रंग की पेंसिल से बनाया गया था और सुनहरे फ्रेम में जड़ा हुआ था, जिसके नीचे गॉथिक अक्षरों में लिखा था: "मेरे प्यारे पापा को।"

उन्होंने पहले मरीज़ के बारे में बात की, फिर मौसम के बारे में, भीषण ठंड के बारे में, और रात में खेतों में घूमने वाले भेड़ियों के बारे में। मैडमोजेल रूऑल्ट को गाँव में बिल्कुल भी आनंद नहीं आ रहा था, खासकर अब जब खेत की देखभाल की ज़िम्मेदारी लगभग पूरी तरह से उन्हीं पर थी। कमरा ठंडा होने के कारण, खाना खाते समय उन्हें कंपकंपी हो रही थी, जिससे उनके भरे हुए होंठ दिख रहे थे, जिन्हें वे चुप रहने के दौरान अक्सर काटती थीं।

उसकी गर्दन एक सफेद, नीचे की ओर मुड़े हुए कॉलर से उभरी हुई थी। उसके बाल, जिनकी दो काली लटें इतनी चिकनी थीं कि मानो एक ही टुकड़े से बनी हों, उसके सिर के बीचोंबीच एक पतली मांग से विभाजित थे जो उसकी खोपड़ी के घुमाव का अनुसरण करते हुए थोड़ा नीचे झुकी हुई थी; और उसके कानों के लोबों को मुश्किल से दिखाते हुए, यह पीछे की ओर एक घने जूड़े में मिल जाती थी, जिसमें कनपटी के पास एक लहराती हुई गति थी जिसे देहाती डॉक्टर ने अपने जीवन में पहली बार देखा था। उसके गाल गुलाबी थे। उसने, पुरुषों की तरह, अपनी चोली के दो बटनों के बीच एक कछुए के खोल के आकार का लोरग्नेट पहना हुआ था।

जब चार्ल्स, पेरे रूऑल्ट को अलविदा कहने के बाद, जाने से पहले बैठक कक्ष में वापस आया, तो उसने उसे खिड़की से माथा टिकाए बगीचे की ओर देखते हुए पाया, जहाँ हवा से सेम के डंडे गिर गए थे। वह मुड़ी।

“क्या आप कुछ ढूंढ रहे हैं?” उसने पूछा।

“कृपया मेरी घुड़सवारी की चाबुक दीजिए,” उसने उत्तर दिया।

और वह पलंग पर, दरवाजों के पीछे, कुर्सियों के नीचे हर जगह ढूंढने लगा; पलंग बोरियों और दीवार के बीच ज़मीन पर गिर गया था। मैडमोजेल एम्मा ने उसे देखा; वह गेहूँ की बोरियों पर झुक गई। चार्ल्स, बड़े ही सजगता से, जल्दी से उसके पास पहुँचा, और जैसे ही उसने भी उसी तरह अपना हाथ बढ़ाया, उसका सीना झुकी हुई लड़की की पीठ से छू गया। वह एकदम लाल चेहरे के साथ सीधी खड़ी हो गई और अपने कंधे के ऊपर से उसे देखते हुए, उसकी चाबुक तान दी।

अपने वादे के मुताबिक तीन दिन बाद लेस बर्टो लौटने के बजाय, वह अगले ही दिन वापस चला गया, और फिर नियमित रूप से सप्ताह में दो बार जाने लगा, उन अप्रत्याशित मुलाकातों को छोड़कर जो वह समय-समय पर, मानो संयोग से करता था।

इसके अलावा, सब कुछ ठीक चल रहा था; स्वास्थ्य में अपेक्षित प्रगति हुई, और जब छियालीस दिनों के बाद पेरे रूऑल्ट को अपने खेत में अकेले चलने की कोशिश करते देखा गया, तो लोग श्री बोवरी को एक महान प्रतिभावान व्यक्ति मानने लगे। पेरे रूऑल्ट ने कहा कि यवेटोट या यहां तक कि रूएन के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा भी उनका इलाज इससे बेहतर नहीं किया जा सकता था।

चार्ल्स ने कभी खुद से यह सवाल नहीं किया कि उसे लेस बर्टो जाने में इतना आनंद क्यों आता था। अगर उसने इस बारे में सोचा होता, तो वह निस्संदेह अपने उत्साह का कारण मामले की गंभीरता या शायद उससे होने वाले संभावित लाभ को मानता। फिर भी, क्या यही कारण था कि उसके जीवन के सभी नीरस कामों के बीच, फार्म की यात्राएँ एक आकर्षक अपवाद थीं? उन दिनों वह जल्दी उठता, सरपट दौड़ता, अपने जानवर को आगे बढ़ाता; फिर वह उतरकर घास पर अपने पैर पोंछता और अंदर जाने से पहले अपने काले दस्ताने पहन लेता। उसे फार्म के आंगन में पहुँचना, गेट के खुलने पर उसके कंधे से टकराना, दीवार पर मुर्गे की बांग और लड़कों का उससे मिलने आना अच्छा लगता था। उसे खलिहान और अस्तबल पसंद थे; उसे पेरे रूऑल्ट पसंद थे, जो उसकी हथेली पर थपथपाते हुए उसे अपना रक्षक कहते थे; उसे रसोई के धुले हुए पत्थरों पर मैडमोजेल एम्मा की छोटी सी चप्पलें पसंद थीं; उसकी ऊंची एड़ी वाली सैंडल ने उसे थोड़ा लंबा बना दिया था, और जब वह उसके आगे चलती थी, तो तेजी से उठते हुए लकड़ी के तलवे उसकी टखने तक की चमड़े की बूटों से टकराकर एक सूखी सी आवाज पैदा करते थे।

वह हमेशा उसे सामने की सीढ़ियों के नीचे तक छोड़ देती थी। जब तक उसका घोड़ा नहीं आ जाता, वह वहीं खड़ी रहती थी। उन्होंने एक-दूसरे को अलविदा कह दिया था, लेकिन आगे कोई बात नहीं की; ताजी हवा उसे घेर रही थी, उसकी गर्दन के पिछले हिस्से के बिखरे बालों को बिखेर रही थी और उसके एप्रन के फीते को इस तरह लहरा रही थी जैसे वे उसके कूल्हों पर झंडे की तरह लिपटे हों। एक बार, बर्फ पिघलने के दौरान, आँगन में पेड़ों की छाल से रस रिस रहा था, इमारतों की छतों पर जमी बर्फ पिघल रही थी। वह दरवाजे की चौखट पर थी; वह अपना छाता लेने गई, उसने उसे खोला। कबूतर के रंग के चमकीले रेशम के छाते से छनकर आती धूप उसके चेहरे की सफेद त्वचा पर रोशनी की झिलमिलाहट बिखेर रही थी। वह हल्की गर्मी में उसके नीचे मुस्कुरा रही थी; और वे पानी की बूंदों को एक-एक करके तने हुए रेशम पर गिरते हुए सुन सकते थे।

चार्ल्स के लेस बर्टो दौरे के शुरुआती दिनों में, मैडम बोवरी जूनियर हमेशा मरीज़ का हालचाल पूछती थीं, और उन्होंने अपनी दो कॉलम वाली किताब में श्री रूऑल्ट के लिए एक अच्छा खाली पन्ना भी चुन रखा था। लेकिन जब उन्हें पता चला कि उनकी एक बेटी है, तो उन्होंने पूछताछ की; और उन्हें पता चला कि मैडमोजेल रूऑल्ट, जो उर्सुलिनों के बीच एक कॉन्वेंट में पली-बढ़ी थीं, ने, जैसा कि कहा जाता है, एक बेहतरीन शिक्षा प्राप्त की थी,

और परिणामस्वरूप, वह नृत्य, भूगोल, चित्रकारी, टेपेस्ट्री का काम और पियानो बजाना जानती थीं। बस इतना ही!

"तो," उसने मन ही मन कहा, "इसीलिए जब वह उससे मिलने जाता है तो उसके चेहरे पर इतनी मुस्कान होती है, और इसीलिए वह अपनी नई जैकेट पहनता है, भले ही वह बारिश से खराब हो जाए? ओह, वह औरत, वह औरत!..."

और वह सहज ही उससे घृणा करती थी। पहले तो उसने चार्ल्स को समझ न आने वाले इशारों में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया; फिर ऐसे व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से जिन्हें चार्ल्स ने तूफान के डर से अनदेखा कर दिया; अंत में सीधे-सीधे ऐसे ताने मारे जिनका जवाब देना चार्ल्स को नहीं आता था।—वह लेस बर्टो क्यों लौटता रहता था, जबकि श्री रूऑल्ट ठीक हो चुके थे और उन लोगों ने अभी तक भुगतान नहीं किया था? आह! क्योंकि वहाँ एक खास महिला थी, जो मीठी-मीठी बातें करना जानती थी, कढ़ाई करती थी, और जिसका दिमाग तेज था। यही तो उसे पसंद था: उसे जवान लड़कियाँ चाहिए थीं! और वह बोलती रही:

"बूढ़े रौल्ट की बेटी, एक युवती! अरे वाह! दादाजी चरवाहे थे, और उनका एक चचेरा भाई है जिसे झगड़े के दौरान एक आदमी को बेरहमी से पीटने के आरोप में लगभग अदालत में घसीटा गया था। उसे इतना दिखावा करने या रविवार को चर्च में किसी काउंटेस की तरह रेशमी कपड़े पहनकर आने की कोई ज़रूरत नहीं है। बेचारा बूढ़ा, वैसे भी—पिछले साल की सरसों के बिना, उसके लिए अपना बकाया चुकाना ही काफी मुश्किल हो जाता!"

सुस्ती के मारे चार्ल्स ने लेस बर्टो जाना बंद कर दिया। बहुत रोने और कई चुंबनों के बाद, प्रेम के आवेश में, हेलोइस ने प्रार्थना की किताब पर हाथ रखकर उससे कसम खिलवाई कि वह अब वहाँ नहीं जाएगा। इसलिए उसने आज्ञा का पालन किया; परन्तु उसकी तीव्र इच्छा ने उसके दासतापूर्ण व्यवहार का विरोध किया, और एक प्रकार के भोले पाखंड के साथ, उसे लगा कि उससे न मिलने की यह रोक उसे किसी न किसी रूप में उससे प्रेम करने का अधिकार देती है। इसके अलावा, विधवा दुबली-पतली थी; उसके दाँत लंबे थे; हर मौसम में वह एक छोटी काली शॉल ओढ़ती थी जिसका सिरा उसके कंधों के बीच लटकता था; उसका कठोर शरीर ऐसे वस्त्रों में लिपटा रहता था जो उसके लिए बहुत छोटे थे और उसकी टखने दिखती थीं, उसके चौड़े जूतों के रिबन उसकी भूरी मोजों पर एक-दूसरे को काटते हुए निकलते थे।

चार्ल्स की माँ समय-समय पर उनसे मिलने आती थीं; लेकिन कुछ दिनों बाद ऐसा लगता था मानो बहू ने अपनी सास को अपने कठोर स्वभाव से और भी तीखा बना दिया हो; और फिर, दो चाकुओं की तरह, वे अपनी

टिप्पणियों और ताने-बाने से उन्हें घायल करने में जुट जातीं। इतना खाना गलत है! हर आने वाले को पेय क्यों देना? फलालैन न पहनना कितनी ज़िद्दीपन है!

वसंत ऋतु की शुरुआत में, इंगोविल में विधवा डुबुक की पूंजी के संरक्षक, एक नोटरी, अनुकूल समय में जहाज से रवाना हो गया और अपने पास जमा सारा पैसा अपने साथ ले गया। यह सच है कि हेलोइस के पास छह हजार फ्रैंक मूल्य के एक जहाज में हिस्सेदारी के अलावा, सेंट-फ्रांकोइस स्ट्रीट में उसका घर भी था; फिर भी, उस सारी संपत्ति का, जिसका उसने इतना ढिंढोरा पीटा था, घर में कुछ फर्नीचर और फटे-पुराने कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं मिला था। मामला सुलझाना जरूरी था। पता चला कि डिएप्पे स्थित घर की नींव तक गिरवी रखी हुई थी; उसने नोटरी के पास जो पैसा जमा किया था, वह तो केवल ईश्वर ही जानता था, और जहाज में उसकी हिस्सेदारी एक हजार इक्सु से अधिक नहीं थी। तो उसने झूठ बोला था, उस भली महिला ने! गुस्से में आकर, बड़े श्री बोवरी ने पत्थर की पट्टियों पर कुर्सी तोड़ते हुए अपनी पत्नी पर आरोप लगाया कि उसने अपने बेटे को एक बूढ़े घोड़े से जोड़कर उस पर विपत्ति ला दी है, जिसका लगाम उसकी जान के भी लायक नहीं था। वे टोस्टेस पहुँचे। उनके बीच तीखी बहस हुई। वहाँ खूब हंगामा हुआ। हेलोइस रोते हुए अपने पति की बाहों में गिर पड़ी और उनसे अपने माता-पिता से उसकी रक्षा करने की गुहार लगाई। चार्ल्स ने उसकी ओर से बोलने की कोशिश की। उसके माता-पिता क्रोधित हो गए और वहाँ से चले गए।

लेकिन इस सदमे का गहरा असर हुआ। एक हफ्ते बाद, जब वह अपने आंगन में कपड़े सुखा रही थी, तो उसे खून की उल्टी होने लगी, और अगले दिन, जब चार्ल्स पीठ फेरकर खिड़की पर पर्दा बंद कर रहा था, तो उसने कहा: "हे भगवान!", आह भरी और बेहोश हो गई। उसकी मौत हो गई! यह कितना चौंकाने वाला था!

कब्रिस्तान में सब कुछ समाप्त हो जाने के बाद, चार्ल्स अपने घर लौट आया। नीचे उसे कोई नहीं मिला; वह दूसरी मंजिल पर, शयनकक्ष में गया, जहाँ उसने देखा कि उसकी पोशाक अभी भी आले के नीचे लटकी हुई है; फिर, लेखन मेज पर झुककर, वह शाम तक वहीं उदास विचारों में डूबा रहा। आख़िरकार, वह उससे प्यार करती थी।

[3]

एक सुबह, पिता रूऑल्ट चार्ल्स के पैर के ऑपरेशन के लिए भुगतान लेकर आए: पचहत्तर फ्रैंक (चालीस सौ के सिक्कों में) और एक टर्की। उन्होंने चार्ल्स की बदकिस्मती के बारे में सुना था और उन्हें यथासंभव सांत्वना दी।

“मैं जानता हूँ कैसा लगता है!” उसने उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा; “मैं भी तुम्हारी ही तरह था! जब मेरी प्यारी पत्नी का निधन हुआ, तो मैं खेतों में जाकर अकेला हो जाता था; मैं किसी पेड़ के नीचे लेट जाता, रोता, भगवान से प्रार्थना करता, उनसे तरह-तरह की बातें करता; मैं छछूंदरों जैसा बनना चाहता था, मैंने उन्हें डालियों पर देखा था, उनके अंदर कीड़े रेंग रहे थे, मरे हुए, तुम्हें पता है। और जब मैं सोचता कि दूसरे आदमी उसी क्षण अपनी प्यारी पत्नियों के साथ हैं, उन्हें अपनी बाहों में लिए हुए हैं, तो मैं अपनी छड़ी से ज़मीन पर मारता; मैं आधा पागल हो गया था, खाना नहीं खा पाता था; कैफे जाने का ख्याल ही मुझे बीमार कर देता था, तुम कल्पना भी नहीं कर सकते। खैर, बहुत धीरे-धीरे, जैसे एक दिन दूसरे के पीछे आता गया, सर्दी के बाद बसंत और गर्मी के बाद पतझड़, यह बीतता गया, थोड़ा-थोड़ा करके, बूंद-बूंद करके; यह चला गया, यह गायब हो गया, यह शांत हो गया, मेरा मतलब है, क्योंकि हमेशा कुछ न कुछ रह जाता है, एक तरह का... बोझ, यहाँ, तुम्हारे सीने पर! लेकिन चूंकि यही हमारा भाग्य है, हम सभी, आपको खुद को कमजोर नहीं पड़ने देना चाहिए, सिर्फ इसलिए कि कोई और मर गया है, आपको खुद मरने की इच्छा नहीं करनी चाहिए। आपको इस बात को भुला देना चाहिए, श्रीमान बोवरी; यह समय भी बीत जाएगा! हमसे मिलने आइए; मेरी बेटी समय-समय पर आपके बारे में सोचती है, और वह कहती है कि आप उसे भूल रहे हैं। हम यहाँ हैं, लगभग बसंत का मौसम आ गया है; हम आपको बाहर बुलाकर खरगोशों के बिल में एक खरगोश का शिकार करवाएंगे, ताकि आपका थोड़ा मनोरंजन हो सके।

चार्ल्स ने उसकी सलाह मानी। वह लेस बर्टो लौट आया। उसने पाया कि सब कुछ वैसा ही था जैसा एक दिन पहले था—यानी पाँच महीने पहले जैसा। नाशपाती के पेड़ खिल चुके थे, और बूढ़ा रौल्ट अब अपने पैरों पर खड़ा था, इधर-उधर आ-जा रहा था, जिससे खेत में चहल-पहल बढ़ गई थी।

डॉक्टर की दयनीय स्थिति को देखते हुए, चार्ल्स ने उन्हें यथासंभव विनम्रतापूर्वक सम्मान देना अपना कर्तव्य समझा। उन्होंने डॉक्टर से टोपी न उतारने की विनती की, उनसे कोमल स्वर में बात की, मानो वे स्वयं बीमार हों, और यहाँ तक कि उन्होंने यह दिखावा भी किया कि उन्हें गुस्सा आ रहा है क्योंकि उनके लिए बाकी सभी व्यंजनों से कुछ अधिक स्वादिष्ट, जैसे कि कस्टर्ड या उबले हुए नाशपाती, नहीं बनाए गए थे। उन्होंने कहानियां सुनाईं। चार्ल्स को हंसी आ गई; लेकिन अचानक अपनी पत्नी की याद ने उन्हें गंभीर कर दिया। कॉफी लाई गई; और उन्होंने अपनी पत्नी के बारे में सोचना बंद कर दिया।

जैसे-जैसे उसे अकेले रहने की आदत हो गई, वह उसके बारे में कम सोचने लगा। आज़ादी के नए सुख ने जल्द ही अकेलेपन को सहने लायक बना दिया। अब वह अपने खाने का समय बदल सकता था, बिना कारण बताए घर आ-जा सकता था, और जब बहुत थका हुआ होता, तो बिस्तर पर अपने हाथ-पैर फैला सकता था। इस तरह वह खुद को लाड़-प्यार करता, दुलारता और मिलने वाली सांत्वनाओं को स्वीकार करता था। दूसरी ओर, उसकी पत्नी की मृत्यु उसके पेशेवर जीवन के लिए काफी फायदेमंद साबित हुई, क्योंकि एक महीने तक लोग बार-बार यही कहते रहे: “बेचारा नौजवान! कितना दुर्भाग्य!” उसका नाम दूर-दूर तक फैल गया था, उसका काम बढ़ गया था; और इसके अलावा वह जब चाहे लेस बर्टॉक्स जा सकता था। उसके मन में एक तरह की लक्ष्यहीन आशा थी; एक अस्पष्ट सी खुशी; उसे लगता था कि आईने के सामने अपनी दाढ़ी संवारते हुए उसका चेहरा पहले से बेहतर दिख रहा है।

एक दिन वह लगभग तीन बजे पहुँचा; सब लोग खेतों में थे; वह रसोई में दाखिल हुआ, लेकिन पहले तो उसने एम्मा को नहीं देखा; खिड़कियाँ बंद थीं। लकड़ी की दरारों से सूरज की किरणें पत्थरों पर लंबी, पतली धारियाँ बना रही थीं जो फर्नीचर के कोनों पर टूट रही थीं और छत पर काँप रही थीं। मेज पर, मक्खियाँ इस्तेमाल किए हुए गिलासों पर चढ़ रही थीं और नीचे, साइडर के बचे हुए अंश में डूबते हुए भिनभिना रही थीं। चिमनी से आती दिन की रोशनी, चूल्हे की कालिख को मखमली बना रही थी, ठंडी राख को नीले रंग से छू रही थी। खिड़की और चूल्हे के बीच, एम्मा सिलाई कर रही थी; उसने स्कार्फ नहीं पहना था, और उसके नंगे कंधों पर पसीने की छोटी-छोटी बूँदें दिखाई दे रही थीं।

देश में रिवाज़ के मुताबिक, उसने उसे कुछ पीने के लिए दिया। उसने मना कर दिया, लेकिन उसने ज़िद की और आखिर में हंसते हुए उसे अपने साथ एक गिलास लिकर पीने के लिए आमंत्रित किया। तो वह अलमारी से क्यूरासाओ की एक बोतल लेने गई, दो छोटे गिलास उतारे, एक को किनारे तक भर दिया, दूसरे में लगभग कुछ भी नहीं डाला, और उसके गिलास से छूकर उसे अपने मुँह तक ले गई। चूंकि गिलास लगभग खाली था, वह पीने के लिए पीछे झुक गई; और सिर पीछे करके, होंठ बाहर की ओर फैलाकर, गर्दन को तनाव में रखकर, वह कुछ भी महसूस न करते हुए हंस रही थी, जबकि उसकी जीभ की नोक, उसके कोमल दांतों के बीच से गुज़रते हुए, गिलास के तल पर हल्के-हल्के वार कर रही थी।

वह बैठ गई और अपना काम फिर से शुरू कर दिया, एक सफेद सूती मोजे की मरम्मत कर रही थी; वह सिर झुकाए सिलाई कर रही थी; उसने कुछ नहीं कहा, न ही चार्ल्स ने। दरवाजे के नीचे से आती हवा के झोंके ने पत्थर के फर्श पर थोड़ी धूल उड़ा दी; वह उसे उड़ते हुए देखता रहा और उसे केवल अपने सिर के अंदर धड़कती

नब्ज़ और दूर से आँगन में अंडा देती मुर्गी की आवाज़ सुनाई दे रही थी। एम्मा समय-समय पर अपने गालों को हथेलियों से दबाकर ठंडा करती थी, फिर उन्हें बड़े चूल्हे के लोहे के हैंडल पर रखकर ठंडा करती थी।

उसने शिकायत की कि मौसम की शुरुआत से ही उसे चक्कर आ रहे हैं; उसने पूछा कि क्या समुद्र में नहाना फायदेमंद होगा; वह कॉन्वेंट के बारे में बात करने लगी, चार्ल्स अपने स्कूल के बारे में, बातें उनके दिमाग में आने लगीं। वे उसके कमरे में गए। उसने उसे अपनी पुरानी संगीत की नोटबुक, पुरस्कार में मिली छोटी किताबें और अलमारी के नीचे रखी ओक के पत्तों की मालाएँ दिखाईं। उसने उसे अपनी माँ के बारे में, कब्रिस्तान के बारे में भी बताया और यहाँ तक कि बगीचे में वह क्यारी भी दिखाई जहाँ से वह हर महीने के पहले शुक्रवार को फूल तोड़कर उसकी कब्र पर रखती थी। लेकिन उनके माली को कुछ समझ नहीं आया; उनके नौकर इतने निकम्मे थे! वह कम से कम सर्दियों के दौरान ही सही, शहर में रहना बहुत पसंद करती, हालाँकि गर्मियों में लंबे, सुहावने दिन गाँव को शायद और भी थकाऊ बना देते थे; और वह जो कह रही होती थी, उसके अनुसार उसकी आवाज़ कभी स्पष्ट, कभी तीखी, या कभी अचानक सुस्त हो जाती थी, और जब वह खुद से बात कर रही होती थी तो उसकी आवाज़ में उतार-चढ़ाव आते-आते लगभग बड़बड़ाहट जैसी हो जाती थी; कभी वह खुश होती थी, उसकी आँखें चौड़ी और मासूम होती थीं, और कभी-कभी उसकी पलकें आधी बंद हो जाती थीं, उसकी निगाहें ऊब में डूबी होती थीं, और उसके विचार भटकते रहते थे।

उस शाम, घर लौटते समय, चार्ल्स ने एम्मा के कहे शब्दों को एक-एक करके फिर से याद करने की कोशिश की, उनके अर्थ को समझने का प्रयास किया, ताकि वह उसके जीवन के उस हिस्से को फिर से जी सके जो उसने उस समय में जिया था जब वह उसे जानता भी नहीं था। लेकिन वह उसे अपने मन में कभी भी उस रूप से अलग नहीं देख पाता था जैसा उसने उसे पहली बार देखा था, या जैसा उसने उसे अभी-अभी छोड़ा था। फिर उसने सोचा कि उसका क्या होगा, क्या वह शादी करेगी, और किससे? हाय! पिता रूऑल्ट बहुत अमीर थे, और वह! ... कितनी प्यारी! लेकिन एम्मा का चेहरा बार-बार उसकी आँखों के सामने आ रहा था, और उसके कानों में लट्टू की भनभनाहट जैसी कोई नीरस आवाज़ गूंज रही थी: “लेकिन अगर तुम्हारी शादी हो जाए तो! अगर तुम्हारी शादी हो जाए तो!” उस रात, उसे नींद नहीं आई, उसका गला सूख रहा था, उसे प्यास लगी थी; वह पानी पीने के लिए उठा और उसने खिड़की खोली; आकाश तारों से भरा था, एक गर्म हवा चल रही थी, दूर से कुत्ते भौंक रहे थे। उसने अपना चेहरा लेस बर्टौक्स की ओर घुमाया।

यह सोचकर कि आखिरकार उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है, चार्ल्स ने अवसर मिलने पर सवाल पूछने का निश्चय किया; लेकिन हर बार जब भी मौका आया, सही शब्द न मिल पाने के डर से वह चुप हो गया।

पेरे रूऑल्ट को अपनी बेटी से छुटकारा पाने में कोई आपत्ति नहीं होती, क्योंकि वह घर में उनके किसी काम की नहीं थी। मन ही मन वे उसे माफ कर देते थे, यह मानते हुए कि उसमें खेती-बाड़ी के लिए बहुत जोश था, जो स्वर्ग द्वारा शापित पेशा था, क्योंकि कोई करोड़पति इसमें शामिल नहीं होता था। धन कमाने के बजाय, बेचारा हर साल घाटे में चल रहा था: क्योंकि हालांकि वह बाज़ार में सफल था, जहाँ उसे काम की रणनीतियों में आनंद आता था, खेती-बाड़ी और खेत के आंतरिक प्रबंधन में उसे कोई रुचि नहीं थी। वह कभी भी स्वेच्छा से अपनी जेब से हाथ नहीं निकालता था और अपने जीवन से जुड़ी किसी भी चीज़ पर खर्च करने में कंजूसी नहीं करता था, उसे अच्छा खाना, अच्छी आग और अच्छा बिस्तर चाहिए होता था। उसे कड़क साइडर, मेमने की दुर्लभ टांग और अच्छी तरह से पीटा हुआ ग्लोरिया पसंद था। वह रसोई में अकेले, आग के सामने, एक छोटी सी मेज पर खाना खाता था, जो थिएटर की तरह पहले से ही सजी होती थी।

और इसलिए जब उन्होंने देखा कि उनकी बेटी की उपस्थिति में चार्ल्स के गाल लाल हो जाते हैं, जिसका अर्थ था कि एक दिन चार्ल्स उससे शादी का प्रस्ताव रखेगा, तो उन्होंने इस पूरे मामले पर पहले से ही विचार किया। उन्हें वह थोड़ा दुबला-पतला लगा, और यह उस तरह का दामाद नहीं था जिसकी वे कामना करते; लेकिन कहा जाता था कि वह संयमी, मितव्ययी, सुशिक्षित था, और संभवतः दहेज को लेकर ज्यादा मोलभाव नहीं करेगा। इसलिए, चूंकि पिता रूऑल्ट को अपनी बाईस एकड़ संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, क्योंकि उन पर राजमिस्त्री का काफी कर्ज था, लगाम बनाने वाले का काफी कर्ज था, क्योंकि प्रेस के शाफ्ट की मरम्मत की आवश्यकता थी:

उसने मन ही मन कहा, "अगर वह मुझसे उसे मांगेगा, तो मैं उसे उसे दे दूंगा।"

माइकलमास के आसपास, चार्ल्स लेस बर्टो में तीन दिन बिताने आए थे। आखिरी दिन भी पहले के दिनों की तरह धीरे-धीरे बीत गया, एक-एक चौथाई घंटे बीतते हुए। पेरे रूऑल्ट उन्हें जाते हुए देख रहे थे; वे एक संकरी गली में चल रहे थे, वे एक-दूसरे से विदा लेने ही वाले थे; यही वह क्षण था। चार्ल्स ने खुद को बाड़ के कोने तक छिपा लिया, और अंत में, जब वे उसे पार कर गए:

“मैत्रे रौल्ट,” उसने धीरे से कहा, “मुझे आपसे कुछ कहना है।”

वे रुक गए। चार्ल्स चुप रहा।

“अच्छा, बताओ तुम्हारे मन में क्या चल रहा है! क्या मुझे पहले से ही सब कुछ पता नहीं है?” पेरे रूऑल्ट ने धीरे से हंसते हुए कहा।

“फादर रूऑल्ट… फादर रूऑल्ट,” चार्ल्स हकलाते हुए बोला।

किसान ने आगे कहा, “मैं इससे बेहतर कुछ नहीं मांग सकता। मेरी छोटी बेटी भी शायद यही सोचती होगी, लेकिन फिर भी, हमें उससे बात करके देखना होगा। तो आप जाइए; मैं घर वापस जा रहा हूँ। अगर हाँ, तो समझ लीजिए, आपको वापस आने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि बाकी लोग भी हैं, और वैसे भी, उसके लिए यह बहुत ज़्यादा होगा। लेकिन ताकि आपको ज़्यादा चिंता न करनी पड़े, मैं खिड़की का शटर दीवार से सटाकर पूरी तरह खोल देता हूँ: अगर आप झाड़ी के ऊपर से झुकेंगे तो आपको पीछे का नज़ारा दिख जाएगा।”

और वह चला गया।

चार्ल्स ने अपने घोड़े को एक पेड़ से बांध दिया। वह जल्दी से रास्ते में खड़ा हो गया; वह इंतजार करने लगा। आधा घंटा बीत गया, फिर उसने अपनी घड़ी में उन्नीस मिनट गिने। अचानक दीवार से एक आवाज आई; शटर पीछे की ओर मुड़ गया था, कुंडी अभी भी कांप रही थी।

अगले दिन, नौ बजे, वह फार्म पर थे। उनके अंदर आते ही एम्मा शर्मा गई, हालाँकि उसने अपनी भावनाओं पर काबू पाने के लिए थोड़ा हंसने की कोशिश की। पिता रूऑल्ट ने अपने होने वाले दामाद को गले लगाया। उन्होंने आर्थिक व्यवस्थाओं के बारे में बात करना टाल दिया; आखिरकार, उनके पास अभी काफी समय था, क्योंकि चार्ल्स के शोक की अवधि समाप्त होने से पहले, यानी अगले वर्ष की वसंत ऋतु तक, विवाह विधिपूर्वक नहीं हो सकता था।

सर्दियाँ इसी उम्मीद में गुज़रीं। मैडमोज़ेल रूऑल्ट अपने दहेज की तैयारियों में व्यस्त रहीं। कुछ वस्त्र रूएन से मंगवाए गए, और उन्होंने उधार लिए गए फैशन पैटर्न से अपने लिए कुछ कमीज़ें और नाइट कैप्स बनाईं। चार्ल्स जब भी फार्म पर आते, वे शादी की तैयारियों के बारे में बातें करते; वे सोचते कि भोजन किस कमरे में दिया जाए; वे इस बात पर विचार करते कि कितने पकवान होंगे और मुख्य व्यंजन क्या होंगे।

हालांकि, एम्मा आधी रात को मशालों की रोशनी में शादी करना चाहती थी; लेकिन पिता रूऑल्ट को यह विचार समझ से परे लगा। इसलिए शादी का जश्न मनाया गया जिसमें तैंतालीस लोग शामिल हुए, और वे सोलह घंटे तक मेज पर बैठे रहे, जो अगले दिन फिर से शुरू हुआ और उसके बाद के दिनों में भी थोड़ा चलता रहा।

[4]

मेहमान सुबह-सुबह ही आ गए थे। वे घोड़ों वाली गाड़ियों, एक घोड़े वाली छोटी गाड़ियों, दो पहियों वाली छोटी गाड़ियों, बिना छत वाली पुरानी गाड़ियों, चमड़े के पर्दों वाली स्प्रिंग वाली गाड़ियों में आए थे। पास के गांवों से नौजवान वैगनों में कतार बनाकर खड़े थे, गिरने से बचने के लिए रेलिंग पर हाथ रखे हुए थे। वैगन धीरे-धीरे चल रही थी और बुरी तरह हिल रही थी। कुछ लोग दस मील दूर से आए थे, गोडरविले से, नॉर्मनविले से और कैनी से। दोनों परिवारों के सभी रिश्तेदारों को आमंत्रित किया गया था, दोस्तों से हुए झगड़े सुलझा लिए गए थे, और लंबे समय से नजरों से ओझल रहे परिचितों को पत्र भेजे गए थे।

बीच-बीच में, झाड़ियों के पीछे से चाबुक की आवाज सुनाई देती; थोड़ी देर में फाटक खुलता: एक घोड़ा गाड़ी अंदर आ रही होती। सामने की सीढ़ियों के नीचे सरपट दौड़ते हुए, वह अचानक रुक जाती और अपने यात्रियों को उतार देती, जो चारों ओर से निकलकर अपने घुटने मलते और बाहें फैलाते हुए दिखाई देते। महिलाएं, सिर पर टोपियां पहने, शहर के फैशन के अनुसार कपड़े, सोने की घड़ी की चेन, कमरबंद के नीचे क्रॉस किए हुए टिपेट, या गर्दन के पिछले हिस्से को दिखाते हुए पिन से पीछे की ओर लगाए हुए छोटे रंगीन फिचू पहने हुए थीं। छोटे लड़के, अपने पिताओं की तरह कपड़े पहने हुए, अपने नए सूट में असहज लग रहे थे (दरअसल, उनमें से कई ने उस दिन पहली बार जूते पहने थे), और उनके बगल में, अपनी पहली कम्युनियन की सफेद पोशाक में, जिसे उस अवसर के लिए लंबा किया गया था, चौदह या सोलह साल की कोई लंबी लड़की चुपचाप बैठी दिखाई देती, शायद कोई चचेरी बहन या बड़ी बहन, चेहरा लाल, मुंह खुला हुआ, बालों में गुलाबी पोमेड लगा हुआ, अपने दस्तानों को गंदा होने से बहुत डरी हुई। सभी गाड़ियों को खोलने के लिए पर्याप्त अस्तबल के लड़के नहीं थे, इसलिए सज्जनों ने अपनी आस्तीनें ऊपर चढ़ाईं और खुद ही यह काम किया। अपनी-अपनी सामाजिक स्थिति के अनुसार, वे टेलकोट, फ्रॉक कोट, लंबी जैकेट, कटअवे पहनते थे—अच्छे टेलकोट, जिन्हें परिवार में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता था और केवल विशेष अवसरों पर ही अलमारी से निकाला जाता था; हवा में लहराते बड़े स्कर्ट वाले फ्रॉक कोट, बेलनाकार कॉलर, थैलों जितने बड़े जेब; मोटे कपड़े की जैकेट, जिसे आमतौर पर पीतल से जड़े विज़र वाली टोपी के साथ पहना जाता था; बहुत छोटी कटअवे जैकेट, जिनके पीछे दो बटन आँखों की तरह पास-पास लगे होते थे और पैनल ऐसे लगते थे मानो किसी बढ़ई की कुल्हाड़ी से लकड़ी के एक ही टुकड़े से काटे गए हों। कुछ अन्य लोग (लेकिन ये, निश्चित रूप से, मेज के निचले हिस्से में भोजन कर रहे होंगे) ड्रेस स्मोक पहने हुए थे, यानी, जिनके कॉलर कंधों पर नीचे की ओर मुड़े हुए थे, पीठ पर छोटी-छोटी सिलवटें थीं, और कमर को एक सिले हुए बेल्ट से बहुत नीचे बांधा गया था।

और कमीज़ें सीने से कवच की तरह उभरी हुई थीं! हर आदमी के बाल नए सिरे से मुंडवाए हुए थे, कान सिर से बाहर निकले हुए थे, गाल बिल्कुल साफ़ मुंडे हुए थे; कुछ तो ऐसे भी थे जो भोर से पहले उठ गए थे, क्योंकि दाढ़ी बनाते समय उन्हें ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था, उनकी नाक के नीचे तिरछे घाव थे या जबड़े के साथ तीन फ़्रैंक जितने चौड़े छिले हुए चमड़ी के धब्बे थे, जो सवारी के दौरान ठंडी हवा से सूज गए थे और उन सभी बड़े, चमकते हुए सफेद चेहरों पर गुलाबी धब्बे बना रहे थे।

टाउन हॉल फार्म से आधा मील दूर था, इसलिए वे पैदल ही वहाँ गए और चर्च में समारोह संपन्न होने के बाद उसी तरह वापस आ गए। जुलूस, पहले तो हरे-भरे गेहूँ के खेतों के बीच से गुजरने वाले संकरे रास्ते पर लहराते हुए एक रंगीन स्कार्फ की तरह एकजुट था, लेकिन जल्द ही लंबा हो गया और अलग-अलग समूहों में बँट गया जो रुक-रुक कर बातें कर रहे थे। वायलिन वादक सबसे आगे चल रहा था, उसके वायलिन पर रिबन सजे हुए थे; फिर दूल्हा-दुल्हन, रिश्तेदार और दोस्त बिना किसी क्रम के आए; और बच्चे पीछे रह गए, जई के पौधों से घंटी के आकार के फूल तोड़कर या आपस में खेलते हुए, नज़रों से ओझल। एम्मा की पोशाक, जो बहुत लंबी थी, नीचे से थोड़ी लटक रही थी; वह बीच-बीच में रुककर उसे ऊपर उठाती और फिर अपने दस्ताने पहने हाथों से धीरे से उसमें से खुरदरी घास और कांटेदार पौधों की छोटी-छोटी कलियाँ निकालती, जबकि चार्ल्स, जिसके हाथ खाली थे, उसके काम खत्म होने तक इंतजार करता रहा। पेरे रूऑल्ट, सिर पर नई रेशमी टोपी और काले कोट की कलाई से हाथों को नाखूनों तक ढके हुए, ने बड़ी मैडम बोवरी को अपना हाथ दिया। जहाँ तक बड़े मिस्टर बोवरी की बात है, जो वास्तव में इन सभी लोगों से घृणा करते हुए, केवल एक पंक्ति के बटनों वाले फौजी शैली के फ्रॉक कोट में आए थे, वे एक गोरी युवा किसान महिला की बार में प्रशंसा कर रहे थे। वह महिला शरमा गई और सिर झुकाकर खड़ी रही, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दे। शादी में आए अन्य लोग व्यापार की बातें कर रहे थे या एक-दूसरे की पीठ पीछे शरारतें कर रहे थे, जिससे उनका उत्साह बढ़ रहा था; और अगर कोई ध्यान से सुनता, तो खेतों में वायलिन बजाते हुए वायलिन वादक की आवाज़ हमेशा सुनाई देती। जब वह देखता कि बाकी लोग उससे बहुत पीछे रह गए हैं, तो वह साँस लेने के लिए रुक जाता, अपने धनुष पर लंबे समय तक राल लगाता ताकि तार और भी ज़ोर से बजें, और फिर से चलना शुरू कर देता, बारी-बारी से अपने वायलिन की गर्दन को ऊपर-नीचे करता, ताकि ताल को अपने लिए पक्का कर सके। उस वाद्ययंत्र की आवाज से आसपास काफी दूर तक के छोटे पक्षी डरकर उड़ गए।

गाड़ी रखने वाले शेड में मेज लगाई गई थी। उस पर गोमांस के चार रोस्ट, चिकन के छह फ्रिकासी, बछड़े का स्टू, भेड़ के मांस की तीन टांगें और बीच में एक बढ़िया भुना हुआ छोटा सुअर का बच्चा था, जिसके दोनों ओर सोरेल के स्वाद वाले चार एंडौइल सॉसेज रखे थे। कोनों पर कैराफ़ में ईओ-डी-वी रखी थी। बोतलों में मीठा

साइडर था, जिसका गाढ़ा झाग कॉर्क के चारों ओर फैला हुआ था, और हर गिलास पहले से ही शराब से लबालब भरा हुआ था। पीले कस्टर्ड की बड़ी-बड़ी प्लेटें, जो मेज पर हल्की सी भी धक्के से कांप उठती थीं, उनकी चिकनी सतहों पर नवविवाहित जोड़े के नाम के पहले अक्षर अनोखे अरबी डिज़ाइन में उकेरे गए थे। वे टार्ट और नौगट बनाने के लिए एक पेस्ट्री शेफ को ढूंढने के लिए यवेटोट गए थे। चूंकि वह उस इलाके में अभी-अभी काम शुरू कर रहा था, इसलिए उसने हर काम सावधानी से किया था; और मिठाई के समय वह खुद एक ऐसी उत्कृष्ट मिठाई लेकर आया जिसे देखकर लोग वाह-वाह करने लगे। सबसे नीचे नीले रंग के कार्डबोर्ड का एक चौकोर टुकड़ा था, जो एक मंदिर का प्रतिनिधित्व करता था, जिसके चारों ओर पोर्टिको, स्तंभ और प्लास्टर की छोटी-छोटी मूर्तियाँ थीं, जो सोने के कागज़ के सितारों से सजे आलों में रखी थीं; फिर दूसरी परत पर स्पंज केक से बना एक किले का मुख्य भाग था, जो एंजेलिका, बादाम, किशमिश और संतरे के टुकड़ों से बनी छोटी-छोटी किलेबंदी से घिरा हुआ था; और अंत में, सबसे ऊपरी परत पर, जो चट्टानों और जैम से बनी झीलों और अखरोट के छिलकों से बनी नावों वाला एक हरा मैदान था, एक छोटा कामदेव चॉकलेट के झूले पर झूल रहा था, जिसके दो खंभों के शीर्ष पर दो असली गुलाब की कलियाँ घुंडी के रूप में लगी थीं।

वे सूर्यास्त तक खाते रहे। जब वे बैठे-बैठे थक जाते, तो वे खेतों में टहलने चले जाते या खलिहान में कॉर्क-पेनी का खेल खेलते; फिर वे वापस मेज पर आ जाते। उनमें से कुछ, अंत में, वहीं सो गए और खर्राटे लेने लगे। लेकिन कॉफी के समय, सब कुछ फिर से जीवंत हो उठा; वे गीत गाने लगे, उन्होंने शक्ति प्रदर्शन किया, उन्होंने भार उठाया, उन्होंने "अंडर माई थंब" खेला, उन्होंने गाड़ियों को अपने कंधों पर उठाने की कोशिश की, उन्होंने अश्लील बातें कहीं, उन्होंने महिलाओं को चूमा। रात में, जब जाने का समय हुआ, तो जई से पूरी तरह भरे घोड़े मुश्किल से ही शाफ्ट में चढ़ पाए; वे लात मारते, उछलते, उन्होंने अपने हार्नेस तोड़ दिए, उनके मालिक गाली देते या हंसते; और पूरी रात, चांदनी रात में, ग्रामीण सड़कों पर, बेकाबू गाड़ियां पूरी रफ्तार से दौड़ रही थीं, गड्ढों में गिर रही थीं, बजरी के ढेरों पर से छलांग लगा रही थीं, तटबंधों पर अटक रही थीं, और महिलाएं लगाम पकड़ने के लिए दरवाजे से बाहर झुक रही थीं।

लेस बर्टो में ठहरे लोगों ने रात रसोई में बैठकर शराब पीते हुए बिताई। बच्चे बेंचों के नीचे सो गए थे।

दुल्हन ने अपने पिता से विनती की थी कि उसे पारंपरिक शरारतों से बख्श दिया जाए। फिर भी, उनके चचेरे भाइयों में से एक, जो मछली विक्रेता था (और वास्तव में शादी के उपहार के रूप में दो सोल मछली लाया था), चाबी के छेद से मुंह से पानी छिड़कने ही वाला था कि तभी पिता रूऑल्ट समय पर आकर उसे रोक दिया और समझाया कि दामाद की हैसियत के कारण ऐसी अनुचित हरकतें जायज़ नहीं हैं। हालांकि, चचेरा भाई बड़ी मुश्किल से इन दलीलों को माना। मन ही मन उसने पिता रूऑल्ट को घमंडी कहा और एक कोने में जाकर चार-

पांच अन्य मेहमानों के साथ बैठ गया, जिन्हें संयोगवश लगातार कई बार सबसे सस्ते मांस के टुकड़े परोसे गए थे। वे भी खुद को अपमानित महसूस कर रहे थे और अपने मेज़बान के खिलाफ कानाफूसी कर रहे थे, दबे स्वर में उम्मीद कर रहे थे कि वह बर्बाद हो जाए।

बड़ी मैडम बोवरी ने दिनभर कुछ नहीं बोला। न तो उनकी बहू के श्रृंगार के बारे में और न ही भोज की तैयारियों के बारे में किसी ने उनसे सलाह ली थी; वह जल्दी सो गईं। उनके पति, उनके पीछे जाने के बजाय, सेंट-विक्टर से कुछ सिगार मंगवाए और भोर तक सिगार पीते रहे, साथ ही किर्श से बनी शराब भी पीते रहे, जो कंपनी के लिए एक अनजान मिश्रण था, जिसने उनके प्रति उनके प्रति सम्मान को और भी बढ़ा दिया।

चार्ल्स स्वभाव से हाजिरजवाब नहीं थे, शादी के समारोहों के दौरान भी वे उतने बुद्धिमान नहीं थे। सूप परोसे जाने के क्षण से ही लोगों द्वारा उन पर किए गए चुटकुलों, व्यंग्यों, दोहरे अर्थ वाले शब्दों, तारीफों और भद्दी टिप्पणियों पर उन्होंने कमजोर प्रतिक्रिया दी थी।

लेकिन अगले दिन, वह बिल्कुल अलग ही लग रहा था। ऐसा लग रहा था मानो वह कल वाली कुंवारी लड़की हो, जबकि दुल्हन ने ऐसा कुछ भी नहीं दिखाया जिससे कुछ भी अंदाजा लगाया जा सके। यहाँ तक कि सबसे समझदार लोग भी नहीं जानते थे कि क्या कहें, और जब वह उनके पास आती तो वे उसे अत्यंत ध्यान से देखते रहते। लेकिन चार्ल्स ने कुछ भी नहीं छिपाया। वह उसे "मेरी पत्नी" कहकर पुकारता, उसे 'तू' कहकर संबोधित करता, सबसे पूछता कि वह कहाँ है, हर जगह उसकी तलाश करता, और अक्सर उसे बाहर बगीचे में ले जाता, जहाँ दूर से पेड़ों के बीच से उसे देखा जा सकता था, वह उसकी कमर में हाथ डालकर उसके ऊपर आधा झुका हुआ चलता रहता, उसका सिर उसकी चोली के खुले हिस्से में लगी लेस को हिलाता रहता।

शादी के दो दिन बाद दूल्हा-दुल्हन चले गए: चार्ल्स अपनी बीमारी के कारण ज़्यादा देर तक दूर नहीं रह सकते थे। पिता रूऑल्ट ने उन्हें अपनी गाड़ी में बिठाकर वापस घर पहुँचाया और स्वयं उनके साथ वासोनविले तक गए। वहाँ उन्होंने अपनी बेटी को आखिरी बार चूमा, गाड़ी से उतरे और फिर घर के लिए चल पड़े। लगभग सौ गज चलने के बाद वे रुक गए, और जब उन्होंने गाड़ी को दूर जाते देखा, जिसके पहिए धूल में घूम रहे थे, तो उन्होंने एक गहरी आह भरी। फिर उन्हें अपनी शादी, अपने शुरुआती दिन, अपनी पत्नी की पहली गर्भावस्था याद आ गई; वे भी बहुत खुश थे, जिस दिन वे उसे उसके पिता के घर से अपने घर लाए थे, जब वे उसे बर्फ पर सरपट दौड़ते घोड़े पर अपने पीछे बिठाकर लाए थे; क्योंकि क्रिसमस नज़दीक था, और खेत पूरी तरह से बर्फ से ढके थे; वह एक हाथ से उन्हें पकड़े हुए थी, उसकी टोकरी दूसरे हाथ में टंगी हुई थी; हवा उसके कौचोइस हेडड्रेस के लंबे लेस के रिबन को फड़फड़ा रही थी, जिससे कभी-कभी वो उसके मुंह पर आ जाते थे। जब वो अपना सिर घुमाता, तो उसे अपने कंधे के पास, उसके छोटे से गुलाबी चेहरे पर सोने के आभूषण से सजी टोपी

के नीचे चुपचाप मुस्कुराहट दिखाई देती। वो बीच-बीच में अपनी उंगलियों को उसके कोट के अंदर डालकर गर्म करती। कितना समय बीत गया! अब तक तो उनका बेटा तीस साल का हो गया होता! फिर उसने पीछे मुड़कर देखा; सड़क पर उसे कुछ नहीं दिखा। उसे ऐसा लगा जैसे कोई खाली घर हो; और दावत की धुंध से भरे उसके दिमाग में स्नेह भरी यादें काले विचारों के साथ घुलमिल गईं, एक पल के लिए उसने चर्च की ओर टहलने का सोचा। लेकिन उसे डर था कि चर्च को देखकर वह और भी उदास हो जाएगा, इसलिए वो सीधे घर लौट आया।

श्रीमान और श्रीमती चार्ल्स लगभग छह बजे टोस्टे पहुंचे। पड़ोसी अपने डॉक्टर की नई पत्नी को देखने के लिए खिड़कियों पर आ गए।

बूढ़ी नौकरानी ने स्वयं को प्रस्तुत किया, उन्हें प्रणाम किया, खाना तैयार न होने के कारण क्षमा मांगी और मैडम से आग्रह किया कि प्रतीक्षा करते समय वे उनके घर से परिचित हो जाएं।

[5]

ईंटों से बना मकान सड़क से सटा हुआ था, या यूँ कहें कि मुख्य सड़क से। दरवाजे के पीछे एक छोटा सा लबादा, लगाम, काली चमड़े की टोपी टंगी थी, और कोने में ज़मीन पर सूखी मिट्टी से सनी हुई एक टांगी पड़ी थी। दाईं ओर बैठक थी, यानी वह कमरा जहाँ वे खाना खाते और बैठते थे। हल्के पीले रंग का वॉलपेपर, जिसके ऊपरी हिस्से पर हल्के फूलों की मालाएँ बनी थीं, अपने कमज़ोर कैनवास पर पूरी लंबाई में लगातार लहरा रहा था; लाल कढ़ाई वाले सफेद कैलिको के पर्दे खिड़कियों की पूरी लंबाई में आड़े-तिरछे लगे थे, और संकरे मेंटलपीस पर हिप्पोक्रेट्स के सिर वाली एक पेंडुलम घड़ी, अंडाकार गोलों के नीचे चांदी की परत चढ़े दो मोमबत्ती स्टैंड के बीच सजी हुई थी। दालान के दूसरी ओर चार्ल्स का कार्यालय था, लगभग छह कदम चौड़ा एक छोटा सा कमरा, जिसमें एक मेज, तीन कुर्सियाँ और एक ऑफिस की कुर्सी थी। चिकित्सा विज्ञान के शब्दकोश की वे पुस्तकें, जिनके पन्ने तो कटे नहीं थे, लेकिन बार-बार बिकने के कारण उनकी जिल्द खराब हो चुकी थी, चीड़ की लकड़ी की बनी किताबों की अलमारी की छह अलमारियों को लगभग पूरी तरह भर देती थीं। परामर्श के दौरान, पक रही चटनी की महक दीवार से रिसकर आती थी, ठीक वैसे ही जैसे रसोई से परामर्श कक्ष में मरीजों के खांसने और अपनी पूरी बीमारी के बारे में विस्तार से बताने की आवाज़ सुनाई देती थी। इसके आगे, सीधे आंगन में खुलता हुआ, जहां अस्तबल थे, एक बड़ा जर्जर कमरा था जिसमें एक चूल्हा था और अब वह लकड़ी रखने का गोदाम, तहखाना और भंडारगृह के रूप में इस्तेमाल होता था। वह कमरा लोहे के पुराने टुकड़ों, खाली बैरलों, बेकार पड़े बागवानी उपकरणों और अन्य धूल भरी चीजों से भरा हुआ था, जिनका उपयोग समझना असंभव था।

चौड़ाई से अधिक लंबा यह बगीचा, खुबानी के पेड़ों से ढकी दो मिट्टी की दीवारों के बीच से होकर खेतों से अलग करने वाली कांटेदार बाड़ तक फैला हुआ था। बीच में एक पत्थर के चबूतरे पर एक धूपघड़ी थी; पतले जंगली गुलाबों से भरी चार क्यारियाँ, व्यवस्थित रूप से लगाए गए अधिक उपयोगी पौधों के वर्ग को घेरे हुए थीं। दूर छोर पर, स्प्रूस पेड़ों के नीचे, प्लास्टर से बनी एक पुरोहित की मूर्ति अपनी प्रार्थना पुस्तक पढ़ रही थी।

एम्मा ऊपर शयनकक्षों में गई। पहला कमरा बिल्कुल खाली था; लेकिन दूसरा, जो पति-पत्नी का शयनकक्ष था, उसमें लाल पर्दों से ढकी एक आले में महोगनी का पलंग था। दराजों वाली अलमारी पर सीपियों से बना एक डिब्बा सजा था; और खिड़की के पास लेखन मेज पर, एक जग में, सफेद साटन रिबन से बंधा नारंगी फूलों का गुलदस्ता रखा था। यह शादी का गुलदस्ता था, दूसरी औरत का गुलदस्ता! उसने उसे देखा। चार्ल्स ने देखा, उसे उठाया और अटारी में ले गया, जबकि एक आरामकुर्सी पर बैठी (वे उसका सामान उसके चारों ओर रख रहे थे),

एम्मा अपने खुद के शादी के गुलदस्ते के बारे में सोचने लगी, जो एक गत्ते के डिब्बे में पैक था, और स्वप्निल रूप से सोचने लगी कि अगर किसी कारणवश उसकी मृत्यु हो जाए तो उसका क्या होगा।

शुरुआती दिनों में वह अपने घर में बदलाव की योजना बनाने में व्यस्त रहीं। उन्होंने मोमबत्ती स्टैंड से गोले हटा दिए, नया वॉलपेपर लगवाया, सीढ़ियों को रंगवाया और धूपघड़ी के चारों ओर बगीचे में बैठने की जगह बनवाई; उन्होंने यह भी पता लगाया कि उन्हें फव्वारे और मछलियों वाला स्विमिंग पूल कैसे मिल सकता है। और उनके पति, यह जानते हुए कि उन्हें ड्राइव पर जाना पसंद है, ने एक पुरानी बोक (मोटापा) खरीदी, जिसमें नए लैंप और गद्देदार चमड़े के मडगार्ड लगने के बाद वह लगभग एक टिलबरी (मोटापा) जैसी दिखने लगी।

इसलिए वह खुश था, दुनिया की कोई चिंता नहीं थी। उसके साथ अकेले भोजन करना, शाम को बड़ी सड़क पर टहलना, उसके बालों की लटों को छूने का उसका इशारा, खिड़की के कुंडी पर लटकी उसकी भूसी की टोपी का नजारा, और कई अन्य चीजें जिनके बारे में चार्ल्स ने कभी सोचा भी नहीं था कि वे आनंद का स्रोत बनेंगी, अब उसकी खुशी का निरंतर प्रवाह बन गई थीं। सुबह बिस्तर पर, तकिए पर उसके बगल में, वह उसकी सुनहरी गालों पर फैली रुई से छनकर आती धूप को देखता, जो उसकी नाइट कैप के झालरदार किनारों से आधी ढकी होती थीं। इतनी नज़दीक से देखने पर, उसकी आँखें उसे बड़ी दिखाई देती थीं, खासकर जब वह जागते समय कई बार अपनी पलकें खोलती थी; छाया में काली और दिन के उजाले में गहरी नीली, ऐसा लगता था जैसे उनमें रंगों की कई परतें हों, गहराई में घनी और चमकदार सतह की ओर हल्की होती जाती। उसकी अपनी आँखें उन गहराइयों में खो जातीं, और वह खुद को अपने कंधों तक, सिर पर लिपटे रेशमी स्कार्फ और आधी खुली नाइट शर्ट के ऊपरी हिस्से तक, लघु रूप में देखता। वह उठ खड़ा होता। वह उसे जाते हुए देखने के लिए खिड़की पर जाती; और दो गमलों में लगे गेरेनियम के बीच, कोहनियों को खिड़की की चौखट पर टिकाए, ढीली सी ड्रेसिंग गाउन पहने वहीं खड़ी रहती। चार्ल्स सड़क पर अपने स्पर्स कस रहा होता, उसका पैर पहरेदार पत्थर पर होता; और वह ऊपर से उससे बातें करती रहती, अपने दाँतों से कोई फूल या पत्ता तोड़कर नीचे फेंकती, जो फड़फड़ाता, तैरता, पक्षी की तरह हवा में आधा चक्कर लगाता और गिरने से पहले दरवाजे पर खड़ी बूढ़ी सफेद घोड़ी के बेतरतीब ढंग से कंघी किए हुए अयाल में अटक जाता। घोड़े पर सवार चार्ल्स उसे चुंबन भेजता; वह हाथ हिलाकर जवाब देती, खिड़की बंद कर लेती और वह चला जाता। और फिर, उसके सामने धूल की अंतहीन पट्टी की तरह फैले राजमार्ग पर, पेड़ों से घिरी हुई धँसी हुई गलियों में, जहाँ गेहूँ उसके घुटनों तक ऊँचा उगता था, कंधों पर सूरज की किरणें और नाक में सुबह की हवा लिए, उसका दिल रात के आनंद से भरा हुआ, उसकी आत्मा शांत, उसका शरीर संतुष्ट, वह अपनी खुशी पर विचार करते हुए आगे बढ़ता, जैसे कोई व्यक्ति रात के खाने के बाद भी अपने द्वारा पचाए गए ट्रफल्स के स्वाद को चबाता रहता है।

अब तक उसके जीवन में क्या अच्छा था? क्या वह स्कूल का समय था, जहाँ वह उन ऊँची दीवारों के बीच बंद रहता था, अपने से अमीर या पढ़ाई में बेहतर सहपाठियों के बीच अकेला, जो उसके लहजे पर हँसते थे, उसके कपड़ों का मज़ाक उड़ाते थे, और जिनकी माताएँ मुलाक़ात कक्ष में मिठाइयाँ लेकर आती थीं? क्या वह बाद का समय था, जब वह चिकित्सा की पढ़ाई कर रहा था, उसका बटुआ इतना भरा नहीं होता था कि वह किसी काम करने वाली लड़की के साथ कॉन्ट्रा डांस कर सके, जो शायद उसकी प्रेमिका बन जाती? उसके बाद, वह चौदह महीने उस विधवा के साथ रहा, जिसके पैर बिस्तर पर बर्फ़ के टुकड़ों की तरह ठंडे रहते थे। लेकिन अब वह हमेशा के लिए उस सुंदर स्त्री का मालिक बन चुका था, जिससे वह बहुत प्यार करता था। उसके लिए, ब्रह्मांड उसकी पेटीकोट की रेशमी आकृति से आगे नहीं बढ़ता था; और वह खुद को उससे और अधिक प्यार न करने के लिए कोसता, वह उसे फिर से देखना चाहता; वह जल्दी से घर लौटता, सीढ़ियाँ चढ़ता, उसका दिल ज़ोर से धड़कता। एम्मा अपने कमरे में कपड़े पहन रही होती; वह चुपचाप अंदर आता, उसकी पीठ पर चुंबन करता, और वह चीख पड़ती।

वह बार-बार उसकी कंघी, अंगूठियां, दुपट्टा छूने से खुद को रोक नहीं पाता था; कभी-कभी वह उसके गालों पर बड़े-बड़े होठों से चुंबन करता, या उसकी नंगी बांह पर उंगलियों के सिरों से लेकर कंधे तक छोटे-छोटे चुंबनों की एक श्रृंखला देता; और वह उसे थकी हुई आधी मुस्कान के साथ दूर धकेल देती, जैसे कोई चिपके हुए बच्चे को धकेलता है।

शादी से पहले, एम्मा को लगता था कि वह जिस चीज़ का अनुभव कर रही है, वह प्यार है; लेकिन उस प्यार से मिलने वाली खुशी न मिलने पर, उसे लगा कि शायद वह गलत थी। और एम्मा ने यह जानने की कोशिश की कि किताबों में उसे जो शब्द इतने सुंदर लगे थे, उनका जीवन में वास्तव में क्या अर्थ है: "आनंद," "जुनून," और "नशा।"

[6]

उसने पॉल और वर्जीनिया की किताबें पढ़ी थीं, और उसने छोटे से बांस के घर, नीग्रो डोमिंगो, कुत्ते फेथफुल का सपना देखा था, लेकिन सबसे बढ़कर एक अच्छे छोटे भाई की मीठी दोस्ती का सपना देखा था जो चर्च के शिखर से भी ऊंचे बड़े पेड़ों से आपके लिए लाल फल लाने जाता है, या नंगे पैर रेत पर दौड़कर आपके लिए चिड़िया का घोंसला लाता है।

जब वह तेरह वर्ष की थीं, तब उनके पिता स्वयं उन्हें शहर ले गए और उन्हें मठ में दाखिला दिलाया। वे सेंट-गेरवाइस इलाके के एक सराय में ठहरे, जहाँ उन्हें चित्रित प्लेटों में भोजन परोसा गया, जिन पर मैडमोजेल डी ला वलियर की कहानी अंकित थी। चाकू से जगह-जगह खरोंचे गए इन व्याख्यात्मक लेखों में धर्म, परिष्कृत भावनाओं और दरबार की शान-शौकत का गुणगान किया गया था।

अपने शुरुआती दिनों में कॉन्वेंट में दुखी होने के बजाय, वह नेक बहनों की संगति को पसंद करती थी, जो उसका मनोरंजन करने के लिए उसे भोजन कक्ष से एक लंबे गलियारे से होते हुए चैपल में ले जाती थीं। वह मनोरंजन के समय बहुत कम खेलती थी, उसे कैटेकिज़्म (धार्मिक शिक्षा) अच्छी तरह समझ में आती थी, और जब भी महाशय विकेयर (पादरी) कठिन प्रश्न पूछते, तो उत्तर वही देती थी। इस प्रकार, कक्षाओं के शांत वातावरण को कभी छोड़े बिना, और माला और तांबे के क्रूस लिए इन श्वेत-चेहरे वाली महिलाओं के बीच रहते हुए, वह धीरे-धीरे वेदी की सुगंध, कुंडों की शीतलता और मोमबत्तियों की रोशनी से निकलने वाली रहस्यमयी शांति में डूब जाती थी। मास में भाग लेने के बजाय, वह अपनी पुस्तक में नीले किनारों वाले पवित्र चित्रों को निहारती रहती थी, और उसे बीमार भेड़, तीखे तीरों से भेदा हुआ पवित्र हृदय, या चलते-चलते क्रूस के नीचे गिरते हुए बेचारे यीशु बहुत प्यारे लगते थे। उसने आत्मसंयम के रूप में, पूरे दिन बिना खाए रहने का प्रयास किया। उसने अपने मन में कोई ऐसा व्रत खोजने की कोशिश की जिसे वह पूरा कर सके।

जब वह पाप स्वीकार करने जाती, तो वहाँ अधिक समय तक रहने के लिए छोटे-छोटे पाप गढ़ लेती, अँधेरे में घुटनों के बल बैठी, हाथ जोड़े, पादरी की फुसफुसाहट के बीच खिड़की की जाली पर चेहरा टिकाए। उपदेशों में बार-बार आने वाले मंगेतर, जीवनसाथी, दिव्य प्रेमी और शाश्वत विवाह के उपमाएँ उसकी आत्मा की गहराई में अप्रत्याशित रूप से मधुर भावनाएँ जगा देती थीं।

शाम को, प्रार्थना से पहले, अध्ययन कक्ष में उन्हें कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़कर सुनाया जाता था। सप्ताह के दिनों में, यह बाइबिल के इतिहास का कोई सारांश या अब्बे फ्रायसिनस के व्याख्यान होते थे, और रविवार को, कुछ अलग करने के लिए, 'ईसाई धर्म की प्रतिभा' के अंश पढ़े जाते थे। शुरुआती कुछ बार, उसने उन मधुर, प्रेममय उदासी भरे विलापों को कितनी उत्सुकता से सुना, जो धरती और अनंत काल में गूंज रहे थे! यदि उसका बचपन

किसी व्यावसायिक क्षेत्र में किसी दुकान के पीछे के कमरे में बीता होता, तो शायद वह प्रकृति के उन गीतात्मक आक्रमणों के प्रति ग्रहणशील होती, जो आमतौर पर हमें केवल लेखकों द्वारा व्यक्त किए जाने पर ही प्राप्त होते हैं। लेकिन वह ग्रामीण परिवेश को बहुत अच्छी तरह जानती थी; वह भेड़ों के मिमियाने, दुहने, हल चलाने की आवाज़ों से परिचित थी। चीजों के शांत पहलुओं की आदी होने के कारण, वह इसके बजाय अधिक उथल-पुथल भरे पहलुओं की ओर मुड़ गई। वह समुद्र से केवल उसके तूफानों के लिए प्रेम करती थी, और हरियाली से केवल तभी जब वह खंडहरों के बीच इधर-उधर उगती थी। उसे चीजों से किसी न किसी प्रकार का व्यक्तिगत लाभ प्राप्त करने की आवश्यकता थी; और उसने हर उस चीज को बेकार समझकर खारिज कर दिया जो उसके दिल की तात्कालिक संतुष्टि में योगदान नहीं देती थी, क्योंकि वह स्वभाव से कलात्मक होने की तुलना में अधिक भावुक थी, वह परिदृश्यों की नहीं बल्कि भावनाओं की तलाश में रहती थी।

कॉन्वेंट में एक अविवाहित महिला हर महीने एक सप्ताह के लिए कपड़े धोने के कमरे में काम करने आती थी। क्रांति के दौरान तबाह हो चुके एक पुराने कुलीन परिवार से होने के कारण, वह धर्मप्रांत के संरक्षण में थी। वह भोजन कक्ष में अन्य बहनों की मेज पर भोजन करती और भोजन के बाद, अपने कढ़ाई के काम में वापस जाने से पहले उनसे थोड़ी देर बातचीत करती। अक्सर, छात्रावास में रहने वाली छात्राएँ उससे मिलने के लिए चुपके से अध्ययन कक्ष से निकल जाती थीं। उसे पिछली सदी के प्रेम गीत कंठस्थ थे और कढ़ाई करते समय वह उन्हें मधुर स्वर में गाती थी। वह कहानियाँ सुनाती, खबरें देती, शहर में आपके छोटे-मोटे काम करती और बड़ी छात्राओं को चुपके से अपने एप्रन की जेब में रखी हुई किताबों में से एक किताब उधार देती, जिसे वह स्वयं अपने काम के बीच में लंबे-लंबे अध्यायों में पढ़ डालती थी। वे हमेशा और केवल प्रेम, प्रेमियों, मोहिनियों, एकांत मंडपों में बेहोश होती सताई हुई महिलाओं, हर पड़ाव पर मारे गए सैनिकों, हर पृष्ठ पर मौत के घाट उतारे गए घोड़ों, उदास जंगलों, व्याकुल हृदयों, कसमों, सिसकियों, आंसुओं और चुंबनों, चांदनी रात में नावों, उपवनों में बुलबुलों, शेरों के समान बहादुर, मेमनों के समान कोमल, अद्वितीय गुणी, हमेशा सलीके से कपड़े पहने और समाधि के कलशों की तरह रोने वाले सज्जनों के बारे में ही थीं। और इस तरह पंद्रह वर्ष की आयु में, छह महीनों तक एम्मा ने उन पुरानी उधार पुस्तकालयों की चिकनी धूल में अपने हाथ सने। बाद में, वाल्टर स्कॉट के साथ, वह ऐतिहासिक चीजों से मोहित हो गई, जड़े हुए चमड़े के बक्सों, पहरेदार कक्षों और गायकों के सपने देखने लगी। वह किसी पुराने हवेली में रहना चाहती थी, उन लंबी चोली वाली हवेली की मालकिनों की तरह, जो तिपतिया घास के मैदान के नीचे, पत्थर की चौखट पर कोहनी टिकाकर और ठुड्डी हाथ में लिए, दूर-दराज के इलाकों से काले घोड़े पर सवार सफेद पंखों वाले घुड़सवार को सरपट आते हुए देखती रहती थीं। उस समय वह मैरी स्टुअर्ट की बहुत बड़ी प्रशंसक थीं और प्रसिद्ध या दुर्भाग्यशाली महिलाओं के प्रति उनके मन में गहरी श्रद्धा

थी। जोन ऑफ आर्क, हेलोइस, एग्नेस सोरेल, ला बेले फेरोनियर और क्लेमेंस इसौर, उनके लिए इतिहास की धुंधली विशालता के बीच धूमकेतु की तरह चमकती थीं, जिसमें अभी भी कहीं-कहीं, लेकिन अंधेरे में कम दिखाई देने वाले और आपस में बिना किसी संबंध के, संत लुई और उनका ओक का पेड़, मरता हुआ बायर्ड, लुई XI की क्रूरता के कुछ अंश, संत बार्थोलोम्यू का थोड़ा सा अंश, बेअरनैस का पंख और हमेशा उन चित्रित प्लेटों की स्मृति दिखाई देती थी जिन पर लुई XIV की प्रशंसा की गई थी।

संगीत की कक्षा में, वह जो लोकगीत गाती थी, उनमें केवल सुनहरे पंखों वाले नन्हे देवदूत, मैडोना, झीलें, गोंडोलियर जैसे विषय होते थे—शांतिपूर्ण रचनाएँ जो उसे शैली की सरलता और सुरों की अनियमितताओं के बीच से वास्तविक भावनाओं के मोहक भ्रम की झलक देती थीं। उसकी कुछ सहपाठियाँ नव वर्ष के उपहार के रूप में मिले यादगार एल्बम मठ में लाती थीं। उन्हें उन्हें छिपाना पड़ता था, यह एक बड़ा काम था; वे उन्हें छात्रावास में पढ़ती थीं। सुंदर साटन की जिल्दों को बड़े ही सलीके से संभालते हुए, एम्मा उन अज्ञात लेखकों के नामों को देखती रहती थी, जिन्होंने अपनी रचनाओं के नीचे हस्ताक्षर किए होते थे, जिनमें अक्सर काउंट और विस्काउंट जैसे नाम होते थे।

वह कांपती, उसकी सांसों से टिशू पेपर नक्काशी से ऊपर उठ जाता; आधा मुड़ा हुआ कागज़ उठकर धीरे से पन्ने पर वापस गिर जाता। बालकनी की रेलिंग के पीछे एक छोटा सा लबादा पहने एक युवक था, जिसने सफेद पोशाक पहने एक युवती को बाहों में थाम रखा था, जिसकी कमर पर जालीदार थैली थी; या फिर सुनहरे घुंघराले बालों वाली अंग्रेज़ महिलाओं के गुमनाम चित्र थे, जो अपनी गोल भूसे की टोपियों के नीचे से अपनी चौड़ी, हल्के रंग की आँखों से आपको निहार रही थीं। कुछ को गाड़ियों में लेटे हुए, पार्कों में घूमते हुए दिखाया गया था, जहाँ एक ग्रेहाउंड सफेद घुटने तक की पैंट पहने दो छोटे पोस्टिलियनों द्वारा चलाई जा रही घोड़ों की टोली के आगे दौड़ रहा था। अन्य, एक बिना सील वाले पत्र के बगल में सोफे पर सपने देखते हुए, काले पर्दे से आधी ढकी आधी खुली खिड़की से चाँद को निहार रहे थे। गालों पर आंसू लिए मासूम लोग गोथिक शैली के पिंजरे की सलाखों के बीच से कबूतर की चोंच चूमते थे या मुस्कुराते हुए, अपना सिर लगभग कंधे से छूते हुए, तुर्की चप्पलों की तरह ऊपर की ओर मुड़ी हुई नुकीली उंगलियों से डेज़ी के पत्ते तोड़ते थे। और तुम भी वहाँ थे, लंबी बांसुरी बजाने वाले सुल्तान, लताओं के नीचे नाचती लड़कियों की बाहों में मदहोश, तुम जियाउर, तुर्की तलवारें, फेज़ टोपी, और तुम विशेष रूप से, उन्मादी देशों के धुंधले परिदृश्य, जो अक्सर हमें ताड़ और चीड़ के पेड़, दाईं ओर बाघ, बाईं ओर शेर, क्षितिज पर तातार मीनारें, अग्रभूमि में रोमन खंडहर, फिर बैठे ऊंट दिखाते हैं;—यह सब एक बेहद साफ-सुथरे, अछूते जंगल में घिरा हुआ है, जहाँ पानी पर सूर्य की एक तेज सीधी किरण कांप रही है, और जहाँ स्टील जैसे भूरे रंग की पृष्ठभूमि पर सफेद धब्बों की तरह दूर-दूर तक हंस तैर रहे हैं।

और एम्मा के सिर के ऊपर दीवार पर टंगी आर्गंड लैंप की छाया, दुनिया की उन सभी तस्वीरों पर चमक रही थी, जो छात्रावास की खामोशी में, एक के बाद एक उसके सामने से गुजर रही थीं, और दूर से आती हुई किसी टैक्सी की आवाज अभी भी सड़कों पर चल रही थी।

जब उसकी माँ का देहांत हुआ, तो शुरुआती कुछ दिनों में वह बहुत रोई। उसने अपनी माँ के बालों से अपनी एक स्मृति चित्र बनवाई और लेस बर्टो को लिखे पत्र में, जीवन पर दुख भरे विचारों से भरी हुई, उसने बाद में उसी कब्र में दफन होने की इच्छा व्यक्त की। उस भले आदमी ने सोचा कि वह बीमार है और उससे मिलने आया। एम्मा को मन ही मन संतोष हुआ कि उसने अपने पहले ही प्रयास में उस दुर्लभ आदर्श को प्राप्त कर लिया है, जो साधारण हृदय वाले कभी प्राप्त नहीं कर सकते। और इसलिए उसने खुद को लामार्टिन के विचारों में खो जाने दिया, झीलों पर बजते वीणा के स्वर को सुना, हर मरते हुए हंस के गीत को सुना, हर पत्ते के गिरने की आवाज़ को सुना, स्वर्ग की ओर उठती हुई पवित्र कुंवारी कन्याओं को सुना और घाटियों में बोलती हुई शाश्वत वाणी को सुना। वह इससे ऊब गई, इसे स्वीकार नहीं करना चाहती थी, आदत के कारण जारी रखा, फिर घमंड के कारण, और अंत में यह देखकर आश्चर्यचकित हुई कि उसे शांति मिल गई है, और उसके हृदय में उतना ही दुख है जितना उसके माथे पर झुर्रियाँ।

वे नेक ननें, जिन्हें मैडमोजेल रूऑल्ट के धार्मिक मार्ग पर पूरा भरोसा था, बड़े आश्चर्य से देख रही थीं कि वह उनके नियंत्रण से बाहर होती जा रही हैं। उन्होंने वास्तव में उन पर इतने सारे धार्मिक अनुष्ठान, ध्यान साधनाएँ, नौ दिनों की प्रार्थनाएँ और उपदेश अर्पित किए थे, संतों और शहीदों के प्रति आदर का इतना गहन उपदेश दिया था, और शरीर की शालीनता और आत्मा के उद्धार के विषय में इतनी अच्छी सलाह दी थी, कि उनका व्यवहार वैसा ही हो गया जैसा घोड़े लगाम से खींचे जाने पर करते हैं: वह अचानक रुक गईं और लगाम उनके दाँतों से फिसल गई। उनका वह स्वभाव, जो उत्साह के बीच व्यावहारिक था, चर्च को उसके फूलों के लिए, संगीत को उसके गीतों के लिए, और साहित्य को उसकी भावनाओं को जगाने की शक्ति के लिए प्यार करता था, आस्था के रहस्यों के सामने विद्रोह कर बैठा, ठीक वैसे ही जैसे वह उसके अनुशासन से चिढ़ती जा रही थीं, जो उनके स्वभाव के विपरीत था। जब उनके पिता ने उन्हें स्कूल से निकाल लिया, तो किसी को भी उनके जाने का दुख नहीं हुआ। मदर सुपीरियर ने तो यह भी सोचा कि हाल ही में वह समुदाय के प्रति कुछ अनादरपूर्ण हो गई थीं।

घर लौटने पर, एम्मा को पहले तो नौकरों को आदेश देना अच्छा लगता था, फिर वह गाँव के माहौल से ऊब गई और अपने कॉन्वेंट को याद करने लगी। जब चार्ल्स पहली बार लेस बर्टो आया, तब तक वह खुद को पूरी तरह से निराश मान चुकी थी, मानो उसे अब कुछ भी सीखना या महसूस करना बाकी नहीं था।

लेकिन बदलाव के लिए उसकी बेसब्री, या शायद इस आदमी की मौजूदगी से पैदा हुई घबराहट भरी उत्तेजना, उसे यह विश्वास दिलाने के लिए काफी थी कि आखिरकार उसे वह अद्भुत जुनून मिल गया है जो तब तक एक काव्यात्मक आकाश की भव्यता में मंडराते हुए एक विशाल गुलाबी पंखों वाले पक्षी की तरह बना हुआ था; और अब वह खुद को यह यकीन नहीं दिला पा रही थी कि वह जो शांत जीवन जी रही थी, वही खुशी थी जिसका उसने सपना देखा था।

[7]

कभी-कभी वह सोचती थी कि ये दिन उसके जीवन के सबसे खूबसूरत दिन थे—जिन्हें हनीमून कहा जाता था। इसकी मिठास का आनंद लेने के लिए, उसे निस्संदेह उन मधुर नामों वाले देशों में से किसी एक पर जाना पड़ता, जहाँ शादी के बाद के दिन अधिक सुकून भरे होते हैं! नीले रेशमी पर्दों के नीचे, एक आरामदायक झूले पर बैठकर, आप खड़ी ढलानों पर धीरे-धीरे चढ़ते हैं, पहाड़ों में गूंजते पोस्टिलियन पक्षी के गीत को सुनते हैं, जो बकरियों की घंटियों और झरने की धीमी आवाज़ के साथ घुलमिल जाता है। जैसे ही सूरज ढलता है, आप किसी खाड़ी के किनारे एक साथ खड़े होकर नींबू के पेड़ों की सुगंध लेते हैं; फिर, रात में, किसी विला की छत पर अकेले, उंगलियों को एक-दूसरे में फंसाकर, आप तारों को निहारते हैं और योजनाएँ बनाते हैं। उसे लगता था कि पृथ्वी पर कुछ स्थान ऐसे होते हैं जो खुशी देते हैं, ठीक वैसे ही जैसे कोई पौधा उस मिट्टी के लिए खास होता है और किसी और जगह पर ठीक से नहीं उगता। काश, वह किसी स्विस शैले की बालकनी पर अपनी कोहनियों को टिका पाती या स्कॉटलैंड के किसी कॉटेज में अपने दुख को एक कोने में बंद कर पाती, जहाँ उसका पति लंबी स्कर्ट वाले काले मखमली कोट, मुलायम बूट, नुकीली टोपी और कलाई पर झालरदार गहने पहने होता!

शायद वह इन सब बातों को किसी से साझा करना चाहती थी। लेकिन उस बेचैनी को कैसे व्यक्त किया जाए जो इतनी अस्पष्ट है, जो बादल की तरह अपना रूप बदलती है, हवा की तरह दिशा बदलती है? उसके पास शब्द नहीं थे, अवसर नहीं था, साहस नहीं था।

लेकिन अगर चार्ल्स ने चाहा होता, अगर उसे ज़रा भी शक होता, अगर उसकी नज़रें एक बार भी उसके मन की बात पढ़ लेतीं, तो उसे लगता था कि उसका दिल उतनी ही जल्दी हल्का हो जाता जितनी जल्दी पके फल पेड़ से हाथ के स्पर्श से गिर जाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे उनके जीवन की घनिष्ठता बढ़ती गई, वैसे-वैसे एक आंतरिक अलगाव पैदा होता गया, जिसने उसके चार्ल्स से संबंध तोड़ दिए।

चार्ल्स की बातचीत सड़क की तरह नीरस थी, और हर किसी के विचार साधारण कपड़ों में उस पर चलते थे, बिना किसी भावना, हंसी या कल्पना को जगाए। उन्होंने कहा कि जब वे रूएन में रहते थे, तब उन्हें पेरिस के अभिनेताओं को देखने के लिए थिएटर जाने में कभी दिलचस्पी नहीं थी। उन्हें तैरना, तलवारबाजी करना या पिस्तौल चलाना नहीं आता था, और एक दिन वे उसे एक उपन्यास में पढ़े घुड़सवारी के शब्द का अर्थ भी नहीं समझा पाए।

लेकिन क्या एक पुरुष को सब कुछ नहीं जानना चाहिए, अनेक प्रकार की गतिविधियों में निपुण नहीं होना चाहिए, तुम्हें भावनाओं की तीव्रता, जीवन की बारीकियों और उसके सभी रहस्यों से परिचित नहीं कराना चाहिए? फिर भी इस पुरुष ने उसे कुछ नहीं सिखाया, कुछ नहीं जाना, कुछ नहीं चाहा। उसे लगता था कि वह

खुश है; और वह उस स्थिर शांति, उस गंभीर स्थिरता, उस खुशी के लिए उससे नाराज़ थी जो उसने खुद उसे दी थी।

वह कभी-कभी चित्र बनाती थी; और चार्ल्स को वहाँ खड़े होकर उसे पैड पर झुके हुए, अपनी आँखें आधी बंद करके काम को बेहतर ढंग से देखते हुए, या अपने अंगूठे पर ब्रेड क्रम्ब्स की गोलियाँ बनाते हुए देखना बहुत मनोरंजक लगता था। जहाँ तक पियानो की बात है, उसकी उंगलियाँ जितनी तेज़ी से चलती थीं, चार्ल्स उतना ही आश्चर्यचकित होता था। वह आत्मविश्वास से चाबियाँ बजाती और बिना रुके पूरे कीबोर्ड पर ऊपर से नीचे तक बजाती रहती। जब वह इस तरह पियानो बजाती थी, तो खिड़की खुली होने पर पुराने वाद्य यंत्र की बजती हुई तारें गाँव के किनारे तक सुनाई देती थीं, और अक्सर मुख्य सड़क से गुजरने वाला, नंगे बदन और चप्पलों में बैठा हुआ, अधिकारी का क्लर्क अपने हाथ में कागज़ का टुकड़ा लिए रुककर सुनने लगता था।

इसके अलावा, एम्मा को घर-परिवार संभालना बखूबी आता था। वह मरीजों को उनकी परामर्श की बिलें बड़े ही सलीके से लिखे पत्रों में भेजती थी, जो बिल की तरह नहीं लगते थे। रविवार को जब उनके घर कोई पड़ोसी रात के खाने पर आता, तो वह बड़े सलीके से व्यंजन परोसती, बेल के पत्तों पर बेर की पिरामिडनुमा सजावट करना जानती, छोटी-छोटी कटोरियों में मुरब्बे निकालकर प्लेटों में परोसती और यहां तक कि मिठाई के लिए मुंह धोने वाले कटोरे खरीदने की बात भी करती। इन सब बातों से बोवरी की प्रतिष्ठा को काफी बल मिलता था। चार्ल्स को अपनी पत्नी के होने से आत्मसम्मान और भी अधिक महसूस होने लगा। बैठक में, वह गर्व से अपनी पत्नी के ग्रेफाइट से बनाए गए दो छोटे रेखाचित्र दिखाते थे, जिन्हें उन्होंने चौड़े फ्रेम में लगवाकर हरे रंग की लंबी डोरियों से वॉलपेपर पर टांग रखा था। प्रार्थना के बाद, उन्हें अक्सर अपने दरवाजे पर कालीन की सुंदर चप्पलें पहने खड़े देखा जा सकता था।

वह देर से घर लौटता, रात दस बजे, कभी-कभी आधी रात को। फिर वह कुछ खाने के लिए माँगता, और नौकरानी के सो जाने के कारण एम्मा ही उसे खाना परोसती। वह आराम से खाना खाने के लिए अपना कोट उतार देता। वह उसे एक-एक करके उन सभी लोगों के बारे में बताता जिनसे वह मिला था, उन गाँवों के बारे में जहाँ वह गया था, उन दवाओं के बारे में जो उसने लिखी थीं, और खुद से संतुष्ट होकर, वह प्याज के साथ बचे हुए गोमांस के टुकड़े खाता, अपने पनीर का छिलका उतारता, एक सेब चबाता, अपनी चाय की बोतल खाली करता, फिर बिस्तर पर चला जाता, पीठ के बल सोता और खर्राटे लेता।

चूंकि उन्हें रात में टोपी पहनने की आदत थी, इसलिए उनका स्कार्फ उनके कानों पर नहीं टिकता था; इस प्रकार सुबह उनके बाल उनके चेहरे पर बिखरे हुए और तकिए के रुई से सफेद हो जाते थे, जिसके धागे रात भर में खुल जाते थे। वे हमेशा मजबूत जूते पहनते थे, जिनके ऊपरी हिस्से में टखनों की ओर तिरछी दो मोटी सिलवटें होती

थीं, जबकि बाकी का ऊपरी हिस्सा एक सीधी रेखा में होता था, मानो किसी लकड़ी के पैर से खींचा गया हो। वे कहते थे कि ये जूते देहात के लिए काफी अच्छे हैं।

उनकी माँ को उनकी मितव्ययिता पसंद थी—क्योंकि जब भी उनके घर में कोई बड़ी मुसीबत आती, तो वह पहले की तरह ही उनसे मिलने आती थीं; फिर भी, बड़ी मैडम बोवरी अपनी बहू के प्रति पूर्वाग्रही प्रतीत होती थीं। उन्हें लगता था कि उनकी सामाजिक स्थिति के हिसाब से उनका रहन-सहन बहुत ऊँचा था; लकड़ी, चीनी और मोमबत्तियाँ किसी आलीशान घर की तरह ही तेज़ी से खत्म हो जाती थीं, और रसोई में इस्तेमाल होने वाला कोयला पच्चीस लोगों के लिए खाना पकाने के लिए पर्याप्त था! वह अलमारियों में उनके कपड़े करीने से रखती थीं और उन्हें कसाई के मांस लाते समय उस पर नज़र रखने की शिक्षा देती थीं। एम्मा ने ये सबक सीखे; मैडम बोवरी ने उन पर खूब प्यार बरसाया; और सारा दिन "मेरी बेटी" और "मेरी माँ" जैसे शब्द एक-दूसरे को पुकारे जाते रहे, होठों में हल्की सी कंपकंपी के साथ, हर महिला क्रोध से कांपती हुई आवाज़ में कोमल शब्द बोलती रही।

मैडम डुबुक के ज़माने में, उस बुज़ुर्ग महिला को लगता था कि वो अब भी सबकी चहेती है; लेकिन अब चार्ल्स का एम्मा के प्रति प्रेम उसे अपने स्नेह का परित्याग, अपने हक पर अतिक्रमण जैसा लगता था; और वो अपने बेटे की खुशी को उदास मौन में देखती रहती थी, मानो कोई टूटा हुआ इंसान खिड़की से उस घर में खाने की मेज़ पर बैठे लोगों को देख रहा हो जो कभी उसका अपना था। बीते समय को याद करने के बहाने, वो उसे अपने संघर्षों और बलिदानों की याद दिलाती और एम्मा की लापरवाही से तुलना करते हुए कहती कि सिर्फ़ उसी की पूजा करना उचित नहीं है।

चार्ल्स को समझ नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दे; वह अपनी माँ का आदर करता था और अपनी पत्नी से असीम प्रेम करता था; वह एक के निर्णय को अचूक मानता था, फिर भी दूसरी को निर्दोष पाता था। मैडम बोवरी के जाने के बाद, वह दबे स्वर में, उन्हीं शब्दों में, अपनी माँ की कही हुई एक-दो सबसे सौम्य बातें कहने की कोशिश करता; एम्मा एक शब्द में ही उसे यह बताकर कि वह गलत है, उसे वापस अपने मरीज़ों के पास भेज देती।

इस बीच, अपने उन सिद्धांतों पर अमल करते हुए जिन्हें वह सही मानती थी, वह प्रेम का अनुभव करने की कोशिश करती रही। चांदनी रात में, बगीचे में, वह अपने सारे भावपूर्ण गीत सुनाती और आह भरते हुए उसके लिए उदास गीत गाती; लेकिन उसे पता चलता कि वह बाद में भी उतनी ही शांत थी जितनी पहले थी, और चार्ल्स न तो पहले से ज़्यादा प्रेम करने लगा और न ही ज़्यादा भावुक हुआ।

जब उसने इस तरह अपने दिल को आग लगाने की कोशिश की, लेकिन उससे एक भी चिंगारी नहीं निकली, क्योंकि वह किसी ऐसी चीज़ को समझ ही नहीं सकती थी जिसका वह खुद अनुभव नहीं कर रही थी, ठीक वैसे ही जैसे वह किसी ऐसी चीज़ पर विश्वास नहीं कर सकती थी जो पारंपरिक रूप में प्रकट न हो, तो उसने आसानी से खुद को समझा लिया कि चार्ल्स का जुनून अब असाधारण नहीं रहा। अब तक उसका प्यार जताने का एक तय तरीका हो गया था; वह तय समय पर उसे गले लगाता था। यह उसकी अन्य आदतों में से एक आदत बन गई थी, जैसे रात के खाने की एकरसता के बाद पहले से तय मिठाई।

एक शिकारी, जिसका महाशय ने फेफड़ों की जकड़न का इलाज किया था, ने मैडम को एक छोटा इतालवी ग्रेहाउंड कुत्ता दिया था; वह उसे अपने साथ सैर पर ले जाया करती थी, क्योंकि वह कभी-कभी थोड़ी देर के लिए अकेले रहने और उस शाश्वत बगीचे और धूल भरी सड़क को न देखने के लिए बाहर जाती थी।

वह बैनविले में स्थित बीच के पेड़ों के झुरमुट तक जाती थी, जो खेतों के बगल में दीवार के एक कोने पर बने परित्यक्त मंडप के पास था। वहाँ चौड़ी खाई में, घासों के बीच, नुकीले पत्तों वाले लंबे सरकंडे उगते थे।

वह सबसे पहले चारों ओर देखती कि पिछली बार आने के बाद से कुछ बदला है या नहीं। उसे उन्हीं जगहों पर फॉक्सग्लोव और वॉलफ्लावर, बड़ी चट्टानों के चारों ओर बिछुआ के गुच्छे और तीनों खिड़कियों पर लाइकेन के धब्बे फिर से दिखाई देते, जिनके शटर हमेशा बंद रहते थे और जंग लगी लोहे की सलाखों पर सड़न से टूट रहे थे। उसके विचार, पहले तो लक्ष्यहीन, इधर-उधर भटकते, ठीक वैसे ही जैसे उसका ग्रेहाउंड कुत्ता, जो खेतों में पीली तितलियों के पीछे भौंकता हुआ, छछूंदरों का पीछा करता हुआ या गेहूँ के खेत के किनारे लाल खसखस के फूल कुतरता हुआ चक्कर लगाता। फिर उसके विचार धीरे-धीरे स्थिर हो जाते, और घास के मैदान पर बैठकर, अपनी छतरी की नोक से उसमें हल्के-हल्के धक्के मारते हुए, एम्मा बार-बार खुद से पूछती:

“हे भगवान! मैंने शादी क्यों की?”

वह सोचती रहती कि क्या संयोगवश किसी और पुरुष से मिलने का कोई रास्ता नहीं था; और वह उन घटनाओं की कल्पना करने की कोशिश करती जो घटी ही नहीं थीं, उस अलग जीवन की, उस पति की जिसे वह जानती भी नहीं थी। वास्तव में, वे सभी उससे बिल्कुल अलग थे। वह सुंदर, बुद्धिमान, प्रतिष्ठित और आकर्षक हो सकता था, जैसा कि निस्संदेह वे लोग थे जिनसे उसकी मठ की पुरानी सहेलियों ने शादी की थी। वे अब क्या कर रही होंगी? शहर में, गलियों के शोर, थिएटरों की गूंज और डांस हॉल की रोशनी के बीच, वे ऐसा जीवन जी रही थीं जिसमें हृदय आनंदित होता था, इंद्रियां खिल उठती थीं। लेकिन उसका अपना जीवन उत्तर दिशा की ओर वाली खिड़की वाले अटारी की तरह ठंडा था, और ऊब, वह खामोश मकड़ी, उसके दिल के हर कोने में अंधेरे में अपना जाला बुन रही थी। उसे वे दिन याद आते जब पुरस्कार दिए जाते थे, जब वह अपने छोटे-छोटे हार लेने के लिए

मंच पर जाती थी। चोटी में बंधे बालों, सफेद पोशाक और नीचे से दिख रहे प्रूनेला के कपड़े के जूतों के साथ वह बेहद आकर्षक लग रही थी। जैसे ही वह अपनी सीट पर लौटी, सज्जन लोग झुककर उसकी प्रशंसा करने लगे; आंगन गाड़ियों से भरा हुआ था, लोग गाड़ी के दरवाजों से उसे विदाई दे रहे थे, संगीत शिक्षक अपने वायलिन के डिब्बे के साथ गुजरते हुए उसे झुककर प्रणाम किया। यह सब कितना दूर था! कितना दूर!

वह डजाली को बुलाती, उसे अपनी गोद में बिठाती, उसकी लंबी, कोमल खोपड़ी पर अपनी उंगलियां फेरती और उससे कहती:

"आओ, अपनी प्रेमिका को एक चुंबन दो; कम से कम तुम्हें तो कोई परेशानी नहीं है।"

फिर, धीरे-धीरे जम्हाई लेते हुए उस दुबले-पतले जानवर के उदास भाव को देखकर, वह भावुक हो जाती और उसकी तुलना खुद से करते हुए, उससे जोर से बातें करती मानो किसी दुखी आत्मा को सांत्वना दे रही हो।

कभी-कभी अचानक तेज़ हवाएँ चलने लगतीं, समुद्र से आने वाली हवाएँ कॉक्स क्षेत्र के पूरे पठार पर फैल जातीं और अपने साथ खारे पानी की ताज़गी खेतों तक ले जातीं। सरकंडे ज़मीन के करीब सरसराते और बीच के पेड़ों के पत्ते तेज़ी से काँपते हुए सरसराते, जबकि पेड़ों की चोटियाँ हिलती-डुलती अपनी तेज़ सरसराहट जारी रखतीं। एम्मा अपने कंधों पर शॉल कसकर लपेट लेती और खड़ी हो जाती।

सड़क पर, पत्तों से छनकर आती हरी रोशनी चिकनी काई पर पड़ रही थी, जो उसके पैरों के नीचे धीरे से चरचरा रही थी। सूरज डूब रहा था; डालियों के बीच आसमान लाल था, और एक सीधी कतार में लगे पेड़ों के तने सुनहरे रंग की पृष्ठभूमि के सामने भूरे रंग के स्तंभों की तरह दिख रहे थे; अचानक उसे डर सताता, वह जाली को पुकारती, मुख्य सड़क से होते हुए जल्दी से टोस्टेस लौट जाती, एक कुर्सी पर बैठ जाती, और पूरी शाम चुप रहती।

लेकिन सितंबर के अंत में, उनके जीवन में कुछ असाधारण घटित हुआ: उन्हें मार्क्विस डी'एंडरविलियर्स के घर ला वाउबीसार्ड में आमंत्रित किया गया।

पुनर्स्थापना काल के दौरान राज्य सचिव रहे मार्क्विस, राजनीतिक जीवन में पुनः प्रवेश करने की इच्छा रखते हुए, लंबे समय से प्रतिनिधि सभा के लिए अपनी उम्मीदवारी की तैयारी कर रहे थे। सर्दियों में, वे उदारतापूर्वक जलाऊ लकड़ी वितरित करते थे, और विभागीय परिषद की बैठकों में, वे हमेशा अपने जिले के लिए बेहतर सड़कों की मांग करने में मुखर रहते थे। भीषण गर्मी के दौरान, उनके मुंह में एक फोड़ा हो गया था, जिससे चार्ल्स ने चमत्कारिक रूप से, अपने लैंसेट से ठीक उसी जगह पर हल्का सा चीरा लगाकर उन्हें राहत दी थी। ऑपरेशन का भुगतान करने के लिए टोस्टेस भेजे गए प्रबंधक ने उस शाम बताया कि उसने डॉक्टर के छोटे से बगीचे में कुछ शानदार चेरी देखी थीं। अब, ला वाउबिसार्ड में चेरी के पेड़ अच्छी तरह से नहीं बढ़ रहे थे,

इसलिए मार्क्विस ने बोवरी से कुछ कलम मंगवाईं, स्वयं उन्हें धन्यवाद देने का निर्णय लिया, एम्मा पर ध्यान दिया, सोचा कि वह सुंदर है और उसने उनका अभिवादन किसी किसान की तरह नहीं किया; और इसलिए महल में उन्हें यह विश्वास नहीं था कि वे युवा जोड़े को आमंत्रित करके किसी प्रकार की उपेक्षा कर रहे हैं और न ही कोई गलती कर रहे हैं।

एक बुधवार को, तीन बजे, महाशय और श्रीमती बोवरी अपनी बोक में बैठे हुए, ला वाउबिसार्ड के लिए रवाना हुए। उनके पीछे एक बड़ा ट्रंक बंधा हुआ था और एप्रन के आगे एक हैटबॉक्स रखा हुआ था। चार्ल्स के पैरों के बीच एक गत्ते का डिब्बा भी था।

वे सूर्यास्त के समय पहुंचे, जब पार्क में गाड़ियों को रास्ता दिखाने के लिए लैंप जलाए जा रहे थे।

[8]

आधुनिक निर्माण और इतालवी शैली में बना यह महल, सामने की ओर दो उभरे हुए पंखों और तीन सीढ़ियों के साथ, एक विशाल लॉन के दूर छोर तक फैला हुआ था, जहाँ ऊँचे पेड़ों के दूर-दूर तक फैले झुंडों के बीच कुछ गायें चर रही थीं, जबकि झाड़ियों, रोडोडेंड्रोन, मॉक ऑरेंज और स्नोबॉल के छोटे-छोटे गोल गुच्छे रेतीले रास्ते की घुमावदार रेखा के साथ असमान ऊँचाई पर अपनी हरी पत्तियों को लहरा रहे थे। एक पुल के नीचे से एक धारा बह रही थी; धुंध के बीच से घास के मैदान में बिखरी हुई फूस की छतों वाली इमारतें दिखाई दे रही थीं, जो दो हल्की ढलान वाली जंगली पहाड़ियों से घिरी हुई थी, और पीछे, पेड़ों के झुरमुटों के बीच दो समानांतर रेखाओं में, कोच हाउस और अस्तबल खड़े थे, जो पुराने महल के अवशेष थे जिसे गिरा दिया गया था।

चार्ल्स की कार बीच वाली सीढ़ियों के सामने रुक गई; नौकर प्रकट हुए; मार्क्विस आगे आए और डॉक्टर की पत्नी को अपना हाथ देते हुए उन्हें प्रवेश कक्ष में ले गए।

यह बहुत ही भव्य भवन था, संगमरमर की पट्टियों से बना हुआ था, और इसमें कदमों और आवाजों की गूंज किसी गिरजाघर की तरह सुनाई देती थी। सामने एक सीधी सीढ़ी थी, और बाईं ओर एक गैलरी थी जो बगीचे की ओर खुलती थी और बिलियर्ड्स कक्ष की ओर जाती थी, जहाँ से दरवाजे पर हाथीदांत की गेंदों की सरसराहट सुनाई देती थी। ड्राइंग रूम की ओर जाते समय जब एम्मा वहाँ से गुज़र रही थी, तो उसने देखा कि गंभीर चेहरों वाले पुरुष खेल के चारों ओर खड़े थे, उनकी ठुड्डी उनकी ऊँची टाई पर टिकी हुई थी, सभी सजे-धजे थे, और शॉट लगाते समय चुपचाप मुस्कुरा रहे थे। दीवारों पर लगे गहरे रंग के लकड़ी के काम के बीच, बड़े सुनहरे फ्रेमों के निचले किनारों पर काले अक्षरों में नाम लिखे हुए थे। उसने पढ़ा: "जीन-एंटोइन डी'एंडरविलियर्स डी'यवरबोनविले, कॉम्टे डी ला वाउबिसार्ड और बैरन डी ला फ्रेस्नाये, 20 अक्टूबर, 1587 को कौट्रास की लड़ाई में शहीद।" और एक पर लिखा था: “जीन-एंटोइन-हेनरी-गाय डी'एंडरविलियर्स डी ला वाउबेसार्ड, फ्रांस के एडमिरल और सेंट माइकल ऑर्डर के नाइट, 29 मई, 1692 को ला होउग-सेंट-वास्ट में युद्ध में घायल हुए, 23 जनवरी, 1693 को ला वाउबेसार्ड में निधन हो गया।” इसके बाद के चित्रों को मुश्किल से ही पढ़ा जा सकता था, क्योंकि बिलियर्ड्स टेबल के हरे कपड़े पर पड़ रही लैंप की रोशनी से कमरा छाया में डूबा हुआ था। क्षैतिज कैनवस को चमकाते हुए, यह रोशनी वार्निश की दरारों का अनुसरण करते हुए उन पर बारीक लकीरों के रूप में फैल रही थी; और सोने की किनारी वाले उन सभी बड़े काले वर्गों में से, कहीं-कहीं, पेंट का कोई हल्का हिस्सा, एक पीला माथा, आपकी ओर देखती आँखों की एक जोड़ी, लाल कोट के पाउडरयुक्त कंधों पर खुलती विग, या एक गोल-मटोल पिंडली पर ऊपर की ओर गार्टर का बकल उभरता था।

मार्क्विस ने ड्राइंग रूम का दरवाजा खोला; एक महिला खड़ी हुई (स्वयं मार्क्विस), एम्मा से मिलने आगे बढ़ी और उसे अपने बगल में सोफे पर बैठने के लिए कहा, जहाँ उसने उससे दोस्ताना अंदाज में बातें करना शुरू कर दिया, मानो वह उसे लंबे समय से जानती हो। वह लगभग चालीस वर्ष की महिला थी, जिसके कंधे सुंदर थे, नाक नुकीली थी, आवाज धीमी थी, और उस शाम उसने अपने भूरे बालों पर एक साधारण लेस का फिचू पहना हुआ था जो पीछे त्रिकोणाकार आकार में लटका हुआ था। उसके बगल में एक सुनहरे बालों वाली युवती ऊँची पीठ वाली कुर्सी पर बैठी थी; और कुछ सज्जन, जिनमें से प्रत्येक ने अपनी जैकेट के बटनहोल में एक छोटा फूल लगाया हुआ था, चिमनी के चारों ओर बैठी महिलाओं से बातचीत कर रहे थे।

सात बजे भोजन परोसा गया। पुरुषों की संख्या अधिक थी, इसलिए वे प्रवेश कक्ष में पहली मेज पर बैठे, और महिलाएं मार्क्विस और मार्क्विसे के साथ भोजन कक्ष में दूसरी मेज पर बैठीं।

जैसे ही एम्मा अंदर गई, उसने खुद को गर्म हवा में घिरा हुआ महसूस किया, फूलों और बढ़िया लिनेन की खुशबू, मांस का स्वाद और ट्रफल्स की महक का मिश्रण। कैंडलस्टैंड में जलती मोमबत्तियाँ चांदी के थालियों के ढक्कनों पर लंबी लौ बिखेर रही थीं; धुंध से ढके क्रिस्टल के गिलासों के पहलू एक दूसरे से हल्की सी चमक बिखेर रहे थे; मेज की पूरी लंबाई में फूलों के गुच्छे एक कतार में सजे थे; और चौड़े किनारों वाली प्लेटों पर, बिशप के मुकुट के आकार में मोड़े गए नैपकिन के दो तहों के बीच एक छोटा अंडाकार रोल रखा हुआ था। लॉबस्टर के लाल पंजे थालियों के किनारों से बाहर निकले हुए थे; जालीदार टोकरियों में काई पर बड़े-बड़े फल रखे थे; बटेरों ने अपने पंख फहराए हुए थे; भाप के गुच्छे हवा में उठ रहे थे; रेशमी मोजे, घुटनों तक की पैंट, सफेद टाई और जैबोट पहने, न्यायाधीश की तरह गंभीर मुद्रा में, बटलर पहले से ही तराशी हुई थालियों को मेहमानों के कंधों के बीच से ले जाता था और चम्मच के एक झटके से ही मेहमान द्वारा चुनी गई प्लेट को बाहर निकाल लाता था। तांबे की पट्टियों वाले ऊंचे चीनी मिट्टी के चूल्हे पर, ठुड्डी तक ढकी एक महिला की मूर्ति, लोगों से भरे कमरे को बिना हिले-डुले घूर रही थी।

मैडम बोवरी ने गौर किया कि कई महिलाओं ने अपने दस्ताने अपने गिलासों में नहीं रखे थे।

इसी बीच, मेज के सिर पर, इन सभी महिलाओं के बीच अकेला, अपनी भरी हुई थाली पर झुका हुआ, बच्चे की तरह अपने पीछे रुमाल बांधे, एक बूढ़ा आदमी खाना खा रहा था, उसके मुंह से चटनी की बूँदें गिर रही थीं। उसकी आँखें लाल थीं, और उसने अपने बालों को काले रिबन से बंधी छोटी चोटी में बाँध रखा था। यह मार्क्विस के ससुर, बूढ़े ड्यूक डी लावेर्डियर थे, जो कभी कॉम्टे डी आर्टोइस के चहेते थे, ले वाउड्रेइल में शिकार पार्टियों के दिनों में, जो मार्क्विस डी कॉन्फ्लान्स का घर था, और कहा जाता था कि वे महारानी मैरी एंटोनेट के प्रेमी थे, मॉन्सियर डी कोइग्नी और मॉन्सियर डी लौज़ुन के बीच। उन्होंने दुराचार से भरा एक दंगापूर्ण जीवन जिया था,

जो द्वंद्वयुद्ध, दांव-पेच, महिलाओं के अपहरण से भरा था, उन्होंने अपनी सारी संपत्ति लुटा दी थी और अपने पूरे परिवार को डरा दिया था। उनकी कुर्सी के पीछे एक नौकर, उनके कान में ज़ोर से उन व्यंजनों के नाम बता रहा था जिनकी ओर वे अपनी उंगली से इशारा कर रहे थे, हकलाते हुए; और एम्मा की निगाहें बार-बार अपने आप ही लटकते होंठों वाले उस बूढ़े आदमी पर टिक जाती थीं, मानो वह कोई असाधारण और गरिमामयी चीज़ हो। वह राजमहल में रह चुका था और रानियों के बिस्तरों पर सो चुका था!

ठंडी शैम्पेन परोसी गई। जैसे ही एम्मा को मुंह में ठंडक महसूस हुई, उसके पूरे शरीर में सिहरन दौड़ गई। उसने कभी अनार नहीं देखे थे और न ही अनानास खाया था। यहाँ तक कि पिसी हुई चीनी भी उसे बाकी जगहों की तुलना में ज़्यादा सफ़ेद और बारीक लग रही थी।

इसके बाद महिलाएं नृत्य कार्यक्रम के लिए तैयार होने के लिए अपने कमरों में चली गईं।

एम्मा ने अपनी पहली प्रस्तुति देने वाली अभिनेत्री की तरह बड़ी सावधानी से खुद को तैयार किया। उसने हेयरड्रेसर की सलाह के अनुसार अपने बाल संवारे और बिस्तर पर बिछाई गई अपनी बरेज गाउन पहन ली। चार्ल्स की पैंट उसके पेट पर कसी हुई थी।

"नाचते समय मेरे पैरों की पट्टियाँ मुझे परेशान करेंगी।"

“नृत्य?” एम्मा ने दोहराया।

"हाँ!"

“तुम पागल हो गए हो! वे तुम्हारा मजाक उड़ाएंगे। अपनी सीट पर ही बैठे रहो। वैसे भी, यह सीट डॉक्टर के लिए ज्यादा उपयुक्त है,” उसने आगे कहा।

चार्ल्स ने इसके बाद कुछ नहीं कहा। वह इधर-उधर घूम रहा था और एम्मा के कपड़े पहनने का इंतजार कर रहा था।

उसने उसे पीछे से दर्पण में, दो मोमबत्तियों के बीच से देखा। उसकी गहरी आँखें और भी गहरी लग रही थीं। उसके कानों पर हल्के से लहराते बाल नीली चमक बिखेर रहे थे; उसके जूड़े में लगा गुलाब अपनी कोमल डंडी पर काँप रहा था, जिसकी पत्तियों के सिरों पर पानी की कृत्रिम बूँदें थीं। उसकी पोशाक हल्के केसरिया रंग की थी, जिस पर हरियाली के साथ तीन गुच्छेदार गुलाब लगे हुए थे।

चार्ल्स ने आकर उसके कंधे पर चुंबन किया।

“मुझे अकेला छोड़ दो!” उसने कहा। “तुम मुझे परेशान कर रहे हो।”

वायलिन की मधुर ध्वनि और हॉर्न की आवाज़ सुनाई दे रही थी। वह भागने की तीव्र इच्छा को दबाते हुए सीढ़ियों से नीचे उतर गई।

चार-चार लोगों का समूह शुरू हो चुका था। लोग आ रहे थे। वे एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। वह दरवाजे के पास एक बेंच पर बैठ गई।

कॉन्ट्रा डांस खत्म होने के बाद, मंच पर पुरुषों के लिए जगह खाली हो गई, जो समूहों में खड़े होकर बातें कर रहे थे और वर्दीधारी नौकर बड़ी-बड़ी थालियाँ लिए खड़े थे। बैठी महिलाओं की कतार में, रंगीन पंखे फड़फड़ा रहे थे, फूलों के गुलदस्ते मुस्कुराते चेहरों को आधा छिपा रहे थे, और सोने के ढक्कन वाली छोटी बोतलें आधे खुले हाथों में घूम रही थीं, जिनके सफेद दस्तानों से नाखूनों की आकृति दिख रही थी और कलाई पर त्वचा चिपकी हुई थी। लेस की सजावट, हीरे के ब्रोच, मेडलियन कंगन चोलियों पर झिलमिला रहे थे, सीने पर चमक रहे थे और नंगी बाहों पर खनक रहे थे। माथे पर अच्छी तरह से दबाए हुए और गर्दन के पीछे गुंथे हुए बालों में मायोसोटिस, चमेली, अनार के फूल, गेहूं के फूल या कॉर्नफ्लावर की मालाएँ, गुच्छे या टहनियाँ सजी थीं। लाल पगड़ी वाली माताएँ अपनी सीटों पर शांति से बैठी हुई थीं।

एम्मा का दिल थोड़ा तेज़ धड़क उठा जब उसका साथी उसकी उंगलियों के सिरों से उसे थामे हुए, पंक्ति में खड़ा हुआ और वाद्य यंत्रों के बजने की प्रतीक्षा करने लगा। लेकिन उसकी घबराहट जल्द ही गायब हो गई और ऑर्केस्ट्रा की लय पर झूमते हुए, वह अपनी गर्दन को हल्के से हिलाते हुए आगे बढ़ गई। वायलिन की कुछ सूक्ष्म ध्वनियों पर उसके होठों पर मुस्कान आ जाती, जो कभी-कभी अन्य वाद्ययंत्रों के शांत होने पर अकेले बजता था; बगल के कमरे में मेजों के कपड़े पर सोने के सिक्कों के गिरने की चमकदार ध्वनि सुनाई देती थी; फिर सब कुछ एक साथ फिर से शुरू हो जाता, कॉर्नेट से एक गूंजती हुई ध्वनि निकलती, पैर फिर से लयबद्ध ढंग से चलने लगते, स्कर्ट फूलकर ज़मीन को छूती, हाथ जुड़ते और अलग होते; और वही आँखें जो एक पल पहले आपके सामने झुकी थीं, वापस आकर आपकी आँखों में देखने लगतीं।

नर्तकों के बीच बिखरे हुए या दरवाजों पर बातचीत करते हुए, पच्चीस से चालीस वर्ष की आयु के कुछ पुरुष (शायद पंद्रह), उम्र, पहनावे या शारीरिक बनावट में भिन्नता के बावजूद, पारिवारिक समानता के कारण बाकी भीड़ से अलग थे।

उनके कोट, बेहतर ढंग से सिले हुए, मुलायम कपड़े के बने प्रतीत होते थे, और उनके बाल, कनपटी पर घुंघराले होकर आगे की ओर आते थे, उत्तम पोमेड से चमकते थे। उनका रंग धनवानों जैसा था, वह सफेद त्वचा जो चीनी मिट्टी की चमक, साटन की झिलमिलाहट, सुंदर फर्नीचर की फिनिश से निखरती है, और जो उत्तम भोजन के विवेकपूर्ण नियमावली से स्वस्थ बनी रहती है। उनकी गर्दनें ढीली टाई में आराम से मुड़ी हुई थीं; उनकी लंबी मूँछें नीचे की ओर झुके कॉलर पर टिकी थीं; वे अपने होंठ बड़े मोनोग्राम से कढ़े और मनमोहक सुगंध से महकते रूमालों से पोंछते थे। जो उम्रदराज हो रहे थे, उनमें युवापन झलक रहा था, जबकि युवाओं के चेहरों पर

परिपक्वता की झलक थी। उनकी उदासीन निगाहों में प्रतिदिन संतुष्ट होने वाली वासनाओं की शांति झलकती थी; और उनके सौम्य व्यवहार के नीचे वह विशेष क्रूरता दिखाई देती थी जो उन साधारण चीजों में प्रभुत्व स्थापित करने से उत्पन्न होती है जिनमें शक्ति का प्रयोग होता है और अहंकार को संतुष्टि मिलती है, जैसे कि उत्तम नस्ल के घोड़ों की देखभाल और पतित महिलाओं की संगति।

एम्मा से कुछ ही कदम दूर, नीले कोट पहने एक सज्जन मोतियों से सजी एक गोरी युवती के साथ इटली के अंदरूनी हिस्से में थे। वे सेंट पीटर के विशाल स्तंभों, टिवोली, वेसुवियस, कैस्टेलमारे और कैस्किन, जेनोआ के गुलाबों और चांदनी रात में कोलोसियम की भव्यता पर आश्चर्य व्यक्त कर रहे थे। एम्मा दूसरे कान से ऐसी बातचीत सुन रही थी जिसमें ऐसे शब्द थे जिन्हें वह समझ नहीं पा रही थी। लोग एक बहुत ही युवा व्यक्ति के चारों ओर जमा थे, जिसने एक हफ्ते पहले मिस अरेबेला और रोमुलस को हराकर इंग्लैंड में एक खाई कूदकर दो हजार लुई जीते थे। एक व्यक्ति अपने घोड़ों के मोटे होने की शिकायत कर रहा था; दूसरा, छपाई की गलतियों के कारण अपने घोड़े के नाम के बिगड़ जाने की शिकायत कर रहा था।

बॉलरूम का वातावरण भारी था; लैंप मंद पड़ रहे थे। लोग बिलियर्ड्स रूम में वापस जा रहे थे। एक नौकर कुर्सी पर चढ़ते समय खिड़की के दो शीशे तोड़ बैठा; टूटे हुए शीशे की आवाज़ सुनकर मैडम बोवरी ने अपना सिर घुमाया और बगीचे में, खिड़की के सामने, अंदर झांकते हुए देहाती लोगों के चेहरे देखे। तभी उन्हें लेस बर्टो की याद लौट आई। उन्होंने फिर से खेत, कीचड़ से भरा तालाब, सेब के पेड़ों के नीचे अपने पिता को एक कमीज़ पहने देखा, और खुद को भी उसी रूप में देखा जैसे वह पहले थीं, दूधघर में दूध के बर्तनों से उंगली से मलाई निकालती हुई। लेकिन वर्तमान क्षण की चकाचौंध भरी रोशनी में, उनका बीता हुआ जीवन, जो अब तक इतना स्पष्ट था, पूरी तरह से गायब हो रहा था, और उन्हें लगभग संदेह होने लगा कि क्या उन्होंने कभी वह जीवन जिया भी था। वह यहाँ थीं; और फिर, बॉल के चारों ओर, केवल अंधेरा ही छाया हुआ था, जो बाकी सब पर छा गया था। उस समय वह एक मराशिनो आइसक्रीम खा रही थी, जिसे उसने अपने बाएं हाथ में चांदी के एक खोल में पकड़ रखा था और अपनी आंखें आधी बंद कर रखी थीं, चम्मच उसके दांतों के बीच में थी।

उसके पास ही एक महिला ने अपना पंखा गिरा दिया। एक नर्तकी वहाँ से गुजर रही थी।

“क्या आप कृपा करके मेरा पंखा उठा देंगे, महोदय? यह सोफे के पीछे पड़ा है!” महिला ने कहा।

उस सज्जन ने झुककर अभिवादन किया, और जैसे ही उन्होंने अपना हाथ बढ़ाया, एम्मा ने देखा कि युवती ने त्रिकोणीय आकार में मोड़ी हुई कोई सफेद वस्तु उनकी टोपी में डाल दी। सज्जन ने पंखा उठाकर आदरपूर्वक युवती को दे दिया; युवती ने धन्यवाद में सिर झुकाया और अपने फूलों के गुलदस्ते की खुशबू ली।

रात के खाने के बाद, जिसमें कई तरह की स्पैनिश वाइन और राइन वाइन, सीपियों और बादाम के दूध से बने सूप, ट्राफलगर पुडिंग और तरह-तरह के ठंडे मांस थे, जिनके चारों ओर जेली लगी हुई थी जो प्लेटों में कांप रही थी, गाड़ियाँ एक-एक करके जाने लगीं। मलमल के पर्दे का एक कोना हटाकर देखा जा सकता था कि उनकी दीपों की रोशनी अंधेरे में गायब हो रही है। बेंचें खाली हो गईं; कुछ ताश खेलने वाले अभी भी बचे थे; संगीतकार अपनी जीभ पर उंगलियों के सिरे ठंडे कर रहे थे; चार्ल्स अधमरा था, उसकी पीठ दरवाजे से टिकी हुई थी।

सुबह तीन बजे कॉटिलियन शुरू हुआ। एम्मा को वाल्ट्ज़ करना नहीं आता था। सभी लोग वाल्ट्ज़ कर रहे थे, यहाँ तक कि मैडमोजेल डी'एंडर्विलियर्स और मार्क्विज़ भी; वहाँ केवल शैतो के मेहमान ही बचे थे, लगभग एक दर्जन लोग।

फिर भी, वाल्ट्ज़ नृत्य करने वालों में से एक, जिसे वे प्यार से विस्काउंट कहते थे और जिसकी बेहद नीची कटी हुई बनियान उसकी छाती से चिपकी हुई प्रतीत होती थी, मैडम बोवरी के पास आया और दूसरी बार उन्हें नृत्य करने के लिए आमंत्रित किया, उन्हें आश्वासन देते हुए कि वह उनका मार्गदर्शन करेगा और वह बहुत अच्छे से नृत्य कर लेंगी।

वे धीरे-धीरे चलने लगे, फिर उनकी गति बढ़ गई। वे घूम रहे थे: उनके चारों ओर सब कुछ घूम रहा था, लैंप, फर्नीचर, पैनल वाली दीवारें, लकड़ी का फर्श, मानो किसी धुरी पर घूमती डिस्क। जैसे ही वे दरवाजों के पास से गुजरे, एम्मा की पोशाक का किनारा उसकी पैंट से अटक गया; उनके पैर एक-दूसरे के बीच आ गए; उसने अपनी निगाहें उसकी ओर झुकाईं, उसने अपनी निगाहें उसकी ओर उठाईं; उसे सुन्नपन सा महसूस हुआ, वह रुक गई। वे फिर से चलने लगे; और तेज़ गति से, विस्काउंट उसे अपने साथ खींचते हुए गैलरी के दूसरे छोर तक ले गया, जहाँ ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते हुए वह लगभग गिर पड़ी और एक पल के लिए अपना सिर उसकी छाती पर टिका दिया। और फिर, घूमते हुए, लेकिन अधिक कोमलता से, उसने उसे उसकी सीट पर वापस बिठा दिया; वह दीवार से टिक गई और अपना हाथ अपनी आँखों पर रख लिया।

जब उसने दरवाजे खोले, तो ड्राइंग रूम के बीचोंबीच एक स्टूल पर एक महिला बैठी थी और उसके सामने तीन वाल्ट्ज़ नृत्य करने वाले जोड़े घुटनों के बल बैठे थे। उसने विस्काउंट को चुना, और वायलिन फिर से बजने लगा। लोग उन्हें देख रहे थे। वे आते-जाते फिर लौट आते, वह अपने शरीर को स्थिर रखते हुए, ठुड्डी झुकाए खड़ी रहती, और वह पहले की तरह ही कमर झुकाए, कोहनी मोड़े, मुँह आगे की ओर किए हुए उसी मुद्रा में रहता। वह औरत वाकई वॉल्ट्ज़ डांस में माहिर थी! वे काफी देर तक नाचते रहे और बाकी सब लोग थक गए।

लोग कुछ और मिनट तक बातें करते रहे, और अलविदा कहने के बाद, या यूं कहें कि सुप्रभात कहने के बाद, महल के मेहमान सोने चले गए।

चार्ल्स रेलिंग का सहारा लेकर खुद को घसीटते हुए ऊपर चढ़ रहा था, उसके घुटने जवाब दे रहे थे। उसने लगातार पाँच घंटे मेजों के पास खड़े होकर उन्हें व्हिस्ट खेलते देखा था, लेकिन उसे इसके बारे में कुछ भी समझ नहीं आया था। इसलिए जूते उतारने के बाद उसने चैन की एक गहरी साँस ली।

एम्मा ने अपने कंधों पर शॉल डाला, खिड़की खोली और अपनी कोहनियों के बल झुक गई।

रात गहरी थी। हल्की-हल्की बारिश की बूँदें गिर रही थीं। उसने नम हवा में साँस ली, जिससे उसकी पलकें ठंडी हो गईं। नृत्य का संगीत अभी भी उसके कानों में गूँज रहा था, और वह जागते रहने की कोशिश कर रही थी ताकि उस विलासितापूर्ण जीवन के भ्रम को कुछ देर तक बनाए रख सके जिसे उसे जल्द ही पीछे छोड़ना होगा।

भोर की पहली किरण दिखाई दी। वह काफी देर तक महल की खिड़कियों को देखती रही, यह अनुमान लगाने की कोशिश करती रही कि रात में उसने जिन लोगों को देखा था, उनके कमरे कौन से होंगे। वह जानना चाहती थी कि उनका जीवन कैसा था, उनके जीवन में प्रवेश करना चाहती थी, उनका हिस्सा बनना चाहती थी।

लेकिन वह ठंड से कांप रही थी। उसने अपने कपड़े उतारे और सो रहे चार्ल्स के पास चादरों में सिमटकर लेट गई।

नाश्ते में बहुत से लोग थे। खाना दस मिनट में खत्म हो गया; शराब नहीं परोसी गई, जिससे डॉक्टर हैरान रह गए। फिर मैडमोजेल डी'एंडरविलियर्स ने एक छोटी टोकरी में ब्रियोश के कुछ टुकड़े उठाए, ताकि उन्हें सजावटी तालाब पर बैठे हंसों को खिला सकें, और वे ग्रीनहाउस में टहलने चले गए, जहाँ लटकते गमलों के नीचे अजीबोगरीब, बालों से भरे पौधे पिरामिडनुमा परतों में उग रहे थे, जो साँपों के घने घोंसलों की तरह, अपने किनारों से हरे रंग की लंबी, आपस में गुंथी हुई रस्सियाँ लटका रहे थे। सबसे दूर स्थित संतरे का बगीचा, ढका हुआ, महल की बाहरी इमारतों की ओर जाता था। मार्क्विस ने युवती का मनोरंजन करने के लिए उसे अस्तबल दिखाने के लिए ले गए। टोकरीनुमा रैक के ऊपर, चीनी मिट्टी की पट्टियों पर काले रंग में घोड़ों के नाम लिखे थे। जब भी कोई घोड़ा उसके पास से गुजरता, तो हर जानवर अपने अस्तबल में बेचैनी से हिलता-डुलता और अपनी जीभ चटकाता था। काठी वाले कमरे का फर्श किसी ड्राइंग रूम के लकड़ी के फर्श की तरह चमक रहा था। गाड़ी का हार्नेस बीच में दो घूमने वाले खंभों पर ऊपर उठा हुआ था, और लगाम, चाबुक, रकाब, लगाम की जंजीरें दीवार के साथ-साथ एक सीधी रेखा में व्यवस्थित थीं।

इसी बीच, चार्ल्स अपने बोक को तैयार करने के लिए एक नौकर के पास गए। बोक को सीढ़ियों के सामने लाया गया, और सभी गठ्ठों को उसमें रखने के बाद, बोवरी दंपति ने मार्क्विस और मार्क्विसे को धन्यवाद कहा और टोस्टेस के लिए वापस चल दिए।

एम्मा चुपचाप पहियों को घूमते हुए देख रही थी। चार्ल्स सीट के बिल्कुल किनारे पर बैठा था और बाहें फैलाकर गाड़ी चला रहा था। छोटा घोड़ा चौड़े डंडों के बीच धीमी चाल से दौड़ रहा था। ढीली लगाम घोड़े के पिछले हिस्से से टकराकर झाग सोख रही थी और पीछे बंधा डिब्बा गाड़ी के ढांचे से ज़ोर-ज़ोर से टकरा रहा था।

वे थिबोरविले की पहाड़ियों पर थे कि अचानक उनके सामने से कई घुड़सवार हंसते हुए, मुंह में सिगार लिए हुए गुजरे। एम्मा को लगा कि उसने विस्काउंट को पहचान लिया है: वह मुड़ी और क्षितिज पर केवल उनके सिरों को ऊपर-नीचे होते हुए देखा, जो उनकी धीमी और तेज दौड़ की अनियमित लय के साथ हो रहा था।

एक चौथाई लीग आगे जाकर उन्हें रुकना पड़ा और रस्सी की मदद से टूटी हुई बाड़ की मरम्मत करनी पड़ी।

लेकिन चार्ल्स ने लगाम पर आखिरी नजर डालते हुए अपने घोड़े के पैरों के बीच जमीन पर कुछ देखा; और उसने एक सिगार का डिब्बा उठाया जिसके चारों ओर हरे रेशम का किनारा था और उसके बीच में एक प्रतीक चिन्ह बना हुआ था जो गाड़ी के दरवाजे जैसा दिखता था।

उन्होंने कहा, "इसमें दो सिगार भी हैं; ये आज रात खाने के बाद के लिए होंगे।"

“तो आप सिगरेट पीते हैं?” उसने पूछा।

"कभी-कभी, जब मुझे मौका मिलता है।"

उसने अपनी खोज को अपनी जेब में रखा और टट्टू को चाबुक से मारा।

जब वे घर पहुँचे, तो खाना तैयार होने से बहुत दूर था। मैडम गुस्से से भड़क उठीं। नास्तासी ने अशिष्टता से जवाब दिया।

“बाहर निकलो!” एम्मा ने कहा। “कितनी गुस्ताखी है। मैं तुम्हें नौकरी से निकाल रही हूँ।”

रात के खाने में प्याज का सूप और सोरेल के साथ बछड़े के मांस का एक टुकड़ा था। एम्मा के सामने बैठे चार्ल्स ने खुशी से अपने हाथों को आपस में रगड़ते हुए कहा:

घर वापस आकर कितना अच्छा लग रहा है!

उन्हें नास्तासी के रोने की आवाज़ सुनाई दी। वह उस बेचारी लड़की से बहुत लगाव रखता था। पहले जब वह विधवा था, तब कई खाली शामों में वह उसका साथ देती थी। वह उसकी पहली मरीज़ थी और उस इलाके में उसकी सबसे पुरानी परिचित थी।

"क्या तुमने सचमुच उसे जाने दिया?" उसने अंत में कहा।

“हां। मुझे कौन रोक सकता है?” उसने जवाब दिया।

फिर वे रसोई में बैठकर खुद को गर्म करने लगे, जबकि उनका शयनकक्ष तैयार किया जा रहा था। चार्ल्स ने सिगरेट पीना शुरू किया। वह अपने होंठ आगे की ओर करके सिगरेट पी रहा था, लगातार धुआँ थूक रहा था और हर कश के साथ पीछे हट रहा था।

"तुम खुद को बीमार कर लोगे," उसने तिरस्कारपूर्वक कहा।

उसने सिगार नीचे रखा और ठंडे पानी का गिलास पीने के लिए पंप की ओर भागा। एम्मा ने सिगार का डिब्बा उठाया और उसे जल्दी से अलमारी के पीछे फेंक दिया।

अगला दिन कितना लंबा था! वह अपने छोटे से बगीचे में टहल रही थी, उन्हीं रास्तों पर आती-जाती, फूलों की क्यारियों, सीढ़ीदार पेड़, प्लास्टर की मूर्ति के सामने रुकती, अतीत की उन सभी चीजों को आश्चर्य से निहारती जिन्हें वह अच्छी तरह जानती थी। वह नृत्य-प्रदर्शनी उसे कितनी दूर लग रही थी! परसों की सुबह और आज की शाम के बीच इतना फासला किसने पैदा कर दिया था? ला वाउबिसार्ड की यात्रा ने उसके जीवन में एक खालीपन ला दिया था, ठीक वैसे ही जैसे तूफान एक ही रात में पहाड़ों में गहरी खाई बना देता है। फिर भी उसने खुद को शांत रखा: आदरपूर्वक उसने अपनी सुंदर पोशाक और यहाँ तक कि अपने साटन के जूते भी, जिनके तलवे नृत्य तल की फिसलन भरी मोम से पीले पड़ गए थे, दराजों में रख दिए। उसका दिल भी उन्हीं जूतों जैसा था: धन-दौलत के संपर्क ने उस पर कुछ ऐसा आवरण जमा दिया था जिसे मिटाया नहीं जा सकता था।

और इस तरह उस बॉल को याद करना एम्मा के लिए एक जुनून बन गया। हर बुधवार को जागते ही वह खुद से कहती: “आह! एक हफ्ता पहले… दो हफ्ते पहले… तीन हफ्ते पहले, मैं वहाँ थी!” और धीरे-धीरे, उसकी यादों में चेहरे धुंधले होते गए, वह कॉन्ट्रा डांस की धुनें भूल गई, उसे पोशाकें और कमरे पहले की तरह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देने लगे; कुछ विवरण गायब हो गए, लेकिन उसकी तड़प बनी रही।

[9]

अक्सर, जब चार्ल्स बाहर होते थे, तो वह अलमारी में जाती और लिनेन की तहों के बीच से हरे रेशमी सिगार का डिब्बा निकाल लेती, जहाँ उसने उसे रखा था।

वह उसे देखती, खोलती और यहाँ तक कि उसकी अस्तर की सुगंध भी सूंघती, जो वर्बेना और तंबाकू की मिली-जुली खुशबू थी। यह किसका था? ... विस्काउंट का। शायद यह उसकी प्रेमिका का उपहार था। इसे किसी गुलाब की लकड़ी के फ्रेम पर कढ़ाई किया गया था, एक छोटा सा नाजुक औजार जिसे सबकी नज़रों से छिपाकर रखा गया था, जिसमें कई घंटे लगे थे, और उस पर उस गंभीर कारीगर के कोमल बाल लटके हुए थे। कैनवास की सिलाई में प्रेम की एक साँस समाई हुई थी; सुई की हर एक स्ट्रोक ने उसमें एक आशा या एक स्मृति पिरो दी थी, और रेशम के वे सभी गुंथे हुए धागे उसी मौन प्रेम का विस्तार मात्र थे। और फिर, एक सुबह, विस्काउंट उसे अपने साथ ले गया। लोग उसके बारे में क्या बातें कर रहे थे, जब वह फूलों के गुलदस्तों और पोम्पाडोर घड़ियों के बीच, उन चौड़े मेंटलपीस में से एक पर पड़ा था? वह टोस्टेस में थी। और वह—वह अब पेरिस में था; वहाँ! पेरिस कैसा था? नाम ही कितना विशाल था! वह इसे धीरे से अपने मन में दोहराती, ताकि उसे आनंद मिले; यह उसके कानों में किसी गिरजाघर की विशाल घंटी की तरह गूंजता; यह उसकी आंखों के सामने, यहां तक कि उसके पोमेड के जारों के लेबल पर भी चमकता।

रात में, जब मछली बेचने वाले अपनी गाड़ियों में "मारजोलेन" गाते हुए उसकी खिड़कियों के नीचे से गुजरते थे, तो वह जाग जाती थी; और जैसे ही वह लोहे के पहियों की आवाज सुनती थी, जो शहर के किनारे पर पहुँचते ही धरती में दबकर मंद पड़ जाती थी:

“वे कल वहाँ होंगे!” वह मन ही मन कहती थी।

और वह अपने विचारों में उनका पीछा करती रहती, जैसे वे पहाड़ियों पर चढ़ते-उतरते, गांवों से गुज़रते, तारों की रोशनी में राजमार्ग पर कतार में चलते। एक अनिश्चित दूरी के बाद, हमेशा एक ऐसा अस्पष्ट स्थान आता जहाँ उसका सपना टूट जाता।

उसने पेरिस का एक नक्शा खरीदा और नक्शे पर अपनी उंगली रखकर राजधानी में सैर करने लगी। वह चौड़ी सड़कों पर चलती, हर मोड़ पर रुकती, गलियों की कतारों के बीच, घरों को दर्शाने वाले सफेद चौकों के सामने। आखिरकार उसकी आँखें थक जातीं, तो वह अपनी पलकें बंद कर लेती और अंधेरे में उसे हवा में घूमते गैस के फव्वारे और थिएटर के स्तंभों के सामने खड़खड़ाहट के साथ खुलती गाड़ियों की सीढ़ियाँ दिखाई देतीं।

उसने महिलाओं की पत्रिका कॉर्बेल और ले सिल्फे डेस सैलून की सदस्यता ले ली। वह बिना कुछ छोड़े, पहली रात के कार्यक्रमों, घुड़दौड़ और शाम की पार्टियों की सारी खबरें पढ़ती, किसी गायक के पहले प्रदर्शन या दुकान

के उद्घाटन में दिलचस्पी लेती। उसे नवीनतम फैशन, अच्छे दर्ज़ियों के पते, जंगल और ओपेरा जाने के दिन सब पता थे। यूजीन सू में वह साज-सज्जा के विवरण पढ़ती; वह बाल्ज़ाक और जॉर्ज सैंड को पढ़ती, उनमें अपनी इच्छाओं की काल्पनिक संतुष्टि ढूंढती। वह अपनी किताब को खाने की मेज पर भी ले जाती, और चार्ल्स के खाते-पीते और उससे बातें करते समय पन्ने पलटती रहती। पढ़ते समय विस्काउंट की याद हमेशा उसके मन में लौट आती। उसे विस्काउंट और काल्पनिक पात्रों में समानताएं नज़र आतीं। लेकिन जिस दायरे का वह केंद्र था, वह धीरे-धीरे उसके चारों ओर बढ़ता गया, और उसके चेहरे से अलग होकर उसके सिर के चारों ओर फैली आभा अन्य सपनों को भी रोशन करती गई।

और इस तरह, सागर से भी विशाल पेरिस, एम्मा की आँखों के सामने गुलाबी धुंध में जगमगा उठा। लेकिन उस हलचल भरे शहर का जीवंत जीवन अलग-अलग हिस्सों में बँटा हुआ था, अलग-अलग दृश्यों में व्यवस्थित था। एम्मा ने केवल दो या तीन दृश्य देखे, जिन्होंने बाकी को उससे छिपा रखा था और वे अकेले ही पूरी मानवता का प्रतिनिधित्व करते थे। राजदूतों की दुनिया चमकदार लकड़ी के फर्श पर चलती थी, दर्पणों से सजे ड्राइंग रूम से गुजरती थी, सोने की झालर वाले मखमली कपड़ों से ढकी अंडाकार मेजों के चारों ओर घूमती थी। यहाँ लंबे गाउन थे, गहरे रहस्य थे, मुस्कान के पीछे छिपा दर्द था। इसके बाद डचेसों का समाज आया: यहाँ, एक का रंग पीला था; एक सुबह चार बजे उठती थी; बेचारी औरतें! अपनी पेटीकोट के किनारों पर ब्रसेल्स लेस पहनती थीं, और पुरुष, जिनकी प्रतिभा उनके दिखावटी बाहरी रूप के नीचे छिपी हुई थी, आनंद के लिए घोड़ों पर सवार होकर जान जोखिम में डालते थे, गर्मियों का मौसम बाडेन में बिताने जाते थे, और अंततः, लगभग चालीस वर्ष की आयु में, उत्तराधिकारियों से विवाह करते थे। रेस्तरां के निजी कमरों में, जहाँ आधी रात के बाद भोजन किया जाता था, साहित्यकारों और अभिनेत्रियों की मिली-जुली भीड़ मोमबत्ती की रोशनी में हँसती थी। वे राजाओं की तरह खर्चीले थे, आदर्शवादी महत्वाकांक्षाओं और उन्मादी कल्पनाओं से भरे हुए। उनका जीवन दूसरों से ऊपर, स्वर्ग और पृथ्वी के बीच, तूफानी बादलों के बीच, एक उदात्त जीवन था। शेष संसार उनके लिए खोया हुआ था, बिना किसी निश्चित स्थान के, मानो उसका अस्तित्व ही न हो। वैसे भी, चीजें जितनी उनके करीब आती थीं, उनके विचार उनसे उतने ही दूर होते जाते थे। उनके आस-पास की हर चीज—थका देने वाला ग्रामीण इलाका, मूर्ख छोटे बुर्जुआ वर्ग, जीवन की साधारणता—उन्हें दुनिया में एक अपवाद, एक विशेष संयोग प्रतीत होती थी जिसमें वह फँसी हुई थीं, जबकि परे, जहाँ तक नज़र जाती थी, सुख और जुनून की विशाल भूमि फैली हुई थी। अपनी इच्छा में, उन्होंने विलासिता के इंद्रिय सुखों को हृदय के आनंद के साथ, शिष्टाचार की शालीनता को भावनाओं की कोमलता के साथ भ्रमित कर दिया था। क्या प्रेम को, भारत के किसी पौधे की तरह, एक तैयार मिट्टी और एक विशेष तापमान की आवश्यकता नहीं होती? चांदनी में आहें भरना, लंबे आलिंगन,

प्रेमी को सौंपे गए हाथों से बहते आंसू, शरीर की सारी बेचैनी और कोमलता की सुस्ती, ये सब उन भव्य महलों की बालकनियों से अलग नहीं किए जा सकते थे जो मनोरंजन से भरे होते थे, रेशमी पर्दों से सजे शयनकक्ष, एक अच्छे मोटे कालीन, फूलों से भरे गमलों और चबूतरे पर बने पलंग से, और न ही नौकरों की वर्दी पर लगे कीमती पत्थरों की चमक और कंधों पर लटके बैज से।

हर सुबह घोड़ी की देखभाल करने आने वाला चौकीदार लड़का, अपने मोटे कुर्ते पहने गलियारे से गुज़रता था; उसकी कमीज़ में छेद थे; चप्पलों में उसके पैर नंगे थे। घुटनों तक की पैंट पहने यही वह नौकर था जिससे उसे संतोष करना पड़ता था! जब उसका काम खत्म हो जाता, तो वह उस दिन वापस नहीं आता; क्योंकि चार्ल्स, जब घर आता, तो खुद अपने घोड़े को अस्तबल में ले जाता, काठी उतारता और लगाम लगाता, जबकि नौकरानी भूसे का गट्ठा लाती और उसे जितना हो सके चरनी में डाल देती।

नास्तासी (जो अंततः आँसू बहाते हुए टोस्टेस छोड़कर चली गई) की जगह एम्मा ने चौदह साल की एक अनाथ लड़की को अपने घर में काम पर रखा, जिसका चेहरा बहुत प्यारा था। उसने उसे सूती टोपी पहनने से मना किया, उसे सिखाया कि उसे किसी से तीसरे व्यक्ति के रूप में बात करनी चाहिए, पानी का गिलास थाली में रखकर लाना चाहिए, अंदर जाने से पहले दरवाज़े पर दस्तक देनी चाहिए, और उसे कपड़े इस्त्री करना, स्टार्च लगाना और कपड़े पहनाना सिखाया, ताकि वह उसे अपनी नौकरानी बना सके। नई नौकरानी ने बिना किसी शिकायत के आज्ञा का पालन किया ताकि उसे नौकरी से न निकाला जाए; और चूंकि मैडम आमतौर पर चाबी अलमारी में ही छोड़ देती थीं, इसलिए हर शाम फेलिसिटे अपनी प्रार्थना करने के बाद बिस्तर पर अकेले बैठकर थोड़ी सी चीनी खा लेती थी।

दोपहर के समय, कभी-कभी वह सड़क पार करके पोस्टिलियनों से बात करने जाती थी। मैडम ऊपर अपने कमरे में रहती थीं।

वह एक खुला हुआ ड्रेसिंग गाउन पहनती थी, जिसके ऊपरी हिस्से के शॉल कॉलर के बीच से तीन सुनहरे बटनों वाली प्लीटेड ड्रेस दिखाई देती थी। उसकी बेल्ट भारी लटकनों वाली डोरी की थी, और उसकी छोटी गहरे लाल रंग की चप्पलों पर चौड़े रिबनों का एक गुच्छा लगा था जो उसके पैर के ऊपरी हिस्से तक लटकता था। उसने अपने लिए एक ब्लॉटिंग पेपर, स्टेशनरी, पेन होल्डर और लिफाफे खरीदे थे, हालाँकि उसे किसी को पत्र नहीं लिखना था; वह अपनी अलमारियों से धूल झाड़ती, आईने में खुद को देखती, एक किताब उठाती, फिर पंक्तियों के बीच सपने देखती हुई उसे अपने घुटनों पर रख देती। वह यात्रा करना चाहती थी या अपने कॉन्वेंट में लौटना चाहती थी। वह पेरिस में मरना भी चाहती थी और जीना भी।

चार्ल्स बर्फ और बारिश में, संकरी पगडंडियों पर अपने घोड़े की सवारी करता था। वह फार्महाउस की मेजों पर ऑमलेट खाता था, गीले बिस्तरों में अपना हाथ डालता था, खून निकालने के दौरान चेहरे पर खून की गर्म बूँदें सहता था, मृत्यु की घुरघुराहट सुनता था, बेसिन की जाँच करता था, ढेर सारे गंदे अंतर्वस्त्रों को तह करके रखता था; लेकिन हर शाम, वह जलती हुई आग, सजी हुई मेज, नरम कुर्सी और एक सुरुचिपूर्ण ढंग से सजी, आकर्षक और इतनी ताजगी से महकती महिला के पास लौटता था कि किसी को पता ही नहीं चलता था कि वह सुगंध कहाँ से आ रही है, या कहीं वह उसकी त्वचा से ही तो नहीं आ रही है।

वह अनगिनत छोटी-छोटी बातों से उसे प्रसन्न कर देती थी; कभी मोमबत्तियों के लिए कागज़ के छोटे-छोटे स्टैंड बनाने का कोई नया तरीका, कभी अपनी पोशाक पर कोई झालर बदलना, या नौकर द्वारा बिगाड़े गए किसी साधारण से व्यंजन का कोई अनोखा नाम रखना, जिसे चार्ल्स बड़े चाव से खा जाता था। रूएन में उसने कुछ महिलाओं को अपनी घड़ियों पर कई लॉकेट पहने देखा; उसने भी कुछ लॉकेट खरीद लिए। वह अपने मेंटलपीस पर नीले कांच के दो बड़े फूलदान रखना चाहती थी और कुछ समय बाद, चांदी की परत चढ़ी अंगुली के साथ हाथीदांत की एक सिलाई पेटी भी। चार्ल्स इन बारीकियों को जितना कम समझता था, उतना ही वह उन्हें मोह लेता था। इनसे उसकी इंद्रियों को आनंद मिलता था और उसके घर की मिठास बढ़ती थी। ये उसके जीवन के छोटे से रास्ते पर बिखरी सोने की धूल के समान थीं।

वह स्वस्थ थे, देखने में अच्छे लगते थे; उनकी प्रतिष्ठा सर्वथा स्थापित थी। ग्रामीण लोग उन्हें बहुत प्यार करते थे क्योंकि वे घमंडी नहीं थे। वे बच्चों को प्यार से सहलाते थे, कभी शराबखानों में नहीं जाते थे, और इन सबके अलावा, अपने नैतिक मूल्यों से लोगों में विश्वास जगाते थे। वे जुकाम और सीने की बीमारियों के इलाज में विशेष रूप से सफल थे। अपने मरीजों को जान से मारने के डर से चार्ल्स, वास्तव में, शामक दवाओं के अलावा शायद ही कभी कुछ लिखते थे, कभी-कभी उल्टी कराने वाली दवा, पैरों को धोने के लिए पानी या जोंक भी देते थे। ऐसा नहीं था कि उन्हें सर्जरी से डर लगता था; वे घोड़ों की तरह लोगों का खून निकालते थे, और जब दांत निकालने की बात आती थी, तो उनकी मुट्ठी लोहे की तरह मजबूत होती थी।

आखिरकार, खुद को नवीनतम जानकारी से अवगत रखने के लिए, उन्होंने ला रुचे मेडिकेल नामक एक नई पत्रिका की सदस्यता ले ली, जिसका विवरण उन्हें प्राप्त हुआ था। वे रात के खाने के बाद थोड़ा-थोड़ा पढ़ते, लेकिन कमरे की गर्मी और पाचन क्रिया के कारण पाँच मिनट में ही उन्हें नींद आ जाती; और वे वहीं पड़े रहते, ठुड्डी हाथों पर टिकाए और बाल दीपक के आधार तक अयाल की तरह फैले हुए। एम्मा उन्हें देखती और कंधे उचका देती। काश, कम से कम, उनके पति उन उत्साही और कम बोलने वाले पुरुषों में से एक होते जो रात में अपनी किताबों पर काम करते हैं, और अंत में, साठ वर्ष की आयु में, जब गठिया शुरू हो जाता है, तो अपने

काले, बेढंगे कोटों पर कई पदक पहनते हैं? वह चाहती थीं कि उनका नाम बोवरी प्रसिद्ध हो, वह चाहती थीं कि यह किताबों की दुकानों में प्रदर्शित हो, अखबारों में बार-बार छपे, पूरे फ्रांस में जाना जाए। लेकिन चार्ल्स में कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी! येवेटोट के एक डॉक्टर, जिनसे चार्ल्स हाल ही में परामर्श के लिए गए थे, ने मरीज़ के बिस्तर के पास ही, वहाँ मौजूद रिश्तेदारों के सामने उनका अपमान किया था। जब चार्ल्स ने उस शाम एम्मा को यह कहानी सुनाई, तो एम्मा अपने सहकर्मी पर बुरी तरह भड़क उठीं। चार्ल्स भावुक हो गए। उन्होंने आँसू भरी आँखों से एम्मा के माथे पर चुंबन किया। लेकिन एम्मा शर्म से आग बबूला थीं; उनका मन कर रहा था कि उन्हें मार दें, इसलिए वह गलियारे में गईं और खिड़की खोलकर ठंडी हवा में साँस लेकर खुद को शांत किया।

"कितना दयनीय आदमी है! कितना दयनीय आदमी है!" उसने अपने होंठ काटते हुए धीरे से कहा।

वैसे भी, उसे उससे और भी चिढ़ होने लगी थी। उम्र के साथ-साथ उसकी आदतें भी बिगड़ती जा रही थीं; मिठाई खाते समय वह खाली बोतलों के ढक्कन काट देता था; खाने के बाद वह अपनी जीभ दांतों पर फेरता था; सूप पीते समय हर निवाले के साथ वह गुड़गुड़ाहट की आवाज़ करता था; और क्योंकि वह मोटा होने लगा था, उसके पहले से ही छोटे-छोटे गाल फूलने से उसकी आंखें कनपटी की ओर खिंची हुई सी लग रही थीं।

एम्मा कभी-कभी उसके स्वेटर के लाल किनारे को उसकी बनियान के अंदर दबा देती, उसकी टाई सीधी कर देती, या उसके पुराने दस्तानों को, जिन्हें वह पहनने की तैयारी कर रहा होता, एक तरफ फेंक देती; और यह सब, जैसा कि वह सोचता था, उसके लिए नहीं था; बल्कि अपने लिए था, अहंकार के विस्तार के रूप में, एक बेचैन झुंझलाहट के रूप में। कभी-कभी वह उससे पढ़ी हुई चीजों के बारे में भी बात करती, जैसे किसी उपन्यास का अंश, कोई नया नाटक, या अखबार में छपी उच्च समाज की कोई कहानी; क्योंकि आखिर चार्ल्स तो हमेशा ध्यान से सुनने वाला और तुरंत सहमति जताने वाला व्यक्ति था। वह अपने प्यारे कुत्ते को कई राज़ बताती थी! वह यही बात अंगीठी की लकड़ियों और घड़ी के पेंडुलम को भी बता देती।

लेकिन अपने मन की गहराई में, वह किसी घटना के घटित होने की प्रतीक्षा कर रही थी। संकट में फंसे नाविक की तरह, वह अपने जीवन के एकांत को हताश निगाहों से निहारती, दूर क्षितिज के कोहरे में किसी सफेद पाल की तलाश में देखती रहती। उसे नहीं पता था कि यह संयोग क्या होगा, कौन सी हवा उसे उसके पास लाएगी, किस किनारे पर ले जाएगी, चाहे वह एक लंबी नाव हो या तीन मंजिला पोत, दुखों से लदी हो या खिड़कियों तक खुशियों से भरी हो। लेकिन हर सुबह, जब वह जागती, तो आशा करती कि वह घटना उसी दिन घटित होगी, और वह हर आवाज को सुनती, उछलकर खड़ी हो जाती, और यह देखकर आश्चर्यचकित होती कि वह घटना क्यों नहीं घटी; फिर, सूर्यास्त के समय, हमेशा की तरह और भी दुखी होकर, वह चाहती कि अगला दिन जल्दी आ जाए।

वसंत ऋतु लौट आई। पहले गर्म दिनों के आगमन के साथ ही, जब नाशपाती के पेड़ों पर फूल खिलने लगे, तो उसे सांस फूलने लगी।

जुलाई की शुरुआत से ही, वह अक्टूबर आने से पहले बचे हफ्तों की गिनती उंगलियों पर करने लगी, यह सोचकर कि शायद मार्क्विस डी'एंडर्विलियर्स ला वाउबिसार्ड में एक और भोज का आयोजन करेंगे। लेकिन पूरा सितंबर बिना किसी पत्र या आगंतुक के बीत गया।

इस निराशा की थकान के बाद, उसका दिल खाली रह गया, और फिर एक जैसे दिनों का सिलसिला दोबारा शुरू हो गया।

तो अब ये सिलसिला एक के बाद एक ऐसे ही चलता रहेगा, हमेशा एक जैसा, अनगिनत, और कुछ भी हासिल नहीं होगा! दूसरे लोगों की ज़िंदगी, चाहे कितनी भी नीरस क्यों न हो, उसमें कम से कम कुछ होने की संभावना तो होती ही थी। कभी-कभी एक संयोग से अनगिनत अचानक बदलाव आ जाते थे और माहौल बदल जाता था। लेकिन उसके लिए कुछ नहीं हुआ, यही ईश्वर की मर्ज़ी थी! भविष्य एक अंधेरा गलियारा था, जिसका दरवाज़ा अंत में मज़बूती से बंद था।

उसने संगीत छोड़ दिया। क्यों बजाना? उसे कौन सुनेगा? चूंकि वह कभी किसी कॉन्सर्ट में, मखमली आस्तीन वाली ड्रेस पहनकर, एरार्ड पियानो पर, अपनी कोमल उंगलियों से हाथीदांत की कुंजियों को बजाते हुए और परमानंद की एक लहर को अपने चारों ओर हवा की तरह फैलते हुए महसूस करते हुए, संगीत नहीं बजा पाएगी, इसलिए पढ़ाई में समय बर्बाद करने का कोई फायदा नहीं था। उसने अपने ड्राइंग पोर्टफोलियो और टेपेस्ट्री का काम अलमारी में ही छोड़ दिया। क्या फायदा? क्या फायदा? सिलाई उसे चिढ़ाती थी।

“मैंने सब कुछ पढ़ लिया है,” वह खुद से कहती थी।

और वह चिमटे को आग में तब तक पकड़े रहती जब तक वह लाल न हो जाए, या बारिश को गिरते हुए देखती रहती।

रविवार को जब शाम की प्रार्थना की घंटियाँ बजती थीं, तो वह कितनी उदास हो जाती थी! वह स्तब्ध होकर सुनती रहती थी, जैसे घंटी की कर्कश ध्वनि एक-एक करके सुनाई देती थी। छतों पर एक बिल्ली धीरे-धीरे चलती हुई सूरज की हल्की किरणों में अपनी पीठ झुका लेती थी। बड़ी सड़क पर हवा धूल के गुबार उड़ाती रहती थी। दूर से कभी-कभार कोई कुत्ता भौंकता था; और घंटी नियमित अंतराल पर अपनी एकरस ध्वनि जारी रखती थी, जो ग्रामीण परिवेश में कहीं गुम हो जाती थी।

इसी बीच वे लोग चर्च से बाहर आ रहे थे। मोम से पॉलिश की हुई लकड़ी की चप्पलें पहने महिलाएं, नए कपड़े पहने किसान, और उनके सामने नंगे बदन उछलते-कूदते छोटे बच्चे—ये सब अपने-अपने घर लौट रहे थे। और शाम होने तक, पांच-छह आदमी, हमेशा वही लोग, सराय के मुख्य द्वार के सामने कॉर्क-पेनी खेलते रहते।

सर्दी बहुत ठंडी थी। हर सुबह खिड़कियों के शीशे पाले से मोटे तौर पर ढके होते थे, और उनसे छनकर आने वाली रोशनी, मानो पिसे हुए कांच से आ रही हो, कभी-कभी दिन भर एक जैसी ही रहती थी। दोपहर चार बजे दीपक जलाना पड़ता था।

जब मौसम सुहाना होता, तो वह बगीचे में जाया करती। ओस ने पत्तागोभी पर चांदी जैसी जाली बना दी थी, लंबी चमकदार डोरियाँ एक से दूसरी तक फैली हुई थीं। पक्षियों की कोई आवाज़ सुनाई नहीं देती थी, सब कुछ सोया हुआ सा लगता था, बेल पुआल से ढकी हुई थी और दीवार के किनारे पर लता एक बड़े बीमार साँप की तरह फैली हुई थी, जिस पर पास जाने पर दीमक अपने कई पैरों पर रेंगते हुए दिखाई देते थे। देवदार के पेड़ों के बीच, बाड़ के पास, तिकोने वाली टोपी पहने पादरी अपनी प्रार्थना पुस्तक पढ़ रहा था, उसका दाहिना पैर कट गया था, और पाले में प्लास्टर उखड़ने से उसके चेहरे पर सफेद पपड़ी पड़ गई थी।

फिर वह ऊपर जाती, दरवाजा बंद करती, अंगारों को फैलाती और आग की गर्मी से बेहाल होकर, उस ऊब के भारी बोझ को फिर से महसूस करती जो उस पर छाने लगी थी। वह नौकरानी से बात करने के लिए नीचे जाना चाहती थी, लेकिन एक तरह की झिझक ने उसे रोक रखा था।

हर दिन, ठीक उसी समय, काली रेशमी टोपी पहने स्कूल मास्टर अपने घर के शटर खोलते और गाँव का पुलिसवाला अपनी कुर्ती के ऊपर तलवार लिए हुए वहाँ से गुज़रता। शाम और सुबह, डाक के घोड़े तीन-तीन की कतार में सड़क पार करके तालाब से पानी पीने जाते। कभी-कभार, किसी सराय की घंटी बज उठती; और जब हवा चलती, तो नाई के छोटे तांबे के बेसिन, जो उसकी दुकान का चिन्ह थे, अपनी दो छड़ियों पर चरमराते सुनाई देते। सजावट के लिए, खिड़की के शीशे पर एक पुरानी फैशन प्लेट चिपकी हुई थी और पीले बालों वाली एक महिला की मोम की मूर्ति थी। नाई भी अपने उस पेशे पर अफ़सोस करता था जो कभी पूरा नहीं हुआ, अपने बर्बाद भविष्य पर, और रूएन जैसे किसी बड़े शहर में, बंदरगाह के पास, थिएटर के नजदीक एक दुकान का सपना देखते हुए, वह सारा दिन गाँव के गिरजाघर से चर्च तक चक्कर लगाता रहता, उदास होकर ग्राहकों का इंतज़ार करता रहता। जब मैडम बोवरी अपनी आँखें ऊपर उठातीं, तो उन्हें वह हमेशा वहीं दिखाई देता, जैसे कोई संतरी पहरा दे रहा हो, ऊनी कपड़े की जैकेट पहने और एक कान पर टोपी डाले हुए।

दोपहर के समय, कभी-कभी, बैठक की खिड़कियों के बाहर एक आदमी का सिर दिखाई देता था, धूप से झुलसा हुआ सिर, काली मूंछों वाला, धीरे-धीरे एक चौड़ी, सौम्य, सफेद दांतों वाली मुस्कान बिखेरता हुआ। तुरंत ही

एक वाल्ट्ज़ शुरू हो जाता, और ऑर्गन के ऊपर बने एक छोटे से हॉल में, उंगली जितनी लंबी नर्तकियाँ—गुलाबी पगड़ी वाली महिलाएं, कटआउट शर्ट पहने टायरोलियन पुरुष, काले सूट पहने बंदर, घुटने तक की पैंट पहने सज्जन—सुनहरे कागज के जाल से जुड़े दर्पण के टुकड़ों में प्रतिबिंबित आर्मचेयर, सोफे, कंसोल टेबल के बीच गोल-गोल घूमती रहतीं। वह आदमी अपना हैंडल घुमाता, दाईं ओर, बाईं ओर और खिड़कियों की ओर देखता। कभी-कभी, उसी समय जब वह गार्ड स्टोन पर भूरे रंग की लार की एक लंबी धार छोड़ता, वह अपने घुटने से वाद्य यंत्र को उठाता, क्योंकि उसकी कठोर पट्टी उसके कंधे को थका देती थी; और संगीत, कभी उदास और मंद, कभी आनंदमय और उमंग भरा, गुलाबी टैफेटा के पर्दे से छनकर, पीतल की नक्काशीदार जाली के पीछे से, बॉक्स से निकलता। ये वो धुनें थीं जिन्हें लोग थिएटरों में बजाते थे, जिन्हें लोग सैलून में गाते थे, जिन पर लोग रात में जगमगाते झूमरों के नीचे नाचते थे, दुनिया की गूँज एम्मा तक पहुँचती थी। उसके दिमाग में अनगिनत सरबंदे बजते थे, और फूलों से सजे कालीन पर नाचती हुई लड़की की तरह, उसके विचार सुरों के साथ उछलते, एक सपने से दूसरे सपने में, एक उदासी से दूसरी उदासी में झूलते। जब उस आदमी ने अपनी टोपी में भीख ले ली, तो उसने एक पुराना नीला ऊनी कवर नीचे खींचा, अपना ऑर्गन अपनी पीठ पर रखा और भारी कदमों से चल पड़ा। वह उसे जाते हुए देखती रही।

लेकिन सबसे ज़्यादा असहनीय तो खाने के समय होता था, उस छोटे से कमरे में, जो भूतल पर था, जहाँ धुआँ निकलता चूल्हा, चरमराता दरवाज़ा, रिसती दीवारें और गीले पत्थर थे; ऐसा लगता था मानो जीवन की सारी कड़वाहट उसकी थाली में परोस दी गई हो, और उबले हुए मांस की भाप के साथ, उसकी आत्मा की गहराइयों से घृणा की नई लहरें उठती थीं। चार्ल्स को खाने में बहुत समय लगता था; वह कुछ मेवे कुतरती, या अपनी कोहनी पर झुककर, चाकू की नोक से ऑइलक्लॉथ पर रेखाएँ खींचकर अपना मनोरंजन करती।

अब उसने घर की सारी चीज़ें बेपरवाह कर दीं, और जब बड़ी मैडम बोवरी उपवास के कुछ दिन टोस्टेस में बिताने आईं, तो वह इस बदलाव को देखकर बहुत हैरान हुईं। दरअसल, जो कभी इतनी सलीकेदार और सभ्य थीं, अब पूरे दिन बिना कपड़े पहने रहतीं, धूसर सूती मोज़े पहनतीं और रोशनी के लिए मोमबत्ती का इस्तेमाल करतीं। वह बार-बार कहतीं कि उन्हें मितव्ययिता बरतनी पड़ती है, क्योंकि वे अमीर नहीं हैं, और यह भी कहतीं कि वह बहुत संतुष्ट और खुश हैं, उन्हें टोस्टेस बहुत पसंद है, और ऐसी ही कई नई बातें कहतीं जिससे सास चुप हो जातीं। इसके अलावा, एम्मा अब उनकी सलाह मानने को तैयार नहीं दिखती थीं; एक बार तो जब मैडम बोवरी ने यह कहना शुरू किया कि मालिकों को अपने नौकरों के धार्मिक जीवन पर नज़र रखनी चाहिए, तो एम्मा ने उन्हें इतनी गुस्से भरी नज़रों और ठंडी मुस्कान से जवाब दिया कि उस भली महिला ने फिर कभी दखल नहीं दिया।

एम्मा का स्वभाव कठोर और मनमौजी होता जा रहा था। वह अपने लिए व्यंजन मंगवाती और उन्हें छूती तक नहीं, एक दिन केवल शुद्ध दूध पीती और अगले दिन एक के बाद एक कई कप चाय पीती। अक्सर वह हठपूर्वक बाहर जाने से इनकार कर देती, फिर घुटन महसूस करती, खिड़कियाँ खोल देती और पतली सी पोशाक पहन लेती। अपनी नौकरानी को डांटने के बाद, वह उसे उपहार देती या पड़ोसियों से मिलने के लिए सैर पर भेज देती, ठीक वैसे ही जैसे कभी-कभी वह अपने पर्स में रखे सारे चाँदी के सिक्के गरीबों को दे देती थी, हालाँकि वह बिल्कुल भी कोमल हृदय वाली या दूसरों की भावनाओं से आसानी से प्रभावित होने वाली नहीं थी, जैसे कि देहाती परिवारों में जन्मे अधिकांश लोग होते हैं, जिनकी आत्मा में हमेशा उनके पिता के कठोर हाथों की कुछ झलक बाकी रहती है।

फरवरी के अंत में, पेरे रूऑल्ट अपने दामाद के ठीक होने की खुशी में खुद उनके लिए एक बेहतरीन टर्की लेकर आए और तीन दिन टोस्टेस में रुके। चार्ल्स मरीजों को देख रहे थे, इसलिए एम्मा उनके साथ समय बिताती रहीं। वह बेडरूम में सिगरेट पीते, चूल्हे पर थूकते, फसलों, बछड़ों, गायों, मुर्गियों और नगर परिषद के बारे में बातें करते; इसलिए जब वह चले गए, तो एम्मा ने राहत की सांस ली, जो उन्हें खुद भी हैरान कर गई। इतना ही नहीं, अब वह किसी भी बात या किसी भी व्यक्ति के प्रति अपनी घृणा नहीं छिपाती थीं; और कभी-कभी वह ऐसे अनोखे विचार व्यक्त करती थीं, जो आम तौर पर स्वीकृत बातों की निंदा करते थे और विकृत या अनैतिक चीजों की प्रशंसा करते थे: जिससे उनके पति उन्हें हैरानी से देखते रह जाते थे।

क्या यह दुख हमेशा के लिए रहेगा? क्या उसे इससे निकलने का कोई रास्ता कभी नहीं मिलेगा? और फिर भी वह उन सभी महिलाओं से कम नहीं थी जो सुखी जीवन जीती थीं! उसने ला वाउबेसार्ड में भारी-भरकम शरीर और अशिष्ट व्यवहार वाली डचेसों को देखा था, और वह ईश्वर के अन्याय को कोसती थी; वह दीवारों से सिर टिकाकर रोती थी; वह उन उथल-पुथल भरे जीवन, नकाबपोश पार्टियों की रातों, बेहिसाब मौज-मस्ती और उन सभी अनभिज्ञ भावनाओं के बारे में ईर्ष्या से सोचती थी, जो उसके लिए अनजान थीं।

उसका चेहरा पीला पड़ गया और दिल की धड़कन तेज हो गई। चार्ल्स ने उसे वेलेरियन और कपूर के पानी से स्नान कराया। लेकिन चार्ल्स के हर प्रयास से उसकी हालत और बिगड़ती चली गई।

कुछ दिनों वह उमंग भरी बातें करती थी; उत्तेजना की इन अवस्थाओं के बाद अचानक सुस्ती छा जाती थी, जिसमें वह बोलना और हिलना-डुलना बंद कर देती थी। ऐसे समय में उसे तरोताज़ा करने के लिए वह अपनी बाहों पर इत्र की बोतल छिड़क लेती थी।

चूंकि वह टोस्टेस के बारे में लगातार शिकायत करती रहती थी, इसलिए चार्ल्स ने अनुमान लगाया कि उसकी बीमारी का कारण निस्संदेह किसी स्थानीय प्रभाव में निहित है, और इस विचार को अपनाकर, उसने गंभीरता से कहीं और अपना क्लिनिक स्थापित करने के बारे में सोचा।

इसके बाद, उसने वजन कम करने के लिए सिरका पीना शुरू कर दिया, उसे हल्की-फुल्की सूखी खांसी हो गई और उसकी भूख पूरी तरह से खत्म हो गई।

चार्ल्स को टोस्टेस को चार साल बाद, उस समय छोड़ना पड़ा जब वह अपना जीवन स्थापित करना शुरू कर रहा था। फिर भी, अगर ऐसा करना ही था तो...! वह उसे अपने पुराने शिक्षक से मिलने के लिए रूएन ले गया। यह एक मानसिक बीमारी थी: उसे ताज़ी हवा की ज़रूरत थी।

इधर-उधर खोजबीन करने के बाद, चार्ल्स को पता चला कि न्यूफ़चैटेल क्षेत्र में योनविले-ल'अब्बाये नाम का एक बड़ा बाज़ार कस्बा है, जहाँ का डॉक्टर, जो एक पोलिश शरणार्थी था, पिछले सप्ताह ही वहाँ से चला गया था। इसलिए उसने स्थानीय फार्मासिस्ट को पत्र लिखकर जनसंख्या, अपने निकटतम सहयोगी की दूरी, अपने पूर्ववर्ती की वार्षिक आय आदि के बारे में जानकारी मांगी; और जब जवाब संतोषजनक मिले, तो उसने तय किया कि अगर एम्मा की सेहत में सुधार नहीं हुआ तो वह वसंत ऋतु में वहाँ चला जाएगा।

एक दिन, अपनी विदाई की तैयारी में दराज साफ करते समय, उसकी उंगलियों में कुछ चुभ गया। यह उसके शादी के गुलदस्ते में लगा तार का एक टुकड़ा था। संतरे की कलियाँ धूल से पीली पड़ गई थीं, और चांदी की पाइपिंग वाले सैटिन रिबन किनारों से उखड़ रहे थे। उसने उसे आग में फेंक दिया। वह सूखी घास से भी तेज़ी से भड़क उठा। फिर वह अंगारों पर एक लाल झाड़ी की तरह पड़ा रहा, धीरे-धीरे जलता रहा। वह उसे जलते हुए देखती रही। गत्ते की छोटी-छोटी कलियाँ फट गईं, बाँधने वाला तार मुड़ गया, चोटी पिघल गई; और मुरझाई हुई कागज़ की पंखुड़ियाँ, काली तितलियों की तरह आग की लपटों पर मंडराती हुई, अंत में चिमनी से उड़ गईं। जब वे मार्च में टोस्टेस से रवाना हुए, तब मैडम बोवरी गर्भवती थीं।

भाग II

[1]

योनविले-ल'एबे (जिसका नाम कैपुचिन भिक्षुओं के एक पुराने मठ के नाम पर रखा गया है, जिसके खंडहर भी अब मौजूद नहीं हैं) रूएन से आठ लीग दूर, एब्बेविले और ब्यूवेस सड़कों के बीच, एक घाटी के निचले हिस्से में स्थित एक बाजार कस्बा है, जिसे रियूल नामक एक छोटी नदी सिंचित करती है, जो अपने मुहाने के पास तीन मिलों को संसाधित करने के बाद एंडेल में बहती है, और जिसमें कुछ ट्राउट मछलियाँ हैं जिन्हें लड़के रविवार को मछली पकड़ने के लिए कांटों से पकड़ना पसंद करते हैं।

ला बोइसिएर पर आप राजमार्ग छोड़कर लेस ल्यूक्स पहाड़ी की चोटी तक समतल मार्ग पर चलते हैं, जहाँ से आपको पहली बार घाटी दिखाई देती है। घाटी से बहने वाली धारा दो अलग-अलग भूभाग बनाती है: बाएँ ओर का सारा भाग चारागाह है, दाएँ ओर का सारा भाग खेती योग्य भूमि है। घास का मैदान नीची पहाड़ियों की एक श्रृंखला के नीचे फैला हुआ है और दूर जाकर ब्रे क्षेत्र के चारागाहों से मिल जाता है, जबकि पूर्व की ओर, धीरे-धीरे ऊपर उठता हुआ मैदान चौड़ा होता जाता है और जहाँ तक नज़र जाती है, सुनहरे गेहूँ के खेत फैले रहते हैं। घास के किनारे बहता पानी अपनी सफेद रेखा से घास के मैदानों के रंग को खेतों की क्यारियों के रंग से अलग करता है, जिससे पूरा इलाका एक विशाल चादर की तरह दिखता है, जो फैली हुई हो, और जिसका हरा मखमली कॉलर चांदी की कढ़ाई से सजा हो।

जब आप पहुंचते हैं, तो क्षितिज पर आपको अर्गुइल वन के ओक के पेड़ और सेंट-जीन पहाड़ी की खड़ी ढलानें दिखाई देती हैं, जो ऊपर से नीचे तक लाल रंग की लंबी, अनियमित धारियों से ढकी हुई हैं; ये बारिश के निशान हैं, और पहाड़ के धूसर रंग के बीच पतले धागों की तरह स्पष्ट रूप से उभरने वाले उनके ईंट जैसे लाल रंग, आसपास के ग्रामीण इलाकों में बहने वाले लौह युक्त झरनों की प्रचुरता से आते हैं।

आप नॉर्मंडी, पिकार्डी और इले-डी-फ्रांस की सीमाओं पर हैं, एक मिश्रित क्षेत्र जहाँ की भाषा में अभिव्यक्ति की कमी है, ठीक वैसे ही जैसे यहाँ के भूदृश्य में कोई विशिष्टता नहीं है। यहीं पर पूरे जिले का सबसे घटिया न्यूफ़चैटेल पनीर बनाया जाता है, जबकि खेती महंगी है, क्योंकि रेत और पत्थरों से भरी इस भुरभुरी मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए काफी खाद की आवश्यकता होती है।

1835 तक योनविले पहुँचने के लिए कोई सुगम सड़क नहीं थी; लेकिन लगभग उसी समय उन्होंने एक प्रमुख स्थानीय मार्ग बनाया जो अब्बेविले सड़क को एमिएन्स सड़क से जोड़ता है और कभी-कभी रूएन से फ़्लैंडर्स जाने वाले गाड़ीवानों द्वारा उपयोग किया जाता है। फिर भी, नए मार्गों के बावजूद, योनविले-ल'अब्बाये अपनी जगह पर स्थिर रहा है। यहाँ के लोग खेती योग्य भूमि में सुधार करने के बजाय, चरागाहों की देखभाल में लगे हुए हैं, चाहे वे कितने भी जर्जर क्यों न हो गए हों, और मैदान से दूर यह सुस्त कस्बा नदी की ओर स्वाभाविक

रूप से बढ़ता रहा है। आप इसे दूर से ही नदी के किनारे फैला हुआ देख सकते हैं, मानो कोई चरवाहा पानी के किनारे झपकी ले रहा हो।

पहाड़ी की तलहटी में, पुल के बाद, और युवा एस्पेन पेड़ों से आच्छादित, एक सड़क शुरू होती है जो आपको सीधे क्षेत्र के पहले घरों तक ले जाती है। ये घर झाड़ियों से घिरे हुए हैं, और इनके बीच में बिखरे हुए छोटे भवन, प्रेस, बैलगाड़ी के शेड और आस-पास के घने पेड़ों के नीचे बनी शराब बनाने की भट्टियाँ हैं, जिनकी शाखाओं पर सीढ़ियाँ, डंडे या दरांती लटकी हुई हैं। छप्पर की छतें नीची खिड़कियों के ऊपरी एक तिहाई हिस्से को ऐसे ढकती हैं जैसे आँखों पर फर की टोपी खींची गई हो, और मोटे, उभरे हुए शीशों के बीच में एक छोटा सा उभार है, जैसे बोतल का निचला हिस्सा। प्लास्टर की दीवार से सटाकर, जिस पर तिरछे काले लकड़ी के तख्ते लगे हैं, कभी-कभी एक पतला नाशपाती का पेड़ लटका रहता है, और भूतल के दरवाजों पर एक छोटा सा झूलता हुआ गेट है जो उन्हें चूजों से बचाता है, जो साइडर में भीगी हुई भूरी रोटी के टुकड़ों को चुगने के लिए दरवाजे की चौखट पर आ जाते हैं। इस बीच, आंगन संकरे होते जाते हैं, आवास एक-दूसरे के करीब आते जाते हैं, और झाड़ियाँ गायब हो जाती हैं; एक खिड़की के नीचे झाड़ू के डंडे से फर्न का एक गुच्छा लटका हुआ है; वहाँ एक लोहार की भट्टी है और फिर एक गाड़ी बनाने वाले की दुकान है जिसके दो-तीन नई गाड़ियाँ सड़क पर निकली हुई हैं। फिर रेलिंग के पार एक सफेद घर दिखाई देता है, जिसके पीछे एक गोल लॉन है जो कामदेव की आकृति से सजा हुआ है, जिसकी उंगली उसके मुँह पर है; सामने की सीढ़ियों के दोनों सिरों पर लोहे के दो कलश रखे हैं; दरवाजे पर पीतल की प्लेटें चमक रही हैं; यह नोटरी का घर है, और इस क्षेत्र का सबसे सुंदर घर है।

चर्च सड़क के दूसरी ओर, बीस कदम आगे, चौक के प्रवेश द्वार पर स्थित है। इसके चारों ओर एक छोटा कब्रिस्तान है, जो कोहनी जितनी ऊँची दीवार से घिरा हुआ है। यह कब्रिस्तान कब्रों से इतना भरा हुआ है कि ज़मीन से सटे पुराने पत्थर एक निरंतर फ़र्श की तरह दिखते हैं, जिस पर घास ने नियमित हरे आयत बना दिए हैं। चार्ल्स X के शासनकाल के अंतिम वर्षों में चर्च का पुनर्निर्माण किया गया था। लकड़ी का गुंबद ऊपर से सड़ने लगा है और नीले रंग में जगह-जगह काले धब्बे पड़ गए हैं। दरवाजे के ऊपर, जहाँ ऑर्गन रखा जाता था, पुरुषों के लिए एक गैलरी है, जिसमें एक घुमावदार सीढ़ी है जिसकी गूंज उनके लकड़ी के जूतों के नीचे सुनाई देती है। साधारण कांच की खिड़कियों से आती दिन की रोशनी दीवार से समकोण पर लगे बेंचों पर तिरछी पड़ती है, जिन पर जगह-जगह पुआल की चटाई के टुकड़े ठोके हुए हैं और उनके नीचे बड़े अक्षरों में लिखा है: "महोदय फलां-फलां की बेंच।" आगे चलकर, जहां मुख्य हॉल संकरा हो जाता है, वहां कन्फेशनल (स्वीकारोक्ति कक्ष) स्थित है, जिसके सामने साटन का गाउन पहने, चांदी के तारों से जड़े ट्यूल के घूंघट से बालों को संवारा हुआ, और गालों पर सैंडविच द्वीप समूह की किसी मूर्ति की तरह गहरा लाल रंग लगा हुआ वर्जिन मैरी की एक छोटी

सी मूर्ति है; अंत में, गृह मंत्री द्वारा भेंट की गई 'द होली फैमिली' की एक प्रति, चार मोमबत्तियों के बीच मुख्य वेदी के ऊपर टंगी हुई है, जो दूर के छोर पर दृश्य को पूरा करती है। चीड़ की लकड़ी से बने गायक-गायिका के बैठने के स्थान बिना रंगे ही रखे गए हैं।

बाजार, यानी लगभग बीस खंभों पर टिकी टाइलों की छत वाली इमारत, विशाल योनविले चौक के लगभग आधे हिस्से में फैली हुई है। पेरिस के एक वास्तुकार द्वारा निर्मित टाउन हॉल, एक प्रकार का ग्रीक मंदिर है जो कोने में स्थित है और फार्मासिस्ट के घर के ठीक बगल में है। इसके भूतल पर तीन आयोनिक स्तंभ हैं और दूसरी मंजिल पर एक अर्धवृत्ताकार गैलरी है, जबकि इसके शीर्ष पर स्थित टिम्पेनम में एक फ्रांसीसी मुर्गा है, जो एक पैर चार्टर पर और दूसरे पैर में न्याय का तराजू लिए हुए है।

लेकिन लायन डी'ओर सराय के ठीक सामने सबसे पहले जो चीज़ ध्यान खींचती है, वह है श्री होमेस की फार्मेसी! खासकर शाम के समय, जब उनका दीपक जलता है और उनकी दुकान की खिड़की को सजाने वाले लाल और हरे रंग के जार अपनी दो रंगों की चमक दूर तक फैलाते हैं; तब, मानो बंगाल लाइट्स के बीच से, फार्मासिस्ट की परछाईं डेस्क पर कोहनी टिकाए हुए दिखाई देती है। उनका घर ऊपर से नीचे तक गोल अक्षरों में, लगातार चलती लिखावट में लिखे हुए बोर्डों से सजा है: "विची, सेल्टज़र और बारेजेस वाटर, डिप्यूरेटिव सिरप, रास्पेल की दवा, अरेबियन राकाहाउट, डारसेट की पास्टिल्स, रेग्नॉल्ट का मरहम, पट्टियाँ, स्नान, औषधीय चॉकलेट, आदि।" और दुकान का साइनबोर्ड, जो पूरी दुकान की चौड़ाई में फैला है, उस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है: होमेस, फार्मासिस्ट। फिर, दुकान के पिछले हिस्से में, काउंटर से जुड़े बड़े तराजू के पीछे, एक कांच के दरवाजे के ऊपर 'प्रयोगशाला' शब्द लिखा हुआ दिखाई देता है, और उसी दरवाजे के बीच में एक बार फिर काले रंग की पृष्ठभूमि पर सुनहरे अक्षरों में 'होमेस' शब्द लिखा हुआ है।

इसके बाद योनविले में देखने लायक कुछ नहीं है। एक गली (जो यहाँ इकलौती है), जो एक गोली की लंबाई जितनी है और जिसके किनारे कुछ दुकानें हैं, सड़क के मोड़ पर अचानक खत्म हो जाती है। अगर आप इसे दाईं ओर छोड़कर सेंट-जीन पहाड़ी के निचले हिस्से की ओर चलें, तो आप जल्द ही कब्रिस्तान पहुँच जाएँगे।

हैजा के प्रकोप के समय, इसे बड़ा करने के लिए उन्होंने दीवार का एक हिस्सा तोड़ दिया और उसके बगल में तीन एकड़ ज़मीन खरीद ली; लेकिन वह पूरा नया हिस्सा लगभग निर्जन है, और कब्रें पहले की तरह ही द्वार के पास जमा होती जा रही हैं। कार्यवाहक, जो एक ही समय में कब्र खोदने वाला और चर्च में सहायक (इस प्रकार पैरिश के शवों से दोहरा लाभ कमाता है) है, ने खाली ज़मीन के टुकड़े का फायदा उठाकर उसमें आलू बो दिए हैं। हालांकि, साल दर साल उसका छोटा सा खेत सिकुड़ता जा रहा है, और जब कोई महामारी फैलती है, तो उसे समझ नहीं आता कि उसे मौतों पर खुशी मनानी चाहिए या कब्रों पर शोक करना चाहिए।

“तुम मृतकों का खून पी रहे हो, लेस्टिबूडोइस!” एक दिन अंत में पादरी ने उससे कहा।

इस निराशाजनक टिप्पणी ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया; इसने उन्हें कुछ समय के लिए रोक दिया; लेकिन आज भी वे अपने कंदों की खेती जारी रखते हैं, और यहां तक कि बड़े शांत भाव से यह दावा करते हैं कि वे अपने आप उग आते हैं।

जिन घटनाओं का वर्णन अब यहाँ किया जाने वाला है, उनके बाद से योनविले में वास्तव में कुछ भी नहीं बदला है। तिरंगे रंग का टिन का झंडा अब भी गिरजाघर के शिखर पर लहराता है; कपड़े की दुकान अब भी अपने दो कैलिको के झंडे हवा में लहराती है; फार्मासिस्ट के भ्रूण, सफेद पंक के बंडलों की तरह, अपने धुंधले अल्कोहल में और अधिक सड़ते जा रहे हैं; और सराय के मुख्य द्वार के ऊपर, बारिश से फीका पड़ा हुआ पुराना सोने का शेर, राहगीरों को अपने घुंघराले बालों का प्रदर्शन करता रहता है।

जिस शाम बोवरी परिवार को योनविले पहुँचना था, उस शाम सराय की मालकिन, विधवा मैडम लेफ्रांकोइस, इतनी व्यस्त थीं कि बर्तन चलाते हुए भी उन्हें पसीना आ रहा था। अगले दिन कस्बे में बाज़ार लगना था। मांस पहले से काटकर रखना था, मुर्गियों की आँतें निकालनी थीं, सूप और कॉफ़ी तैयार करनी थी। इसके अलावा, उन्हें अपने किराएदारों और डॉक्टर, उनकी पत्नी और उनकी नौकरानी के लिए भी खाना बनाना था; बिलियर्ड्स रूम ठहाकों से गूँज रहा था; छोटे से बैठक कक्ष में तीन चक्कीवाले शराब माँग रहे थे; लकड़ी जल रही थी, कोयला चटक रहा था, और रसोई की लंबी मेज पर, कच्चे मटन के टुकड़ों के बीच, प्लेटों के ढेर लगे थे जो पालक काटने के लिए तवे पर हिल रहे थे। मुर्गीखाने से मुर्गियों की चीखें सुनाई दे रही थीं क्योंकि नौकरानी उनका गला काटने के लिए उनका पीछा कर रही थी।

हरे चमड़े की चप्पल पहने, चेचक के कारण त्वचा पर हल्के-फुल्के निशान लिए, सोने की झालर वाली मखमली टोपी लगाए एक व्यक्ति अंगीठी के पास अपनी पीठ सेंक रहा था। उसके चेहरे पर आत्मसंतुष्टि के सिवा कोई भाव नहीं था, और वह जीवन से उतना ही संतुष्ट प्रतीत हो रहा था जितना कि उसके सिर के ऊपर एक बेंत के पिंजरे में बैठी सुनहरी चिड़िया: यही था फार्मासिस्ट।

“आर्टेमिस!” सराय की मालकिन चिल्लाई, “कुछ लकड़ियाँ काट लो, जग भर लो और कुछ ईओ-डी-वी ले आओ! और जल्दी करो! काश मुझे पता होता कि इन लोगों को क्या मिठाई दूं जिनका तुम इंतज़ार कर रही हो! हे भगवान! सामान ढोने वाले लोग बिलियर्ड्स रूम में फिर से शोर मचा रहे हैं! और उनकी गाड़ी अभी भी गेट के ठीक सामने खड़ी है! हिरोंडेल के आने पर वह उससे टकरा सकती है! पोलिट को बुलाओ और उसे कहो कि गाड़ी शेड में रख दे! … सोचो, आज सुबह से, श्रीमान होमेस, उन्होंने शायद पंद्रह गेम खेले हैं और आठ पॉट साइडर पी लिए हैं! … ओह, वे मेरा कपड़ा फाड़ देंगे,” वह दूर से उन्हें देखती हुई बोली, उसके हाथ में छलनी थी।

“इसमें कोई बड़ी बात नहीं है,” महाशय होमेस ने उत्तर दिया; “आप दूसरा खरीद लेंगे!”

विधवा ने हैरानी से कहा, "एक और बिलियर्ड्स टेबल!"

“वह तो बिल्कुल टूट-फूट रहा है, मैडम लेफ्रांकोइस; मैं फिर से कह रही हूँ, आप अपना ही नुकसान कर रही हैं! आप सिर्फ अपना ही नुकसान कर रही हैं! और वैसे भी, आजकल खिलाड़ी छोटी जेबें और भारी क्यू चाहते हैं। वे अब बिलियर्ड्स नहीं खेलते; सब कुछ बदल गया है! आपको भी बदलते समय के साथ चलना होगा! अब टेलियर को ही देख लीजिए…”

सराय मालिक झुंझलाहट से लाल हो गया। फार्मासिस्ट ने आगे कहा:

"आप चाहे जो भी कहें, उसका बिलियर्ड्स टेबल आपके बिलियर्ड्स टेबल से बेहतर है; और मान लीजिए कि उन्होंने उदाहरण के तौर पर पोलैंड के लिए या ल्योन के बाढ़ पीड़ितों के लिए एक देशभक्तिपूर्ण टूर्नामेंट का आयोजन किया..."

“उस जैसे भिखारियों से हमें डर नहीं लगता!” सराय की मालकिन ने अपने मोटे कंधे उचकाते हुए बीच में ही टोक दिया। “देखिए, श्रीमान होमेस! जब तक लायन डी'ओर मौजूद है, लोग आते रहेंगे। चिंता मत कीजिए, हमारे पास पैसे भरे हुए हैं! और एक दिन सुबह आप देखेंगे कि कैफ़े फ़्रांसे बंद है, और शटर पर एक बड़ा सा नोटिस लगा हुआ है! … मेरी बिलियर्ड्स टेबल क्यों बदलूँ,” वह खुद से बात करते हुए बोली, “जब यह मेरे कपड़े धोने के लिए इतनी सुविधाजनक है, और शिकार के मौसम में इस पर एक साथ छह यात्री सो चुके हैं! … अब, वह सुस्त हिवर्ट कहाँ है!”

"क्या आप अपने मेहमानों को खाना देने से पहले उनका इंतजार करेंगे?" फार्मासिस्ट ने पूछा।

“उसका इंतज़ार? श्रीमान बिनेट का क्या होगा! आप उसे ठीक छह बजे आते देखेंगे, क्योंकि इस दुनिया में उसके जैसा समय का पाबंद कोई नहीं है। उसे हमेशा छोटे से भोजन कक्ष में अपनी जगह पर ही बैठना होता है! वह कहीं और खाना खाने के बजाय मरना पसंद करेगा! और वह कितना नखरेबाज़ है! और अपनी साइडर को लेकर कितना नखरे करता है! वह श्रीमान लियोन जैसा नहीं है; वह तो कभी-कभी सात बजे, साढ़े सात बजे आता है; वह अपने खाने की तरफ देखता भी नहीं। कितना अच्छा नौजवान है! कभी भी एक शब्द भी पिछले शब्द से ज़्यादा ज़ोर से नहीं बोलता।”

"ऐसा इसलिए है क्योंकि, आप जानते हैं, एक शिक्षित व्यक्ति और एक पुराने घुड़सवार सैनिक से कर संग्रहकर्ता बने व्यक्ति में काफी अंतर होता है।"

घड़ी में छह बज गए। बिनेट अंदर आया।

उन्होंने नीले रंग का फ्रॉक कोट पहना हुआ था जो उनके पतले शरीर पर सीधा लटका हुआ था, और सिर पर चमड़े की टोपी थी जिसके कान ढकने वाले फ्लैप डोरियों से बंधे हुए थे। टोपी के उठे हुए विज़र के नीचे उनका गंजा माथा दिखाई दे रहा था, जो लंबे समय तक हेलमेट पहनने के कारण चपटा हो गया था। उन्होंने काले ऊनी बनियान, घोड़े के बालों का कॉलर, धूसर पतलून और हर मौसम में चमकदार पॉलिश किए हुए जूते पहने थे, जिन पर पैर की उंगलियों के ऊपर की ओर दबाव के कारण दो समानांतर उभार थे। उनके सुनहरे बालों वाली ठुड्डी की मूंछों की रेखा से एक भी बाल बाहर नहीं निकला हुआ था, जो उनके जबड़े की रूपरेखा बनाते हुए, फूलों की क्यारी के किनारे की तरह, उनके लंबे, उदास चेहरे को घेरे हुए थी, जिसमें छोटी आंखें और नुकीली नाक थी। वे सभी ताश के खेलों में माहिर थे और एक अच्छे शिकारी थे। उनकी लिखावट सुंदर थी, और उनके घर में एक खराद मशीन थी जिस पर वे अपना समय नैपकिन रिंग बनाने में बिताते थे, जिनसे उन्होंने एक कलाकार की ईर्ष्या और एक बुर्जुआ के अहंकार के साथ अपना घर भर रखा था।

वह छोटे से भोजन कक्ष की ओर बढ़ा; लेकिन पहले तीनों चक्कीवालों को वहाँ से बाहर निकालना था; और जब तक उसकी जगह तय नहीं हो गई, बिनेट चुपचाप चूल्हे के बगल वाली अपनी सीट पर बैठा रहा; फिर उसने दरवाजा बंद किया और हमेशा की तरह अपनी टोपी उतार दी।

“अगर उसकी जुबान घिस जाती है, तो वह शिष्ट बातचीत करने से नहीं होगी!” फार्मासिस्ट ने सराय मालिक के साथ अकेले होते ही कहा।

“वह इससे ज्यादा कभी बात नहीं करता,” उसने जवाब दिया; “पिछले हफ्ते मेरे यहाँ दो कपड़े बेचने वाले आए थे, बहुत ही हंसमुख लोग थे, और उन्होंने उस रात इतनी मजेदार कहानियां सुनाईं कि मैं हंसते-हंसते रो पड़ी; लेकिन वह बस वहाँ एक मरी हुई मछली की तरह बैठा रहा, और एक शब्द भी नहीं बोला।”

“हाँ,” फार्मासिस्ट ने कहा, “उसमें न तो कल्पनाशीलता है, न ही बुद्धि, और न ही वो गुण जो किसी व्यक्ति को अच्छी संगति प्रदान करते हैं!”

“और फिर भी वे कहते हैं कि उसमें क्षमताएं हैं,” सराय मालिक ने आपत्ति जताई।

“क्षमताएं!” महाशय होमेस ने उत्तर दिया। “वह! क्षमताएं? शायद अपने काम के क्षेत्र में,” उन्होंने अधिक शांत भाव से कहा।

और उन्होंने आगे कहा:

“अरे! ये बात समझ में आती है कि कोई प्रभावशाली व्यवसायी, वकील, डॉक्टर या फार्मासिस्ट इतना मग्न हो जाए कि अजीब या चिड़चिड़ा हो जाए; इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है! लेकिन कम से कम वे किसी

चीज़ के बारे में सोच तो रहे हैं। मुझे ही ले लीजिए—कितनी बार मैंने लेबल लिखने के लिए अपनी डेस्क पर पेन ढूंढा है और आखिर में पाया है कि मैंने उसे अपने कान के पीछे रख दिया है!"

इसी बीच, मैडम लेफ्रैंकोइस यह देखने के लिए दरवाजे पर गईं कि हिरोंडेल आ रही है या नहीं। वह चौंक गईं। काले वस्त्र पहने एक व्यक्ति अचानक रसोई में दाखिल हुआ। गोधूलि की अंतिम किरणों में उसका लालिमा लिए चेहरा और गठीला शरीर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

"महाशय पादरी जी, मैं आपको क्या भेंट करूँ?" सराय की मालकिन ने पूछा, और वहाँ कतार में सजी पीतल की मोमबत्तियों में से एक को उठाते हुए, खंभों की तरह सजी मोमबत्तियों के बीच से एक स्टैंड उठाया। "क्या आप कुछ पीना चाहेंगे? थोड़ी सी कैसिस या एक गिलास शराब?"

पादरी ने बड़ी विनम्रता से मना कर दिया। वे अपना छाता लेने आए थे, जो वे कुछ दिन पहले एर्नेमोंट कॉन्वेंट में भूल गए थे; और मैडम लेफ्रैंकोइस से यह पूछने के बाद कि क्या वे कृपा करके उस शाम प्रेस्बिटरी में उन्हें छाता भेज देंगी, वे चर्च के लिए रवाना हो गए, जहाँ एंजेलस की घंटी बज रही थी।

जब फार्मासिस्ट को चौक पर उसके जूतों की आवाज़ सुनाई देना बंद हो गई, तो उसने पादरी के कुछ क्षण पहले के व्यवहार को बिल्कुल अनुचित बताया। जलपान स्वीकार करने से इनकार करना उसे घोर पाखंड लगा; सभी पादरी ऐसी जगहों पर शराब पीते थे जहाँ कोई उन्हें देख न सके, और वे दसवां हिस्सा (टाईथ) के पुराने दिनों को वापस लाने की कोशिश कर रहे थे।

सराय की मालकिन ने अपने पादरी का बचाव किया:

वैसे भी, वो तुम्हारे जैसे चार लोगों को उठाकर अपने घुटने पर झुका सकता है। पिछले साल, उसने हमारे लोगों को भूसा लाने में मदद की थी; वो एक बार में छह गठ्ठे तक उठा सकता था—वो इतना ताकतवर है!

"वाह!" फार्मासिस्ट ने कहा। "तो फिर अपनी लड़कियों को उसके जैसे स्वभाव वाले तगड़े आदमियों के पास पाप स्वीकार करने के लिए भेजो! व्यक्तिगत रूप से, अगर मैं सरकार होता, तो मैं चाहता कि पुजारियों का महीने में एक बार खून निकाला जाए। जी हां, मैडम लेफ्रैंकोइस, कानून-व्यवस्था और नैतिकता के हित में हर महीने भरपूर खून निकाला जाए!"

"चुप रहो, महाशय होमेस! तुम अधर्मी हो! तुम्हारा कोई धर्म नहीं है!"

फार्मासिस्ट ने उत्तर दिया:

"मेरा अपना धर्म है; वास्तव में, उनके ढोंगों और जादू-टोने से भी कहीं अधिक, मेरा धर्म उनसे कहीं बढ़कर है! उनके विपरीत, मैं ईश्वर की पूजा करता हूँ! मैं सर्वोच्च सत्ता में, सृष्टिकर्ता में विश्वास करता हूँ, चाहे वह कोई भी हो, मुझे परवाह नहीं, जिसने हमें इस धरती पर नागरिक और परिवार के मुखिया के रूप में अपने कर्तव्यों का

पालन करने के लिए भेजा है; लेकिन मुझे किसी चर्च में जाकर चांदी की थाली चूमने और अपनी जेब से उन पाखंडियों को खिलाने की ज़रूरत नहीं है जो हमसे बेहतर खाते हैं! क्योंकि कोई भी जंगल में, खेत में, या प्राचीन लोगों की तरह आकाश की ओर निहारकर भी उनका सम्मान कर सकता है। मेरा अपना ईश्वर सुकरात, फ्रैंकलिन, वोल्टेयर और बेरेंजर का ईश्वर है! मैं एक सैवॉयर्ड पादरी के विश्वास की घोषणा और 1989 के अमर सिद्धांतों का पक्षधर हूँ! इसलिए, मैं उस तरह के खुशमिजाज बूढ़े ईश्वर को स्वीकार नहीं कर सकता जो अपने फूलों के क्यारियों में हाथ में छड़ी लिए घूमता है, अपने दोस्तों को... व्हेल एक कराहते हुए मर जाती है और तीन दिन बाद फिर से जीवित हो जाती है: ये बातें अपने आप में बेतुकी हैं और इससे भी बढ़कर, सभी भौतिक नियमों के बिल्कुल विपरीत हैं; जो बस यही दर्शाती हैं कि पुजारी हमेशा से ही एक शर्मनाक अज्ञानता में डूबे रहे हैं जिसमें वे दुनिया के लोगों को भी अपने साथ ले जाने का प्रयास करते हैं।

वह चुप हो गया और आसपास देखने लगा कि कहीं कोई उसे सुन तो नहीं रहा, क्योंकि उत्तेजना में आकर फार्मासिस्ट को एक पल के लिए लगा कि वह किसी नगर परिषद की बैठक में है। लेकिन सराय मालकिन उसकी बात नहीं सुन रही थी; वह दूर से आती पहियों की आवाज को ध्यान से सुन रही थी। एक गाड़ी की आवाज घोड़ों के खुरों की खटपट के साथ सुनाई दी, और अंत में हिरोंडेल गाड़ी दरवाजे के सामने आकर रुक गई।

यह एक पीली गाड़ी थी जिसे दो बड़े पहियों पर खींचा जा रहा था, जो छत तक ऊँचे उठते थे, जिससे यात्रियों को सड़क दिखाई नहीं देती थी और उनके कंधों पर कीचड़ के छींटे पड़ते थे। गाड़ी बंद होने पर इसकी संकरी खिड़कियों के छोटे-छोटे शीशे अपने फ्रेम में कांपते थे, और उन पर जमी धूल की पुरानी परत पर जगह-जगह कीचड़ के धब्बे रह जाते थे, जिन्हें बारिश भी पूरी तरह से नहीं धो पाती थी। यह तीन घोड़ों से बंधी थी, पहला घोड़ा अकेला आगे चलता था, और जब वे पहाड़ी से नीचे उतरते थे, तो यह गाड़ी ज़मीन से टकराती थी।

योनविले के कई नागरिक चौक पर आ गए; वे सब एक साथ बातें कर रहे थे, खबरें पूछ रहे थे, स्पष्टीकरण मांग रहे थे, अपने तोहफे मांग रहे थे; हिवर्ट को समझ नहीं आ रहा था कि पहले किसका जवाब दे। वही तो गाँव वालों के लिए शहर में छोटे-मोटे काम करता था। वह दुकानों में जाता, मोची के लिए चमड़े के रोल, लोहार के लिए लोहे का चूरा, अपने मालिक के लिए हेरिंग मछली का एक डिब्बा, टोपी बनाने वाले से टोपियाँ, नाई से विग लाता; और वापस आते समय, रास्ते भर वह अपने पैकेट बाँटता, उन्हें खेत की दीवारों के ऊपर से फेंकता, अपनी सीट पर खड़ा होकर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाता, जबकि उसके घोड़े अपने आप चलते रहते।

एक दुर्घटना के कारण उसे देर हो गई थी: मैडम बोवरी का ग्रेहाउंड कुत्तों का झुंड खेतों में भाग गया था। उन्होंने लगभग पंद्रह मिनट तक सीटी बजाकर उसका इंतज़ार किया। हिवर्ट तो आधा मील पीछे तक चला गया था, उसे उम्मीद थी कि वो उसे किसी भी पल देख लेगा; लेकिन उसे अपना रास्ता जारी रखना पड़ा। एम्मा रोई, उसका

गुस्सा फूट पड़ा; उसने इस दुर्भाग्य के लिए चार्ल्स को दोषी ठहराया। मोंसियर ल्यूरेक्स, जो एक कपड़े के व्यापारी थे और संयोग से उसी गाड़ी में उसके साथ थे, ने उसे कई ऐसे उदाहरण देकर सांत्वना देने की कोशिश की, जिनमें खोए हुए कुत्ते कई वर्षों बाद अपने मालिकों को पहचान लेते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक कुत्ते के बारे में सुना था जो कॉन्स्टेंटिनोपल से पेरिस लौट आया था। एक और कुत्ता पचास मील की दूरी सीधे चलकर चार नदियाँ तैरकर पार कर गया था; और उनके अपने पिता के पास एक पूडल कुत्ता था जो बारह साल बाद अचानक एक शाम सड़क पर उनकी पीठ पर कूद गया था, जब वे शहर में भोजन करने जा रहे थे।

[2]

सबसे पहले एम्मा बाहर निकलीं, फिर फेलिसिटे, महाशय ल्यूरेक्स और एक धाय माँ, और उन्हें चार्ल्स को उसके कोने में जगाना पड़ा, जहाँ वह रात होते ही गहरी नींद में सो गया था।

होमेस ने अपना परिचय दिया; उन्होंने मैडम को शुभकामनाएं दीं, महाशय को आदर व्यक्त किया, कहा कि उनकी सेवा करके उन्हें बहुत खुशी हुई है, और सौहार्दपूर्वक कहा कि उनकी पत्नी की अनुपस्थिति के कारण उन्होंने स्वयं को उनके साथ रात्रि भोजन के लिए आमंत्रित करने की अनुमति ले ली है।

रसोई में, मैडम बोवरी चूल्हे के पास गईं। दो उंगलियों के सिरों से उन्होंने घुटने तक अपनी पोशाक पकड़ी और उसे टखनों तक उठाकर, अपने छोटे काले बूट पहने हुए पैर को, सीख पर पक रहे भेड़ के मांस के टुकड़े के ऊपर जलती हुई लौ की ओर बढ़ाया। आग की रोशनी उन पर पूरी तरह पड़ रही थी, उनकी पोशाक की बुनाई, उनकी सफेद त्वचा के नियमित रोमछिद्रों और यहां तक कि उनकी पलकों को भी भेद रही थी, जिन्हें वह समय-समय पर बंद कर रही थीं। हर बार जब आधे खुले दरवाजे से हवा का झोंका आता, तो उनके ऊपर एक तेज लाल चमक फैल जाती।

चिमनी के दूसरी तरफ से, सुनहरे बालों वाला एक युवक चुपचाप उसे देख रहा था।

योनविले में वकील गिलौमिन के यहाँ क्लर्क का काम करने वाले श्री लियोन डुपूइस (जो लियोन डी'ओर के दूसरे नियमित मेहमान थे) बहुत ऊब जाते थे, इसलिए वे अक्सर अपना खाना खाने में देरी करते थे, इस उम्मीद में कि कोई यात्री सराय में आएगा और वे शाम को उससे बातचीत कर सकेंगे। जिन दिनों उनका काम खत्म हो जाता था, उनके पास और कोई चारा नहीं होता था, क्योंकि उन्हें समझ नहीं आता था कि क्या करें, इसलिए उन्हें ठीक समय पर आना पड़ता था और सूप से लेकर पनीर तक बिनेट की लगातार संगत सहनी पड़ती थी। इसलिए उन्होंने सराय मालिक के नए मेहमानों के साथ भोजन करने के प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार कर लिया और वे बड़े कमरे में गए, जहाँ मैडम लेफ्रांकोइस ने बड़े ही सलीके से चारों लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था कर रखी थी।

होमेस ने जुकाम होने के डर से अपनी टोपी पहने रहने की अनुमति मांगी।

फिर, अपने पड़ोसी की ओर मुड़ते हुए:

“मैडम थोड़ी थकी हुई हैं, इसमें कोई शक नहीं? हमारी हिरोंडेल में तो बहुत ज्यादा झटके लगते हैं!”

“यह बिल्कुल सच है,” एम्मा ने उत्तर दिया; “लेकिन मुझे व्यवधान हमेशा दिलचस्प लगता है; मुझे माहौल में बदलाव पसंद है।”

“यह कितनी निराशाजनक बात है,” क्लर्क ने आह भरते हुए कहा, “हमेशा एक ही जगह पर अटके रहना!”

चार्ल्स ने कहा, "अगर आप मेरी तरह होते, तो आपको लगातार घोड़े की पीठ पर सवार रहना पड़ता..."

“लेकिन मुझे तो इससे ज्यादा आकर्षक कुछ नहीं लगता,” लियोन ने मैडम बोवरी को संबोधित करते हुए कहा।

“जब कोई इसे कर सकता है,” उन्होंने आगे कहा।

“दरअसल, हमारे इलाके में चिकित्सा का काम बहुत कठिन नहीं है; क्योंकि हमारी सड़कें अच्छी हालत में हैं और गाड़ी का इस्तेमाल किया जा सकता है, और किसान समृद्ध होने के कारण आमतौर पर अच्छी तनख्वाह मिलती है। चिकित्सकीय दृष्टि से, आंत्रशोथ, ब्रोंकाइटिस, पित्ताशय की सूजन आदि के सामान्य मामलों को छोड़कर, कभी-कभार फसल कटाई के समय कुछ रुक-रुक कर बुखार आ जाता है, लेकिन कुल मिलाकर, बहुत कम ही गंभीर मामले होते हैं, कुछ खास उल्लेखनीय नहीं, सिवाय स्क्रॉफ़ुला के, जो निस्संदेह हमारे किसानों के घरों की दयनीय स्वच्छता स्थितियों के कारण होता है। हाँ, श्रीमान बोवरी, आपको कई पूर्वाग्रहों और परंपराओं के प्रति हठधर्मी लगाव से जूझना पड़ेगा, जिससे आपके सभी वैज्ञानिक प्रयास प्रतिदिन टकराएंगे; क्योंकि लोग अभी भी डॉक्टर या फार्मासिस्ट के पास जाने के बजाय नौ दिनों की प्रार्थना, पुराने ज़माने के उपचार और वैद्य का सहारा लेते हैं। फिर भी, जलवायु वास्तव में खराब नहीं है, और हम गिनती भी कर सकते हैं समुदाय में कुछ 90 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग हैं। थर्मामीटर (मैंने स्वयं अवलोकन किया है) सर्दियों में चार डिग्री तक नीचे चला जाता है और गर्म मौसम में अधिकतम पच्चीस, तीस डिग्री सेल्सियस तक पहुँचता है, जो हमें अधिकतम चौबीस रेउमुर या दूसरे शब्दों में, चौवन फ़ारेनहाइट (अंग्रेजी माप) देता है, और इससे अधिक नहीं! - और वास्तव में, हम एक तरफ अर्गुइल वन द्वारा उत्तरी हवाओं से और दूसरी तरफ सेंट-जीन पहाड़ी द्वारा पश्चिमी हवाओं से सुरक्षित हैं; और फिर भी यह गर्मी, जो धारा से निकलने वाली जल वाष्प और घास के मैदानों में मवेशियों की अच्छी खासी उपस्थिति के कारण, जैसा कि आप जानते हैं, काफी मात्रा में अमोनिया, यानी नाइट्रोजन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन (नहीं, केवल नाइट्रोजन और हाइड्रोजन) उत्सर्जित करती है, और जो पृथ्वी के ह्यूमस से नमी सोखकर, इन सभी विभिन्न उत्सर्जनों को मिलाकर, उन्हें एक साथ एक बंडल में इकट्ठा करती है, और स्वयं वायुमंडल में फैली बिजली के साथ मिलकर, जब भी कोई हो, अंततः, जैसा कि उष्णकटिबंधीय देशों में अस्वास्थ्यकर दूषित वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है;—मैं कहता हूँ कि यह गर्मी ठीक उसी दिशा में कम हो जाती है जहाँ से यह आती है, या यूँ कहें कि जहाँ से यह आनी चाहिए, अर्थात् दक्षिण में, दक्षिण-पूर्वी हवाओं द्वारा, जो सीन नदी के ऊपर से गुजरते हुए ठंडी हो जाती हैं और कभी-कभी रूस से आने वाली हवाओं की तरह हम पर झपट्टा मारती हैं!

“क्या इस इलाके में घूमने-फिरने के लिए कुछ अच्छी जगहें हैं?” मैडम बोवरी ने उस युवक से पूछा।

“अरे, बहुत कम!” उसने जवाब दिया। “पहाड़ी की चोटी पर, जंगल के किनारे एक जगह है जिसे वे चारागाह कहते हैं। मैं कभी-कभी रविवार को वहाँ जाता हूँ और वहाँ बैठकर किताब पढ़ता हूँ और सूर्यास्त देखता हूँ।”

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि सूर्यास्त से ज्यादा खूबसूरत कुछ नहीं है, खासकर समुद्र किनारे पर।"

“ओह, मुझे समुद्र बहुत पसंद है!” महाशय लियोन ने कहा।

“और क्या आपको ऐसा नहीं लगता,” मैडम बोवरी ने उत्तर दिया, “कि किसी की आत्मा उस असीम विस्तार में अधिक स्वतंत्र रूप से विचरण करती है, और उसका चिंतन करने से आत्मा का उत्थान होता है और व्यक्ति को अनंत और आदर्श की झलक मिलती है?”

“पहाड़ी दृश्यों के साथ भी ऐसा ही है,” लियोन ने कहा। “मेरे एक चचेरे भाई ने पिछले साल स्विट्जरलैंड की यात्रा की थी, और उसने मुझे बताया कि आप झीलों की सुंदरता, झरनों के आकर्षण, ग्लेशियरों के विशाल प्रभाव की कल्पना भी नहीं कर सकते। आप तेज धाराओं के पार अविश्वसनीय रूप से ऊंचे देवदार के पेड़, चट्टानों से लटकती झोपड़ियाँ और, जब बादल छंटते हैं, तो आपके नीचे हज़ार फीट गहरी पूरी घाटियाँ देखते हैं। ऐसे नज़ारे किसी को भी प्रेरित करते हैं, प्रार्थना करने पर मजबूर करते हैं, परमानंद की स्थिति तक ले जाते हैं! मुझे अब उस प्रसिद्ध संगीतकार पर आश्चर्य नहीं होता जिसने किसी भव्य दृश्य के सामने पियानो बजाकर अपनी कल्पना को उड़ान दी थी।”

“क्या आप संगीतकार हैं?” उसने पूछा।

“नहीं, लेकिन मुझे संगीत बहुत पसंद है,” उन्होंने जवाब दिया।

“अरे, उसकी बात मत सुनो, मैडम बोवरी,” होमेस ने अपनी थाली पर झुकते हुए बीच में ही टोक दिया। “ये तो सरासर विनम्रता है।—तुम ऐसा कैसे कह सकते हो, मेरे बच्चे! अरे! उस दिन, अपने कमरे में, तुम ‘ल’एंज गार्डियन’ इतने मनमोहक ढंग से गा रहे थे। मैं तुम्हें प्रयोगशाला से सुन सकता था; तुम उसे एक अभिनेता की तरह प्रस्तुत कर रहे थे।”

लियोन वास्तव में फार्मासिस्ट के यहाँ रहता था, जहाँ तीसरी मंजिल पर उसका एक छोटा सा कमरा था, जिसकी खिड़की से चौक दिखाई देता था। मकान मालिक की इस तारीफ से वह शरमा गया, जो पहले ही डॉक्टर की ओर मुड़ चुका था और उसे योनविले के प्रमुख निवासियों के नाम एक-एक करके गिना रहा था। वह किस्से सुना रहा था, तथ्य बता रहा था; किसी को ठीक से नहीं पता था कि नोटरी की संपत्ति कितनी थी, और वहाँ तुवाचे परिवार भी था, जो बड़े ही नखरे दिखाता था।

एम्मा ने आगे कहा:

और आपको किस तरह का संगीत पसंद है?

“ओह! जर्मन संगीत, वो संगीत जो आपको सपने देखने पर मजबूर कर देता है।”

क्या आप इटालियन लोगों से परिचित हैं?

"अभी नहीं; लेकिन मैं उन्हें अगले साल सुनूंगा, जब मैं अपनी कानून की पढ़ाई पूरी करने के लिए पेरिस में रहने जाऊंगा।"

“जैसा कि मुझे आपके पति को समझाने का सौभाग्य मिला,” फार्मासिस्ट ने कहा, “बेचारे यानोदा की बात करें, जो भाग गया है—उसकी फिजूलखर्ची की बदौलत, आप दोनों को योनविले के सबसे आरामदायक घरों में से एक मिलेगा। एक डॉक्टर के लिए इसकी सबसे बड़ी सुविधा यह है कि इसका दरवाजा गली की ओर खुलता है, जिससे लोग बिना देखे अंदर-बाहर आ-जा सकते हैं। इसके अलावा, इसमें घर की हर सुख-सुविधा मौजूद है: कपड़े धोने का कमरा, रसोई और पेंट्री, परिवार के लिए बैठक कक्ष, सेब का कमरा, इत्यादि। वह एक बेफिक्र किस्म का आदमी था जिसे खर्चों की कोई परवाह नहीं थी! उसने गर्मियों में बीयर पीने के लिए बगीचे के निचले हिस्से में, पानी के किनारे एक मंडप बनवाया था, और अगर मैडम को बागवानी पसंद है, तो वह भी...”

चार्ल्स ने कहा, "मेरी पत्नी को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है। हालांकि उसे व्यायाम करने के लिए कहा गया है, लेकिन वह हर समय अपने कमरे में रहना और पढ़ना ज्यादा पसंद करती है।"

“मेरी तरह,” लियोन ने उत्तर दिया; “सचमुच, शाम को आग के पास बैठकर किताब पढ़ने से बेहतर और क्या हो सकता है, जब हवा खिड़की के शीशों से टकरा रही हो और दीपक जल रहा हो?...”

"ओह, हाँ," उसने कहा, उसकी बड़ी, गहरी, खुली आँखें उस पर टिकी हुई थीं।

“आप सब कुछ भूल जाते हैं,” उन्होंने आगे कहा, “और घंटे बीत जाते हैं। बिना हिले-डुले, आप उन जगहों पर चलते हैं जिन्हें आप कल्पना करते हैं कि आप देख सकते हैं, और आपके विचार, कहानी में आते-जाते हुए, बारीकियों में आनंद लेते हैं या रोमांच की रूपरेखा का अनुसरण करते हैं। आप किरदार में विलीन हो जाते हैं; आपको लगता है कि आप ही वह हैं जिसका दिल उसके पहने हुए कपड़ों के भीतर इतनी ज़ोर से धड़क रहा है।”

“यह बिलकुल सच है! यह बिलकुल सच है!”

लियोन ने आगे कहा, "क्या आपको कभी किताब पढ़ते समय ऐसा अनुभव हुआ है कि आपके मन में कोई अस्पष्ट विचार आया हो, कोई धुंधली छवि जो दूर से आपके सामने लौटकर आती हो और ऐसा लगता हो कि वह आपकी सबसे सूक्ष्म भावनाओं को व्यक्त करती हो?"

“मैंने ऐसा महसूस किया है,” उसने जवाब दिया।

उन्होंने कहा, "इसीलिए मुझे कवियों से विशेष लगाव है। मुझे लगता है कि कविताएँ गद्य से अधिक कोमल होती हैं और आपको रुलाने की अधिक क्षमता रखती हैं।"

“लेकिन अंत में वे उबाऊ हो जाते हैं,” एम्मा ने कहा; “आजकल मुझे ऐसी कहानियाँ बहुत पसंद हैं जिन्हें एक बार में पढ़ा जा सके और जो आपको डरा दें। मुझे आम नायक और सामान्य भावनाएँ बिल्कुल पसंद नहीं हैं, जो असल ज़िंदगी में देखने को मिलती हैं।”

“जी हां,” क्लर्क ने कहा, “जो रचनाएं दिल को नहीं छूतीं, मेरे विचार से वे कला के सच्चे उद्देश्य से भटक जाती हैं। जीवन की तमाम निराशाओं के बीच, महान चरित्रों, पवित्र भावनाओं और सुख के चित्रों पर मन को केंद्रित कर पाना कितना सुखद होता है। मेरे लिए, दुनिया से दूर, यहां रहते हुए, यही एकमात्र सहारा है; योनविले में देखने लायक कुछ खास नहीं है!”

"टोस्टेस की तरह, मुझे लगता है," एम्मा ने आगे कहा; "इसीलिए मैं हमेशा एक उधार पुस्तकालय की सदस्य रही।"

“यदि महोदया इसे इस्तेमाल करने की कृपा करें तो,” फार्मासिस्ट ने, जिसने ये अंतिम शब्द सुने थे, कहा, “मेरे पास उनके लिए सर्वश्रेष्ठ लेखकों की पुस्तकों का एक पुस्तकालय है: वोल्टेयर, रूसो, डेलिल, वाल्टर स्कॉट, ल'इको डेस फ्यूइलेटन्स, आदि। इसके अलावा, मुझे प्रतिदिन विभिन्न पत्रिकाएँ प्राप्त होती हैं, जिनमें ले फनल डे रूएन भी शामिल है, क्योंकि मुझे बुची, फोर्जेस, न्यूफ़चैटेल, योनविले और आसपास के क्षेत्रों के लिए इसका संवाददाता होने का लाभ प्राप्त है।”

वे ढाई घंटे से मेज पर बैठे थे; नौकरानी आर्टेमिस, आलस से अपनी पुरानी, घिसी-पिटी चप्पलों को पत्थरों पर घसीटते हुए, एक-एक करके प्लेटें लाती, सब कुछ भूल जाती, किसी बात पर ध्यान नहीं देती, और लगातार बिलियर्ड्स रूम का दरवाजा थोड़ा खुला छोड़ देती, जिससे उसकी कुंडी का सिरा दीवार से टकराता रहता था। बातचीत करते-करते, लियोन ने अनजाने में अपना पैर उस कुर्सी के पायदान पर रख दिया जिस पर मैडम बोवरी बैठी थीं। उन्होंने एक छोटी नीली रेशमी टाई पहनी हुई थी जो उनके झालरदार कैम्ब्रिक कॉलर को एकदम सीधा रखे हुए थी, और उनके सिर हिलाने के तरीके के अनुसार, उनके चेहरे का निचला हिस्सा कभी कपड़े में धंस जाता था तो कभी उससे थोड़ा बाहर निकल आता था। इस तरह, चार्ल्स और फार्मासिस्ट की बातचीत के दौरान, वे दोनों एक-दूसरे के बगल में बैठे हुए, उन बेमतलब की बातचीत में मशगूल हो गए, जिसमें अचानक कही गई कोई भी बात आपको एक साझा भावना के मूल भाव की ओर वापस ले आती थी। पेरिस के नाटक, उपन्यासों के शीर्षक, नए नृत्य, वह दुनिया जिसे वे नहीं जानते थे, टोस्टेस, जहाँ वे रहती थीं, योनविले, जहाँ वे अब थे—उन्होंने हर चीज़ पर चर्चा की, हर बात पर बात की, जब तक कि रात का खाना खत्म नहीं हो गया।

कॉफी परोसी जाने के बाद, फेलिसिटे नए घर में बेडरूम तैयार करने चली गई, और जल्द ही मेहमान मेज से उठ गए। मैडम लेफ्रांकोइस अंगारों के पास सो रही थीं, जबकि अस्तबल का नौकर हाथ में लालटेन लिए, श्रीमान और मैडम बोवरी का इंतज़ार कर रहा था ताकि उन्हें उनके घर ले जा सके। उसके लाल बालों में भूसे के कुछ टुकड़े उलझे हुए थे, और वह अपने बाएं पैर से लंगड़ा रहा था। जब उसने दूसरे हाथ में पादरी का छाता ले लिया, तो वे चल पड़े।

शहर सोया हुआ था। बाज़ार में लगे खंभों की लंबी-लंबी छायाएँ पड़ रही थीं। धरती का रंग धूसर था, मानो गर्मी की रात हो।

लेकिन चूंकि डॉक्टर का घर सराय से पचास कदम की दूरी पर था, इसलिए उन्हें लगभग तुरंत ही शुभ रात्रि कहना पड़ा और सभी लोग तितर-बितर हो गए।

जैसे ही एम्मा सामने के हॉल में दाखिल हुई, प्लास्टर की ठंडक उसके कंधों पर गीले कपड़े की तरह उतर आई। दीवारें नई थीं और लकड़ी की सीढ़ियाँ चरमरा रही थीं। दूसरी मंजिल पर स्थित बेडरूम में, बिना पर्दों वाली खिड़कियों से हल्की रोशनी आ रही थी। पेड़ों की चोटियाँ दिखाई दे रही थीं, और उनके पार घास के मैदान, जो नदी के किनारे चाँदनी में धुएँ की तरह फैल रहे कोहरे में आधे डूबे हुए थे। कमरे के बीचोंबीच, दराजें, बोतलें, पर्दे की छड़ें, सोने के खंभे एक साथ ढेर लगे हुए थे, कुर्सियों पर गद्दे और फर्श पर बेसिन पड़े थे—फर्नीचर लाने वाले दोनों आदमी लापरवाही से सब कुछ वहीं छोड़ गए थे।

यह चौथी बार था जब वह किसी अपरिचित जगह पर सोई थी। पहली बार जब उसने कॉन्वेंट में प्रवेश किया था, दूसरी बार जब वह टोस्टेस पहुंची थी, तीसरी बार ला वाउबेसार्ड में, और चौथी बार इस जगह पर; और हर बार किसी न किसी रूप में उसके जीवन के एक नए चरण की शुरुआत हुई थी। उसे विश्वास नहीं था कि अलग-अलग जगहों पर चीजें एक जैसी हो सकती हैं, और चूंकि अब तक का उसका अनुभव बुरा रहा था, इसलिए आगे का अनुभव निश्चित रूप से बेहतर होगा।

[3]

अगले दिन जब वह उठी तो उसने चौक में क्लर्क को देखा। वह अपने ड्रेसिंग गाउन में थी। उसने सिर उठाकर उसका अभिवादन किया। उसने जल्दी से सिर हिलाकर खिड़की बंद कर दी।

लियोन दिन भर छह बजने का इंतजार करता रहा; लेकिन जब वह सराय में दाखिल हुआ, तो उसने पाया कि श्री बिनेट पहले से ही मेज पर बैठे हुए थे।

पिछली शाम का भोजन उनके लिए एक उल्लेखनीय घटना थी; इससे पहले उन्होंने कभी किसी महिला से लगातार दो घंटे तक बात नहीं की थी। तो फिर, वे उन्हें इतनी सारी बातें कैसे बता पाए, और वो भी इतने अच्छे शब्दों में, जो वे पहले इतनी अच्छी तरह से व्यक्त नहीं कर पाते थे? वे आम तौर पर शर्मीले थे और एक ऐसा संयम बनाए रखते थे जिसमें विनम्रता और छल दोनों झलकते थे। योनविले के लोग उनके व्यवहार को बहुत ही सलीकेदार मानते थे। वे अपने बड़ों की बातों को ध्यान से सुनते थे और राजनीति में बिल्कुल भी उग्र नहीं दिखते थे, जो एक युवा व्यक्ति के लिए उल्लेखनीय बात थी। और उनमें प्रतिभा भी थी; वे जलरंग चित्रकारी करते थे, तिहरे अक्षर पढ़ना जानते थे, और भोजन के बाद, जब वे ताश नहीं खेल रहे होते थे, तो साहित्य पढ़ने में अपना समय बिताते थे। महाशय होमेस उनकी विद्वत्ता का सम्मान करते थे; श्रीमती होमेस उनकी मिलनसारिता के कारण उन्हें पसंद करती थीं, क्योंकि वे अक्सर होमेस के बच्चों के साथ बगीचे में जाया करते थे, जो गंदे, शरारती बच्चे थे, जिनका पालन-पोषण ठीक से नहीं हुआ था और अपनी माँ की तरह ही उनमें लसीका की समस्या थी। उनकी देखभाल के लिए, नौकरानी के अलावा, फार्मेसी का छात्र जस्टिन भी था, जो महाशय होमेस का दूर का चचेरा भाई था और जिसे दान के कारण घर में रखा गया था, और जो नौकर के रूप में भी काम करता था।

औषध विक्रेता एक बेहतरीन पड़ोसी साबित हुआ। उसने मैडम बोवरी को व्यापारियों के बारे में सलाह दी, अपने साइडर व्यापारी को विशेष रूप से बुलाया, खुद पेय का स्वाद चखा और तहखाने में जाकर यह सुनिश्चित किया कि पीपा ठीक से रखा गया है; उसने उन्हें कम कीमत पर मक्खन प्राप्त करने का तरीका भी बताया और चर्च के सेवक लेस्टिबोडोइस के साथ एक समझौता किया, जो अपने धार्मिक और अंत्येष्टि कार्यों के अलावा, मालिकों की पसंद के अनुसार घंटे या वर्ष के हिसाब से योनविले के मुख्य उद्यानों की देखभाल करता था।

किसी दूसरे व्यक्ति के साथ समय बिताने की आवश्यकता ही फार्मासिस्ट को इस तरह की चापलूसी भरी सौहार्दता के लिए प्रेरित करने वाला एकमात्र मकसद नहीं था; इसके पीछे एक योजना थी।

उन्होंने 19 वेंटोसे, वर्ष 11, अनुच्छेद 1 के कानून का उल्लंघन किया था, जो बिना डिप्लोमा वाले किसी भी व्यक्ति को चिकित्सा का अभ्यास करने से रोकता है; परिणामस्वरूप, रहस्यमय शिकायतों के आधार पर, होमेस को रूएन में राजा के अभियोजक के समक्ष उनके निजी कक्ष में पेश होने के लिए बुलाया गया था। मजिस्ट्रेट ने

उन्हें खड़े हुए, अपने वस्त्र में, कंधों पर फर और सिर पर टोपी पहने हुए, प्राप्त किया। यह सुबह का समय था, अदालत के शुरू होने से पहले। गलियारे में पुलिसकर्मियों के भारी जूतों की आवाज और दूर से भारी तालों के खुलने की आवाज सुनाई दे रही थी। फार्मासिस्ट के कान इतनी जोर से बज रहे थे कि उन्हें लगा जैसे उन्हें दिल का दौरा पड़ने वाला है; उन्होंने सबसे गहरी कालकोठरी, अपने परिवार को रोते हुए, फार्मेसी को बिकते हुए, सभी कांच के जार बिखरे हुए देखे; और उन्हें अपना मनोबल वापस पाने के लिए एक कैफे में जाकर सेल्टज़र पानी के साथ एक गिलास रम पीना पड़ा।

धीरे-धीरे, इस चेतावनी की याद धुंधली पड़ गई, और वह पहले की तरह अपने पिछले कमरे में हानिरहित सलाह-मशविरा करता रहा। लेकिन महापौर उससे नाराज़ थे, उसके कुछ सहकर्मी उससे ईर्ष्या करते थे, उसे हर बात से सावधान रहना पड़ता था; इन शिष्टाचारों के ज़रिए श्री बोवरी से संबंध बनाकर, वह उनकी कृतज्ञता जीत लेता था और बाद में अगर उन्हें कुछ भनक लगती तो उन्हें बोलने से रोकता था। इसलिए हर सुबह होमेस उन्हें अखबार लाकर देता था, और अक्सर दोपहर में, वह कुछ देर के लिए फार्मेसी से निकलकर स्वास्थ्य अधिकारी से थोड़ी बातचीत करने चला जाता था।

चार्ल्स उदास था: उसके पास कोई मरीज़ नहीं था। वह घंटों बिना बोले बैठा रहता; वह अपने परामर्श कक्ष में झपकी ले लेता या अपनी पत्नी को सिलाई करते देखता। ध्यान भटकाने के लिए वह घर के छोटे-मोटे काम करता और यहाँ तक कि उसने पेंटरों द्वारा छोड़े गए थोड़े से रंग से अटारी को रंगने की कोशिश भी की। लेकिन पैसों की चिंता उसे सताती रहती थी। उसने टोस्टेस में मरम्मत, मैडम के कपड़ों और स्थानांतरण पर इतना खर्च कर दिया था कि तीन हज़ार इक्कु से अधिक का पूरा दहेज दो साल में ही खत्म हो गया था। और फिर, टोस्टेस से योनविले तक के रास्ते में कितनी चीज़ें क्षतिग्रस्त या खो गईं, प्लास्टर क्यूरे की तो बात ही छोड़िए, जो एक ज़ोरदार झटके से गाड़ी से गिरकर क्विनकैम्पोइक्स के फुटपाथ पर हज़ारों टुकड़ों में बिखर गया था!

एक और सुखद चिंता ने उनका ध्यान अपनी ओर खींच लिया, और वो थी उनकी पत्नी की गर्भावस्था। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता गया, वह उनके लिए और भी प्रिय होती गईं। उनके बीच एक और शारीरिक बंधन स्थापित हो रहा था, और एक गहरे और जटिल रिश्ते का एहसास होने लगा था। जब दूर से वह उनकी सुस्त चाल और कमर को हल्के से हिलते हुए देखते, जब सामने बैठकर वह आराम से अपनी कुर्सी पर बैठी उन्हें निहारते, तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहता; वह खड़े हो जाते, उन्हें चूमते, उनके चेहरे पर हाथ फेरते, उन्हें "छोटी माँ" कहकर पुकारते, उन्हें नाचने के लिए कहते, और आधा हंसते, आधा रोते हुए, मन में आने वाली हर तरह की प्यारी-प्यारी बातें बड़बड़ाते। बच्चे को जन्म देने का विचार उन्हें आनंदित कर रहा था। अब उन्हें

किसी चीज की कमी नहीं थी। वह मानव जीवन के पूरे दायरे को जानते थे, और मेज पर दोनों कोहनियाँ टिकाकर शांति से उसका आनंद लेने बैठ गए।

एम्मा को पहले तो बहुत आश्चर्य हुआ, फिर वह माँ बनने का अनुभव करने के लिए प्रसव की इच्छा करने लगी। लेकिन चूंकि वह अपनी इच्छानुसार गुलाबी रेशमी पर्दों और कढ़ाईदार बेबी बोनट वाले नाव के आकार के पालने के लिए पैसे खर्च नहीं कर सकती थी, इसलिए उसने कड़वाहट में आकर शिशु वस्त्रों का विचार त्याग दिया और बिना कुछ चुने या चर्चा किए गाँव की एक दर्जी से सब कुछ ऑर्डर कर दिया। इस प्रकार, वह उन तैयारियों का आनंद नहीं ले पाई जो एक माँ के कोमल भावों को जगाती हैं, और शायद इसी कारण से शुरू से ही उसका स्नेह कुछ कम हो गया था।

हालांकि, चूंकि चार्ल्स हर भोजन के दौरान उस छोटे बच्चे के बारे में बात करता था, इसलिए वह जल्द ही उसके बारे में अधिक लगातार सोचने लगी।

वह एक पुत्र चाहती थी; वह बलवान और सांवला होगा, वह उसका नाम जॉर्जेस रखेगी; और पुत्र संतान होने का यह विचार उसके अतीत की सारी बेबसी का एक तरह से अपेक्षित प्रतिफल था। कम से कम पुरुष तो स्वतंत्र होता है; वह हर भावना, हर भूमि का अन्वेषण कर सकता है, बाधाओं को पार कर सकता है, सबसे दूर के सुखों का स्वाद चख सकता है। लेकिन एक स्त्री निरंतर अवरुद्ध होती रहती है। एक ही समय में निष्क्रिय और लचीली, उसे अपने शरीर की कोमलता और कानून के अधीनता दोनों से संघर्ष करना पड़ता है। उसकी इच्छाशक्ति, जैसे उसके सिर पर डोरी से बंधा घूंघट, हर हवा के झोंके के साथ फड़फड़ाती है; हमेशा कोई न कोई इच्छा उसे आगे बढ़ाती रहती है, कोई न कोई परंपरा उसे रोके रखती है।

उसने एक रविवार को सुबह लगभग छह बजे, सूर्योदय के समय, एक बच्चे को जन्म दिया।

“यह एक लड़की है!” चार्ल्स ने कहा।

उसने अपना सिर दूसरी तरफ घुमाया और बेहोश हो गई।

लगभग तुरंत ही, मैडम होमेस अंदर आईं और उन्हें चूमा, जैसा कि लायन डी'ओर पुरस्कार विजेता मेरे लेफ्रांकोइस ने भी किया। फार्मासिस्ट, जो एक विवेकशील व्यक्ति थे, ने आधे खुले दरवाजे से ही उन्हें अस्थायी बधाई दी। उन्होंने बच्चे को देखने की इच्छा जताई और उसे स्वस्थ पाया।

अपनी बीमारी से उबरने के दौरान, उन्होंने अपनी बेटी के नाम के बारे में सोचने में काफी समय बिताया। सबसे पहले, उन्होंने इतालवी अंत वाले सभी नामों पर विचार किया, जैसे क्लारा, लुइसा, अमांडा, अताला; उन्हें गल्सुइंडे नाम काफी पसंद आया, और यसेल्ट या लियोकाडी तो और भी बेहतर थे। चार्ल्स चाहते थे कि बच्ची का

नाम उनकी माँ के नाम पर रखा जाए; एम्मा इसके खिलाफ थीं। उन्होंने कैलेंडर को शुरू से अंत तक देखा और परिवार के बाहर के लोगों से भी सलाह ली।

फार्मासिस्ट ने कहा, "महाशय लियोन, जिनसे मैं इस बारे में कुछ दिन पहले बात कर रहा था, इस बात से हैरान हैं कि आपने मेडेलिन को क्यों नहीं चुना, जो इन दिनों बेहद फैशनेबल है।"

लेकिन बड़ी मैडम बोवरी ने इस पापी के नाम का ज़ोरदार विरोध किया। जहाँ तक श्री होमेस की बात है, उन्हें वे सभी नाम पसंद थे जो किसी महान व्यक्ति, किसी गौरवशाली कार्य या किसी महान विचार की याद दिलाते थे, और इसी प्रणाली के अनुसार उन्होंने अपने चारों बच्चों का नामकरण किया था। इस प्रकार, नेपोलियन गौरव का प्रतीक था, और फ्रैंकलिन स्वतंत्रता का; इरमा शायद रोमांटिकता के प्रति एक रियायत थी; लेकिन एथली, फ्रांसीसी रंगमंच की सबसे अमर कृति को श्रद्धांजलि थी। क्योंकि उनके दार्शनिक विश्वासों ने उनके कलात्मक उत्साह को बाधित नहीं किया; उनके भीतर के विचारक ने उनके भावुक व्यक्ति को ज़रा भी नहीं दबाया; वे भेद करने में सक्षम थे, कल्पना को कट्टरता से अलग करने में सक्षम थे। उदाहरण के लिए, विचाराधीन त्रासदी में, उन्होंने विचारों में खामियाँ पाईं लेकिन शैली की प्रशंसा की; उन्होंने अवधारणा की निंदा की लेकिन सभी विवरणों की सराहना की; और वे पात्रों से क्रोधित थे, हालाँकि उन्होंने उनके भाषणों की आलोचना की। जब उन्होंने महान अंश पढ़े, तो वे भावविभोर हो गए; लेकिन जब उसने सोचा कि उपदेशक इसका फायदा उठाकर अपना सामान बेच रहे हैं, तो उसे दुख हुआ, और भावनाओं के इस उथल-पुथल में, जिसमें वह खुद को उलझा हुआ पाया, वह एक ही समय में अपने दोनों हाथों से रेसीन के सिर पर लॉरेल की माला रखना चाहता था और उससे पंद्रह मिनट तक बहस करना चाहता था।

अंततः, एम्मा को याद आया कि ला वाउबेसार्ड महल में उसने मार्क्विज़ को एक युवती को बर्थे कहकर संबोधित करते सुना था; उसी क्षण से नाम तय हो गया, और चूंकि पेरे रूऑल्ट नहीं आ सके, इसलिए उन्होंने महाशय होमेस को धर्मपिता बनने के लिए कहा। उन्होंने जो उपहार दिए, वे सभी उनके प्रतिष्ठान के उत्पाद थे, अर्थात् छह डिब्बे बेर, एक पूरा जार राकाहाउट, तीन पैन मार्शमैलो पेस्ट, और इसके अतिरिक्त, छह चीनी कैंडी जो उन्हें एक अलमारी में मिली थीं। समारोह की शाम, एक भव्य भोज था; पादरी भी वहाँ मौजूद थे; सभी लोग उत्साहित हो गए। शराब के बीच, महाशय होमेस ने "अच्छे लोगों का ईश्वर" का पाठ किया। महाशय लियोन ने एक बारकारोल गाया, और धर्ममाता, बड़ी मैडम बोवरी ने साम्राज्य काल का एक रोमांटिक गीत गाया; अंततः, बड़े श्री बोवरी ने बच्ची को नीचे लाने की मांग की, और उन्होंने ऊपर से उसके सिर पर शैंपेन उड़ेलकर उसे बपतिस्मा देने की कोशिश की। इस पवित्र संस्कार के इस उपहास से अब्बे बोर्निसियन क्रोधित हो गए; श्री बोवरी ने "देवताओं का युद्ध" से एक उद्धरण सुनाकर जवाब दिया, और पादरी ने जाने की कोशिश की;

महिलाओं ने विनती की; होमेस ने हस्तक्षेप किया; और वे पादरी को अपनी सीट पर वापस लाने में सफल रहीं, जहाँ उन्होंने शांति से अपनी तश्तरी से अपनी आधी पी हुई कॉफी की छोटी सी प्याली उठाई।

बड़े श्री बोवरी एक और महीने के लिए योनविले में रुके, और वहाँ के निवासियों को अपनी शानदार चांदी की कढ़ाई वाली पुलिसवाली टोपी से चकित कर दिया, जिसे वे सुबह चौक में बैठकर पाइप पीते समय पहनते थे। उन्हें शराब पीने की भी अच्छी आदत थी, इसलिए वे अक्सर नौकरानी को लायन डी'ओर भेजकर अपने लिए एक बोतल मंगवाते थे, जिसका बिल उनके बेटे के खाते में लिखा जाता था; और अपने कपड़ों को सुगंधित करने के लिए वे अपनी बहू के सारे इत्र का इस्तेमाल कर लेते थे।

वह उसकी संगति से ज़रा भी नाराज़ नहीं थी। वह दुनिया घूम चुका था: वह बर्लिन, वियना, स्ट्रासबर्ग, एक अधिकारी के रूप में बिताए अपने समय, अपनी प्रेमिकाओं, और अपने द्वारा आनंदित भव्य भोजों के बारे में बातें करता था; फिर भी, वह उसके प्रति आकर्षक था और कभी-कभी सीढ़ियों या बगीचे में उसकी कमर पकड़कर कहता था:

"चार्ल्स, सावधान रहो!"

तब बड़ी मैडम बोवरी अपने बेटे की खुशी को लेकर चिंतित हो गईं और इस डर से कि उनके पति अंततः उस युवती के विचारों पर अनैतिक प्रभाव डालेंगे, उन्होंने जल्दी से प्रस्थान करने का फैसला किया। शायद उनकी आशंकाएँ और भी गंभीर थीं। श्री बोवरी एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके लिए कुछ भी पवित्र नहीं था।

एक दिन, एम्मा को अचानक अपनी छोटी बेटी को देखने की तीव्र इच्छा हुई, जिसे बढ़ई की पत्नी के पास दूध पिलाने के लिए छोड़ दिया गया था; और यह देखने के लिए पंचांग देखे बिना कि क्या कुंवारी कन्या के छह सप्ताह बीत चुके हैं, वह रोलेट के घर की ओर चल पड़ी, जो गाँव के दूसरे छोर पर, पहाड़ी की तलहटी में, मुख्य सड़क और घास के मैदानों के बीच स्थित था।

दोपहर का समय था; घरों के शटर बंद थे, और नीले आकाश की हल्की रोशनी में चमकती स्लेट की छतें मानो छलकती हुई चिंगारियाँ बिखेर रही थीं। उमस भरी हवा चल रही थी। चलते-चलते एम्मा को कमजोरी महसूस हो रही थी; फुटपाथ के पत्थर उसे चुभ रहे थे; वह सोच रही थी कि क्या उसे घर लौट जाना चाहिए, या कहीं अंदर जाकर बैठ जाना चाहिए।

उसी क्षण, श्री लियोन पास के एक दरवाजे से कागजों का एक बंडल बगल में दबाए हुए प्रकट हुए। वे उनका अभिवादन करने के लिए आगे बढ़े और ल्यूरेक्स की दुकान के सामने, उससे निकले हुए भूरे रंग के शामियाने के नीचे, छाया में खड़े हो गए।

मैडम बोवरी ने कहा कि वह अपने बच्चे से मिलने जा रही थीं, लेकिन उन्हें थकान महसूस होने लगी थी।

“अगर…,” लियोन ने आगे बोलने की हिम्मत न करते हुए कहा।

“क्या आपका कहीं कोई काम है?” उसने पूछा।

जब क्लर्क ने जवाब दिया, तो उसने उसे अपने साथ चलने के लिए कहा। शाम तक यह बात पूरे योनविले में फैल गई, और मेयर की पत्नी मैडम तुवाचे ने अपनी नौकरानी की मौजूदगी में ऐलान कर दिया कि मैडम बोवरी खुद को खतरे में डाल रही हैं।

धाय के घर पहुँचने के लिए, गली से निकलने के बाद बाईं ओर मुड़ना पड़ता था, मानो कब्रिस्तान की ओर जा रहे हों, और झोपड़ियों और आंगनों के बीच से गुज़रते हुए एक छोटे रास्ते पर चलना पड़ता था, जिसके किनारे प्रिवेट झाड़ियाँ थीं। ये झाड़ियाँ, स्पीडवेल, हॉथोर्न, बिछुआ और पतली जंगली ब्लैकबेरी, जो झाड़ियों से ऊपर की ओर निकली हुई थीं, सभी खिले हुए थे। झाड़ियों के छेदों से, खेतों में, गोबर के ढेर पर एक सूअर या लकड़ी के पट्टे वाली गायें पेड़ों के तनों पर अपने सींग रगड़ती हुई दिखाई देती थीं। वे दोनों धीरे-धीरे, साथ-साथ चल रहे थे, वह उस पर झुकी हुई थी और वह अपनी चाल धीमी करके उसकी गति से कदम मिला रहा था; उनके सामने मक्खियों का एक झुंड गर्म हवा में भिनभिना रहा था।

उन्होंने घर को एक पुराने अखरोट के पेड़ से पहचाना जिसकी छाया घर पर पड़ रही थी। घर नीचा था और उस पर भूरी टाइलों की छत थी, और बाहर, अटारी के नीचे, प्याज की एक माला लटकी हुई थी। कंटीली झाड़ियों से टिकी झाड़ियों के गट्ठे, सलाद के पत्तों, लैवेंडर की कुछ डंठलों और डंडियों पर बंधी कुछ मीठी मटर के पौधों को घेरे हुए थे। घास पर गंदा पानी रिस रहा था, और चारों ओर फटे-पुराने कपड़ों के टुकड़े, बुनी हुई मोजे, एक लाल कैलिको का लबादा और झाड़ी पर लंबाई में बिछी एक बड़ी, खुरदरी लिनेन की चादर बिखरी पड़ी थी। द्वार की आवाज सुनकर, दाई एक बच्चे को गोद में लिए हुए दिखाई दी। दूसरे हाथ से वह अपने पीछे एक कमजोर, बीमार से छोटे लड़के को खींच रही थी जिसका चेहरा घावों से भरा हुआ था, जो रूएन के बुनाई के सामान के व्यापारी का बेटा था, जिसे उसके माता-पिता अपने व्यापार में व्यस्त होने के कारण यहाँ गाँव में छोड़ गए थे।

“अंदर आ जाओ,” उसने कहा। “तुम्हारा छोटा बच्चा वहाँ सो रहा है।”

भूतल पर स्थित, घर का इकलौता शयनकक्ष, जिसकी पिछली दीवार पर एक चौड़ा, बिना पर्दों वाला पलंग था, वहीं आटा गूंथने का तंबू खिड़की की ओर था, जिसका एक शीशा नीले रंग के गोल कागज से चिपकाया गया था। दरवाजे के पीछे कोने में, वॉशबेसिन के नीचे चमकदार कीलों वाले जूतों की एक कतार रखी थी, जिसके बगल में तेल से भरी एक बोतल थी जिसके गले में एक पंख लगा था; धूल से भरी शेल्फ पर, चकमक पत्थर, मोमबत्ती के टुकड़े और माचिस की तीलियों के बीच मैथ्यू लैंसबर्ग की एक प्रति पड़ी थी। अंत में, इस कमरे की एक और

फालतू चीज थी, फेम की तुरही बजाती हुई तस्वीर, जो शायद किसी परफ्यूम कंपनी के विज्ञापन से काटकर छह कीलों से दीवार पर ठोंकी गई थी।

एम्मा का बच्चा फर्श पर, बेंत के झूले में सो रहा था। उसने बच्चे को उसके चारों ओर लिपटे कंबल सहित उठाया और धीरे-धीरे झूलते हुए गाना गाने लगी।

लियोन कमरे में इधर-उधर घूम रहा था; उसे इस सारी बदहाली के बीच इस सुंदर महिला को नैंकीन की पोशाक में देखना अजीब लग रहा था। मैडम बोवरी शरमा गईं; वह यह सोचकर मुँह फेर लिया कि शायद उसकी आँखों में कुछ गुस्ताखी झलक गई हो। फिर उन्होंने बच्चे को वापस लिटा दिया; बच्चे ने उनके कॉलर पर उल्टी कर दी थी। धाय तुरंत आकर उसे पोंछने लगी और उन्हें भरोसा दिलाया कि यह दिखेगा नहीं।

“वह बार-बार मेरे साथ ऐसा करती है,” उसने कहा, “और मैं हमेशा उसे साफ़ करती रहती हूँ! क्या आप कृपा करके किराना दुकानदार कैमस के पास यह आदेश छोड़ देंगे कि जब मुझे ज़रूरत हो तो वह मुझे थोड़ा साबुन दे दे? इससे आपको और भी ज़्यादा सुविधा होगी कि मैं आपको परेशान न करूँ।”

“बहुत खूब, बहुत खूब!” एम्मा ने कहा। “अलविदा, मेरी रोलेट!”

और वह दरवाजे की चौखट पर अपने पैर पोंछते हुए बाहर चली गई।

वह नेक महिला उसके साथ आंगन के आखिरी छोर तक गई, और पूरे रास्ते रात में उठने में होने वाली अपनी परेशानी के बारे में बात करती रही।

“इससे मैं इतना थक जाता हूँ कि कभी-कभी कुर्सी पर ही सो जाता हूँ; तो क्या आप मुझे कम से कम एक पौंड पिसी हुई कॉफी ही दे सकते हैं? उससे मेरा एक महीने का काम चल जाएगा। मैं इसे सुबह दूध के साथ पी लूँगा।”

धन्यवाद स्वीकार करने के बाद, मैडम बोवरी चली गईं; और वह रास्ते पर थोड़ी दूर ही गई थीं कि जूतों की आवाज सुनकर उन्होंने अपना सिर घुमाया: वह तो धाय माँ थी!

"यह क्या है?"

फिर उस ग्रामीण महिला ने उसे एक तरफ, एक एल्म के पेड़ के पीछे ले जाकर, अपने पति के बारे में उससे बात करना शुरू किया, जो अपनी नौकरी और कप्तान से मिलने वाले छह फ्रैंक प्रति वर्ष के सहारे…

“जल्दी करो,” एम्मा ने कहा।

“खैर,” दूध पिलाने वाली दाई ने हर शब्द के बाद आह भरते हुए कहा, “मुझे डर है कि मुझे अकेले कॉफी पीते देखकर वह नाराज़ हो जाएगा—आप जानती हैं, मर्द…”

“लेकिन तुम्हें थोड़ा मिलेगा,” एम्मा ने दोहराया। “मैं तुम्हें थोड़ा दूंगी! … तुम मुझे परेशान कर रही हो!”

"हाय! मेरी प्यारी महिला, बात ये है कि घावों की वजह से उसे सीने में भयानक ऐंठन हो रही है। वो ये भी कहता है कि साइडर पीने से उसे कमजोरी महसूस होती है।"

"अब, जल्दी करो, मेरे रोलेट!"

“अच्छा, तो,” धाय ने झुककर अभिवादन करते हुए कहा, “अगर आपसे पूछना बहुत मुश्किल न हो”—उसने फिर से झुककर अभिवादन किया—“अगर आप”—और उसकी आँखों में विनती थी—“एक छोटी सी घड़ी ईओ-डी-वी दे दें,” उसने अंत में कहा, “और मैं इससे आपके बच्चे के पैरों की मालिश कर दूँगी, क्योंकि वे मेरी जीभ की तरह कोमल हैं।”

दाई से विदा लेने के बाद, एम्मा ने फिर से श्री लियोन का हाथ थाम लिया। वह कुछ देर तक तेज़ी से चली; फिर उसकी गति धीमी हो गई, और उसकी नज़र, जो उसके सामने घूम रही थी, उस युवक के कंधे पर टिक गई, जिसने काले मखमली कॉलर वाला फ्रॉक कोट पहना हुआ था। उसके भूरे बाल कोट पर सीधे और करीने से कंघी किए हुए बिखरे हुए थे। उसने उसके नाखूनों पर ध्यान दिया, जो योनविल में सामान्य से लंबे थे। नाखूनों की देखभाल करना क्लर्क के प्रमुख कामों में से एक था; और इसके लिए उसने अपनी लेखन मेज में एक विशेष कलम चाकू रखा हुआ था।

वे नदी के किनारे-किनारे योनविले लौट आए। गर्म मौसम में, चौड़े किनारों से बगीचे की दीवारें नीचे तक दिखाई देती थीं, और छोटी-छोटी सीढ़ियाँ नदी की ओर उतरती थीं। नदी शांत, तेज और ठंडी बहती थी; लंबी, पतली घासें धारा के साथ झुकी हुई थीं और हरे बालों की लटों की तरह उसके निर्मल पानी में फैली हुई थीं। कभी-कभार, पतले पैरों वाला कोई कीड़ा सरकंडे की नोक या कमल के पत्ते पर चलता या बैठता था। सूरज की किरणें लहरों की छोटी-छोटी नीली बूंदों को भेद रही थीं जो एक के बाद एक गिर रही थीं; पुराने कटे हुए विलो के पेड़ों की भूरी छाल पानी में प्रतिबिंबित हो रही थी; दूर-दूर तक, चारों ओर घास के मैदान खाली लग रहे थे। खेतों में रात के खाने का समय हो गया था, और युवती और उसकी साथी चलते समय अपने कदमों की लय, एक-दूसरे से कही गई बातों और एम्मा की पोशाक की सरसराहट के अलावा कुछ नहीं सुन रही थीं।

बगीचे की दीवारें, जिन पर बोतल के टुकड़े चिपके हुए थे, ग्रीनहाउस की खिड़कियों की तरह गर्म थीं। ईंटों के बीच में वॉलफ्लावर उग आए थे; और मैडम बोवरी जब वहां से गुज़रतीं, तो अपने खुले छाते के किनारे से उनके कुछ मुरझाए हुए फूलों को पीले चूर्ण में बदल देतीं, या बाहर लटकी हुई हनीसकल और क्लेमाटिस की एक शाखा पल भर के लिए रेशम पर लटकती और झालर में अटक जाती।

वे स्पेनिश नर्तकों के एक दल के बारे में बात कर रहे थे जिनके जल्द ही रूएन के थिएटर में आने की उम्मीद थी।

“क्या तुम जाओगे?” उसने पूछा।

“अगर मैं कर सकता हूँ,” उसने उत्तर दिया।

क्या उनके पास एक-दूसरे से कहने के लिए कुछ और नहीं था? फिर भी उनकी आँखों में एक गंभीर बातचीत झलक रही थी; और जब उन्होंने खुद को सामान्य बातें कहने के लिए मजबूर किया, तो उन्होंने महसूस किया कि एक ही तरह की सुस्ती उन दोनों को घेर रही है; यह आत्मा की एक धीमी, गहरी, निरंतर, उनकी आवाज़ों की धीमी आवाज़ से भी कहीं अधिक तीव्र थी। अपने लिए एक नई मिठास से आश्चर्यचकित होकर, उन्होंने एक-दूसरे को उस अनुभूति का वर्णन करने या उसके कारण का पता लगाने के बारे में नहीं सोचा। भविष्य के सुख, उष्णकटिबंधीय तटों की तरह, अपने सामने फैली विशालता पर अपनी स्वाभाविक कोमलता, एक सुगंधित हवा की तरह बिखेर देते हैं, और व्यक्ति उस मदहोशी में इतना खो जाता है कि उसे उस क्षितिज की भी चिंता नहीं होती जिसे वह देख नहीं सकता।

एक जगह मवेशियों के चलने से ज़मीन उखड़ गई थी; उन्हें कीचड़ में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बिखरे बड़े-बड़े हरे पत्थरों पर चलना पड़ता था। अक्सर वह एक मिनट के लिए रुककर सोचती कि अपना छोटा सा जूता कहाँ रखे, और लड़खड़ाते हुए उस अस्थिर चट्टान पर, कोहनियाँ ऊपर उठाए, शरीर झुकाए, आँखों में अनिश्चितता लिए, वह हँसती, कहीं कीचड़ में न गिर जाए।

जब वे उसके बगीचे में पहुँचे, तो मैडम बोवरी ने छोटा सा फाटक धक्का देकर खोला, सीढ़ियों पर दौड़ी और गायब हो गई।

लियोन अपने दफ्तर में वापस चला गया। बॉस वहाँ नहीं था; उसने फाइलों पर एक नज़र डाली, फिर अपने लिए एक पंख वाला पेन तैयार किया, और अंत में अपनी टोपी उठाई और चला गया।

वह अर्गुइल पहाड़ी की चोटी पर, जंगल के किनारे स्थित चरागाह में गया; वह देवदार के पेड़ों के नीचे जमीन पर लेट गया और अपनी उंगलियों के बीच से आकाश को देखने लगा।

“मैं कितना ऊब गया हूँ!” उसने मन ही मन कहा; “मैं कितना ऊब गया हूँ!”

उसे लगता था कि इस गाँव में रहने के लिए उस पर तरस आना चाहिए, जहाँ उसका दोस्त होमेस और मालिक मॉन्सियर गिलौमिन था। गिलौमिन पूरी तरह से व्यापार में डूबा रहता था, सोने के फ्रेम का चश्मा और सफेद टाई पर लाल मूंछें रखता था, और बुद्धि की बारीकियों को बिल्कुल नहीं समझता था, हालाँकि वह एक सख्त अंग्रेज़ी तौर-तरीका अपनाता था जिसने क्लर्क को पहले तो चकाचौंध कर दिया था। जहाँ तक फार्मासिस्ट की पत्नी की बात है, वह नॉर्मंडी की सबसे अच्छी पत्नी थी, भेड़ की तरह कोमल, अपने बच्चों, अपने पिता, अपनी माँ, अपने चचेरे भाइयों और बहनों से प्यार करती थी, दूसरों के दुर्भाग्य पर रोती थी, अपने घर में सब कुछ छोड़ देती थी और कोर्सेट से नफरत करती थी; लेकिन वह इतनी धीमी गति से चलती थी, उसकी बातें इतनी उबाऊ

थीं, उसका रूप-रंग इतना साधारण था और उसकी बातचीत इतनी सीमित थी कि उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, भले ही वह तीस साल की थी, वह बीस साल का था, वे पड़ोसी कमरों में सोते थे, और वह उससे हर दिन बात करता था, कि वह किसी के लिए एक औरत हो सकती है, या उसके पास अपने स्त्रीत्व के कोई गुण हो सकते हैं सिवाय उस पोशाक के जो वह पहनती थी।

और वहाँ और कौन-कौन थे? बिनेट, कुछ व्यापारी, दो-तीन सराय मालिक, पादरी, और अंत में महाशय तुवाचे, अपने दो बेटों के साथ - धनी, असभ्य, मंदबुद्धि लोग जो अपनी ज़मीनों पर खेती करते थे, घर पर अकेले ही दावत करते थे, इसके अलावा धार्मिक भी थे, और कुल मिलाकर असहनीय संगति थे।

लेकिन इन सभी इंसानी चेहरों की साझा पृष्ठभूमि के बीच, एम्मा का चेहरा अलग-थलग और फिर भी अधिक दूर दिखाई दे रहा था; क्योंकि उसे उसके और उसके बीच एक आकारहीन खाई जैसी कोई चीज महसूस हो रही थी।

शुरू में, वह फार्मासिस्ट के साथ कई बार उसके घर गया था। चार्ल्स ने उसका स्वागत करने में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई थी; और लियोन को समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे, एक तरफ उसे अपनी बात को अनुचित ठहराने का डर था, वहीं दूसरी तरफ वह एक ऐसी घनिष्ठता चाहता था जो उसे लगभग असंभव लगती थी।

[4]

ठंड का मौसम शुरू होते ही एम्मा अपने बेडरूम से निकलकर बैठक में चली गई, जो एक लंबा, कम छत वाला कमरा था। उसके मेंटलपीस पर मूंगे का एक टुकड़ा रखा था, जिसकी कई शाखाएँ दर्पण के सामने फैली हुई थीं। खिड़की के पास अपनी कुर्सी पर बैठी वह फुटपाथ पर गाँव वालों को आते-जाते देख सकती थी।

दिन में दो बार, लियोन अपने अध्ययन कक्ष से लायन डी'ओर (आयरलैंड का प्रमुख संग्रहालय) जाता था। एम्मा दूर से ही उसके आने की आहट सुन लेती थी; वह आगे झुककर सुनती रहती थी; और वह युवक हमेशा की तरह एक ही पोशाक में, बिना सिर घुमाए पर्दे के पीछे से निकल जाता था। लेकिन शाम ढलते ही, जब वह अपनी ठुड्डी बाएं हाथ पर टिकाए, अपनी गोद में शुरू किया हुआ टेपेस्ट्री का काम अधूरा छोड़ देती थी, तो अचानक से उस परछाई को गुजरते देख वह अक्सर चौंक जाती थी। वह उठ खड़ी होती और मेज लगाने का आदेश देती।

श्री होमेस भोजन के समय आते थे। हाथ में अपनी टोपी लिए, वे चुपचाप कदम रखते ताकि किसी को परेशान न करें और हमेशा एक ही वाक्य दोहराते: "शुभ संध्या, सभी को!" फिर, जब वे मेज के पास, पति-पत्नी के बीच अपनी जगह पर बैठ जाते, तो वे डॉक्टर से उनके मरीजों के बारे में पूछते और डॉक्टर उनसे उनकी तनख्वाह मिलने की संभावना के बारे में सलाह देते। फिर वे अखबार में छपी खबरों पर चर्चा करते। उस समय तक, होमेस को अखबार लगभग मुंह जुबानी याद होता था; और वे उसे पूरा सुना देते थे, जिसमें संपादकीय और फ्रांस या विदेश में घटी हर आपदा की खबरें शामिल होती थीं। लेकिन, विषय समाप्त होते ही, वे अपने सामने रखे व्यंजनों पर कुछ टिप्पणियाँ करने लगते। कभी-कभी, आधा उठते हुए, वे बड़ी नज़ाकत से मैडम को सबसे नरम टुकड़ा दिखाते या नौकरानी की ओर मुड़कर उसे स्टू बनाने या मसालों की स्वच्छता के बारे में कुछ सलाह देते; सुगंध, रस, जूस और जिलेटिन के बारे में उनके बात करने का तरीका अद्भुत था। चूंकि उनका दिमाग वास्तव में जारों से भरी उनकी फार्मेसी की तुलना में व्यंजनों से कहीं अधिक भरा हुआ था, इसलिए होमेस कई प्रकार के जैम, सिरके और मीठे लिकर बनाने में माहिर थे, और वे किफायती कैलेफैक्टर्स में नवीनतम आविष्कारों से भी परिचित थे, साथ ही पनीर को संरक्षित करने और बीमार वाइन को ठीक करने की कला में भी निपुण थे।

आठ बजे जस्टिन उसे लेने आता ताकि वह फार्मेसी बंद कर सके। महाशय उसे धूर्त निगाहों से देखता, खासकर अगर फेलिसिटे वहाँ मौजूद होती, क्योंकि उसने देखा था कि उसका शिष्य डॉक्टर के घर को बहुत पसंद करता था।

वह कहता था, "मेरा छोटा बेटा कुछ गलत धारणाएं पाल रहा है, और मुझे पूरा यकीन है, भगवान न करे, कि वह तुम्हारी नौकरानी से प्यार करता है!"

लेकिन एक और गंभीर गलती, जिसके लिए वह उसे फटकारता था, यह थी कि वह उनकी बातचीत सुनने में लगा रहता था। उदाहरण के लिए, रविवार को वे उसे बैठक से बाहर नहीं निकाल पाते थे, जहाँ मैडम होमेस ने उसे बच्चों को ले जाने के लिए बुलाया था, क्योंकि बच्चे आरामकुर्सियों में सो जाते थे और उनकी पीठें ढीले कैलिको कवरों को नीचे खींचती रहती थीं।

फार्मासिस्ट की पार्टियों में ज़्यादा लोग नहीं आते थे, क्योंकि उनके सनसनीखेज और राजनीतिक विचारों ने एक के बाद एक कई सम्मानित लोगों को उनसे दूर कर दिया था। क्लर्क हमेशा मौजूद रहता था। घंटी बजते ही वह मैडम बोवरी के पास दौड़ता, उनका शॉल लेता और फार्मासिस्ट की मेज के नीचे, बर्फीले मौसम में जूतों के ऊपर पहनी जाने वाली उनकी चौड़ी चप्पलें एक तरफ रख देता।

पहले वे ट्रेंट एट उन के कुछ राउंड खेलते; फिर मॉन्सियर होमेस एम्मा के साथ एकार्टे खेलते; लियोन, उसके पीछे, सलाह देता। अपनी कुर्सी की पीठ पर हाथ रखकर खड़ा लियोन, उसके जूड़े में कंघी के दांतों को टटोलते हुए देखता रहता। जैसे ही वह अपने कार्ड रखती, उसकी पोशाक दाहिनी ओर से ऊपर उठ जाती। उसके बंधे हुए बालों से एक भूरी छाया उसकी पीठ पर उतरती और धीरे-धीरे फीकी पड़ती हुई गहरी छाया में विलीन हो जाती। उसकी स्कर्ट कुर्सी पर दोनों ओर फैली हुई थी, कई सिलवटों में फूली हुई, और फर्श तक फैली हुई थी। कभी-कभी जब लियोन को अपने जूते का तलवा उस पर महसूस होता, तो वह पीछे हट जाता, मानो उसने किसी पर पैर रख दिया हो।

ताश का खेल खत्म होने के बाद, दवा विक्रेता और डॉक्टर डोमिनोज़ खेलते, और एम्मा दूसरी कुर्सी पर जाकर, कोहनियाँ मेज पर टिकाकर, 'ल'इलस्ट्रेशन' पत्रिका के पन्ने पलटने लगती। वह अपनी फैशन पत्रिका साथ लाई थी। लियोन उसके बगल में बैठ जाता; वे साथ में तस्वीरें देखते और पन्नों के अंत में एक-दूसरे का इंतज़ार करते। अक्सर वह उससे कुछ कविताएँ पढ़ने को कहती; लियोन उन्हें धीमी आवाज़ में सुनाता, जिसे वह प्रेम प्रसंगों के दौरान धीरे-धीरे कम कर देता। लेकिन डोमिनोज़ की आवाज़ बीच में आ जाती; श्रीमान होम्स इस खेल में माहिर थे, वे चार्ल्स को पूरे दो छक्कों से हरा देते। फिर, तीन सौ तक पहुँचने पर, वे दोनों अंगीठी के सामने लेट जाते और जल्दी ही सो जाते। आग अंगारों में बुझ रही थी; चायदानी खाली थी; लियोन अभी भी पढ़ रहा था। एम्मा अनमने ढंग से लैंपशेड को घुमाते हुए उसकी बातें सुनती रहती, जिस पर रथों में बैठे पियरोट और संतुलन बनाने वाले डंडों के साथ रस्सी पर नाचने वालों की आकृतियाँ बनी हुई थीं। लियोन रुक जाता, इशारे से अपने सोए हुए श्रोताओं की ओर इशारा करता; फिर वे धीमी आवाज़ में आपस में बातें करते, और उनकी बातचीत उन्हें और भी मधुर लगती क्योंकि कोई उसे सुन नहीं रहा था।

और इस तरह उनके बीच एक तरह की साझेदारी स्थापित हो गई, किताबों और प्रेम गीतों का निरंतर आदान-प्रदान होने लगा; महाशय बोवरी, जो ईर्ष्या करने की प्रवृत्ति से दूर रहते थे, इस बात से आश्चर्यचकित नहीं हुए। अपने जन्मदिन पर, उन्हें एक सुंदर मस्तिष्क-विज्ञान संबंधी आकृति भेंट की गई, जिस पर छाती तक संख्याएँ अंकित थीं और जो नीले रंग से रंगी हुई थी। यह स्नेहपूर्ण ध्यान उन्हें क्लर्क की ओर से मिला। क्लर्क ने उन्हें कई अन्य उपहार भी दिए, यहाँ तक कि रूएन में उनके छोटे-मोटे काम भी किए; और जब एक उपन्यासकार की नवीनतम पुस्तक ने रसीले पौधों के प्रति एक फैशन का जुनून जगाया, तो लियोन ने मैडम के लिए कुछ पौधे खरीदे और उन्हें हिरोंडेल में वापस लाए, उन्हें अपनी गोद में रखकर उनकी कठोर रीढ़ों से अपनी उंगलियों को चुभने का अनुभव किया।

उसने अपनी खिड़की के सामने एक छोटी सी ऊँची शेल्फ लगवा रखी थी, जिस पर वह अपने छोटे-छोटे गमले रखती थी। क्लर्क के पास भी अपना एक छोटा सा लटकता हुआ बगीचा था; वे दोनों अक्सर अपनी-अपनी खिड़कियों पर लगे फूलों की देखभाल करते हुए एक-दूसरे को देखते थे।

गांव की खिड़कियों में से एक ऐसी खिड़की थी जिस पर अक्सर लोग नजर आते थे; क्योंकि रविवार को सुबह से शाम तक, और हर दोपहर, अगर मौसम सुहाना होता था, तो अटारी के एक कोने से श्री बिनेट का दुबला-पतला चेहरा उनकी खराद मशीन पर झुका हुआ दिखाई देता था, जिसकी एकरस घरघराहट लायन डी'ओर तक सुनाई देती थी।

एक शाम जब लियोन घर लौटा, तो उसने अपने कमरे में मखमल और ऊन से बनी एक चादर देखी, जिस पर हल्के रंग की पृष्ठभूमि पर पत्तों के डिज़ाइन बने हुए थे। उसने मैडम होमेस, श्री होमेस, जस्टिन, बच्चों, रसोइए, सबको बुलाया; उसने अपने मालिक से भी इस बारे में बात की; हर कोई उस चादर को देखना चाहता था; आखिर डॉक्टर की पत्नी क्लर्क के प्रति इतनी उदार क्यों थी? यह अजीब लगा, और सबने यही सोचा कि वह उसकी प्रेमिका ही होगी।

उसने इस बात का संकेत दिया, क्योंकि वह लगातार उसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता के बारे में आपसे बात करता रहता था, इतना अधिक कि बिनेट ने एक बार उसे काफी तीखे शब्दों में जवाब दिया:

"इससे मुझे क्या फर्क पड़ता है, क्योंकि मैं तो उसके समूह का हिस्सा ही नहीं हूँ!"

वह उससे अपने दिल की बात कहने का कोई तरीका ढूंढने के लिए खुद को बहुत परेशान करता था; और उसे नाराज़ करने के डर और अपने कायर होने की शर्म के बीच फंसा हुआ, वह निराशा और इच्छा से रोता था। फिर वह जोश और दृढ़ निश्चय के साथ काम करता; वह पत्र लिखता, जिन्हें वह फाड़ देता, खुद को समय सीमा देता, जिसे वह फिर बढ़ा देता। अक्सर वह सब कुछ दांव पर लगाने के इरादे से निकल पड़ता; लेकिन एम्मा की

मौजूदगी में उसका यह संकल्प तुरंत टूट जाता, और जब चार्ल्स अचानक आकर उसे कार में बैठने और आसपास के किसी मरीज को देखने चलने के लिए आमंत्रित करता, तो वह तुरंत मान जाता, मैडम को अलविदा कहता और चला जाता। आखिर उसका पति भी तो उसका ही हिस्सा था, है ना?

एम्मा ने कभी खुद से यह सवाल नहीं किया कि क्या वह उससे प्यार करती है। उसका मानना था कि प्यार अचानक आता है, गरज और बिजली की कड़क के साथ—आसमान से आने वाला एक तूफान जो जीवन पर टूट पड़ता है, उसे उलट-पुलट कर देता है, इच्छाशक्ति को पत्ते की तरह नोच लेता है और आपके पूरे दिल को अपने साथ खाई में ले जाता है। उसे नहीं पता था कि नालियां बंद होने पर घरों की छतों पर बारिश से झीलें बन जाती हैं, और इस तरह वह पूरी तरह सुरक्षित महसूस करते हुए जी रही होती, अगर उसे अचानक दीवार में दरार न दिखाई देती।

[5]

फरवरी महीने की एक रविवार दोपहर थी, जब बर्फ गिर रही थी।

श्रीमान और श्रीमती बोवरी, होमेस और श्रीमान लियोन, सभी योनविले से आधा मील दूर घाटी में बन रही एक सन चक्की देखने गए थे। औषध विक्रेता नेपोलियन और अथाली को भी अपने साथ ले गया था ताकि उन्हें थोड़ी कसरत मिल सके, और जस्टिन भी उनके साथ था, अपने कंधे पर कुछ छतरियाँ लिए हुए।

लेकिन इससे कम रोचक बात और क्या हो सकती थी? एक विशाल खाली ज़मीन थी, जिस पर रेत और पत्थरों के ढेरों के बीच जगह-जगह कुछ जंग लगे हुए गियर पड़े थे। इसी ज़मीन के चारों ओर एक लंबी आयताकार इमारत थी, जिसमें कई छोटी-छोटी खिड़कियाँ बनी हुई थीं। इमारत अभी पूरी नहीं बनी थी और छत की बीमों से आसमान दिखाई दे रहा था। इमारत के गैबल छोर की बीम से गेहूँ की बालियों के साथ भूसे का एक गुच्छा बंधा हुआ था, जिसके लाल, सफेद और नीले रिबन हवा में लहरा रहे थे।

होमेस बात कर रहा था। वह दल को समझा रहा था कि भविष्य में यह इमारत कितनी महत्वपूर्ण होगी, फर्श की मजबूती, दीवारों की मोटाई का आकलन कर रहा था, और इस बात पर गहरा अफसोस जता रहा था कि उसके पास मापने की कोई छड़ी नहीं थी, जैसी कि श्री बिनेट अपने निजी उपयोग के लिए रखते थे।

एम्मा, जिसने उसे अपना हाथ दिया था, हल्के से उसके कंधे से टिकी हुई थी और दूर क्षितिज पर सूर्य की उस चकाचौंध भरी रोशनी को देख रही थी जो कोहरे को अपनी चकाचौंध भरी पीली रोशनी से भर रही थी; लेकिन तभी उसने अपना सिर घुमाया: वहाँ चार्ल्स था। उसने अपनी टोपी भौंहों पर खींच रखी थी और उसके मोटे होंठ कांप रहे थे, जिससे उसके चेहरे पर मूर्खता का भाव आ गया था; यहाँ तक कि उसकी पीठ, उसकी शांत पीठ भी देखने में अरुचिकर लग रही थी, और उसने देखा कि उसकी कोट पर उस व्यक्ति की सारी नीरसता झलक रही थी।

जब वह उसे निहार रही थी और अपनी झुंझलाहट से एक प्रकार का विकृत कामुक आनंद प्राप्त कर रही थी, तभी लियोन एक कदम और करीब आया। ठंड से उसका चेहरा पीला पड़ रहा था, मानो ठंड से उसके चेहरे पर कुछ कोमलता और सुस्ती आ गई हो; उसकी टाई और गर्दन के बीच, उसकी कमीज का ढीला कॉलर उसकी त्वचा को दिखा रहा था; बालों की लट के नीचे उसका एक कान का निचला हिस्सा दिख रहा था, और बादलों की ओर उठी उसकी बड़ी नीली आँखें एम्मा को आकाश को प्रतिबिंबित करने वाली पर्वतीय झीलों से भी अधिक निर्मल और सुंदर लग रही थीं।

“शरारती लड़का!” दवा विक्रेता अचानक चिल्लाया।

और वह अपने बेटे की ओर दौड़ा, जो अपने जूतों को सफ़ेद रंग से रंगने के लिए चूने के ढेर में कूद पड़ा था। डांट-फटकार सुनकर नेपोलियन चीखने लगा, जबकि जस्टिन ने तिनके से अपने पैर पोंछे। लेकिन एक चाकू की ज़रूरत थी; चार्ल्स ने अपना चाकू आगे बढ़ाया।

“अरे!” उसने मन ही मन कहा; “वह तो बिल्कुल किसान की तरह अपनी जेब में चाकू रखता है!”

ठंड बढ़ने लगी थी, और वे योनविले की ओर वापस मुड़ गए।

उस शाम, मैडम बोवरी अपने पड़ोसियों के घर नहीं गईं, और जब चार्ल्स चला गया, जब वह अकेली थीं, तो वह तुलना लगभग तात्कालिक अनुभूति की तीक्ष्णता के साथ और स्मृति द्वारा वस्तुओं को दिए जाने वाले परिप्रेक्ष्य के विस्तार के साथ फिर से लौट आई। अपने बिस्तर से जलती हुई तेज आग को निहारते हुए, उन्होंने एक बार फिर लियोन को खड़े देखा, जैसे उन्होंने उसे बाहर देखा था, एक हाथ से अपनी छड़ी को हिलाते हुए और दूसरे हाथ से अथाली को पकड़े हुए, जो शांति से बर्फ का एक टुकड़ा चूस रही थी। उन्हें वह आकर्षक लगा; वह उसके बारे में सोचना बंद नहीं कर सकीं; उन्हें अन्य दिनों में उसके द्वारा किए गए अन्य कार्य, उसके द्वारा बोले गए शब्द, उसकी आवाज, उसका पूरा व्यक्तित्व याद आया; और उन्होंने फिर से कहा, मानो चुंबन के लिए अपने होंठ आगे बढ़ाते हुए:

“हाँ। कितना आकर्षक! कितना आकर्षक! … क्या वो प्यार में है?” उसने खुद से पूछा। “वो किससे प्यार करता है? … अरे … वो तो मुझसे है!”

सारे सबूत एक साथ उसके सामने आ गए, उसका दिल उछल पड़ा। अंगीठी की लौ से छत पर एक आनंदमय, कंपकंपती हुई रोशनी फैल रही थी; वह पीठ के बल लेट गई और अपनी बाहें फैला लीं।

फिर शाश्वत विलाप शुरू हुआ: “काश, स्वर्ग ने ही ऐसा चाहा होता! ऐसा क्यों नहीं हो सकता? ऐसा होने से क्या रोका?…”

जब चार्ल्स आधी रात को घर लौटा, तो वह जाग उठी, और जब उसने कपड़े उतारते समय कुछ शोर किया, तो उसने माइग्रेन की शिकायत की; फिर उसने अनायास ही पूछा कि शाम को क्या हुआ था।

उन्होंने कहा, "महाशय लियोन जल्दी ऊपर चले गए थे।"

वह मुस्कुराए बिना नहीं रह सकी और एक नए आकर्षण से भरी आत्मा के साथ सो गई।

अगले दिन, सूर्यास्त के समय, उनके पास कपड़े के व्यापारी श्री ल्यूरेक्स आए। यह दुकानदार बड़ा ही चतुर था। जन्म से गैस्कॉन, लेकिन अब नॉर्मन, उसने अपनी दक्षिणी वाक्पटुता को कॉकोइस की चालाकी के साथ मिला रखा था। उसका कोमल, मोटा, दाढ़ीविहीन चेहरा ऐसा लगता था मानो उसे साफ मुलेठी के काढ़े से रंगा गया हो, और उसके सफेद बाल उसकी छोटी काली आँखों की तीखी चमक को और भी बढ़ा देते थे। कोई नहीं जानता

था कि वह पहले क्या था: कुछ कहते थे फेरीवाला; दूसरों के अनुसार राउटोट में बैंकर। यह निश्चित था कि वह अपने दिमाग में जटिल गणनाएँ कर सकता था जो बिनेट को भी चकित कर देती थीं। अत्यधिक विनम्र, वह हमेशा अपनी पीठ को आधा झुकाकर खड़ा रहता था, मानो कोई झुककर प्रणाम कर रहा हो या निमंत्रण दे रहा हो।

दरवाजे के पास क्रेप पट्टी वाली अपनी टोपी छोड़कर, उसने मेज पर एक हरा डिब्बा रखा और मैडम से ढेर सारी तारीफों के साथ शिकायत करने लगा कि वह अब तक उनका विश्वास जीतने में असफल रहा है। उसकी जैसी छोटी सी दुकान इतनी संजीदा महिला को आकर्षित करने के लिए बनी ही नहीं थी; उसने इस शब्द पर ज़ोर दिया। हालांकि, उन्हें बस एक ऑर्डर देना था, और वह उनकी हर ज़रूरत पूरी करने का ज़िम्मा उठा लेगा, चाहे वह सिलाई का सामान हो, लिनेन हो, बुना हुआ कपड़ा हो या फैंसी सामान; क्योंकि वह नियमित रूप से महीने में चार बार शहर जाता था। वह सबसे अच्छे स्टोरों से काम करता था। मैडम ट्रोइस फ्रेरेस, बारबे डी'ओर या ग्रैंड सौवेज में उसका नाम ले सकती थीं; वहाँ के सभी सज्जन उसे अपने सगे भाइयों की तरह जानते थे! आज, वह मैडम को दिखाने आया था, क्योंकि वह यहाँ से गुज़र रहा था, कुछ ऐसी चीज़ें जो उसे एक बहुत ही दुर्लभ अवसर के कारण मिली थीं। और उसने डिब्बे से आधा दर्जन कढ़ाई वाले कॉलर निकाले।

मैडम बोवरी ने उनकी जांच की।

“मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं है,” उसने कहा।

फिर महाशय ल्यूरेक्स ने बड़ी नज़ाकत से तीन अल्जीरियाई स्कार्फ, अंग्रेज़ी सुइयों के कई पैकेट, एक जोड़ी पुआल की चप्पलें और अंत में कैदियों द्वारा की गई नक्काशी से सजे नारियल के खोल के चार अंडे के कप प्रदर्शित किए। फिर, दोनों हाथ मेज पर रखकर, गर्दन फैलाकर, शरीर को आगे की ओर झुकाकर, मुँह खोलकर, उन्होंने एम्मा की निगाहों का पीछा किया जो इन वस्तुओं पर अनिश्चित रूप से घूम रही थीं। समय-समय पर, मानो धूल झाड़ने के लिए, वे स्कार्फ के रेशम पर अपने नाखून से हल्का सा झटका देते, जो पूरी तरह से खुले हुए थे; और वे एक हल्की सी आवाज़ के साथ लहराते, उनके कपड़े में लगे सुनहरे मोती शाम की हरी रोशनी में छोटे तारों की तरह चमकते।

"वे कितने हैं?"

“मामूली सी बात है,” उसने जवाब दिया, “बस मामूली सी बात; लेकिन कोई जल्दी नहीं है; जब भी आप चाहें; हम यहूदी नहीं हैं!”

उसने कुछ पल सोचा और अंत में महाशय ल्यूरेक्स को फिर से धन्यवाद दिया, जिन्होंने बिना किसी भावना के जवाब दिया:

"कोई बात नहीं, हम बाद में किसी तरह से समझौता कर लेंगे; मैं हमेशा से महिलाओं के साथ अच्छे से पेश आता रहा हूँ - सिवाय मेरी अपनी पत्नी के मामले में!"

एम्मा मुस्कुराई।

अपना मजाक खत्म करने के बाद, उन्होंने सरल और सौम्य लहजे में आगे कहा, "मैं आपको यह बताना चाहता था कि मुझे पैसों की चिंता नहीं है... जरूरत पड़ने पर मैं आपको कुछ पैसे दे सकता हूं।"

उसने आश्चर्य का भाव दिखाया।

“आह!” उसने धीमी आवाज़ में जल्दी से कहा; “इसे आपके लिए ढूंढने में मुझे ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा; आप इस बात पर भरोसा कर सकते हैं!”

और उन्होंने कैफे फ्रांसे के मालिक पेरे टेलियर के बारे में पूछना शुरू कर दिया, जिनका उस समय महाशय बोवरी इलाज कर रहे थे।

“आखिर उसे क्या हुआ है, बूढ़े पेरे टेलियर? … उसे इतनी ज़ोर से खांसी आती है कि पूरा घर हिल जाता है, और मुझे डर है कि उसे जल्द ही फलालैन की कमीज़ से ज़्यादा लकड़ी के ओवरकोट की ज़रूरत पड़ेगी। जवानी में वह कितना उद्दंड था! मैडम, वह ऐसा था जिसमें ज़रा भी आत्म-अनुशासन नहीं था! उसने शराब पीकर खुद को जलाकर राख कर दिया था! लेकिन फिर भी, एक पुराने परिचित को जाते देखना दुखद है।”

और जब वह अपने बक्से को बांध रहा था, तब वह डॉक्टर के मरीजों के बारे में इस तरह बातें करता रहा।

“यह सब मौसम की वजह से ही हो रहा है,” उसने खिड़की के शीशों की ओर उदास चेहरे से देखते हुए कहा। “मैं खुद भी पूरी तरह से ठीक महसूस नहीं कर रहा हूँ; दरअसल, मुझे भी एक दिन आकर महाशय से अपनी पीठ के दर्द के बारे में सलाह लेनी चाहिए। खैर, अलविदा, मैडम बोवरी; आपकी सेवा में हाज़िर; आपका विनम्र सेवक!”

और उसने धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।

एम्मा के बेडरूम में, आग के पास, एक ट्रे में खाना लाया गया; उसने काफी देर तक खाना खाया; उसे सब कुछ अच्छा लग रहा था।

"मैं कितनी समझदार थी!" उसने स्कार्फ के बारे में सोचते हुए मन ही मन कहा।

सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनकर उसे लगा कि लियोन है। वह उठी और दराजों वाली अलमारी के ऊपर से सिलाई के लिए रखे कपड़ों के ढेर में से सबसे ऊपर वाला कपड़ा उठाया। जब वह अंदर आया तो वह बहुत व्यस्त लग रही थी।

बातचीत धीमी पड़ गई, मैडम बोवरी हर मिनट बातचीत बीच में ही छोड़ देती थीं, जबकि वह खुद भी काफी असहज महसूस कर रहे थे। आग के पास एक नीची कुर्सी पर बैठे, वह अपनी उंगलियों में हाथीदांत की सुई रखने

वाली पेटी घुमा रहे थे; वह अपनी सुई चला रही थीं, या कभी-कभी अपने नाखून से कपड़े की तहों को समेट रही थीं। वह कुछ नहीं बोलीं; वह भी चुप रहे, उनकी चुप्पी से मंत्रमुग्ध हो गए थे, जैसे कि उनके शब्दों से होते।

“बेचारा लड़का!” वह सोच रही थी।

“उसे मुझमें क्या पसंद नहीं है?” वह सोच रहा था।

लेकिन अंत में, लियोन ने कहा कि एक दिन उन्हें अपने पेशे से संबंधित काम के सिलसिले में रूएन जाना होगा।

"आपकी संगीत सदस्यता समाप्त हो गई है—क्या मुझे इसे नवीनीकृत करना चाहिए?"

“नहीं,” उसने उत्तर दिया।

"क्यों?"

"क्योंकि …"

और, अपने होंठों को सिकोड़ते हुए, उसने धीरे-धीरे भूरे धागे से भरी एक लंबी सुई निकाली।

इस काम से लियोन चिढ़ गया। ऐसा लग रहा था कि इससे एम्मा की उंगलियों के सिरे खुरदुरे हो रहे हैं; उसके मन में तारीफ करने का ख्याल आया, लेकिन उसने जोखिम नहीं उठाया।

“तो फिर आप इसे छोड़ रहे हैं?” उन्होंने आगे पूछा।

“क्या?” उसने झट से कहा। “संगीत? ओह, वाह! मुझे अपने घर की देखभाल नहीं करनी है, अपने पति का ध्यान नहीं रखना है, और भी हज़ार काम हैं, सच में, इतने सारे कर्तव्य हैं जो इससे कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं!”

उसने घड़ी देखी। चार्ल्स देर से आ रहा था। फिर उसने चिंता जताने का नाटक किया। उसने दो-तीन बार दोहराया भी:

वह बहुत अच्छा है!

क्लर्क को मिस्टर बोवरी बहुत पसंद थे। लेकिन उनका यह स्नेह मिस्टर बोवरी को अप्रिय लगा; फिर भी, उन्होंने भी उनकी प्रशंसा में अपना योगदान दिया, जैसा कि उन्होंने सभी को करते सुना था, खासकर फार्मासिस्ट को।

“अहा! वह तो बहुत ही बढ़िया आदमी है,” एम्मा ने कहा।

“जी हां, वह है,” क्लर्क ने कहा।

और उन्होंने मैडम होमेस के बारे में बात करना शुरू कर दिया, जिनकी बेहद अस्त-व्यस्त उपस्थिति अक्सर उन्हें हंसाने के लिए प्रेरित करती थी।

“इससे क्या फर्क पड़ता है?” एम्मा ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “एक अच्छी पत्नी और माँ को इस बात की चिंता नहीं होती कि वह कैसी दिखती है।”

फिर वह दोबारा चुप हो गई।

अगले दिनों भी यही हाल रहा; उसकी बातें, उसका व्यवहार, सब कुछ बदल गया। ऐसा लग रहा था कि वह अपने घर-गृहस्थी के प्रति गंभीर हो गई थी, नियमित रूप से चर्च जाने लगी थी और अपनी नौकरानी पर पहले से कहीं अधिक सख्ती बरतने लगी थी।

वह बर्थे को धाय से वापस ले आई। जब भी कोई मेहमान आता, फेलिसिटे उसे अंदर ले आती और मैडम बोवरी उसके हाथ-पैर दिखाने के लिए उसे निर्वस्त्र कर देती। वह कहती कि उसे बच्चे बहुत प्यारे हैं; वे उसकी सांत्वना, उसकी खुशी, उसकी नादानी हैं, और वह अपने स्नेह के साथ-साथ ऐसी भावपूर्ण बातें कहती थी जो योनविले के बाहर के किसी भी व्यक्ति को नोट्रे-डेम डी पेरिस में ला सैशे की याद दिलातीं।

जब चार्ल्स घर आता, तो उसे अपनी चप्पलें अंगारों के पास गर्म होने के लिए रखी मिलतीं। अब उसकी बनियानों में अस्तर की कमी नहीं थी, न ही उसकी कमीज़ों के बटनों की, और अलमारी में बराबर ढेर में सजी सूती टोपियों को देखना भी सुखद था। अब वह बगीचे में टहलने जाने पर पहले की तरह रूठती नहीं थी; वह जो भी प्रस्ताव रखता, वह हमेशा मान जाती, भले ही वह उन इच्छाओं को न समझ पाती जिनके आगे वह बिना कुछ कहे झुक जाती थी; और जब लियोन ने उसे रात के खाने के बाद आग के पास देखा, उसके हाथ पेट पर थे, पैर आग जलाने वाली लकड़ियों पर थे, खाना पचाने के कारण उसके गाल लाल थे, उसकी आँखें खुशी से नम थीं, बच्चा कालीन पर रेंग रहा था, और यह दुबली-पतली महिला उसकी कुर्सी के पीछे झुककर उसके माथे पर चुंबन कर रही थी:

"ये कैसी बेवकूफी है!" वो मन ही मन कहता। "और मैं उससे कैसे संपर्क करूँ?"

इस प्रकार, वह उसे इतनी गुणी और पहुंच से बाहर प्रतीत हुई कि उसकी सारी आशा, यहां तक कि सबसे धुंधली आशा भी, उससे दूर हो गई।

लेकिन इस तरह उसका त्याग करके, वह उसे एक असाधारण स्थिति में डाल रहा था। उसकी दृष्टि में, वह उन सांसारिक गुणों से वंचित हो गई थी जिनसे उसे कोई आशा नहीं थी; और उसके हृदय में, वह ऊँचाई पर पहुँचती गई, एक भव्य, उदात्त अवस्था में उससे और दूर होती चली गई। यह उन पवित्र भावनाओं में से एक थी जो जीवन के मार्ग में बाधा नहीं डालतीं, जिन्हें इसलिए संजोया जाता है क्योंकि वे दुर्लभ होती हैं, और जिनके खोने का दुख उनके होने से मिलने वाले आनंद से कहीं अधिक होता है।

एम्मा दुबली होती जा रही थी, उसके गाल पीले पड़ते जा रहे थे, चेहरा लंबा होता जा रहा था। अपने काले बालों की लटों, बड़ी-बड़ी आँखों, सीधी नाक, चिड़िया जैसी चाल और हमेशा चुप रहने के साथ, क्या वह जीवन को लगभग छूते हुए भी नहीं गुजर रही थी और उसके माथे पर किसी महान नियति की धुंधली छाप नहीं थी? वह इतनी उदास और इतनी शांत, एक साथ इतनी कोमल और इतनी संयमित थी कि उसकी उपस्थिति में कोई

भी एक बर्फीले आकर्षण से मोहित हो जाता था, जैसे कोई चर्च में संगमरमर की ठंडक के साथ फूलों की सुगंध के बीच कांप उठता है। और दूसरे भी इस मोह से बच नहीं पाते थे। फार्मासिस्ट अक्सर कहता था:

“वह एक बेहद काबिल महिला हैं। एक उप-प्रीफेक्ट की पत्नी के रूप में वह बिल्कुल उपयुक्त रहेंगी।”

गांव की गृहिणियां उसकी मितव्ययिता की, मरीज उसकी विनम्रता की और गरीबों की दानशीलता की प्रशंसा करती थीं।

लेकिन वह इच्छाओं, क्रोध और घृणा से भरी हुई थी। सीधी सिलवटों वाली वह पोशाक एक उथल-पुथल भरे दिल को छुपा रही थी, और उसके मौन होंठ उसकी पीड़ा को बयां नहीं कर रहे थे। वह लियोन से प्रेम करती थी, और वह अकेले रहना चाहती थी ताकि उसकी छवि में अधिक सहजता से आनंद ले सके। उसे साक्षात देखने मात्र से उसके इस चिंतन का सुख भंग हो गया। उसके कदमों की आहट से एम्मा कांप उठी; फिर, उसकी उपस्थिति में, उसकी भावनाएँ शांत हो गईं, केवल एक असीम आश्चर्य शेष रह गया जो अंततः उदासी में परिणत हुआ।

जब लियोन निराशा में उसका घर छोड़कर निकला, तो उसे यह नहीं पता था कि उसके जाने के तुरंत बाद वह उठकर गली में उसका इंतज़ार करेगी। वह उसके आने-जाने पर नज़र रखेगी; उसके चेहरे को गौर से देखेगी; उसके कमरे में जाने का बहाना बनाने के लिए कोई मनगढ़ंत कहानी बनाएगी। फार्मासिस्ट की पत्नी को एक ही छत के नीचे सोना बहुत सौभाग्यशाली लगता था; और उसके विचार लगातार उस घर पर टिके रहते थे, जैसे लायन डी'ओर के कबूतर अपने गुलाबी पैर और सफेद पंख उसकी छज्जों की नालियों में डुबोने आते हों। लेकिन एम्मा अपने प्यार के प्रति जितनी सचेत होती गई, उतना ही उसे दबाती गई, ताकि वह दिखाई न दे और कम हो जाए। वह चाहती थी कि लियोन को इस बात का शक हो; और उसने ऐसी आकस्मिक घटनाओं, विपत्तियों की कल्पना की, जिनसे ऐसा संभव हो सकता था। उसे शायद आलस्य या डर, और साथ ही विवेक भी रोक रहा था। वह सोचती कि उसने उसे बहुत दूर रखा है, समय निकल चुका है, सब कुछ खो गया है। फिर, खुद से यह कहने का गर्व और खुशी कि "मैं गुणी हूँ," और दर्पण में खुद को देखते हुए समर्पण का भाव अपनाने से, उसे उस बलिदान के लिए थोड़ी सांत्वना मिलती थी जो उसे लगता था कि वह कर रही है।

फिर उसकी शारीरिक इच्छाएँ, धन की लालसा और जुनून से उपजी उदासी के दौरे, सब मिलकर एक ही पीड़ा बन गए; और इसे मन से निकालने के बजाय, वह इससे और भी चिपकी रही, खुद को पीड़ा पहुँचाती रही और ऐसा करने का हर अवसर तलाशती रही। वह खराब तरीके से परोसे गए भोजन या आधे खुले दरवाजे से चिढ़ जाती थी, उस मखमली एहसास पर विलाप करती थी जो उसके पास नहीं था, उस खुशी पर जो उससे दूर थी, अपने बहुत ऊँचे सपनों पर, अपने बहुत छोटे घर पर।

उसे सबसे ज़्यादा गुस्सा इस बात पर आता था कि चार्ल्स को उसके दुख का कोई एहसास ही नहीं था। उसका यह मानना कि वह उसे खुश कर रहा है, एक मूर्खतापूर्ण अपमान लगता था, और इस बात का उसका अड़ियलपन, कृतघ्नता। आखिर वह किसके लिए इतनी अच्छी बन रही थी? क्या वह खुद ही सारी खुशियों में बाधा, सारे दुखों का कारण, और मानो उस जटिल बंधन का नुकीला हिस्सा नहीं था जिसने उसे चारों ओर से जकड़ रखा था?

और इसलिए उसने अपनी परेशानियों से उपजी सारी घृणा केवल उसी पर निकाली, और उस घृणा को कम करने का उसका हर प्रयास उसे और बढ़ा देता था; क्योंकि उसका व्यर्थ प्रयास उसे निराशा का एक और कारण देता था और उससे उसकी दूरी को और भी बढ़ा देता था। उसकी अपनी कोमलता ने उसे विद्रोह करने के लिए उकसाया। उसके साधारण घरेलू जीवन ने उसे कामुक कल्पनाओं की ओर, वैवाहिक स्नेह को व्यभिचारी इच्छाओं की ओर प्रेरित किया। वह चाहती थी कि चार्ल्स उसे पीटे, ताकि वह उससे और भी अधिक घृणा कर सके, अपना बदला ले सके। कभी-कभी वह अपने मन में आने वाले चौंकाने वाले विचारों से हैरान हो जाती थी; फिर भी उसे मुस्कुराते रहना पड़ता था, खुद को बार-बार यह कहते हुए सुनना पड़ता था कि वह खुश है, खुश होने का नाटक करना पड़ता था, ताकि हर कोई इस पर विश्वास कर ले!

हालांकि, ऐसे भी क्षण आते थे जब वह इस पाखंड से घृणा करती थी। उसे लियोन के साथ कहीं दूर भाग जाने और एक नई नियति आजमाने का प्रलोभन होता था; लेकिन तुरंत ही उसकी आत्मा में अंधकार से भरा एक अथाह गड्ढा खुल जाता था।

“इसके अलावा, वह अब मुझसे प्यार नहीं करता,” वह सोचती। “मेरा क्या होगा? मुझे किस तरह की मदद, किस तरह की सांत्वना, किस तरह की राहत मिल सकती है?”

वह पूरी तरह टूट चुकी थी, उसकी सांसें थम गई थीं, वह हिल-डुल नहीं पा रही थी, चुपचाप सिसक रही थी, उसके चेहरे से आंसू बह रहे थे।

जब नौकरानी ऐसे ही किसी दौरे के दौरान अंदर आती, तो वह पूछती, "महाशय को क्यों नहीं बता देते?"

“घबराहट की वजह से,” एम्मा जवाब देती। “उससे कुछ मत कहो; इससे वह परेशान हो जाएगा।”

“ओह, हाँ!” फेलिसिटे कहतीं। “तुम बिल्कुल गुएरिन की बेटी जैसी हो, पेरे गुएरिन की बेटी जैसी। वह ले पोलेट के एक मछुआरे थे। मैं तुमसे मिलने से पहले उन्हें डिएप्पे में जानती थी। वह इतनी उदास रहती थीं, इतनी ज़्यादा उदास कि जब आप उन्हें अपने घर के दरवाज़े पर खड़ी देखते, तो ऐसा लगता जैसे दरवाज़े के सामने किसी का कफ़न लटका हो। ऐसा लगता था जैसे उनके दिमाग में एक तरह का कोहरा छाया रहता था, और डॉक्टर कुछ नहीं कर पाते थे, न ही पादरी। जब उन्हें बहुत ज़्यादा तकलीफ़ होती, तो वह अकेले ही समुद्र

किनारे चली जातीं, यहाँ तक कि जब सीमा शुल्क अधिकारी गश्त पर आते, तो अक्सर उन्हें पत्थरों पर मुंह के बल लेटे हुए, रोते हुए पाते। फिर, शादी के बाद, ऐसा कहते हैं कि वह उदासी उनसे दूर हो गई।"

"लेकिन मेरे मामले में," एम्मा जवाब देती, "यह सब मेरी शादी के बाद शुरू हुआ।"

[6]

एक शाम जब खिड़की खुली थी और वह चौखट पर बैठी हुई थी और लेस्टिबूडोइस नामक चौकीदार को बॉक्सवुड की झाड़ी की छंटाई करते हुए देख रही थी, तभी अचानक उसे एंजेलस की घंटियों की आवाज सुनाई दी।

अप्रैल की शुरुआत थी, जब प्रिमरोज़ के फूल खिल रहे थे; गर्म हवा नए जोते हुए फूलों की क्यारियों पर बह रही थी, और बगीचे, मानो स्त्रियों की तरह, गर्मियों के त्योहारों के लिए खुद को संवार रहे थे। मंडप की पट्टियों के बीच से और चारों ओर, दूर तक, घास के मैदानों से बहती हुई धारा दिखाई दे रही थी, जो घास पर अपना टेढ़ा-मेढ़ा, आवारा रास्ता बना रही थी। शाम की धुंध पत्तों से रहित चिनार के पेड़ों के बीच से गुजर रही थी, उनकी आकृति को बैंगनी रंग की हल्की सी आभा से धुंधला कर रही थी, जो उनकी शाखाओं में फंसे महीन जाले से भी हल्की और पारदर्शी थी। दूर कहीं मवेशी चल रहे थे; न तो उनके कदमों की आहट सुनाई दे रही थी और न ही उनकी रंभाने की आवाज; और घंटी लगातार बज रही थी, हवा में अपनी शांत विलाप ध्वनि बिखेर रही थी।

घंटियों की इस निरंतर ध्वनि के साथ, युवती के विचार अपने बचपन और बोर्डिंग स्कूल की पुरानी यादों में खो गए। उसे वे विशाल मोमबत्ती स्टैंड याद आए, जो वेदी पर फूलों से भरे फूलदानों और छोटे स्तंभों वाले पवित्र स्थान से भी ऊँचे उठते थे। उसकी इच्छा थी कि पुराने दिनों की तरह, वह एक बार फिर उन सफेद घूंघटों की लंबी कतार का हिस्सा बन सके, जिन पर प्रार्थना कर रही नेक बहनों के कड़े कफ़न के कारण कहीं-कहीं काले निशान थे; रविवार को, प्रार्थना के समय, जब वह अपना सिर उठाती, तो उसे उठते हुए धूप के नीले धुएं के बीच वर्जिन मैरी का प्यारा चेहरा दिखाई देता। और अब वह कोमलता से भर उठी; वह खुद को कोमल और पूरी तरह से समर्पित महसूस कर रही थी, जैसे तूफान में फड़फड़ाता हुआ पक्षी का मुलायम पंख; और बिना किसी सचेत जागरूकता के वह चर्च की ओर चल पड़ी, किसी भी भक्ति के लिए तत्पर, बस जब तक उसकी आत्मा उसमें लीन हो जाए और सारा जीवन उसमें विलीन हो जाए।

चौक पर उसकी मुलाकात लेस्टिबूडोइस से हुई, जो लौट रहा था; क्योंकि वह अपना दिन जल्दी खत्म करने के बजाय, अपने काम को बीच में रोककर फिर से शुरू करना पसंद करता था, जिसके परिणामस्वरूप वह अपनी सुविधानुसार एंजेलस की घंटी बजाता था। इसके अलावा, घंटी पहले बजाने से बच्चों को पता चल जाता था कि कैटेकिज़्म का समय हो गया है।

वहाँ पहले से ही कुछ लोग, जो संयोगवश वहाँ पहुँच गए थे, कब्रिस्तान की शिलाओं पर कंचे खेल रहे थे। अन्य लोग दीवार पर चढ़कर अपने पैर हिला रहे थे और अपने औजारों से उस छोटी सी दीवार और पास की कब्रों के

बीच उगी लंबी बिच्छू-बूटी को काट रहे थे। यही एकमात्र हरा-भरा क्षेत्र था; बाकी सब पत्थर थे, और चर्च के झाड़ू से साफ करने के बावजूद भी हमेशा बारीक धूल से ढके रहते थे।

चप्पल पहने बच्चे वहाँ ऐसे दौड़ रहे थे मानो किसी लकड़ी के फर्श पर खेल रहे हों जो खास उन्हीं के लिए बना हो। उनकी तीखी आवाज़ें घंटी की तेज़ आवाज़ के ऊपर सुनाई दे रही थीं, जो घंटी टावर के ऊपर से लटकती मोटी रस्सी के हिलने से धीमी होती जा रही थी और ज़मीन पर घिसट रही थी। अबाबीलें छोटी-छोटी आवाज़ें निकालती हुई उड़ रही थीं, अपनी पंखों की लपटों से हवा को चीरती हुई, और तेज़ी से नाली के नीचे बने अपने पीले घोंसलों में लौट गईं। गिरजाघर के दूसरे छोर पर एक दीपक जल रहा था, या यूँ कहें कि लटकते हुए शीशे में लगी रात की बत्ती की बाती। दूर से उसकी चमक तेल पर काँपते हुए एक सफ़ेद धब्बे जैसी लग रही थी। सूरज की एक लंबी किरण पूरे चर्च के मुख्य भाग को पार कर रही थी और गलियारों और कोनों के अंधेरे को और गहरा कर रही थी।

"धर्माध्यक्ष कहाँ है?" मैडम बोवरी ने एक छोटे लड़के से पूछा, जो ढीले धुरी पर लगे टर्नस्टाइल को हिलाकर अपना मनोरंजन कर रहा था।

“वह आ रहा है,” उसने जवाब दिया।

और सचमुच, पुरोहित कक्ष का दरवाजा चरमराया; अब्बे बोर्निसिएन प्रकट हुए; बच्चे सिर के बल चर्च के अंदर भाग गए।

“ये बदमाश!” पादरी ने बुदबुदाते हुए कहा। “हमेशा की तरह ही!”

और, ठोकर लगने से उसके हाथ लगे एक फटे-पुराने धार्मिक ग्रंथ को उठाते हुए:

उनमें जरा भी सम्मान नहीं है!

लेकिन जैसे ही उसने मैडम बोवरी को देखा:

उन्होंने कहा, "माफ़ कीजिए, मैंने आपको पहचाना नहीं।"

उसने धार्मिक शिक्षा की पुस्तक अपनी जेब में डाली और रुक गया, फिर भी वह दो उंगलियों के बीच पूजा-अर्चना कक्ष की भारी चाबी को घुमाता रहा।

ढलते सूरज की चमक उसके चेहरे पर सीधी पड़ रही थी और उसकी ऊनी पोशाक का रंग हल्का कर रही थी, जो कोहनियों पर चमकदार और किनारों पर फटी हुई थी। उसकी चौड़ी छाती पर लगे छोटे-छोटे बटनों की कतार पर चिकनाई और नसवार के धब्बे थे, जो उसकी गर्दन की पट्टी से दूर जाते-जाते बढ़ते जा रहे थे। उसकी लाल ठुड्डी पर गद्दीदार सिलवटें टिकी हुई थीं; उसकी त्वचा पर पीले धब्बे बिखरे हुए थे जो उसकी सफ़ेद होती दाढ़ी के घने बालों में गायब हो रहे थे। उसने अभी-अभी खाना खाया था और ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था।

उन्होंने आगे पूछा, "आप कैसे हैं?"

“मैं ठीक नहीं हूँ,” एम्मा ने उत्तर दिया; “मुझे दर्द हो रहा है।”

“हाँ, मैं भी तो ऐसा ही महसूस कर रहा हूँ,” पादरी ने उत्तर दिया। “ये शुरुआती गर्म दिन हमें बुरी तरह कमजोर कर देते हैं, है ना? खैर, अब कुछ नहीं किया जा सकता! जैसा कि संत पॉल कहते हैं, हम कष्ट सहने के लिए ही पैदा हुए हैं। लेकिन अब, श्री बोवरी इस बारे में क्या सोचते हैं?”

"ओह, वो!" उसने तिरस्कार भरे भाव से कहा।

“क्या!” उस सीधे-सादे आदमी ने हैरानी से जवाब दिया; “क्या उन्होंने आपके लिए कोई दवा नहीं लिखी है?”

“आह!” एम्मा ने कहा; “मुझे सांसारिक उपचारों की आवश्यकता नहीं है।”

लेकिन पादरी बार-बार चर्च की ओर देख रहा था, जहाँ बच्चे घुटनों के बल बैठे एक-दूसरे को कंधों से धक्का दे रहे थे और नौपिन की पंक्ति की तरह गिर रहे थे।

“मैं जानना चाहूंगी…,” उसने आगे कहा।

“बस रुक जाओ, रिबौडेट,” पादरी ने क्रोधित होकर चिल्लाते हुए कहा, “मैं तुम्हारे कान खींच-तान कर दूंगा, तुम नीच बदमाश!”

फिर एम्मा की ओर मुड़ते हुए:

“ये तो युवा बौडेट है, बढ़ई का बेटा; उसके माता-पिता बहुत संपन्न हैं और उसे अपनी मनमर्जी करने देते हैं। फिर भी, अगर वह चाहे तो जल्दी सीख सकता है; वह बहुत होशियार है। कभी-कभी, मजाक में, मैं उसे रिबौडेट (मारोम जाने वाले रास्ते पर स्थित पहाड़ी की तरह) कहता हूँ; कभी-कभी तो मैं उसे ‘मोन रिबौडेट’ भी कह देता हूँ। हा हा! मोंट-रिबौडेट! पिछले दिन, मैंने अपनी इस छोटी सी मजाकिया बात के बारे में महामहिम को बताया, और वे हँसे… वे इतने दयालु थे कि उन्होंने इस पर हँस दिया। और महामहिम बोवरी, वे कैसे हैं?”

ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने उसकी बात नहीं सुनी। उसने आगे कहा:

“वह हमेशा व्यस्त रहते हैं, इसमें कोई शक नहीं? क्योंकि हम दोनों ही इस इलाके के सबसे व्यस्त लोग हैं। लेकिन वो शरीर का इलाज करते हैं,” उन्होंने ज़ोर से हंसते हुए कहा, “जबकि मैं आत्मा का इलाज करता हूँ!”

एम्मा ने अपनी विनती भरी निगाहें पुजारी पर टिका दीं।

“हां…,” उसने कहा, “आप हर तरह के दुख में सांत्वना प्रदान करते हैं।”

“अरे! मैडम बोवरी, इस बारे में मुझसे बात मत करो! आज सुबह ही मुझे बास-डियाविल जाना पड़ा था एक गाय के लिए जिसे पेट फूलने की बीमारी थी; उन्हें लगा कि उस पर जादू कर दिया गया है। उनकी हर गाय, किसी न किसी कारण से... ओह, मुझे माफ़ करना! लोंग्यूमारे और बौडेट! धिक्कार है तुम पर! यह सब बंद करो!”

और एक ही छलांग में वह चर्च में घुस गया।

तब तक लड़के ऊँचे मंच के चारों ओर जमा हो गए थे, गायक की कुर्सी पर चढ़ गए थे, प्रार्थना पुस्तक खोल ली थी; कुछ चुपके से पाप स्वीकारोक्ति कक्ष में जाने ही वाले थे। लेकिन पादरी अचानक उन पर टूट पड़ा और दाएं-बाएं थप्पड़ों की बौछार कर दी। उनकी जैकेट के कॉलर पकड़कर, उसने उन्हें ज़मीन से ऊपर उठाया और फिर उन्हें घुटनों के बल गाना गाने की जगह पर ज़ोर से पटक दिया, मानो उन्हें वहीं जड़ देना चाहता हो।

“अच्छा, अब,” उसने एम्मा के पास लौटते हुए कहा, अपना बड़ा कैलिको रूमाल खोलते हुए और उसका एक कोना अपने दांतों के बीच दबाते हुए, “किसान निश्चित रूप से हमारी सहानुभूति के पात्र हैं!”

“दूसरे भी ऐसा ही करते हैं,” उसने जवाब दिया।

“बिल्कुल! उदाहरण के लिए, शहरों में काम करने वाले लोग।”

मेरा मतलब उनसे नहीं था…

मुझे क्षमा करें! लेकिन मैं ऐसी गरीब माताओं को जानती हूँ, जो परिवारों की नेक महिलाएं थीं, मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, सच्ची संत थीं, जिनके पास रोटी का एक टुकड़ा भी नहीं था।

“लेकिन उन महिलाओं का क्या होगा,” एम्मा ने जवाब दिया (बोलते समय उसके होंठों के कोने मुड़ गए), “उन महिलाओं का क्या होगा, महाशय पादरी जी, जिनके पास रोटी तो है, लेकिन कुछ नहीं…”

“सर्दियों में आग,” पुजारी ने कहा।

“अरे! इससे क्या फर्क पड़ता है?”

“क्या! इससे क्या फर्क पड़ता है? मुझे तो ऐसा लगता है, क्या तुम्हें नहीं पता, कि जब कोई गर्म रहता है, और उसका पेट भरा होता है… क्योंकि, सच में…”

“हे भगवान! हे भगवान!” उसने आह भरी।

“क्या आपकी तबीयत ठीक नहीं है?” वह चिंतित चेहरे के साथ पास आते हुए पूछा; “शायद आपने कुछ खा लिया है, उसी की वजह से है, है ना? आपको घर वापस जाकर थोड़ी चाय पी लेनी चाहिए, मैडम बोवरी; इससे आपको आराम मिलेगा; या फिर शायद एक गिलास ठंडा पानी जिसमें थोड़ी भूरी चीनी मिली हो।”

"क्यों?"

और वह किसी सपने से जागने वाली महिला की तरह लग रही थी।

“तुम अपना हाथ माथे पर रख रही थी। मुझे लगा कि तुम्हें चक्कर आ रहा है।”

फिर, याद करते हुए:

“लेकिन आप मुझसे कुछ पूछ रहे थे, है ना? क्या था वो? मुझे याद नहीं आ रहा।”

“मैं? ओह, कुछ नहीं… कुछ नहीं…,” एम्मा ने दोहराया।

और उसकी निगाहें इधर-उधर भटकती हुई धीरे-धीरे चोगा पहने उस बूढ़े व्यक्ति पर आकर टिक गईं। वे दोनों आमने-सामने खड़े होकर, बिना कुछ बोले, एक-दूसरे को निहारने लगे।

“खैर, मैडम बोवरी,” उन्होंने अंत में कहा, “कृपया मुझे क्षमा करें, लेकिन कर्तव्य सर्वोपरि है, आप जानती हैं; मुझे अपने नन्हे-मुन्ने बच्चों का ध्यान रखना है। पहला कम्युनियन नजदीक आ रहा है। मुझे डर है कि हम फिर भी तैयार नहीं होंगे! इसीलिए, एसेंशन के बाद से, मैं उन्हें हर बुधवार को ठीक एक घंटा ज़्यादा देर तक रखता हूँ। बेचारे! उन्हें प्रभु के मार्ग पर चलना सिखाना कभी भी जल्दी नहीं होता, जैसा कि वास्तव में उन्होंने स्वयं अपने दिव्य पुत्र के माध्यम से सलाह दी है… शुभ स्वास्थ्य, मैडम; आपके पति महोदय को मेरा प्रणाम!”

और वह चर्च में गया और दरवाजे पर घुटने टेक दिए।

एम्मा ने उसे चर्च की दोहरी पंक्तियों के बीच गायब होते देखा, वह भारी कदमों से चल रहा था, उसका सिर थोड़ा एक कंधे की ओर झुका हुआ था, उसके हाथ आधे खुले हुए उसके बगल में लटके हुए थे।

फिर वह एक ही झटके में, जैसे कोई मूर्ति धुरी पर खड़ी हो, मुड़ी और घर की ओर चल पड़ी। लेकिन पादरी की कठोर आवाज, बच्चों की साफ आवाजें, अब भी उसके कानों तक पहुँच रही थीं और उसके पीछे गूंजती रहीं:

"क्या आप एक ईसाई हैं?"

“हां, मैं ईसाई हूँ।”

“ईसाई कौन होता है?”

“एक ईसाई वह है जो बपतिस्मा लेता है… बपतिस्मा लेता है… बपतिस्मा लेता है…”

वह रेलिंग पकड़कर सीढ़ियाँ चढ़ी, और जब वह अपने बेडरूम में पहुँची, तो उसने खुद को एक आरामकुर्सी पर आराम से गिरा दिया।

खिड़कियों से आती धुंधली रोशनी धीरे-धीरे लहरों की तरह फीकी पड़ रही थी। अपनी-अपनी जगह पर रखे फर्नीचर के टुकड़े मानो स्थिर हो गए थे और परछाई के सागर में डूबते जा रहे थे। आग बुझ चुकी थी, घड़ी टिक-टिक कर रही थी, और एम्मा को यह देखकर हैरानी हो रही थी कि ये सब चीजें इतनी शांत कैसे हैं जबकि उसके भीतर इतना उथल-पुथल मचा हुआ था। लेकिन खिड़की और सिलाई की मेज के बीच, छोटी बर्थे अपने बुने हुए बूटियों में लड़खड़ाती हुई अपनी माँ तक पहुँचने की कोशिश कर रही थी, उनकी एप्रन की डोरियों को पकड़ने की कोशिश कर रही थी।

“मुझे अकेला छोड़ दो!” एम्मा ने हाथ से उसे धक्का देते हुए कहा।

छोटी बच्ची थोड़ी देर बाद वापस आई, और भी करीब आकर उसके घुटनों के पास बैठ गई; और अपनी बाहों से उन पर झुककर, उसने अपनी बड़ी नीली आँखों से उसकी ओर देखा, जबकि उसके होंठ से साफ लार की एक बूंद एप्रन के रेशम पर गिर गई।

“मुझे अकेला छोड़ दो!” युवती ने फिर से बहुत चिढ़कर कहा।

उसका चेहरा देखकर बच्चा डर गया और चीखने लगा।

"ओह, मुझे अकेला छोड़ दो, क्या तुम नहीं छोड़ोगी!" उसने अपनी कोहनी से उसे धक्का देते हुए कहा।

बर्थे दराजों वाली अलमारी के नीचे, पीतल की फिटिंग से टकराकर गिर पड़ी; उसके गाल पर चोट लग गई; खून बहने लगा। मैडम बोवरी उसे उठाने के लिए दौड़ीं, घंटी का हैंडल तोड़ दिया, नौकर को जोर से पुकारा; और खुद को कोसने ही वाली थीं कि चार्ल्स आ गया। खाने का समय हो गया था, वह घर आ गया था।

“देखो, मेरे प्यारे,” एम्मा ने उससे शांत स्वर में कहा, “बच्ची खेल रही थी और अभी-अभी गिर गई और उसे चोट लग गई है।”

चार्ल्स ने उसे आश्वस्त किया कि यह बिल्कुल भी गंभीर बात नहीं है, और वह कुछ डायचिलॉन (एक प्रकार का पेय) खोजने चला गया।

मैडम बोवरी भोजन कक्ष में नहीं गईं; उन्होंने अपने बच्चे की देखभाल के लिए अकेले रहने पर ज़ोर दिया। फिर, जब उन्होंने उसे सोते हुए देखा, तो उनकी चिंता धीरे-धीरे कम हो गई, और उन्हें खुद पर यह मूर्खता और अच्छाई का एहसास हुआ कि उन्होंने इतनी छोटी सी बात पर इतना परेशान होने दिया। बर्थे अब रो नहीं रही थी। उसकी साँसें अब मुश्किल से सुनाई दे रही थीं, मानो सूती चादर को हिला रही हों। उसकी आधी बंद पलकों के कोनों में कुछ बड़े आँसू जमा हो गए थे, जिनकी पलकों के बीच से दो पीली, धँसी हुई पुतलियाँ दिखाई दे रही थीं; उसके गाल पर चिपका प्लास्टर खिंची हुई त्वचा को एक तरफ खींच रहा था।

“कितना अजीब है,” एम्मा ने सोचा। “बच्चा कितना बदसूरत है!”

जब ग्यारह बजे चार्ल्स फार्मेसी से वापस आया (जहां वह रात के खाने के बाद डायचिलॉन का बचा हुआ हिस्सा लौटाने गया था), तो उसने अपनी पत्नी को पालने के पास खड़ा पाया।

“मैं तुमसे कहता हूँ, सब ठीक हो जाएगा,” उसने उसके माथे पर चुंबन करते हुए कहा। “खुद को परेशान मत करो, मेरी प्यारी, तुम बीमार पड़ जाओगी!”

वह काफी समय से औषधालय में रुका हुआ था। हालाँकि वह बहुत परेशान नहीं लग रहा था, फिर भी महाशय होमेस ने उसे खुश करने और उसका मनोबल बढ़ाने की कोशिश की थी। उन्होंने बचपन को खतरे में डालने वाले विभिन्न खतरों और नौकरों की लापरवाही के बारे में बात की थी। मैडम होमेस को इस बारे में कुछ जानकारी

थी, क्योंकि उनकी छाती पर अभी भी उस कटोरे के निशान थे जिसमें बहुत पहले एक रसोइए ने जलते हुए अंगारे उनकी कमीज पर गिरा दिए थे। वास्तव में, ये अच्छे माता-पिता बहुत सावधानी बरतते थे। चाकू कभी तेज नहीं किए जाते थे, न ही फर्श पर मोम लगाया जाता था। खिड़कियों पर लोहे की जाली लगी थी और अंगीठियों पर मजबूत सलाखें थीं। होमेस के बच्चे, अपनी स्वतंत्रता के बावजूद, किसी की निगरानी के बिना हिल भी नहीं सकते थे; जरा सी भी सर्दी होने पर उनके पिता उन्हें खांसी की दवा पिला देते थे, और चार साल की उम्र पार करने तक, उन्हें बेरहमी से गद्देदार टोपियाँ पहनाई जाती थीं। सच है, यह मैडम होमेस का जुनून था; उसके पति को इस बात से निजी तौर पर बहुत दुख हुआ, क्योंकि उसे बुद्धि के अंगों पर इस तरह के दबाव के प्रभावों का डर था, और कभी-कभी वह इतना बहक जाता था कि उससे कह देता था:

"क्या आप उन्हें कैरिब्स या बोटोकुडोस में बदलने की कोशिश कर रहे हैं?"

इस बीच, चार्ल्स ने कई बार बातचीत में दखल देने की कोशिश की थी।

"मैं आपसे बात करना चाहता हूँ," उसने क्लर्क के कान में धीरे से कहा, जो उससे पहले सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा था।

“क्या उसे कुछ शक हो सकता है?” लियोन ने सोचा। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा और उसका दिमाग अटकलों से भर गया।

अंत में, चार्ल्स ने दरवाजा बंद करके उनसे पूछा कि क्या वे कृपया रूएन जाकर खुद पता लगा सकते हैं कि एक अच्छे डैगरेओटाइप की अलग-अलग कीमतें क्या हो सकती हैं; यह उनकी पत्नी के लिए एक भावुक सरप्राइज था, एक नाजुक श्रद्धांजलि, काले सूट में उनकी अपनी एक तस्वीर। लेकिन वे पहले से ही जानना चाहते थे कि क्या उम्मीद करनी चाहिए; इस तरह की पूछताछ में श्री लियोन को कोई परेशानी नहीं होगी, क्योंकि वे लगभग हर हफ्ते शहर जाते थे।

किसलिए? होमेस को शक था कि यह किसी नौजवान का काम है, कोई साज़िश है। लेकिन वह गलत था; लियोन किसी प्रेम प्रसंग में शामिल नहीं था। वह पहले से कहीं ज़्यादा उदास था, और मैडम लेफ्रैंकोइस ने उसके द्वारा थाली में छोड़े गए भोजन की मात्रा से यह स्पष्ट रूप से महसूस किया। इसके बारे में और जानने के लिए, उन्होंने कर संग्रहकर्ता से पूछताछ की; बिनेट ने घमंडी लहजे में जवाब दिया कि वह पुलिस से वेतन नहीं लेता है।

हालांकि, उनके साथ भोजन करने वाला व्यक्ति उन्हें काफी अजीब लगता था; क्योंकि लियोन अक्सर अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर लेट जाता, अपनी बाहों को फैला लेता और जीवन के बारे में अस्पष्ट रूप से शिकायत करता था।

"समस्या यह है कि आपके पास ध्यान भटकाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं," कर संग्रहकर्ता ने कहा।

“आप किस तरह की बात कर रहे हैं?”

"खैर, तुम्हारी जगह मैं होता तो खराद मशीन रखता!"

“लेकिन मुझे खराद मशीन चलाना नहीं आता,” क्लर्क ने जवाब दिया।

"हाँ, बिल्कुल सही!" बिनेट ने तिरस्कार और संतुष्टि के मिले-जुले भाव से अपनी ठुड्डी सहलाते हुए कहा।

लियोन बिना किसी परिणाम के प्रेम करते-करते थक चुका था; साथ ही, उसे एकरस जीवन जीने से उत्पन्न निराशा भी महसूस होने लगी थी, जिसमें न तो कोई रुचि थी जो उसे दिशा दे सके और न ही कोई आशा जो उसे सहारा दे सके। वह योनविले और वहां के लोगों से इतना ऊब चुका था कि कुछ व्यक्तियों, कुछ घरों को देखकर उसका असहनीय तनाव हो जाता था; और वह फार्मासिस्ट, जो कि एक अच्छा इंसान था, अब उसके लिए पूरी तरह से असहनीय हो गया था। फिर भी, एक नई स्थिति की संभावना उसे जितना आकर्षित करती थी, उतना ही डराती भी थी।

यह आशंका जल्द ही बेचैनी में बदल गई, और उसी क्षण दूर से पेरिस उसे अपनी ओर बुला रहा था, अपने भव्य नृत्य समारोहों और नर्तकियों की हंसी के साथ। चूंकि उसे वहां कानून की पढ़ाई पूरी करनी थी, तो अब क्यों न निकल जाए? उसे रोकने वाला क्या था? और उसने कल्पना में तैयारियां शुरू कर दीं: उसने पहले से ही योजना बना ली कि वह क्या करेगा। उसने मन ही मन अपने लिए एक कमरा सजा लिया। वहां वह एक कलाकार का जीवन व्यतीत करेगा! वह गिटार सीखेगा! उसके पास एक ड्रेसिंग गाउन, एक बास्क बेरेट, नीले मखमली चप्पल होंगे! और वह पहले से ही अपने मेंटलपीस पर रखी दो क्रॉस की हुई तलवारों, एक खोपड़ी और ऊपर लटके गिटार की प्रशंसा कर रहा था।

सबसे मुश्किल काम था उनकी मां की सहमति प्राप्त करना; फिर भी इससे अधिक तर्कसंगत कुछ भी नहीं लग रहा था। यहां तक कि उनके नियोक्ता भी उन्हें किसी अन्य लॉ फर्म में काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे, जहां वे अपने कौशल को और निखार सकते थे। इसलिए, बीच का रास्ता अपनाते हुए, लियोन ने रूएन में सहायक क्लर्क के पद की तलाश की, लेकिन उन्हें कोई पद नहीं मिला, और अंत में उन्होंने अपनी मां को एक लंबा, विस्तृत पत्र लिखा जिसमें उन्होंने तुरंत पेरिस में रहने जाने के कारण बताए। उनकी मां मान गईं।

उसने कोई जल्दी नहीं की। पूरे एक महीने तक, हर दिन हिवर्ट उसके लिए योनविले से रूएन और रूएन से योनविले तक ट्रंक, सूटकेस और पैकेज ले जाती रही; और जब लियोन ने अपने कपड़ों की अलमारी भर ली, अपनी तीन आरामकुर्सियों की गद्दी बदलवा ली, रेशमी शॉल खरीद लिए—दूसरे शब्दों में, उसने दुनिया भर की यात्रा से भी ज़्यादा तैयारियाँ कर लीं—फिर भी वह हफ़्ते दर हफ़्ते टालता रहा, जब तक कि उसे अपनी माँ का

दूसरा पत्र नहीं मिला जिसमें उसे जाने के लिए कहा गया था, क्योंकि वह छुट्टियों से पहले अपनी परीक्षा पास करना चाहता था।

विदाई के आलिंगन का क्षण आने पर, मैडम होमेस रो पड़ीं; जस्टिन सिसकियाँ भर रहा था; होमेस ने, एक मजबूत व्यक्ति होने के नाते, अपनी भावनाओं को छिपाए रखा; उन्होंने अपने मित्र का ओवरकोट स्वयं नोटरी के द्वार तक ले जाने पर जोर दिया; नोटरी को लियोन को अपनी गाड़ी में रूएन ले जाना था। क्लर्क के पास श्री बोवरी को अलविदा कहने के लिए बस थोड़ा सा समय बचा था।

सीढ़ियों के ऊपर पहुँचते ही वह रुक गया, उसकी साँस फूल रही थी। जैसे ही वह अंदर गया, मैडम बोवरी झट से खड़ी हो गईं।

“मैं फिर से यहाँ हूँ!” लियोन ने कहा।

मुझे पूरा यकीन था!

उसने अपने होंठ काट लिए, और उसके शरीर में खून की एक लहर दौड़ गई, जिससे बालों की जड़ों से लेकर कॉलर तक का पूरा शरीर गुलाबी हो गया। वह लकड़ी के पैनल पर एक कंधा टिकाकर खड़ी रही।

“महाशय यहाँ नहीं हैं?” उसने कहा।

वह बाहर है।

उसने फिर कहा:

वह बाहर है।

फिर सन्नाटा छा गया। उन्होंने एक-दूसरे को देखा; और उनके विचार, एक ही पीड़ा में घुलमिलकर, दो कांपते हुए दिलों की तरह एक-दूसरे से लिपट गए।

"अगर मैं कर पाता, तो मैं बर्थे को एक चुंबन देना चाहता," लियोन ने कहा।

एम्मा कुछ सीढ़ियाँ नीचे उतरी और फेलिसिटे को पुकारा।

उसने जल्दी से दीवारों, अलमारियों, चिमनी पर नजर डाली, मानो वह इन सब में प्रवेश करना चाहता हो, इन सबको अपने साथ ले जाना चाहता हो।

लेकिन वह वापस आ गई, और नौकरानी बर्थे को अंदर ले आई, जो एक खिलौने वाली पवनचक्की को रस्सी से उल्टा लटकाकर हिला रही थी।

लियोन ने उसकी गर्दन पर कई बार चुंबन किया।

अलविदा, बेचारी बच्ची! अलविदा, प्यारी नन्ही बच्ची, अलविदा!

और उसने उसे उसकी माँ के पास लौटा दिया।

“इसे यहाँ से ले जाओ,” उसने कहा।

उन्हें अकेला छोड़ दिया गया था।

मैडम बोवरी, पीठ फेरकर, खिड़की के शीशे पर अपना चेहरा टिकाए बैठी थीं; लियोन अपने हाथ में अपनी टोपी पकड़े हुए था और उसे धीरे से अपनी जांघ पर थपथपा रहा था।

“बारिश होने वाली है,” एम्मा ने कहा।

“मेरे पास एक कोट है,” उसने उत्तर दिया।

आह!”

वह मुड़ी, उसकी ठुड्डी झुकी हुई थी और उसका माथा उसकी ओर था। प्रकाश उस पर ऐसे फिसल रहा था मानो वह संगमरमर हो, उसकी भौहों की गोलाई तक; यह जानना असंभव था कि एम्मा दूर क्या देख रही थी या अपने भीतर क्या सोच रही थी।

“अच्छा, तो फिर अलविदा!” उसने आह भरी।

उसने अचानक अपना सिर ऊपर उठाया:

“हाँ, अलविदा… जाओ!”

वे एक-दूसरे की ओर बढ़े; उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया; वह हिचकिचाई।

"तो फिर, अंग्रेज़ी शैली में," उसने हंसने की कोशिश करते हुए अपना हाथ उसे सौंपते हुए कहा।

लियोन ने इसे अपनी उंगलियों के बीच महसूस किया, और उसे ऐसा लगा मानो उसके पूरे अस्तित्व का सार उस नम हथेली में समा रहा हो।

फिर उसने अपना हाथ खोला; उनकी आंखें फिर मिलीं, और वह चला गया।

बाज़ार पहुँचकर वह रुका और एक खंभे के पीछे छिपकर उस सफ़ेद घर को, जिस पर हरे रंग के चार पर्दे लगे थे, आख़िरी बार निहारने लगा। उसे लगा जैसे उसने खिड़की के पीछे, शयनकक्ष में, एक परछाई देखी हो; लेकिन पर्दा, मानो किसी ने उसे छुआ ही न हो, हुक से अपने लंबे तिरछे तहों को धीरे-धीरे हिलाया, फिर पूरी तरह खुल गया और प्लास्टर की दीवार की तरह सीधा लटक गया। लियोन दौड़ पड़ा।

दूर से उसने सड़क पर अपने मालिक की गाड़ी देखी, और उसके बगल में एप्रन पहने एक आदमी घोड़े को पकड़े खड़ा था। होमेस और महाशय गिलौमिन आपस में बातें कर रहे थे। वे उसका इंतज़ार कर रहे थे।

“मुझे गले लगा लो,” दवा विक्रेता ने आँखों में आँसू लिए कहा। “ये लो तुम्हारा ओवरकोट, मेरे प्यारे दोस्त; ठंड से सावधान रहना! अपना ख्याल रखना! ज्यादा काम मत करना!”

“आओ, लियोन, कूद जाओ!” नोटरी ने कहा।

होमेस ने स्प्लैशबोर्ड पर झुककर, सिसकियों से कांपती हुई आवाज में ये दो दुख भरे शब्द कहे:

"यात्रा शुभ हो!"

“शुभ संध्या,” श्री गिलौमिन ने उत्तर दिया। “चलते हैं!” वे चले गए, और होमेस अपने घर की ओर चल पड़ा।

मैडम बोवरी ने अपनी खिड़की बगीचे की ओर खोल रखी थी और वह बादलों को देख रही थीं।

पश्चिम दिशा में, रूएन की ओर, वे बादल जमा होते जा रहे थे और तेज़ी से काले रंग के घुमावदार घेरे बनाते हुए लुढ़क रहे थे। उनके पीछे से सूर्य की लंबी किरणें किसी लटकते हुए पुरस्कार के सुनहरे तीरों की तरह फैल रही थीं, जबकि बाकी का खाली आकाश चीनी मिट्टी की तरह सफेद था। लेकिन हवा के एक झोंके ने चिनार के पेड़ों को झुका दिया और अचानक बारिश होने लगी, जो हरी पत्तियों पर बूँद-बूँद कर रही थी। फिर सूरज दोबारा निकला, मुर्गियाँ चहचहाने लगीं, गौरैया गीली झाड़ियों में अपने पंख फड़फड़ाने लगीं और बजरी पर बहते पानी के पोखर बबूल के गुलाबी फूलों की पंखुड़ियों को बहा ले गए।

“ओह, वह अब तक कितना दूर निकल चुका होगा!” उसने सोचा।

श्रीमान होमेस हमेशा की तरह, रात के खाने के दौरान साढ़े छह बजे आए।

“अच्छा, अच्छा,” उसने बैठते हुए कहा, “तो हमने अपने नौजवान को विदा कर दिया है, है ना?”

“ऐसा ही लगता है!” डॉक्टर ने जवाब दिया।

फिर, अपनी कुर्सी पर घूमते हुए:

और आपके घर में क्या नया है?

“कुछ खास नहीं। बस, आज दोपहर मेरी पत्नी थोड़ी परेशान थी। औरतें, आप जानते ही हैं—छोटी-छोटी बातें भी उन्हें परेशान कर देती हैं! खासकर मेरी पत्नी! और इस बात का विरोध करना गलत होगा, क्योंकि उनका तंत्रिका तंत्र हमारे मुकाबले कहीं ज्यादा संवेदनशील होता है।”

“बेचारा लियोन!” चार्ल्स ने कहा। “पेरिस में उसका क्या हाल होगा?... क्या वह वहाँ के माहौल में ढल पाएगा?”

मैडम बोवरी ने आह भरी।

“अरे वाह!” फार्मासिस्ट ने नाराज़गी भरे लहजे में कहा। “रेस्तरां में पार्टियाँ! कॉस्ट्यूम बॉल! शैंपेन! मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, वह खूब मज़े करेगा।”

“मुझे नहीं लगता कि वह कुछ गलत करेगा,” चार्ल्स ने आपत्ति जताई।

“मैं भी नहीं!” महाशय होमेस ने तुरंत कहा; “हालाँकि उसे दूसरों के साथ जाना ही पड़ेगा, वरना वह जेसुइट जैसा दिखने का जोखिम नहीं उठाएगा। और आपको पता भी नहीं कि लैटिन क्वार्टर में वो नौजवान अपनी

अभिनेत्रियों के साथ किस तरह की ज़िंदगी जीते हैं! खैर, पेरिस में छात्रों को बहुत सम्मान दिया जाता है। अगर उनमें खुद को आकर्षक बनाने की थोड़ी भी प्रतिभा है, तो उन्हें उच्च सामाजिक परिवेश में जगह मिल जाती है, और वास्तव में फाउबर्ग सेंट-जर्मेन की महिलाएं उनसे प्यार करने लगती हैं, जिससे उन्हें बाद में बहुत अच्छी शादियाँ करने का मौका मिल जाता है।"

"लेकिन," डॉक्टर ने कहा, "मुझे चिंता है कि वह उस जगह पर..."

"आप सही कह रहे हैं," दवा विक्रेता ने बीच में टोकते हुए कहा; "यह सिक्के का दूसरा पहलू है! और आपको हमेशा अपनी जेब पर नज़र रखनी चाहिए। उदाहरण के लिए, मान लीजिए आप किसी सार्वजनिक पार्क में हैं; कोई व्यक्ति आपके पास आता है, सजे-धजे, यहाँ तक कि सम्मानित भी, ऐसा व्यक्ति जिसे आप राजनयिक समझेंगे; वह आपसे बात करता है; आप उससे बातचीत में लग जाते हैं; वह आपसे दोस्ती का इज़हार करता है, आपको थोड़ी सी तंबाकू देता है या आपकी टोपी उठा देता है। फिर आप दोनों के बीच दोस्ती बढ़ जाती है; वह आपको किसी कैफ़े में ले जाता है, आपको अपने गाँव वाले घर में आमंत्रित करता है, एक के बाद एक ड्रिंक के बीच आपको तरह-तरह के लोगों से मिलवाता है, और तीन-चौथाई बार, उसका मकसद सिर्फ़ आपका पर्स चुराना या आपको किसी खतरनाक काम में फँसाना होता है।"

"यह सच है," चार्ल्स ने उत्तर दिया; "लेकिन मैं मुख्य रूप से बीमारियों के बारे में सोच रहा था—उदाहरण के लिए टाइफाइड बुखार, जो ग्रामीण इलाकों के छात्रों को होने की संभावना होती है।"

एम्मा सिहर उठी।

"आहार में बदलाव के कारण," फार्मासिस्ट ने सहमति जताते हुए कहा, "और इसके परिणामस्वरूप पूरे शरीर में गड़बड़ी हो गई। और फिर, आप जानते हैं, पेरिस का पानी भी है! और रेस्तरां का खाना, वो सारे मसालेदार व्यंजन जो खून को ज़्यादा गर्म कर देते हैं और चाहे कुछ भी कहा जाए, एक अच्छे स्टू के मुकाबले उनका कोई महत्व नहीं है। मुझे तो हमेशा से घर का बना खाना ही पसंद है: ये ज़्यादा सेहतमंद होता है! उदाहरण के लिए, जब मैं रूएन में फार्मेसी की पढ़ाई कर रहा था, तो मैं एक गेस्ट हाउस में रहता था; मैं प्रोफेसरों के साथ खाना खाता था।"

और वह अपने सामान्य विचारों को व्यक्त करता रहा और अपनी व्यक्तिगत पसंदों को बताता रहा, जब तक कि जस्टिन उसे लेने नहीं आ गया क्योंकि उसके लिए एगनोड बनाना था।

"एक पल की भी राहत नहीं!" वह चिल्लाया। "लगातार काम में लगा रहता हूँ! एक मिनट के लिए भी छुट्टी नहीं ले सकता! मुझे मेहनती घोड़े की तरह खून-पसीना बहाने को मजबूर किया गया है! यह कैसी अंतहीन मेहनत है!"

फिर, जब वह दरवाजे पर था:

“वैसे,” उसने कहा, “क्या तुमने खबर सुनी है?”

"यह क्या है?"

“खैर, इसकी काफी संभावना है,” होमेस ने अपनी भौहें उठाते हुए और अत्यंत गंभीर भाव धारण करते हुए कहा, “कि इस साल सीन इन्फेरियरे का कृषि मेला योनविले-ल’अब्बाये में आयोजित होगा। कम से कम, यही अफवाह चल रही है। आज सुबह अखबार में भी इसके बारे में कुछ छपा था। यह हमारे जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा! लेकिन हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। ठीक है, धन्यवाद; जस्टिन के पास लालटेन है।”

[7]

अगला दिन एम्मा के लिए बेहद निराशाजनक था। सब कुछ एक काले अंधेरे में डूबा हुआ सा लग रहा था, जो बाहरी रूप से अस्पष्ट रूप से छाया हुआ था, और उदासी उसकी आत्मा में उमड़ पड़ी, मानो वीरान हवेली में सर्दियों की हवा की तरह धीमी-धीमी सिसक रही हो। यह उस तरह का शोक था जिसमें आप किसी ऐसी चीज़ के बारे में सोचते हैं जो कभी वापस नहीं आएगी, वह उदासी जो हर काम के खत्म होने पर हावी हो जाती है, वह दर्द जो आपको तब होता है जब कोई नियमित गतिविधि रुक जाती है, जब कोई लंबे समय तक चलने वाला कंपन अचानक बंद हो जाता है।

ला वाउबिसार्ड से लौटने पर, जब उसके मन में क्वाड्रिल्स की धुनें गूंज रही थीं, तो वह एक गहरी उदासी और निराशा से भर गई थी। लियोन फिर से उसके सामने प्रकट हुआ, लंबा, सुंदर, और भी मनमोहक, पहले से कम स्पष्ट; हालांकि वह उससे दूर चला गया था, उसने उसे छोड़ा नहीं था, वह वहीं था, और घर की दीवारों पर मानो उसकी परछाई बनी हुई थी। वह उस कालीन से अपनी नज़रें नहीं हटा पा रही थी जिस पर उसने कदम रखा था, उस खाली फर्नीचर से जिस पर वह बैठा था। नदी अभी भी बह रही थी और धीरे-धीरे अपनी छोटी-छोटी लहरों को चमकते किनारे पर धकेल रही थी। वे कई बार वहाँ गए थे, लहरों की उसी हल्की आवाज़ के साथ, काई से ढके पत्थरों पर। उन्होंने कितनी प्यारी धूप का आनंद लिया था! बगीचे के निचले हिस्से में, अकेले छाया में, कितनी अच्छी दोपहरें बिताई थीं! वह सूखी लकड़ियों से बने स्टूल पर सिर ढके, ज़ोर से पढ़ता था; घास के मैदान से आने वाली ठंडी हवा किताब के पन्नों और मंडप में लगे नास्टर्टियम के फूलों को फड़फड़ाती थी... ओह! वह चला गया—उसके जीवन का एकमात्र आनंद, उसकी खुशी की एकमात्र उम्मीद! जब खुशी उसके सामने थी, तब उसने उसे क्यों नहीं थाम लिया! जब वह उससे दूर जाने लगी, तब उसने उसे दोनों हाथों से, घुटनों के बल बैठकर क्यों नहीं थाम लिया? और उसने लियोन से प्यार न करने के लिए खुद को कोसा; वह उसके होठों के लिए तड़प रही थी। उसके मन में उसके पास दौड़कर जाने, उसकी बाहों में खुद को झोंक देने, यह कहने की तीव्र इच्छा थी: "मैं यहाँ हूँ, मैं तुम्हारी हूँ!" लेकिन इस काम की कठिनाइयों ने एम्मा को पहले ही हतोत्साहित कर दिया, और पछतावे से उसकी इच्छाएँ और भी तीव्र हो गईं।

तब से, लियोन की स्मृति उसकी उदासी के केंद्र में बस गई; वहाँ वह रूसी मैदान की बर्फ पर यात्रियों द्वारा छोड़ी गई आग से भी अधिक चमकती थी। वह उसके पास दौड़ती, उसके बगल में बैठ जाती, बुझने के कगार पर पहुँच चुकी उसकी चिंगारियों को धीरे से हिलाती, उसे फिर से जलाने के लिए चारों ओर कुछ खोजती; और सबसे दूर की यादें, साथ ही सबसे हाल की घटनाएँ, जो वह महसूस कर रही थी और जो वह कल्पना कर रही थी, उसकी क्षीण होती हुई इंद्रिय इच्छाएँ, सुख की उसकी योजनाएँ, जो सूखी शाखाओं की तरह हवा में बिखर

रही थीं, उसका निष्फल सद्गुण, उसकी निराश आशाएँ, उसके घरेलू जीवन का बिखरा हुआ सामान—वह इन सबको समेट लेती, उठाती और अपने दुख को फिर से जगाने के लिए इस्तेमाल करती।

फिर भी आग धीमी पड़ गई, या तो ईंधन खत्म हो जाने के कारण या फिर बहुत अधिक ईंधन डाल दिए जाने के कारण। धीरे-धीरे, प्रेम अनुपस्थिति से बुझ गया, तड़प दिनचर्या में दब गई; और वह प्रज्वलित चमक जिसने उसके फीके आकाश को लाल कर दिया था, छाया में ढक गई और धीरे-धीरे फीकी पड़ गई। अपनी चेतना की सुस्ती में, उसने अपने पति के प्रति घृणा की भावनाओं को अपने प्रेमी के लिए तड़प समझ लिया, नफरत की जलन को स्नेह का पुनर्जन्म समझ लिया; लेकिन चूंकि तूफान जारी रहा और उसका जुनून राख में बदल गया, और चूंकि कोई मदद नहीं आई और सूरज नहीं निकला, रात ने उसे पूरी तरह घेर लिया, और वह एक भयानक, चुभने वाली ठंड में खोई रही।

फिर टोस्टेस के बुरे दिन दोबारा शुरू हो गए। अब वह खुद को पहले से कहीं ज्यादा दुखी महसूस करने लगी थी: क्योंकि दुख के साथ-साथ उसे यह भी यकीन हो गया था कि यह दुख कभी खत्म नहीं होगा।

जिस महिला ने स्वयं से इतने बड़े बलिदान मांगे थे, उसे अपनी सनक पूरी करने की अनुमति अवश्य ही दी जा सकती थी। उसने अपने लिए एक गॉथिक शैली का प्रार्थना कक्ष खरीदा, और अपने नाखूनों को सफेद करने के लिए एक महीने में चौदह फ्रैंक नींबू पर खर्च किए; उसने रूएन से नीले कश्मीरी कपड़े की एक पोशाक मंगवाई; ल्यूरेक्स के यहाँ से उसने सबसे सुंदर स्कार्फ चुना; उसने उसे अपने ड्रेसिंग गाउन के ऊपर कमर पर बांध लिया; और इस तरह सज-धज कर, खिड़कियों के शटर बंद करके, वह हाथ में किताब लिए सोफे पर लेट जाती थी।

वह अक्सर अपने बालों को संवारने का तरीका बदलती रहती थी: वह उन्हें चीनी शैली में, या हल्के घुंघराले बालों में, या आपस में गुंथी हुई चोटियों में सजाती थी; वह अपने सिर के एक तरफ से बालों को अलग करती थी और उन्हें पुरुषों की तरह नीचे की ओर मोड़ लेती थी।

उसने इतालवी भाषा सीखने का फैसला किया: उसने शब्दकोश, व्याकरण की किताब और पर्याप्त मात्रा में सफेद कागज खरीदे। उसने इतिहास और दर्शनशास्त्र का गंभीरता से अध्ययन करने का प्रयास किया। कभी-कभी रात में, चार्ल्स अचानक जाग जाता, जैसे उसे लग रहा हो कि उसे किसी बीमार व्यक्ति के पास बुलाया जा रहा है।

“मैं आ रहा हूँ,” वह बुदबुदाता था।

और यह एम्मा द्वारा दीपक जलाने के लिए माचिस जलाने की आवाज़ थी। लेकिन पढ़ने के साथ-साथ उसका यही हाल था, जैसे उसके टेपेस्ट्री प्रोजेक्ट्स के साथ होता था, जो अभी शुरू ही हुए थे कि उसकी अलमारी में जगह भर गए थे; वह उन्हें उठाती, बीच में छोड़ देती और फिर दूसरे प्रोजेक्ट्स पर लग जाती।

उसके मिजाज ऐसे होते थे कि वह आसानी से अतिरंजित व्यवहार करने के लिए प्रेरित हो सकती थी। एक दिन उसने अपने पति की अवहेलना करते हुए ज़िद की कि वह सचमुच एक बड़े गिलास का आधा हिस्सा ईओ-डी-वी पी सकती है, और जब चार्ल्स ने मूर्खतापूर्ण ढंग से उसे ऐसा करने की चुनौती दी, तो उसने ईओ-डी-वी की आखिरी बूंद तक पी ली।

अपनी चंचलता के बावजूद (योनविल की औरतें इसे यही कहती थीं), एम्मा खुश नहीं दिखती थी, और उसके होंठों के कोने अक्सर उन झुर्रियों से भरे होते थे जो कुंवारी बूढ़ी महिलाओं और नाकाम महत्वाकांक्षाओं वाले लोगों के चेहरों पर दिखती हैं। उसका पूरा शरीर पीला पड़ गया था, जैसे चादर; उसकी नाक की त्वचा नथुनों के आसपास खिंची हुई थी; उसकी आँखें बेजान सी घूरती थीं। क्योंकि उसने अपनी कनपटी पर तीन सफेद बाल देख लिए थे, इसलिए वह बुढ़ापे के बारे में बहुत बातें करती थी।

उसे अक्सर चक्कर आते थे। एक दिन तो उसने खून भी थूका, और जब चार्ल्स ने उसकी देखभाल करते हुए अपनी चिंता दिखाई:

“अरे!” उसने जवाब दिया, “इससे क्या फर्क पड़ता है?”

चार्ल्स अपने कार्यालय में चले गए; और वे अपनी कोहनियों को मेज पर टिकाए, अपने कार्यालय की कुर्सी पर बैठे, मस्तिष्क विज्ञान संबंधी चित्र के नीचे, रोने लगे।

फिर उन्होंने अपनी मां को पत्र लिखकर उन्हें आने के लिए कहा, और साथ में उन्होंने एम्मा के विषय पर लंबी चर्चाएँ कीं।

इसका जवाब क्या था? वे क्या कर सकते थे, क्योंकि वह किसी भी तरह के इलाज से इनकार कर रही थी?

“क्या आपको पता है कि आपकी पत्नी को क्या चाहिए?” मेरी बोवरी ने आगे कहा। “उसे काम करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए, अपने हाथों से काम करने के लिए! अगर उसे दूसरों की तरह अपनी जीविका कमाने के लिए बाध्य किया जाता, तो उसे ये सब भ्रम नहीं होता—ये भ्रम उसके दिमाग में भरी हुई तमाम बातों और उसके आलसी जीवन से पैदा हुए हैं।”

"हालांकि, वह काफी व्यस्त रहती है," चार्ल्स ने कहा।

“अरे! व्यस्त! बताइए किस बात में? उपन्यास पढ़ रहे हैं, बुरी किताबें, धर्म विरोधी किताबें जिनमें वोल्टेयर के भाषणों के साथ पुजारियों का मजाक उड़ाया गया है। लेकिन इन सबका असर तो होता ही है, मेरे प्यारे बच्चे, और जिस व्यक्ति का कोई धर्म नहीं होता, उसका अंत हमेशा बुरा ही होता है।”

इसलिए यह तय किया गया कि एम्मा को उपन्यास पढ़ने से रोका जाएगा। यह योजना आसान नहीं लग रही थी। उस महिला ने यह ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली: जब भी वह रूएन से गुज़रेगी, वह खुद पुस्तकालय के

मालिक के पास जाकर उसे बताएगी कि एम्मा अपनी सदस्यता रद्द कर रही है। अगर इसके बावजूद भी पुस्तक विक्रेता ज़हर बेचने वाले की तरह अपना धंधा जारी रखता है, तो क्या किसी को पुलिस को सूचित करने का अधिकार नहीं होगा?

सास और बहू के बीच विदाई बहुत संक्षिप्त थी। तीन सप्ताह साथ रहने के दौरान उन्होंने औपचारिक अभिवादन और भोजन करते समय और रात को सोने से पहले एक-दूसरे से मिलने पर विनम्रतापूर्वक पूछे गए सवालों के अलावा चार शब्द भी नहीं बोले थे।

मैडम बोवरी सीनियर बुधवार को रवाना हुईं, जो योनविले में बाजार का दिन था।

सुबह से ही चौक गाड़ियों की कतारों से भरा रहता था, सभी गाड़ियाँ ऊपर उठी हुई थीं और उनके डंडे हवा में उठे हुए थे, जो गिरजाघर से लेकर सराय तक घरों के सामने तक फैली हुई थीं। दूसरी ओर कैनवास के स्टॉल लगे थे जिनमें सूती सामान, ऊनी कंबल और मोज़े, घोड़ों के लिए लगाम और नीले रिबन के बंडल बिक रहे थे जिनके सिरे हवा में लहरा रहे थे। अंडों के ढेर और पनीर की छोटी टोकरियों के बीच ज़मीन पर बड़े-बड़े धातु के सामान फैले हुए थे, जिनमें से चिपचिपे भूसे के टुकड़े बाहर निकले हुए थे; अनाज पीसने वाली मशीनों के पास, चपटे पिंजरों में बंद मुर्गियाँ अपनी गर्दनें सलाखों से बाहर निकालती रहती थीं। लोग एक ही जगह पर जमा होकर हिलने को तैयार नहीं थे, कभी-कभी ऐसा लगता था मानो वे फार्मेसी की सामने वाली खिड़की तोड़ देंगे। बुधवार को दुकान कभी खाली नहीं होती थी, और लोग दवाइयाँ खरीदने के लिए नहीं बल्कि सलाह लेने के लिए धक्का-मुक्की करते हुए अंदर घुसते थे, क्योंकि आसपास के गाँवों में श्री होमेस की प्रतिष्ठा इतनी अधिक थी। उनके अटूट आत्मविश्वास ने गाँव वालों को मोहित कर लिया था। वे उन्हें किसी भी असली डॉक्टर से बड़ा डॉक्टर मानते थे।

एम्मा अपनी खिड़की पर कोहनियों के बल टिकी हुई थी (वह अक्सर वहीं बैठती थी: ग्रामीण इलाकों में खिड़की किसी रंगमंच या सार्वजनिक सैरगाह का काम करती है), और वह आसपास के ग्रामीणों की भीड़ को निहारते हुए अपना मनोरंजन कर रही थी, तभी उसकी नज़र हरे मखमली फ्रॉक कोट पहने एक सज्जन पर पड़ी। उन्होंने पीले दस्ताने पहने हुए थे, हालांकि उनके पैरों में भारी गैटर थे; और वह डॉक्टर के घर की ओर जा रहे थे, उनके पीछे एक ग्रामीण व्यक्ति सिर झुकाए और उदास भाव से चल रहा था।

“क्या मैं आपसे मिल सकता हूँ, महाशय?” उसने जस्टिन से पूछा, जो दरवाजे की चौखट पर फेलिसिटे से बात कर रहा था।

और उसे घर का नौकर समझकर:

"उसे बताएं कि ला ह्यूचेट के महाशय रोडोल्फ बौलैंगर यहां हैं।"

नए आए व्यक्ति ने अपने नाम के साथ "ला हुशेट" इसलिए नहीं जोड़ा था कि वह किसी जमींदार का घमंड था, बल्कि इसलिए कि वह अपनी पहचान और स्पष्ट रूप से बता सके। दरअसल, ला हुशेट योनविले के पास स्थित एक जागीर थी, जिसका महल उसने अभी-अभी खरीदा था, साथ ही दो खेत भी थे जिनकी वह खुद खेती करता था, हालांकि उन पर वह ज्यादा मेहनत नहीं करता था। वह अविवाहित था और कहा जाता था कि उसकी आमदनी कम से कम पंद्रह हजार लिवर थी!

चार्ल्स बैठक कक्ष में आया। महाशय बोलेंजर ने अपने आदमी का परिचय कराया, जो खून निकलवाना चाहता था क्योंकि उसे अपने पूरे शरीर में चींटियों के फड़कने जैसा महसूस हो रहा था।

हर तर्क पर उनकी आपत्ति यही होती थी, "इससे मेरा सारा पैसा निकल जाएगा।"

इसलिए बोवरी ने एक पट्टी और एक बेसिन लाने का आदेश दिया और जस्टिन को उसे पकड़ने के लिए कहा। फिर, पहले से ही पीले पड़ चुके ग्रामीण से बात करते हुए:

"डरो मत, मेरे दोस्त।"

“नहीं, नहीं,” दूसरे ने जवाब दिया, “आगे बढ़ो!”

और उसने बड़े ही आत्मविश्वास से अपना मोटा हाथ आगे बढ़ाया। जैसे ही लैंसेट चुभा, खून तेजी से निकला और शीशे पर फैल गया।

“कटोरा पास लाओ!” चार्ल्स ने कहा।

“देखो!” उस देहाती ने कहा। “ऐसा लग रहा है जैसे कोई छोटी सी बसंत आ रही हो! मेरा खून कितना लाल हो गया है! अच्छा संकेत है, है ना?”

स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, "कभी-कभी, उन्हें पहले तो कुछ महसूस नहीं होता, फिर बाद में बेहोशी आ जाती है, खासकर अच्छे स्वास्थ्य वाले लोगों में, जैसे कि मैं।"

ये शब्द सुनते ही उस देहाती ने अपनी उंगलियों में घुमाए जा रहे लैंसेट के डिब्बे को छोड़ दिया। उसके कंधों के झटके से कुर्सी की पीठ चरमरा उठी। उसकी टोपी गिर गई।

बोवरी ने नस पर उंगली रखते हुए कहा, "मुझे यही उम्मीद थी।"

जस्टिन के हाथों में रखा हुआ बर्तन कांपने लगा था; उसके घुटने लड़खड़ाने लगे, उसका चेहरा पीला पड़ गया।

“मेरी पत्नी कहाँ है? एम्मा!” चार्ल्स ने पुकारा।

वह तुरंत सीढ़ियों से नीचे आ गई।

“सिरका!” वह चिल्लाया। “हे भगवान, एक साथ दो!”

और वह इतना उत्तेजित था कि उसे पट्टी लगाने में भी परेशानी हो रही थी।

"कुछ नहीं है," महाशय बोलेंजर ने शांत भाव से कहा और जस्टिन को अपनी बाहों में भर लिया।

और उसने उसे मेज पर बिठा दिया, उसकी पीठ दीवार से टिका दी।

मैडम बोवरी ने उसकी टाई उतारना शुरू किया। उसकी कमीज़ की डोरियों में एक गांठ थी; कुछ मिनटों तक उन्होंने अपनी कोमल उंगलियों से लड़के की गर्दन को सहलाया; फिर उन्होंने अपने कैम्ब्रिक रूमाल पर थोड़ा सिरका डाला; उससे उन्होंने धीरे-धीरे थपथपाकर उसकी कनपटी को गीला किया और उस पर हल्की सी फूँक मारी।

गाड़ीवान को होश आ गया; लेकिन जस्टिन बेहोशी की हालत में ही रहा, और उसकी पुतलियाँ सफेदी में धंसती जा रही थीं, जैसे दूध में नीले फूल।

"हमें यह बात उससे छुपानी चाहिए," चार्ल्स ने कहा।

मैडम बोवरी ने बेसिन उठाया। जैसे ही वह झुककर उसे मेज के नीचे रखने लगीं, उनकी पोशाक (वह गर्मियों की पोशाक थी, जिसमें चार झालरें थीं, पीली, कमर से लंबी और स्कर्ट चौड़ी) कमरे के पत्थर के फर्श पर फैल गई; और जैसे ही एम्मा झुकी और थोड़ा सा डगमगाई, अपनी बाहें फैलाईं, कपड़ा उनके शरीर के आकार के अनुसार जगह-जगह फूला और फैला। वह पानी का जग लेने गईं और उसमें चीनी के टुकड़े पिघला रही थीं कि फार्मासिस्ट आ गया। नौकर शोर-शराबे में उसे ढूंढने गया था; अपने छात्र को आँखें खुली देखकर उसने गहरी साँस ली। फिर, उसके चारों ओर घूमकर उसने उसे ऊपर से नीचे तक देखा।

“बेवकूफ!” उसने कहा। “तुम छोटे बेवकूफ! सचमुच! बेवकूफ, f-o-o-l लिखा जाता है! ये तो कमाल की बात है, है ना—खून निकालना! तुम्हारे जैसा तगड़ा आदमी, जिसे किसी चीज से डर नहीं लगता! ज़रा इसे देखो—गिलहरी की तरह, ये ऊपर चढ़कर मेवे नीचे गिराता है। अरे वाह! बोलो, अपनी बड़ाई करो! आगे चलकर फार्मासिस्ट बनने की कितनी बढ़िया काबिलियत तुममें है; तुम्हें पता है, किसी गंभीर मामले में तुम्हें न्यायाधिकरण के सामने पेश होना पड़ सकता है, मजिस्ट्रेटों को समझाने के लिए; और तुम्हें अपना संयम बनाए रखना होगा, समझदारी से बोलना होगा, खुद को एक मर्द साबित करना होगा, वरना तुम्हें मूर्ख समझा जाएगा!”

जस्टिन ने कोई जवाब नहीं दिया। दवा विक्रेता ने आगे कहा:

“तुम्हें किसने बुलाया? तुम तो हमेशा ही महोदया और महोदया को परेशान करती रहती हो! वैसे भी, बुधवार को तुम्हारी मौजूदगी मेरे लिए बेहद ज़रूरी है। अभी घर पर बीस लोग हैं। मैंने तुम्हारी चिंता में सब कुछ छोड़ दिया है। अब चलो! जल्दी करो! वहीं मेरा इंतज़ार करो और जारों पर नज़र रखो!”

जब जस्टिन, जो अपना सामान वापस पहन रहा था, चला गया, तो उन्होंने बेहोशी के दौरों के बारे में थोड़ी बातचीत की। मैडम बोवरी को कभी बेहोशी का दौरा नहीं पड़ा था।

“एक महिला के लिए यह असाधारण बात है!” श्री बोलेंजर ने कहा। “दरअसल, कुछ लोग बहुत संवेदनशील होते हैं। उदाहरण के लिए, एक द्वंद्वयुद्ध में, मैंने एक गवाह को पिस्तौल लोड होने की आवाज सुनकर ही बेहोश होते देखा था।”

“मैं स्वयं तो दूसरों का खून देखकर जरा भी विचलित नहीं होता; लेकिन अपना खून बहाने का ख्याल ही मुझे बेहोश कर सकता है, अगर मैं इसके बारे में ज्यादा सोचूं तो।”

इसी बीच, महाशय बोलेंजर ने अपने नौकर को यह कहते हुए विदा कर दिया कि अब जब उसकी इच्छा पूरी हो गई है, तो वह निश्चिंत हो जाए।

उन्होंने आगे कहा, "इससे मुझे आपसे परिचित होने का लाभ मिला है।"

और बोलते समय वह एम्मा की ओर देख रहा था।

फिर उसने मेज के कोने पर तीन फ्रैंक रखे, लापरवाही से झुककर अभिवादन किया और चला गया।

वह जल्द ही नदी के दूसरी ओर था (यही वह रास्ता था जिससे वह ला हुशेट वापस लौटा); और एम्मा ने उसे घास के मैदान में चिनार के पेड़ों के नीचे चलते हुए देखा, वह बीच-बीच में धीमा हो रहा था, मानो कोई गहरी सोच में डूबा हो।

“वह बहुत अच्छी है!” वह मन ही मन सोच रहा था; “वह डॉक्टर की पत्नी कितनी अच्छी है! सुंदर दांत, काली आंखें, सुडौल पैर और पेरिस की किसी महिला जैसी काया। आखिर वह कहां से आई? उस घिनौने आदमी ने उसे कहां से ढूंढा?”

श्री रोडोल्फ बोलेंजर चौंतीस वर्ष के थे; उनका स्वभाव कठोर और बुद्धि तीव्र थी; वे अनेक स्त्रियों को जानते थे और उन्हें परखने में माहिर थे। यह स्त्री उन्हें सुंदर लगी थी; इसलिए वे उसके और उसके पति के बारे में सोच रहे थे।

मुझे लगता है वो बहुत बेवकूफ है। वो शायद उससे तंग आ चुकी है। उसके नाखून गंदे हैं और दाढ़ी तीन दिन पुरानी है। वो अपने मरीजों के पास जाता है, और वो घर पर मोजे सिलती रहती है। और हम ऊब गए हैं! हम शहर में रहना चाहते हैं, हर रात पोल्का डांस करना चाहते हैं! बेचारी! वो रसोई की मेज पर पानी के लिए तड़पती मछली की तरह प्यार के लिए तड़प रही है। तीन मीठी तारीफों से वो मुझे अपना दीवाना बना लेगी, मुझे पूरा यकीन है! कितना अच्छा होगा! कितना प्यारा! … हाँ, लेकिन बाद में उस औरत से छुटकारा कैसे पाएँगे?

और इसलिए, अपनी खुशी के रास्ते में आने वाली बाधाओं की एक झलक ने उन्हें इसके विपरीत अपनी प्रेमिका के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया। वह रूएन की एक अभिनेत्री थी, जिसका वह भरण-पोषण कर रहे थे; और जब उन्होंने उसकी छवि पर विचार किया, जिसने उन्हें, यहां तक कि स्मरण में भी, तृप्ति की भावना दी:

"आह," उसने सोचा, "मैडम बोवरी उससे कहीं ज़्यादा सुंदर और तरोताज़ा हैं! वर्जिनी तो सचमुच मोटी होती जा रही है। उसकी ये हरकतें कितनी उबाऊ हैं! और उसे झींगों से कितना लगाव है!"

आसपास का इलाका सुनसान था, और उसके चारों ओर रोडोल्फ को केवल घास के नियमित रूप से उसके जूतों से टकराने की आवाज सुनाई दे रही थी, और दूर से जई के नीचे छिपे झींगुरों की चहचहाहट सुनाई दे रही थी; उसने एम्मा को उसी कमरे में फिर से देखा, उसी तरह के कपड़ों में जैसे उसने उसे पहले देखा था, और उसने उसके कपड़े उतार दिए।

"मैं उसे लेकर रहूंगा!" वह चिल्लाया और अपने सामने पड़ी मिट्टी के ढेले पर डंडे से प्रहार करके उसे कुचल दिया।

और उन्होंने तुरंत इस कार्य के सामरिक पहलू का विश्लेषण किया। उन्होंने खुद से पूछा:

"मिलने की जगह कहाँ होगी? सब कैसे होगा? वो शरारती बच्चा तो हर पल सिर पर चिपका रहेगा, और नौकरानी, पड़ोसी, पति, हर तरह की परेशानी! छी!" उसने कहा, "इसमें बहुत समय लग जाएगा!"

फिर उन्होंने दोबारा बोलना शुरू किया:

"बात ये है कि उसकी आँखें तीखे तीर की तरह दिल में उतर जाती हैं। और वो पीला रंग! ... मुझे गोरी औरतें कितनी पसंद हैं!"

जब तक वह अर्गिल पहाड़ी की चोटी पर पहुंचा, तब तक उसने अपना मन बना लिया था।

"अब बस अवसरों की तलाश करनी है। ठीक है, मैं समय-समय पर वहाँ जाता रहूँगा, उन्हें कुछ शिकार, कुछ मुर्गी भेजूँगा; ज़रूरत पड़ने पर अपना खून भी निकलवा लूँगा; हम दोस्त बन जाएँगे, मैं उन्हें अपने घर बुलाऊँगा... हाँ, बिल्कुल! हाँ, ज़रूर!" उन्होंने आगे कहा, "मेला आने वाला है; वह वहाँ होगी; मैं उससे मिलूँगा। हम एक शुरुआत करेंगे, एक साहसिक शुरुआत। यही सबसे कारगर तरीका है।"

[8]

अंततः वह दिन आ ही गया, प्रसिद्ध कृषि मेले का! इस विशेष अवसर की सुबह, सभी नगरवासी अपने-अपने दरवाजों पर तैयारियों के बारे में बातें कर रहे थे; नगर भवन के अग्रभाग को लताओं से सजाया गया था; एक खेत में भोज के लिए तंबू लगाया गया था; और, चौक के बीचोंबीच, गिरजाघर के सामने, एक प्राचीन तोप जैसी दिखने वाली तोप प्रीफेक्ट के आगमन और पुरस्कार विजेता किसानों के नामकरण का संकेत देने के लिए रखी गई थी। बुची से राष्ट्रीय रक्षक दल (योनविले में कोई नहीं था) अग्निशमन दल में शामिल होने के लिए आया था, जिसका कप्तान बिनेट था। उस दिन उसने हमेशा की तरह ऊँचा कॉलर पहना हुआ था; और उसकी छाती, जो उसकी कमीज में कसकर बंद थी, इतनी अकड़ी हुई और गतिहीन थी कि ऐसा लग रहा था मानो उसकी सारी शक्ति उसके दोनों पैरों में समा गई हो, जो एक ही गति में लयबद्ध कदमों से ऊपर उठ रहे थे। कर संग्रहकर्ता और कर्नल के बीच प्रतिस्पर्धा होने के कारण, दोनों अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए अपने-अपने आदमियों को अलग-अलग युद्धाभ्यास करा रहे थे। लाल कंधे के बैज और काले कवच बारी-बारी से आगे-पीछे आते-जाते दिखाई दे रहे थे। इसका कोई अंत नहीं था, और यह बार-बार शुरू होता रहता था! ऐसा भव्य प्रदर्शन पहले कभी नहीं देखा गया था! एक दिन पहले कई नगरवासियों ने अपने घर धोए थे; आधी खुली खिड़कियों से तिरंगे झंडे लटक रहे थे; सभी सराय भरी हुई थीं; और सुहावने मौसम में, कड़क कड़क टोपी, सोने के क्रॉस और बहुरंगी फिचू बर्फ से भी अधिक सफेद चमक रहे थे, तेज धूप में जगमगा रहे थे, और अपने बिखरे रंगों से फ्रॉक कोट और नीले फ्रॉक की नीरसता को दूर कर रहे थे। आसपास के क्षेत्रों की किसान पत्नियां, अपने घोड़ों से उतरने के बाद, दाग-धब्बों के डर से अपने कपड़ों को शरीर से सटाकर रखने वाली बड़ी पिन निकाल रही थीं; जबकि उनके पति, इसके विपरीत, अपनी टोपियों को बचाने के लिए, एक रूमाल को अपने दांतों के बीच दबाकर रखे हुए थे। गांव के दोनों छोरों से भीड़ मुख्य सड़क पर आ रही थी। वे गलियों, संकरी सड़कों, घरों से होकर अंदर आ रहे थे, और कभी-कभार सूती दस्ताने पहने कोई महिला उत्सव देखने के लिए बाहर आती थी और दरवाजे पर दस्तक देती सुनाई देती थी। खास तौर पर दो लंबे त्रिकोणीय फ्रेम, जिन पर रंगीन कांच के छोटे-छोटे तेल के दीपक रखे थे, लोगों को बहुत पसंद आ रहे थे। ये फ्रेम उस चबूतरे के दोनों ओर लगे थे जिस पर अधिकारी बैठने वाले थे। टाउन हॉल के चार स्तंभों के सहारे चार खंभे जैसे ढांचे भी थे, जिन पर हरे रंग के कपड़े का एक छोटा बैनर लगा था जिस पर सुनहरे अक्षरों में कुछ लिखा था। एक पर "वाणिज्य", दूसरे पर "कृषि", तीसरे पर "उद्योग" और चौथे पर "ललित कला" लिखा था।

लेकिन सभी चेहरों पर चमकती खुशी सराय की मालकिन मैडम लेफ्रांकोइस के चेहरे पर उदासी की छाया डाल रही थी। अपनी रसोई की सीढ़ियों पर खड़ी होकर वह अपनी ठुड्डी में मुंह दबाकर कुछ बुदबुदा रही थी:

“क्या बेवकूफी है! क्या बेवकूफी है ये लोग और उनका वो तंबू! क्या उन्हें सच में लगता है कि प्रीफेक्ट को सर्कस के जोकर की तरह तंबू के नीचे खाना खाने में मज़ा आएगा? वे कहते हैं कि ये सारा हंगामा हमारे ज़िले की भलाई के लिए है! तो फिर एक घटिया रसोइए के लिए न्यूफ़चैटल तक क्यों गए! और ये किसके लिए है, वैसे भी —चरवाहों के लिए! आवारा लोगों के लिए!…”

दवा विक्रेता आया। उसने काला फ्रॉक कोट, नैन्कीन पतलून, बीवर की चमड़ी के जूते और, आश्चर्य की बात है, एक टोपी पहन रखी थी - एक नीची टोपी।

“आपका सेवक!” उसने कहा; “क्षमा करें, मुझे जल्दी है।”

और जब उस हृष्टभुलैया विधवा ने उससे पूछा कि वह कहाँ जा रहा है:

"यह आपको हास्यास्पद लगता है, है ना, क्योंकि मैं आमतौर पर अपनी प्रयोगशाला में उस बूढ़े आदमी के चूहे की तरह बंद रहता हूँ जो उसके पनीर में बंद रहता है।"

“आप किस पनीर की बात कर रहे हैं?” सराय मालिक ने पूछा।

“कोई बात नहीं, कोई बात नहीं! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता!” होमेस ने आगे कहा। “मैं तो बस आपको, मैडम लेफ्रांकोइस, यह बताना चाह रहा था कि मैं आम तौर पर अपने घर में ही एकांत में रहता हूँ। लेकिन आज, परिस्थितियों को देखते हुए, वास्तव में…”

“अरे! तुम वहाँ जा रहे हो?” उसने तिरस्कार भरी नज़र से कहा।

“जी हां, मैं हूं,” फार्मासिस्ट ने आश्चर्यचकित होकर जवाब दिया; “मैं सलाहकार समिति का सदस्य हूं, है ना?”

मेरे लेफ्रांकोइस ने कुछ क्षणों तक उन्हें निहारने के बाद मुस्कुराते हुए उत्तर दिया:

“ये तो अलग बात है! लेकिन खेती-बाड़ी से तुम्हारा क्या लेना-देना है? क्या तुम्हें इसके बारे में कुछ पता है?”

“निश्चित रूप से मैं इसके बारे में कुछ जानता हूँ, क्योंकि मैं एक फार्मासिस्ट हूँ, यानी एक रसायनज्ञ! और चूंकि रसायन विज्ञान का उद्देश्य, मैडम लेफ्रांकोइस, सभी प्राकृतिक पदार्थों की पारस्परिक और आणविक क्रिया का ज्ञान है, इसलिए यह स्पष्ट है कि कृषि इसके दायरे में आती है! और वास्तव में, खाद की संरचना, तरल पदार्थों का किण्वन, गैसों का विश्लेषण और हानिकारक उत्सर्जन का प्रभाव—मैं आपसे पूछता हूँ, यह सब क्या है, यदि शुद्ध और सरल रसायन विज्ञान नहीं है?”

सराय मालिक ने कोई जवाब नहीं दिया। होमेस ने आगे कहा:

“क्या आपको लगता है कि कृषि वैज्ञानिक बनने के लिए आपको खुद मिट्टी जोतनी या मुर्गीपालन करना ज़रूरी है? नहीं—लेकिन आपको इसमें शामिल पदार्थों की संरचना, भूवैज्ञानिक परतें, वातावरण के प्रभाव, मिट्टी, खनिज, पानी की गुणवत्ता, विभिन्न पदार्थों का घनत्व और उनके केशिका आकर्षण को समझना ज़रूरी है! और

इसी तरह। आपको स्वच्छता के सभी सिद्धांतों की गहरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि आप इमारतों के निर्माण, पशुओं के पालन-पोषण और नौकरों के खान-पान की निगरानी और समीक्षा कर सकें! आपको, मैडम लेफ्रैंकोइस, वनस्पति विज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए; पौधों में अंतर करने में सक्षम होना चाहिए, यह बताना आना चाहिए कि कौन से पौधे स्वास्थ्यवर्धक हैं और कौन से हानिकारक, कौन से अनुत्पादक हैं और कौन से पौष्टिक, क्या उन्हें इस जगह से उखाड़कर वहाँ बोना उचित है, इन्हें उगाना और दूसरों को नष्ट करना; संक्षेप में, आपको पुस्तिकाओं और सार्वजनिक समाचार पत्रों को पढ़कर नवीनतम विज्ञान से अवगत रहना चाहिए, आपको हमेशा सक्रिय रहना चाहिए, और यह बताने के लिए तैयार रहना चाहिए कि कौन से सुधार आवश्यक हैं। ..."

सराय मालिक कैफे फ़्रांसे के दरवाजे को लगातार घूर रहा था। फार्मासिस्ट ने आगे कहा:

“काश हमारे किसान रसायनज्ञ होते, या कम से कम वैज्ञानिकों की सलाह पर थोड़ा ध्यान देते! उदाहरण के लिए, मैंने खुद हाल ही में एक बहुत ही प्रभावशाली छोटी सी रचना लिखी है, जो बहत्तर पृष्ठों से अधिक लंबी है, जिसका शीर्षक है ‘साइडर, इसकी निर्माण प्रक्रिया और इसके प्रभाव; साथ ही इस विषय पर कुछ नए विचार’, जिसे मैंने रूएन की कृषि सोसायटी को भेजा था; और जिसके कारण मुझे इसके सदस्यों—कृषि अनुभाग, फल विज्ञान विभाग—में शामिल होने का सम्मान भी मिला; खैर, अब अगर मेरी यह रचना आम जनता के लिए उपलब्ध होती तो…”

लेकिन फार्मासिस्ट रुक गया, क्योंकि मैडम लेफ्रांकोइस काफी मग्न लग रही थीं।

“इन्हें देखो!” उसने कहा; “समझ से परे है! ये तो बिल्कुल ही छोटा-सा गड्ढा है!”

और अपने कंधों को सिकोड़ते हुए, जिससे उसके स्वेटर के टांके उसकी छाती पर कस गए, उसने दोनों हाथों से अपनी प्रतिद्वंदी की दुकान की ओर इशारा किया, जहाँ से अब गाने की आवाज़ आ रही थी।

“खैर, यह ज्यादा देर तक नहीं रहेगा,” उसने आगे कहा; “कुछ और दिन और फिर यह खत्म हो जाएगा।”

होमेस आश्चर्य से पीछे हट गया। वह अपनी तीन सीढ़ियाँ उतरी और उसके कान में बोली:

“क्या! तुम्हें नहीं पता? वे इस हफ्ते उसका कारोबार बंद करने वाले हैं। ल्यूरेक्स ही उसे बेचने के लिए मजबूर कर रहा है। उसने उसे झूठे वादों के जाल में फंसाकर बर्बाद कर दिया है।”

"कितनी भयानक आपदा है!" फार्मासिस्ट चिल्लाया, जो हर संभव परिस्थिति के अनुरूप भाव व्यक्त करने के लिए हमेशा तैयार रहता था।

और फिर सराय मालकिन ने उसे वह कहानी सुनाना शुरू किया, जो उसने श्री गिलौमिन के नौकर थियोडोर से सुनी थी, और यद्यपि वह टेलियर से घृणा करती थी, उसने ल्यूरेक्स को दोषी ठहराया। वह एक धूर्त और चापलूस था।

“आह! देखो—” उसने कहा, “वो रहा, बाजार में; वो मैडम बोवरी को प्रणाम कर रहा है; उन्होंने हरी टोपी पहनी हुई है। और उन्होंने मिस्टर बोलेंजर का हाथ पकड़ रखा है।”

“मैडम बोवरी!” होमेस ने कहा। “मुझे जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए। शायद उन्हें प्रांगण में, प्रांगण के नीचे बैठना अच्छा लगे।”

और मेरे लेफ्रांकोइस की बात सुने बिना, जो उसे और जानकारी देने के लिए वापस बुला रही थीं, फार्मासिस्ट तेज़ी से कदम बढ़ाते हुए, होठों पर मुस्कान लिए, और घुटनों को सीधे आगे की ओर रखते हुए, दाएं-बाएं ढेर सारी शुभकामनाएँ देते हुए और अपने काले कोट के बड़े-बड़े घेरों से काफी जगह घेरते हुए आगे बढ़ गया, जो हवा में उसके पीछे लहरा रहे थे।

रोडोल्फ ने उसे दूर से ही देख लिया था, इसलिए उसने अपनी गति बढ़ा दी; लेकिन मैडम बोवरी हांफ रही थीं; इसलिए उसने अपनी गति धीमी कर दी और मुस्कुराते हुए, एक क्रूर स्वर में उनसे कहा:

"मैं उस बदतमीज़ आदमी से बचने की कोशिश कर रहा था—मतलब, वो फार्मासिस्ट।"

उसने अपनी कोहनी से उसे हल्का सा धक्का दिया।

“इसका क्या मतलब है?” उसने सोचा।

और चलते-चलते वह तिरछी नजरों से उसे देखता रहा।

उसका चेहरा इतना शांत था कि उससे कुछ भी अंदाजा लगाना मुश्किल था। तेज रोशनी में, उसके सिर पर बनी टोपी के अंडाकार घेरे में, उसका चेहरा निखर रहा था, जिसकी हल्की पट्टियाँ सरकंडे की पत्तियों जैसी लग रही थीं। उसकी लंबी, घुमावदार पलकों वाली आँखें सामने की ओर देख रही थीं, और खुली होने के बावजूद, उसकी कोमल त्वचा के नीचे धीरे-धीरे धड़कते रक्त के कारण, गालों की हड्डियों से थोड़ी सिकुड़ी हुई प्रतीत हो रही थीं। उसकी नाक के नथुनों के बीच की झिल्ली हल्के गुलाबी रंग की थी। उसने अपना सिर कंधे की ओर झुका रखा था, और उसके होठों के बीच से उसके सफेद दाँतों के मोती जैसे सिरे दिखाई दे रहे थे।

“क्या वह मेरा मजाक उड़ा रही है?” रोडोल्फ ने सोचा।

लेकिन एम्मा का वह इशारा महज एक चेतावनी था; क्योंकि महाशय ल्यूरेक्स उनके साथ-साथ चल रहे थे, और वे समय-समय पर उनसे बात करते थे, मानो बातचीत शुरू करने के लिए।

“कितना शानदार दिन है! सब लोग बाहर निकले हुए हैं! हवा पूरब से चल रही है!”

और मैडम बोवरी ने मुश्किल से ही उसे कोई जवाब दिया, न ही रोडोल्फ ने, जबकि उनके जरा से हिलने-डुलने पर भी कपड़े का व्यापारी करीब आ जाता और कहता, "माफ़ कीजिए?" और अपनी टोपी को छूता।

जब वे लोहार की दुकान के सामने थे, तो रोडोल्फ ने गेट तक पूरी सड़क पर चलने के बजाय अचानक एक रास्ते पर मुड़ गया, और मैडम बोवरी को भी अपने साथ खींच लिया; वह चिल्लाया:

अलविदा, श्री ल्यूरेक्स! आपसे मिलकर अच्छा लगा!

"आपने उसे कैसे बर्खास्त कर दिया!" उसने हंसते हुए कहा।

उन्होंने उत्तर दिया, “दूसरों को जबरदस्ती अंदर आने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए? और चूंकि आज मुझे आपके साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त है…”

एम्मा शरमा गई। उसने अपना वाक्य पूरा नहीं किया। फिर उसने सुहावने मौसम और घास पर चलने के सुखद अनुभव के बारे में बताया। कुछ देर से दिखने वाली ऑक्सआई मछलियाँ भी दिखाई दी थीं।

“इन खूबसूरत डेज़ी फूलों को देखो,” उसने कहा। “यहाँ आस-पास की सभी प्रेम में डूबी लड़कियों के लिए ये काफी अच्छे संकेत हैं।”

उन्होंने आगे कहा:

“क्या मुझे एक चुनना चाहिए? आपका क्या विचार है?”

"क्या तुम प्यार में हो?" उसने थोड़ा खांसते हुए पूछा।

“खैर! कौन जाने!” रोडोल्फ ने जवाब दिया।

मैदान धीरे-धीरे भर रहा था, और गृहणियाँ अपने बड़े-बड़े छातों, टोकरियों और छोटे बच्चों के साथ आपसे टकराती रहती थीं। अक्सर, नीली मोज़े, चप्पू और चाँदी की अंगूठियाँ पहने, दूध की खुशबू से महकती हुई, ग्रामीण महिलाओं की लंबी कतार के सामने से रास्ता देना पड़ता था। वे हाथ पकड़कर चलती थीं और इस तरह एस्पेन पेड़ों की कतार से लेकर भोज तम्बू तक पूरे मैदान को पार कर जाती थीं। लेकिन अब निर्णय का समय आ गया था, और एक-एक करके किसान खंभों पर टिकी एक लंबी रस्सी से बने अखाड़े में प्रवेश कर रहे थे।

जानवर वहाँ मौजूद थे, उनकी नाकें रस्सी की ओर मुड़ी हुई थीं, उनके असमान पिछले हिस्से एक टेढ़ी-मेढ़ी रेखा बना रहे थे। ऊंघते हुए सूअर अपनी थूथनों से ज़मीन खोद रहे थे; बछड़े रंभा रहे थे; भेड़ें मिमिया रही थीं; गायें, एक पैर अंदर की ओर मोड़े, घास पर अपना पेट फैलाए धीरे-धीरे जुगाली कर रही थीं और अपने चारों ओर भिनभिनाती मक्खियों के बीच अपनी भारी पलकें झपका रही थीं। नंगे हाथों वाले गाड़ीवान उछलते हुए घोड़ों की लगाम पकड़े हुए थे जो अपनी चौड़ी नाक से घोड़ियों की ओर हिनहिना रहे थे, घोड़ियाँ शांत थीं, अपने सिर फैलाए और लटकते अयाल लिए हुए थीं जबकि उनके बच्चे उनकी छाया में आराम कर रहे थे या कभी-कभी

उनसे दूध पीने आते थे; और इन सभी एकत्रित शरीरों के लंबे उतार-चढ़ाव के ऊपर, कोई हवा में एक लहर की तरह उठते हुए सफेद अयाल, या ऊपर की ओर निकले हुए नुकीले सींग, और दौड़ते हुए आदमियों के सिर देख सकता था। बाड़े के एक कोने में, सौ कदम दूर, एक बड़ा काला बैल मुंह पर जाली और नाक में लोहे का छल्ला पहने खड़ा था, मानो किसी कांस्य प्रतिमा की तरह स्थिर। फटे-पुराने कपड़ों में लिपटा एक बच्चा उसे रस्सी से पकड़े हुए था।

इसी बीच, दोनों पंक्तियों के बीच, सज्जनों का एक समूह भारी कदमों से आगे बढ़ रहा था, प्रत्येक जानवर का निरीक्षण कर रहा था, फिर धीमी आवाज़ में आपस में सलाह-मशविरा कर रहा था। उनमें से एक, जो अधिक महत्वपूर्ण प्रतीत हो रहा था, चलते-चलते एक नोटबुक में कुछ नोट्स लिख रहा था। यह जूरी के अध्यक्ष थे: महाशय डेरोज़ेरेज़ डे ला पैनविले। जैसे ही उन्होंने रोडोल्फ़ को पहचाना, वे फुर्ती से आगे आए और दोस्ताना मुस्कान के साथ उनसे कहा:

"महाशय बोलेंजर, आप हमें क्यों छोड़ रहे हैं?"

रोडोल्फ ने विरोध करते हुए कहा कि वह थोड़ी देर में आ जाएगा। लेकिन जब अध्यक्ष चले गए:

“ओह, नहीं,” उसने कहा। “सचमुच मैं जल्दी नहीं आ पाऊंगा; मुझे किसी भी दिन उसकी संगति से ज़्यादा आपकी संगति पसंद है।”

मेले का मज़ाक उड़ाते हुए भी, रोडोल्फ़ ने पुलिसकर्मी को अपना नीला कार्ड दिखाया ताकि वे और अधिक आज़ादी से घूम सकें, और वह बीच-बीच में कुछ आकर्षक व्यक्तियों के सामने रुक भी जाता था, जिसे मैडम बोवरी ज़्यादा पसंद नहीं करती थीं। उसने यह देखा और फिर योनविले की महिलाओं और उनके पहनावे पर मज़ाक करने लगा; फिर उसने अपने पहनावे की लापरवाही के लिए उनसे माफ़ी मांगी। साधारण और सुरुचिपूर्ण का वह बेमेल मिश्रण, जिसे आम तौर पर आम लोग एक विलक्षण जीवनशैली, अराजक जुनून, कला के अत्याचारी आदेशों और सामाजिक रीति-रिवाजों के प्रति एक निश्चित अवमानना का प्रमाण मानते हैं, या तो उन्हें आकर्षित करता है या उन्हें चिढ़ाता है। इस प्रकार, उसकी प्लीटेड कफ़ वाली कैम्ब्रिक कमीज़ का सीना, उसकी ग्रे ट्विल बनियान के खुले हिस्से में हवा लगने से फूल गया, और उसकी चौड़ी धारीदार पतलून से टखनों पर उसके पेटेंट चमड़े के बने नीची नानकीन बूट दिखाई दे रहे थे। वे इतने पॉलिश किए हुए थे कि उनमें घास का प्रतिबिंब दिख रहा था; और उनमें वह घोड़े के गोबर को पैरों से रौंद रहा था, एक हाथ जैकेट की जेब में था और उसकी पुआल की टोपी एक तरफ झुकी हुई थी।

उन्होंने आगे कहा, "इसके अलावा, जब आप ग्रामीण इलाके में रहते हैं..."

"यह सब व्यर्थ का प्रयास है," एम्मा ने कहा।

“बिल्कुल सही!” रोडोल्फ ने जवाब दिया। “ज़रा सोचिए—इन भले लोगों में से एक को कोट की कटिंग तक समझ नहीं आती!”

फिर उन्होंने प्रांतीय जीवन की साधारणता के बारे में बात की, कि यह कितना घुटन भरा था, और किसी के भ्रमों के लिए कितना घातक था।

“और इसलिए मैं स्वयं भी,” रोडोल्फ ने कहा, “ऐसी उदासी में डूब जाता हूँ…”

“तुम!” वह आश्चर्यचकित होकर बीच में बोली। “लेकिन मुझे लगा कि तुम बहुत खुश थे।”

“हाँ, ऐसा लगता है, क्योंकि जब मैं दूसरे लोगों के साथ होता हूँ, तो मैं अपने चेहरे को व्यंग्य के मुखौटे के पीछे छिपा लेता हूँ; और फिर भी कितनी बार, चाँदनी रात में कब्रिस्तान को देखकर, मैंने खुद से पूछा है कि क्या मेरे लिए वहाँ जाकर सो रहे लोगों के साथ शामिल हो जाना बेहतर नहीं होगा…”

“ओह! और तुम्हारे दोस्त?” उसने कहा। “तुम उनके बारे में नहीं सोच रहे हो।”

“मेरे दोस्त? कौन से? क्या मेरे कोई दोस्त हैं भी? मेरी परवाह कौन करता है?”

और इन आखिरी शब्दों के साथ ही उन्होंने अपने होठों के बीच एक सीटी जैसी आवाज निकाली।

लेकिन उन्हें पीछे हटना पड़ा क्योंकि उनके पीछे एक आदमी कुर्सियों का एक बड़ा ढेर लेकर चल रहा था। वह इतना बोझ ढो रहा था कि उसके लकड़ी के जूतों की नोकें और उसके दोनों हाथों के सिरे ही दिखाई दे रहे थे, जो उसके सामने सीधे फैले हुए थे। वह लेस्टिबूडोइस था, जो कब्र खोदने वाला था, और चर्च से कुर्सियों को लोगों की भीड़ के बीच से ला रहा था। अपने स्वार्थों से जुड़ी किसी भी चीज़ में वह बहुत ही कल्पनाशील था, और उसने मेले से लाभ कमाने का यह तरीका खोज निकाला था; और उसका यह विचार सफल रहा, क्योंकि चारों ओर से लोग उसे घेर रहे थे—गर्मी से बेहाल ग्रामीण वास्तव में अगरबत्ती की खुशबू से महकती इन पुआल की कुर्सियों के लिए आपस में झगड़ रहे थे, और वे मोमबत्तियों से निकले मोम से सने मजबूत तख्तों पर श्रद्धापूर्वक झुक रहे थे।

मैडम बोवरी ने एक बार फिर रोडोल्फ का हाथ पकड़ लिया; वह मानो खुद से बात कर रहा था:

“हाँ! मैंने कितनी सारी चीज़ें खो दी हैं! मैं कितना अकेला रहा हूँ! आह! काश, जीवन में कोई लक्ष्य होता, काश मुझे किसी का प्यार मिला होता, काश मुझे कोई मिल गया होता… ओह, मैं अपनी सारी ऊर्जा लगा देता, मैं हर चीज़ पर विजय प्राप्त कर लेता, हर चीज़ जीत लेता!”

“लेकिन मुझे तो ऐसा लगता है,” एम्मा ने कहा, “कि तुम दया के पात्र नहीं हो।”

“ओह? आपको ऐसा लगता है?” रोडोल्फ ने कहा।

“क्योंकि… खैर…,” उसने आगे कहा, “आप स्वतंत्र हैं।”

वह हिचकिचाई:

"अमीर।"

“मेरा मजाक मत उड़ाओ,” उसने जवाब दिया।

और वह कसम खा रही थी कि वह उसका मजाक नहीं उड़ा रही है, तभी तोप की आवाज गूंजी; तुरंत ही सब लोग अफरा-तफरी में गांव की ओर भागने लगे।

यह एक झूठी सूचना थी। पुलिस प्रमुख अभी तक नहीं आए थे; और जूरी के सदस्य असमंजस में थे, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कार्यवाही शुरू करें या प्रतीक्षा करते रहें।

अंततः, चौक के दूसरी ओर, एक बड़ी किराए की लैंडौ गाड़ी दिखाई दी, जिसे दो पतले घोड़े खींच रहे थे और सफेद टोपी पहने एक कोचवान उन्हें तेज़ी से चाबुक मार रहा था। बिनेट के पास केवल इतना ही समय था कि वह चिल्लाए, "लाइन में लगो!" और कर्नल ने भी उसका अनुकरण किया। लोग राइफलों के ढेर की ओर दौड़ पड़े। वे उन पर टूट पड़े। कुछ तो अपने कॉलर भी भूल गए। लेकिन प्रीफेक्ट की गाड़ी और घोड़ों ने शायद स्थिति को भांप लिया था, और पतली जंजीर पर इधर-उधर झूलते हुए, घोड़े धीरे-धीरे टाउन हॉल के बरामदे के सामने आकर रुके, ठीक उसी समय जब राष्ट्रीय गार्ड और अग्निशमन दल वहाँ तैनात हो रहे थे और ढोल की थाप पर मार्च कर रहे थे।

“समय का इंतज़ार करो!” बिनेट चिल्लाया।

“रुको!” कर्नल चिल्लाया। “बाईं ओर मुड़ो!”

और हथियारों को प्रस्तुत करने की एक रस्म के बाद, जिसमें राइफल की पट्टियों की खड़खड़ाहट सीढ़ियों से नीचे लुढ़कते तांबे के कड़ाहे की तरह सुनाई दे रही थी, सभी राइफलों को नीचे कर दिया गया।

फिर उन्होंने देखा कि गाड़ी से एक सज्जन उतर रहे हैं, जिन्होंने चांदी की कढ़ाई वाला छोटा कोट पहना हुआ है, माथे पर बाल नहीं हैं, सिर के ऊपरी हिस्से पर बाल गुंथे हुए हैं, चेहरा पीला पड़ गया है और चेहरे पर अत्यंत सौम्य भाव है। उन्होंने भीड़ को देखने के लिए अपनी बड़ी, भारी पलकों वाली आंखें आधी बंद कर लीं, साथ ही अपनी नुकीली नाक ऊपर उठाई और अपने धंसे हुए होंठों को मुस्कुराहट में बदल दिया। उन्होंने मेयर को उनके कमरबंद से पहचान लिया और उन्हें बताया कि प्रीफेक्ट नहीं आ पाए हैं। वे स्वयं एक प्रीफेक्चरल काउंसलर हैं। फिर उन्होंने कुछ बहाने बनाए; तुवाचे ने उनका विनम्रतापूर्वक जवाब दिया; दूसरे ने अपनी भावनाओं को अभिभूत बताया; और वे इसी तरह आमने-सामने खड़े रहे, उनके माथे लगभग एक-दूसरे से छू रहे थे, और उनके चारों ओर जूरी के सदस्य, नगर परिषद के सदस्य, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, राष्ट्रीय रक्षक दल और भीड़ मौजूद थी। पार्षद ने अपनी छोटी काली त्रिकोणीय टोपी को अपनी छाती पर टिकाते हुए, अपने अभिवादन को

दोहराया, जबकि तुवाचे, धनुष की तरह झुककर, बारी-बारी से मुस्कुराया, हकलाया, शब्दों की तलाश की, राजशाही के प्रति अपनी निष्ठा और योनविले को दिए जा रहे सम्मान को स्वीकार करने का विरोध किया।

सराय में काम करने वाला नौकर हिप्पोलिटे, कोचवान से घोड़ों की लगाम लेने के लिए आगे आया और लंगड़ाते हुए, अपने टेढ़े पैर से चलते हुए, उन्हें लायन डी'ओर के द्वार से अंदर ले गया, जहाँ कई ग्रामीण लोग गाड़ी को देखने के लिए जमा हुए थे। ढोल बजा, तोप की गड़गड़ाहट हुई, और सज्जन लोग मैडम तुवाचे द्वारा उधार दी गई लाल उट्रेक्ट मखमल की कुर्सियों पर बैठकर चबूतरे पर आ गए।

ये सभी पुरुष एक जैसे दिखते थे। उनके कोमल, गोरे चेहरे, जो धूप से थोड़े सांवले हो गए थे, मीठे साइडर के रंग के थे, और उनकी घनी मूंछें ऊंचे, कड़े कॉलर से बाहर निकली हुई थीं, जिन्हें चौड़े धनुषों से बंधी सफेद टाई से सीधा रखा गया था। हर बनियान मखमल की थी, शॉल की तरह; हर घड़ी के एक लंबे रिबन के सिरे पर कार्नेलियन से बनी कोई अंडाकार मुहर लगी थी; और हर आदमी अपने हाथों को अपनी जांघों पर टिकाए, अपनी पतलून के क्रॉच को ध्यान से खींच रहा था, जिसका सख्त कपड़ा उसके मजबूत जूतों के चमड़े से भी ज्यादा चमक रहा था।

पार्टी की महिलाएं पीछे, बरामदे के नीचे, स्तंभों के बीच में बैठी रहीं, जबकि आम लोगों की भीड़ सामने खड़ी या कुर्सियों पर बैठी थी। दरअसल, लेस्टिबूडोइस उन सभी लोगों को ले आया था जिन्हें उसने मैदान से बाहर निकाला था, और वह और लोगों को लाने के लिए बार-बार चर्च जा रहा था, जिससे उसके काम के कारण इतनी भीड़भाड़ हो गई थी कि किसी के लिए भी चबूतरे तक जाने वाली छोटी सी सीढ़ियों तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो गया था।

"मेरा मानना है," महाशय ल्यूरेक्स ने (अपनी सीट पर जाते हुए उनके पास से गुजर रहे फार्मासिस्ट को संबोधित करते हुए) कहा, "कि उन्हें वहां वेनिस शैली के दो मस्तूल लगाने चाहिए थे: अगर उन पर कुछ भव्य और शानदार चीज़ लटकी होती, तो यह एक बहुत ही सुंदर दृश्य होता।"

“बिल्कुल,” होमेस ने उत्तर दिया। “लेकिन आप क्या उम्मीद कर सकते हैं! मेयर ने सब कुछ अपने हाथ में ले लिया है। बेचारे तुवाचे में ज़रा भी कलात्मक समझ नहीं है, और सच तो यह है कि उसमें कलात्मक बोध नाम की कोई चीज नहीं है।”

इसी बीच, रोडोल्फ, मैडम बोवरी के साथ, टाउन हॉल की दूसरी मंजिल पर स्थित परिषद कक्ष में चले गए, और चूंकि वह खाली था, उन्होंने कहा कि यहाँ वे तमाशा अधिक आराम से देख सकेंगे। उन्होंने राजा की प्रतिमा के नीचे स्थित अंडाकार मेज के चारों ओर से तीन स्टूल उठाए और उन्हें एक खिड़की के पास लाकर वे अगल-बगल बैठ गए।

मंच पर कुछ हलचल मची हुई थी, फुसफुसाहटें और कानाफूसी हो रही थी। अंत में पार्षद खड़े हुए। अब वे जान चुके थे कि उनका नाम लियूवेन है, और भीड़ में एक-दूसरे ने उनका नाम दोहराया। कई पन्नों को ध्यान से देखने और उन्हें अच्छी तरह समझने के बाद, उन्होंने बोलना शुरू किया:

“सज्जनों,

“क्या मुझे सबसे पहले (आज की सभा के उद्देश्य के बारे में आप सभी से बात करने से पहले, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी इस भावना से सहमत होंगे)—क्या मुझे सबसे पहले उच्च प्रशासन, सरकार, सम्राट, सज्जनों, हमारे संप्रभु, उस प्रिय राजा को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनुमति दी जा सकती है, जिनके लिए सार्वजनिक या निजी समृद्धि का कोई भी पहलू उदासीन नहीं है, और जो एक साथ इतने दृढ़ और बुद्धिमान हाथ से तूफानी समुद्र के निरंतर खतरों के बीच राज्य के रथ का मार्गदर्शन करते हैं, और साथ ही शांति, युद्ध, उद्योग, वाणिज्य, कृषि और ललित कलाओं के प्रति सम्मान प्राप्त करना जानते हैं।”

रोडोल्फ ने कहा, "मुझे वास्तव में थोड़ा पीछे हट जाना चाहिए।"

“क्यों?” एम्मा ने कहा।

लेकिन इस क्षण पार्षद की आवाज असाधारण रूप से ऊँची हो गई। वह जोर से बोल रहे थे:

“वह समय बीत चुका है, सज्जनों, जब नागरिक अशांति ने हमारे सार्वजनिक चौकों को रक्तपात में डुबो दिया था, जब जमींदार, व्यापारी, यहाँ तक कि मजदूर भी रात को शांतिपूर्ण नींद में सोते समय इस डर से कांपते थे कि कहीं उन्हें आग लगाने वाले अलार्म की आवाज से बेरहमी से जगा न दिया जाए, जब सबसे विध्वंसक सिद्धांत निडरता से नींव को कमजोर कर रहे थे…”

“क्योंकि,” रोडोल्फ ने आगे कहा, “मुझे नीचे से देखा जा सकता है; और फिर मुझे अगले दो हफ्तों तक माफी मांगनी पड़ेगी, और मेरी खराब प्रतिष्ठा को देखते हुए…”

“ओह, तुम खुद अपनी बदनामी कर रही हो!” एम्मा ने कहा।

"नहीं, नहीं, यह बेहद शर्मनाक है, मैं कसम खाता हूँ।"

“लेकिन, सज्जनों,” पार्षद ने आगे कहा, “यदि मैं इन निराशाजनक तस्वीरों को अपने मन से निकाल दूं और अपने सुंदर राष्ट्र की वर्तमान स्थिति पर ध्यान दूं, तो मुझे क्या दिखाई देता है? व्यापार और कलाएं हर जगह फल-फूल रही हैं; हर जगह संचार की नई लाइनें, राज्य के शरीर में कई नई धमनियों की तरह, नए संबंध स्थापित कर रही हैं; हमारे महान विनिर्माण केंद्रों ने अपनी गतिविधियां फिर से शुरू कर दी हैं; धर्म, जो अब और अधिक दृढ़ता से स्थापित है, हर दिल में मुस्कुरा रहा है; हमारे बंदरगाह भरे हुए हैं, हमारा आत्मविश्वास फिर से जागृत हो गया है, और फ्रांस अंततः फिर से सांस ले रहा है!…”

“इसके अलावा,” रोडोल्फ ने आगे कहा, “शायद, समाज के दृष्टिकोण से, वे सही हो सकते हैं?”

“तुम्हारा मतलब क्या है?” उसने पूछा।

“क्यों, क्या तुम नहीं जानते,” उसने कहा, “कि ऐसी आत्माएँ भी होती हैं जो अंतहीन पीड़ा सहती हैं? वे कभी सपने देखने के लिए प्रेरित होती हैं, कभी कर्म करने के लिए, कभी शुद्धतम भावनाओं का अनुभव करने के लिए, फिर चरम सुखों का अनुभव करने के लिए, और इस तरह वे हर तरह की कल्पना, हर तरह की मूर्खता में खुद को झोंक देती हैं।”

फिर उसने उसकी ओर इस तरह देखा जैसे कोई पौराणिक भूमि की यात्रा कर चुके यात्री को देखता है, और उसने कहा:

“हम जैसी गरीब महिलाओं के पास तो मनोरंजन का वो साधन भी नहीं है!”

"यह एक दुखद भटकाव है, क्योंकि इसमें खुशी नहीं मिलती।"

“लेकिन क्या कोई कभी खुशी पा सकता है?” उसने पूछा।

“ओह, हाँ, एक दिन आपको यह मिल ही जाएगा,” उसने उत्तर दिया।

“और यही बात आप समझ चुके हैं,” पार्षद कह रहे थे। “आप किसान और खेतिहर मजदूर; आप सभ्यता के लिए इतने आवश्यक प्रयास में लगे शांतिप्रिय अग्रदूत! आप प्रगति और नैतिकता के प्रतीक! मैं कहता हूँ, आप समझ चुके हैं कि राजनीति के तूफान वास्तव में वायुमंडल की हलचलों से भी कहीं अधिक भयावह हैं…”

“एक दिन अचानक ही आपको वो मिल जाता है,” रोडोल्फ ने दोहराया, “एक दिन, अचानक ही, जब आप उससे पूरी तरह निराश हो चुके होते हैं। फिर नए क्षितिज खुल जाते हैं; ऐसा लगता है जैसे कोई आवाज़ पुकार रही हो, ‘यह रहा!’ आपको उस व्यक्ति को अपना पूरा जीवन सौंपने, उसे सब कुछ देने, उसके लिए सब कुछ कुर्बान करने की ज़रूरत महसूस होती है! आपको कुछ भी समझाने की ज़रूरत नहीं होती; आप एक-दूसरे के विचारों को भांप लेते हैं। आप दोनों ने एक-दूसरे को सपनों में देखा होता है।” (और वह उसे देख रहा था।) “आखिरकार, वह खजाना जो आप इतने लंबे समय से खोज रहे थे, आपके सामने है; यह चमक रहा है, दमक रहा है। फिर भी आपको इस पर शक होता है, आप इस पर विश्वास करने की हिम्मत नहीं करते; आप अब भी इससे चकित हैं, मानो आप अंधेरे से प्रकाश में आ रहे हों।”

और जैसे ही उन्होंने बोलना समाप्त किया, रोडोल्फ़ ने अपने शब्दों में हावभाव का पुट जोड़ा। उन्होंने चक्कर आने पर जैसे किसी व्यक्ति को चक्कर आ रहा हो, वैसे ही अपना हाथ अपने चेहरे पर फेरा; फिर उन्होंने उसे एम्मा के हाथ पर रख दिया। एम्मा ने अपना हाथ पीछे खींच लिया। लेकिन पार्षद अभी भी पढ़ रहे थे:

“और भला किसे आश्चर्य होगा, सज्जनों? केवल उसी को जो इतना अंधा है, इतने गहरे (मैं यह कहने से नहीं डरता) – इतने गहरे पूर्वाग्रहों में डूबा हुआ है कि वह अभी भी हमारी किसान आबादी की भावना को समझने में असमर्थ है। वास्तव में, ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक देशभक्ति, जनहित के प्रति अधिक समर्पण, और संक्षेप में कहें तो, अधिक बुद्धिमत्ता कहाँ मिल सकती है? और बुद्धिमत्ता से मेरा तात्पर्य सतही बुद्धिमत्ता से नहीं है, जो आलसी दिमागों का व्यर्थ अलंकरण है, बल्कि उस गहन और तर्कसंगत बुद्धिमत्ता से है जो सर्वोपरि रूप से उपयोगी लक्ष्यों की प्राप्ति में लगी रहती है, इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण, सभी के उत्थान और राज्य के संरक्षण में योगदान देती है, जो कानून के प्रति सम्मान और कर्तव्य पालन का फल है…”

“आह! फिर से!” रोडोल्फ ने कहा। “ये लोग हमेशा कर्तव्य की बात करते रहते हैं—मैं इस शब्द से ऊब चुका हूँ। ये सब फलालैन की बनियान पहने बूढ़े बकवास करने वाले हैं, पैरों में वार्मर और माला लिए चर्च की मुर्गियाँ हैं जो हमेशा हमारे कानों में गाती रहती हैं: ‘कर्तव्य! कर्तव्य!’ हे भगवान! हमारा कर्तव्य है महान चीजों को महसूस करना, सुंदरता को संजोना—न कि समाज की सभी परंपराओं को स्वीकार करना, और उनसे होने वाले अपमानों को सहना।”

“और फिर भी… और फिर भी…,” मैडम बोवरी ने आपत्ति जताई।

“नहीं! भावनाओं के विरुद्ध क्यों बड़बड़ाना? क्या वे ही धरती पर एकमात्र सुंदर चीज नहीं हैं, वीरता, उत्साह, कविता, संगीत, कला - वास्तव में, हर चीज का स्रोत नहीं हैं?”

लेकिन फिर भी,” एम्मा ने कहा, “हमें समाज की राय पर कुछ ध्यान देना होगा और उसकी नैतिकता का पालन करना होगा।”

“अरे! दरअसल, दो तरह की नैतिकताएं होती हैं,” उसने जवाब दिया। “एक तो तुच्छ, पारंपरिक, इंसानों द्वारा गढ़ी गई, जो बदलती रहती है और इतनी जोर से गरजती है, हमारे बीच शोर मचाती है, बिलकुल साधारण तरीके से, जैसे बाहर मूर्खों का वो जमावड़ा। लेकिन दूसरी, शाश्वत नैतिकता, हमारे चारों ओर और ऊपर फैली हुई है, जैसे हमारे चारों ओर का परिदृश्य और नीला आकाश जो हमें प्रकाश देता है।”

महाशय लियूवेन ने अभी-अभी अपने रुमाल से अपना मुंह पोंछा था। उन्होंने आगे कहा:

“और महोदय, मैं आज यहाँ आप लोगों को कृषि की उपयोगिता का प्रदर्शन करने का साहस क्यों करूँ? हमारी ज़रूरतें कौन पूरी करता है? हमारा भरण-पोषण कौन करता है? क्या यह किसान नहीं है? महोदय, किसान ही है जो अपने परिश्रमी हाथों से हमारे ग्रामीण इलाकों की उपजाऊ क्यारियों में बीज बोता है, गेहूँ को अंकुरित करता है, जिसे कुशल मशीनों द्वारा पीसकर चूरा बनाया जाता है, और फिर उसे हमारे शहरों में पहुँचाया जाता है, जहाँ से वह बेकर के पास पहुँच जाता है, जो उससे गरीबों और अमीरों दोनों के लिए भोजन तैयार करता है।

क्या यह किसान ही नहीं है जो अपने भरपूर पशुओं को चरागाहों में पालकर हमें वस्त्र प्रदान करता है? किसान के बिना हम अपने वस्त्र कैसे पहनेंगे, अपना भोजन कैसे प्राप्त करेंगे? वास्तव में, महोदय, क्या उदाहरणों की तलाश में इतनी दूर जाने की कोई आवश्यकता है? आप में से किसने उस साधारण प्राणी, हमारे मुर्गीखानों की शोभा, जो हमारे बिस्तरों के लिए एक मुलायम तकिया भी प्रदान करता है, से मिलने वाले महान लाभ पर कई बार विचार नहीं किया है?" हमारे खाने की मेजों के लिए रसीला मांस, और अंडे भी? लेकिन अगर मुझे उन सभी अलग-अलग उत्पादों को एक-एक करके गिनना पड़े, जो धरती, जब अच्छी तरह से खेती की जाती है, तो एक उदार माँ की तरह अपने बच्चों पर लुटाती है, तो मैं कभी खत्म नहीं हो पाऊँगी। यहाँ अंगूर का बाग है; वहाँ साइडर का बाग है; वहाँ सरसों है; कहीं और पनीर है; और अलसी—सज्जनों, आइए हम अलसी को न भूलें! जिसकी हाल के वर्षों में काफी वृद्धि हुई है, जिस पर मैं विशेष रूप से आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगी।

उन्हें ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता नहीं थी: क्योंकि भीड़ में हर किसी का मुंह खुला रह गया था, मानो वे उनके शब्दों को ग्रहण करना चाहते हों। उनके बगल में बैठे तुवाचे आंखें फाड़कर सुन रहे थे; महाशय डेरोज़ेरेज़ समय-समय पर चुपचाप अपनी पलकें बंद कर रहे थे; और थोड़ी दूर पर, फार्मासिस्ट, अपने बेटे नेपोलियन को घुटनों के बीच बैठाए हुए, एक भी शब्द न छूटने देने के लिए अपने कान के चारों ओर हाथ रखे हुए थे। जूरी के अन्य सदस्य अपनी सहमति जताने के लिए धीरे-धीरे अपनी ठुड्डी को अपनी बनियान में झुका रहे थे। मंच के नीचे, अग्निशमन दल के सदस्य अपनी संगीनों पर झुके हुए थे; और बिनेट बिना हिले-डुले, कोहनी बाहर निकाले, तलवार की नोक हवा में उठाए खड़े थे। वह शायद सुन तो सकते थे, लेकिन कुछ देख नहीं सकते थे, क्योंकि उनके हेलमेट का विज़र उनकी नाक पर आ रहा था। उनके लेफ्टिनेंट, महाशय तुवाचे के सबसे छोटे बेटे, ने तो अपना विज़र और भी नीचे कर लिया था; क्योंकि उसने इतना बड़ा रुमाल पहन रखा था कि वह उसके सिर पर आगे-पीछे हिल रहा था, जिससे उसके कैलिको रुमाल का किनारा बाहर निकला हुआ था। उसके नीचे वह मासूमियत भरी मुस्कान लिए बैठा था, और उसका पीला-सा छोटा चेहरा, जिस पर नमी की बूँदें चमक रही थीं, नींद भरी खुशी और थकावट का भाव लिए हुए था।

चौक लोगों से खचाखच भरा हुआ था। हर खिड़की पर लोग कोहनियों के बल झुके हुए थे, हर दरवाजे पर खड़े थे, और फार्मेसी की डिस्प्ले विंडो के सामने खड़ा जस्टिन मानो अपनी नज़रों में खोया हुआ था। सन्नाटे के बावजूद, महाशय लियूवेन की आवाज़ हवा में घुल गई। वह शब्दों के टुकड़ों में सुनाई दे रही थी, बीच-बीच में भीड़ में कुर्सियों के खिसकने की आवाज़ आ रही थी; फिर अचानक पीछे से बैल की लंबी गर्जना या गली के कोनों पर मेमनों की मिमियाहट सुनाई देती। क्योंकि चरवाहों ने जानवरों को इतनी पास लाकर रखा था, और वे बीच-बीच में रंभाते हुए अपनी जीभ बाहर निकालकर अपने थूथन पर लटके पत्तों के टुकड़े नोच रहे थे।

रोडोल्फ एम्मा के करीब आ गया था और वह धीमी आवाज में तेजी से कह रहा था:

“क्या समाज की साजिशें आपको परेशान नहीं करतीं? क्या कोई ऐसी भावना है जिसकी वह निंदा न करता हो? सबसे नेक भावनाएं, सबसे पवित्र सहानुभूति, सताई जाती हैं, बदनाम की जाती हैं, और अगर अंत में दो बेचारे एक-दूसरे को पा भी लें, तो उनके मिलन को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है। फिर भी वे कोशिश करेंगे, अपने पंख फड़फड़ाएंगे, एक-दूसरे को पुकारेंगे। अरे, फिर भी! –देर-सवेर, छह महीने में, दस साल में, वे एक साथ आएंगे, एक-दूसरे से प्यार करेंगे, क्योंकि यही नियति की मांग है और वे एक-दूसरे के लिए ही बने हैं।”

वह घुटनों पर हाथ रखकर बैठा था, और एम्मा की ओर चेहरा उठाकर, बहुत पास से उसे टकटकी लगाकर देख रहा था। उसकी काली पुतलियों के चारों ओर सुनहरी लकीरें चमक रही थीं, और उसके बालों में लगे पोमेड की खुशबू भी उसे महसूस हो रही थी। तभी उसे उदासी छा गई; उसे ला वाउबिसार्ड में उसके साथ वाल्ट्ज़ करने वाले विस्काउंट की याद आ गई, जिसकी दाढ़ी से भी उसके बालों जैसी ही वेनिला और नींबू की खुशबू आ रही थी; और उसने सहज ही अपनी पलकें आधी बंद कर लीं ताकि उस खुशबू को अच्छी तरह महसूस कर सके। लेकिन ऐसा करते हुए, कुर्सी पर सीधा होते हुए, उसने दूर क्षितिज पर, पुरानी स्टेजकोच, हिरोंडेल को, लेस ल्यूक्स की पहाड़ी से धीरे-धीरे नीचे उतरते देखा, जो अपने पीछे धूल का एक लंबा गुबार छोड़ रही थी। उसी पीले रंग की गाड़ी में लियोन अक्सर उसके पास लौटता था; और उसी रास्ते से वह हमेशा के लिए चला गया था! उसे लगा कि वह उसे चौक के उस पार, उसकी खिड़की पर देख सकती है; फिर सब कुछ धुंधला हो गया, कुछ बादल छंट गए; उसे ऐसा लग रहा था मानो वह अब भी झूमरों की जगमगाहट में, विस्काउंट की बाहों में, वाल्ट्ज़ नृत्य कर रही हो, और लियोन पास ही था, आ रहा था... फिर भी उसे अपने बगल में रोडोल्फ़ का सिर महसूस हो रहा था। इस अनुभूति की मिठास ने उसकी पुरानी इच्छाओं को फिर से जीवंत कर दिया, और हवा के झोंके के सामने रेत के कणों की तरह, वे उसकी आत्मा में फैल रही सुगंध की हल्की सी महक में चक्कर लगाने लगे। वह बार-बार अपनी नाक खोलकर स्तंभों के चारों ओर फैली लता की ताजगी को महसूस कर रही थी। उसने अपने दस्ताने उतारे, अपने हाथ सुखाए; फिर अपने रूमाल से अपना चेहरा हवा दी, और कनपटी की धड़कन के बीच से वह भीड़ की फुसफुसाहट और पार्षद की आवाज़ को सुन पा रही थी।

वह कह रहा था:

दृढ़ रहो! लगातार प्रयास करते रहो! न तो दिनचर्या के प्रलोभनों को सुनो और न ही लापरवाह अनुभववाद की जल्दबाज़ी भरी सलाहों पर ध्यान दो! सर्वप्रथम मिट्टी को उपजाऊ बनाने, खाद को समृद्ध करने और उत्तम नस्लों - घोड़े, गाय, भेड़ और सूअर - के विकास पर ध्यान दो! यह कृषि मेला तुम्हारे लिए एक ऐसा शांतिपूर्ण मैदान हो, जहाँ विजेता जाते समय पराजित से हाथ मिलाए और उससे भाईचारा जताते हुए अगली बार और

अधिक सफलता की कामना करे! और हे आदरणीय सेवकों! हमारे घरों में काम करने वाले विनम्र श्रमिकों, जिनके कठिन परिश्रम को आज तक किसी भी सरकार ने मान्यता नहीं दी है, आगे आओ और अपने मौन गुणों का प्रतिफल प्राप्त करो, और आश्वस्त रहो कि अब से राज्य की निगाहें तुम पर टिकी हैं, वह तुम्हें प्रोत्साहित करता है, तुम्हारी रक्षा करता है, तुम्हारी न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करेगा और तुम्हारे कठिन बलिदानों के बोझ को यथासंभव कम करेगा!

फिर महाशय लियूवेन बैठ गए; महाशय डेरोज़ेरेज़ खड़े हुए और अपना भाषण शुरू किया। उनका भाषण शायद पार्षद के भाषण जितना अलंकारिक नहीं था; फिर भी, अपनी अधिक सकारात्मक शैली, यानी अधिक विशिष्ट ज्ञान और उच्च विचारों के कारण सम्मान के योग्य था। इस प्रकार, सरकार की प्रशंसा में कम स्थान दिया गया; धर्म और कृषि को अधिक स्थान मिला। दोनों के बीच का संबंध स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था, और यह भी कि कैसे उन्होंने हमेशा सभ्यता में योगदान दिया है। रोडोल्फ़, मैडम बोवरी से सपनों, पूर्वाभास और चुंबकत्व के बारे में बात कर रहे थे। मानव समाज के उद्गम स्थल पर लौटते हुए, वक्ता उन आदिम काल का वर्णन कर रहे थे जब मनुष्य घने जंगलों में बलूत के फल खाकर जीवन यापन करते थे। तब उन्होंने जानवरों की खाल उतार दी थी, कपड़े पहन लिए थे, खेत जोत लिए थे और अंगूर की बेलें लगाई थीं। क्या यह अच्छी बात थी? क्या इस खोज में लाभों से अधिक हानियाँ नहीं थीं? यही वह समस्या थी जिसे महाशय डेरोज़ेरेज़ ने अपने सामने रखा था। चुंबकत्व से शुरू होकर, रोडोल्फ धीरे-धीरे आत्मीयता की ओर बढ़ गया था, और जब अध्यक्ष ने सिंसिनाटस को हल चलाते हुए, डायोक्लेटियन को अपनी गोभी बोते हुए, और चीन के सम्राटों को बीज बोकर नए साल का उद्घाटन करते हुए उद्धृत किया, तो युवक युवती को समझा रहा था कि इन अप्रतिरोध्य आकर्षणों का स्रोत किसी पिछले जन्म में था।

“उदाहरण के लिए, आप और मैं—” वह कह रहा था, “हम क्यों मिले? किस संयोग ने इसे निर्धारित किया? ऐसा अवश्य ही हुआ होगा कि, दो नदियों की तरह जो बीच की दूरी को पार करते हुए एक-दूसरे में मिल जाती हैं, हमारी अपनी विशेष प्रवृत्तियों ने हमें एक-दूसरे की ओर प्रेरित किया।”

और उसने उसका हाथ थाम लिया; उसने अपना हाथ नहीं छुड़ाया।

“सर्वांगीण कृषि के लिए!” अध्यक्ष ने जोर से कहा।

उदाहरण के लिए, कुछ दिन पहले जब मैं आपके घर आया था…

"महाशय बिज़ेट के लिए, क्विनकेम्पोइक्स के-"

क्या मुझे पता था कि मैं तुम्हारे साथ यहाँ आऊँगा?

सत्तर फ्रैंक!

मैंने सौ बार तुम्हें छोड़ने की कोशिश की है, फिर भी मैं तुम्हारे पीछे-पीछे आया हूँ, मैं तुम्हारे साथ ही रहा हूँ।

“खाद के लिए—”

"मैं आज रात, कल, हर दिन, पूरी जिंदगी तुम्हारे साथ रहना चाहूंगा!"

“आर्गुइल के महाशय कैरन को स्वर्ण पदक!”

"इससे पहले मुझे कभी किसी की संगति से इतना अधिक आनंद नहीं मिला।"

"महाशय बैन को, गिवरी-सेंट-मार्टिन को!-"

ताकि मैं तुम्हारी याद को अपने साथ ले जा सकूँ…

“एक मेरिनो भेड़ के लिए…”

“जबकि तुम मुझे भूल जाओगे। मैं एक परछाई की तरह गुजर जाऊंगा।”

"नोट्रे-डेम के महाशय बेलोट को..."

नहीं! क्या मैं तुम्हारे विचारों में, तुम्हारे जीवन में जगह नहीं बना पाऊँगी?

"पोर्सिन नस्ल, पुरस्कार पूर्व एक्को: मेसीयर्स लेहरिसे और कलेमबर्ग को, साठ फ़्रैंक!"

रोडोल्फ ने उसका हाथ दबाया, और उसने महसूस किया कि वह गर्म और कांप रहा है, मानो कोई कैद कबूतर फिर से उड़ जाना चाहता हो; लेकिन चाहे वह उसे मुक्त करने की कोशिश कर रही हो या उस दबाव पर प्रतिक्रिया दे रही हो, उसने अपनी उंगलियां हिलाईं; वह विस्मय से बोला:

“ओह, शुक्रिया! आप मुझे अस्वीकार नहीं कर रहे हैं! आप कितने अच्छे हैं! मैं आपकी हूँ; आप यह जानते हैं! मुझे आपको देखने दीजिए, मुझे आपको निहारने दीजिए!”

खिड़कियों से आती हवा के एक झोंके ने मेज पर बिछे कपड़े को फड़फड़ा दिया, और नीचे चौक में, ग्रामीण महिलाओं के सभी ऊंचे सिर के आभूषण सफेद तितलियों के फड़फड़ाते पंखों की तरह उड़ने लगे।

अध्यक्ष ने आगे कहा, "तिलहन खली का उपयोग।"

वह जल्दी में था:

“तरल खाद … अलसी की खेती … जल निकासी … दीर्घकालिक पट्टे … घरेलू सेवा।”

रोडोल्फ चुप हो गया था। वे एक-दूसरे को निहार रहे थे। तीव्र इच्छा से उनके सूखे होंठ कांप रहे थे; और धीरे से, सहजता से, उनकी उंगलियां आपस में गुंथ गईं।

"सैसेटोट-ला-गुएरिएर की कैथरीन-निकाइस-एलिज़ाबेथ लेरू को एक ही फार्म पर चौवन वर्षों की सेवा के लिए एक रजत पदक - पच्चीस फ़्रैंक मूल्य का!"

“वह कहाँ है—कैथरीन लेरू कहाँ है?” पार्षद ने दोहराया।

वह आगे नहीं आई, और फुसफुसाहट की आवाजें सुनाई दे रही थीं:

"जारी रखें!"

"नहीं।"

"बांई ओर!"

डरो मत!

“अरे, वो कितनी बेवकूफ है!”

"तो, वह यहाँ है या नहीं?" तुवाचे चिल्लाया।

“हाँ! … वो यहाँ है!”

"अच्छा, उसे ऊपर बुलाओ!"

फिर उन्होंने उसे चबूतरे पर चढ़ते देखा: एक डरी हुई, छोटी बूढ़ी औरत जो अपने फटे-पुराने कपड़ों में सिमटी हुई सी लग रही थी। उसके पैरों में मोटे लकड़ी के जूते थे और कमर पर एक बड़ा नीला एप्रन था। बिना किनारों वाली टोपी से घिरा उसका पतला चेहरा, मुरझाए हुए पक्षी से भी ज़्यादा झुर्रियों से भरा हुआ था, और उसकी लाल ब्लाउज की आस्तीनों से उसके दो लंबे, टेढ़े-मेढ़े जोड़ लटक रहे थे। खलिहान की धूल, तीखा वाशिंग सोडा और ऊन की चर्बी ने उन्हें इतना बुरी तरह जमा दिया था, रगड़कर सख्त कर दिया था कि साफ पानी से धोने के बावजूद भी वे गंदे लग रहे थे; और सेवा करने की आदत के कारण, वे आधे खुले रहते थे, मानो अपने द्वारा सहे गए भारी कष्टों की गवाही दे रहे हों। उसके चेहरे पर एक साधु जैसी कठोरता झलक रही थी। उसकी पीली आँखों में न तो कोई उदासी थी और न ही कोई कोमलता। जानवरों के बीच इतना समय बिताने के कारण, उसने उनकी खामोशी और शांति को अपना लिया था। यह पहली बार था जब वह इतने सारे लोगों से घिरी हुई थी; झंडों, ढोलों, काले सूट पहने सज्जनों और पार्षद के लीजन ऑफ ऑनर पदक से भीतरी तौर पर भयभीत होकर, वह पूरी तरह स्थिर खड़ी रही, यह नहीं समझ पा रही थी कि आगे बढ़े या भाग जाए, न ही यह कि भीड़ उसे आगे बढ़ने के लिए क्यों उकसा रही थी और न ही यह कि जूरी के सदस्य उस पर क्यों मुस्कुरा रहे थे। इस प्रकार वह उन मुस्कुराते हुए नागरिकों के सामने खड़ी रही—यह आधी सदी की गुलामी।

"आदरणीय कैथरीन-निकाइस-एलिज़ाबेथ लेरूक्स, इधर आइए!" पार्षद ने कहा, जिन्होंने अध्यक्ष के हाथों से पुरस्कार विजेताओं की सूची ले ली थी।

कागज के पन्ने और बूढ़ी औरत को बारी-बारी से देखते हुए, उसने एक पिता तुल्य स्वर में दोहराया:

इधर आओ, इधर आओ!

"क्या तुम बहरे हो?" तुवाचे ने अपनी कुर्सी से उछलते हुए कहा।

और वह उसके कान में चिल्लाने लगा:

“चौवन साल की सेवा! एक रजत पदक! पच्चीस फ्रैंक! ये आपके लिए है!”

फिर, जब उसे अपना पदक मिल गया, तो उसने उसका अध्ययन किया। अंत में, उसके चेहरे पर एक आनंदमय मुस्कान फैल गई, और उसके जाते समय उसके कुछ बुदबुदाने की आवाज सुनाई दी:

मैं इसे हमारे पादरी को दे दूंगा, ताकि वह मेरे लिए कुछ प्रार्थनाएं कर सकें।

“यह कैसी कट्टरता है!” फार्मासिस्ट ने नोटरी की ओर झुकते हुए कहा।

समारोह समाप्त हो गया; भीड़ तितर-बितर हो गई; और अब जब भाषण पढ़े जा चुके थे, तो हर कोई अपनी सामान्य स्थिति में लौट रहा था, और सब कुछ सामान्य हो रहा था: मालिक नौकरों को धमका रहे थे, और नौकर जानवरों को पीट रहे थे, वे आलसी विजयी नायक अपने सींगों के बीच हरे रंग का मुकुट लिए अस्तबलों की ओर वापस जा रहे थे।

इसी बीच, राष्ट्रीय रक्षक दल टाउन हॉल की दूसरी मंजिल पर पहुँच गया था, उनकी संगीनों पर ब्रियोचे (एक प्रकार की रोटी) टंगी हुई थीं, बटालियन का ढोलक बजानेवाला बोतलों से भरी टोकरी लिए हुए था। मैडम बोवरी ने रोडोल्फ का हाथ थामा; वह उनके साथ घर वापस आया; वे उनके दरवाजे के सामने अलग हो गए; फिर, वह अकेला ही मैदान में टहलने लगा, भोज शुरू होने का इंतजार करने लगा।

दावत लंबी, शोरगुल भरी और बेतरतीब ढंग से परोसी गई थी; लोग इतनी ठसाठस भरे हुए थे कि कोहनी हिलाने में भी मुश्किल हो रही थी, और बेंचों के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे संकरे तख्ते मेहमानों के भार से लगभग टूट गए थे। उन्होंने भरपेट खाया। हर किसी ने अपने हिस्से का भोजन लिया। सबके माथे से पसीना बह रहा था; और लटकते लैंपों के बीच मेज के ऊपर एक सफेद धुंध छाई हुई थी, जैसे शरद ऋतु की सुबह नदी पर छाई रहती है। रोडोल्फ तंबू के कैनवास से पीठ टिकाकर एम्मा के बारे में इतना सोच रहा था कि उसे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। उसके पीछे, लॉन में, नौकर गंदी प्लेटें ढेर कर रहे थे; उसके पड़ोसी बातें कर रहे थे, उसने उन्हें जवाब नहीं दिया; किसी ने उसका गिलास भर दिया, और शोरगुल बढ़ने के बावजूद उसके विचारों पर सन्नाटा छा गया। वह उसके कहे शब्दों और उसके होठों के आकार का सपना देख रहा था; उसका चेहरा, मानो कई जादुई दर्पणों में, शको के बैज से चमक रहा था; उसकी पोशाक की सिलवटें दीवारों पर लटक रही थीं; और प्रेम के दिन भविष्य के नज़ारों में अनंत तक फैले हुए थे।

उस शाम आतिशबाजी के दौरान उसने उसे फिर से देखा; लेकिन वह अपने पति, मैडम होमेस और फार्मासिस्ट के साथ थी, जो इधर-उधर उड़ने वाले रॉकेटों के खतरे को लेकर बहुत चिंतित था; और वह बार-बार दूसरों को छोड़कर बिनेट को सलाह देने जाता रहा।

महाशय तुवाचे के पते पर भेजे गए पटाखे, अत्यधिक सावधानी बरतते हुए, उनके तहखाने में बंद कर दिए गए थे; इसलिए गीला बारूद मुश्किल से ही जला, और मुख्य पटाखा, जिसे अपनी पूंछ काटते हुए अजगर का प्रतीक माना जा रहा था, पूरी तरह से विफल रहा। कभी-कभार, एक दयनीय रोमन कैंडल जल उठती; फिर हैरान भीड़ चीख-पुकार में फूट पड़ती, जिसमें अंधेरे की आड़ में कमर पर गुदगुदी की जा रही महिलाओं की चीखें भी मिली होतीं। एम्मा चुपचाप चार्ल्स के कंधे से लिपटी हुई थी; फिर, अपनी ठुड्डी उठाकर, वह काले आकाश में रॉकेट की रोशनी की लकीर का पीछा करती। रोडोल्फ जलते हुए तेल के दीपों की रोशनी में उसे देख रहा था।

एक-एक करके ये बुझ गए। तारे दिखाई देने लगे। हल्की-हल्की बारिश की बूँदें गिरने लगीं। उसने अपने नंगे सिर पर फिचू बाँध ली।

उसी क्षण, पार्षद की गाड़ी सराय के प्रांगण से निकली। उसका कोचवान, जो नशे में था, तुरंत सो गया; और दूर से गाड़ी के हुड के ऊपर, दो लालटेनों के बीच, उसके शरीर का ढेर, रस्सियों के हिलने-डुलने से दाएं-बाएं झूलता हुआ दिखाई दे रहा था।

“सचमुच,” दवा विक्रेता ने कहा, “नशे की समस्या से सख्ती से निपटना चाहिए! मैं चाहता हूँ कि हर हफ्ते नगर पालिका भवन के दरवाजे पर एक विशेष बोर्ड पर उन सभी लोगों के नाम लिखे जाएँ जिन्होंने हफ्ते भर में शराब पीकर नशा किया हो। साथ ही, आंकड़ों के लिहाज से भी यह एक तरह का सार्वजनिक रिकॉर्ड होगा, जिसका इस्तेमाल ज़रूरत पड़ने पर किया जा सकता है... माफ़ कीजिए!”

और एक बार फिर वह कप्तान के पास दौड़कर गया।

वह व्यक्ति अपने घर जा रहा था। वह अपनी खराद मशीन पर लौट रहा था।

होमेस ने उससे कहा, "शायद इसमें कोई नुकसान नहीं होगा कि तुम अपने किसी आदमी को भेज दो या खुद चले जाओ..."

“मुझे अकेला छोड़ दो,” कर वसूलने वाले ने उत्तर दिया। “चिंता की कोई बात नहीं है!”

“चिंता की कोई बात नहीं,” दवा विक्रेता ने अपने दोस्तों के पास लौटकर कहा। “महाशय बिनेट ने मुझे आश्वासन दिया है कि सभी आवश्यक उपाय कर लिए गए हैं। एक चिंगारी भी नहीं गिरी है। पंप भरे हुए हैं। चलिए घर जाकर सो जाते हैं।”

“हे भगवान! मुझे तो जम्हाई लेनी ही पड़ेगी,” मैडम होमेस ने जोर-जोर से जम्हाई लेते हुए कहा; “लेकिन फिर भी, हमारे मेले के लिए आज का दिन बहुत ही प्यारा रहा।”

रोडोल्फ ने कोमल निगाहों से धीरे से दोहराया:

“ओह, हाँ! बहुत प्यारा!”

और एक-दूसरे से विदा लेकर वे मुड़ गए।

दो दिन बाद, ले फनल डे रूएन में कृषि मेले के बारे में एक लंबा लेख प्रकाशित हुआ। होमेस ने इससे प्रेरित होकर इसे अगले ही दिन लिख डाला:

“ये मालाएँ, ये फूल, ये हार क्यों? ये भीड़ कहाँ जा रही थी, जो उष्णकटिबंधीय सूरज की तेज़ गर्मी में उफनते समुद्र की लहरों की तरह हमारे बंजर खेतों पर दौड़ रही थी?”

इसके बाद उन्होंने देशवासियों की स्थिति के बारे में बात की। बेशक सरकार काफी कुछ कर रही थी, लेकिन पर्याप्त नहीं! उन्होंने प्रशासन को संबोधित करते हुए कहा, “साहसी बनो! हज़ारों सुधार अपरिहार्य हैं, आइए उन्हें लागू करें।” फिर पार्षद के आगमन पर उन्होंने “हमारी सेना के युद्धोन्मादी उत्साह,” “हमारे गाँव की सबसे जोशीली महिलाओं,” और “उपस्थित गंजे बूढ़े पुरुषों, जो सच्चे मुखिया थे, जिनमें से कुछ, हमारी अमर सेनाओं के अवशेष, ढोल की थाप पर एक बार फिर अपने दिलों को धड़काते हुए महसूस कर रहे थे,” का उल्लेख करना नहीं भूला। उन्होंने खुद को जूरी के प्रमुख सदस्यों में से एक बताया, और यहाँ तक कि एक फुटनोट में अपने पाठकों को याद दिलाया कि फार्मासिस्ट श्री होमेस ने कृषि समिति को साइडर पर एक मोनोग्राफ भेजा था। जब पुरस्कार वितरण का समय आया, तो उन्होंने विजेताओं की खुशी को उत्साहपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया। पिता ने पुत्र को, भाई ने भाई को, पति-पत्नी ने गले लगाया। एक से अधिक लोगों ने गर्व से अपना साधारण पदक दिखाया और अपने घर लौटकर, अपनी अच्छी जीवनसाथी के साथ, निःसंदेह, आँखों में आँसू लिए, उसे अपने छोटे से घर की साधारण दीवार पर टांग दिया होगा।

लगभग छह बजे, महाशय लीगार्ड के मैदान में आयोजित भोज में मेले के मुख्य प्रतिभागी एकत्रित हुए। पूरे समय सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। अनेक शुभकामनाएँ दी गईं: महाशय लियूवेन द्वारा सम्राट के सम्मान में! महाशय तुवाचे द्वारा प्रीफेक्ट के सम्मान में! महाशय डेरोज़ेरेज़ द्वारा कृषि के सम्मान में! महाशय होमेस द्वारा उन दो बहनों, उद्योग और ललित कलाओं के सम्मान में! महाशय लेप्लिशे द्वारा सुधारों के सम्मान में! शाम को, आतिशबाजी के एक शानदार प्रदर्शन ने अचानक आकाश को रोशन कर दिया। यह एक वास्तविक बहुरूपदर्शक था, किसी ओपेरा के मंच जैसा, और एक क्षण के लिए हमें लगा जैसे हम 'हजार और एक रात' की कहानियों के किसी स्वप्न में पहुँच गए हों।

"हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि इस पारिवारिक समारोह में कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई जिससे इसमें कोई बाधा उत्पन्न हो।"

और उन्होंने आगे कहा:

“केवल पादरी वर्ग की अनुपस्थिति पर ही ध्यान दिया गया। निःसंदेह चर्च के सदस्य प्रगति को अलग-अलग तरीके से देखते हैं। जैसा आप चाहें, लोयोला के अनुयायियों!”

[9]

छह सप्ताह बीत गए। रोडोल्फे वापस नहीं लौटा। अंततः, एक शाम वह प्रकट हुआ।

मेले के अगले दिन उसने मन ही मन कहा था:

"अभी तुरंत वापस न जाना ही बेहतर होगा—यह एक गलती होगी।"

और सप्ताह के अंत में, वह शिकार पर चला गया। शिकार यात्रा के बाद, उसने सोचा कि बहुत देर हो चुकी है; फिर उसने इस तरह से तर्क दिया:

लेकिन अगर उसने मुझे पहले दिन से ही प्यार किया है, तो वह मुझसे दोबारा मिलने के लिए बेताब होगी, और इसलिए वह मुझे और भी ज्यादा प्यार करेगी। तो चलो आगे बढ़ते हैं!

और जब वह कमरे में दाखिल हुआ और उसने देखा कि एम्मा का चेहरा पीला पड़ गया है, तो उसे पता चल गया कि उसकी गणना सही थी।

वह अकेली थी। दिन ढल रहा था। खिड़कियों पर लगे छोटे मलमल के पर्दों ने गोधूलि बेला को और भी घना कर दिया था, और सूर्य की एक किरण से प्रभावित बैरोमीटर पर लगी सुनहरी परत, मूंगे की दरारों के बीच दर्पण पर ज्वाला जैसी चमक बिखेर रही थी।

रोडोल्फ खड़ा रहा; और एम्मा ने उसकी पहली विनम्र टिप्पणी पर मुश्किल से ही कोई प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा, "मुझे कुछ व्यावसायिक काम निपटाने थे। मैं बीमार भी था।"

“क्या आप गंभीर रूप से बीमार हैं?” उसने हैरानी से कहा।

“खैर,” रोडोल्फ ने उसके बगल में एक स्टूल पर बैठते हुए कहा, “नहीं! … असल बात तो यह है कि मैं वापस आना ही नहीं चाहता था।”

"क्यों?"

क्या आप अनुमान नहीं लगा सकते?

उसने फिर से उसकी ओर देखा, लेकिन इतनी तीव्रता से कि वह शर्म से सिर झुकाकर खड़ी हो गई। उसने आगे कहा:

“एम्मा…”

“महाशय!” उसने थोड़ा पीछे हटते हुए कहा।

“आह! देखो,” उसने उदास स्वर में उत्तर दिया, “वापस न आने की मेरी इच्छा सही थी; क्योंकि वह नाम, वह नाम जो मेरी आत्मा को भर देता है और जो मेरे मुँह से निकल गया—तुम मुझे उसका इस्तेमाल करने से मना

करती हो! मैडम बोवरी! … ओह, सब तुम्हें इसी नाम से पुकारते हैं! … वैसे भी, यह तुम्हारा नाम नहीं है; यह किसी और का है!"

उन्होंने इसे फिर से कहा:

"किसी और को!"

और उसने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया।

"हाँ। मैं तुम्हारे बारे में लगातार सोचता रहता हूँ! … तुम्हारी याद मुझे उदास कर देती है! ओह, मुझे माफ़ कर दो! … मैं तुम्हें अकेला छोड़ देता हूँ… अलविदा! … मैं चला जाता हूँ… इतनी दूर कि तुम मुझे फिर कभी नहीं सुन पाओगे! … और फिर भी… आज… मुझे नहीं पता कि कौन सी शक्ति थी जिसने मुझे तुमसे मिलने के लिए प्रेरित किया! क्योंकि कोई भी नियति के विरुद्ध नहीं लड़ सकता, कोई भी देवदूत की मुस्कान का विरोध नहीं कर सकता! कोई भी सुंदर, आकर्षक, मनमोहक चीज़ से प्रभावित होने से खुद को रोक नहीं सकता!"

एम्मा ने पहली बार ऐसी बातें सुनी थीं; और उसका स्वाभिमान, जैसे कोई व्यक्ति स्टीम बाथ में आराम कर रहा हो, उन शब्दों की गर्माहट में सुस्ती से फैल गया।

"परन्तु मैं तुम्हारे पास तो नहीं आया," उसने आगे कहा, "परन्तु मैं तुम्हें देख भी नहीं सका, आह!—कम से कम मैं तुम्हारे आस-पास की चीज़ें तो देख सकता था। रात को, हर रात, मैं उठता, यहाँ आता, तुम्हारे घर को निहारता, चाँदनी में चमकती छत को, तुम्हारी खिड़की के पास बगीचे में झूलते पेड़ों को, और अँधेरे में शीशे से छनकर आती एक छोटी सी बत्ती की हल्की सी रोशनी को। आह! तुम्हें शायद ही पता था कि वहाँ, इतना पास और फिर भी इतना दूर, एक बेचारा दुखी इंसान था…"

वह सिसकते हुए उसकी ओर मुड़ी।

"ओह! आप तो बहुत अच्छे हैं!" उसने कहा।

नहीं। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, बस! इसमें कोई शक नहीं! मुझे बस एक शब्द कहो! सिर्फ एक शब्द!

और धीरे-धीरे, रोडोल्फ स्टूल से फिसलकर फर्श पर गिर गया; लेकिन उन्हें रसोई में लकड़ी के जूतों की आवाज सुनाई दी, और उसने देखा कि बैठक का दरवाजा बंद नहीं था।

"अगर आप मेरी एक इच्छा पूरी कर दें तो यह आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी होगी," वह सीधा होते हुए बोला।

उसका मन हुआ कि वह उसके घर में घूमे; वह उसे देखना चाहता था; और चूंकि मैडम बोवरी को कोई आपत्ति नहीं थी, इसलिए जब चार्ल्स अंदर आया तो वे दोनों उठ रहे थे।

"हेलो, डॉक्टर," रोडोल्फ ने उनसे कहा।

इस अप्रत्याशित उपाधि से संबोधित किए जाने पर प्रसन्न होकर, जन स्वास्थ्य अधिकारी ने चापलूसी भरी टिप्पणियों की झड़ी लगा दी, और दूसरे व्यक्ति ने इसका फायदा उठाकर खुद को थोड़ा संभल लिया।

फिर उन्होंने कहा, “मैडम मुझे अपनी सेहत के बारे में बता रही थीं…”

चार्ल्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा: दरअसल, वह बहुत चिंतित था; उसकी पत्नी को फिर से सांस फूलने के दौरे पड़ने लगे थे। फिर रोडोल्फ ने पूछा कि क्या घुड़सवारी के रूप में व्यायाम करना उसके लिए अच्छा नहीं होगा?

“बिल्कुल! बहुत बढ़िया, एकदम सही! … कितना शानदार विचार है! आपको इस पर अमल करना चाहिए।”

और जब उसने यह कहकर आपत्ति जताई कि उसके पास घोड़ा नहीं है, तो श्री रो डॉल्फ़ ने उसे अपना एक घोड़ा देने की पेशकश की; उसने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया; उन्होंने ज़ोर नहीं दिया; फिर, अपने आने का कारण बताते हुए, उन्होंने कहा कि उनका गाड़ीवान, जिसका खून बहाया गया था, अभी भी चक्कर आने की समस्या से जूझ रहा था।

“मैं आऊंगा,” बोवरी ने कहा।

“नहीं, नहीं, मैं उसे आपके पास भेज दूंगा; हम यहीं आएंगे—यह आपके लिए अधिक सुविधाजनक होगा।”

“अच्छा, ठीक है! धन्यवाद।”

और जैसे ही वे अकेले हुए:

“आप महाशय बोलेंजर के सुझावों को क्यों नहीं मान रहे हैं? वे तो बहुत ही उदार हैं।”

वह गुस्से में दिखी, कई बहाने सोचे और अंत में बोली कि यह अजीब लग सकता है।

“खैर, मुझे तो बिल्कुल परवाह नहीं!” चार्ल्स ने मुड़ते हुए कहा। “स्वास्थ्य सबसे पहले आता है! आप बिलकुल गलत हैं!”

"अच्छा, अगर मुझे घुड़सवारी की आदत ही नहीं है, तो आप मुझसे घुड़सवारी करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?"

“आपको एक ऑर्डर करना ही होगा!” उसने जवाब दिया।

घुड़सवारी की आदत ने ही उसका फैसला किया।

जब पोशाक तैयार हो गई, तो चार्ल्स ने महाशय बोलेंजर को लिखा कि उनकी पत्नी उनकी सेवा में तत्पर हैं, और वे उनकी दयालुता के लिए आभारी हैं।

अगले दिन दोपहर को, रोडोल्फ दो घोड़ों के साथ चार्ल्स के दरवाजे के सामने पहुंचा। एक घोड़े के कानों पर गुलाबी पोम-पोम लगे थे और उस पर एक महिला की चमड़े की काठी थी।

रोडोल्फ ने मुलायम चमड़े के ऊंचे जूते पहन रखे थे, और मन ही मन सोच रहा था कि एम्मा ने शायद पहले कभी ऐसे जूते नहीं देखे होंगे; और सचमुच, जब वह मखमली कोट और सफेद कढ़ाई वाली घुड़सवारी की पैंट पहनकर सीढ़ियों पर आया, तो एम्मा उसके रूप को देखकर मुग्ध हो गई। वह तैयार थी; वह उसका इंतज़ार कर रही थी।

जस्टिन उससे मिलने के लिए फार्मेसी से चुपके से बाहर निकला, और फार्मासिस्ट भी अपना काम छोड़कर चला गया। उसने मिस्टर बोलेंजर को कुछ सलाह दी:

“दुर्घटना बहुत जल्दी हो सकती है! सावधान रहें! आपके घोड़े बहुत उत्साही हो सकते हैं!”

उसे अपने सिर के ऊपर एक आवाज़ सुनाई दी: यह फेलिसिटे थी जो छोटी बर्थे का मनोरंजन करने के लिए खिड़की के शीशों पर ढोल बजा रही थी। बच्ची ने उसे एक चुंबन भेजा; उसकी माँ ने अपनी चाबुक के पिछले हिस्से से इशारा करके जवाब दिया।

“आपकी यात्रा मंगलमय हो!” महाशय होमेस ने चिल्लाकर कहा। “लेकिन सावधान रहना! सावधान रहना!”

और उन्हें जाते हुए देखकर उसने अपना अखबार लहराया।

धरती को छूते ही एम्मा का घोड़ा सरपट दौड़ने लगा। रोडोल्फ भी उसके पीछे-पीछे सरपट दौड़ रहा था। कभी-कभी वे आपस में कुछ शब्द बोल देते थे। अपना चेहरा थोड़ा नीचे झुकाए, हाथ ऊपर उठाए और दाहिना हाथ फैलाए, वह घोड़े की गति की लय में खो गई, जिससे वह काठी पर झूल रही थी।

पहाड़ी की तलहटी में, रोडोल्फ ने अपनी लगाम ढीली कर दी; वे एक ही छलांग में एक साथ दौड़ पड़े; फिर, शिखर पर, घोड़े अचानक रुक गए, और उसका लंबा नीला घूंघट उसके चारों ओर वापस गिर गया।

अक्टूबर की शुरुआत थी। चारों ओर धुंध छाई हुई थी। पहाड़ियों की रूपरेखाओं के बीच क्षितिज पर कोहरा छाया हुआ था; और कहीं-कहीं वह छंटकर ऊपर उठता और गायब हो जाता था। कभी-कभी, धुंध के बीच से, दूर से सूर्य की किरण में योनविले की छतें दिखाई देती थीं, साथ ही पानी के किनारे बने उसके बगीचे, आंगन, दीवारें और गिरजाघर का शिखर भी। एम्मा अपनी आंखें आधी बंद कर लेती थी ताकि वह अपना घर देख सके, और उसे कभी भी यह छोटा सा गांव इतना छोटा नहीं लगा था जितना अब लगता था। जिस ऊंचाई पर वे खड़े थे, वहां से पूरी घाटी एक विशाल, फीकी झील जैसी लग रही थी, मानो हवा में घुल रही हो। पेड़ों के झुंड कुछ-कुछ दूरी पर काले पत्थरों की तरह उभरे हुए थे; और कोहरे के ऊपर उठते चिनार के ऊंचे पेड़ हवा से हिलते हुए उसके किनारों जैसे लग रहे थे।

उनके बगल में, चीड़ के पेड़ों के बीच, गर्म वातावरण में घास के ऊपर एक धुंधली रोशनी मंडरा रही थी। नसवार के रंग जैसी लाल मिट्टी ने उनके कदमों की आवाज को दबा दिया; और घोड़े चलते हुए अपने लोहे के जूतों की नोकों से गिरे हुए चीड़ के शंकुओं को आगे धकेलते गए।

रोडोल्फ और एम्मा जंगल के किनारे-किनारे चलते रहे। वह बीच-बीच में उसकी निगाहों से बचने के लिए दूसरी तरफ मुड़ जाती, और फिर उसे केवल कतारों में चीड़ के पेड़ों के तने ही दिखाई देते, जिनकी निरंतर कतारें उसे थोड़ा चक्कर दिला देती थीं। घोड़े हांफ रहे थे। काठी का चमड़ा चरमरा रहा था।

जैसे ही वे जंगल में दाखिल हुए, सूरज निकल आया।

“भगवान हमारी रक्षा कर रहे हैं!” रोडोल्फ ने कहा।

“क्या आपको ऐसा लगता है?” उसने कहा।

“चलिए आगे बढ़ते हैं!” उसने कहा।

उसने अपनी जीभ चटकाई। दोनों जानवर दौड़ने लगे।

पगडंडी के किनारे उगी लंबी फर्नें एम्मा के रकाब में बार-बार फंस रही थीं। रोडोल्फ सवारी करते हुए हर बार झुककर उन्हें निकाल देता था। कभी-कभी किसी शाखा को रास्ते से हटाने के लिए वह एम्मा के करीब आ जाता था, और एम्मा को उसका घुटना अपने पैर से छूता हुआ महसूस होता था। आसमान अब नीला था। पत्ते हिल नहीं रहे थे। चारों ओर खिले हुए हीथर के बड़े-बड़े खुले मैदान थे; और बैंगनी रंग के फैलाव पेड़ों के घने झुरमुटों के साथ बारी-बारी से फैले हुए थे, जो अपने अलग-अलग पत्तों के अनुसार भूरे, हल्के भूरे या सुनहरे रंग के थे। अक्सर झाड़ियों के नीचे से गुजरते पंखों की हल्की फड़फड़ाहट सुनाई देती थी, या ओक के पेड़ों पर उड़ते कौवों की कर्कश, कोमल कांव-कांव सुनाई देती थी।

वे घोड़ों से उतरे। रोडोल्फ ने घोड़ों को बांधा। वह कीचड़ भरे रास्ते पर, पटरियों के बीच से आगे बढ़ी।

लेकिन उसकी लंबी स्कर्ट उसके रास्ते में आ रही थी, भले ही उसने उसका एक सिरा पकड़ रखा था, और उसके पीछे चल रहा रोडोल्फ उसकी नाजुक सफेद मोजे को लगातार घूर रहा था, जो काले कपड़े और छोटे काले जूते के बीच से दिखाई दे रही थी और उसे ऐसा लग रहा था मानो वह उसके नग्न शरीर का ही एक हिस्सा हो।

वह रुक गई।

“मैं थक गई हूँ,” उसने कहा।

“चलो, थोड़ा और आगे!” उसने कहा। “हिम्मत रखो—कोशिश करो!”

फिर, सौ कदम आगे जाकर वह फिर रुक गई; और उसके घूंघट के माध्यम से, जो उसके साथी की टोपी से तिरछे होकर उसकी कमर तक गिर रहा था, उसका चेहरा नीले रंग की पारदर्शिता में दिखाई दे रहा था, मानो वह नीली लहरों के नीचे तैर रही हो।

"हम कहाँ जा रहे हैं?"

उसने कोई जवाब नहीं दिया। उसकी सांसें अनियमित चल रही थीं। रोडोल्फ इधर-उधर देख रहा था और अपनी मूंछें चबा रहा था।

वे एक बड़े खुले मैदान में पहुँचे, जहाँ कुछ छोटे पेड़ काट दिए गए थे। वे एक गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए, और रोडोल्फ ने उससे अपने प्यार के बारे में बात करना शुरू कर दिया।

उसने शुरू में अपनी तारीफों से उसे डराया नहीं। वह शांत, गंभीर और उदास था।

एम्मा सिर झुकाए उसकी बात सुन रही थी और अपने जूते की नोक से जमीन पर पड़े लकड़ी के बुरादे को हिला रही थी।

लेकिन जब उन्होंने कहा:

"अब हमारी किस्मतें एक दूसरे से जुड़ गई हैं, है ना?"

“नहीं!” उसने जवाब दिया। “तुम यह बात अच्छी तरह जानते हो। ऐसा हो ही नहीं सकता।”

वह जाने के लिए खड़ी हुई। उसने उसकी कलाई पकड़ ली। वह रुक गई। फिर, कुछ पल तक नम, प्रेम भरी आँखों से उसे देखने के बाद, उसने जल्दी से कहा:

“अरे, चलो अब इसके बारे में और बात नहीं करते… घोड़े कहाँ हैं? चलो वापस चलते हैं।”

उसने क्रोध और थकावट का भाव प्रकट किया। उसने दोहराया:

घोड़े कहाँ हैं? घोड़े कहाँ हैं?

फिर, एक अजीब सी मुस्कान लिए, उसकी आँखें स्थिर थीं, दाँत भींचे हुए थे, वह बाहें फैलाकर उसकी ओर बढ़ा।

वह काँपते हुए पीछे हट गई। वह हकलाते हुए बोली:

“अरे, तुम मुझे डरा रहे हो! तुम मुझे परेशान कर रहे हो! चलो चलते हैं।”

"अगर ज़रूरी हुआ तो," उसने चेहरे के भाव बदलते हुए कहा।

और वह तुरंत फिर से विनम्र, कोमल और संकोची हो गया। उसने उसे अपना हाथ दिया। वे वापस मुड़ गए। उसने कहा:

“अब, आखिर बात क्या थी? क्या हुआ? मुझे समझ नहीं आ रहा! आप मुझे गलत समझ रही होंगी। मेरी आत्मा में आप एक ऊंचे स्थान पर विराजमान देवी की तरह हैं, सुरक्षित, पवित्र। लेकिन मुझे जीने के लिए आपकी

ज़रूरत है! मुझे आपकी आँखों, आपकी आवाज़, आपके विचारों की ज़रूरत है। मेरी दोस्त, मेरी बहन, मेरी परी बनो!"

और उसने अपना हाथ बढ़ाकर उसकी कमर में डाल दिया। उसने धीरे से खुद को छुड़ाने की कोशिश की। चलते समय उसने उसे उसी तरह पकड़े रखा।

लेकिन वे उन दो घोड़ों की आवाज सुन सकते थे, जो पत्तियां चर रहे थे।

"अरे, बस थोड़ी देर और!" रोडोल्फ ने कहा। "अभी नहीं चलते। यहीं रुकिए!"

वह उसे आगे ले गया, एक छोटे से तालाब के चारों ओर, जहाँ पानी पर हरी घास की एक पट्टी सी बन गई थी। मुरझाई हुई जल लिली सरकंडों के बीच स्थिर पड़ी थीं। घास में उनके कदमों की आहट सुनकर मेंढक उछलकर छिप गए।

"मैं गलत हूँ, मैं गलत हूँ," उसने कहा। "तुम्हारी बात सुनना मेरी मूर्खता है।"

"क्यों? ... एम्मा! एम्मा!"

"ओह, रोडोल्फ! ...," युवती ने धीरे से कहा, उसके कंधे पर झुकते हुए।

उसके घुड़सवारी के वस्त्र का कपड़ा उसके मखमली कोट में फंस गया। उसने अपना सिर पीछे झुकाया, उसका सफेद गला आह से फूल गया; और कमजोर होकर, आंसुओं में भीगी हुई, अपना चेहरा छुपाते हुए, एक लंबे कांपते हुए उसने खुद को उसके हवाले कर दिया।

शाम की परछाइयाँ गहरी होती जा रही थीं; शाखाओं के बीच से छनकर आती तिरछी धूप उसकी आँखों को चकाचौंध कर रही थी। उसके चारों ओर, जगह-जगह, पत्तियों या ज़मीन पर प्रकाश के धब्बे झिलमिला रहे थे, मानो उड़ते हुए हमिंगबर्ड्स ने अपने पंख बिखेर दिए हों। हर तरफ सन्नाटा छाया हुआ था; पेड़ों से मानो कोई कोमल सी अनुभूति हो रही थी; उसे महसूस हो रहा था कि उसका दिल फिर से धड़कने लगा है, और उसका खून उसके शरीर में दूध की नदी की तरह बह रहा है। तभी, जंगल के उस पार, दूसरी पहाड़ियों से, उसे एक अस्पष्ट, लंबी सी चीख सुनाई दी, एक ऐसी आवाज़ जो गूंजती रही, और वह चुपचाप उसे सुनती रही, मानो वह उसकी झनझनाती नसों की आखिरी कंपकंपी में किसी संगीत की तरह खो गई हो। रोडोल्फ़, अपने दाँतों के बीच सिगार दबाए, अपने पेननाइफ़ से टूटी हुई लगाम की मरम्मत कर रहा था।

वे उसी रास्ते से योनविले लौट आए। उन्होंने कीचड़ में अपने घोड़ों के पदचिह्न देखे, जो अगल-बगल थे, और वही झाड़ियाँ, घास में वही पत्थर। उनके आसपास कुछ भी नहीं बदला था; फिर भी, उसके लिए, कुछ ऐसा घटित हुआ था जो पहाड़ों के हिलने से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण था। रोडोल्फ़ समय-समय पर झुककर उसका हाथ चूमता था।

घोड़े पर सवार वह बेहद आकर्षक लग रही थी! सीधी खड़ी, पतली कमर के साथ, उसका घुटना घोड़े की गर्दन के बालों से टिका हुआ था, और शाम की सुनहरी रोशनी में ताजी हवा से उसका चेहरा थोड़ा गुलाबी हो गया था।

जैसे ही वह योनविले में दाखिल हुई, वह पक्की सड़क पर उछल-कूद करने लगी। लोग खिड़कियों से उसे देख रहे थे।

रात के खाने पर उसके पति को लगा कि वह अच्छी दिख रही है; लेकिन जब उसने उससे उसकी सैर के बारे में पूछा तो ऐसा लगा जैसे उसने उसकी बात नहीं सुनी; और वह अपनी कोहनी को थाली के किनारे पर, दो जलती हुई मोमबत्तियों के बीच में रखकर चुपचाप बैठी रही।

“एम्मा!” उसने कहा।

"क्या?"

“खैर, मैंने आज दोपहर श्रीमान एलेक्जेंडर के साथ बिताई; उनके पास एक बूढ़ी घोड़ी है जो अभी भी काफी अच्छी हालत में है, बस उसके घुटने थोड़े से टूटे हुए हैं; मुझे यकीन है कि वह लगभग सौ इक्कुस में मिल सकती है…”

उन्होंने आगे कहा:

“दरअसल, यह सोचकर कि आपको खुशी होगी, मैंने उसे हासिल कर लिया… मैंने उसे खरीद लिया… क्या मैंने सही किया? अब मुझे बताओ।”

उसने सहमति में सिर हिलाया; फिर, पंद्रह मिनट बाद:

“क्या तुम आज शाम बाहर जा रहे हो?” उसने पूछा।

“हाँ। क्यों?”

“अरे, कुछ नहीं! कुछ नहीं, प्रिय।”

और जैसे ही वह चार्ल्स से छुटकारा पा सकी, वह ऊपर चली गई और खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया।

पहले तो उसे एक तरह का चक्कर आ रहा था; उसे पेड़, रास्ते, खाइयाँ, रोडोल्फ़ सब कुछ दिखाई दे रहा था, और उसे अब भी महसूस हो रहा था कि उसकी बाहें उसे थामे हुए हैं जबकि पत्तियाँ काँप रही थीं और सरकंडे सीटी बजा रहे थे।

लेकिन आईने में खुद को देखकर वह अपना चेहरा देखकर हैरान रह गई। उसकी आँखें पहले कभी इतनी बड़ी, इतनी काली या इतनी गहरी नहीं थीं। कुछ सूक्ष्म बदलाव उसके शरीर में फैल गया था और उसे रूपांतरित कर रहा था।

वह बार-बार अपने मन में दोहरा रही थी: “मेरा एक प्रेमी है! एक प्रेमी!” वह इस विचार में इस कदर मग्न थी मानो उसे दोबारा यौवन प्राप्त हो गया हो। अंततः उसे प्रेम का वह आनंद, वह उमंग मिलेगी जिससे वह निराश हो चुकी थी। वह एक अद्भुत संसार में प्रवेश कर रही थी जहाँ सब कुछ जुनून, परमानंद और उन्माद से भरा था; एक नीले रंग की विशालता ने उसे घेर लिया था, भावनाओं की ऊंचाइयाँ उसके विचारों के नीचे चमक रही थीं, और सामान्य जीवन दूर, बहुत नीचे, छाया में, उन चोटियों के बीच के खाली स्थानों में ही दिखाई दे रहा था।

फिर उसे अपनी पढ़ी किताबों की नायिकाएँ याद आईं, और व्यभिचारी स्त्रियों का वह काव्यात्मक समूह उसकी स्मृति में बहन जैसी मधुर आवाज़ों में गूंजने लगा, जिसने उसे मंत्रमुग्ध कर दिया। वह स्वयं किसी न किसी रूप में उन कल्पनाओं का वास्तविक हिस्सा बन रही थी और अपने यौवन के उस लंबे सपने को पूरा कर रही थी, जब उसने खुद को उस प्रकार की प्रेममयी स्त्री के रूप में देखा, जिसकी वह इतनी ईर्ष्या करती थी। इसके अलावा, एम्मा को प्रतिशोध का संतोष भी मिल रहा था। क्या उसने काफी कष्ट नहीं सहा था? लेकिन अब वह विजयी हो रही थी, और प्रेम, जो इतने लंबे समय से दबा हुआ था, आनंदमय उमंग के साथ पूरी तरह से प्रकट हो रहा था। उसने बिना किसी पछतावे, बिना किसी बेचैनी, बिना किसी कष्ट के इसका आनंद लिया।

अगला दिन नई मिठास के साथ बीता। उन्होंने प्रतिज्ञाएँ लीं। उसने अपने दुख बताए। रोडोल्फ उसे बार-बार चूमता रहा; और वह आधी बंद आँखों से उसे निहारती रही, उससे विनती करती रही कि वह उसे फिर से उसके नाम से पुकारे और फिर से कहे कि वह उससे प्यार करता है। वे पिछले दिन की तरह ही जंगल में थे, लकड़ी के सांचे बनाने वालों की झोपड़ी में। उसकी दीवारें भूसे की थीं और छत इतनी नीची थी कि झुकना पड़ता था। वे सूखे पत्तों के बिस्तर पर एक-दूसरे के करीब बैठे थे।

उस दिन से वे हर शाम एक-दूसरे को नियमित रूप से पत्र लिखने लगे। एम्मा अपना पत्र लेकर बगीचे के निचले हिस्से में, नाले के किनारे, चबूतरे की दीवार की दरार में रख देती थी। रोडोल्फ वहाँ आकर उसे ढूंढता और उसकी जगह दूसरा पत्र रख देता, जिसकी वह हमेशा शिकायत करती कि वह बहुत छोटा है।

एक सुबह, जब चार्ल्स भोर से पहले ही बाहर चला गया था, तो उसे उसी क्षण रोडोल्फ़ से मिलने की तीव्र इच्छा हुई। वह जल्दी से ला हुशेट पहुँच सकती थी, वहाँ एक घंटा रुक सकती थी और सबके सोए रहने के दौरान योनविले वापस आ सकती थी। इस विचार से उसकी साँसें तेज़ हो गईं और जल्द ही वह घास के मैदान के बीचोंबीच तेज़ कदमों से चलने लगी, पीछे मुड़कर देखे बिना।

सुबह हो रही थी। दूर से ही एम्मा ने अपने प्रेमी का घर पहचान लिया, जिसके दो पूंछनुमा मौसम सूचक यंत्र धुंधली रोशनी में काले रंग में चमक रहे थे।

खेत के उस पार एक मुख्य इमारत थी जो महल ही होनी चाहिए थी। वह उसमें ऐसे दाखिल हुई मानो उसके आते ही दीवारें अपने आप खुल गई हों। एक चौड़ी सीधी सीढ़ी ऊपर गलियारे तक जाती थी। एम्मा ने एक दरवाजे की कुंडी खोली और तुरंत ही, शयनकक्ष के दूसरे छोर पर, उसने एक आदमी को सोते हुए देखा। वह रोडोल्फ था। वह चीख पड़ी।

"ये तुम हो! तुम यहाँ हो!" वह बार-बार कहता रहा। "तुम यहाँ कैसे पहुँच गई? ... अरे, तुम्हारी पोशाक गीली है!"

"मैं तुमसे प्यार करती हूँ!" उसने जवाब दिया और अपनी बाहों को उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट लिया।

यह पहला साहसिक प्रयास सफल होने के बाद, अब जब भी चार्ल्स सुबह जल्दी बाहर जाता, एम्मा जल्दी से तैयार होती और चुपके से उन छोटी सीढ़ियों से नीचे उतर जाती जो पानी के किनारे तक जाती थीं।

लेकिन जब गायों के लिए बना लकड़ी का पुल ऊपर उठा दिया जाता, तो उसे नदी के किनारे बनी दीवारों का सहारा लेना पड़ता; किनारा फिसलन भरा था; गिरने से बचने के लिए वह मुरझाए हुए फूलों के गुच्छों को पकड़ लेती। फिर वह जुते हुए खेतों में दौड़ पड़ती, लड़खड़ाती, गिरती और अपने पतले छोटे जूतों को संभालती। उसके सिर पर बंधा दुपट्टा चरागाहों में हवा में लहराता; वह मवेशियों से डरती, दौड़ना शुरू कर देती; वह हांफते हुए पहुंचती, उसके गाल गुलाबी हो जाते, उसका पूरा शरीर रस, पत्तियों और ताजी हवा की ठंडी खुशबू बिखेरता। उस समय रोडोल्फ सो रहा था। वह उसके शयनकक्ष में आने वाली वसंत की सुबह की तरह थी।

खिड़कियों पर लगे पीले पर्दे से सुनहरी रोशनी धीरे-धीरे अंदर आ रही थी। एम्मा पलकें झपकाते हुए आगे बढ़ती, उसके बालों में जमी ओस की बूँदें उसके चेहरे के चारों ओर पुखराज के प्रभामंडल जैसा बना रही थीं। रोडोल्फ हंसते हुए उसे अपनी ओर खींच लेता और अपने सीने से लगा लेता।

उसके बाद, वह कमरे का मुआयना करती, फर्नीचर के दराज खोलती, उसकी कंघी से अपने बाल संवारती और शेविंग मिरर में खुद को देखती। अक्सर, वह अपने दांतों के बीच उस बड़ी पाइप की डंडी भी दबा लेती जो नाइट टेबल पर नींबू और चीनी के टुकड़ों के बीच, पानी के जग के बगल में रखी होती थी।

उन्हें अलविदा कहने में पूरे पंद्रह मिनट लग गए। फिर एम्मा रोने लगी; वह चाहती थी कि उसे रोडोल्फ को कभी छोड़कर न जाना पड़े। उसके भीतर की कोई प्रबल शक्ति उसे उसके पास जाने के लिए प्रेरित करती रही, जब तक कि एक दिन, उसे अचानक आते देख, रोडोल्फ ने नाराज़गी भरे लहजे में भौंहें चढ़ा लीं।

"क्या हुआ?" उसने कहा। "क्या तुम्हें दर्द हो रहा है? मुझसे बात करो!"

अंत में उन्होंने गंभीरता से कहा कि उसकी यात्राएँ अनियंत्रित होती जा रही थीं और वह खुद को खतरे में डाल रही थी।

[10]

धीरे-धीरे, रोडोल्फ के ये डर उस पर हावी होने लगे। पहले तो प्यार ने उसे मदहोश कर दिया था और उसने इसके अलावा किसी और चीज़ के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन अब जब यह उसके जीवन का अभिन्न अंग बन गया था, तो उसे डर था कि कहीं वह इसका कोई हिस्सा न खो दे, या इसे अस्त-व्यस्त न कर दे। उसके घर से लौटते समय, वह बेचैनी से चारों ओर देखती, क्षितिज पर गुजरने वाली हर आकृति और गाँव की हर उस खिड़की को निहारती जहाँ से उसे देखा जा सकता था। वह कदमों की आहट, चीखों, हल की आवाज़ सुनती; और अचानक रुक जाती, उसका चेहरा उसके सिर के ऊपर लहराते चिनार के पत्तों से भी ज़्यादा पीला और कांपने लगता।

एक सुबह, जब वह इसी मानसिक स्थिति में लौट रही थी, अचानक उसे लगा कि एक राइफल की लंबी नली उसकी ओर तनी हुई है। वह नली एक खाई के किनारे घास में आधी दबी एक छोटी सी नली के किनारे से तिरछी निकली हुई थी। एम्मा, हालांकि डर से लगभग बेहोश हो गई थी, आगे बढ़ती रही, और तभी नली से एक आदमी अचानक बाहर निकला। उसने घुटनों तक बंधे हुए गैटर पहने थे, टोपी उसकी आंखों तक नीचे खींची हुई थी, उसके होंठ कांप रहे थे और उसकी नाक लाल थी। वह कैप्टन बिनेट था, जो जंगली बत्तखों का इंतजार कर रहा था।

“तुम्हें काफी दूर से ही आवाज लगानी चाहिए थी!” वह चिल्लाया। “जब भी तुम्हें बंदूक दिखे, हमेशा चेतावनी देनी चाहिए।”

यह कहते हुए कर संग्रहकर्ता अपने उस भय को छिपाने की कोशिश कर रहा था जो उसे अभी-अभी हुआ था: क्योंकि प्रांतीय आदेश के अनुसार नाव के अलावा किसी अन्य स्थान से बत्तख का शिकार करना प्रतिबंधित था, इसलिए श्री बिनेट, कानून का सम्मान करने के बावजूद, उसका उल्लंघन कर रहे थे। और इसलिए, पल-पल उन्हें लगता था कि शिकारी पास आ रहा है। लेकिन इस चिंता ने उनके आनंद को और बढ़ा दिया, और अपनी बंदूक में अकेले बैठे हुए, वे अपने सौभाग्य और चतुराई पर खुद को बधाई देते रहे।

एम्मा को देखते ही उन्हें मानो एक बड़ा बोझ उतर गया हो, और उन्होंने तुरंत बातचीत शुरू कर दी:

“ज्यादा गर्मी नहीं है ना—काफी ठंड है!”

एम्मा ने कोई जवाब नहीं दिया। वह आगे बोला:

और आप तो काफी जल्दी निकल गए, है ना?

“हां,” उसने हकलाते हुए कहा; “मैं दाई के पास से आ रही हूं, जहां मेरा बच्चा है।”

“अहा, बहुत बढ़िया, बहुत बढ़िया! जहाँ तक मेरी बात है, मैं तो सुबह से यहीं हूँ जहाँ आप मुझे अभी देख रहे हैं; लेकिन मौसम इतना खराब है कि जब तक आप पक्षी को अपने बिल्कुल अंत में न रखें…”

“शुभ दिन, महाशय बिनेट,” उसने बीच में ही टोकते हुए उससे मुंह फेर लिया।

“आपका सेवक, महोदया,” उसने रूखेपन से उत्तर दिया।

और वह वापस अपने बैरल के अंदर चला गया।

एम्मा को कर वसूलने वाले को अचानक छोड़कर जाने का पछतावा हो रहा था। वह शायद उसके खिलाफ़ गलत धारणाएँ बना रहा था। नर्स की कहानी सबसे खराब बहाना थी, क्योंकि योनविले में हर कोई जानता था कि बोवरी की बच्ची पिछले एक साल से अपने माता-पिता के घर पर ही थी। इतना ही नहीं, वहाँ आस-पास कोई नहीं रहता था; रास्ता केवल ला हुशेट की ओर जाता था; इसलिए बिनेट ने अंदाज़ा लगा लिया होगा कि वह कहाँ से आ रही है, और वह चुप नहीं रहेगा, वह ज़रूर बताएगा, यह निश्चित था! सारा दिन वह हर मुमकिन झूठ गढ़ने में अपना दिमाग खपाती रही, और उसके दिमाग में लगातार उस मूर्ख की छवि घूम रही थी जिसके पास शिकार का थैला था।

रात के खाने के बाद, चार्ल्स ने देखा कि वह चिंतित है, इसलिए उसने उसका ध्यान भटकाने के लिए उसे फार्मासिस्ट के घर ले जाने की कोशिश की; और फार्मेसी में सबसे पहले उसने उसी कर संग्रहकर्ता को देखा! वह लाल कांच के जार की रोशनी में काउंटर पर खड़ा था और कह रहा था:

"कृपया मुझे आधा औंस कटु विष दे दीजिए।"

“जस्टिन,” दवा विक्रेता चिल्लाया, “हमें सल्फ्यूरिक एसिड लाओ।”

फिर एम्मा की बारी आई, जो मैडम होमेस के कमरे में जाने ही वाली थी:

“नहीं, यहीं रहो, परेशान मत हो, वो नीचे आ रही है। इंतज़ार करते-करते चूल्हे पर जाकर खुद को गर्म कर लो… माफ़ कीजिए… हेलो, डॉक्टर!” (क्योंकि फार्मासिस्ट को “डॉक्टर” शब्द का उच्चारण करने में बहुत आनंद आता था, मानो किसी को इस उपाधि से संबोधित करके वह अपने गौरव का कुछ अंश खुद पर भी प्रतिबिंबित कर रहा हो)… “जस्टिन, ध्यान रखना कि ओखली को न गिरा दो! नहीं, नहीं—इसके बजाय छोटे बैठक कक्ष से कुर्सियाँ ले आओ; तुम अच्छी तरह जानते हो कि हम ड्राइंग रूम की आरामकुर्सियों को कभी नहीं हिलाते।”

और होमेस काउंटर के पीछे से जल्दी से बाहर निकलकर अपनी कुर्सी को वापस उसकी जगह पर रखने जा रहा था, तभी बिनेट ने उससे आधा औंस चीनी का अम्ल मांगा।

“शुगर एसिड?” फार्मासिस्ट ने तिरस्कारपूर्वक पूछा। “मुझे नहीं पता वो क्या होता है—बिल्कुल भी नहीं! शायद आपको ऑक्सालिक एसिड चाहिए? आपका मतलब ऑक्सालिक एसिड ही है, है ना?”

बिनेट ने बताया कि उसे अपने शिकार के सामान के कुछ हिस्सों से जंग हटाने के लिए धातु पॉलिश बनाने के लिए एक संक्षारक की आवश्यकता है। एम्मा चौंक गई। फार्मासिस्ट ने बोलना शुरू किया:

"वास्तव में, नमी के कारण मौसम बहुत अनुकूल नहीं है।"

“फिर भी,” कर संग्रहकर्ता ने शरारती मुस्कान के साथ आगे कहा, “कुछ लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।”

उसे घुटन महसूस हो रही थी।

और क्या आप मुझे यह भी दे सकते हैं…

“वह कभी नहीं जाएगा!” वह सोच रही थी।

"मेरे गियर पर लगे पेटेंट लेदर को साफ करने के लिए कृपया आधा औंस राल और उतना ही तारपीन, चार औंस मोम और तीन आधा औंस बोन ब्लैक दे दीजिए।"

जब दवा विक्रेता मोम तराशने लगा, तभी मैडम होमेस इरमा को गोद में लिए, नेपोलियन को बगल में लिए और एथली को पीछे-पीछे आते हुए वहाँ पहुँचीं। वह खिड़की के पास मखमली बेंच पर जाकर बैठ गईं, और लड़का एक स्टूल पर दुबक गया, जबकि उसकी बड़ी बहन अपने छोटे पापा के पास बेर के डिब्बे के आसपास घूम रही थी। पापा फ़नल भर रहे थे, बोतलों में ढक्कन लगा रहे थे, लेबल चिपका रहे थे और पार्सल बाँध रहे थे। उनके आसपास सब चुप थे; और केवल कभी-कभार तराजू में बाटों की खनक सुनाई दे रही थी, साथ ही फार्मासिस्ट अपने शिष्य को सलाह देते हुए कुछ धीमी आवाज़ में बोल रहे थे।

“और आपका छोटा बच्चा कैसा है?” मैडम होमेस ने अचानक पूछा।

"चुप रहो!" उसके पति ने कहा, जो अपनी गणना की नोटबुक में आंकड़े दर्ज कर रहा था।

“तुम उसे अपने साथ क्यों नहीं लाए?” उसने धीमी आवाज में पूछा।

“चुप रहो! चुप रहो!” एम्मा ने दवाखाने की ओर इशारा करते हुए कहा।

लेकिन बिनेट, आंकड़ों के स्तंभ को पढ़ने में पूरी तरह मग्न था, इसलिए उसने शायद कुछ सुना ही नहीं। आखिरकार वह बाहर चला गया। तब एम्मा ने राहत की सांस ली।

“तुम कितनी ज़ोर से सांस ले रही हो!” मैडम होमेस ने कहा।

“ओह! बस थोड़ी गर्मी है,” उसने जवाब दिया।

और इसलिए, अगले दिन, उन्होंने अपनी मुलाकातों को व्यवस्थित करने के बारे में बात की; एम्मा अपनी नौकरानी को उपहार देकर रिश्वत देना चाहती थी; लेकिन योनविले में किसी एकांत जगह पर घर ढूंढना बेहतर होगा। रोडोल्फ ने एक घर ढूंढने का वादा किया।

पूरी सर्दी भर, सप्ताह में तीन या चार बार, वह आधी रात को बगीचे में आता था। एम्मा ने जानबूझकर द्वार से चाबी ले ली थी, और चार्ल्स को लगा कि वह खो गई है।

उसे इशारा करने के लिए, रोडोल्फ़ खिड़की के शटर पर मुट्ठी भर रेत फेंक देता था। वह चौंककर उठ जाती; लेकिन कभी-कभी उसे इंतज़ार करना पड़ता था, क्योंकि चार्ल्स को आग के पास बैठकर बातें करने की आदत थी, और वह लगातार बोलता रहता था। वह अधीर हो जाती; अगर उसकी आँखों में शक्ति होती, तो वह उसे खिड़की से बाहर फेंक देती। अंत में वह सोने की तैयारी करने लगती; फिर वह एक किताब उठाती और बड़े आराम से पढ़ती, मानो पढ़ना उसे आनंद दे रहा हो। लेकिन चार्ल्स, जो बिस्तर पर होता था, उसे पुकारता।

"चलो, एम्मा," वह कहता, "अब समय आ गया है।"

"हां, मैं आ रही हूँ!" वह जवाब देती।

इस बीच, मोमबत्तियों की चकाचौंध से परेशान होकर वह दीवार की ओर मुंह करके सो जाता। वह लगभग नग्न अवस्था में, सांस रोककर, मुस्कुराते हुए, कांपते हुए, वहां से भाग निकलती।

रोडोल्फ के पास एक बड़ा लबादा था; वह उसे उसमें लपेट देता था, और अपनी बांह उसकी कमर के चारों ओर रखकर, चुपचाप उसे बगीचे के अंत तक ले जाता था।

वे दोनों उस मंडप की ओर गए, उसी सड़ी हुई लकड़ियों से बनी बेंच पर, जहाँ से लियोन कभी गर्मियों की शामों में उसे बड़े प्यार से देखा करता था। अब वह उसके बारे में सोचती भी नहीं थी।

पत्तीविहीन चमेली की शाखाओं से तारे चमक रहे थे। उन्हें अपने पीछे बहती धारा की आवाज़ सुनाई दे रही थी, और कभी-कभी किनारे पर सूखी सरकंडों की खड़खड़ाहट भी। अँधेरे में जगह-जगह परछाइयों के टीले मंडरा रहे थे, और कभी-कभी वे एक ही झटके में काँप उठते, ऊपर उठते और विशाल काली लहरों की तरह झुक जाते, मानो उन्हें डुबोने के लिए आगे बढ़ रहे हों। रात की ठंड ने उन्हें एक-दूसरे को और भी कसकर पकड़ने पर मजबूर कर दिया; उनके होठों पर निकली आहें उन्हें गहरी लगने लगीं; उनकी आँखें, जिन्हें वे मुश्किल से देख पा रहे थे, बड़ी लगने लगीं; और सन्नाटे के बीच, उनके द्वारा धीरे से बोले गए शब्द उनकी आत्माओं में उतर गए, कई गुना कंपन के साथ क्रिस्टल जैसी ध्वनि के साथ गूंजते रहे।

जब रात में बारिश होती, तो वे शेड और अस्तबल के बीच बने परामर्श कक्ष में शरण लेते। वह किताबों के पीछे छिपाई हुई रसोई की मोमबत्ती जलाती। रोडोल्फ वहाँ ऐसे बैठ जाता जैसे वह अपने ही घर में हो। किताबों की अलमारी, मेज, बल्कि पूरा कमरा ही उसे हँसी से लोटपोट कर देता था; और वह चार्ल्स के बारे में एक के बाद एक चुटकुले सुनाने से खुद को रोक नहीं पाता था, जिससे एम्मा शर्मिंदा हो जाती थी। वह उसे ज़्यादा गंभीर और कभी-कभी ज़्यादा नाटकीय देखना चाहती थी, जैसे कि जब उसे गली में कदमों की आहट सुनाई दी।

“कोई आ रहा है!” उसने कहा।

उसने बत्ती बुझा दी।

"क्या आपके पास पिस्तौल हैं?"

“किसलिए?”

“क्यों… अपनी रक्षा के लिए,” एम्मा ने कहा।

“आपके पति से? ओह, बेचारा!”

और रोडोल्फ ने अपनी टिप्पणी का अंत एक ऐसे इशारे से किया जिसका अर्थ था: "मैं अपनी उंगली के एक झटके से उसे खत्म कर सकता हूँ।"

वह उसकी निडरता से चकित थी, हालांकि उसे उसमें एक प्रकार की अशिष्टता और भोली-भाली अश्लीलता भी महसूस हुई जिसने उसे चौंका दिया।

रोडोल्फ ने पिस्तौल वाली घटना के बारे में गहराई से सोचा। अगर उसने सच कहा था, तो यह बिल्कुल हास्यास्पद, बल्कि घृणित था, क्योंकि उसके पास उस भले आदमी, चार्ल्स से नफरत करने का कोई कारण नहीं था, क्योंकि वह ईर्ष्या से ग्रस्त नहीं था, जैसा कि लोग कहते हैं; और वास्तव में, इस बारे में एम्मा ने उससे एक गंभीर प्रतिज्ञा की थी, जो उसे भी उचित नहीं लगी।

इसके अलावा, वह काफी भावुक होती जा रही थी। उन्हें लघुचित्रों का आदान-प्रदान करना पड़ा था, उन्होंने अपने बाल गुच्छों में कटवाए थे, और अब वह एक अंगूठी, एक वास्तविक शादी की अंगूठी, शाश्वत मिलन के प्रतीक के रूप में मांग रही थी। वह अक्सर उससे शाम को चर्च की घंटियों या प्रकृति की आवाज़ों के बारे में बात करती; फिर वह अपनी माँ और उसकी माँ के बारे में बात करती। रोडोल्फ ने बीस साल पहले अपनी माँ को खो दिया था। फिर भी, एम्मा उसे बनावटी भाषा में सांत्वना देती, जैसे कोई शोक संतप्त बच्चे को सांत्वना देता है, और कभी-कभी चाँद को देखते हुए उससे कहती:

मुझे पूरा यकीन है कि ऊपर कहीं वे एक साथ हैं और वे हमारे प्यार को स्वीकार करते हैं।

लेकिन वह कितनी सुंदर थी! और उसने इतनी भोली-भाली स्त्रियाँ पहले कभी नहीं देखी थीं! यह प्रेम, जो कामुकता से पूरी तरह मुक्त था, उसके लिए एक नई बात थी और, उसे उसकी सहज जीवनशैली से बाहर निकालते हुए, उसके स्वाभिमान को संतुष्ट कर रहा था और उसकी कामुकता को उत्तेजित कर रहा था। एम्मा की भावुकता, जिसे उसकी बुर्जुआ सामान्य बुद्धि तुच्छ समझती थी, उसे अपने हृदय में आकर्षक लग रही थी, क्योंकि वह स्वयं उसका पात्र था। और इसलिए, प्रेम किए जाने के प्रति आश्वस्त होकर, उसने कोई प्रयास करना बंद कर दिया, और धीरे-धीरे उसके व्यवहार में बदलाव आ गया।

अब वह उससे वे मीठे शब्द नहीं बोलता था जो कभी उसे रुला देते थे, न ही वह उसे वे भावुक स्पर्श देता था जो कभी उसे मदहोश कर देते थे; इसलिए उनका वह गहरा प्यार, जिसमें वह डूबी हुई थी, उसे ऐसा लग रहा था जैसे नदी का पानी अपनी ही तलहटी में समा रहा हो और वह कीचड़ देख सकती थी। वह इस बात पर विश्वास नहीं करना चाहती थी; उसका स्नेह और भी बढ़ गया; और रोडोल्फ ने अपनी उदासीनता को छिपाने का प्रयास कम से कम कर दिया।

उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसे उसके सामने झुकने का पछतावा हो रहा है या इसके विपरीत, वह उसे और भी अधिक प्यार करना चाहती है। अपनी कमजोरी का एहसास होने से होने वाली शर्मिंदगी, इंद्रिय सुख से भरी एक तरह की नाराजगी में बदल रही थी। यह कोई लगाव नहीं था; यह एक तरह का स्थायी आकर्षण था। वह उसे अपने वश में कर रहा था। वह लगभग इससे डर रही थी।

फिर भी, बाहरी तौर पर स्थिति पहले से कहीं अधिक शांत थी, क्योंकि रोडोल्फ मामले को अपनी इच्छानुसार संभालने में सफल रहा था; और छह महीने बाद, जब वसंत का मौसम आया, तो उन्होंने खुद को एक-दूसरे के प्रति एक विवाहित जोड़े की तरह व्यवहार करते हुए पाया, जो शांतिपूर्वक घरेलू प्रेम को संजो रहे हों।

साल का वो समय था जब बूढ़े रौल्ट अपने ठीक हुए पैर की याद में टर्की भेजते थे। उपहार के साथ हमेशा एक पत्र भी आता था। एम्मा ने टोकरी से बंधी डोरी काटी और उसमें लिखा हुआ पढ़ा:

मेरे प्यारे बच्चों,

आशा है कि ये पंक्तियाँ आपको अच्छी सेहत में मिलेंगी और ये भी बाकी की तरह ही अच्छी होगी; मुझे लगता है कि ये थोड़ी ज़्यादा कोमल और घनी है। लेकिन अगली बार, कुछ अलग करने के लिए, मैं आपको एक मुर्गा दूँगा, जब तक कि आप पिकोट्स ही लेना पसंद न करें; और कृपया टोकरी और पिछली दो टोकरियाँ मुझे वापस भेज दें। मेरी गाड़ी के शेड के साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो गई, एक रात जब तेज़ हवा चल रही थी, तो छत उड़कर पेड़ों पर जा गिरी। फसल भी कुछ खास नहीं हुई। खैर, मुझे नहीं पता कि मैं आपसे मिलने कब आऊँगा। अब जब मैं अकेला हूँ, तो मेरे लिए घर से बाहर निकलना बहुत मुश्किल हो गया है, मेरी बेचारी एम्मा!

और यहाँ पंक्तियों के बीच एक अंतराल था, मानो उस बूढ़े व्यक्ति ने अपनी कलम गिरा दी हो और कुछ देर के लिए दिवास्वप्न में खो गया हो।

मैं तो ठीक हूँ, बस मुझे कुछ दिन पहले यवेटोट मेले में सर्दी लग गई थी। मैं वहाँ एक चरवाहे को किराए पर लेने गया था, क्योंकि मैंने अपने चरवाहे को इसलिए निकाल दिया था क्योंकि वह खाने-पीने को लेकर बहुत नखरे करता था। इन लुटेरों से कितनी शिकायतें हैं! और तो और, वह बेईमान भी था।

मुझे एक फेरीवाले से पता चला जो इस सर्दी में आपके इलाके से गुज़र रहा था और जिसका एक दांत निकाला गया था, कि बोवरी अभी भी खूब मेहनत कर रहा है। यह सुनकर मुझे आश्चर्य नहीं हुआ, और उसने मुझे अपना दांत दिखाया; हमने साथ में कॉफी पी। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने आपको देखा है, उसने कहा नहीं, लेकिन उसने अस्तबल में दो घोड़े देखे थे, जिससे मैंने यह निष्कर्ष निकाला कि धंधा अच्छा चल रहा है। यह सुनकर बहुत खुशी हुई, मेरे प्यारे बच्चों, और ईश्वर आप सभी को तमाम खुशियाँ प्रदान करें।

मुझे इस बात का बहुत दुख है कि मैं अपनी प्यारी पोती बर्थे बोवरी को अभी तक नहीं जान पाई हूँ। मैंने आपके शयनकक्ष की खिड़की के नीचे बगीचे में उसके लिए एक पेड़ लगाया है, यह बेर का पेड़ है जिसमें सितंबर में फल लगते हैं, और मैं किसी को भी इसे छूने नहीं दूंगी, सिवाय इसके कि बाद में उसके लिए कंपोट बनाऊं, जिसे मैं अलमारी में सिर्फ उसके लिए रखूंगी, जब वह आएगी।

अलविदा, मेरे प्यारे बच्चों। मैं तुम्हें चूमती हूँ, मेरी बेटी; तुम्हें भी, मेरे दामाद, और उस नन्हे बच्चे को भी, दोनों गालों पर।

मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

आपका स्नेही पिता,

थियोडोर रौआल्ट

वह कुछ मिनटों तक खुरदरे कागज को उंगलियों के बीच दबाए बैठी रही। चिट्ठी वर्तनी की गलतियों से भरी थी, और एम्मा के मन में उठने वाले कोमल विचार, जो कांटों की झाड़ी में आधी छिपी मुर्गी की तरह, उन गलतियों के बीच से निकल रहे थे, उसका पीछा कर रही थी। लिखावट चूल्हे की राख से सूख गई थी, क्योंकि चिट्ठी से थोड़ा सा भूरा पाउडर उसके कपड़े पर गिर गया था, और उसे लगा जैसे वह अपने पिता को चूल्हे की ओर झुककर चिमटा पकड़ते हुए देख सकती है। कितना समय बीत गया जब वह उनके बगल में, स्टूल पर, आग के पास बैठकर, जलती हुई झाड़ियों की तेज़ लपटों में लकड़ी का सिरा जलाती थी! ... उसे धूप से भरी गर्मियों की शामें याद आ गईं। जब आप पास से गुजरते तो घोड़े के बच्चे हिनहिनाते, और दौड़ते रहते... उसकी खिड़की के नीचे मधुमक्खियों का छत्ता था, और कभी-कभी रोशनी में चक्कर लगाती मधुमक्खियां, सोने की उछलती गेंदों की तरह, शीशे से टकराती थीं। वे दिन कितने खुशहाल थे! कितनी आज़ादी! कितनी उम्मीदों से भरे! कितने भ्रमों से भरपूर! अब उनमें से कुछ भी नहीं बचा था! उसने अपनी आत्मा के विभिन्न रोमांचों में, अपने जीवन के उन सभी क्रमिक चरणों में, अपनी कुंवारी अवस्था में, अपने विवाह में और अपने प्रेम में उन्हें खर्च कर दिया था; —जैसे-जैसे उसका जीवन आगे बढ़ता गया, वह उन्हें लगातार खोती रही, ठीक वैसे ही जैसे कोई यात्री अपने रास्ते में पड़ने वाले हर सराय में अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा छोड़ देता है।

लेकिन आखिर किस बात ने उसे इतना दुखी कर दिया था? वह कौन सी असाधारण त्रासदी थी जिसने उसकी जिंदगी उलट-पुलट कर दी थी? उसने अपना सिर उठाया और चारों ओर देखा, मानो वह उस दर्द का कारण खोज रही हो जो उसे इतना पीड़ा दे रहा था।

अप्रैल की धूप की एक किरण अलमारी की अलमारियों पर रखे चीनी मिट्टी के बर्तनों पर झिलमिला रही थी; आग जल रही थी; वह अपनी चप्पलों के नीचे कालीन की नरमी महसूस कर सकती थी; दिन साफ था, हवा गर्म थी, और वह अपने बच्चे के खिलखिलाते हुए हंसने की आवाज सुन सकती थी।

दरअसल, छोटी बच्ची घास के बीचोंबीच लॉन में लोट-पोट हो रही थी, जहाँ घास को भूसे के लिए सुखाया जा रहा था। वह भूसे के ढेर पर पेट के बल लेटी हुई थी। नौकरानी ने उसके स्कर्ट को पकड़ रखा था। लेस्टिबूडोइस पास ही में घास इकट्ठा कर रहा था, और जब भी वह उसके पास आता, बच्ची झुककर अपने हाथों से हवा में मारती।

“उसे मेरे पास लाओ!” उसकी माँ ने जल्दी से आकर उसे चूमते हुए कहा। “मैं तुमसे कितना प्यार करती हूँ, मेरी प्यारी बच्ची! मैं तुमसे कितना प्यार करती हूँ!”

फिर, बच्ची के कानों के सिरे थोड़े गंदे देखकर, उसने झटपट गर्म पानी मंगवाया और उसे साफ किया, उसके अंतर्वस्त्र, मोज़े, जूते बदले, उसकी सेहत के बारे में हज़ारों सवाल पूछे, मानो वह अभी-अभी किसी यात्रा से लौटी हो; और अंत में, उसे फिर से चूमकर और थोड़ा रोते हुए, उसने उसे नौकरानी को सौंप दिया, जो वहाँ खड़ी इस अत्यधिक स्नेह को देखकर पूरी तरह से चकित थी।

उस रात, रोडोल्फ ने उसे सामान्य से अधिक गंभीर पाया।

"यह बीत जाएगा," उसने अनुमान लगाया; "यह बस एक सनक है।"

और वह लगातार तीन बार मिलने नहीं आया। जब वह लौटा, तो वह ठंडी और लगभग तिरस्कारपूर्ण थी।

“अरे! तुम अपना समय बर्बाद कर रहे हो, मेरे प्यारे…”

और ऐसा प्रतीत होता था कि उसने न तो उसकी उदास आहों पर ध्यान दिया और न ही उस रूमाल पर जिसे वह बार-बार निकाल रही थी।

तभी एम्मा को पश्चाताप हुआ!

उसने खुद से यह भी पूछा कि वह चार्ल्स से इतनी नफरत क्यों करती है, और क्या उससे प्यार करना बेहतर नहीं होता। लेकिन चार्ल्स ने उसके प्रति स्नेह के इस पुनरुद्धार के लिए कोई खास अवसर नहीं दिया, जिससे त्याग करने की उसकी क्षणिक इच्छा पूरी तरह विफल हो गई, तभी संयोगवश एक वैद्य ने उसे एक उपयुक्त अवसर प्रदान कर दिया।

[11]

उन्होंने हाल ही में क्लबफुट को ठीक करने की एक नई विधि की प्रशंसा करने वाला एक लेख पढ़ा था; और चूंकि वे प्रगति के समर्थक थे, इसलिए उन्होंने देशभक्तिपूर्ण विचार किया कि योनविल को भी, समय के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए, स्ट्रेफोपोडिया पर ऑपरेशन करना चाहिए।

“आखिरकार,” उसने एम्मा से कहा, “इसमें जोखिम क्या है? देखो” (और उसने अपनी उंगलियों पर इस प्रयास के फायदे गिनाए): “लगभग निश्चित सफलता, रोगी को आराम और बेहतर चेहरा, सर्जन के लिए तुरंत प्रसिद्धि। उदाहरण के लिए, तुम्हारा पति लायन डी'ओर में बेचारे हिप्पोलिटे की मदद क्यों नहीं करना चाहेगा? ध्यान रहे कि लड़का अपने इलाज की कहानी सभी यात्रियों को जरूर सुनाएगा, और साथ ही” (होमेस ने अपनी आवाज धीमी की और चारों ओर देखा) “मुझे इसके बारे में अखबार में एक छोटा सा लेख भेजने से क्या रोकेगा? हे भगवान! एक लेख फैलता है... लोग इसके बारे में बात करते हैं... बात फैलती जाती है! और कौन जानता है? कौन जानता है?”

सचमुच, बोवरी इसमें सफल हो सकता था; एम्मा के पास यह सोचने का कोई कारण नहीं था कि वह कुशल नहीं था, और उसे ऐसे रास्ते पर ले जाना कितना संतोष की बात होती जिससे उसकी प्रतिष्ठा और धन दोनों में वृद्धि होती? अब वह बस इतना चाहती थी कि उसे प्रेम से भी अधिक ठोस किसी चीज़ का सहारा मिल जाए।

उसके और वैद्य के आग्रह पर चार्ल्स मान गया। उसने डॉक्टर डुवाल की पुस्तक को रूएन से मंगवाया और हर शाम, सिर हाथों में लिए, वह उसे पढ़ने में मग्न हो जाता था।

जब चार्ल्स पेस इक्विनस, वेरस और वैल्गस, यानी स्ट्रेफोकाटोपोडिया, स्ट्रेफेनडोपोडिया और स्ट्रेफेक्सोपोडिया (या, अधिक सटीक रूप से, पैर की विभिन्न विकृतियाँ, नीचे की ओर, अंदर की ओर और बाहर की ओर), साथ ही स्ट्रेफिपोपोडिया और स्ट्रेफेनोपोडिया (दूसरे शब्दों में, नीचे की ओर मरोड़ और ऊपर की ओर सीधा होना) का अध्ययन कर रहा था, तब महाशय होमेस हर तरह के तर्कों से सराय मालिक के अस्तबल के लड़के को ऑपरेशन करवाने के लिए उकसा रहा था।

"आपको शायद हल्का सा दर्द महसूस हो सकता है; यह एक साधारण चुभन की तरह है, जैसे हल्का सा खून निकालना, कुछ प्रकार के कॉर्न्स को निकालने की तुलना में कम दर्दनाक।"

हिप्पोलिटे इस बारे में सोचते हुए हैरानी से अपनी आँखें घुमा रहा था।

“खैर, इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है! मैं तो बस आपके बारे में सोच रहा हूँ! विशुद्ध मानवता के कारण! मैं चाहता हूँ कि आप अपने इस भयानक लंगड़ापन और कमर के उस दर्द से छुटकारा पा लें, जो भले ही आप कुछ और कहें, लेकिन आपके पेशे के संचालन में एक बड़ी बाधा साबित होता होगा।”

फिर होमेस ने बताया कि इसके बाद वह कितना अधिक फुर्तीला और ऊर्जावान महसूस करेगा, और यहाँ तक कि उसने यह भी संकेत दिया कि वह महिलाओं को अधिक आकर्षित कर सकता है; और अस्तबल का नौकर मूर्खतापूर्ण ढंग से मुस्कुराने लगा। फिर उसने उसके घमंड का फायदा उठाते हुए उस पर हमला किया:

"हे भगवान! क्या होता अगर तुम्हें सेना में सेवा करनी पड़ती, अपने झंडे के साथ युद्ध में जाना पड़ता? ... आह! हिप्पोलिटे!"

और होमेस यह कहते हुए चले जाते कि वे विज्ञान के लाभों को नकारने में इस तरह के हठ, इस तरह के अंधेपन को समझ नहीं सकते।

बेचारा मान गया, क्योंकि यह एक तरह की सामूहिक साजिश थी। बिनेट, जो कभी दूसरों के मामलों में दखल नहीं देता था, मैडम लेफ्रैंकोइस, आर्टेमिस, पड़ोसी और यहाँ तक कि मेयर, महाशय तुवाचे—सभी ने उसे उकसाया, उपदेश दिया, शर्मिंदा किया; लेकिन अंत में जो बात उसके पक्ष में गई, वह यह थी कि इसमें उसका कोई खर्च नहीं आएगा। बोवरी ने तो ऑपरेशन के लिए ज़रूरी उपकरण उपलब्ध कराने का भी जिम्मा ले लिया। यह उदारता एम्मा का विचार था; और चार्ल्स ने इसे मान लिया, मन ही मन मन सोचते हुए कि उसकी पत्नी एक फरिश्ता है।

और इसलिए, फार्मासिस्ट के सुझावों के साथ, और तीन बार फिर से शुरू करने के बाद, उसने बढ़ई से, ताला बनाने वाले की मदद से, लगभग आठ पाउंड वजन का एक बक्सा बनवाया जिसमें पर्याप्त मात्रा में लोहा, लकड़ी, शीट मेटल, चमड़ा, पेंच और नट थे।

हालांकि, हिप्पोलिटे की कौन सी नसें काटनी चाहिए, यह जानने के लिए पहले यह पता लगाना आवश्यक था कि उसे किस प्रकार का क्लबफुट था।

उसका पैर लगभग सीधी रेखा में था, लेकिन फिर भी वह अंदर की ओर मुड़ा हुआ था, जिससे वह पेस इक्विनस (एक प्रकार का टेढ़ा पैर) और थोड़ा सा वेरस (एक प्रकार का टेढ़ा पैर) का मिश्रण था, या कहें कि पेस इक्विनस से स्पष्ट रूप से चिह्नित एक हल्का वेरस (एक प्रकार का टेढ़ा पैर) था। लेकिन इस पेस इक्विनस के साथ, जो वास्तव में घोड़े के खुर जितना चौड़ा था, जिसकी खुरदरी त्वचा, रेशेदार नसें, बड़े अंगूठे और घोड़े की नाल के नाखूनों जैसे काले नाखून थे, वह सुबह से शाम तक हिरण की तरह सरपट दौड़ता था। उसे अक्सर चौक में गाड़ियों के आसपास उछलते-कूदते और अपने असमान पैर को आगे बढ़ाते हुए देखा जा सकता था। वास्तव में, वह उस पैर पर दूसरे पैर की तुलना में अधिक मजबूत लगता था। इतने लंबे समय तक सेवा करने के कारण, उस पैर में धैर्य और ऊर्जा जैसे नैतिक गुण विकसित हो गए थे, और जब उसे कोई भारी काम दिया जाता था, तो वह अपना सारा भार उसी पैर पर डालता था।

अब, चूंकि यह पेस इक्विनस था, इसलिए अकिलीज़ टेंडन को काटना आवश्यक था, और बाद में ही एंटीरियर टिबियल मांसपेशी को काटकर वैरस को ठीक करना था; क्योंकि डॉक्टर एक साथ दोनों ऑपरेशन करने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे, और वास्तव में वे पहले से ही कांप रहे थे, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं वे पैर के किसी ऐसे महत्वपूर्ण हिस्से पर हमला न कर दें जिससे वे अपरिचित थे।

पंद्रह शताब्दियों पहले सेल्सस के बाद पहली बार धमनी पर सीधे लिगेचर लगाते हुए एम्ब्रोइस पारे, न ही मस्तिष्क की मोटी परत से फोड़ा खोलने वाले डुप्यूट्रेन, और न ही ऊपरी जबड़े का पहला एब्लेशन करते समय जेनसोल का दिल इतनी तेज़ी से धड़क रहा था, हाथ इतने कांप रहे थे, मन इतना तनावग्रस्त था जितना कि हिप्पोलिटे के पास पहुँचते हुए श्री बोवरी का, जिनके हाथ में टेनोटॉमी चाकू था। और जैसे किसी अस्पताल में, एक तरफ मेज पर रुई का ढेर, कुछ मोम लगे धागे, ढेर सारी पट्टियाँ, पट्टियों का एक पिरामिड, औषधालय में मिलने वाली सभी पट्टियाँ रखी थीं। ये सारी तैयारियाँ श्री होमेस सुबह से ही कर रहे थे, भीड़ को चकित करने के साथ-साथ खुद को धोखा देने के लिए भी। चार्ल्स ने त्वचा को छेदा; एक तेज़ चटकने की आवाज़ सुनाई दी। टेंडन कट गया, ऑपरेशन पूरा हो गया। हिप्पोलिटे अपने आश्चर्य से उबर नहीं पाए; उसने बोवरी के हाथों को पकड़ा और उन्हें चूमने लगा।

“अरे, अरे, शांत हो जाओ,” वैद्य ने कहा। “बाद में तुम्हें अपने उपकारी को अपनी कृतज्ञता दिखाने का मौका मिलेगा!”

और वह नीचे जाकर आंगन में खड़े पांच-छह उत्सुक लोगों को परिणाम बताने लगा, जो यह कल्पना कर रहे थे कि हिप्पोलिटे फिर से सीधा चलने लगेगा। फिर चार्ल्स ने अपने मरीज़ को यांत्रिक गति यंत्र में बांधकर घर लौट आया, जहाँ एम्मा बहुत चिंतित होकर दरवाजे पर उसका इंतज़ार कर रही थी। उसने उसे गले लगा लिया; वे मेज पर बैठ गए; उसने खूब खाया; और मिठाई के समय उसने एक कप कॉफी भी माँगी, यह एक ऐसी अति थी जिसकी अनुमति वह आमतौर पर केवल रविवार को ही देता था जब उनके घर मेहमान आते थे।

शाम बेहद खुशनुमा थी, बातचीत और साझा सपनों से भरी हुई। उन्होंने अपने भविष्य के धन-दौलत और घर में किए जाने वाले सुधारों के बारे में बात की; चार्ल्स को अपनी प्रतिष्ठा बढ़ती हुई, समृद्धि बढ़ती हुई और पत्नी के हमेशा प्यार करने का ख्याल आया; और पत्नी को अपने अंदर एक नई, स्वस्थ और बेहतर भावना का संचार होते देखकर खुशी हुई, उस बेचारे आदमी के लिए स्नेह का भाव जो उसे इतना प्यार करता था। एक पल के लिए उसके मन में रोडोल्फ का ख्याल आया; लेकिन उसकी नज़रें फिर से चार्ल्स पर टिक गईं: उसने आश्चर्य से यह भी देखा कि उसके दांत बिल्कुल भी खराब नहीं थे।

वे बिस्तर पर थे जब श्री होमेस, रसोइए की अनुमति के बावजूद, अचानक उनके कमरे में दाखिल हुए, उनके हाथ में एक नया लिखा हुआ कागज था। यह वह सूचना थी जो वे ले फनल डे रूएन को भेजने वाले थे। वे इसे उनके पढ़ने के लिए लाए थे।

बोवरी ने कहा, "इसे हमें पढ़कर सुनाइए।"

वह पढ़ा रहा है:

“यूरोप के एक हिस्से को आज भी पूर्वाग्रहों के जाल में जकड़े होने के बावजूद, हमारे ग्रामीण इलाकों में रोशनी की किरणें पहुँचने लगी हैं। इसी क्रम में, पिछले मंगलवार को, हमारे छोटे से शहर योनविले में एक ऐसा शल्य चिकित्सा प्रयोग हुआ जो साथ ही साथ विशुद्ध परोपकार का कार्य भी था। श्री बोवरी, हमारे सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सकों में से एक…”

“ओह! ये तो हद से ज्यादा हो गया! हद से ज्यादा!” चार्ल्स ने भावुक होकर कहा।

“नहीं, बिलकुल नहीं! अरे! … ‘टेढ़े पैर का ऑपरेशन किया गया…’ मैंने वैज्ञानिक शब्द का प्रयोग नहीं किया क्योंकि, आप जानते हैं, अखबार में… शायद हर कोई इसे नहीं समझेगा; आम लोगों को समझना चाहिए…”

“जी हां,” बोवरी ने कहा। “आगे बढ़ो।”

“मैं जारी रखूंगा,” फार्मासिस्ट ने कहा। “हमारे सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सकों में से एक, श्री बोवरी ने हिप्पोलिटे टौटेन नामक एक लंगड़े पैर वाले व्यक्ति का ऑपरेशन किया, जो पिछले पच्चीस वर्षों से प्लेस डी'आर्म्स स्थित मैडम विडो लेफ्रैंकोइस द्वारा संचालित लायन डी'ओर होटल में अस्तबल का नौकर था। इस ऑपरेशन की नवीनता और रोगी के प्रति लोगों की रुचि ने इतनी भीड़ खींच ली थी कि होटल के प्रवेश द्वार पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। ऑपरेशन इतना आसान था मानो जादू से किया गया हो, और त्वचा पर केवल कुछ बूँदें खून दिखाई दीं, मानो यह घोषणा कर रही हों कि विद्रोही नस अंततः कला के प्रयासों के आगे झुक गई है। आश्चर्यजनक रूप से (हम इसकी प्रत्यक्ष पुष्टि करते हैं), रोगी को कोई दर्द नहीं था। अब तक उसकी हालत उम्मीद से कहीं बेहतर है। इस बात के पूरे संकेत हैं कि उसका स्वास्थ्य लाभ कम समय में होगा; और कौन जाने, अगले गाँव के मेले में, हम अपने प्यारे हिप्पोलिटे को रंगीन तलवारों के बीच, क्या वह अपने जोशीले नृत्यों और भाषणों से यह साबित कर सकते हैं कि वे पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं? इसलिए, हमारे उदार वैज्ञानिकों को सलाम! उन अथक बुद्धिजीवियों को सलाम जो अपना पूरा समय अपने साथी मनुष्यों के कल्याण और राहत के लिए समर्पित करते हैं! उन्हें सलाम! तीन गुना सलाम! क्या अब हम यह नहीं कह सकते कि अंधे देखेंगे, बहरे सुनेंगे और लंगड़े चलेंगे? लेकिन जो कट्टरता ने कभी अपने कुछ चुने हुए लोगों से वादा किया था, विज्ञान अब

उसे सभी मनुष्यों के लिए पूरा कर रहा है! हम अपने पाठकों को इस असाधारण इलाज के क्रमिक चरणों से अवगत कराते रहेंगे।

लेकिन इससे मेरे लेफ्रांकोइस को पांच दिन बाद डर के मारे चीखते हुए आने से नहीं रोका जा सका:

“मदद करो! वो मर रहा है! … मैं पागल हो रही हूँ!”

चार्ल्स जल्दी से लायन डी'ओर की ओर भागा, और फार्मासिस्ट ने उसे बिना टोपी के चौक से गुजरते हुए देखकर फार्मेसी छोड़ दी। वह खुद हांफता हुआ, चेहरा लाल, चिंतित होकर लौटा और सीढ़ियाँ चढ़ने वाले हर किसी से पूछने लगा:

"हमारे इस दिलचस्प स्ट्रेफोपोड में क्या गड़बड़ है?"

वह स्ट्रेफोपोड भयानक ऐंठन के साथ छटपटा रहा था, इतना अधिक कि जिस यांत्रिक उपकरण में उसका पैर फंसा हुआ था, वह दीवार से इतनी जोर से टकरा रहा था कि उसका पैर अंदर धंस जाए।

पैर की स्थिति को न बिगाड़ने के लिए बहुत सावधानी बरतते हुए, उन्होंने डिब्बा हटाया और एक भयावह दृश्य उनके सामने आया। पैर का आकार सूजन में पूरी तरह से गायब हो गया था, इतनी सूजन थी कि त्वचा फटने वाली लग रही थी, और पूरी सतह उस बहुचर्चित मशीन के कारण हुए नीले धब्बों से ढकी हुई थी। हिप्पोलिटे ने इससे पहले शिकायत की थी कि इससे उसे दर्द हो रहा है; किसी ने ध्यान नहीं दिया था; उन्हें मानना पड़ा कि वह पूरी तरह से गलत नहीं था; और उन्होंने उसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दिया। लेकिन सूजन थोड़ी कम ही हुई थी कि दोनों विशेषज्ञों ने प्रक्रिया को तेज करने के लिए पैर को वापस मशीन में डालना और उसे और कसना उचित समझा। अंततः, तीन दिन बाद, हिप्पोलिटे के असहनीय दर्द के कारण, उन्होंने मशीन को फिर से हटा दिया और जो परिणाम उन्होंने देखा, उससे वे पूरी तरह से चकित रह गए। अब पैर पर एक गहरा लाल रंग का उभार फैल रहा था, जिसमें जगह-जगह फफोले थे जिनसे काला तरल पदार्थ रिस रहा था। स्थिति गंभीर होती जा रही थी। हिप्पोलिटे निराश होता जा रहा था, और मेरे लेफ्रांकोइस ने उसे रसोई के बगल वाले छोटे से बैठक कक्ष में स्थानांतरित कर दिया, ताकि कम से कम उसका ध्यान कुछ देर के लिए बँटा रहे।

लेकिन कर वसूलने वाला, जो हर दिन वहीं भोजन करता था, ऐसी संगति से बहुत नाराज़ था। इसलिए उन्होंने हिप्पोलिटे को बिलियर्ड्स रूम में भेज दिया।

वह अपने खुरदुरे कंबलों के नीचे सिसकते हुए लेटा रहता था, पीला पड़ा हुआ, बिना दाढ़ी बनाए, धंसी हुई आँखों वाला, कभी-कभी पसीने से तर अपना सिर गंदे तकिये पर घुमाता था जहाँ मक्खियाँ बैठती रहती थीं। मैडम बोवरी उससे मिलने आती थीं। वह उसके लिए पट्टी बांधने के लिए कपड़े लातीं और उसे दिलासा देतीं, उसका हौसला बढ़ातीं। वैसे भी, उसके पास लोगों की कमी नहीं थी, खासकर बाजार के दिनों में, जब वह देहाती

लोगों से घिरा रहता था जो बिलियर्ड की गेंदें मारते, क्यू स्टिक से खेलते, धूम्रपान करते, शराब पीते, गाते और चिल्लाते रहते थे।

"कैसे हो?" वे उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहते। "अरे, तुम ठीक नहीं लग रहे! लेकिन ये तुम्हारी ही गलती है। तुम्हें ये करना चाहिए था, तुम्हें वो करना चाहिए था।"

और वे उसे उन लोगों की कहानियाँ सुनाते थे जो उसके उपचारों से भिन्न उपचारों से ठीक हो गए थे; फिर वे उसे सांत्वना देते हुए कहते थे:

"असल बात तो ये है कि तुम खुद को बहुत लाड़-प्यार दे रहे हो! उठो! तुम तो खुद को राजा-महाराजा की तरह सजाते हो! अरे छोड़ो, बूढ़े! तुमसे कितनी बदबू आ रही है!"

वास्तव में, गैंग्रीन तेजी से फैल रहा था। बोवरी स्वयं इसे देखकर बहुत परेशान था। वह किसी भी समय, अचानक आ जाता। हिप्पोलिटे उसे भय से भरी आँखों से देखता और सिसकते हुए हकलाता:

मैं कब ठीक होऊंगा? ... हे भगवान! ... मैं कितना दुखी हूँ! मैं कितना दुखी हूँ!

और डॉक्टर फिर से चले जाते, हमेशा सीमित आहार की सलाह देते हुए।

"उसकी बात मत सुनो, मेरे लेफ्रांकोइस कहती थीं; क्या उन्होंने तुम्हें पहले ही काफी सताया नहीं है? तुम सिर्फ खुद को कमजोर बनाओगे। लो, इसे निगल लो!"

और वह उसे कुछ अच्छा शोरबा, भुने हुए मटन का एक टुकड़ा, बेकन का एक टुकड़ा और कभी-कभी एक छोटा गिलास ईओ-डी-वी देती थी, जिसे पीने की हिम्मत उसमें नहीं होती थी।

एब्बे बोर्निसिएन को जब पता चला कि उनकी हालत बिगड़ रही है, तो उन्होंने उनसे मिलने की इच्छा जताई। उन्होंने उनकी बीमारी पर सहानुभूति जताते हुए कहा कि उन्हें इसमें प्रसन्न होना चाहिए, क्योंकि यह प्रभु की इच्छा है, और स्वर्ग से मेल-मिलाप करने के इस अवसर का लाभ उठाने में जरा भी देर न करें।

"क्योंकि," पादरी ने पिता तुल्य स्वर में कहा, "तुम अपने कर्तव्यों की थोड़ी उपेक्षा कर रहे थे; तुम्हें प्रार्थना में शायद ही कभी देखा जाता था; पवित्र वेदी के पास गए तुम्हें कितने वर्ष हो गए हैं? मैं समझता हूँ कि तुम्हारे कामों और दुनिया की भागदौड़ ने तुम्हें अपने उद्धार के लिए प्रार्थना करने से विचलित कर दिया होगा। लेकिन अब इस पर विचार करने का समय है। फिर भी निराश मत हो; मैंने कुछ ऐसे बड़े पापियों को भी जाना है जो ईश्वर के समक्ष उपस्थित होने से ठीक पहले (मुझे भली-भांति पता है कि तुम अभी उस स्थिति तक नहीं पहुँचे हो), उनकी दया की याचना की और निश्चय ही सर्वोत्तम परिस्थितियों में प्राण त्यागे। आशा है कि तुम भी उनकी तरह हमारे लिए एक अच्छा उदाहरण बनोगे! उदाहरण के लिए, एहतियात के तौर पर, क्यों न तुम हर

सुबह और हर शाम 'हे कृपा से परिपूर्ण मेरी' और 'हे स्वर्ग में रहने वाले हमारे पिता' का पाठ करो? जी हाँ! मेरे लिए ऐसा करो, मुझ पर एहसान करो। इसमें तुम्हारा क्या खर्चा होगा? ... क्या तुम वादा करोगे?"

बेचारे ने वादा कर दिया। पादरी अगले कुछ दिनों में फिर आया। वह सराय मालिक से बातचीत करता और यहाँ तक कि चुटकुलों और व्यंग्यों से भरी कहानियाँ सुनाता जो हिप्पोलिटे को समझ नहीं आती थीं। फिर, जैसे ही परिस्थिति अनुकूल होती, वह धार्मिक विषयों पर लौट आता, उसके चेहरे पर उचित भाव आ जाते।

उनकी लगन रंग ला रही थी; क्योंकि उस स्ट्रेफोपोड ने जल्द ही ठीक होने पर बॉन-सेकर्स की तीर्थयात्रा पर जाने की इच्छा ज़ाहिर की। इस पर श्री बोर्निसीन ने कहा कि उन्हें इसमें कोई आपत्ति नहीं है; दो सावधानियां एक से बेहतर होती हैं। एक में कोई जोखिम नहीं होता।

औषध विक्रेता पुजारी की साजिशों पर क्रोधित था; उसका दावा था कि इससे हिप्पोलिटे के स्वास्थ्य लाभ में बाधा आएगी, और वह मैडम लेफ्रांकोइस से बार-बार कह रहा था:

"उसे अकेला छोड़ दो! उसे अकेला छोड़ दो! तुम अपने रहस्यवाद से उसकी मानसिक शांति भंग कर रहे हो!"

लेकिन उस नेक महिला ने उसकी बात नहीं सुनी। उसे हर चीज़ का कारण वही लगता था। अड़ियल रवैये में आकर उसने मरीज़ के बिस्तर के पास पवित्र जल से भरा एक पात्र और साथ में बॉक्सवुड की एक टहनी भी टांग दी।

लेकिन धर्म भी उनके लिए शल्य चिकित्सा से कम सहायक प्रतीत हुआ, और असाध्य सड़न उनके अंगों से पेट की ओर बढ़ती रही। दवाइयाँ बदलने और पट्टियाँ लगाने का कोई लाभ नहीं हुआ, मांसपेशियाँ प्रतिदिन और अधिक गलती रहीं, और अंततः चार्ल्स ने तब सहमति में सिर हिलाया जब मेरी लेफ्रांकोइस ने उनसे पूछा कि क्या वह अंतिम उपाय के रूप में, न्यूफ़चैटेल के प्रसिद्ध श्री कैनिवेट को बुलवा सकती हैं।

एक पचास वर्षीय चिकित्सक, जो उच्च पद पर थे और आत्मविश्वास से भरे हुए थे, उनके सहकर्मी ने घुटने तक गल चुकी टांग को देखकर उपहास में हंसने में जरा भी संकोच नहीं किया। फिर, स्पष्ट रूप से यह कहते हुए कि इसे काटना ही पड़ेगा, वे फार्मासिस्ट के पास गए और उन मूर्खों को कोसने लगे जिन्होंने एक दुर्भाग्यशाली व्यक्ति को इस हालत में पहुंचा दिया था। उन्होंने फार्मासिस्ट के कोट का बटन पकड़कर श्री होम्स को झकझोरते हुए कहा:

"ये सब आविष्कार पेरिस में हुए हैं! ये सब राजधानी के उन सज्जनों के विचार हैं! जैसे कि भेंगापन, क्लोरोफॉर्म, लिथोट्रिटी—ये सब ऐसी विकृतियाँ हैं जिन्हें सरकार को प्रतिबंधित कर देना चाहिए! लेकिन वे होशियार दिखना चाहते हैं और परिणामों की परवाह किए बिना आपको ढेरों इलाज देते हैं। हम यहाँ इतने चालाक नहीं हैं; हम वैज्ञानिक, शौकीन या औरतों के दीवाने नहीं हैं; हम चिकित्सक, वैद्य हैं और हम कभी भी किसी स्वस्थ

व्यक्ति का ऑपरेशन करने के बारे में नहीं सोचेंगे! टेढ़े पैर को ठीक करना? टेढ़े पैर को कैसे ठीक किया जा सकता है? यह तो कुबड़ापन ठीक करने जैसा होगा!"

होमेस यह भाषण सुनकर दुखी हुआ, और उसने अपने दुख को एक चापलूसी भरी मुस्कान के पीछे छिपा लिया, क्योंकि उसे महाशय कैनीवेट को प्रसन्न करना था, जिनके सुझाव कभी-कभी योनविले तक पहुँच जाते थे; इसलिए उसने बोवरी का बचाव नहीं किया, बल्कि कोई टिप्पणी करने से परहेज किया, और अपने सिद्धांतों को त्यागकर, अपने व्यवसाय के अधिक गंभीर हितों के लिए अपनी गरिमा का बलिदान कर दिया।

डॉक्टर कैनिवेट द्वारा जांघ के बीच से किया गया यह अंग-विच्छेदन गाँव के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी! उस दिन सभी निवासी सामान्य से जल्दी उठ गए थे, और ग्रांडे-रू, लोगों से भरी होने के बावजूद, एक अशुभ सा माहौल लिए हुए थी, मानो कोई फाँसी होने वाली हो। किराने की दुकान में लोग हिप्पोलिटे की बीमारी के बारे में बातें कर रहे थे; दुकानों में कुछ भी नहीं बिक रहा था; और मेयर की पत्नी मैडम तुवाचे अपनी खिड़की से हिली तक नहीं, वह सर्जन के आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थीं।

वह अपनी कैब्रियोलेट कार में पहुंचे, जिसे वह खुद चला रहे थे। लेकिन समय के साथ उनके भारी-भरकम शरीर के भार से दाहिनी ओर के स्प्रिंग ढीले पड़ जाने के कारण, गाड़ी आते ही थोड़ी एक तरफ झुक गई, और उनके बगल में दूसरे कुशन पर लाल भेड़ के चमड़े से ढका एक विशाल संदूक दिखाई दे रहा था, जिसके तीन पीतल के बटन शान से चमक रहे थे।

जब वह लायन डी'ओर के बरामदे के नीचे से बवंडर की तरह गुज़रे, तो डॉक्टर ने ज़ोर से चिल्लाते हुए अपने घोड़े को खोल देने का आदेश दिया; फिर वह अस्तबल में यह देखने गए कि क्या उसे सचमुच जई खिलाई जा रही है; क्योंकि जब भी वह अपने किसी मरीज़ के घर पहुँचते, तो सबसे पहले अपनी घोड़ी और अपने कैब्रियोलेट (घोड़े की सवारी) की देखभाल करते थे। लोग तो इसी वजह से कहते थे, "अरे! श्रीमान कैनिवेट—क्या गज़ब के शख्स हैं!" और उनके अटूट आत्म-संयम के कारण उनका और भी सम्मान था। भले ही दुनिया का आखिरी आदमी भी नष्ट हो जाए, फिर भी वह अपनी किसी भी आदत को नहीं भूलेंगे।

होमेस उसके पास आया।

डॉक्टर ने कहा, "मुझे आप पर पूरा भरोसा है। क्या हम तैयार हैं? चलिए चलते हैं!"

लेकिन दवा विक्रेता ने शर्म से लाल होते हुए स्वीकार किया कि वह इस तरह के ऑपरेशन में उपस्थित होने के लिए बहुत संवेदनशील था।

उन्होंने कहा, "जब कोई महज दर्शक होता है, तो उसकी कल्पना शक्ति अतिउत्तेजित हो जाती है! और मेरा तंत्रिका तंत्र तो ऐसा ही है..."

“अरे!” कैनीवेट ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “इसके विपरीत, मुझे लगता है कि आप तो आसानी से पागल हो जाते हैं। और तो और, इसमें मुझे कोई हैरानी नहीं है; क्योंकि आप सज्जन, आप फार्मासिस्ट, हमेशा अपनी रसोई में ही बंद रहते हैं, जिसका नतीजा आपके स्वास्थ्य पर ज़रूर असर पड़ता है। अब, मुझे ही देख लीजिए: मैं हर दिन सुबह चार बजे उठता हूँ, ठंडे पानी से शेव करता हूँ (मुझे कभी ठंड नहीं लगती), और मैं फलालैन नहीं पहनता, मुझे कभी सर्दी नहीं लगती, मैं बिल्कुल तंदुरुस्त हूँ! मैं कभी एक तरह से खाता हूँ, कभी दूसरी तरह से, और इसे दार्शनिक रूप से स्वीकार करता हूँ, जहाँ भी मौका मिलता है, खाना खा लेता हूँ। इसीलिए मैं आपकी तरह नाज़ुक नहीं हूँ, और मेरे लिए कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे मैं किसी अच्छे ईसाई को काटूँ या मेरे सामने परोसी गई किसी मुर्गी को। आप कहेंगे, यह सब आदत की बात है..., बस आदत!...”

फिर, हिप्पोलिटे की परवाह किए बिना, जो अपने बिस्तर के नीचे पीड़ा से पसीने से तरबतर था, दोनों सज्जन बातचीत में जुट गए। बातचीत में वैद्य ने सर्जन की शीतलता की तुलना सेनापति की शीतलता से की; और यह तुलना कैनीवेट को अच्छी लगी, जिसने अपने पेशे की मांगों पर कुछ टिप्पणियाँ कीं। वह इसे एक पवित्र पेशा मानता था, भले ही स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसे बदनाम किया हो। अंत में, रोगी के पास लौटकर, उसने होमेस द्वारा लाई गई पट्टियों की जाँच की, वही पट्टियाँ जो क्लबफुट के ऑपरेशन के समय दिखाई दी थीं, और किसी से कहा कि वह उसके पैर को पकड़ ले। उन्होंने लेस्टिबूडोइस को बुलवाया, और श्रीमान कैनीवेट ने अपनी आस्तीनें ऊपर चढ़ाकर बिलियर्ड्स कक्ष में चले गए, जबकि वैद्य आर्टेमिस और सराय मालिक के साथ वहीं रुका रहा, दोनों अपने एप्रन से भी अधिक सफेद पड़ गए थे और दरवाजे की ओर कान लगाए बैठे थे।

इस दौरान बोवरी अपने घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। वह नीचे बैठक में, ठंडी चिमनी के पास बैठा रहता, ठुड्डी सीने पर टिकाए, हाथ जोड़े, आँखें गड़ाए। कितनी बड़ी विपत्ति! वह सोच रहा था, कितनी बड़ी निराशा! फिर भी उसने हर संभव सावधानी बरती थी। भाग्य का इसमें हाथ था। फिर भी! अगर हिप्पोलिटे की बाद में मृत्यु हो जाती, तो वही उसे मारता। और फिर, जब मरीज़ उससे सवाल करते, तो वह क्या बहाना बनाता? शायद, उसने कहीं कोई गलती कर दी हो? उसने अपने मन में खोजबीन की, कुछ नहीं मिला। लेकिन सबसे प्रसिद्ध सर्जन भी गलतियाँ करते हैं। यही तो लोग कभी मानना नहीं चाहते थे! नहीं—इसके बजाय, वे उस पर हँसेंगे, उसके बारे में बातें करेंगे! खबर फोर्जेस तक फैल जाएगी! न्यूफ़चैटेल तक! रूएन तक! हर जगह! कौन कह सकता है कि उसके सहकर्मी उसके खिलाफ नहीं लिखेंगे? विवाद होगा; उसे अखबारों में जवाब देना होगा। हिप्पोलिटे खुद उस पर मुकदमा कर सकता है। उसने खुद को अपमानित, बर्बाद और खोया हुआ पाया! और उसकी कल्पना, असंख्य संभावनाओं से घिरी हुई, उनके बीच ऐसे भटक रही थी जैसे कोई खाली पीपा समुद्र में ले जाकर लहरों में लोट रहा हो।

सामने बैठी एम्मा उसे देख रही थी; वह उसकी शर्मिंदगी में भागीदार नहीं थी, वह एक अलग तरह की शर्मिंदगी का अनुभव कर रही थी: कि उसने कल्पना की थी कि ऐसा आदमी कुछ लायक हो सकता है, मानो बीस बार कहने के बाद भी वह उसकी साधारणता के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त न हो गई हो।

चार्ल्स कमरे में इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था। उसके जूते लकड़ी के फर्श पर चरमरा रहे थे।

"बैठ जाओ," उसने कहा। "तुम मुझे परेशान कर रहे हो!"

वह फिर से बैठ गया।

सचमुच, वह (जो इतनी बुद्धिमान थी!) एक बार फिर चीजों को कैसे गलत समझ बैठी? और किस दुखद मूर्खता के कारण उसने एक के बाद एक बलिदान देकर अपना जीवन इस तरह बर्बाद कर दिया? उसे विलासिता के प्रति अपना स्वाभाविक लगाव, अपनी आत्मा की सारी कमी, विवाह और गृहस्थी की घिनौनी बातें, कीचड़ में घायल चिड़ियों की तरह गिरते उसके सपने, उसकी सारी इच्छाएँ, वह सब कुछ जो उसने खुद से छीन लिया था, वह सब कुछ जो वह पा सकती थी, याद आ गया! और किसलिए! किसलिए!

गाँव पर छाए सन्नाटे के बीच, एक दिल दहला देने वाली चीख गूंजी। बोवरी का चेहरा इतना पीला पड़ गया कि मानो वह बेहोश हो जाएगी। उसकी भौंहें घबराहट से सिकुड़ गईं, फिर भी वह बोलती रही। लेकिन यह उसके लिए था, इस प्राणी के लिए, इस आदमी के लिए जो कुछ नहीं समझता था, जो कुछ महसूस नहीं करता था! — क्योंकि वह वहाँ बिल्कुल शांत बैठा था, उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि अब से उसके नाम से जुड़ा उपहास उसे और उसे दोनों को कलंकित करने वाला है। उसने उससे प्रेम करने का प्रयास किया था, और दूसरे के सामने झुक जाने के लिए वह आँसुओं में पश्चाताप कर चुकी थी।

"क्यों, शायद यह एक वाल्गस था!" बोवरी ने अचानक सोचते हुए कहा।

उस वाक्य के अप्रत्याशित आघात से, जो मानो चांदी की थाली पर सीसे की गोली गिरने जैसा था, एम्मा कांप उठी और यह समझने की कोशिश करने लगी कि उसका क्या मतलब है। वे दोनों एक-दूसरे को खामोशी से देखते रहे, मानो एक-दूसरे को वहाँ देखकर अवाक रह गए हों, क्योंकि उनके विचार उन्हें एक-दूसरे से इतना दूर ले गए थे। चार्ल्स उसे एक शराबी की धुंधली निगाहों से निहार रहा था, और साथ ही वह बिना हिले-डुले उस अपंग की आखिरी चीखों को सुन रहा था, जो एक के बाद एक धीमी, लयबद्ध आवाज़ में तेज चीखों के साथ निकल रही थीं, मानो दूर कहीं किसी जानवर का गला काटा जा रहा हो। एम्मा अपने पीले होंठों को काट रही थी, और अपनी उंगलियों में मूंगे के एक टुकड़े को घुमाते हुए, उसने चार्ल्स पर अपनी जलती हुई निगाहें गड़ा दीं, मानो आग के दो तीर छूटने वाले हों। अब चार्ल्स की हर चीज़ उसे परेशान कर रही थी—उसका चेहरा, उसके कपड़े, जो वह नहीं कह रहा था, उसका पूरा व्यक्तित्व, उसका अस्तित्व ही। वह अपने अतीत के सद्गुणों पर ऐसे

पश्चाताप कर रही थी मानो वह कोई अपराध हो, और जो थोड़ा-बहुत सद्गुण बचा था वह भी उसके अहंकार के प्रचंड प्रहारों से चूर-चूर हो गया। उसने विजयी व्यभिचार की तमाम दयनीय विडंबनाओं का आनंद लिया। उसके प्रेमी की स्मृति उसे मदहोश कर देने वाले प्रलोभनों के साथ लौट आई: उसने अपना सारा प्राण उस स्मृति में झोंक दिया, एक नए जोश से उस छवि की ओर बह गई; और चार्ल्स उसे अपने जीवन से इतना विमुख, इतना शाश्वत अनुपस्थित, इतना असंभव और नष्ट हुआ प्रतीत हुआ मानो वह मरने वाला हो और उसकी आँखों के सामने अपनी मृत्यु की पीड़ा भोग रहा हो।

फुटपाथ पर कदमों की आहट सुनाई दी। चार्ल्स ने बाहर देखा; और नीचे झुके हुए पर्दे के पार, उसने बाजार के किनारे, तेज धूप में, डॉक्टर कैनिवेट को अपने रुमाल से माथा पोंछते हुए देखा। उनके पीछे होमेस अपने हाथों में एक बड़ा लाल डिब्बा लिए हुए था, और वे दोनों फार्मेसी की ओर जा रहे थे।

फिर, अचानक कोमलता और निराशा से भरे स्वर में, चार्ल्स ने अपनी पत्नी की ओर मुड़कर कहा:

मुझे चूम लो, मेरे प्रिय!

"मुझे अकेला छोड़ दो!" वह गुस्से से लाल होकर बोली।

“क्या बात है? क्या बात है?” वह स्तब्ध होकर बोला। “शांत हो जाओ! परेशान मत हो! … तुम जानते हो कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ! … मेरे पास आओ!”

“रुको!” उसने भयानक चेहरे के साथ चिल्लाकर कहा।

और कमरे से बाहर भागते हुए, एम्मा ने दरवाजा इतनी जोर से बंद किया कि बैरोमीटर दीवार से उछलकर फर्श पर गिर गया और चकनाचूर हो गया।

चार्ल्स अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर धंस गया, वह अभिभूत था, यह सोचने की कोशिश कर रहा था कि उसे क्या हो सकता है, वह किसी तंत्रिका संबंधी बीमारी की कल्पना कर रहा था, रो रहा था, और उसे एक अस्पष्ट अहसास था कि उसके आसपास की हवा में कुछ घातक और समझ से परे है।

उस रात जब रोडोल्फ बगीचे में आया, तो उसने अपनी प्रेमिका को सीढ़ियों के सबसे निचले पायदान पर उसका इंतज़ार करते हुए पाया। वे एक-दूसरे की बाहों में गिर पड़े, और उस चुंबन की गर्माहट में उनकी सारी दुश्मनी बर्फ की तरह पिघल गई।

[12]

उनका प्यार फिर से जाग उठा था। अक्सर, एम्मा दिन के बीच में अचानक उसे चिट्ठी लिखती; फिर खिड़की के शीशे से वह जस्टिन को इशारा करती, जो झटपट अपना एप्रन खोलकर ला हुशेट के लिए निकल जाता। रोडोल्फ आता; वह उसे बताना चाहती थी कि वह ऊब चुकी है, उसका पति घृणित है और उसका जीवन भयानक है!

“मैं इसके बारे में कुछ कर कैसे सकता हूँ?” एक दिन उसने अधीर होकर कहा।

“ओह! अगर आप चाहते तो!…”

वह जमीन पर, उसके घुटनों के बीच बैठी थी, उसके बाल खुले हुए थे, उसकी निगाहें कहीं और थीं।

“तो फिर क्या?” रोडोल्फ ने कहा।

उसने आह भरी।

हम कहीं और जाकर रह सकते हैं… कहीं और…

“तुम तो बिल्कुल पागल हो!” उसने हंसते हुए कहा। “क्या तुमने सच में ऐसा कहा?”

वह फिर उसी विचार पर लौट आई; ऐसा लगा कि वह समझ नहीं पाया और उसने बातचीत की दिशा बदल दी।

उसे यह बात समझ नहीं आ रही थी कि प्रेम जैसी इतनी साधारण सी बात पर इतना हंगामा क्यों हो रहा है। उसके पास कोई मकसद था, कोई वजह थी, कोई ऐसी सहायक शक्ति थी जो उसके प्रति उसके जुनून को और मजबूत कर रही थी।

दरअसल, पति के प्रति उसकी घृणा दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही थी। जितना अधिक वह स्वयं को एक के प्रति समर्पित करती, उतना ही दूसरे से घृणा करती; चार्ल्स उसे कभी इतना अप्रिय, इतना चौकोर उंगलियों वाला, इतना भद्दा बुद्धि वाला और इतना साधारण व्यवहार वाला नहीं लगा था, जितना कि रोडोल्फ के साथ उसकी मुलाकातों के बाद जब वे साथ होते थे। तब, भले ही वह पत्नी और सदाचारी स्त्री होने का दिखावा करती, फिर भी वह उस सिर के बारे में सोचकर उत्तेजित हो जाती, जिसके काले बाल धूप में तपे माथे पर लहराते थे, उस शरीर के बारे में जो एक साथ इतना मजबूत और इतना सुंदर था, उस पुरुष के बारे में जो अपने विवेक में इतना अनुभवी और अपनी इच्छाओं में इतना भावुक था! उसी के लिए वह अपने नाखूनों को एक नक्काशीकार की तरह सावधानी से संवारती थी, और उसकी त्वचा पर कभी भी पर्याप्त कोल्ड क्रीम नहीं होती थी, न ही उसके रूमालों पर पचौली। वह खुद को कंगन, अंगूठियों और हारों से सजाती थी। जब वह आने वाला होता, तो वह अपने दो बड़े नीले कांच के फूलदानों को गुलाबों से भर देती, और अपने कमरे और खुद को एक

राजकुमार की प्रतीक्षा कर रही दरबारी की तरह सजाती। नौकरानी को लगातार उसके कपड़े धोने पड़ते थे; और इसलिए सारा दिन, फेलिसिटे रसोई से हिलती नहीं थी, जहाँ युवा जस्टिन, जो अक्सर उसके साथ रहता था, उसे काम करते हुए देखता रहता था।

जिस लंबे तख्ते पर वह इस्त्री कर रही थी, उस पर अपनी कोहनी टिकाए, वह अपने चारों ओर फैली महिलाओं की इन सभी चीजों को उत्सुकता से देखता रहता था: डिमिटी पेटीकोट, फिचू, कॉलर और ड्रॉस्ट्रिंग पैंटलेट, जो कूल्हों पर चौड़ी और नीचे की ओर संकीर्ण होती जाती थीं।

"यह किसलिए है?" लड़का क्रिनोलिन या हुक और आई पर हाथ फेरते हुए पूछता था।

"क्या तुमने कभी कुछ देखा ही नहीं?" फेलिसिटे हंसते हुए जवाब देती; "जैसे कि तुम्हारी मालकिन, मैडम होमेस, भी ठीक इसी तरह के कपड़े नहीं पहनती हों।"

“जी हाँ! मैडम होमेस!”

और वह चिंतनशील स्वर में आगे कहते:

क्या वह मैडम की तरह एक सभ्य महिला है?

लेकिन जब वह इस तरह उसके आसपास मंडराता रहता था तो फेलिसिटे का धैर्य टूट जाता था। वह उससे छह साल बड़ी थी, और मिस्टर गिलौमिन का नौकर थियोडोर उससे प्रेम निवेदन करने लगा था।

“मुझे चैन से रहने दो!” वह स्टार्च का जार हिलाते हुए कहती। “जाओ अपने बादाम पीस लो; तुम हमेशा औरतों के मामलों में दखल देते हो; जब तक तुम्हारे चेहरे पर बाल न आ जाएं, तब तक इन सब झंझटों में मत पड़ो, बदमाश कहीं के।”

"अरे, गुस्सा मत होइए। मैं जाकर आपके लिए उसके जूते ठीक कर देती हूँ।"

और तुरंत ही वह मेंटलपीस की ओर हाथ बढ़ाकर एम्मा के जूते उठा लेता, जो कीचड़ से सने हुए थे—उसके मिलन स्थल का कीचड़; वह कीचड़ उसकी उंगलियों के नीचे धूल की तरह झड़ जाता, और वह उसे सूर्य की एक किरण में धीरे-धीरे ऊपर उठते हुए देखता।

"आप इन्हें नुकसान पहुंचाने से कितना डरती हैं!" नौकरानी ने कहा, जो खुद इन्हें साफ करते समय इतनी सावधानी नहीं बरतती थी, क्योंकि जैसे ही कपड़े की ताजगी खत्म हो जाती थी, मालकिन उन्हें उसे वापस दे देती थीं।

एम्मा के पास अपनी अलमारी में उनमें से काफी मात्रा में थे, और वह एक-एक करके उन्हें देखती रही, बिना चार्ल्स को जरा सी भी टिप्पणी करने की अनुमति दिए।

इसी तरह, उन्होंने लकड़ी के एक पैर के लिए तीन सौ फ्रैंक खर्च किए, जिसे मैडम बोवरी ने हिप्पोलिटे को उपहार के रूप में देने का सोचा था। पैर में कॉर्क की परत चढ़ी हुई थी और उसमें स्प्रिंग वाले जोड़ थे; यह एक जटिल तंत्र था जो काले रंग की पैंट के एक हिस्से से ढका हुआ था और अंत में पेटेंट लेदर के बूट में समाप्त होता था। लेकिन हिप्पोलिटे, इतने सुंदर पैर को हर दिन इस्तेमाल करने की हिम्मत न करते हुए, मैडम बोवरी से एक और सुविधाजनक पैर का इंतजाम करने की विनती की। डॉक्टर ने, बेशक, इस खरीद का खर्च भी उठाया।

और इस तरह अस्तबल का नौकर धीरे-धीरे अपना काम फिर से शुरू करने लगा। उसे गाँव से गुजरते हुए हमेशा की तरह देखा जा सकता था, और जब दूर से चार्ल्स को उसकी छड़ी की तेज़ आवाज़ सुनाई देती, तो वह झट से अपना रास्ता बदल लेता।

यह ऑर्डर कपड़े के व्यापारी श्री ल्यूरेक्स ने लिया था; इससे उन्हें एम्मा से मिलने का मौका मिल गया। वे पेरिस से आए नए सामानों, महिलाओं के लिए दर्जनों नई चीज़ों के बारे में एम्मा से बातें करते, उनका व्यवहार बहुत ही सौम्य होता और वे कभी पैसे नहीं मांगते थे। एम्मा ने अपनी सभी इच्छाओं को पूरा करने के इस आसान तरीके को अपना लिया। उदाहरण के लिए, वह रोडोल्फ को उपहार में देने के लिए एक बहुत ही सुंदर घुड़सवारी की चाबुक चाहती थी, जो रूएन में एक छाता की दुकान में मिलती थी। श्री ल्यूरेक्स ने अगले सप्ताह उसे एम्मा की मेज पर रख दिया।

लेकिन अगले दिन वह उसके घर 270 फ़्रैंक का बिल लेकर आ गया, जिसमें सेंटाइम शामिल नहीं थे। एम्मा बहुत शर्मिंदा हुई: सचिव के डेस्क की सभी दराजें खाली थीं; उन पर लेस्टिबूडोइस का दो सप्ताह से अधिक का और नौकर का दो तिमाही का कर्ज़ था; इसके अलावा भी कई अन्य कर्ज़ थे; और बोवरी बेसब्री से श्री डेरोज़ेरेज़ से भुगतान की प्रतीक्षा कर रहा था, जो हर साल सेंट पीटर दिवस के आसपास भुगतान करने की आदत रखता था।

वह पहले तो ल्यूरेक्स को टालने में सफल रही; लेकिन अंततः उसका धैर्य टूट गया: लोग उसका पीछा कर रहे थे, उसकी पूंजी कहीं और लगी हुई थी, और अगर वह उसमें से कुछ भी वापस नहीं पा सका, तो उसे उसके पास मौजूद सभी वस्तुएं वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

“ठीक है, इन्हें वापस ले जाओ!” एम्मा ने कहा।

“अरे, मैं तो मज़ाक कर रहा था!” उसने जवाब दिया। “बस, काश मुझे वो चाबुक वापस मिल जाती। जी हाँ! मैं महोदय से उसे लौटाने के लिए कहूँगा।”

“नहीं, नहीं!” उसने कहा।

“आह! मैंने तुम्हें पकड़ लिया!” ल्यूरेक्स ने सोचा।

और, अपनी खोज के प्रति आश्वस्त होकर, वह अपनी आदत के अनुसार धीमी सीटी बजाते हुए बाहर चला गया:

ठीक है! देखते हैं! देखते हैं!

वह सोच ही रही थी कि वह इस मुसीबत से कैसे निकलेगी, तभी नौकरानी कमरे में आई और शेल्फ पर श्री डेरोज़ेरेज़ की ओर से नीले रंग का एक छोटा सा कागज़ का टुकड़ा रख दिया। एम्मा झपटी और उसे खोला। उसमें पंद्रह नेपोलियन थे। यही हिसाब था। उसने सीढ़ियों पर चार्ल्स की आवाज़ सुनी; उसने सोने को अपनी दराज में फेंक दिया और चाबी ले ली।

तीन दिन बाद ल्यूरेक्स फिर से प्रकट हुआ।

“मेरे पास आपके लिए एक प्रस्ताव है,” उसने कहा। “यदि आप तय की गई राशि का भुगतान करने के बजाय, … लेना चाहें तो।”

"ये लीजिए," उसने कहा और उसके हाथ में चौदह नेपोलियन रख दिए।

कपड़ा व्यापारी अवाक रह गया। फिर, अपनी निराशा छिपाने के लिए, उसने माफी मांगने और मदद की पेशकश करने का सिलसिला शुरू कर दिया, जिसे एम्मा ने ठुकरा दिया; फिर वह कुछ मिनटों तक वहीं खड़ी रही और अपने एप्रन की जेब में उन दो सौ सू के सिक्कों को टटोलती रही जो व्यापारी ने उसे वापस दिए थे। उसने खुद से वादा किया कि वह बचत करेगी, ताकि बाद में वह कर्ज चुका सके…

“अरे!” उसने सोचा। “वह इस बारे में कभी दोबारा सोचेगा भी नहीं।”

चांदी की घुंडी वाली घुड़सवारी की चाबुक के अलावा, रोडोल्फ को 'अमोर नेल कोर' आदर्श वाक्य वाली एक अंगूठी, मफलर के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक स्कार्फ और अंत में विस्काउंट के सिगार के डिब्बे जैसा ही एक सिगार का डिब्बा मिला था, जिसे चार्ल्स ने एक बार सड़क से उठाया था और जिसे एम्मा ने संभाल कर रखा था। फिर भी, उसे ये उपहार अपमानजनक लगे। उसने कई उपहार ठुकरा दिए; एम्मा ने ज़िद की; और अंत में रोडोल्फ ने हार मान ली, क्योंकि उसे एम्मा अत्याचारी और हद से ज़्यादा दखल देने वाली लगी।

और उसके कुछ अजीबोगरीब विचार थे:

वह कहती थीं, "जब आधी रात हो जाए, तो मुझे याद करना!"

और अगर उसने यह स्वीकार कर लिया कि उसने उसके बारे में नहीं सोचा था, तो निंदाओं की बाढ़ आ जाएगी, जो हमेशा इस शाश्वत प्रश्न के साथ समाप्त होगी:

"क्या तुम मुझसे प्यार करते हो?"

“हां, बिल्कुल मैं तुमसे प्यार करता हूँ!” वह जवाब देता था।

"बहुत ज्यादा?"

"निश्चित रूप से!"

“तुमने कभी किसी और से प्यार नहीं किया, है ना?”

“क्या तुम्हें लगता है कि जब तुम मुझसे मिले थे तब मैं कुंवारा था?” वह हंसते हुए कहता था।

एम्मा रोने लगती थी, और वह उसे सांत्वना देने की कोशिश करता था, अपनी बातों में हास्य का पुट डालकर उसे और भी जीवंत बना देता था।

“ओह! बस यही कि मैं तुमसे प्यार करती हूँ!” वह आगे कहती; “मैं तुमसे इतना प्यार करती हूँ कि तुम्हारे बिना रह ही नहीं सकती, क्या तुम जानते हो? कभी-कभी मैं तुम्हें फिर से देखने के लिए इतनी तड़पती हूँ कि मेरा प्यार मुझे अंदर से तोड़ देता है। मैं सोचती हूँ: ‘वह कहाँ है? शायद वह किसी और औरत से बात कर रहा हो? वह उसे देखकर मुस्कुरा रही है, वह उसके पास जा रहा है…’ नहीं! क्या तुम्हें कोई और पसंद है? हो सकता है कुछ और औरतें ज़्यादा खूबसूरत हों, लेकिन मैं तुमसे प्यार करने में सबसे अच्छी हूँ! मैं तुम्हारी दासी और तुम्हारी रखैल हूँ! तुम मेरे राजा हो, मेरे आदर्श हो! तुम अच्छे हो! तुम सुंदर हो! तुम बुद्धिमान हो! तुम बलवान हो!”

ये बातें उसने इतनी बार सुनी थीं कि उसके लिए इनमें कुछ भी नया नहीं था। एम्मा बाकी सभी प्रेमिकाओं जैसी ही थी; और नवीनता का आकर्षण, कपड़े के टुकड़े की तरह धीरे-धीरे उतरते हुए, जुनून की शाश्वत एकरसता को उजागर करता था, जो हमेशा एक ही रूप धारण करती है और एक ही भाषा का प्रयोग करती है। इतने व्यापक अनुभव वाले इस व्यक्ति को अभिव्यक्ति की समानताओं के पीछे छिपी भावनाओं का अंतर समझ नहीं आता था। क्योंकि व्यभिचारी या लालची लोगों ने भी उससे यही शब्द कहे थे, इसलिए उसे उनकी सच्चाई पर कम ही भरोसा था; उसने सोचा कि साधारण भावनाओं को छुपाने वाले अतिरंजित भाषणों को नजरअंदाज करना पड़ता है; मानो आत्मा की परिपूर्णता कभी-कभी सबसे खोखले रूपकों में भी उमड़ न जाए, क्योंकि हममें से कोई भी अपनी जरूरतों, अपने विचारों या अपने दुखों को ठीक-ठीक व्यक्त नहीं कर सकता, और मानवीय वाणी एक टूटे हुए बर्तन की तरह है जिस पर हम भालुओं को नचाने के लिए धुन बजाते हैं, जबकि हम तारों को दया से भर देना चाहते हैं।

लेकिन किसी भी रिश्ते में तटस्थ रहने वाले व्यक्ति की विशिष्ट श्रेष्ठता के कारण, रोडोल्फ ने इस प्रेम संबंध में अन्य सुखों को देखा। उसने किसी भी प्रकार की शालीनता को असुविधाजनक समझा। उसने उसके साथ लापरवाही से व्यवहार किया। उसने उसे आज्ञाकारी और भ्रष्ट बना दिया। उसका लगाव एक प्रकार का मूर्खतापूर्ण था, जो उसके प्रति प्रशंसा, उसके लिए कामुक सुख, एक ऐसे आनंद से भरा था जिसने उसे सुन्न कर दिया था; और उसकी आत्मा इस नशे में डूब गई और उसमें विलीन हो गई, ड्यूक ऑफ क्लेरेंस की तरह मुरझा गई।

अपनी प्रेममयी आदतों के प्रभाव से ही मैडम बोवरी का व्यवहार बदल गया था। उनकी निगाहें और भी तीखी हो गईं, उनकी वाणी और भी बेबाक हो गई; यहाँ तक कि वे श्री रोडोल्फ के साथ होंठों में सिगरेट दबाए टहलने भी निकल पड़ीं, मानो पूरी दुनिया को चुनौती दे रही हों; अंत में, जिन लोगों को अब भी संदेह था, उनका संदेह तब दूर हो गया जब उन्होंने एक दिन उन्हें हिरोंडेल से उतरते हुए देखा, उनकी कमर पर पुरुषों जैसी बनियान कसकर बंधी हुई थी; और मैडम बोवरी सीनियर, जो अपने पति के साथ एक भयानक झगड़े के बाद अपने बेटे के घर में शरण लेने आई थीं, शहर की अन्य महिलाओं की तरह ही बेहद शर्मिंदा थीं। कई अन्य बातें भी उन्हें नापसंद थीं: सबसे पहले, चार्ल्स ने उपन्यासों पर प्रतिबंध लगाने के बारे में उनकी सलाह नहीं मानी थी; फिर, उन्हें घर का कामकाज पसंद नहीं था; उन्होंने कुछ टिप्पणियाँ कीं, और एक बार तो विशेष रूप से फेलिसिटे के संबंध में वे गुस्से में बदल गईं।

पिछली रात जब मैडम बोवरी सीनियर हॉल से गुज़र रही थीं, तो उन्होंने उन्हें एक आदमी के साथ देखा। वह आदमी लगभग चालीस साल का था, जिसकी दाढ़ी भूरी थी और वह उनकी आहट सुनकर रसोई से भाग गया। यह सुनकर एम्मा ज़ोर से हंस पड़ीं; लेकिन मैडम को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने कहा कि अगर किसी को नैतिकता की परवाह नहीं है, तो उसे अपने नौकरों की नैतिकता पर नज़र रखनी चाहिए।

"तुम किस तरह की दुनिया से आती हो?" उसकी बहू ने इतने उद्दंड भाव से कहा कि मैडम बोवरी ने उससे पूछा कि क्या वह शायद अपना बचाव तो नहीं कर रही है।

“बाहर निकलो!” युवती ने उछलकर खड़े होते हुए कहा।

“एम्मा! … मामा! …” चार्ल्स ने उन्हें सुलह कराने की कोशिश करते हुए चिल्लाया।

लेकिन वे दोनों गुस्से में कमरे से भाग गए। एम्मा गुस्से से अपना पैर पटकती रही और बार-बार कहती रही:

“अरे वाह! उसके शिष्टाचार कितने अच्छे हैं! वह तो बिल्कुल किसान है!”

वह अपनी माँ के पास दौड़ा; वह तीव्र गति से हकला रही थी और उसे दौरा पड़ रहा था।

“कितना बेवकूफ है! कितना मूर्ख है! शायद इससे भी बुरा!”

और अगर दूसरा व्यक्ति माफी मांगने नहीं आता, तो वह तुरंत चली जाने का इरादा रखती थी। इसलिए चार्ल्स अपनी पत्नी के पास लौटा और उससे विनती करने लगा; वह घुटनों के बल बैठ गया; अंत में उसने जवाब दिया:

“ठीक है! मैं कर दूंगा।”

और सचमुच, उसने एक मार्क्विज़ की गरिमा के साथ अपनी सास की ओर हाथ बढ़ाते हुए कहा:

"मुझे क्षमा करें, महोदया।"

फिर, अपने कमरे में वापस आकर, एम्मा ने खुद को बिस्तर पर औंधे मुंह गिरा दिया और एक बच्चे की तरह रोने लगी, उसका सिर तकिए में दबा हुआ था।

एम्मा और रोडोल्फ ने तय किया था कि अगर कोई असाधारण घटना घटित होती है, तो वह खिड़की के शटर पर सफेद कागज का एक छोटा सा टुकड़ा लगा देगी, ताकि अगर संयोग से वह योनविल में हो, तो वह जल्दी से घर के पीछे वाली गली में आ सके। एम्मा ने संकेत दिया; वह पौने घंटे से इंतज़ार कर रही थी कि अचानक उसने रोडोल्फ को बाजार के कोने में देखा। उसका मन हुआ कि खिड़की खोलकर उसे पुकारे; लेकिन वह पहले ही गायब हो चुका था। वह निराशा में डूब गई।

लेकिन कुछ ही देर में, उसे लगा कि कोई फुटपाथ पर चल रहा है। उसे लगा कि वह वही है; वह नीचे गई, आंगन पार किया। वह वहीं बाहर खड़ा था। उसने खुद को उसकी बाहों में झोंक दिया।

उन्होंने कहा, "अपना ख्याल रखना।"

“काश तुम्हें पता होता!” उसने कहा।

और उसने उसे सब कुछ जल्दबाजी में, असंगत रूप से, तथ्यों को बढ़ा-चढ़ाकर, कुछ बातें मनगढ़ंत बनाकर और इतनी अधिक अनावश्यक बातों के साथ बताना शुरू कर दिया कि उसे कुछ भी समझ नहीं आया।

"चलो अब, मेरी प्यारी परी, हिम्मत रखो, खुश रहो, धैर्य रखो!"

लेकिन चार साल से मैं सब्र कर रही हूँ और कष्ट सह रही हूँ! ... हमारे जैसे प्रेम को तो स्वर्ग के सामने भी स्वीकार करना चाहिए! वे मुझे यातना देने की कोशिश कर रहे हैं। मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती! मुझे बचाओ!

वह रोडोल्फ से लिपटी हुई थी। आँसुओं से भरी उसकी आँखें पानी के अंदर की ज्वालाओं की तरह चमक रही थीं; उसकी छाती तेज़ी से ऊपर-नीचे हो रही थी; उसने उसे कभी इतना प्यार नहीं किया था कि वह अपना आपा खो बैठा और पूछा:

हमें क्या करना चाहिए? आप क्या चाहते हैं?

“मुझे यहाँ से ले जाओ!” वह चिल्लाई। “ओह, मुझे यहाँ से ले जाओ! … मैं तुमसे विनती करती हूँ!”

और उसने अपना मुंह उसके मुंह पर इस तरह दबाया, मानो वह उस अनपेक्षित सहमति को छीनना चाहती हो जो चुंबन के दौरान प्रकट हुई थी।

“लेकिन…,” रोडोल्फ ने कहा।

"क्या?"

“आपकी बेटी के बारे में क्या?”

उसने कुछ क्षण सोचा, फिर उत्तर दिया:

हम उसे ले जाएंगे—कोई चारा नहीं है!

“क्या गजब की औरत है!” उसने मन ही मन कहा जब उसने उसे जाते हुए देखा।

क्योंकि वह चुपके से बगीचे में चली गई थी। लोग उसे बुला रहे थे।

अगले कुछ दिनों में, मेरी बोवरी अपनी बहू के इस परिवर्तन को देखकर बहुत आश्चर्यचकित हुई। एम्मा वास्तव में अधिक विनम्र हो गई थी, यहाँ तक कि वह उनसे खीरे का अचार बनाने की विधि भी पूछने लगी थी।

क्या यह उन्हें धोखा देने का बेहतर तरीका था? या क्या वह एक प्रकार के कामुक संयम के माध्यम से, जो कुछ वह पीछे छोड़ने वाली थी, उसकी कड़वाहट को और अधिक गहराई से महसूस करना चाहती थी? लेकिन इसके विपरीत, उसने इस पर ध्यान नहीं दिया; वह मानो अपनी आने वाली खुशी के प्रत्याशित आनंद में डूबी हुई थी।

यह रोडोल्फ के साथ बातचीत का एक शाश्वत विषय था। वह उसके कंधे पर झुक जाती, वह बुदबुदाती:

“ज़रा सोचो, जब आखिरकार हम डाक गाड़ी में होंगे! … क्या तुम कल्पना कर सकते हो? क्या यह संभव है? जिस क्षण मुझे गाड़ी के चलने का आभास होगा, मुझे लगेगा जैसे हम गुब्बारे में ऊपर जा रहे हों, जैसे बादलों में उड़ रहे हों। क्या तुम्हें पता है कि मैं दिन गिन रही हूँ? … क्या तुम भी?”

इस समय मैडम बोवरी जितनी सुंदर थीं, उतनी पहले कभी नहीं थीं; उनकी सुंदरता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता था, जो आनंद, उत्साह और सफलता से उत्पन्न होती है, और स्वभाव और परिस्थितियों के सामंजस्य से अधिक कुछ नहीं होती। उनकी इच्छाओं, उनके दुखों, उनके सुख के अनुभवों और उनके सदा युवा भ्रमों का वही प्रभाव था जो खाद, बारिश, हवा और सूरज का फूल पर होता है, जिससे उनका धीरे-धीरे विकास हुआ और अंततः वे अपने पूर्ण स्वरूप में खिल उठीं। उनकी पलकें मानो उन लंबी, प्रेम भरी निगाहों के लिए ही बनी थीं जिनमें उनकी पुतलियाँ गायब हो जाती थीं, जबकि एक गहरी आह उनकी नासिका को चौड़ा कर देती थी और उनके होठों के मांसल कोनों को ऊपर उठा देती थी, जो प्रकाश में गहरे रोएँ की एक हल्की सी झलक से ढके होते थे। किसी विकृति में माहिर कलाकार ने उनके बालों की लटों को उनकी गर्दन के पिछले हिस्से पर इस तरह सजाया होगा; यह एक भारी गुच्छे की तरह लापरवाही से बंधी हुई थी, उनके व्यभिचारी संबंध के आकस्मिक निर्देशों के अनुसार, जो इसे हर दिन ढीला कर देता था। उनकी आवाज में अब कोमल स्वर आ गए थे, उनका शरीर भी। उसके वस्त्रों की सिलवटों और पैरों के तलवों से भी एक सूक्ष्म और मर्मस्पर्शी आभा निकल रही थी। चार्ल्स को, अपनी शादी के शुरुआती दिनों की तरह ही, वह बेहद आकर्षक और मोहक लग रही थी।

जब वह आधी रात को घर लौटा, तो उसे जगाने की हिम्मत नहीं हुई। चीनी मिट्टी की रात की बत्ती छत पर एक कांपती हुई गोलाकार रोशनी बिखेर रही थी, और छोटे पालने के बंद पर्दे बिस्तर के बगल में अंधेरे में एक सफेद

झोपड़ी की तरह लग रहे थे। चार्ल्स उन्हें निहारता रहा। उसे लगा जैसे वह अपनी बच्ची की धीमी साँसें सुन सकता है। अब वह बड़ी हो रही होगी; हर मौसम उसके विकास के साथ तेज़ी से आगे बढ़ेगा। वह पहले से ही कल्पना कर सकता था कि वह दिन ढलने पर स्कूल से हँसी से लोटपोट होकर घर आ रही है, उसकी छोटी सी ब्लाउज स्याही से सनी हुई है, और वह अपनी टोकरी हाथ में लिए हुए है; फिर उसे बोर्डिंग स्कूल भेजना पड़ेगा, जिसमें काफी खर्च आएगा; वे यह सब कैसे करेंगे? वह इस बारे में सोचेगा। उसने सोचा कि वह इलाके में एक छोटा सा खेत किराए पर ले सकता है, जिसकी देखरेख वह हर सुबह अपने मरीजों से मिलने जाते समय खुद करेगा। वह आमदनी बचाएगा, उसे बचत बैंक में जमा करेगा; फिर वह कहीं कुछ शेयर खरीदेगा, चाहे कहीं भी खरीद ले; इसके अलावा, उसके ग्राहकों की संख्या भी बढ़ेगी—उसे यही उम्मीद थी, क्योंकि वह चाहता था कि बर्थे की परवरिश अच्छी हो, वह गुणी हो और पियानो बजाना सीखे। आह, पंद्रह साल की उम्र में वह कितनी सुंदर लगेगी, जब अपनी माँ की तरह वह भी गर्मियों में बड़े-बड़े भूसे के हैट पहनेगी! दूर से देखने पर लोग उन्हें दो बहनें समझ लेंगे। वह कल्पना करता था कि शाम को वह उनके पास, लैंप की रोशनी में काम कर रही होगी; वह उसके लिए चप्पलें कढ़ाई कर रही होगी; वह घर की देखभाल कर रही होगी; वह अपने मधुर और प्रसन्नतापूर्ण व्यवहार से पूरे घर को खुशियों से भर देगी। अंततः, वे उसके लिए शादी का इंतजाम करेंगे: वे उसके लिए एक अच्छे पेशे वाला लड़का ढूंढेंगे; वह उसे खुश रखेगा; और यह खुशी हमेशा के लिए बनी रहेगी।

एम्मा सो नहीं रही थी, वह सोने का नाटक कर रही थी; और जब वह उसके बगल में झपकी ले रहा था, तो वह और अधिक जागृत हो जाती, और दूसरे सपने देखने लगती।

चार सरपट दौड़ते घोड़े उसे एक सप्ताह से एक नए देश की ओर ले जा रहे थे, जहाँ से वे कभी वापस नहीं लौटेंगे। वे बिना कुछ बोले, एक-दूसरे का हाथ थामे, चलते रहे। अक्सर, पहाड़ की चोटी से, उन्हें अचानक गुंबदों, पुलों, जहाजों, नींबू के पेड़ों के बागों और सफेद संगमरमर के गिरजाघरों से भरा एक भव्य शहर दिखाई देता, जिनके नुकीले शिखरों पर सारस घोंसला बनाते थे। बड़े-बड़े पत्थरों के कारण वे धीरे चलने लगते, और ज़मीन पर लाल लेस वाली चोली पहने महिलाओं द्वारा चढ़ाए जा रहे फूलों के गुलदस्ते पड़े होते। घंटियों की आवाज़, खच्चरों की हिनहिनाहट, गिटार की मधुर धुन और फव्वारों की छप-छप की आवाज़ सुनाई देती, जिनकी उड़ती फुहार पानी की फुहारों के नीचे मुस्कुराती पीली मूर्तियों के चरणों में पिरामिड के आकार में सजे फलों के ढेरों को ठंडा करती थी। और फिर, एक शाम, वे मछुआरों के एक गाँव में पहुँचे, जहाँ चट्टान और झोपड़ियों की कतार के किनारे हवा में भूरे जाल सूख रहे थे। यहीं वे बसेंगे और अपना जीवन बनाएंगे; वे एक छोटे से घर में रहते, जिसकी छत समतल होती, और जो एक ताड़ के पेड़ की छाया में होता, खाड़ी के सुदूर छोर पर, समुद्र के किनारे। वे गोंडोला में सैर करते, झूले पर झूलते; उनका जीवन उनके रेशमी वस्त्रों की तरह सहज और समृद्ध

होता, उन कोमल रातों की तरह गर्म और तारों से भरा होता जिन पर वे नज़र डालते। फिर भी, अपने लिए बनाए गए उस विशाल भविष्य में, कुछ भी विशेष रूप से अलग नहीं दिखता था; दिन, सभी शानदार, लहरों की तरह एक-दूसरे से मिलते-जुलते थे; और यह सब क्षितिज पर मंडराता रहता, अनंत, सामंजस्यपूर्ण, नीला और सूर्य के प्रकाश में नहाया हुआ। लेकिन बच्ची पालने में खांसने लगती, या बोवरी और ज़ोर से खर्राटे लेने लगता, और एम्मा सुबह तक सो नहीं पाती, जब भोर की किरणें खिड़कियों को सफेद कर देतीं, और युवा जस्टिन चौक पर फार्मेसी के शटर खोल रहा होता।

उसने महाशय ल्यूरेक्स को बुलवाया और उनसे कहा:

मुझे एक लबादा चाहिए होगा, एक बड़ा लबादा, चौड़े कॉलर वाला, अस्तर लगा हुआ।

“क्या आप कहीं घूमने जा रहे हैं?” उसने पूछा।

नहीं! लेकिन… कोई बात नहीं, मैं आप पर भरोसा कर सकता हूँ, है ना? और जल्दी करो!

उन्होंने सिर झुकाया।

उन्होंने आगे कहा, "मुझे एक ट्रंक की भी जरूरत होगी... जो ज्यादा भारी न हो... और जिसमें काफी जगह हो।"

"हां, हां, मैं समझ गया, लगभग बानवे सेंटीमीटर लंबा और पचास सेंटीमीटर चौड़ा, जिस तरह से वे आजकल इन्हें बना रहे हैं।"

और एक ओवरनाइट बैग।

ल्यूरेक्स ने सोचा, "स्पष्ट रूप से इसके पीछे किसी न किसी तरह का झगड़ा जरूर है।"

“और लीजिए,” मैडम बोवरी ने अपनी बेल्ट से घड़ी निकालते हुए कहा, “इसे लीजिए; आप इसमें से अपना भुगतान कर सकते हैं।”

लेकिन व्यापारी ने कहा कि यह ठीक नहीं है; वे एक-दूसरे को जानते थे; क्या उसे उस पर शक था? कितनी बचकानी बात है! फिर भी उसने ज़ोर दिया कि वह कम से कम चेन तो ले ही ले, और ल्यूरेक्स ने उसे अपनी जेब में रख लिया था और बाहर जाने ही वाला था कि उसने उसे वापस बुला लिया।

“आप ये सब अपनी दुकान में रख सकते हैं। जहाँ तक चोगे की बात है,”—वह कुछ सोचती हुई लग रही थी —“उसे भी मत लाइए; बस मुझे दर्जी का पता दे दीजिए और उनसे कह दीजिए कि वे इसे मेरे लिए तैयार रखें।”

अगले महीने उन्हें भागने की योजना थी। वह योनविल से ऐसे निकलेगी जैसे रूएन में कुछ काम निपटाने जा रही हो। रोडोल्फ ने उनके लिए सीटें आरक्षित कर ली होंगी, पासपोर्ट बनवा लिए होंगे और यहाँ तक कि पेरिस को पत्र भी लिख दिया होगा, ताकि मार्सिले तक कोच में वे अकेले रह सकें। मार्सिले में वे एक बग्घी खरीदेंगे और वहाँ से बिना रुके जेनोआ के रास्ते आगे बढ़ेंगे। वह अपना सामान ल्यूरेक्स के पास भिजवाएगी, जहाँ से उसे

सीधे हिरोंडेले में लाद दिया जाएगा ताकि किसी को शक न हो; और इस सब में उसके बच्चे का ज़िक्र तक नहीं हुआ। रोडोल्फ इस बारे में बात करने से बचता रहा; शायद वह इसके बारे में सोच ही नहीं रही थी।

उन्हें कुछ व्यवस्थाएं पूरी करने के लिए दो सप्ताह का और समय चाहिए था; फिर एक सप्ताह बीतने पर उन्होंने दो सप्ताह का और समय मांगा; फिर उन्होंने कहा कि वे बीमार हैं; उसके बाद वे यात्रा पर चले गए; अगस्त का महीना बीत गया; और इन सभी देरी के बाद, आखिरकार 4 सितंबर, सोमवार को अंतिम रूप से शादी तय हो गई।

अंत में शनिवार आ गया, जो सोमवार से दो दिन पहले था।

उस रात रोडोल्फ सामान्य से पहले आ गया था।

“क्या सब कुछ तैयार है?” उसने उससे पूछा।

"हाँ।"

फिर वे फूलों की क्यारी के चारों ओर टहलते हुए, दीवार के किनारे, छत के पास जाकर बैठ गए।

“तुम उदास हो,” एम्मा ने कहा।

"क्यों नहीं?"

फिर भी वह उसे अजीब तरह से, कोमलता से देख रहा था।

“क्या इसलिए कि तुम जा रहे हो?” उसने आगे कहा, “क्योंकि तुम अपनी प्यारी चीज़ों को छोड़ रहे हो, क्योंकि तुम यहाँ की अपनी ज़िंदगी को छोड़ रहे हो? ओह, मैं समझती हूँ! … लेकिन पूरी दुनिया में मेरे पास कुछ भी नहीं है। तुम मेरे लिए सब कुछ हो। और मैं भी तुम्हारे लिए सब कुछ रहूँगी, मैं तुम्हारा परिवार, तुम्हारा वतन बनूँगी; मैं तुम्हारा ख्याल रखूँगी, मैं तुमसे प्यार करूँगी।”

“तुम कितनी मनमोहक हो!” उसने उसे अपनी बाहों में भरते हुए कहा।

“क्या मैं सचमुच में?” उसने मदहोश कर देने वाली हंसी के साथ कहा। “क्या तुम मुझसे प्यार करते हो? अब कसम खाओ कि तुम करते हो!”

क्या मैं तुमसे प्यार करता हूँ? क्या मैं तुमसे प्यार करता हूँ? मैं तुम्हें बहुत चाहता हूँ, मेरी जान!

एकदम गोल और गहरे लाल रंग का चाँद, मैदान के दूसरे छोर पर, धरती से सीधा उग रहा था। वह चिनार के पेड़ों की शाखाओं के बीच तेज़ी से ऊपर चढ़ गया, जिन्होंने उसे कुछ जगहों पर छेदों से भरे काले पर्दे की तरह छिपा लिया। फिर वह खाली आकाश में चमकीला सफेद दिखाई दिया, उसे प्रकाश से भर दिया; और धीरे-धीरे, नदी पर एक चौड़ा धब्बा फैला दिया जिससे अनगिनत तारे बन गए; और चाँदी की चमक मानो नीचे तल तक ऐसे मुड़ती हुई जा रही थी जैसे चमकदार शल्कों से ढका हुआ बिना सिर का साँप हो। वह किसी विशालकाय

मोमबत्तीदान जैसा भी लग रहा था जिससे पिघले हुए हीरे की बूँदें बह रही हों। उनके चारों ओर हल्की रात फैल गई; पत्तियों पर छाया की परतें छा गईं। एम्मा, अपनी आधी बंद आँखों से, बहती ठंडी हवा में गहरी साँसें ले रही थी। वे एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे थे, क्योंकि वे अपने गहरे ख्यालों में खोए हुए थे। बीते दिनों का स्नेह उनके दिलों में लौट आया, बहती नदी की तरह प्रचुर और शांत, नकली संतरे के फूलों की सुगंध की तरह कोमल, और उनकी यादों पर घास पर फैले स्थिर विलो पेड़ों की छाया से भी कहीं अधिक विशाल और उदास छाया डाल दी। अक्सर कोई रात्रिचर प्राणी, जैसे कि हेजहॉग या नेवला, शिकार पर निकलते हुए पत्तियों को हिला देता, या कभी-कभी उन्हें बेल से एक पका हुआ आड़ू गिरता सुनाई देता।

“कितनी प्यारी रात है!” रोडोल्फ ने कहा।

“हमारे पास और भी बहुत सारे होंगे!” एम्मा ने कहा।

और, मानो वह खुद से ही बात कर रही हो:

“हाँ, यात्रा करना अच्छा होगा… फिर भी मेरा दिल इतना उदास क्यों है? क्या यह अज्ञात का भय है…? या अपने परिचित जीवन को छोड़ने का प्रभाव…? या…? नहीं, यह इसलिए है क्योंकि मैं बहुत खुश हूँ! मैं कितना कमजोर हूँ, है ना? मुझे क्षमा कर दो!”

“अभी भी समय है!” वह चिल्लाया। “इस बारे में अच्छी तरह सोच लो, वरना पछताओगे।”

“कभी नहीं!” उसने उतावली होकर कहा।

और, उसके करीब जाते हुए:

“आखिर मुझे क्या नुकसान हो सकता है? ऐसा कोई रेगिस्तान, कोई खाई, कोई सागर नहीं जिसे मैं तुम्हारे साथ पार न कर सकूँ। जब हम साथ रहेंगे, तो हमारा जीवन एक ऐसे आलिंगन जैसा होगा जो हर दिन और भी गहरा और संपूर्ण होता जाएगा! हमें परेशान करने वाला कुछ नहीं होगा, कोई चिंता नहीं होगी, कोई बाधा नहीं होगी! हम साथ में अकेले होंगे, हम एक-दूसरे के लिए सब कुछ होंगे, हमेशा के लिए… कुछ कहो, मुझे जवाब दो।”

वह नियमित अंतराल पर उत्तर देता था: “हाँ… हाँ!…” उसने अपनी उंगलियाँ उसके बालों में डाल दी थीं, और अपनी आँखों से बहते आँसुओं के बावजूद वह बच्चों जैसी आवाज़ में बार-बार दोहराती रही:

"रोडोल्फ़! रोडोल्फ़! ... आह! रोडोल्फ़, प्रिय छोटे रोडोल्फ़!"

आधी रात हो गई।

“आधी रात!” उसने कहा। “अब कल है! एक और दिन!”

वह जाने के लिए खड़ा हुआ; और मानो उसकी यह हरकत उनके जाने का संकेत हो, एम्मा अचानक खुश होकर बोली:

“क्या आपके पास पासपोर्ट हैं?”

"हाँ।"

“क्या तुम कुछ भूले तो नहीं हो?”

"नहीं।"

“क्या आपको यकीन है?”

"बिल्कुल।"

“होटल डी प्रोवेंस—क्या तुम मेरा इंतज़ार वहीं करोगे? …दोपहर के बारह बजे?”

उसने सहमति में सिर हिलाया।

"तो कल तक के लिए अलविदा!" एम्मा ने आखिरी बार प्यार से सहलाते हुए कहा।

और उसने उसे जाते हुए देखा।

वह पीछे नहीं मुड़ा। वह उसके पीछे दौड़ी और झाड़ियों के बीच पानी के किनारे झुककर बोली:

“कल तक!” वह चिल्लाई।

वह पहले ही नदी के दूसरी ओर पहुँच चुका था और घास के मैदान को तेजी से पार कर रहा था।

कुछ मिनटों बाद, रोडोल्फ रुक गया; और जब उसने उसे सफेद पोशाक में धीरे-धीरे एक प्रेत की तरह अंधेरे में गायब होते देखा, तो उसका दिल इतनी तेजी से धड़कने लगा कि वह गिरने से बचने के लिए एक पेड़ से टिक गया।

“मैं कितना मूर्ख हूँ!” उसने गुस्से में कहा। “खैर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; वह एक प्यारी प्रेमिका थी!”

और तुरंत ही, एम्मा की सुंदरता और उनके प्रेम के सभी सुख उसके सामने फिर से प्रकट हो गए। पहले तो उसका दिल नरम पड़ा, फिर वह उसके विरुद्ध हो गया।

“क्योंकि, सचमुच,” उसने हाथ हिलाते हुए कहा, “मैं अपने ही देश को नहीं छोड़ सकता। मैं किसी बच्चे की जिम्मेदारी नहीं ले सकता।”

वह ये बातें अपने संकल्प को और मजबूत करने के लिए कह रहा था।

और इसके अलावा—मुश्किलें, खर्च… ओह, नहीं! नहीं, नहीं, नहीं! यह बहुत बेवकूफी भरा होता!

[13]

रोडोल्फ़ घर पहुँचते ही दीवार पर टंगे हिरण के सिर के नीचे अपनी मेज़ पर झट से बैठ गया। कलम हाथ में आते ही उसे कुछ सूझ नहीं रहा था, इसलिए कोहनियों के बल झुककर वह सोचने लगा। उसे लगा मानो एम्मा बहुत दूर अतीत में खो गई हो, मानो उसने जो फ़ैसला लिया था, उससे अचानक उन दोनों के बीच एक बहुत बड़ा फासला आ गया हो।

उसकी कुछ यादों को ताज़ा करने के लिए, वह अपने बिस्तर के सिरहाने वाली अलमारी के पास गया और एक पुराना रीम्स कुकी टिन निकाला, जिसमें वह महिलाओं द्वारा भेजे गए पत्र रखा करता था। उसमें से नम धूल और मुरझाए गुलाबों की गंध आ रही थी। सबसे पहले उसकी नज़र एक रुमाल पर पड़ी, जिस पर हल्की बूँदें थीं। यह उसका रुमाल था, जब वे दोनों साथ बाहर गए थे और उसकी नाक से खून बह रहा था; वह भूल गया था। उसके पास ही, डिब्बे के कोनों से टकराती हुई, वह छोटी सी तस्वीर थी जो एम्मा ने उसे दी थी; उसे उसके कपड़े दिखावटी और उसकी तिरछी नज़र बेहद दयनीय लगी; फिर, क्योंकि वह इस तस्वीर को ध्यान से देख रहा था और इसकी मूल छवि को याद करने की कोशिश कर रहा था, एम्मा के चेहरे के भाव उसकी स्मृति में धीरे-धीरे धुंधले होते गए, मानो असली चेहरा और चित्रित चेहरा आपस में मिलकर एक-दूसरे को मिटा चुके हों। अंत में उसने उसके कुछ पत्र पढ़े; वे उनकी यात्रा के बारे में स्पष्टीकरणों से भरे थे, उतने ही संक्षिप्त, तकनीकी और ज़रूरी जितने कि व्यावसायिक पत्र होते हैं। वह पुराने पत्रों को फिर से देखना चाहता था; टिन के तल में उन्हें ढूंढने के लिए, रोडोल्फ ने बाकी सभी को परेशान किया; और यंत्रवत रूप से उसने कागजों और अन्य चीजों के ढेर में छानबीन शुरू कर दी, और अव्यवस्थित रूप से कुछ गुलदस्ते, एक गार्टर, एक काला मुखौटा, पिन और बाल - बाल! - भूरे, सुनहरे, जिनमें से कुछ तो डिब्बे के लोहे के फिटिंग में फंस गए और जब डिब्बा खोला गया तो टूट गए।

इस प्रकार अपने स्मृति चिन्हों को देखते हुए, उसने लिखावट और अक्षरों की शैली का अवलोकन किया, जो वर्तनी की तरह ही विविध थी। वे कोमल तो हंसमुख, विनोदपूर्ण तो उदास थे; कुछ प्रेम की मांग करते थे तो कुछ धन की। एक शब्द उसे कुछ चेहरों, कुछ हाव-भाव, किसी आवाज की याद दिला देता था; हालांकि, कभी-कभी उसे कुछ भी याद नहीं आता था।

वास्तव में, ये सभी महिलाएं एक ही समय में उसके विचारों में उमड़ पड़ीं, मानो एक-दूसरे को बाधित और कमज़ोर कर रही हों, मानो उसके प्रेम की एकरूपता ने उन्हें समतल कर दिया हो। और अव्यवस्थित पत्रों के मुट्ठी भर ढेर उठाकर, वह कुछ मिनटों तक उन्हें अपने दाहिने हाथ से बाएं हाथ में झरना की तरह गिराकर अपना

मनोरंजन करता रहा। अंत में, ऊबकर, नींद से व्याकुल होकर, रोडोल्फ उस डिब्बे को अलमारी में वापस ले गया और मन ही मन बोला:

"क्या बेवकूफ़ी है! ..."

यही उनके विचार का सार था; क्योंकि उनके सुखों ने, स्कूल के मैदान में स्कूली बच्चों की तरह, उनके हृदय को इस कदर कुचल दिया था कि वहाँ कुछ भी हरा-भरा नहीं उगता था, और जो कुछ भी उससे होकर गुजरता था, बच्चों से भी अधिक लापरवाह होकर, अपना नाम तक नहीं छोड़ता था, जैसा कि वे दीवार पर खुदा करते थे।

“चलो अब,” उसने मन ही मन कहा, “शुरू करते हैं!”

उन्होंने लिखा है:

हिम्मत रखो, एम्मा! हिम्मत रखो! मैं तुम्हारी जिंदगी बर्बाद नहीं करना चाहता...

“आखिरकार, यह सच है,” रोडोल्फ ने सोचा; “मैं उसके हित में काम कर रहा हूँ; मैं ईमानदार हूँ।”

क्या तुमने अपने फैसले पर सोच-समझकर विचार किया था? क्या तुम्हें उस खाई का एहसास था जिसमें मैं तुम्हें धकेल रही थी, मेरी प्यारी परी? तुम्हें नहीं था, है ना? तुम आगे बढ़ रही थी, मूर्खतापूर्ण विश्वास में, खुशियों में, भविष्य में... ओह, हम कितने अभागे हैं! पागलों!

रोडोल्फ यहीं रुक गया और कोई अच्छा बहाना ढूंढने लगा।

“अगर मैं उसे बता दूं कि मैंने अपनी सारी दौलत खो दी है तो क्या होगा? ... ओह, नहीं! वैसे भी, इससे कुछ नहीं रुकेगा। मुझे बाद में फिर से वही सब दोहराना पड़ेगा। क्या कोई कभी इस तरह की महिलाओं को समझा सकता है?”

उन्होंने विचार किया और फिर आगे कहा:

यकीन मानो, मैं तुम्हें कभी नहीं भूलूंगा, और तुम्हारे प्रति मेरा प्रेम हमेशा गहरा रहेगा; लेकिन एक दिन, देर-सवेर, यह प्रेम अवश्य ही कम हो जाता (क्योंकि यही तो मनुष्य का भाग्य है!)। हमारे बीच उदासी के पल भी आते, और कौन जानता है, अगर मुझे तुम्हारे पश्चाताप को देखने और खुद उसमें शामिल होने का असहनीय दर्द न सहना पड़ता, तो शायद मैं ही उसका कारण होता। एम्मा, तुम्हारे दुखों का ख्याल ही मेरे लिए यातना है! मुझे भूल जाओ! मुझे तुमसे मिलना ही क्यों पड़ा? तुम इतनी खूबसूरत क्यों थीं? क्या यह मेरी गलती है? हे भगवान, नहीं! इसके लिए भाग्य ही जिम्मेदार है, केवल भाग्य!

“एक ऐसा शब्द है जिसका हमेशा अच्छा प्रभाव पड़ता है,” उसने मन ही मन कहा।

ओह, अगर तुम उन चंचल दिल वाली महिलाओं में से एक होतीं—जो यकीनन मौजूद हैं—तो मैं तुम्हें खतरे में डाले बिना स्वार्थवश प्रयोग कर सकता था। लेकिन भावनाओं का वो मीठा उत्साह, जो एक साथ तुम्हारा

आकर्षण और पीड़ा है, ने तुम्हें, हे प्यारी स्त्री, हमारे भविष्य की झूठी स्थिति को समझने से रोक दिया है। मैंने भी पहले इसके बारे में नहीं सोचा था, और मैं उस आदर्श सुख की छाँव में आराम करने के लिए लेट गया, जैसे घातक मैनचिनेल पेड़ की जहरीली छाँव में, परिणामों की कल्पना किए बिना।

"शायद वह सोचेगी कि मैं लालच के कारण इसे छोड़ रहा हूँ... खैर, कोई बात नहीं! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे इसे खत्म करना ही होगा!"

एम्मा, यह दुनिया कितनी ज़ालिम है। हम जहाँ भी जाते, यह हमारा पीछा करती। तुम्हें अभद्र सवालों, निंदा, तिरस्कार, शायद अपमान का सामना करना पड़ता। तुम अपमानित! ओह! ... काश मैं तुम्हें सिंहासन पर बिठा पाता! काश मैं तुम्हारी याद को ताबीज की तरह अपने साथ ले जा पाता! क्योंकि मैंने तुम्हें जो दुख पहुँचाया है, उसके लिए मैं खुद को निर्वासन की सज़ा दे रहा हूँ। मैं जा रहा हूँ। कहाँ? मुझे नहीं पता—मैं अपना होश खो बैठा हूँ! अलविदा! हमेशा अच्छी रहना! उस अभागे की याद को संजो कर रखना जिसने तुम्हें खोया। अपने बच्चे को मेरा नाम सिखाना, ताकि वह प्रार्थना में इसे दोहरा सके।

दोनों मोमबत्तियों की बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं। रोडोल्फ़ खिड़की बंद करने के लिए उठा और जब वह वापस बैठ गया, तो बोला:

मुझे लगता है बस इतना ही काफी है। ओह! एक और बात, कहीं वो आकर मुझे परेशान न करने लगे।

जब तुम ये उदास पंक्तियाँ पढ़ोगे, तब मैं बहुत दूर होऊँगा; क्योंकि मैंने तुम्हें दोबारा देखने के प्रलोभन से बचने के लिए जल्द से जल्द भागने का निश्चय कर लिया है। यह कमज़ोरी दिखाने का समय नहीं है! मैं वापस आऊँगा; और शायद, आने वाले समय में, हम अपने पुराने प्यार के बारे में शांति से बातें करेंगे। अलविदा!

और अंत में एक आखिरी विदाई थी, जिसे दो शब्दों में व्यक्त किया गया: ए डियू! जिसे उन्होंने उत्कृष्ट माना।

“अब मैं इस पर हस्ताक्षर कैसे करूँ?” उसने खुद से पूछा। “अपना समर्पित साथी? ... नहीं। अपना दोस्त? ... हाँ, यही ठीक है।”

आपके दोस्त।

उसने अपना पत्र दोबारा पढ़ा। उसे वह पत्र अच्छा लगा।

“बेचारी औरत!” उसने भावुक होकर सोचा। “वो सोचेगी कि मुझमें पत्थर से ज़्यादा भावनाएँ नहीं हैं; इस पर कुछ आँसू तो होने चाहिए थे; पर मैं रो नहीं सकता; इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।” फिर, एक गिलास में थोड़ा पानी डालकर, रोडोल्फ़ ने अपनी उंगली उसमें डुबोई और ऊपर से एक मोटी बूँद गिराई, जिससे स्याही पर एक हल्का धब्बा बन गया; अंत में, पत्र को सील करने के लिए देखते हुए, उसकी नज़र 'अमोर नेल कोर' की अंगूठी पर पड़ी।

“इन परिस्थितियों में यह बिल्कुल भी उचित नहीं है… खैर, कोई बात नहीं! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता!”

इसके बाद उन्होंने तीन पाइप पिए और सोने चले गए।

अगले दिन जब वह उठा (लगभग दो बजे—वह देर से सोया था), तो रोडोल्फ़ ने एक नौकर को खुबानी की टोकरी लाने के लिए बुलाया। उसने पत्र को टोकरी के नीचे, कुछ अंगूर की पत्तियों के नीचे रख दिया, और तुरंत अपने हल चलाने वाले नौकर गिरार्ड को आदेश दिया कि वह इसे सावधानीपूर्वक मैडम बोवरी तक पहुँचा दे। वह इसी तरह से मैडम बोवरी से पत्र व्यवहार करता था, मौसम के अनुसार उन्हें फल या शिकार भेजा करता था।

“अगर वह मेरे बारे में पूछे,” उसने कहा, “तो तुम कहना कि मैं यात्रा पर गया हूँ। टोकरी सिर्फ उसे ही देना, उसके हाथों में ही देना… अब जाओ, और अपना ख्याल रखना!”

गिरार्ड ने अपनी नई कमीज पहनी, खुबानी के चारों ओर अपना रूमाल बांधा और अपने मोटे कील लगे जूतों में लंबे, भारी कदमों से चलते हुए शांतिपूर्वक योनविले के रास्ते पर चल पड़ा।

जब वह उसके घर पहुंचा, तो मैडम बोवरी फेलिसिटे के साथ रसोई की मेज पर लिनेन का एक बंडल व्यवस्थित कर रही थीं।

“ये लीजिए,” नौकर ने कहा। “हमारे मालिक ने आपके लिए ये भेजा है।”

उसे अचानक डर सताने लगा और अपनी जेब में सिक्के ढूंढते हुए वह उस लड़के को घबराहट भरी निगाहों से देखती रही, जबकि वह लड़का भी उसे हैरानी से देख रहा था, यह समझ नहीं पा रहा था कि ऐसा उपहार किसी को इतना परेशान कैसे कर सकता है। आखिरकार वह बाहर चला गया। फेलिसिटे अभी भी वहीं थी। वह अब और बर्दाश्त नहीं कर सकी, वह खुबानी रखने के बहाने जल्दी से बैठक में गई, टोकरी उलट दी, पन्ने फाड़ दिए, चिट्ठी ढूंढी, उसे खोला और जैसे उसके पीछे आग का गोला चल रहा हो, डर के मारे कांपते हुए अपने कमरे में भाग गई।

चार्ल्स वहाँ था, उसने उसे देखा; उसने उससे बात की, लेकिन उसे कुछ सुनाई नहीं दिया, और वह हाँफती हुई, बेकाबू, व्याकुल, अपने आप पर काबू खो बैठी, और अब भी उस भयानक कागज़ के टुकड़े को पकड़े हुए थी, जो उसकी उंगलियों में धातु की चादर की तरह खड़खड़ा रहा था, वह तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ती रही। तीसरी मंजिल पर पहुँचकर वह अटारी के दरवाजे के सामने रुक गई, जो बंद था।

फिर उसने खुद को शांत करने की कोशिश की; उसे चिट्ठी याद आई; उसे उसे पूरा करना ही था; लेकिन उसकी हिम्मत नहीं हुई। आखिर कहाँ? कैसे? कोई न कोई उसे देख ही लेगा।

“अरे नहीं—यहाँ!” उसने सोचा; “मैं यहाँ ठीक रहूँगी।”

एम्मा ने दरवाजा धक्का देकर खोला और अंदर चली गई।

छत की स्लेट की टाइलों से उमस भरी गर्मी अंदर आ रही थी जो सीधे नीचे गिर रही थी, उसकी कनपटी पर दबाव डाल रही थी और उसे घुटन महसूस करा रही थी; वह खुद को घसीटते हुए बंद खिड़की तक गई; उसने कुंडी खोली, और चकाचौंध भरी रोशनी अंदर आ गई।

उसके सामने, छतों के ऊपर, दूर-दूर तक खुला ग्रामीण इलाका फैला हुआ था। नीचे, उसके तल पर, गाँव का चौक खाली था; फुटपाथ के पत्थर चमक रहे थे, घरों पर लगे मौसम सूचक यंत्र स्थिर खड़े थे; गली के कोने पर, एक निचली मंजिल से, एक तरह की भिनभिनाहट भरी आवाज़ आ रही थी, जिसकी लय में तीखापन बार-बार बदल रहा था। यह बिनेट की खराद मशीन की आवाज़ थी।

वह खिड़की के फ्रेम से टेक लगाकर बैठी थी और चिट्ठी को दोबारा पढ़ रही थी, बीच-बीच में गुस्से भरी, उपहासपूर्ण हंसी हंस रही थी। लेकिन जितना अधिक ध्यान वह उस पर केंद्रित करती, उसके विचार उतने ही उलझते जाते। उसने उसे फिर से देखा, उसकी आवाज़ सुनी, उसने उसे गले लगा लिया; और उसकी धड़कनें, किसी भारी हथौड़े के वार की तरह, एक के बाद एक, असमान अंतराल पर, तेज़ होती गईं। उसने चारों ओर नज़र घुमाई, मानो धरती फट जाए। क्यों न इस सब का अंत कर दिया जाए? उसे क्या रोक रहा था? वह आज़ाद थी। और वह आगे बढ़ी, उसने नीचे पक्के पत्थरों को देखा और मन ही मन कहा:

“आगे बढ़ो! आगे बढ़ो!”

नीचे से सीधे उसकी ओर उठती हुई प्रकाश की किरण उसके शरीर के भार को खाई की ओर खींच रही थी। उसे ऐसा लग रहा था मानो गाँव के चौक की ज़मीन आगे-पीछे हिल रही हो और दीवारों के सहारे ऊपर उठ रही हो, और अंत में फर्श किसी जहाज़ की तरह झुक रहा हो। वह बिल्कुल किनारे पर खड़ी थी, लगभग हवा में लटकी हुई, एक विशाल खालीपन से घिरी हुई। आकाश का नीला रंग उसके भीतर समा रहा था, हवा उसकी खोखली खोपड़ी के अंदर घूम रही थी, उसे बस खुद को सौंप देना था, खुद को उस खाई में समा जाने देना था; और खराद की घरघराहट कभी नहीं रुक रही थी, मानो कोई क्रोधित आवाज़ उसे पुकार रही हो।

“एम्मा! एम्मा!” चार्ल्स चिल्लाया।

वह रुक गई।

तुम कहाँ हो? इधर आओ!

यह सोचकर कि वह अभी-अभी मौत से बची है, वह डर के मारे लगभग बेहोश हो गई; उसने अपनी आँखें बंद कर लीं; फिर उसकी आस्तीन पर एक हाथ के स्पर्श से वह चौंक गई: यह फेलिसिटे थी।

“महाशय आपका इंतजार कर रहे हैं, महोदया; सूप मेज पर लगा हुआ है।”

और उसे नीचे जाना ही था! उसे खाना खाने के लिए बैठना ही था!

उसने खाने की कोशिश की। खाने के टुकड़ों से उसका गला घुट गया। फिर उसने अपना रुमाल खोला, मानो उसमें किए गए टाँकों की जाँच कर रही हो, और सचमुच इस काम में लग जाने की कोशिश की, बुनाई के धागों को गिनने लगी। अचानक उसे फिर से वह पत्र याद आ गया। क्या वह उससे खो गया था? वह उसे कैसे ढूँढेगी? लेकिन उसका दिमाग इतना थका हुआ था कि वह मेज छोड़ने का कोई बहाना भी नहीं बना सकती थी। और वह डरपोक बन गई थी; वह चार्ल्स से डरती थी; उसे पूरा यकीन था कि वह सब कुछ जानता है! वास्तव में, अजीब बात है, उसने ये शब्द कहे:

"ऐसा लगता है कि हमें श्रीमान रोडोल्फ को दोबारा देखने में कुछ समय लगेगा।"

“आपको यह किसने बताया?” उसने चौंकते हुए पूछा।

“मुझे यह किसने बताया?” उसने उसके अचानक लहजे पर थोड़ा आश्चर्यचकित होते हुए जवाब दिया; “यह गिरार्ड ने बताया था; मैं उससे अभी-अभी कैफ़े फ़्रांसे के दरवाज़े पर मिली थी। वह किसी यात्रा पर गया है, या जाने ही वाला है।”

वह सिसक उठी।

“आपको इतना आश्चर्य क्यों हो रहा है? वह कभी-कभी अपने मनोरंजन के लिए ऐसे ही चले जाते हैं, और सच में! मुझे यह पसंद है। अगर आपके पास थोड़े पैसे हों और आप अविवाहित हों! … इसके अलावा, हमारे दोस्त को मौज-मस्ती करना आता है! वह बड़े ही मजाकिया हैं। श्रीमान लैंगलोइस ने मुझे एक बार बताया था कि कैसे…”

वह शिष्टाचारवश चुप हो गया, क्योंकि नौकर अंदर आ रहा था।

उसने मेज पर बिखरे हुए खुबानी को वापस टोकरी में रख दिया; चार्ल्स ने अपनी पत्नी के चेहरे की लाली को देखे बिना, खुबानी मांगी, एक खुबानी उठाई और उसे काट कर खा लिया।

“ओह, यह तो लाजवाब है!” उसने कहा। “लो, एक चख कर देखो।”

और उसने टोकरी आगे बढ़ा दी, जिसे उसने धीरे से दूर धकेल दिया।

“तो इन्हें सूंघो: कितनी खुशबू है!” उसने कहा और कई बार उन्हें उसकी नाक के नीचे से गुजारा।

“मैं सांस नहीं ले पा रही हूँ!” वह चिल्लाई और उछलकर खड़ी हो गई।

लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उसने ऐंठन पर काबू पा लिया; फिर:

“कुछ नहीं!” उसने कहा, “कुछ नहीं! बस घबराहट है! बैठो, खाना खाओ!”

क्योंकि उसे पूछताछ किए जाने, बार-बार ताक-झांक किए जाने और कभी अकेले न छोड़े जाने का डर था।

चार्ल्स ने उसकी बात मानकर दोबारा बैठ गया था और वह खुबानी की गुठलियों को अपने हाथ में थूक रहा था और फिर उन्हें अपनी प्लेट में डाल रहा था।

अचानक एक नीले रंग का टिलबरी घोड़ा तेज़ी से दौड़ता हुआ चौक से गुज़रा। एम्मा चीख पड़ी और सीधे पीछे की ओर ज़मीन पर गिर पड़ी।

दरअसल, रोडोल्फ ने काफी सोच-विचार के बाद रूएन जाने का फैसला कर लिया था। हालांकि, ला हुशेट से बुची जाने का योनविले रोड के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था, इसलिए उसे गांव से होकर ही जाना पड़ा, और एम्मा ने उसे शाम के धुंधलके में बिजली की तरह चमकती लालटेन की रोशनी से पहचान लिया।

शोर सुनकर फार्मासिस्ट दौड़कर घर पहुंचा। मेज और सारी प्लेटें उलट गई थीं; सॉस, मांस, चाकू, नमकदानी और तेल की बोतल कमरे में इधर-उधर बिखरी पड़ी थीं; चार्ल्स मदद के लिए पुकार रहा था; डरी हुई बर्थे चीख रही थी; और कांपते हाथों से फेलिसिटे मैडम के फीते खोल रही थी, जिनका पूरा शरीर ऐंठन से कांप रहा था।

“मैं अभी अपनी प्रयोगशाला से कुछ सुगंधित सिरका लेने जाता हूँ,” औषध विक्रेता ने कहा।

फिर, जब उसने अपनी आँखें खोलीं, तो वह फ्लास्क से साँस ले रही थी:

उन्होंने कहा, "मुझे पूरा यकीन था; यह चीज तो मुर्दे को भी जगा सकती है।"

“हमसे बात करो!” चार्ल्स कह रहा था। “हमसे बात करो! जाग जाओ! मैं हूँ, तुम्हारा चार्ल्स, जो तुमसे प्यार करता है! क्या तुम मुझे पहचानती हो? अब देखो, ये रही तुम्हारी नन्ही बच्ची: अब इसे एक चुंबन दो, दोगी ना!”

बच्ची ने अपनी बाहें अपनी माँ की ओर बढ़ाईं ताकि वह उन्हें गले लगा ले। लेकिन एम्मा ने अपना सिर दूसरी ओर घुमाते हुए टूटी हुई आवाज़ में कहा:

नहीं, नहीं... कोई नहीं!

वह फिर बेहोश हो गई। वे उसे उठाकर उसके बिस्तर पर ले गए।

वह वहीं लेटी रही, मुँह खुला हुआ, पलकें बंद, हाथ बगल में सपाट पड़े हुए, एकदम बेजान और मोम की मूर्ति की तरह सफेद। उसकी आँखों से आँसुओं की दो धाराएँ तकिए पर टपक रही थीं।

चार्ल्स, खड़े होकर, आले के पीछे की ओर रुका रहा, और उसके बगल में बैठा फार्मासिस्ट, जीवन के अधिक गंभीर अवसरों के लिए उपयुक्त उस ध्यानमग्न मौन को बनाए रखा।

“चिंता मत करो,” उसने अपनी कोहनी दबाते हुए कहा, “मुझे लगता है कि दौरा थम गया है।”

“हाँ, वो अब थोड़ा आराम कर रही है!” चार्ल्स ने जवाब दिया, जो उसे सोते हुए देख रहा था। “बेचारी! ... बेचारी! ... उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई है!”

तब होमेस ने पूछा कि यह दुर्घटना कैसे हुई। चार्ल्स ने उत्तर दिया कि खुबानी खाते समय उसे अचानक ही यह बीमारी हो गई थी।

“असाधारण! …” फार्मासिस्ट ने कहा। “अरे वाह, यह तो मुमकिन है कि खुबानी की वजह से बेहोशी आई हो! कुछ लोग कुछ खास गंधों के संपर्क में आने पर बहुत जल्दी प्रभावित हो जाते हैं! और यह वास्तव में इसके रोगविज्ञान और क्रियाविज्ञान दोनों ही दृष्टियों से अध्ययन का एक अच्छा विषय हो सकता है। पुजारी इसके महत्व को समझते हैं; वे हमेशा से अपनी पूजा-पाठ में सुगंधित पदार्थों का इस्तेमाल करते आए हैं। वे ऐसा चेतना को सुन्न करने और परमानंद की अवस्था उत्पन्न करने के लिए करते हैं, जो कि महिलाओं में आसानी से हो जाता है, क्योंकि वे अन्य लोगों की तुलना में अधिक नाज़ुक होती हैं। ऐसे मामले भी सामने आए हैं जिनमें महिलाएं जले हुए सींग, ताज़ी रोटी आदि की गंध से बेहोश हो गईं…”

“ध्यान रखना, उसे जगाना मत!” बोवरी ने धीरे से कहा।

“और,” वैद्य ने आगे कहा, “इन असामान्यताओं से केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि जानवर भी प्रभावित होते हैं। उदाहरण के लिए, आप निश्चित रूप से नेपेटा कैटरिया (जिसे आम बोलचाल में कैटनिप कहा जाता है) के बिल्ली प्रजाति पर पड़ने वाले अनोखे कामोत्तेजक प्रभाव से परिचित होंगे; और एक और उदाहरण दूं, जो पूरी तरह से प्रामाणिक है, ब्रिडॉक्स (मेरा एक पुराना सहपाठी, जो आजकल मालपालू गली में रहता है) के पास एक कुत्ता है जिसे अगर कोई सूंघने वाली डिब्बी दे दे तो उसे दौरे पड़ने लगते हैं। वह अक्सर अपने दोस्तों के सामने, बोइस-गिलौम में अपने ग्रीष्मकालीन घर में यह प्रयोग करता है। भला कौन सोच सकता है कि एक साधारण छींकने वाली दवा एक चौपाया जानवर के शरीर में इतना कहर बरपा सकती है? यह बेहद अजीब है, है ना?”

“हां,” चार्ल्स ने कहा, जो सुन नहीं रहा था।

“इससे तो हमें यही पता चलता है,” दूसरे ने सौम्य संतुष्टि भरी मुस्कान के साथ कहा, “तंत्रिका तंत्र की अनियमितताओं की असंख्य किस्में हैं। जहाँ तक मैडम की बात है, मैं स्वीकार करता हूँ कि वह हमेशा से ही मुझे एक बेहद संवेदनशील मरीज़ लगी हैं। इसलिए, मेरे प्रिय मित्र, मैं आपको उन तथाकथित उपायों की सलाह नहीं दूँगा जो लक्षणों पर हमला करने के बहाने शरीर पर हमला करते हैं। नहीं, कोई बेकार की दवा नहीं! एक नियमित आहार, और कुछ नहीं! शामक, त्वचा को मुलायम करने वाली दवाएँ, मीठी करने वाली दवाएँ। और क्या आपको नहीं लगता कि उनकी कल्पनाशीलता को जगाना अच्छा रहेगा?”

“किस तरह से? कैसे?” बोवरी ने पूछा।

“अरे! यही तो समस्या है! वास्तव में, यही समस्या है: यही तो सवाल है!” उन्होंने अंग्रेजी में उद्धृत किया —“जैसा कि मैं कुछ दिन पहले अखबार में पढ़ रहा था।”

लेकिन एम्मा जागते ही चिल्ला उठी:

“पत्र! पत्र!”

उन्हें लगा कि वह बेहोश है; और आधी रात से वह बेहोश ही थी: उसे दिमागी बुखार हो गया था।

तैंतालीस दिनों तक चार्ल्स एम्मा के पास से नहीं हटे। उन्होंने अपने सभी मरीज़ों को छोड़ दिया; वे बिस्तर पर भी नहीं जाते थे; वे लगातार उनकी नब्ज़ देखते रहते, सरसों की पट्टियाँ लगाते, ठंडे पानी की सिकाई करते। उन्होंने जस्टिन को न्यूफ़चैटेल से बर्फ़ लाने भेजा; बर्फ़ घर आते-आते पिघल गई; उन्होंने उसे वापस भेज दिया। उन्होंने श्री कैनिवेट से सलाह ली; उन्होंने अपने पुराने शिक्षक डॉक्टर लारिवियर को रूएन से बुलाया; वे हताश थे। उन्हें सबसे ज़्यादा डर एम्मा की कमज़ोरी से लगा; क्योंकि वह न बोलती, न कुछ सुनती, और यहाँ तक कि दर्द में भी नहीं लगती थी—जैसे कि उनका शरीर और आत्मा दोनों अपने सभी कष्टों से विश्राम कर रहे हों।

अक्टूबर के मध्य तक, वह तकियों के सहारे बिस्तर पर बैठने में सक्षम हो गई थी। जब चार्ल्स ने उसे रोटी और जैम का पहला टुकड़ा खाते देखा तो उसकी आँखों में आँसू आ गए। उसकी ताकत लौट आई थी; वह दोपहर में कुछ घंटों के लिए उठती थी, और एक दिन जब वह बेहतर महसूस कर रही थी, तो उसने उसे अपने हाथ का सहारा लेकर बगीचे में टहलने के लिए बाहर जाने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की। पगडंडियों पर रेत सूखे पत्तों के नीचे दब रही थी; वह एक-एक कदम करके चल रही थी, अपनी चप्पलें घसीट रही थी; और चार्ल्स के कंधे पर अपना कंधा टिकाकर वह पूरे समय मुस्कुराती रही।

इस तरह वे दूर छोर पर, छत के पास पहुँच गए। वह धीरे-धीरे सीधी हुई, आँखों पर हाथ रखकर बाहर देखने लगी; उसने दूर तक देखा; लेकिन क्षितिज पर पहाड़ियों पर जलती हुई घास की लपटों के सिवा कुछ भी दिखाई नहीं दिया, जिनसे धुआँ निकल रहा था।

"तुम खुद को थका दोगी, प्रिय," बोवरी ने कहा।

और, उसे धीरे से धक्का देकर, उसे मंडप में जाने के लिए प्रेरित किया:

"बेंच पर बैठ जाओ: तुम यहाँ ठीक रहोगे।"

“ओह, नहीं! वहाँ नहीं, वहाँ नहीं!” उसने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा।

उन्हें चक्कर आने लगे और उसी शाम उनकी बीमारी फिर से लौट आई, हालांकि इस बार इसके लक्षण पहले से कहीं अधिक अनिश्चित और जटिल थे। कभी उन्हें दिल में दर्द होता, कभी सीने में, फिर सिर में, फिर हाथों और पैरों में; उन्हें उल्टी के दौरे पड़ने लगे, जिनमें चार्ल्स को कैंसर के पहले लक्षण दिखाई दिए।

और इन सबके अलावा, बेचारे को पैसों की भी चिंता थी!

[14]

सबसे पहले तो, उसे यह समझ नहीं आ रहा था कि वह महाशय होमेस को उनकी फार्मेसी से आई सभी दवाओं का भुगतान कैसे करेगा; और यद्यपि एक डॉक्टर होने के नाते वह भुगतान न करने का विकल्प चुन सकता था, फिर भी उसे यह दायित्व निभाने में थोड़ी शर्म महसूस हो रही थी। फिर, नौकर के कार्यभार संभालने के बाद, घरेलू खर्चे भयावह होते जा रहे थे; घर पर नोटों की बारिश हो रही थी; व्यापारी शिकायत कर रहे थे; महाशय ल्यूरेक्स, विशेष रूप से, उसे परेशान कर रहे थे। दरअसल, एम्मा की बीमारी के चरम पर, ल्यूरेक्स ने स्थिति का फायदा उठाते हुए, अपने बिल को बढ़ाने के लिए तुरंत कोट, रात भर का बैग, एक के बजाय दो ट्रंक और अन्य कई चीजें मंगवा ली थीं। चार्ल्स का यह कहना व्यर्थ था कि उसे उनकी आवश्यकता नहीं है; व्यापारी ने घमंड से जवाब दिया कि ये सभी वस्तुएं उससे मंगवाई गई थीं और वह उन्हें वापस नहीं लेगा; इसके अलावा, स्वास्थ्य लाभ के दौरान यह मैडम के लिए कष्टदायक होगा; महाशय को इस पर विचार करना चाहिए। संक्षेप में, उसने अपने अधिकारों को छोड़ने और अपना माल वापस लेने के बजाय अदालत में उसका पीछा करने का दृढ़ निश्चय कर लिया था। बाद में चार्ल्स ने सब कुछ दुकान पर वापस भेजने का आदेश दिया; फेलिसिटे भूल गई; उसे अन्य चिंताएँ थीं; इस पर फिर कभी विचार नहीं किया गया; महाशय ल्यूरेक्स ने फिर से हमला छेड़ दिया और बारी-बारी से धमकी और शिकायत करते हुए इस तरह से दांव-पेच खेले कि अंत में बोवरी ने छह महीने में देय एक नोट पर हस्ताक्षर कर दिए। लेकिन जैसे ही उसने इस नोट पर हस्ताक्षर किए, उसे एक साहसिक विचार आया: महाशय ल्यूरेक्स से 1,000 फ़्रैंक उधार लेना। और इसलिए उसने झिझक भरे चेहरे से पूछा कि क्या इस राशि को प्राप्त करने का कोई साधन नहीं है, यह कहते हुए कि यह एक वर्ष के लिए होगा और ब्याज दर पर जो भी वह चाहे। ल्यूरेक्स जल्दी से अपनी दुकान पर गया, नोट वापस लाया, और एक और नोट लिखवाया, जिसके द्वारा बोवरी ने उसके आदेशानुसार, अगले 1 सितंबर को, 1,070 फ़्रैंक की राशि का भुगतान करने का वचन दिया; जो पहले से तय 180 के साथ मिलकर ठीक 1,250 हो गया। इस प्रकार, 6 प्रतिशत की दर पर उधार देने पर, एक चौथाई कमीशन और माल पर कम से कम एक तिहाई लाभ जोड़कर, बारह महीनों में कुल मिलाकर 130 फ़्रैंक का लाभ होना चाहिए; और उसे उम्मीद थी कि बात यहीं खत्म नहीं होगी, कि ऋण का भुगतान नहीं होगा, बल्कि उन्हें नवीनीकृत किया जाएगा, और उसकी थोड़ी सी पूंजी, जो डॉक्टर के घर में एक निजी सैनिटोरियम की तरह अच्छी तरह से पोषित हुई थी, एक दिन काफी अधिक बढ़कर, इतनी बड़ी होकर उसके पास वापस आएगी कि वह ऋण की थैली फाड़ सके।

इसके अलावा, सब कुछ उसके लिए अच्छा चल रहा था। वह न्यूफ़चैटेल अस्पताल को साइडर की आपूर्ति करने वाला ठेकाधारक था; महाशय गुइलाउमिन ने उसे ग्रुमेस्निल पीट दलदल में कुछ हिस्सेदारी देने का वादा किया

था; और वह आर्गिल और रूएन के बीच एक नई कोच सेवा शुरू करने की सोच रहा था, जो निस्संदेह जल्द ही लायन डी'ओर में उस पुरानी खटारा बस का अंत कर देगी और तेज़, कम खर्चीली और अधिक भार ढोने वाली होने के कारण, योनविले का सारा व्यापार उसके हाथों में आ जाएगा।

चार्ल्स अक्सर खुद से पूछता था कि अगले साल वह इतना सारा पैसा कैसे चुका पाएगा; वह मन ही मन सोचता, तरह-तरह के उपाय सोचता, जैसे अपने पिता से गुहार लगाना या कुछ बेचना। लेकिन उसके पिता उसकी बात अनसुनी कर देते, और उसके पास बेचने के लिए कुछ था ही नहीं। उसे इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था कि वह ऐसे अप्रिय विचारों को तुरंत अपने मन से निकाल देता था। वह एम्मा को भूल जाने के लिए खुद को कोसता था; मानो उसके सारे विचार उसी के हों और अगर वह हर समय उसके बारे में न सोचे तो मानो वह उससे कुछ छीन रहा हो।

सर्दी बहुत कठोर थी। मैडम का स्वास्थ्य लाभ लंबा चला। जब मौसम सुहाना होता, तो वे उन्हें उनकी कुर्सी पर बिठाकर खिड़की के पास ले जाते, वह खिड़की जो चौक की ओर खुलती थी; क्योंकि अब उन्हें बगीचे से अरुचि हो गई थी, और उस तरफ के शटर हमेशा बंद रहते थे। वह चाहती थीं कि घोड़ा बिक जाए; जिसे वह कभी प्यार करती थीं, अब उन्हें वह पसंद नहीं था। उनके सारे विचार मानो खुद की देखभाल तक ही सीमित थे। वह बिस्तर पर लेटी रहतीं, हल्का भोजन करतीं, नौकरानी को बुलाकर अपनी चाय के बारे में पूछतीं या उससे बातचीत करतीं। इस बीच, ढके हुए बाजार की छत पर जमी बर्फ की स्थिर सफेद परछाई कमरे में पड़ती; फिर, मौसम के अंत में, बारिश होती। और हर दिन एम्मा एक तरह की चिंता के साथ उन छोटी-छोटी घटनाओं के होने का इंतजार करतीं, जिनका उनके लिए कोई खास महत्व नहीं था। इनमें सबसे महत्वपूर्ण शाम को हिरोंडेल का आगमन था। फिर सराय मालिक चिल्लाता और दूसरी आवाज़ें जवाब देतीं, जबकि हिप्पोलिटे की लालटेन, जब वह कोच की छत से संदूक नीचे उतार रहा था, अंधेरे में एक तारे की तरह चमक रही थी। दोपहर को चार्ल्स घर लौटता; फिर वह बाहर जाता; बाद में, वह कुछ सूप पीती; और शाम पाँच बजे के आसपास, दिन के अंत में, बच्चे स्कूल से घर लौटते हुए, अपने लकड़ी के जूतों को फुटपाथ पर घसीटते हुए, एक-एक करके शटर के हुकों पर अपने स्केल से मारते।

इसी समय महाशय बोर्निसीन उनसे मिलने आते थे। वे उनका हालचाल पूछते, उन्हें समाचार देते और मोहक अंदाज़ में उनसे प्रार्थना करने का आग्रह करते। उनके वस्त्रों को देखकर ही उन्हें सुकून मिलता था।

एक दिन, अपनी बीमारी के चरम पर, जब उन्हें लगा कि वे मर रही हैं, उन्होंने पवित्र भोज ग्रहण करने की प्रार्थना की; और जब उनके कमरे को संस्कार के लिए तैयार किया जा रहा था, जब चाशनी से भरी दराजों वाली अलमारी को वेदी में बदल दिया गया और फेलिसिटे ने फर्श पर डहलिया के फूल बिखेरे, तब एम्मा ने एक

शक्तिशाली शक्ति का अनुभव किया जिसने उनके सभी कष्टों, सभी अनुभूतियों और सभी भावनाओं को दूर कर दिया। उनका शरीर मुक्त हो गया, अब उन्हें बोझिल नहीं लग रहा था; एक नए जीवन की शुरुआत हो रही थी; उन्हें ऐसा लगा जैसे उनका संपूर्ण अस्तित्व, ईश्वर की ओर बढ़ते हुए, उस प्रेम में विलीन हो जाएगा जैसे जलती हुई धूप धुएं में विलीन हो जाती है। बिस्तर की चादरों पर पवित्र जल छिड़का गया; पुजारी ने पवित्र सिबोरियम से सफेद रोटी निकाली; और, दिव्य आनंद से व्याकुल होकर, उन्होंने उद्धारकर्ता के अर्पित शरीर को ग्रहण करने के लिए अपने होंठ आगे बढ़ाए। उनके आले के पर्दे बादलों की तरह उनके चारों ओर धीरे से फैल गए, और अलमारी पर जल रही दो मोमबत्तियों की किरणें उन्हें चकाचौंध भरे प्रभामंडल की तरह प्रतीत हुईं। फिर उसने अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया, यह सोचते हुए कि वह अंतरिक्ष की विशालता में दिव्य वीणाओं का संगीत सुन सकती है, और नीले आकाश में, सोने के सिंहासन पर, हरे ताड़ के पत्तों को धारण किए संतों से घिरे, परमपिता ईश्वर को उनकी समस्त महिमा में देख सकती है, जिन्होंने एक संकेत से ज्वलंत पंखों वाले स्वर्गदूतों को पृथ्वी पर भेजा ताकि वे उसे अपनी बाहों में उठा ले जाएं।

यह शानदार दृश्य उसकी स्मृति में सबसे खूबसूरत सपने के रूप में बसा हुआ था; इसलिए अब वह उस अनुभूति को पुनः प्राप्त करने का प्रयास करती रही, जो पहले की तुलना में कम व्यापक रूप से, लेकिन उतनी ही गहरी मिठास के साथ बनी रही। अहंकार से थकी हुई उसकी आत्मा अंततः ईसाई विनम्रता में विश्राम कर रही थी; और कमजोर होने के सुख का आनंद लेते हुए, एम्मा ने अपने भीतर अपनी इच्छाशक्ति के विनाश को देखा, जिससे ईश्वर की कृपा के आगमन का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस प्रकार, मात्र सुख के स्थान पर कहीं अधिक आनंद विद्यमान था, एक ऐसा प्रेम जो सभी प्रेमों से ऊपर था, निरंतर और अनंत, एक ऐसा प्रेम जो अनंत काल तक बढ़ता रहेगा! वह अपनी आशाओं से उत्पन्न भ्रमों के बीच, पृथ्वी के ऊपर तैरती हुई, स्वर्ग में विलीन होती हुई पवित्रता की एक अवस्था देख सकती थी, और यही वह स्थान था जहाँ वह पहुँचना चाहती थी। वह संत बनना चाहती थी। उसने मालाएँ खरीदीं, उसने ताबीज धारण किए; उसकी इच्छा थी कि उसके कमरे में, उसके बिस्तर के सिरहाने के पास, पन्ना जड़ा हुआ एक पवित्र अवशेष पात्र हो, ताकि वह हर रात उसे चूम सके।

पादरी इन प्रवृत्तियों पर आश्चर्यचकित थे, हालाँकि उन्हें लगा कि एम्मा की धार्मिकता अंततः, अपने अत्यधिक उत्साह के कारण, विधर्म और यहाँ तक कि निरर्थकता की ओर भी जा सकती है। लेकिन इन मामलों में एक निश्चित सीमा से आगे बढ़ने पर उन्हें बहुत अधिक जानकारी नहीं थी, इसलिए उन्होंने महाशय के पुस्तक विक्रेता, महाशय बोलार्ड को पत्र लिखकर एक उच्च बुद्धि वाली महिला के लिए कुछ विशेष रूप से अच्छा भेजने का अनुरोध किया। पुस्तक विक्रेता ने, मानो वह काले अफ्रीकियों को सस्ते गहने भेज रहा हो, उतनी ही उदासीनता से धार्मिक पुस्तकों के व्यापार में उस समय प्रचलित हर चीज़ का एक बेमेल संग्रह पैक कर दिया।

इसमें प्रश्न-उत्तर के रूप में पतली पुस्तिकाएँ, महाशय डी मैस्ट्रे की शैली में अभिमानपूर्ण पैम्फलेट और गुलाबी जिल्द वाले उपन्यास शामिल थे, जो चारण-गायक सेमिनारियों या पश्चातापी विद्वान महिलाओं द्वारा गढ़े गए एक विशेष प्रकार के मीठे-मीठे अंदाज में लिखे गए थे। इसमें थिंक ऑन इट वेल; महाशय डी *** द्वारा लिखित द मैन ऑफ द वर्ल्ड एट मैरीज़ फीट; कई प्रशस्तियों से सुशोभित; युवाओं के लिए लिखी गई वोल्टेयर की गलतियाँ, इत्यादि।

मैडम बोवरी का मन अभी इतना स्पष्ट नहीं था कि वे किसी भी चीज़ पर गंभीरता से ध्यान दे सकें; इससे भी बुरी बात यह थी कि उन्होंने ये पठन कार्य बहुत जल्दबाजी में शुरू किए थे। वे पूजा-पाठ संबंधी नियमों से चिढ़ती थीं; वाद-विवाद से भरे लेखों का तिरस्कार उन्हें नापसंद था, क्योंकि उनमें ऐसे लोगों का लगातार पीछा किया जाता था जिनके बारे में उन्होंने कभी सुना भी नहीं था; और धर्म से सजी धर्मनिरपेक्ष कहानियाँ उन्हें दुनियादारी की इतनी अज्ञानता में लिखी हुई लगती थीं कि वे उन्हें उन सच्चाइयों से अनपेक्षित रूप से दूर कर रही थीं जिनकी पुष्टि की उन्हें आशा थी। फिर भी उन्होंने पढ़ना जारी रखा, और जब वह पुस्तक उनके हाथों से छूटी, तो उन्हें लगा कि वे एक अलौकिक आत्मा द्वारा कल्पना की जा सकने वाली सबसे परिष्कृत कैथोलिक उदासी से भर गई हैं।

रोडोल्फ़ की स्मृति को उसने अपने हृदय की गहराइयों में दबा दिया था; और वह वहीं स्थिर रही, किसी भूमिगत कक्ष में राजा की ममी की तरह गंभीर और शांत। इस महान प्रेम से एक ऐसी आभा निकलती थी जो हर चीज़ में व्याप्त हो जाती थी, और उस निर्मल पवित्रता के वातावरण में कोमलता की सुगंध बिखेरती थी जिसमें वह रहना चाहती थी। जब वह अपने गॉथिक प्रार्थना कक्ष में घुटने टेकती, तो वह उन्हीं मधुर शब्दों में प्रभु से प्रार्थना करती, जैसे वह अपने व्यभिचार के उन्माद में अपने प्रेमी से फुसफुसाती थी। वह ऐसा इसलिए करती थी ताकि उसमें आस्था जागृत हो; लेकिन स्वर्ग से कोई परमानंद नहीं उतरता था, और वह थके हुए हाथों और पैरों के साथ खड़ी हो जाती, इस अस्पष्ट अनुभूति के साथ कि यह सब एक बहुत बड़ा धोखा था। वह सोचती थी कि यह खोज तो बस एक अतिरिक्त पुण्य थी; और अपनी धार्मिकता पर गर्व करते हुए, एम्मा खुद की तुलना उन महान महिलाओं से करती थी जो अतीत में थीं, जिनकी महिमा के बारे में उसने ला वैलिएर के चित्र के सामने दिवास्वप्न देखे थे, और जो अपने लंबे गाउन के चमकीले ट्रेल को इतनी शान से पीछे छोड़ते हुए, जीवन से घायल हृदय के सभी आँसू बहाने के लिए एक एकांत स्थान पर चली जाती थीं।

फिर वह दान-पुण्य के कामों में बढ़-चढ़कर जुट गई। वह गरीबों के लिए कपड़े सिलती; प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिलाओं को जलाऊ लकड़ी भेजती; और एक दिन चार्ल्स जब घर लौटा तो उसने रसोई की मेज पर तीन निकम्मे लोगों को सूप पीते हुए पाया। उसने अपनी छोटी बच्ची को घर वापस लाने का इंतजाम किया; उसके

पति ने उसकी बीमारी के दौरान बच्ची को नर्स के पास भेज दिया था। उसने उसे पढ़ना सिखाने की कोशिश की; हालांकि बर्थे रोती थी, लेकिन अब वह नाराज़ नहीं होती थी। यह उसका फैसला था—सभी के प्रति समर्पण और उदारता का भाव अपनाना। हर विषय पर उसकी भाषा उच्च कोटि के भावों से भरी होती थी। वह अपनी बच्ची से कहती:

"क्या तुम्हारा पेट दर्द ठीक हो गया, मेरी परी?"

बड़ी मैडम बोवरी को उसमें शिकायत करने के लिए कुछ नहीं मिला, सिवाय शायद इस बात के कि वह अपने बर्तनों के तौलिये सिलने के बजाय अनाथों के लिए कमीज़ें बुनती थी। लेकिन, अपने घर के झगड़ों से थक चुकी वह महिला इस शांत घर में खुश थी, और वह ईस्टर के बाद तक वहीं रुकी रही ताकि बड़ी बोवरी की व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से बच सके, जो गुड फ्राइडे को हमेशा अपने लिए चिटरलिंग सॉसेज मंगवाती थी।

अपनी सास के साथ-साथ, जो अपने विवेकपूर्ण निर्णय और संयमित स्वभाव के कारण उसे कुछ हद तक सहारा देती थीं, एम्मा को लगभग हर दिन अन्य आगंतुक भी मिलते थे। इनमें मैडम लैंगलोइस, मैडम कैरन, मैडम डुब्रूइल, मैडम तुवाचे और नियमित रूप से दोपहर दो से पाँच बजे तक उत्कृष्ट मैडम होमेस आती थीं, जिन्होंने अपने पड़ोसी के बारे में फैलाई जाने वाली किसी भी बुरी अफवाह पर कभी विश्वास नहीं किया था। होमेस के बच्चे भी उससे मिलने आते थे; जस्टिन उन्हें लाता था। वह उनके साथ शयनकक्ष तक जाता और बिना हिले-डुले या बोले दरवाजे के पास खड़ा रहता। अक्सर, मैडम बोवरी बिना ध्यान दिए कपड़े पहनने लगतीं। वह अपना कंघा निकालकर तेजी से अपना सिर हिलातीं; और जब उसने पहली बार उसके घने काले घुंघराले बालों को घुटनों तक लटकते देखा, तो बेचारे लड़के को ऐसा लगा जैसे वह अचानक किसी नई और असाधारण चीज़ में प्रवेश कर गया हो, जिसकी भव्यता ने उसे भयभीत कर दिया हो।

एम्मा ने शायद उसकी खामोश उत्सुकता और उसकी झिझक को महसूस नहीं किया। उसे कभी शक नहीं हुआ कि प्यार, जो उसके जीवन से गायब हो चुका था, वहीं उसके पास, उस खुरदुरे लिनेन के कमीज़ के नीचे, उस किशोर हृदय में धड़क रहा था जो उसकी सुंदरता की किरणों के प्रति इतना खुला था। इसके अलावा, अब वह हर चीज़ को इतनी उदासीनता से घेर लेती थी, उसके शब्द इतने स्नेहपूर्ण और उसकी निगाहें इतनी अभिमानी, उसका व्यवहार इतना परिवर्तनशील था कि अब स्वार्थ और परोपकार, तथा भ्रष्टाचार और सद्गुण में अंतर करना असंभव हो गया था। उदाहरण के लिए, एक शाम, उसने नौकरानी पर अपना आपा खो दिया, जिसने बाहर जाने की अनुमति मांगते समय बहाना सोचने की कोशिश करते हुए हकलाया; फिर, अचानक:

“तो तुम उससे प्यार करती हो?” एम्मा ने कहा।

और शरमा रही फेलिसिटे से जवाब की प्रतीक्षा किए बिना, उसने उदास स्वर में कहा:

“अच्छा, तो जाओ, उसके पास दौड़ो! खूब मजे करो!”

बसंत ऋतु की शुरुआत में, बोवरी की टिप्पणियों के बावजूद, उसने बगीचे को एक छोर से दूसरे छोर तक पूरी तरह से नया रूप दिया; हालाँकि, बोवरी उसे अंततः कुछ उत्साह दिखाते हुए देखकर खुश था। जैसे-जैसे उसका स्वास्थ्य सुधरता गया, उसने इसके और भी प्रमाण दिए। सबसे पहले, उसने नर्स मेरे रोलेट से छुटकारा पाने का एक तरीका खोजा, जिसे एम्मा के स्वास्थ्य लाभ के दौरान, अपने दो नवजात शिशुओं और अपने किराएदार के साथ रसोई में बार-बार आने की आदत पड़ गई थी, जिसकी भूख किसी नरभक्षी से भी अधिक थी। फिर उसने होमेस परिवार से दूरी बना ली, अन्य सभी आगंतुकों को एक-एक करके विदा कर दिया, और यहाँ तक कि चर्च में भी कम नियमितता से जाने लगी, जिससे दवा विक्रेता ने हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की और उससे सौहार्दपूर्वक कहा:

"तुम खुद भी कुछ-कुछ पुजारी जैसे दिखने लगे थे!"

श्रीमान बोर्निसीन हर दिन आते थे, जैसा कि वे पहले भी करते थे, धार्मिक शिक्षा की कक्षा से निकलने के बाद। उन्हें बाहर रहना और पेड़ों के झुरमुट में ताज़ी हवा का आनंद लेना पसंद था, जिसे वे अपना बगीचा कहते थे। यही वह समय था जब चार्ल्स घर आते थे। गर्मी बहुत होती थी; मीठा साइडर निकाला जाता था; और वे सब मिलकर मैडम के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते थे।

बिनेट भी वहीं नीचे, यानी चबूतरे की दीवार के सहारे, झींगा मछली पकड़ रहा था। बोवरी उसे पेय पीने के लिए आमंत्रित करता था, और वह साइडर के जग खोलने में माहिर था।

“सबसे पहले,” वह अपने चारों ओर और दूर ग्रामीण इलाके की ओर संतुष्टि से देखते हुए कहते, “आपको बोतल को मेज पर इस तरह सीधा पकड़ना होगा, और फिर, डोरियों को काटने के बाद, आपको कॉर्क को धीरे-धीरे, थोड़ा-थोड़ा करके ऊपर धकेलना होगा, ठीक वैसे ही जैसे रेस्तरां में सेल्टज़र पानी की बोतलें खोलते हैं।”

लेकिन उनके प्रदर्शन के दौरान, अक्सर साइडर उनके चेहरों पर छिटक जाता था, और तब पादरी, अपनी कर्कश हंसी के साथ, यह विनोदपूर्ण टिप्पणी करने से कभी नहीं चूकते थे:

"इसकी उत्कृष्टता निःसंदेह आंखों को भा जाती है!"

वह सचमुच एक नेक इंसान थे, और एक दिन जब फार्मासिस्ट ने चार्ल्स को सलाह दी कि मैडम का ध्यान भटकाने के लिए उन्हें रूएन के थिएटर में प्रसिद्ध गायक लागार्डी का प्रदर्शन देखने ले जाएं, तो भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं हुई। होमेस, उनकी चुप्पी पर आश्चर्यचकित होकर, उनकी राय पूछी, और पादरी ने कहा कि वे साहित्य की तुलना में संगीत को नैतिकता के लिए कम हानिकारक मानते हैं।

लेकिन फार्मासिस्ट ने साहित्य का बचाव किया। उनका दावा था कि रंगमंच पूर्वाग्रहों पर प्रहार करने और आनंद की आड़ में सद्गुणों को बढ़ावा देने का काम करता है।

“उदाहरण के लिए, वोल्टेयर की अधिकांश त्रासदियों को देखें; वे दार्शनिक विचारों से चतुराई से भरी हुई हैं जो आम लोगों के लिए नैतिकता और कूटनीति का एक सच्चा विद्यालय बनाती हैं।”

“खैर,” बिनेट ने कहा, “मैंने एक बार ‘द अर्चिन ऑफ पेरिस’ नाम का एक नाटक देखा था जिसमें एक असाधारण किरदार था, एक बूढ़ा जनरल, जो सचमुच बहुत ही शानदार था! वह एक धनी परिवार के बेटे पर टूट पड़ता है जिसने एक दर्जी को बहकाया था, और अंत में वह…”

होमेस ने आगे कहा, "बेशक, जिस तरह खराब दवाइयां होती हैं, उसी तरह खराब साहित्य भी होता है! लेकिन ललित कलाओं में सबसे महत्वपूर्ण कला की एकमुश्त निंदा करना मुझे मूर्खता का काम लगता है, एक बर्बरता जो उस घृणित युग के योग्य है जब गैलीलियो को कैद कर लिया गया था।"

“मैं भली-भांति जानता हूँ,” पादरी ने आपत्ति जताते हुए कहा, “कि अच्छे काम और अच्छे लेखक भी होते हैं; फिर भी, क्या यह सच नहीं होगा कि अलग-अलग लिंगों के लोग सांसारिक वैभव से सजे एक आकर्षक हॉल में इकट्ठा हों, और फिर वे लोग जो भद्दा वेश धारण करते हों, मेकअप करते हों, स्टेज की चकाचौंध में दखल देते हों, और स्त्री-समान आवाज़ों में गाते हों—यह सब अंततः एक प्रकार की अनैतिकता को बढ़ावा देगा और मन में अनुचित विचार और अशुद्ध प्रलोभन पैदा करेगा? कम से कम सभी धर्मगुरुओं की यही राय है। खैर,” उन्होंने अचानक एक ऊँचे स्वर में कहा और अपने अंगूठे पर थोड़ी सी तंबाकू घुमाते हुए बोला, “अगर चर्च ने तमाशों की निंदा की है, तो उसने ऐसा करके सही किया होगा; हमें उसके आदेशों का पालन करना होगा।”

“चर्च अभिनेताओं को बहिष्कृत क्यों करता है?” वैद्य ने पूछा। “आखिर पुराने समय में तो वे खुलेआम चर्च के समारोहों में भाग लेते थे। जी हाँ, वे गायक मंडली के बीचोंबीच एक प्रकार का प्रहसन प्रस्तुत करते थे जिसे रहस्य नाटक कहा जाता था, जो अक्सर शालीनता के नियमों का उल्लंघन करता था।”

पादरी ने केवल आह भरकर जवाब दिया, और फार्मासिस्ट ने अपनी बात जारी रखी:

"बाइबल में भी ऐसा ही है; उसमें... आप जानते हैं... कुछ काफी मसालेदार... विवरण, ऐसी बातें... हैं जो वास्तव में... साहसी हैं!"

और जब महाशय बोर्निसिएन ने झुंझलाहट का भाव प्रकट किया:

“अरे! आप इस बात से सहमत होंगे कि यह किताब किसी युवा व्यक्ति के हाथों में देने लायक नहीं है, और अगर एथली ऐसा करती है तो मुझे बहुत गुस्सा आएगा…”

“लेकिन ये तो प्रोटेस्टेंट हैं,” दूसरे ने अधीरता से चिल्लाते हुए कहा, “हम नहीं, जो बाइबल की सिफारिश करते हैं!”

“कोई फर्क नहीं पड़ता!” होमेस ने कहा। “मुझे आश्चर्य है कि इन दिनों, इस प्रबुद्ध युग में भी, कोई व्यक्ति बौद्धिक मनोरंजन के एक ऐसे रूप पर प्रतिबंध लगाने पर अड़ा हुआ है जो हानिरहित, नैतिक रूप से उत्थानकारी और कभी-कभी स्वास्थ्यवर्धक भी है—क्या ऐसा नहीं है, डॉक्टर?”

"संभवतः," डॉक्टर ने अनिर्णयपूर्ण ढंग से उत्तर दिया, या तो इसलिए कि उनकी भी यही राय थी और वे किसी को नाराज नहीं करना चाहते थे, या इसलिए कि उनकी कोई राय ही नहीं थी।

बातचीत खत्म होती दिख रही थी, तभी फार्मासिस्ट ने आखिरी बार जोर लगाने का फैसला किया।

"मैं कुछ ऐसे पुजारियों को जानता हूं जो साधारण कपड़े पहनकर नाचने वाली लड़कियों को अपने पैर हवा में उछालते हुए देखने जाते थे।"

“अब आइए!” पादरी ने कहा।

“हाँ! मैं कुछ लोगों को जानता हूँ!”

और अक्षरों को अलग करते हुए, होमेस ने फिर कहा:

मैं कुछ लोगों को जानता हूँ।

"अच्छा, अब! वे गलत थे," बोर्निसियन ने यह सब सुनने के लिए तैयार होते हुए कहा।

“हे भगवान! वे और भी बहुत कुछ करते हैं!” औषध विक्रेता ने हैरानी से कहा।

“महाशय!...” पादरी ने इतने उग्र भाव से जवाब दिया कि फार्मासिस्ट डर गया।

फिर उन्होंने नरम स्वर में उत्तर दिया, "मेरा मतलब केवल इतना कहना है कि सहिष्णुता ही लोगों को धर्म की ओर आकर्षित करने का सबसे निश्चित तरीका है।"

“यह सच है! यह सच है!” उस भले आदमी ने अपनी कुर्सी पर वापस बैठते हुए स्वीकार किया।

लेकिन वह वहाँ केवल कुछ मिनटों के लिए ही रुका रहा। फिर, उसके जाते ही, महाशय होमेस ने डॉक्टर से कहा:

“अब, इसे कहते हैं चुभने वाली बात! मैंने उसे हरा दिया, तुमने देखा ही होगा—मैंने उसे कैसे हराया! ... अब, सच में, मैडम को थिएटर ले चलो, भले ही कम से कम एक बार उन पुलिसवालों में से किसी एक को चिढ़ाने के लिए ही सही। अगर मुझे कोई और मिल जाए तो मैं खुद तुम्हारे साथ चलूँगा। और देर मत करो! लगार्डी का सिर्फ़ एक ही शो है; उसे इंग्लैंड में अच्छी-खासी रकम मिल रही है। अरे, लोग कहते हैं वो बड़ा अय्याश है! उसके पास खूब पैसा है! वो अपने साथ तीन रखैलें और अपना रसोइया भी ले जाता है! ये सारे बड़े कलाकार दिन-रात

मौज-मस्ती करते हैं; उन्हें अपनी कल्पना को थोड़ी सी चमक देने के लिए थोड़ी अय्याशी भरी ज़िंदगी चाहिए होती है। लेकिन वो कंगाल होकर मरते हैं, क्योंकि जवानी में उनमें पैसे बचाने की अक्ल नहीं थी। अच्छा, खाने का मज़ा लो; कल मिलते हैं!"

थिएटर का यह विचार बोवरी के मन में तुरंत पनप गया; उसने तुरंत अपनी पत्नी को बताया, जिसने पहले तो थकान, परेशानी और खर्च का हवाला देते हुए मना कर दिया; लेकिन चार्ल्स ने असाधारण रूप से हार नहीं मानी, क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि यह मनोरंजन उसके लिए अच्छा होगा। उसे इसमें कोई बाधा नहीं दिख रही थी; उसकी माँ ने उन्हें तीन सौ फ़्रैंक भेज दिए थे, जिनकी प्राप्ति की उसने उम्मीद छोड़ दी थी, उनका मौजूदा कर्ज बहुत अधिक नहीं था, और सिएर ल्यूरेक्स को देय किश्तों की देय तिथि अभी इतनी दूर थी कि उसे इसके बारे में सोचने की भी आवश्यकता नहीं थी। इसके अलावा, यह सोचकर कि वह केवल शिष्टाचारवश ऐसा कर रही है, वह ज़ोर देता रहा; अंततः, उसके आग्रह के कारण, उसने जाने का फैसला कर लिया। और अगले दिन, सुबह आठ बजे, वे हिरोंडेल में सवार हो गए।

औषधि विक्रेता, जिसके पास योनविल में रुकने का कोई कारण नहीं था, लेकिन जो खुद को वहां से कभी न हिलने के लिए कर्तव्यबद्ध समझता था, ने उन्हें जाते हुए देखकर आह भरी।

"अच्छा, आपकी यात्रा मंगलमय हो!" उसने उनसे कहा। "आप कितने सौभाग्यशाली मनुष्य हैं!"

फिर, एम्मा को संबोधित करते हुए, जिसने चार झालरों वाली नीली रेशमी पोशाक पहनी हुई थी:

"तुम बिल्कुल तस्वीर जैसी खूबसूरत हो! तुम रूएन में खूब चमकोगी।"

कोच ने उन्हें ब्यूवोइसिन नामक स्थान पर स्थित होटल डे ला क्रोइक्स रूज में उतार दिया। यह उन सराय में से एक थी जो हर प्रांतीय शहर के बाहरी इलाके में मौजूद होती हैं, जिनमें बड़े अस्तबल और छोटे कमरे होते हैं, जहाँ आप अस्तबल के आँगन के बीच में मुर्गियों को जई चुगते हुए देख सकते हैं, और साथ ही यात्रा करने वाले विक्रेताओं की कीचड़ से सनी गाड़ियों के नीचे भी। ये पुराने ज़माने की अच्छी सराय थीं, जिनकी लकड़ी की बालकनियाँ सर्दियों की रातों में हवा से चरमराती थीं, जो हमेशा लोगों, शोर और खाने से भरी रहती थीं, जिनकी काली मेजें शराब से चिपचिपी होती थीं, जिनकी मोटी खिड़कियाँ मक्खियों से पीली पड़ गई थीं, जिनके नम नैपकिन शराब से नीले धब्बेदार हो गए थे, और जिनमें हमेशा गाँव की महक आती थी, जैसे कि खेतिहर मजदूर शहर के कपड़े पहने हों, सड़क पर एक कैफे होता था, और खेतों की ओर वाले हिस्से में एक सब्जी का बगीचा होता था। चार्ल्स तुरंत अपने काम पर निकल पड़ा। उसने स्टेज बॉक्स को बालकनी समझ लिया, और पारटेरे को लॉज समझ लिया, स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन उसे समझ नहीं आया, टिकट काउंटर से उसे

मैनेजर के पास भेज दिया गया, वह वापस सराय गया, फिर टिकट काउंटर पर लौटा, और इस तरह थिएटर से लेकर बुलेवार्ड तक पूरे शहर की कई बार सैर करता रहा।

मैडम ने अपने लिए एक टोपी, कुछ दस्ताने और फूलों का गुलदस्ता खरीदा। महाशय को कार्यक्रम की शुरुआत छूट जाने का बहुत डर था; और सूप का एक कटोरा पीने का भी समय मिले बिना ही वे थिएटर पहुँच गए, जिसके दरवाजे अभी भी बंद थे।

[15]

भीड़ दीवार के सहारे खड़ी थी, रेलिंग के बीच समरूप ढंग से घिरी हुई। आस-पास की गलियों के कोनों पर, बड़े-बड़े पोस्टरों पर बारोक शैली में लिखा था: “लुसी डे लैमरमूर ... लगार्डी ... ओपेरा ... इत्यादि।” शाम सुहावनी थी; हर कोई गर्मी से परेशान था; बालों की लटों से पसीना टपक रहा था, और लोग अपने गुलाबी माथे को पोंछने के लिए जेबों से रूमाल निकाल रहे थे; और बीच-बीच में नदी से आती गर्म हवा सराय के दरवाजों पर लटके हुए कैनवस के शामियानों के किनारों को धीरे से हिला रही थी। हालाँकि, गली में थोड़ा आगे जाने पर, लोगों को बर्फीली हवा का एक झोंका ठंडक दे रहा था, जिसमें चर्बी, चमड़े और तेल की गंध आ रही थी। यह हवा रुए डेस चार्रेट्स से आ रही थी, जहाँ बड़े-बड़े अंधेरे गोदाम और लुढ़कते हुए पीपे थे।

कहीं ऐसा न लगे कि वह हास्यास्पद है, इसलिए एम्मा अंदर जाने से पहले बंदरगाह तक टहलना चाहती थी, और बोवरी ने समझदारी से टिकटों को अपने हाथ में, अपनी पैंट की जेब में रखा, जिसे उसने अपने पेट से सटाकर रखा था।

लॉबी में ही उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। भीड़ को दूसरे गलियारे में दाईं ओर भागते देख वह अनायास ही संतुष्टि से मुस्कुरा उठी, जबकि वह पहली मंज़िल के बॉक्स की ओर सीढ़ियाँ चढ़ रही थी। एक बच्चे की तरह, उसे अपनी उंगली से चौड़े गद्देदार दरवाज़ों को धकेलने में आनंद आ रहा था; उसने गलियारों की धूल भरी गंध को गहरी साँसों से अंदर लिया, और जब वह अपने बॉक्स में बैठ गई, तो उसने एक डचेस की सहज शान से अपनी पीठ सीधी कर ली।

हॉल धीरे-धीरे भर रहा था, लोग अपने केस से ओपेरा ग्लास निकाल रहे थे, और सीज़न टिकट धारक दूर से एक-दूसरे को देखकर अभिवादन कर रहे थे। वे व्यापार की चिंताओं से दूर ललित कलाओं में विश्राम पाने के लिए यहाँ आए थे; लेकिन वास्तव में व्यापार को भूले बिना, वे अब भी कपास, प्रूफ स्पिरिट या नील के बारे में बात कर रहे थे। भावहीन और शांत बूढ़े पुरुषों के सिर, जिनके बाल और त्वचा भूरे-सफेद थे, सीसे की वाष्प से धूमिल चांदी के पदकों जैसे लग रहे थे। युवा फैशनेबल लोग फूलों की क्यारियों में इतराते हुए घूम रहे थे, अपनी बनियान के खुले हिस्से में अपनी गुलाबी या सेब-हरे रंग की टाई दिखा रहे थे; और मैडम बोवरी ऊपर से उनकी प्रशंसा कर रही थीं, जब वे अपने पीले दस्तानों की कसी हुई हथेलियों को अपनी छड़ियों के सुनहरे हैंडल पर टिकाए हुए थे।

इसी बीच, ऑर्केस्ट्रा की मोमबत्तियाँ जल उठीं; छत से झूमर नीचे आ गया, उसके तराशे हुए क्रिस्टल की चमक से हॉल में अचानक एक खुशनुमा माहौल छा गया; फिर संगीतकार एक-एक करके अंदर आए, और पहले तो डबल बेस की गड़गड़ाहट, वायलिन की कर्कश ध्वनि, कॉर्नेट की तुरही जैसी आवाज़, बांसुरी और फ्लैजियोलेट की

मधुर ध्वनि गूंजी। लेकिन मंच से तीन बार खटखटाने की आवाज़ आई; केटलड्रम बजने लगे, ब्रास वाद्ययंत्रों ने कुछ सुर बजाए, और एक ग्रामीण दृश्य पर पर्दा उठ गया।

यह जंगल का एक चौराहा था, बाईं ओर एक ओक के पेड़ की छाया में एक झरना बह रहा था। ग्रामीण और सामंत, अपने कंधों पर चादर ओढ़े, एक साथ शिकार का गीत गा रहे थे; तभी एक कप्तान आया और उसने आकाश की ओर हाथ उठाकर दुष्ट आत्मा का आह्वान किया; दूसरा प्रकट हुआ; वे चले गए, और शिकारी फिर से अपना गीत गाने लगे।

वह अपनी जवानी में पढ़ी किताबों में खो गई थी—सर वाल्टर स्कॉट की रचनाओं में। उसे ऐसा लग रहा था मानो धुंध के बीच से स्कॉटिश बैगपाइप की गूंज सुनाई दे रही हो। उपन्यास की यादों ने उसे गीत की रूपरेखा समझने में भी आसानी दी; वह कथानक को एक-एक वाक्य करके समझ पा रही थी, जबकि उसके मन में बार-बार उठने वाले अस्पष्ट विचार संगीत की धुन से तुरंत गायब हो जाते थे। उसने खुद को मधुर धुनों में डुबो दिया और महसूस किया जैसे उसका पूरा शरीर कांप रहा हो, मानो वायलिन के तार उसकी नसों पर चल रहे हों। उसकी आंखें इतनी गहरी नहीं थीं कि वह वेशभूषा, सेट, पात्रों, हर कदम पर कांपते रंगीन पेड़ों, मखमली टोपियों, लबादों, तलवारों, इन सभी कल्पनाओं को संगीत के भीतर सरसराते हुए देख सके, मानो किसी दूसरी दुनिया के वातावरण में हों। लेकिन तभी एक युवती आगे आई और हरे रंग के वस्त्र पहने एक सरदार को अपना पर्स दे दिया। वह वहाँ अकेली रह गई, और फिर बांसुरी की ध्वनि सुनाई दी, मानो किसी झरने की कलकल या किसी पक्षी का चहचहाना हो। गंभीर स्वर में लूसी ने जी मेजर में अपनी कैवेटिना शुरू की; उसने अपने प्रेम का विलाप किया, उसने पंखों की कामना की। एम्मा भी जीवन से मुक्ति पाकर किसी के आलिंगन में उड़ जाना चाहती थी। अचानक, एडगर लागार्डी प्रकट हुए।

उसके चेहरे पर एक ऐसी भव्य पीलापन था जो दक्षिणी क्षेत्र के उत्साही लोगों को संगमरमर जैसी भव्यता प्रदान करता था। उसका मांसल शरीर भूरे रंग के जैकेट में लिपटा हुआ था; उसकी बाईं जांघ पर एक छोटी नक्काशीदार कटार लटक रही थी; और वह अपने सफेद दांत दिखाते हुए अपनी आँखें मटकते हुए इधर-उधर घुमा रहा था। लोग कहते थे कि एक शाम बियारित्ज़ के समुद्र तट पर, जहाँ वह नावों की मरम्मत कर रहा था, उसे गाते हुए सुनकर एक पोलिश राजकुमारी को उससे प्यार हो गया था। उसने उसके लिए अपना जीवन बर्बाद कर दिया था। उसने उसे छोड़कर दूसरी महिलाओं के साथ प्रेम किया, और स्वाभाविक रूप से एक प्रेमी के रूप में उसकी प्रसिद्धि ने एक कलाकार के रूप में उसकी प्रतिष्ठा को और बढ़ा दिया। वह एक चतुर और दिखावटी अभिनेता था, और वह हमेशा अपनी प्रशंसा में अपनी शख्सियत के आकर्षण और अपनी आत्मा की संवेदनशीलता के बारे में एक काव्यात्मक वाक्य लिखवाता था। एक सुंदर आवाज, अविचलित संतुलन, बुद्धिमत्ता से अधिक स्वभाव,

और गीतात्मकता से अधिक आडंबर, इन सभी गुणों ने मिलकर उस प्रशंसनीय धूर्त स्वभाव को और भी निखार दिया, जिसमें नाई और तोरेडोर दोनों के अंश थे।

पहले ही दृश्य से उसने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। उसने लूसी को अपनी बाहों में भर लिया, उसे छोड़कर चला गया, फिर वापस आया, वह हताश सा लग रहा था: कभी उसे क्रोध के दौरे पड़ते, कभी उसकी आवाज़ में असीम मधुरता और उदासी छा जाती, और उसके गले से निकलने वाले स्वर सिसकियों और चुम्बनों के साथ घुलमिल जाते। एम्मा उसे देखने के लिए आगे झुकी, अपने बक्से के मखमली हिस्से को नाखूनों से खरोंचती हुई। उसने अपने हृदय में उन मधुर विलापों को समाहित कर लिया जो डबल बेस की संगत में ऐसे बह रहे थे मानो तूफ़ान के कोलाहल में जहाज़ टूटने से बचे लोगों की चीखें हों। उसने उन सभी मादक सुखों, उन सभी पीड़ाओं को पहचान लिया, जिन्होंने उसे लगभग मार ही डाला था। लूसी की आवाज़ एम्मा की अपनी चेतना की प्रतिध्वनि लग रही थी, और वह भ्रम जिसने उसे इतना मोहित किया था, उसके अपने जीवन का ही कुछ अंश था। लेकिन धरती पर किसी ने भी उसे इस तरह प्यार नहीं किया था। वह उस आखिरी शाम को, चांदनी रात में, एडगर की तरह नहीं रोया था, जब उन्होंने एक-दूसरे से कहा था: “कल; कल!...” हॉल “ब्रावो” की आवाज़ों से गूंज उठा; उन्होंने पूरा स्ट्रेट्टो फिर से शुरू किया; प्रेमियों ने अपनी कब्रों पर रखे फूलों, अपनी प्रतिज्ञाओं, अपने निर्वासन, अपने भाग्य, अपनी आशाओं के बारे में गाया; और जब उन्होंने अंतिम विदाई ली, तो एम्मा ने एक तीखी चीख मारी जो समापन स्वरों की गूंज में विलीन हो गई।

बोवरी ने पूछा, "अब वह स्वामी उसे इतना क्यों सता रहा है?"

“लेकिन वो नहीं है!” उसने जवाब दिया; “वो उसका प्रेमी है।”

“लेकिन वो कसम खाता है कि वो उसके परिवार से बदला लेगा, जबकि दूसरा, जो थोड़ी देर पहले आया था, उसने कहा: ‘मैं लूसी से प्यार करता हूँ और मुझे विश्वास है कि वो भी मुझसे प्यार करती है।’ इसके अलावा, वो उसके पिता के साथ हाथ में हाथ डालकर चला गया। क्योंकि वही तो उसका पिता था, है ना? टोपी में मुर्गे का पंख लगाए वो बदसूरत सा छोटा आदमी?”

एम्मा के स्पष्टीकरणों के बावजूद, जिसकी शुरुआत उस युगल गीत से होती है जिसमें गिल्बर्ट अपने स्वामी एश्टन के सामने अपनी घिनौनी चालों का वर्णन करता है, चार्ल्स, लूसी को धोखा देने के लिए रखी गई नकली सगाई की अंगूठी को देखकर, यह मानता है कि यह एडगर द्वारा भेजा गया प्रेम का प्रतीक है। उसने यह भी स्वीकार किया कि संगीत के कारण, जो शब्दों में बहुत बाधा डाल रहा था, वह कहानी को समझ नहीं पाया।

“इससे क्या फर्क पड़ता है?” एम्मा ने कहा; “चुप रहो!”

"बात बस इतनी सी है, जैसा कि आप जानती हैं," वह उसके कंधे पर झुकते हुए बोला, "कि मुझे समझना अच्छा लगता है।"

“चुप रहो! चुप रहो!” उसने अधीरता से कहा।

लूसी आगे बढ़ रही थी, उसकी सहेलियाँ उसे सहारा दे रही थीं, उसके बालों में संतरे के फूलों का हार था, और वह अपनी सफेद साटन की पोशाक से भी अधिक पीली लग रही थी। एम्मा अपने विवाह दिवस का सपना देख रही थी; और उसने खुद को फिर से वहीं देखा, गेहूँ के खेतों से घिरी हुई, उस छोटे से रास्ते पर, जब वे चर्च की ओर जा रही थीं। उसने इस स्त्री की तरह विरोध क्यों नहीं किया, विनती क्यों नहीं की? इसके विपरीत, वह आनंद से परिपूर्ण थी, उस खाई से अनजान जिसमें वह गिर रही थी... आह! काश, अपनी सुंदरता की ताजगी में, विवाह के अपवित्र होने और व्यभिचार के मोहभंग से पहले, वह अपना जीवन किसी महान, दृढ़ हृदय पर टिका सकती, तो सद्गुण, कोमलता, इच्छा और कर्तव्य सब एक साथ जुड़ जाते, और वह कभी भी उस उच्च आनंद से नीचे न गिरती। लेकिन वह खुशी, निस्संदेह, सभी इच्छाओं की निराशा में गढ़ी गई एक झूठी कल्पना थी। अब वह जानती थी कि कला द्वारा अतिरंजित भावनाएँ कितनी तुच्छ थीं। इसलिए, अपने विचारों को इससे दूर करने का प्रयास करते हुए, एम्मा ने अब अपने कष्टों के इस दोहराव को केवल आँखों के मनोरंजन के लिए एक जीवंत कल्पना के रूप में देखने का निश्चय किया, और वह तिरस्कारपूर्ण दया भाव से मन ही मन मुस्कुरा भी रही थी, तभी मंच के पीछे, मखमली पर्दों के पीछे से, एक काले लबादे में एक आदमी प्रकट हुआ।

एक इशारे से ही उसकी चौड़ी किनारी वाली स्पेनिश टोपी ज़मीन पर गिर गई; तुरंत ही वाद्ययंत्र और गायकों ने षट्कोण शुरू कर दिया। क्रोध से चमकते एडगर ने अपनी बुलंद आवाज़ से बाकी सभी को पछाड़ दिया। एश्टन ने गहरी आवाज़ में उस पर जानलेवा हमले किए, लूसी ने अपना तीखा विलाप किया, आर्थर अलग खड़े होकर मध्यम स्वर में गा रहे थे, और पादरी की भारी-भारी आवाज़ किसी ऑर्गन की तरह गूंज रही थी, जबकि महिलाओं की आवाज़ें, उनके शब्दों को दोहराते हुए, एक मधुर कोरस में फिर से शुरू हो गईं। वे एक पंक्ति में खड़ी थीं, हाव-भाव कर रही थीं; और क्रोध, प्रतिशोध, ईर्ष्या, भय, दया और स्तब्धता एक साथ उनके आधे खुले मुँह से निकल रही थी। अपमानित प्रेमी अपनी नंगी तलवार लहरा रहा था; उसकी फीते वाली कॉलर उसकी छाती के हर हिलने के साथ ऊपर उठ रही थी, और वह अपने मुलायम, चौड़े बूटों में दाएं-बाएं चल रहा था, जिससे उसके चांदी-सोने के स्पर्स फर्श पर खटक रहे थे। वह सोच रही थी कि उसका प्रेम तो अथाह ही होगा, तभी तो वह भीड़ पर इतनी बड़ी बाढ़ की तरह अपना प्रेम उंडेल रहा था। उसकी निंदा करने की सारी भावनाएँ गायब हो गईं, क्योंकि वह उस किरदार की कविता में डूब गई थी। उस किरदार के भ्रम से आकर्षित होकर, उसने उसके जीवन की कल्पना करने की कोशिश की - वह जीवंत, असाधारण, शानदार जीवन, जो वह भी जी

सकती थी, अगर किस्मत ने चाहा होता। वे मिलते, उन्हें प्यार हो जाता! उसके साथ, वह यूरोप के सभी राज्यों की यात्रा करती, एक राजधानी से दूसरी राजधानी जाती, उसकी परेशानियों और जीत में साथ देती, लोगों द्वारा फेंके गए फूलों को इकट्ठा करती, उसके वस्त्रों पर कढ़ाई करती; फिर हर शाम, अपने बॉक्स में, सुनहरी जाली के पीछे, बैठकर, वह उस आत्मा की भावनाओं को पूरी तरह से आत्मसात करती जो केवल उसके लिए गाती थी; मंच से, अभिनय करते समय भी, वह उसे देख रहा होता। लेकिन उस पर एक तरह का पागलपन छा गया: वह अभी उसे देख रहा था, उसे पूरा यकीन था! वह उसकी बाहों में दौड़कर जाना चाहती थी, उसकी शक्ति में शरण लेना चाहती थी, मानो प्रेम के साक्षात अवतार में, और उससे कहना चाहती थी, उससे पुकार कर कहना चाहती थी: “मुझे उठा लो, मुझे अपने साथ ले चलो, चलो हम दूर चले जाएं! मेरी सारी भावनाएं और मेरे सारे सपने तुम्हारे हैं, केवल तुम्हारे ही!”

पर्दा गिर गया।

गैस की गंध लोगों की सांसों में घुलमिल गई थी; लहराते पंखों की हवा ने वातावरण को और भी घुटन भरा बना दिया था। एम्मा बाहर जाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन भीड़ ने गलियारों को अवरुद्ध कर दिया था, और वह दिल की धड़कन तेज होने के कारण अपनी सीट पर वापस गिर पड़ी, जिससे उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। चार्ल्स, उसे बेहोश होते देखकर डर गया और जल्दी से उसके लिए जौ का पानी लाने के लिए बार की ओर भागा।

उसे अपनी सीट पर वापस लौटने में बहुत कठिनाई हुई, क्योंकि उसके हाथों में पकड़े हुए गिलास के कारण लोग हर कदम पर उसकी कोहनियों से टकरा रहे थे, और वास्तव में उसने उसका तीन-चौथाई हिस्सा एक छोटी आस्तीन वाली पोशाक पहने रूएन की महिला के कंधों पर गिरा दिया, जिसने अपनी पीठ पर ठंडा तरल बहते हुए महसूस करते हुए, मोरनी की तरह चीखना शुरू कर दिया, मानो उसकी हत्या की जा रही हो। उसके पति, जो एक कताई चक्की के मालिक थे, उस अनाड़ी पर क्रोधित हो गए; और जब वह अपने रूमाल से अपनी सुंदर चेरी-लाल टैफेटा पोशाक पर लगे दागों को पोंछ रही थी, तब वह चिड़चिड़े स्वर में "मुआवजा," "लागत," "पुनर्भुगतान" जैसे शब्द बुदबुदा रहा था। अंत में चार्ल्स हांफते हुए अपनी पत्नी के पास पहुंचा:

हे भगवान! मुझे लगा था कि मैं कभी वापस नहीं आ पाऊँगा! यहाँ कितनी भीड़ है! … कितनी भीड़ है! …”

उन्होंने आगे कहा:

अब, अनुमान लगाइए कि मुझे ऊपर किससे मुलाकात हुई। महाशय लियोन से!

“लियोन?”

“स्वयं! वे आपको श्रद्धांजलि देने आएंगे।”

और जैसे ही उन्होंने बोलना समाप्त किया, योनविले के पूर्व क्लर्क ने अपनी राय देने के लिए मंच पर प्रवेश किया।

उन्होंने एक सज्जन व्यक्ति की तरह अपना हाथ बढ़ाया; और मैडम बोवरी ने बिना सोचे-समझे अपना हाथ आगे बढ़ा दिया, निस्संदेह एक मजबूत इच्छाशक्ति के आकर्षण में बहकर। उस वसंत की शाम के बाद से उन्होंने ऐसा महसूस नहीं किया था, जब खिड़की के पास खड़े होकर एक-दूसरे को विदाई देते समय हरी पत्तियों पर बारिश की बूँदें पड़ रही थीं। लेकिन स्थिति की मर्यादा को समझते हुए, उन्होंने बड़ी मुश्किल से अपनी यादों की सुस्ती को दूर किया और जल्दी-जल्दी कुछ वाक्य हकलाते हुए बोले।

“अरे वाह, शुभ संध्या! … कितना बड़ा आश्चर्य! …”

"चुप रहो!" बगीचे से एक आवाज आई, क्योंकि तीसरा अंक शुरू होने वाला था।

तो आप अभी रूएन में हैं?

"हाँ।"

"कब से?"

“चुप रहो! बाहर जाओ! बाहर!”

लोग उनकी ओर मुड़ने लगे; वे चुप हो गए।

लेकिन उस पल से, उसने सुनना बंद कर दिया; और मेहमानों का शोर, एश्टन और उसके नौकर के बीच का दृश्य, डी मेजर में गाया गया महान युगल गीत—उसके लिए, सब कुछ दूर से घटित हो रहा था, मानो वाद्ययंत्रों की गूंज कम हो गई हो और पात्र दूर हो गए हों; उसे फार्मासिस्ट के घर पर कार्ड पार्टी, धाय के घर तक की सैर, मंडप में पढ़ना, आग के पास की अंतरंग बातचीत, उस सादे प्रेम का पूरा सिलसिला याद आ रहा था, जो इतना शांत और इतना लंबा, इतना विवेकपूर्ण, इतना कोमल था, जिसे वह फिर भी भूल चुकी थी। अब वह वापस क्यों आया था? घटनाओं का कौन सा संयोग उसे उसके जीवन में वापस ला रहा था? वह उसके पीछे खड़ा था, अपना कंधा विभाजन दीवार से टिकाए हुए; और समय-समय पर, उसकी नाक से निकलती गर्म सांसें उसके बालों को हिला रही थीं, जिससे वह कांप रही थी।

"क्या तुम्हें इसमें मजा आ रहा है?" उसने झुकते हुए पूछा, और इतना करीब आ गया कि उसकी मूंछों का सिरा उसके गाल को छू गया।

उसने बेपरवाही से जवाब दिया:

"हे भगवान, नहीं! ऐसा बिल्कुल नहीं है।"

फिर उन्होंने सुझाव दिया कि वे थिएटर छोड़कर कहीं आइसक्रीम खाने चलें।

“अरे नहीं, अभी नहीं! चलो यहीं रुकते हैं!” बोवरी ने कहा। “उसने अपने बाल खोल दिए हैं: शायद कोई दुखद घटना घटने वाली है।”

लेकिन पागलपन वाला दृश्य एम्मा को बिल्कुल भी दिलचस्प नहीं लगा, और नायिका का अभिनय उसे अतिरंजित लगा।

"वह बहुत जोर से चीख रही है," उसने चार्ल्स की ओर मुड़ते हुए कहा, जो सुन रहा था।

“हां... शायद... थोड़ा बहुत,” उसने जवाब दिया, वह अपनी खुलकर व्यक्त की गई खुशी और अपनी पत्नी की राय के प्रति सम्मान के बीच फंसा हुआ था।

तब लियोन ने आह भरते हुए कहा:

“बहुत गर्मी है। काफी...”

“असहनीय! हाँ।”

“क्या आपको असहजता हो रही है?” बोवरी ने पूछा।

"हां, मुझे घुटन हो रही है; चलो चलते हैं।"

श्री लियोन ने सावधानीपूर्वक उसकी लंबी लेस वाली शॉल को उसके कंधों पर डाला, और वे तीनों बंदरगाह की ओर नीचे गए, जहाँ वे एक कैफे की खिड़कियों के सामने खुली हवा में बैठ गए।

पहले उन्होंने उसकी बीमारी के बारे में बात की, हालाँकि एम्मा बीच-बीच में चार्ल्स की बात काटती रही, क्योंकि उसे डर था कि श्री लियोन ऊब न जाएँ। लियोन ने बताया कि वह रूएन में दो साल एक व्यस्त प्रैक्टिस में बिताने आया है, ताकि वह काम से परिचित हो सके, जो नॉर्मंडी में पेरिस में उसके द्वारा संभाले गए काम से अलग था। फिर उसने बर्थे, होमेस परिवार और मेरी लेफ्रांकोइस के बारे में पूछा; और पति की उपस्थिति में उनके पास एक-दूसरे से कहने के लिए और कुछ नहीं बचा था, इसलिए बातचीत जल्द ही समाप्त हो गई।

थिएटर से निकल रहे लोग फुटपाथ पर गुनगुनाते या ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हुए गुज़रे: ओ बेल एंज, मा लुसी! फिर लियोन ने कला के प्रति अपना जुनून दिखाने के लिए संगीत के बारे में बात करना शुरू कर दिया। उसने तंबुरिनी, रुबिनी, पर्सियानी, ग्रिसी को देखा था; और उनकी तुलना में, लागार्डी, अपने तमाम जोशीले प्रदर्शनों के बावजूद, कुछ भी नहीं था।

“और फिर भी,” चार्ल्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा, जो अपने रम सोरबेट के छोटे-छोटे टुकड़े खा रहा था, “लोग कहते हैं कि आखिरी हिस्से में वह सचमुच अद्भुत है; मुझे अफसोस है कि हम अंत से पहले ही चले गए, क्योंकि मुझे यह पसंद आने लगा था।”

“खैर,” क्लर्क ने आगे कहा, “वह जल्द ही एक और प्रदर्शन देगा।”

लेकिन चार्ल्स ने जवाब दिया कि वे अगले दिन रवाना हो रहे हैं।

“जब तक,” उसने अपनी पत्नी की ओर मुड़ते हुए कहा, “अगर तुम अकेले ही यहाँ रहना चाहो, मेरी प्यारी?”

और, अपनी आशाओं के साकार होने के इस अप्रत्याशित अवसर को देखते हुए रणनीति बदलते हुए, उस युवक ने अंतिम गीत में लगार्डी की प्रशंसा करना शुरू कर दिया। यह कुछ शानदार, उदात्त था! इस पर चार्ल्स ने जोर देकर कहा:

“तुम रविवार को वापस जाओगे। अब, मन बना लो! अगर तुम्हें जरा भी शक है कि इससे तुम्हें फायदा होगा, तो न जाना तुम्हारी गलती होगी।”

इसी बीच, उनके आसपास की मेजें खाली होने लगीं; एक वेटर आया और चुपके से उनके पास खड़ा हो गया; चार्ल्स समझ गया और उसने अपना पर्स निकाला; क्लर्क ने उसे बांह से पकड़कर रोक लिया और यहां तक कि दो चांदी के सिक्के भी छोड़ दिए, जिन्हें उसने संगमरमर पर खनका दिया।

“सचमुच,” बोवरी ने धीरे से कहा, “मुझे अच्छा नहीं लगता कि तुम अपना पैसा खर्च करो…”

दूसरे ने सौहार्दपूर्ण भाव से तिरस्कारपूर्ण इशारा किया और अपनी टोपी उठाते हुए:

तो फिर बात पक्की हो गई? कल शाम छह बजे?

चार्ल्स ने फिर कहा कि वह अब और दूर नहीं रह सकता; लेकिन एम्मा को कोई नहीं रोक सका…

“बात बस इतनी सी है…,” वह एक अजीब सी मुस्कान के साथ हकलाते हुए बोली, “मुझे सच में यकीन नहीं है…”

अच्छा! देखते हैं, तुम इस बारे में सोचोगे, सुबह तक तुम्हें बेहतर समझ आ जाएगा…

फिर लियोन की बारी आई, जो उनके साथ चल रहा था:

"अब जब आप फिर से हमारे पड़ोस में आ गए हैं, तो मुझे उम्मीद है कि आप समय-समय पर आएंगे और रात के खाने के लिए रुकेंगे?"

क्लर्क ने कहा कि वह ज़रूर जाएगा, क्योंकि उसे अपनी कंपनी से जुड़े एक मामले के सिलसिले में वैसे भी योनविले जाना था। और वे सेंट-हर्बलैंड मार्ग से अलग हो गए, ठीक ग्यारह बजकर साढ़े ग्यारह बज रहे थे जब गिरजाघर में सन्नाटा पसरा हुआ।

भाग III

[1]

कानून की पढ़ाई के दौरान, श्री लियोन अक्सर ला चौमिएर स्कूल जाया करते थे, जहाँ वास्तव में उन्हें वहाँ की छात्राओं के बीच काफी लोकप्रियता मिली, जो उन्हें प्रतिभाशाली मानती थीं। वे सबसे शालीन छात्र थे: उनके बाल न तो बहुत लंबे थे और न ही बहुत छोटे, वे महीने की पहली तारीख को अपने तिमाही भत्ते को पूरी तरह से बर्बाद नहीं करते थे, और अपने प्रोफेसरों के साथ उनके अच्छे संबंध थे। जहाँ तक अय्याशी की बात है, उन्होंने हमेशा इससे परहेज किया, चाहे वह झिझक के कारण हो या फिर स्वच्छता के कारण।

अक्सर, जब वह अपने कमरे में बैठकर पढ़ता था, या शाम को लक्ज़मबर्ग के नींबू के पेड़ों के नीचे बैठा होता था, तो वह अपनी किताब को ज़मीन पर गिरा देता था, और एम्मा की याद उसके मन में लौट आती थी। लेकिन धीरे-धीरे, उसकी भावना कमज़ोर होती गई, और उसके ऊपर दूसरी इच्छाएँ हावी होती गईं, फिर भी वह भावना बनी रही; क्योंकि लियोन ने सारी उम्मीद नहीं खोई थी, और उसके लिए भविष्य में एक अनिश्चित वादा मंडरा रहा था, मानो किसी शानदार पत्तेदार डाल से कोई सुनहरा फल लटका हो।

फिर, तीन साल बाद जब उसने उसे दोबारा देखा, तो उसका जुनून फिर से जाग उठा। उसने सोचा कि उसे आखिरकार उसे पाने का प्रयास करना ही होगा। इतना ही नहीं, बेफिक्र साथियों के साथ रहने से उसकी शर्म कम हो गई थी, और वह प्रांतों में उन सभी लोगों को तुच्छ समझता था जिन्होंने बुलेवार्ड की डामर की सड़कों पर पेटेंट-चमड़े के जूते नहीं पहने थे। किसी पेरिसियन महिला के सामने, किसी प्रतिष्ठित चिकित्सक के सैलून में, पदकों और शान-शौकत वाले किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सामने, बेचारा क्लर्क निस्संदेह एक बच्चे की तरह कांप रहा होता; लेकिन यहाँ रूएन में, घाट के किनारे, इस छोटे से ग्रामीण चिकित्सक की पत्नी के साथ, वह सहज महसूस कर रहा था, उसे पहले से ही यकीन था कि वह उसे प्रभावित कर देगा। आत्मविश्वास परिवेश पर निर्भर करता है: कोई व्यक्ति एक भव्य अपार्टमेंट में उसी तरह बात नहीं करता जैसे एक अटारी में, और एक अमीर महिला ऐसा लगता है जैसे अपने सारे नोट अपने पास रखती है, अपनी पवित्रता की रक्षा करती है, जैसे कवच में, अपने कोर्सेट की अस्तर में।

पिछली रात महाशय और श्रीमती बोवरी से विदा लेने के बाद, लियोन कुछ दूरी पर उनके पीछे-पीछे गली में गया था; फिर, उन्हें क्रोक्स रूज पर रुकते हुए देखकर, वह वापस मुड़ गया और पूरी रात एक योजना बनाने में बिताई।

इसलिए अगले दिन लगभग पांच बजे, वह गले में खराश और पीले पड़े गालों के साथ, उस डरपोक आदमी के दृढ़ संकल्प के साथ सराय की रसोई में दाखिल हुआ, जिसे कोई भी चीज रोक नहीं सकती।

“महाशय यहाँ नहीं हैं,” नौकर ने उत्तर दिया।

यह उसे शुभ संकेत लगा। वह ऊपर चला गया।

उसे उसके आने से कोई परेशानी नहीं हुई; बल्कि इसके विपरीत, उसने उसे यह बताना भूल जाने के लिए माफी मांगी कि वे कहाँ ठहरे हुए हैं।

“ओह! मुझे अंदाजा था,” लियोन ने कहा।

"कैसे?"

उसने दावा किया कि एक तरह की सहज प्रवृत्ति ने उसे संयोगवश उसके पास पहुँचा दिया था। वह मुस्कुराने लगी, और तुरंत ही, अपनी गलती सुधारने के लिए, लियोन ने उसे बताया कि उसने अपनी पूरी सुबह शहर के हर होटल में, एक के बाद एक, उसे ढूंढने में बिताई थी।

“तो आपने रुकने का फैसला किया?” उन्होंने आगे पूछा।

“हां,” उसने कहा, “और मैं गलत थी। जब चारों ओर इतनी सारी मांगें हों तो अव्यावहारिक सुखों की आदत नहीं डालनी चाहिए…”

“ओह! मैं समझ सकता हूँ…”

“अरे नहीं, तुम ऐसा नहीं कर सकते! क्योंकि तुम औरत नहीं हो।”

लेकिन पुरुषों की भी अपनी परेशानियाँ थीं, और बातचीत कुछ दार्शनिक विचारों से शुरू हुई। एम्मा ने सांसारिक मोह-माया की दयनीयता और उस शाश्वत एकांत के बारे में विस्तार से बताया जिसमें हृदय हमेशा कैद रहता है।

खुद को बेहतर साबित करने के लिए, या शायद स्वाभाविक रूप से उसकी उदासी की नकल करते हुए, जो उसे भी प्रेरित कर रही थी, उस युवक ने घोषणा की कि वह अपनी पढ़ाई के दौरान बेहद ऊब गया था। कानूनी कार्यवाही उसे परेशान करती थी, अन्य पेशे उसे आकर्षित करते थे, और उसकी माँ अपने पत्रों में उसे लगातार सताती रहती थी। वे दोनों अपनी उदासी के कारणों के बारे में अधिकाधिक स्पष्ट होते जा रहे थे, और जैसे-जैसे वे अपने मन की बात कहते जा रहे थे, उनकी भावनाएँ और भी तीव्र होती जा रही थीं। लेकिन कभी-कभी वे किसी विचार को पूरी तरह प्रकट करने से पहले रुक जाते और फिर उसे व्यक्त करने के लिए कोई शब्द सोचने की कोशिश करते। उसने किसी दूसरे पुरुष के प्रति अपने प्रेम को स्वीकार नहीं किया; उसने यह नहीं कहा कि वह उसे भूल गया है।

शायद उसे अब उन वेशभूषा समारोहों के बाद होने वाले रात्रिभोज याद नहीं रहे होंगे, जिनमें नौकरानियों के वेश में लड़कियां आती थीं; और शायद उसे भी पुराने दिनों की मुलाकातें याद नहीं थीं, जब वह सुबह-सुबह घास पर दौड़कर अपने प्रेमी के महल तक जाया करती थी। शहर की आवाज़ें उन तक मुश्किल से ही पहुँच रही

थीं; और कमरा छोटा सा लग रहा था, मानो उनकी तन्हाई को और भी करीब लाने के लिए बनाया गया हो। एम्मा, एक दुपट्टे जैसी ड्रेसिंग गाउन पहने, अपने जूड़े को पुरानी कुर्सी की पीठ पर टिकाए बैठी थी; पीले वॉलपेपर ने उसके पीछे एक सुनहरी पृष्ठभूमि बना रखी थी; और उसका नंगा सिर दर्पण में दिखाई दे रहा था, बीच में सफेद मांग और बालों के नीचे से उसके कानों के लोब दिख रहे थे।

“ओह, मुझे माफ कर दीजिए,” उसने कहा। “यह मेरी गलती है! मैं अपनी अंतहीन शिकायतों से आपको बोर कर रही हूँ!”

नहीं, कभी नहीं! कभी नहीं!

"काश तुम्हें पता होता," उसने अपनी खूबसूरत, आंसुओं से भरी आंखों को छत की ओर उठाते हुए कहा, "कि मैंने किन-किन चीजों का सपना देखा था।"

“मैं भी! ओह, मैंने कितना कष्ट सहा! अक्सर मैं बाहर जाती, टहलती, घाटों पर घूमती, भीड़ के शोर में मेरा सिर चकरा जाता, फिर भी उस जुनून से छुटकारा नहीं पा पाती जो मुझे सता रहा था। बुलेवार्ड पर एक प्रिंटिंग प्रेस में एक इतालवी उत्कीर्णन है जिसमें एक देवी को दर्शाया गया है। वह एक दुपट्टा ओढ़े हुए है और चाँद को देख रही है, उसके बाल खुले हैं और उनमें फॉरगेट-मी-नॉट के फूल लगे हैं। कोई चीज़ मुझे बार-बार वहाँ जाने के लिए मजबूर करती थी; मैं घंटों वहीं बैठी रहती थी।”

फिर, उसकी आवाज कांपने लगी:

वह कुछ-कुछ तुम्हारे जैसी दिखती थी।

मैडम बोवरी ने अपना सिर दूसरी तरफ घुमा लिया ताकि वह उनके होठों पर उभरती हुई उस मोहक मुस्कान को न देख सके।

उन्होंने आगे कहा, "अक्सर मैं तुम्हें पत्र लिखता था और फिर उन्हें फाड़ देता था।"

उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह आगे बोला:

मुझे लगता है कि शायद कोई संयोगवश घटना तुम्हें मेरे पास ले आए। मुझे लगा कि मैंने तुम्हें सड़क के कोनों पर पहचाना है; और अगर मुझे तुम्हारे जैसी शॉल, घूंघट, खिड़की पर लहराती हुई दिखाई दे तो मैं टैक्सी के पीछे दौड़ पड़ूंगा...

वह उसे बिना टोके बोलने देने के लिए दृढ़ संकल्पित लग रही थी। अपनी बाहों को मोड़कर और सिर झुकाकर, वह अपनी चप्पलों पर लगे रिबन को निहार रही थी और बीच-बीच में अपनी उंगलियों से साटन पर हल्की-हल्की हरकतें कर रही थी।

अंत में, उसने आह भरी:

“सबसे दयनीय बात, क्या आपको नहीं लगता, वह है मेरे जैसे व्यर्थ में अपना जीवन व्यतीत करना। काश, हमारे कष्टों से किसी को लाभ हो पाता, तो हम त्याग के विचार में सांत्वना पा सकते थे!”

उन्होंने सद्गुण, कर्तव्य और मौन त्याग की प्रशंसा करना शुरू कर दिया, क्योंकि स्वयं उनमें निस्वार्थ समर्पण की एक अविश्वसनीय आवश्यकता थी जिसे वे संतुष्ट नहीं कर सकते थे।

उन्होंने कहा, "मैं नर्सिंग सिस्टर्स के एक मठ की सदस्य बनना बहुत पसंद करूंगी।"

“अफ़सोस!” उन्होंने उत्तर दिया, “पुरुषों के पास ऐसे कोई पवित्र मिशन नहीं होते, और मुझे डॉक्टर बनने के अलावा कोई और पेशा नज़र नहीं आता…”

हल्के से कंधे उचकाते हुए, एम्मा ने बीच में ही टोकते हुए उस बीमारी पर अफ़सोस जताया जिसमें वह लगभग मर ही गई थी; कितना अफ़सोस! अब उसे और कष्ट नहीं सहना पड़ेगा। लियोन को तुरंत कब्र की शांति से ईर्ष्या हुई, और एक रात उसने अपनी वसीयत भी लिख डाली, जिसमें उसने यह अनुरोध किया कि उसे उसी सुंदर मखमली चादर में दफनाया जाए जो एम्मा ने उसे दी थी; क्योंकि वे दोनों इसी तरह मरना चाहते थे—वे दोनों अपने लिए एक आदर्श बना रहे थे जिसके अनुसार वे अपने बीते जीवन को ढाल रहे थे। इसके अलावा, बोलना एक निरंतर चलने वाली मशीन है जो हमेशा भावनाओं को बढ़ाती है।

लेकिन इस आवरण संबंधी आविष्कार पर:

“क्यों?” उसने पूछा।

"क्यों?"

वह झिझका।

क्योंकि मैं तुमसे बहुत प्यार करता था!

और, मुश्किल को पार करने पर खुद की सराहना करते हुए, लियोन ने तिरछी नजरों से उसके चेहरे के भावों को देखा।

यह आकाश के उस क्षण के समान था, जब हवा का एक झोंका बादलों को उड़ा ले जाता है। उदासी भरे विचारों का वह समूह जिसने उसकी नीली आँखों को अंधकारमय कर दिया था, मानो उनसे छंट गया हो; उसका पूरा चेहरा दमक रहा था।

वह प्रतीक्षा कर रहा था। अंततः उसने उत्तर दिया:

मुझे तो हमेशा से ऐसा ही लगता था…

फिर उन्होंने एक-दूसरे को उस दूर के जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं के बारे में बताया, जिसके सुख-दुखों को उन्होंने अभी-अभी एक शब्द में व्यक्त किया था। उसे क्लेमाटिस की लता, उसके पहने हुए कपड़े, उसके कमरे का फर्नीचर, उसका पूरा घर याद आ गया।

और हमारे बेचारे कैक्टस कहाँ गए?

इस सर्दी में ठंड से उनकी मौत हो गई।

आह! तुम्हें पता है, मैं अक्सर उनके बारे में सोचती थी। मुझे वे फिर से वैसे ही दिखाई देते थे जैसे पहले दिखाई देते थे, जब गर्मियों की सुबह सूरज की किरणें खिड़कियों पर पड़ती थीं... और मुझे फूलों के बीच तुम्हारी दोनों नंगी बाहें हिलती हुई दिखाई देती थीं।

“मेरे बेचारे दोस्त!” उसने अचानक कहा और उसकी ओर हाथ बढ़ाया।

लियोन ने झट से अपने होंठ उस पर दबा दिए। फिर, जब उसने गहरी सांस ली:

“उन दिनों में, मेरे लिए आप एक ऐसी अकल्पनीय शक्ति थीं जिसने मेरे जीवन को बंदी बना रखा था। उदाहरण के लिए, एक बार मैं आपके घर आया था; लेकिन शायद आपको यह याद नहीं होगा?”

“हां, मुझे पता है,” उसने कहा। “आगे बोलो।”

“तुम नीचे हॉल में, बाहर जाने वाली थी, सबसे नीचे वाली सीढ़ी पर खड़ी थी; तुमने नीले फूलों वाली टोपी भी पहन रखी थी; और तुमने मुझे बुलाया नहीं था, फिर भी मैं अनिच्छा से तुम्हारे साथ चली गई। फिर भी हर पल मुझे अपनी मूर्खता का एहसास होता जा रहा था, और मैं तुम्हारे पास ही चलती रही, तुम्हारा पीछा करने की हिम्मत तो नहीं हो रही थी, लेकिन तुम्हें छोड़ना भी नहीं चाहती थी। जब तुम किसी दुकान में जाती, मैं सड़क पर ही खड़ी रहती; मैं खिड़की से तुम्हें देखती रहती जब तुम अपने दस्ताने उतारती और काउंटर पर रखे खुले पैसे गिनती। फिर तुमने मैडम तुवाचे की दुकान की घंटी बजाई, उन्होंने दरवाजा खोला, और तुम्हारे पीछे दरवाजा बंद होने के बाद भी मैं उस भारी-भरकम दरवाजे के सामने एक मूर्ख की तरह खड़ी रही।”

जैसे-जैसे वह सुनती गई, मैडम बोवरी अपनी उम्र पर आश्चर्यचकित होती गईं; ये सभी चीजें जैसे-जैसे पुनः प्रकट होती गईं, ऐसा लगा मानो उनका जीवन लंबा होता जा रहा हो; ऐसा लग रहा था मानो भावनाओं के विशाल विस्तार खुल गए हों, जिन पर वह पीछे मुड़कर देख सकती थीं; और समय-समय पर, वह अपनी आँखें आधी बंद करके धीरे से कहतीं:

“हाँ, यह सच है! … यह सच है! … यह सच है…”

ब्यूवोइसिन जिले में, जो बोर्डिंग स्कूलों, गिरजाघरों और अब वीरान पड़े बड़े-बड़े मकानों से भरा हुआ है, वहाँ की अलग-अलग घड़ियों से आठ बजने की आवाज़ उन्हें सुनाई दी। वे अब बातें नहीं कर रहे थे; लेकिन जैसे ही वे

एक-दूसरे को घूर रहे थे, उनके दिमाग में एक हल्की सी भनभनाहट महसूस हो रही थी, मानो उनकी स्थिर निगाहों के बीच से कोई सुनाई देने वाली बात एक-दूसरे तक पहुँच रही हो। उन्होंने अभी-अभी एक-दूसरे का हाथ थामा था; और अतीत, भविष्य, उनकी यादें और उनके सपने सब अब उनके परमानंद की मिठास में विलीन हो गए थे। दीवारों के किनारे अंधेरा घना होता जा रहा था; अब भी चमकते हुए, परछाई में आधे खोए हुए, नेस्ले के टावर के चार दृश्यों को दर्शाने वाले चार चित्रों के चटख रंग दिखाई दे रहे थे, जिनके नीचे स्पेनिश और फ्रेंच में लिखावट थी। खिड़की से नुकीली छतों के बीच आसमान का एक छोटा सा हिस्सा दिखाई दे रहा था।

वह ड्रेसर पर रखी दो मोमबत्तियां जलाने के लिए उठी, फिर आकर दोबारा बैठ गई।

“अच्छा…,” लियोन ने कहा।

“तो?” उसने उत्तर दिया।

और वह सोच रहा था कि रुकी हुई बातचीत को कैसे फिर से शुरू किया जाए, तभी उसने कहा:

"ऐसा क्यों है कि इससे पहले किसी ने भी मुझसे इस तरह की भावनाएं व्यक्त नहीं कीं?"

क्लर्क ने कहा कि आदर्शवादी स्वभाव को समझना कठिन होता है। उसे देखते ही उससे प्यार हो गया था; और जब उसने सोचा कि अगर सौभाग्य से उनकी मुलाकात पहले हो जाती और वे एक अटूट बंधन में बंध जाते, तो उन्हें कितनी खुशी मिलती, तो वह निराशा से भर गया।

“मैंने कभी-कभी इसके बारे में सोचा है,” उसने जवाब दिया।

“क्या सपना था!” लियोन ने धीरे से कहा।

और, उसकी लंबी सफेद बेल्ट के नीले किनारे को कोमलता से छूते हुए, उसने आगे कहा:

“अब हमें दोबारा शुरुआत करने से क्या रोक सकता है?…”

“नहीं, मेरे प्यारे,” उसने जवाब दिया। “मैं बहुत बूढ़ी हूँ… तुम बहुत जवान हो… मुझे भूल जाओ! दूसरे तुम्हें प्यार करेंगे… और तुम भी उन्हें प्यार करोगे।”

“मैं तुमसे प्यार करता हूँ, वैसे नहीं!” वह चिल्लाया।

“अरे बच्चे! चलो, समझदारी से काम लें! मैं यही चाहता हूँ!”

उसने उसे उन सभी कारणों को बताया जिनसे उनका प्यार असंभव था, और क्यों उन्हें पहले की तरह, केवल भाई-बहन की तरह दोस्त बनकर रहना होगा।

क्या उसने ये बात सचमुच कही थी? शायद एम्मा खुद भी नहीं जानती थी, क्योंकि वह उस मोहक आकर्षण और उससे बचने की ज़रूरत में पूरी तरह डूबी हुई थी; और उस युवक को स्नेह भरी निगाहों से देखते हुए, उसने उसके कांपते हाथों के कोमल स्पर्श को धीरे से दूर धकेल दिया।

"ओह, मुझे माफ कर दीजिए," उसने पीछे हटते हुए कहा।

और एम्मा को इस झिझक के सामने एक अस्पष्ट डर सता गया, जो उसके लिए रोडोल्फ की उस निर्भीकता से कहीं अधिक खतरनाक था जब वह बाहें फैलाकर उसके पास आया था। उसने पहले कभी किसी पुरुष को इतना सुंदर नहीं देखा था। उसका पूरा हावभाव एक असाधारण सहजता से भरा हुआ था। उसने अपनी लंबी, सुंदर, घुमावदार पलकें झुका ली थीं। उसके गालों की चिकनी त्वचा लाल हो गई थी, मानो उसके लिए लालसा से भरी हो, और एम्मा को उस पर अपने होंठ लगाने की एक अनियंत्रित इच्छा हुई। फिर, समय देखने के लिए घड़ी की ओर झुकते हुए:

“हे भगवान! कितना समय हो गया!” उसने कहा; “हमने कितनी बातें कर लीं!”

वह इशारा समझ गया और उसने अपनी टोपी उठा ली।

“मैं तो ओपेरा के बारे में भी भूल गई! बेचारा बोवरी—और उसने मुझे सिर्फ इसी के लिए यहाँ छोड़ दिया! ग्रैंड-पोंट गली में रहने वाले श्री लोर्मो को मुझे अपनी पत्नी के साथ ले जाना था।”

और यह अवसर हाथ से निकल गया, क्योंकि वह अगले दिन जा रही थी।

“सचमुच?” लियोन ने कहा।

"हाँ।"

“लेकिन मुझे आपसे दोबारा मिलना ही होगा,” उसने आगे कहा; “मैं आपको कुछ बताना चाहता था…”

"क्या?"

“कुछ… महत्वपूर्ण, कुछ गंभीर। ओह, नहीं! तुम्हें नहीं जाना चाहिए, तुम नहीं जा सकते! अगर तुम्हें पता होता… सुनो… क्या तुम्हें मेरी बात समझ नहीं आई? क्या तुम अनुमान नहीं लगा सकते थे?…”

“और फिर भी आप अपनी बात बहुत स्पष्ट रूप से व्यक्त करती हैं,” एम्मा ने कहा।

“अरे! अब तो तुम मुझसे मजाक कर रहे हो! कृपया ऐसा मत करो! मुझ पर दया करो, मुझे फिर से मिलने दो... एक बार... बस एक बार।”

"कुंआ …"

वह रुक गई; फिर, मानो उसने अपना इरादा बदल लिया हो:

“अरे नहीं, यहाँ नहीं!”

"जहाँ भी आप पसंद करो।"

"क्या आप करना यह चाहते हैं …"

वह कुछ देर सोचती रही; फिर संक्षेप में बोली:

"कल, ग्यारह बजे, गिरजाघर में।"

“मैं वहाँ आऊँगा!” उसने चिल्लाते हुए उसके हाथ पकड़ लिए, जिसे उसने छुड़ा लिया।

और अब जब वे दोनों खड़े थे, वह उसके पीछे और एम्मा ने अपना सिर झुकाया हुआ था, तो वह झुका और उसने उसकी गर्दन के पिछले हिस्से पर एक लंबा चुंबन दिया।

“तुम पागल हो! आह!—तुम तो बिल्कुल पागल हो!” उसने खिलखिलाकर हंसते हुए कहा, जब वह उसे बार-बार चूम रहा था।

फिर, अपना चेहरा उसके कंधे पर झुकाते हुए, वह उसकी सहमति जानने के लिए उसकी आँखों में टटोल रहा था। उसकी आँखें बर्फीली गरिमा से भरी हुई उसे देख रही थीं।

लियोन कुछ कदम पीछे हट गया, जाने की तैयारी करते हुए। वह दरवाजे की चौखट पर रुक गया। फिर उसने कांपती हुई आवाज में फुसफुसाया:

कल तक के लिए।

उसने सिर हिलाकर जवाब दिया और एक चिड़िया की तरह अगले कमरे में गायब हो गई।

उस शाम एम्मा ने क्लर्क को एक लंबा-चौड़ा पत्र लिखकर अपनी मुलाकात रद्द कर दी: अब सब कुछ खत्म हो चुका था, और अपनी खुशी के लिए उन्हें फिर कभी नहीं मिलना था। लेकिन जब पत्र खत्म हुआ, तो लियोन का पता न होने के कारण वह काफी असमंजस में पड़ गई।

“मैं इसे खुद उसे दे दूंगी,” उसने कहा; “वह जरूर आएगा।”

अगले दिन, लियोन अपनी बालकनी में खिड़की खोलकर धीरे-धीरे गुनगुनाते हुए, अपने फॉर्मल जूतों पर कई परतें पॉलिश कर रहा था। उसने सफेद पतलून, पतले मोज़े और हरे रंग का कोट पहना, अपने रूमाल में अपनी सारी खुशबू भर ली, फिर अपने बालों को कर्ल किया और उन्हें फिर से खोल दिया, ताकि उसके बाल और भी स्वाभाविक और आकर्षक दिखें।

"अभी बहुत जल्दी है!" उसने नाई की कोयल वाली घड़ी को देखते हुए सोचा, जिसमें नौ बज रहे थे।

उन्होंने एक पुरानी फैशन पत्रिका पढ़ी, बाहर निकले, एक सिगार पिया, तीन गलियां चले, कल्पना की कि अब समय आ गया है, और तेजी से नोट्रे-डेम के प्रांगण की ओर चल पड़े।

वह एक खूबसूरत गर्मी की सुबह थी। सुनार और चांदी के कारीगरों की खिड़कियों में चांदी चमक रही थी, और गिरजाघर पर तिरछी पड़ रही रोशनी धूसर पत्थरों की दरारों में झिलमिला रही थी; पक्षियों का एक झुंड तिपतिया आकार के शिखर वाले बुर्जों के चारों ओर नीले आकाश में चक्कर लगा रहा था; चीखों से गूंजता चौक, अपने फुटपाथ के किनारे लगे फूलों की खुशबू से महक रहा था—गुलाब, चमेली, कार्नेशन, नरगिस और कंदगुला,

जो नम हरियाली, कैटनिप और चिकवीड के साथ असमान रूप से बिखरे हुए थे; बीच में स्थित फव्वारा कलकल कर रहा था; और चौड़ी छतरियों के नीचे, खरबूजों के ढेरों के बीच, बिना सिर ढके फूल बेचने वाली महिलाएं कागज में वायलेट के गुच्छे लपेट रही थीं।

उस युवक ने एक फूल उठाया। यह पहली बार था जब उसने किसी महिला के लिए फूल खरीदे थे; और जैसे ही उसने उनकी सुगंध को महसूस किया, उसका सीना गर्व से फूल गया, मानो यह भेंट, जो उसने किसी और के लिए सोची थी, उसकी ओर निर्देशित हो गई हो।

फिर भी उसे देखे जाने का डर था; वह दृढ़ निश्चय के साथ चर्च में चला गया।

उस समय, द्वारपाल बाईं ओर के प्रवेश द्वार के केंद्र में, नृत्य करती हुई मरियान की मूर्ति के नीचे, दहलीज पर खड़ा था, उसके सिर पर पंख, पिंडली के पास एक तलवार और मुट्ठी में एक लाठी थी, जो किसी कार्डिनल से भी अधिक राजसी और एक पवित्र सिबोरियम की तरह चमक रही थी।

वह लियोन की ओर बढ़ा, और बच्चों से पूछताछ करते समय पुरोहितों द्वारा अपनाई जाने वाली उस चिकनी-चुपड़ी सौम्य मुस्कान के साथ:

“शायद महोदय शहर से बाहर के हैं? महोदय चर्च की विशेष विशेषताओं को देखना चाहेंगे?”

“नहीं,” दूसरे ने कहा।

पहले वह बगल के गलियारों का पूरा चक्कर लगाकर आया। फिर वह आया और चौक की ओर देखा। एम्मा कहीं नज़र नहीं आ रही थी। वह वापस गायक मंडली तक चला गया।

चर्च के मुख्य भाग में पानी से भरे पवित्र जल के कुंडों, गुंबदों के निचले हिस्सों और रंगीन कांच के कुछ भागों का प्रतिबिंब दिखाई दे रहा था। संगमरमर के किनारों से टकराकर टूटती छवियों का प्रतिबिंब, पत्थरों पर एक भड़कीले कालीन की तरह आगे बढ़ता जा रहा था। बाहर की तेज धूप तीन खुले द्वारों से होकर चर्च के अंदर तीन विशाल किरणों के रूप में आ रही थी। कभी-कभी, चर्च के भीतर, एक सेवक वेदी के पास से गुजरता और जल्दबाजी में श्रद्धालुओं द्वारा किए जाने वाले तिरछे घुटने टेकता। क्रिस्टल के झूमर स्थिर लटके हुए थे। गायन कक्ष में एक चांदी का दीपक जल रहा था; और चर्च के अंधेरे हिस्सों से, पार्श्व कक्षों से, कभी-कभी आहों की एक धारा सुनाई देती थी, साथ ही जाली के बंद होने की आवाज भी आती थी, जिसकी गूंज ऊंचे गुंबदों के नीचे तक जाती थी।

लियोन गंभीर कदमों से दीवारों के करीब चल रहा था। उसे जीवन इतना सुखद पहले कभी नहीं लगा था। किसी भी क्षण वह प्रकट हो जाएगी, मनमोहक, उत्तेजित, पीछे मुड़कर उन आँखों को देखती हुई जो उसका पीछा कर रही थीं—अपने झालरदार वस्त्र, सोने के झुमके, पतले छोटे बूटों में, हर तरह की सुरुचिपूर्ण सजावट

में, जिसका उसने पहले कभी अनुभव नहीं किया था, और सद्गुण के समर्पण की असीम मोहकता के साथ। चर्च, एक विशाल शयनकक्ष की तरह, उसके चारों ओर सज रहा था; गुंबद नीचे झुककर, छाया में, उसके प्रेम की स्वीकारोक्ति को समेट रहे थे; खिड़कियाँ उसके चेहरे को रोशन करने के लिए चमक रही थीं; और धूपदान ऐसे जल रहे थे कि वह इत्र के बादलों के बीच एक देवदूत की तरह दिखाई दे।

फिर भी वह नहीं आई। वह बैठ गया, और उसकी नज़र एक नीली खिड़की पर पड़ी जिसमें टोकरियाँ लिए नाविक दिखाई दे रहे थे। उसने उसे काफी देर तक ध्यान से देखा, और मछलियों के शल्कों और नाविकों के बटनहोल को गिनता रहा, जबकि उसके विचार एम्मा की तलाश में भटक रहे थे।

एक तरफ खड़ा गिरजाघर का रखवाला मन ही मन उस व्यक्ति पर क्रोधित हो रहा था जिसने अकेले गिरजाघर की प्रशंसा करने की अनुमति दी थी। उसे लगा कि वह व्यक्ति राक्षसी व्यवहार कर रहा है, एक तरह से उससे चोरी कर रहा है और लगभग अपवित्रता का कार्य कर रहा है।

लेकिन फर्श पर रेशम की सरसराहट, टोपी का किनारा, एक काला हुड वाला लबादा... वह थी! लियोन खड़ा हुआ और उससे मिलने के लिए दौड़ा।

एम्मा का चेहरा पीला पड़ गया था। वह तेजी से चल रही थी।

“इसे पढ़ो!” उसने उसे कागज का एक टुकड़ा देते हुए कहा… “नहीं, नहीं!”

और अचानक उसने अपना हाथ पीछे खींच लिया और लेडी चैपल में चली गई, जहाँ एक कुर्सी के सहारे घुटने टेककर वह प्रार्थना करने लगी।

वह युवक इस अति-धार्मिक सनक से चिढ़ गया; लेकिन फिर उसे उसे इस तरह प्रार्थना में लीन देखकर एक अजीब सा आकर्षण महसूस हुआ, मानो वह किसी अंडालूसी राजकुमारी की तरह प्रार्थना कर रही हो; फिर वह जल्दी ही ऊब गया, क्योंकि वह लगातार बोलती जा रही थी।

एम्मा प्रार्थना कर रही थी, या यों कहें कि प्रार्थना करने का प्रयास कर रही थी, इस आशा में कि स्वर्ग से उसे अचानक कोई समाधान मिल जाएगा; और दैवीय सहायता प्राप्त करने के लिए, वह अपनी आँखों को पवित्रस्थल की भव्यता से भर रही थी, ऊँचे फूलदानों में पूरी तरह खिले हुए सफेद फूलों की सुगंध को साँसों में ले रही थी, और चर्च की शांति को सुन रही थी, जिससे उसके दिल में हलचल और बढ़ रही थी।

वह फिर से खड़ी हो गई थी, और वे जाने ही वाले थे कि तभी चौकीदार फुर्ती से उनके पास आया और बोला:

“शायद मैडम शहर से बाहर की हैं? मैडम चर्च की विशेष विशेषताओं को देखना चाहेंगी?”

“नहीं, नहीं!” क्लर्क ने हैरानी से कहा।

“क्यों नहीं?” उसने कहा।

क्योंकि अपनी डगमगाती नैतिकता के साथ वह कुंवारी कन्या, मूर्तियों, कब्रों और हर अवसर का सहारा ले रही थी।

फिर, ताकि वे सही क्रम में आगे बढ़ सकें, चौकीदार उन्हें चौक के पास वाले प्रवेश द्वार तक ले गया, जहाँ उसने अपनी छड़ी से बिना किसी शिलालेख या नक्काशी वाले काले पत्थरों के एक बड़े घेरे की ओर इशारा करते हुए कहा:

“यह है उस खूबसूरत एम्बोइस घंटी की परिधि। इसका वजन चालीस हजार पाउंड था। पूरे यूरोप में इसके जैसी कोई दूसरी घंटी नहीं थी। इसे बनाने वाले कारीगर की खुशी से मृत्यु हो गई…”

“चलो चलते हैं,” लियोन ने कहा।

वह व्यक्ति आगे बढ़ता रहा; फिर, लेडी चैपल में लौटकर, उसने एक सर्वव्यापी आलिंगन भाव में अपनी बाहें फैलाईं, और एक ऐसे ग्रामीण जमींदार से भी अधिक गर्व से, जो आपको अपने लच्छेदार पेड़ दिखा रहा हो:

"इस साधारण पत्थर के नीचे पियरे डी ब्रेज़े, वारेन और ब्रिसैक के लॉर्ड, पोइटू के ग्रैंड मार्शल और नॉर्मंडी के गवर्नर, दफन हैं, जिनकी मृत्यु 16 जुलाई, 1465 को मोंटलेरी की लड़ाई में हुई थी।"

लियोन ने अपने होंठ काटते हुए अधीरता से अपने पैर पटके।

“और दाईं ओर, लोहे के कवच में, उछलते घोड़े पर सवार यह सज्जन उनके पोते लुई डी ब्रेज़े हैं, जो ब्रेवल और मोंटचौवेट के लॉर्ड, मौलेवियर के काउंट, मौनी के बैरन, राजा के चैंबरलेन, नाइट ऑफ द ऑर्डर और नॉर्मंडी के गवर्नर भी थे। शिलालेख के अनुसार, उनका निधन 23 जुलाई, 1531 को रविवार के दिन हुआ था; और उनके नीचे, कब्र में उतरने वाला वह व्यक्ति आपको वही व्यक्ति दिखाता है। क्या आप सहमत नहीं हैं कि इससे अधिक सटीक रूप से उस खालीपन का चित्रण संभव है?”

मैडम बोवरी ने अपना चश्मा उठाया। लियोन, बिना हिले-डुले, उन्हें देख रहा था, अब वह एक शब्द भी बोलने या कोई हरकत करने की कोशिश नहीं कर रहा था, क्योंकि वह उनकी वाक्पटुता और उदासीनता के दोहरे व्यवहार से इतना निराश महसूस कर रहा था।

उनका शाश्वत मार्गदर्शक आगे कहता रहा:

“उनके बगल में घुटनों के बल बैठी और रोती हुई यह महिला उनकी पत्नी, डायने डी पोइटियर्स, काउंटेस ऑफ ब्रेज़े, डचेस ऑफ वैलेंटीनोइस हैं, जिनका जन्म 1499 में हुआ और मृत्यु 1566 में हुई; और बाईं ओर, जो एक बच्चे को गोद में लिए हुए हैं, वे पवित्र वर्जिन मैरी हैं। अब, इस ओर मुड़ें: यहाँ एम्बोइस दंपत्ति की कब्रें हैं। वे दोनों कार्डिनल और रूएन के आर्कबिशप थे। वह जो वहाँ हैं, वे राजा लुई XII के मंत्री थे। वे कैथेड्रल के एक महान दानदाता थे। पता चला है कि उन्होंने अपनी वसीयत में गरीबों के लिए तीस हजार सोने के सिक्के छोड़े थे।”

और बिना रुके, बोलते हुए, उन्होंने उन्हें रेलिंग से भरी एक चैपल में जाने के लिए प्रेरित किया, उनमें से कुछ को एक तरफ हटाया, और एक प्रकार का ब्लॉक दिखाया, जो शायद एक खराब ढंग से बनाई गई मूर्ति रही होगी।

“एक समय था,” उन्होंने गहरी आह भरते हुए कहा, “यह इंग्लैंड के राजा और नॉर्मंडी के ड्यूक रिचर्ड द लायनहार्टेड की समाधि की शोभा बढ़ाता था। महाराज, कैल्विनवादियों ने ही इसे इस हालत में पहुँचाया है। उन्होंने द्वेषवश इसे महामहिम के बिशप सिंहासन के नीचे ज़मीन में गाड़ दिया। देखिए—यह वह दरवाज़ा है जिससे महामहिम अपने निवास स्थान पर पहुँचते हैं। चलिए अब आगे बढ़ते हैं और गार्गोयल खिड़कियाँ देखते हैं।”

लेकिन लियोन ने झट से अपनी जेब से एक चांदी का सिक्का निकाला और एम्मा का हाथ पकड़ लिया। चौकीदार पूरी तरह से अचंभित रह गया, अजनबी के लिए अभी भी बहुत कुछ देखना बाकी था, फिर भी इस असमय उदारता को देखकर वह हैरान था। इसलिए, उसे वापस बुलाते हुए:

“अरे, महोदय! घंटाघर! घंटाघर!…”

“धन्यवाद, नहीं,” लियोन ने कहा।

“महाशय, आप गलती कर रहे हैं! आप देखेंगे कि इसकी ऊंचाई चार सौ चालीस फीट है, जो मिस्र के महान पिरामिड से नौ फीट कम है। यह पूरी तरह से ढलवां लोहे से बना है…”

लियोन भाग रहा था; क्योंकि उसे ऐसा लग रहा था कि उसका प्यार, जो लगभग दो घंटे से चर्च के अंदर पत्थरों की तरह स्थिर था, धुएं के एक झोंके की तरह उस कटी हुई पाइप, उस आयताकार पिंजरे, उस जालीदार चिमनी में गायब होने वाला है, जो गिरजाघर के ऊपर इतने खतरनाक और विचित्र ढंग से टिकी हुई है, मानो किसी सनकी धातुकर्मी का असाधारण प्रयोग हो।

“हम कहाँ जा रहे हैं?” उसने कहा।

बिना जवाब दिए, वह तेज़ी से आगे बढ़ रहा था, और मैडम बोवरी पहले ही पवित्र जल में अपनी उंगली डुबो रही थीं, तभी उन्हें पीछे से ज़ोर-ज़ोर से सांस लेने की आवाज़ सुनाई दी, जिसके बीच-बीच में छड़ी से टैप करने की आवाज़ आ रही थी। लियोन पीछे मुड़ा।

"महोदय!"

"क्या?"

और उसने गिरजाघर के चौकीदार को पहचान लिया, जो अपनी बगल में दबाकर और पेट से टिकाकर लगभग बीस मोटी-मोटी कागज़ की जिल्द वाली किताबें लिए बैठा था। ये किताबें गिरजाघर के बारे में थीं।

“मूर्ख!” लियोन बड़बड़ाते हुए चर्च से बाहर भागा।

एक आवारा बच्चा खुले मैदान में इधर-उधर घूम रहा था:

मेरे लिए एक टैक्सी बुलाओ!

बच्चा क्वात्रे-वेंट्स गली में बिजली की तरह दौड़ पड़ा; अब वे कुछ मिनटों के लिए आमने-सामने अकेले रह गए थे, और थोड़ा शर्मिंदा भी थे।

“ओह, लियोन! … सच में … मुझे नहीं पता … कि मुझे ऐसा करना चाहिए या नहीं …!”

वह मुस्कुरा रही थी। फिर, गंभीर स्वर में:

"यह बिल्कुल अनुचित है, आप जानते हैं।"

“किस तरह से?” क्लर्क ने जवाब दिया। “पेरिस में तो ऐसा ही होता है!”

और उस टिप्पणी ने, एक अकाट्य तर्क की तरह, उसका निर्णय कर दिया।

लेकिन टैक्सी का कहीं कोई अता-पता नहीं था। लियोन को डर था कि वह वापस चर्च के अंदर चली जाएगी। आखिरकार टैक्सी दिखाई दी।

“कम से कम उत्तरी द्वार से बाहर जाओ!” दहलीज पर खड़े चौकीदार ने चिल्लाकर कहा। “ताकि तुम पुनरुत्थान, अंतिम न्याय, स्वर्ग, राजा दाऊद और नरक की ज्वालाओं में जलती हुई शापित आत्माओं को देख सको!”

“महाशय कहाँ जाना चाहते हैं?” कोचवान ने पूछा।

"जहाँ चाहो!" लियोन ने एम्मा को गाड़ी में धकेलते हुए कहा।

और भारी वाहन चल पड़ा।

यह रुए ग्रैंड-पोंट से नीचे गई, प्लेस डेस आर्ट्स, क्वाई नेपोलियन और पोंट नेउफ को पार किया और पियरे कॉर्नेल की मूर्ति के सामने अचानक रुक गई।

अंदर से एक आवाज आई, "चलते रहो!"

गाड़ी फिर से चलने लगी और ला फायेट रेलवे स्टेशन से नीचे की ओर ढलान पर गति पकड़ते हुए, तेज रफ्तार से रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई।

“नहीं! सीधे जाओ!” उसी आवाज ने फिर कहा।

टैक्सी फाटकों से बाहर निकली और जल्द ही सैरगाह पर पहुँचकर ऊँचे-ऊँचे एल्म के पेड़ों की कतारों के बीच धीरे-धीरे चलने लगी। कोचवान ने अपना माथा पोंछा, अपनी चमड़े की टोपी पैरों के बीच रखी और गाड़ी को किनारे की गलियों से आगे घास के किनारे पानी की ओर तेज़ी से ले गया।

यह नदी के किनारे-किनारे, सूखे कंकड़ों की सतह वाले पगडंडी पर चलता रहा, और काफी देर तक द्वीपों के पार, ओयसेल की ओर बढ़ता रहा।

लेकिन अचानक ही, यह एक ही छलांग में क्वाट्रेमारेस, सोट्टेविले, ग्रांडे-चाउसी, रुए डी'एल्बेउफ को पार करते हुए, जार्डिन डेस प्लांट्स के सामने अपने तीसरे पड़ाव पर पहुँच गया।

“चलते रहो!” आवाज और भी उग्र होकर चिल्लाई।

और तुरंत ही फिर से शुरू होकर, यह सेंट-सेवर से गुज़री, क्वाई डेस कुरांडियर्स के किनारे-किनारे, क्वाई ऑक्स म्यूल्स के साथ-साथ, एक बार फिर पुल पार करके, प्लेस डू शैंप-डे-मार्स के पास से गुज़री, और वृद्धाश्रम के बगीचों के पीछे से होते हुए आगे बढ़ी, जहाँ काले जैकेट पहने बूढ़े लोग धूप में बेलों से ढकी हरी छत पर टहल रहे थे। यह बुलेवार्ड बूवरेइल से ऊपर की ओर, बुलेवार्ड कौचोइस के साथ-साथ, फिर मोंट-रिबूडेट की पूरी लंबाई में डेविले पहाड़ी तक नीचे की ओर गई।

यह वापस मुड़ गया; और फिर, बिना किसी निश्चित योजना या दिशा के, बेतरतीब ढंग से भटकने लगा। इसे सेंट-पोल, लेस्क्योर, मोंट गार्गन, रूज-मेयर और प्लेस डू गैलार्डबोइस में देखा गया; रुए मालाड्रेरी, रुए डिनैंडेरी, सेंट-रोमेन, सेंट-विवियन, सेंट-मैकलू, सेंट-निकैस के सामने—कस्टम हाउस के सामने—बासे विएले-टूर, ट्रोइस-पाइप्स और सिमेटियर मॉन्यूमेंटल में। अपनी सीट से कोचवान बीच-बीच में निराशा भरी निगाहों से किसी सराय की ओर देखता। वह समझ नहीं पा रहा था कि चलने की कौन सी सनक इन लोगों को रुकने से मना कर रही थी। वह कभी-कभी कोशिश करता, और उसे तुरंत अपने पीछे गुस्से भरी चीखें सुनाई देतीं। फिर वह अपने पसीने से तरबतर दो घोड़ों को और भी जोर से चाबुक मारता, लेकिन धक्कों की परवाह किए बिना, चाहे उनका एक पहिया एक तरफ से दूसरी तरफ फंस जाए, वह बेपरवाह, हतोत्साहित और प्यास, थकान और उदासी से लगभग रोने लगता।

और बंदरगाह पर, गाड़ियों और बड़े-बड़े बैरलों के बीच, और गलियों में, पहरेदार पत्थरों के पास कोनों पर, शहरवासी प्रांतों में अनसुनी इस चीज को देखकर विस्मय से आंखें फाड़कर देखते रहते थे - एक ऐसी गाड़ी जिसके पर्दे खींचे हुए थे और जो बार-बार प्रकट और गायब होती रहती थी, एक मकबरे से भी ज्यादा कसकर बंद और समुद्र में जहाज की तरह इधर-उधर हिलती रहती थी।

एक बार, दोपहर के समय, ग्रामीण इलाके में, जब सूरज पुरानी चांदी की परत चढ़ी हुई लैंपों पर अपनी तेज धूप बिखेर रहा था, एक नंगे हाथ ने पीले कैनवास के छोटे पर्दों के नीचे से कुछ फटे हुए कागज के टुकड़े बाहर फेंके, जो हवा में बिखर गए और दूर जाकर, सफेद तितलियों की तरह, खिले हुए लाल तिपतिया घास के खेत पर जा गिरे।

फिर, लगभग छह बजे, गाड़ी ब्यूवोइसिन जिले की एक गली में रुक गई, और एक महिला उससे उतरी और अपना घूंघट नीचे करके, बिना सिर घुमाए चली गई।

[2]

जब मैडम बोवरी सराय पहुँचीं, तो उन्हें स्टेजकोच न देखकर आश्चर्य हुआ। हिवर्ट, तिरपन मिनट तक उनका इंतजार करने के बाद, आखिरकार चला गया था।

उसे जाने के लिए कोई मजबूरी नहीं थी; लेकिन उसने वचन दिया था कि वह उसी शाम लौट आएगी। इसके अलावा, चार्ल्स उसका इंतज़ार कर रहा था; और उसके मन में पहले से ही वह दयनीय आज्ञाकारिता महसूस हो रही थी, जो कई महिलाओं के लिए, उनके व्यभिचार का दंड और उसे सुधारने के लिए चुकाई जाने वाली कीमत दोनों होती है।

उसने जल्दी से अपना बैग पैक किया, बिल का भुगतान किया, आंगन में एक गाड़ी किराए पर ली, और ड्राइवर को उकसाते हुए, उसे प्रोत्साहित करते हुए, हर मिनट उससे समय और कितने किलोमीटर वे चले हैं, यह पूछते हुए, क्विनकैम्पोइक्स के पहले घरों के पास हिरोंडेल को ओवरटेक करने में कामयाब रही।

अपने कोने में मुश्किल से बैठी ही थी कि उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और फिर पहाड़ी की तलहटी में उन्हें खोला, जहाँ दूर से उसने फ़ेलिसिटे को लोहार की दुकान के सामने उसका इंतज़ार करते हुए पहचान लिया। हिवर्ट ने अपने घोड़ों की लगाम खींची, और रसोइया ने गाड़ी की खिड़की तक हाथ बढ़ाकर रहस्यमय ढंग से कहा:

“महोदया, आपको तुरंत महाशय होमेस के घर जाना होगा। यह अत्यंत आवश्यक है।”

गाँव में हमेशा की तरह सन्नाटा पसरा हुआ था। गलियों के कोनों पर गुलाबी रंग के छोटे-छोटे ढेर हवा में भाप छोड़ रहे थे, क्योंकि जैम बनाने का समय हो गया था और योनविले में हर कोई उसी दिन अपने लिए जैम बना रहा था। लेकिन फार्मासिस्ट की दुकान के सामने, लोग एक बहुत बड़े ढेर की प्रशंसा कर रहे थे, जो बाकी सभी से कहीं ज़्यादा बड़ा था, और जो किसी भी साधारण चूल्हे से कहीं ज़्यादा खास था, जहाँ आम ज़रूरतें व्यक्तिगत इच्छाओं से ऊपर थीं।

वह अंदर गई। बड़ी सी कुर्सी उलटी पड़ी थी, और यहाँ तक कि ले फनल डे रूएन भी फर्श पर, दो मूसलों के बीच पड़ा था। उसने हॉल का दरवाजा धक्का देकर खोला; और रसोई के बीचोंबीच, किशमिश, पिसी हुई चीनी, और बड़े टुकड़ों वाली चीनी से भरे भूरे जारों के बीच, मेज पर तराजू, और आग पर रखे बर्तनों के बीच, उसने पूरे होमेस परिवार को देखा, बड़े और छोटे, सभी ठुड्डी तक ऊँचे एप्रन पहने हुए और हाथों में कांटे पकड़े हुए थे। जस्टिन सिर झुकाए खड़ा था, और फार्मासिस्ट चिल्ला रहा था:

“तुम्हें किसने कहा कि इसे कफरनाउम से लाओ?”

“क्या बात है? क्या हुआ?”

“क्या बात है?” वैद्य ने उत्तर दिया। “हम जैम बना रहे थे; वह पक रहा था; लेकिन वह बहुत तेज़ी से उबल रहा था, इसलिए छलकने ही वाला था, और मैंने दूसरा बर्तन मंगवाया। फिर, क्योंकि वह आलसी है, क्योंकि वह सुस्त है, वह मेरी प्रयोगशाला में गया और उस कील से, जहाँ वह टंगी थी, कफरनाउम की चाबी ले आया!”

यह औषधालय द्वारा छज्जे के नीचे बने एक छोटे से कमरे का नाम था, जो उसके पेशे के औजारों और सामग्रियों से भरा रहता था। अक्सर वह वहाँ अकेले घंटों बिताता, दवाओं पर लेबल लगाता, छानता और दोबारा पैक करता; और वह इसे महज़ एक भंडारगृह नहीं, बल्कि एक पवित्र स्थान मानता था, जहाँ से उसके अपने हाथों से तैयार की गई तरह-तरह की गोलियाँ, टॉफी, काढ़े, लोशन और औषधियाँ निकलती थीं, जो आसपास के क्षेत्र में उसकी प्रसिद्धि फैलाने के लिए थीं। वहाँ किसी और ने कभी कदम नहीं रखा था; और वह उसका इतना सम्मान करता था कि वह उसे स्वयं साफ करता था। यदि फार्मेसी, जो सभी के लिए खुली रहती थी, वह स्थान था जहाँ वह गर्व से अपना कौशल प्रदर्शित करता था, तो कफरनम वह शरणस्थल था जहाँ स्वार्थवश दुनिया से अलग होकर, होमेस उत्साहपूर्वक अपनी इच्छाओं का आनंद लेता था; इस प्रकार, जस्टिन की लापरवाही उसे घोर अनादरपूर्ण प्रतीत होती थी; और, किशमिश से भी अधिक लाल, उसने फिर कहा:

“हाँ, कफरनम की चाबी! एसिड और कास्टिक क्षार को बंद करके रखने की चाबी! चलो, एक अतिरिक्त बर्तन ले आओ!—ढक्कन वाला बर्तन!—एक ऐसा बर्तन जिसे शायद मैं कभी इस्तेमाल ही न करूँ! हमारी कला के नाजुक कार्यों में हर चीज़ का अपना महत्व है! धिक्कार है! अंतर करना ज़रूरी है, घरेलू कामों के लिए दवाइयों में इस्तेमाल होने वाली चीज़ का प्रयोग नहीं करना चाहिए! यह ऐसा है जैसे कोई मुर्गी को स्केलपेल से काट रहा हो, जैसे कोई मजिस्ट्रेट…”

“अब शांत हो जाओ, प्रिय!” मैडम होमेस कह रही थीं।

और एथली ने उसे उसके फ्रॉक कोट से खींचते हुए कहा:

“पोप! पोप!”

“नहीं! मुझे अकेला छोड़ दो!” दवा विक्रेता बोलता रहा। “मुझे अकेला छोड़ दो! धिक्कार है! मैं अपनी कसम खाकर किराने की दुकान ही क्यों न खोल लूँ! आगे बढ़ो! किसी का सम्मान मत करो! सब तोड़ दो! सब चकनाचूर कर दो! जोंकों को बाहर निकाल दो! मालवा जला दो! दवा की बोतलों में अचार भिगो दो! पट्टियाँ काट डालो!”

“लेकिन आपके पास था…,” एम्मा ने कहा।

एक मिनट रुकिए!— क्या आपको पता है कि आप कितना बड़ा जोखिम उठा रहे थे? … क्या आपने कोने में, बाईं ओर, तीसरी शेल्फ पर कुछ नहीं देखा? बोलिए, जवाब दीजिए, कुछ स्पष्ट बताइए!

“मुझे नहीं पता,” लड़के ने हकलाते हुए कहा।

“अरे! तुम्हें नहीं पता! खैर, मुझे पता है! तुमने एक बोतल देखी थी, नीले रंग की कांच की बोतल, पीले मोम से सील की हुई, जिसमें सफेद पाउडर था, जिस पर मैंने लिखा था: खतरनाक! और क्या तुम्हें पता है उसमें क्या है? आर्सेनिक! —और तुम उसे छूने वाले थे? उसके ठीक बगल में रखा हुआ बर्तन उठा लो!”

“बिल्कुल बगल में!” मैडम होमेस ने हाथ जोड़ते हुए कहा। “आर्सेनिक? आप हम सबको ज़हर दे सकते हैं!”

और बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे, मानो उन्हें अपने पेट में असहनीय दर्द हो रहा हो।

“या फिर किसी मरीज़ को ज़हर दे दो!” वैद्य ने आगे कहा। “तो तुम चाहते हो कि मैं अपराधियों की अदालत में पेश होऊं? मुझे फांसी पर घसीटते हुए देखो? क्या तुम्हें नहीं पता कि मैं हर काम कितनी सावधानी से करता हूं, जबकि मैं इसमें पूरी तरह माहिर हूं? मैं तो अक्सर अपनी ज़िम्मेदारी के बारे में सोचकर खुद भी डर जाता हूं! —क्योंकि सरकार हम पर अत्याचार करती है, और हमें प्रतिबंधित करने वाले बेतुके कानून हमारे सिर पर तलवार की तरह लटके हुए हैं!”

एम्मा अब यह पूछने के बारे में नहीं सोच रही थी कि वे उससे क्या चाहते हैं, और फार्मासिस्ट हांफते हुए बोलता रहा:

“यही वह तरीका है जिससे तुम मेरे द्वारा दिखाई गई दया को स्वीकार करते हो! यही वह तरीका है जिससे तुम मेरे द्वारा तुम पर बरसाए गए पूर्ण पितृवत स्नेह का प्रतिफल देते हो! क्योंकि मेरे बिना तुम कहाँ होते? क्या कर रहे होते? तुम्हें भोजन, शिक्षा, वस्त्र, वे सभी साधन कौन प्रदान करता है जिनसे तुम एक दिन सम्मान के साथ समाज में प्रवेश कर सको! लेकिन इसके लिए तुम्हें कड़ी मेहनत करनी होगी, तुम्हें अपने हाथों में कठोरता लानी होगी, जैसा कि कहते हैं। Fabricando fit faber, age quod agis.”

वह इतना क्रोधित था कि लैटिन भाषा में उद्धरण दे रहा था। यदि उसे चीनी या ग्रीनलैंडिक भाषाएँ आतीं तो वह उन भाषाओं में उद्धरण देता; क्योंकि वह एक ऐसे संकट से गुजर रहा था जिसमें किसी की आत्मा अपने भीतर की हर बात को बिना किसी भेदभाव के प्रकट कर देती है, ठीक वैसे ही जैसे तूफान के दौरान महासागर अपने किनारे पर मौजूद शैवाल से लेकर अपनी गहराई में मौजूद रेत तक खुल जाता है।

और उन्होंने आगे कहा:

मुझे तुम्हें अपनी देखरेख में लेने का बहुत पछतावा हो रहा है! तुम्हें उसी गंदगी में, जहाँ तुम पैदा हुए थे, तुम्हारी दयनीय हालत में ही छोड़ देना कहीं बेहतर होता! तुम सींग वाले जानवरों की देखभाल के सिवा किसी काम के नहीं हो! विज्ञान में तुम्हारी कोई रुचि नहीं है! तुम्हें तो मुश्किल से लेबल चिपकाना आता है! और तुम मेरे घर में रहते हो, किसी साधु या लड़ाकू मुर्गे की तरह पेट भरते रहते हो!

लेकिन एम्मा, मैडम होमेस की ओर मुड़ते हुए:

उन्होंने मुझे आने को कहा…

“हे भगवान!” उस महिला ने उदास चेहरे के साथ बीच में ही टोकते हुए कहा; “मैं आपको कैसे बताऊं? … यह तो बहुत ही भयानक बात है!”

उसने बोलना बंद कर दिया। दवा विक्रेता लगातार शोर मचा रहा था:

इसे खाली करो! इसे साफ करो! इसे वापस ले जाओ! जल्दी करो, क्या तुम नहीं कर सकते!

और जैसे ही उसने जस्टिन को उसकी कमीज के कॉलर से हिलाया, उसकी जेब से एक किताब गिर गई।

लड़का नीचे झुका। होमेस उससे भी तेज़ था, और किताब उठाकर उसने उसे ध्यान से पढ़ा, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं और मुँह खुला रह गया।

“वैवाहिक… प्रेम!” उसने धीरे-धीरे दोनों शब्दों को अलग-अलग बोलते हुए कहा। “ओह! बहुत बढ़िया! बहुत बढ़िया! बहुत ही शानदार! नक्काशी भी है! … आह! यह तो हद से ज़्यादा है!”

मैडम होमेस आगे बढ़ीं।

नहीं, इसे मत छुओ!

बच्चे तस्वीरें देखना चाहते थे।

“कमरे से बाहर जाओ!” उसने दबंगई से कहा।

और वे चले गए।

पहले तो वह लंबी-लंबी चालों से इधर-उधर टहल रहा था, उंगलियों के बीच किताब खुली रखे हुए, आँखें घुमा रहा था, हाँफ रहा था, सूजी हुई, क्रोधित। फिर वह सीधे अपने शिष्य के पास गया और उसके सामने बाहें मोड़कर बैठ गया:

“तो फिर तुममें सारी बुराइयाँ हैं, है ना, छोटे बदमाश? … सावधान रहो, तुम पतन की ओर जा रहे हो! … मुझे नहीं लगता कि तुम्हें यह ख्याल आया होगा कि तुम्हारी यह घिनौनी किताब मेरे बच्चों के हाथ लग सकती है, उनके मन में चिंगारी जगा सकती है, अथली की पवित्रता को धूमिल कर सकती है, नेपोलियन को भ्रष्ट कर सकती है! शारीरिक रूप से तो वह पहले से ही जवान है। क्या तुम्हें कम से कम इतना तो यकीन है कि उन्होंने इसे नहीं पढ़ा है? क्या तुम मुझे गारंटी दे सकते हो…?”

“सच में, महोदय,” एम्मा ने कहा। “क्या आपको मुझे कुछ बताना नहीं था…?”

जी हां, मैंने किया, महोदया… आपके ससुर जी का निधन हो गया है!

दरअसल, श्रीमान बोवरी की दो दिन पहले ही अचानक मृत्यु हो गई थी, जब वे भोजन की मेज से उठ रहे थे; और एम्मा की संवेदनशीलता के प्रति अत्यधिक चिंता के कारण, चार्ल्स ने श्रीमान होमेस से अनुरोध किया था कि वे उसे इस भयानक समाचार की सूचना अत्यंत सावधानी से दें।

फार्मासिस्ट ने अपनी घोषणा पर विचार किया था, उसने इसे सुव्यवस्थित किया था, इसे परिष्कृत किया था, इसमें लयबद्धता लाई थी; यह विवेक और बदलावों, सूक्ष्म वाक्यांशों और कोमलता की एक उत्कृष्ट कृति थी; लेकिन क्रोध ने बयानबाजी को उड़ा दिया था।

कोई भी जानकारी मिलने की उम्मीद न होने पर एम्मा फार्मेसी से चली गई; क्योंकि श्री होमेस ने फिर से अपनी गाली-गलौज शुरू कर दी थी। हालांकि, वह अब शांत हो रहे थे और एक पिता तुल्य स्वर में बड़बड़ा रहे थे, साथ ही साथ अपनी टोपी से खुद को हवा दे रहे थे।

"ऐसा नहीं है कि मैं इस किताब को पूरी तरह से नापसंद करता हूँ! लेखक एक डॉक्टर थे। इसमें कुछ वैज्ञानिक पहलू हैं जिन्हें जानना एक पुरुष के लिए बुरा नहीं है, बल्कि मैं तो यह कहूँगा कि एक पुरुष को उन्हें जानना ही चाहिए। लेकिन बाद में, बाद में! कम से कम तब तक इंतज़ार करो जब तक तुम खुद एक पुरुष न बन जाओ और तुम्हारा चरित्र निखर न जाए।"

दरवाजे की दस्तक की आवाज सुनते ही, उसका इंतजार कर रहे चार्ल्स बाहें फैलाकर आगे आए और रोते हुए स्वर में बोले:

"ओह, मेरे प्रियतम!..."

और वह धीरे से झुककर उसे चूमने लगा। लेकिन उसके होठों के स्पर्श से ही उसे दूसरे की याद सताने लगी और वह कांपते हुए अपना हाथ अपने चेहरे पर फेरने लगी।

फिर भी उसने उत्तर दिया:

"हां, मुझे पता है... मुझे पता है..."

उसने उसे वह पत्र दिखाया जिसमें उसकी माँ ने बिना किसी भावुकतापूर्ण दिखावे के घटना का वर्णन किया था। उसे केवल इस बात का दुख था कि उसके पति को धार्मिक सहारा नहीं मिला, क्योंकि पूर्व अधिकारियों के साथ देशभक्तिपूर्ण भोजन करने के बाद, डौडेविले में एक कैफे के दरवाजे पर, सड़क पर ही उनकी मृत्यु हो गई थी।

एम्मा ने उसे पत्र वापस दे दिया; फिर, खाने के समय, औपचारिकतावश, उसने कुछ अनिच्छा दिखाई। लेकिन जब उसने कई बार आग्रह किया, तो उसने दृढ़ता से खाना शुरू कर दिया, जबकि चार्ल्स, उसके सामने, निराशा की मुद्रा में स्थिर बैठा रहा।

बीच-बीच में, अपना सिर उठाकर, वह उसे दुख भरी निगाहों से देखता। एक बार उसने आह भरी:

मुझे उनसे एक बार और मिलना अच्छा लगता!

उसने कुछ नहीं कहा। अंत में, जब उसे एहसास हुआ कि उसे कुछ कहना चाहिए:

“तुम्हारे पिता की उम्र कितनी थी?”

“अठावन!”

आह!”

और बस इतना ही।

पंद्रह मिनट बाद, उन्होंने आगे कहा:

“मेरी बेचारी माँ! … अब उसका क्या होगा?”

उसने इशारों से यह जता दिया कि उसे नहीं पता।

उसे इतना शांत देखकर चार्ल्स ने अनुमान लगाया कि वह शोक में डूबी हुई है, और उसने खुद को चुप रहने के लिए मजबूर किया ताकि वह उस शोक को फिर से न जगा दे, जो उसे अंदर तक झकझोर रहा था। फिर भी, अपने स्वयं के शोक को झटकते हुए:

“कल आपका दिन अच्छा बीता?” उसने पूछा।

"हाँ।"

जब मेज़पोश हटाया गया, तो बोवरी नहीं उठा, न ही एम्मा उठी; और जैसे-जैसे वह उसे देखती रही, इस दृश्य की नीरसता ने धीरे-धीरे उसके दिल से सारी दया को दूर कर दिया। वह उसे तुच्छ, दुर्बल, निकम्मा, वास्तव में हर तरह से एक गरीब आदमी लग रहा था। वह उससे कैसे छुटकारा पा सकती थी? कितनी अंतहीन शाम! वह सुन्न महसूस कर रही थी, मानो अफीम के धुएं जैसी किसी मदहोश कर देने वाली चीज़ से ग्रस्त हो गई हो।

हॉल से उन्हें फर्श पर लकड़ी की सूखी छड़ी के टकराने की आवाज़ सुनाई दी। हिप्पोलिटे मैडम के थैले ला रहा था। उन्हें नीचे रखने के लिए, उसने बड़ी मेहनत से अपने लकड़ी के पैर से एक चौथाई वृत्त बनाया।

"वह अब इसके बारे में सोचता भी नहीं है!" उसने मन ही मन कहा, जब उसने उस बेचारे को देखा, जिसके घने लाल बाल पसीने से तरबतर थे।

बोवरी अपने पर्स के तल में एक छोटा सा सिक्का खोज रहा था; और उसे इस बात का जरा भी एहसास नहीं था कि उस व्यक्ति की उपस्थिति में उसे कितना अपमान सहना पड़ रहा था, जो उसकी असाध्य अक्षमता के लिए एक जीता-जागता उदाहरण बनकर खड़ा था:

“ओह! आपके पास कितना सुंदर गुलदस्ता है!” उसने लियोन के मेंटलपीस पर रखे वायलेट फूलों को देखकर कहा।

“हां,” उसने उदासीनता से कहा; “मैंने इसे पहले ही एक भिखारी औरत से खरीदा था।”

चार्ल्स ने वायलेट के फूल उठाए और आँसुओं से लाल हुई अपनी आँखों को उनसे ठंडा करते हुए धीरे से उनकी सुगंध को महसूस किया। उसने झट से फूल उसके हाथ से ले लिए और उन्हें पानी के गिलास में रखने चली गई।

अगले दिन, बड़ी मैडम बोवरी आईं। वह और उनका बेटा खूब रोए। एम्मा, आदेश देने का बहाना बनाकर गायब हो गईं।

अगले दिन, उन्हें मिलकर अपने शोक वस्त्रों के बारे में निर्णय लेना था। वे अपने काम की टोकरियाँ लेकर पानी के किनारे, मंडप के नीचे जाकर बैठ गए।

चार्ल्स अपने पिता के बारे में सोच रहा था, और उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उस व्यक्ति के लिए उसके मन में इतना स्नेह उमड़ रहा था, जिसे वह अब तक केवल आधे मन से ही प्यार करता था। बड़ी मैडम बोवरी अपने पति के बारे में सोच रही थीं। बीते हुए सबसे बुरे दिन भी जब उनकी यादों में ताज़ा हो गए, तो उन्हें सुखद लगने लगे। एक लंबे समय से चली आ रही आदत के खोने के सहज दुख ने सब कुछ धुंधला कर दिया था; और सुई से काम करते समय, बीच-बीच में एक बड़ा सा आंसू उसकी नाक से बहकर कुछ पल के लिए वहीं रुक जाता था। एम्मा सोच रही थी कि लगभग अड़तालीस घंटे पहले, वे दोनों दुनिया से दूर, गहरे नशे में चूर होकर एक-दूसरे को निहारने के लिए भी पर्याप्त आँखें न होने के कारण साथ थे। वह उस बीते हुए दिन के सूक्ष्म विवरणों को भी याद करने की कोशिश कर रही थी। लेकिन उसकी सास और पति की उपस्थिति ने बाधा उत्पन्न कर दी। वह चाहती थी कि उसे कुछ भी सुनाई न दे, कुछ भी दिखाई न दे, ताकि उसके प्यार की यादें, जो बाहरी संवेदनाओं के कारण, चाहे वह कुछ भी करे, धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही थीं, उसे कोई ठेस न पहुँचे।

वह एक पोशाक की अस्तर की सिलाई खोल रही थी, जिसके टुकड़े उसके चारों ओर बिखरे पड़े थे; मेरे बोवरी, बिना आँखें उठाए, एक चरचराती कैंची चला रही थी; और चार्ल्स, अपनी ढीली चप्पलों और पुराने भूरे रंग के फ्रॉक कोट में, जिसे वह ड्रेसिंग गाउन की तरह इस्तेमाल करता था, अपने हाथ जेब में डाले हुए था और कुछ बोल नहीं रहा था; उनके पास ही, बर्थे, एक छोटे से सफेद एप्रन में, अपने फावड़े से रास्तों की रेत खुरच रही थी।

अचानक उन्होंने देखा कि कपड़े के व्यापारी महाशय ल्यूरेक्स द्वार से प्रवेश कर रहे हैं।

वह निराशाजनक परिस्थितियों को देखते हुए अपनी सेवाएं देने आया था। एम्मा ने उत्तर दिया कि वह उनकी सेवाओं के बिना भी काम चला सकती है। व्यापारी ने खुद को पराजित नहीं माना।

उन्होंने कहा, "हजारों बार माफी मांगता हूं; मैं आपसे अकेले में बात करना चाहूंगा।"

फिर, धीमी आवाज़ में:

“यह उस मामले के बारे में है… तुम्हें पता है ना?”

चार्ल्स का चेहरा शर्म से लाल हो गया।

“अहा! जी हाँ! बिल्कुल।”

और अपनी बेचैनी में, उसने अपनी पत्नी की ओर मुड़कर कहा:

“मेरे प्रिय… क्या तुम… का ख्याल रख सकते हो?”

वह समझ गई प्रतीत हुई, क्योंकि वह खड़ी हो गई, और चार्ल्स ने अपनी माँ से कहा:

“कुछ नहीं! शायद घर में होने वाली कोई मामूली सी बात होगी।”

वह नहीं चाहता था कि उसे उस नोट के बारे में पता चले, क्योंकि उसे डर था कि वह क्या कहेगी।

जैसे ही एम्मा और श्री ल्यूरेक्स अकेले हुए, उन्होंने सबसे पहले स्पष्ट शब्दों में उन्हें विरासत मिलने पर बधाई दी, फिर कुछ बेमतलब की बातें करने लगे—लकड़ी के लट्ठों, फसल और अपनी सेहत के बारे में, जो हमेशा औसत दर्जे की ही रहती थी। सच तो यह है कि वे दिन-रात मेहनत करते थे, हालांकि लोगों की बातों के विपरीत, उनकी कमाई इतनी भी नहीं होती थी कि वे अपनी रोटी पर मक्खन लगा सकें।

एम्मा उसे बोलने दे रही थी। पिछले दो दिनों से वह हद से ज्यादा ऊब चुकी थी!

“और अब आप बिल्कुल ठीक हैं?” उन्होंने आगे पूछा। “सच कहूँ तो, मैं देख सकता था कि आपके बेचारे पति की हालत बहुत खराब थी! वह अच्छे इंसान हैं, हालाँकि हम दोनों के बीच कुछ कठिनाइयाँ थीं।”

उसने पूछा कि वे क्या थे, क्योंकि चार्ल्स ने उससे उसकी खरीदारी को लेकर हुए विवाद को छिपा रखा था।

“लेकिन तुम तो अच्छी तरह जानते हो!” ल्यूरेक्स ने पलटवार किया। “यह सब तुम्हारी उन छोटी-मोटी सनक—सामान—की वजह से हुआ था।”

उसने अपनी टोपी आँखों पर झुका ली थी, और दोनों हाथ पीठ पीछे रखकर, धीरे-धीरे मुस्कुराते और सीटी बजाते हुए, वह असहनीय ढंग से उसके चेहरे को घूर रहा था। क्या उसे कुछ शक था? वह आशंका से भर गई। लेकिन अंत में, उसने बोलना जारी रखा:

"हमने अब सुलह कर ली है, और मैं उनके सामने एक व्यवस्था का सुझाव देने के लिए वापस आया हूं।"

यह बोवरी द्वारा हस्ताक्षरित नोट को नवीनीकृत करने के लिए था। बेशक, महाशय को वही करना चाहिए जो उन्हें उचित लगे; उन्हें इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए, खासकर अब जब उन्हें कई अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

और उनके लिए बेहतर होगा कि वे इसे किसी और को सौंप दें, उदाहरण के लिए आपको; पावर ऑफ अटॉर्नी के साथ यह आसान होगा, और फिर आप और मैं मिलकर इन मामलों का ध्यान रख सकते हैं…”

उसे समझ नहीं आया। वह चुप हो गया। फिर, अपने व्यापार के बारे में बात करते हुए, ल्यूरेक्स ने कहा कि मैडम को उससे कुछ न कुछ ज़रूर मंगवाना चाहिए। वह उन्हें एक ड्रेस सिलने के लिए बारह मीटर लंबा काला कपड़ा भेजेगा।

“आपके पास जो है वो घर के लिए काफी है। आपको मेहमानों के लिए एक और चाहिए। अंदर आते ही मुझे ये बात समझ आ गई थी। मेरी नजर एक अमेरिकी की है।”

उसने सामान भेजा नहीं, खुद लाया। फिर नाप लेने के लिए दोबारा आया; फिर अलग-अलग बहाने बनाकर आता रहा, हर बार खुद को मिलनसार और मददगार दिखाने की कोशिश करता, होमेस के शब्दों में कहें तो एक जागीरदार की तरह वफादारी का वादा करता, और हमेशा एम्मा को पावर ऑफ अटॉर्नी के बारे में कुछ सलाह देता रहता। उसने उस नोट का ज़िक्र तक नहीं किया। एम्मा ने इसके बारे में सोचा भी नहीं; चार्ल्स ने उसकी बीमारी से उबरने की शुरुआत में उसे इसके बारे में कुछ बताया था; लेकिन उसका मन इतना विचलित था कि उसे याद ही नहीं रहा। इतना ही नहीं, उसने पैसों के बारे में कोई बात करने से भी परहेज किया; मेरी बोवरी को इस बात पर हैरानी हुई और उन्होंने एम्मा के इस बदले हुए स्वभाव का कारण बीमारी के दौरान उसके मन में पैदा हुई धार्मिक भावनाएँ समझीं।

लेकिन उसके जाते ही एम्मा ने अपनी व्यावहारिक सूझबूझ से बोवरी को तुरंत प्रभावित कर दिया। उन्हें पूछताछ करनी थी, गिरवी रखी संपत्तियों की जाँच करनी थी, यह देखना था कि क्या नीलामी या परिसमापन द्वारा बिक्री होनी चाहिए। वह तकनीकी शब्दों का बेतरतीब ढंग से इस्तेमाल करती थी; वह "व्यवस्था," "भविष्य," "दूरदर्शिता" जैसे महत्वपूर्ण शब्दों का उच्चारण करती थी और विरासत की जटिलताओं को लगातार बढ़ा-चढ़ाकर बताती थी; और फिर एक दिन उसने उसे एक सामान्य प्राधिकरण का मसौदा दिखाया जिसमें "उसके मामलों का प्रबंधन और प्रशासन करने, सभी ऋणों पर बातचीत करने, सभी नोटों पर हस्ताक्षर और अनुमोदन करने, सभी राशियों का भुगतान करने आदि" का अधिकार दिया गया था। उसने ल्यूरेक्स के पाठों से लाभ उठाया था।

चार्ल्स ने भोलेपन से उससे पूछा कि यह कागज कहाँ से आया है।

"महाशय गिलौमिन से।"

और अत्यंत संयम के साथ उन्होंने आगे कहा:

मुझे उस पर ज्यादा भरोसा नहीं है। नोटरी की तो बहुत बदनामी है! शायद हमें किसी से सलाह लेनी चाहिए... हम तो सिर्फ... ओह, कोई है ही नहीं!

“जब तक लियोन...,” चार्ल्स ने सोचते हुए जवाब दिया।

लेकिन चिट्ठी से बात समझाना मुश्किल था। इसलिए उसने यात्रा करने की पेशकश की। उसने उसे धन्यवाद दिया लेकिन जाने नहीं दिया। उसने ज़िद की। दोनों एक-दूसरे से ज़्यादा सजग दिखने की कोशिश कर रहे थे। आखिर में, उसने बनावटी विद्रोह भरे लहजे में कहा:

"नहीं, आपको मुझे जाने देना होगा—मुझे जाना ही होगा।"

“तुम कितनी अच्छी हो!” उसने उसके माथे पर चुंबन करते हुए कहा।

अगले ही दिन, वह हिरोंडेल से होते हुए रूएन के लिए रवाना हो गईं, ताकि महाशय लियोन से परामर्श कर सकें; और वह वहां तीन दिन तक रहीं।

[3]

वे तीन पूरे, बेहद खूबसूरत और शानदार दिन थे, एक वास्तविक हनीमून।

वे बंदरगाह पर स्थित होटल डी बोलोन में ठहरे। और वहाँ वे खिड़कियाँ बंद और दरवाजे ताले लगे हुए, फर्श पर फूल और बर्फ में रखे फलों के रस के साथ रहते थे, जो सुबह से ही उनके लिए ऊपर लाए जाते थे।

शाम होते-होते वे एक ढकी हुई नाव किराए पर लेते और किसी द्वीप पर जाकर रात का खाना खाते।

यह वह समय था जब बंदरगाह से जहाजों के बाहरी आवरण पर काम करने वालों के हथौड़ों की गूंज सुनाई देती थी। पेड़ों के बीच से तारकोल का धुआं उठता था, और नदी पर सूरज की लालिमा में तेल के चौड़े-चौड़े धब्बे असमान रूप से लहराते दिखाई देते थे, मानो फ्लोरेंस के कांस्य की तैरती हुई चादरें हों।

वे लंगर डाले हुए नावों के बीच नीचे उतरते, जिनके लंबे तिरछे तार धीरे से उनकी अपनी नावों के ऊपरी हिस्से को छूते।

शहर का शोर धीरे-धीरे कम होता चला गया: गाड़ियों की गड़गड़ाहट, लोगों की भीड़, जहाजों के डेक पर कुत्तों का भौंकना। उसने अपनी टोपी खोली और वे अपने द्वीप पर पहुँच गए।

वे एक सराय के कम छत वाले कमरे में बैठते, जिसके दरवाजे पर काले जाल लटके होते। वे तली हुई मछली, मलाई और चेरी खाते। वे घास पर लेटते; वे चिनार के पेड़ों के नीचे जाकर चुंबन करते; और वे कामना करते कि दो रॉबिन्सन क्रूसो की तरह, वे उस छोटी सी जगह में हमेशा के लिए रह सकें, जो उन्हें अपने आनंद में पृथ्वी पर सबसे शानदार लगती थी। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने पेड़, नीला आकाश या लॉन देखा था, या पानी की कलकल और पत्तों से होकर बहने वाली हवा सुनी थी; लेकिन उन्होंने पहले कभी इन सब की इतनी प्रशंसा नहीं की थी, ऐसा लग रहा था मानो प्रकृति का अस्तित्व ही न हो, या मानो उनकी इच्छाओं के तृप्त होने के बाद ही वह सुंदर होने लगी हो।

रात होते ही वे फिर निकल पड़ते। नाव द्वीपों के तट के किनारे-किनारे चलती। वे दोनों अंधेरे में छिपे, चुपचाप नाव के अंदर ही रहते। लोहे के चप्पूओं के बीच से चप्पू चरमराते; और यह आवाज़ किसी मेट्रोनोम की ताल की तरह सन्नाटे को दर्शाती, जबकि नाव के पिछले हिस्से में उनके पीछे लटकती हुई रस्सी पानी में लगातार हल्की-हल्की आवाज़ करती रहती।

एक बार चाँद दिखाई दिया; फिर स्वाभाविक रूप से लोग उसके बारे में अलंकारिक शब्दों में बात करने लगे, उस तारे को उदास और कविता से परिपूर्ण मानते हुए; यहाँ तक कि वह गाने भी लगी:

“एक शाम—क्या तुम्हें याद है?—हम नाव से यात्रा कर रहे थे…” इत्यादि।

उसकी कमजोर, सुरीली आवाज पानी पर थम गई; और हवा उन मधुर स्वरों को उड़ा ले गई जिन्हें लियोन अपने चारों ओर पंखों की फड़फड़ाहट की तरह गुजरते हुए सुन रहा था।

वह उसके सामने बैठी थी, दीवार से टेक लगाकर, जहाँ से चाँद की रोशनी एक खुले पर्दे से अंदर आ रही थी। उसकी काली पोशाक, जिसकी तहें पंखे की तरह फैली हुई थीं, उसे और भी पतला और लंबा दिखा रही थीं। उसका सिर ऊपर उठा हुआ था, हाथ जुड़े हुए थे और आँखें आसमान की ओर देख रही थीं। कभी-कभी विलो के पेड़ों की छाया उसे पूरी तरह छिपा लेती थी; फिर वह अचानक, किसी सपने की तरह, चाँद की रोशनी में फिर से प्रकट हो जाती थी।

उसके बगल में नाव के निचले हिस्से में, लियोन को अपने हाथ के नीचे आग जैसे लाल रंग का रेशमी रिबन मिला।

नाविक ने उसकी जांच की और अंत में कहा:

“आह! शायद ये उस पार्टी की है जो मैंने कुछ दिन पहले आयोजित की थी। वहाँ सब लोग मज़ाकिया थे, सज्जन और महिलाएं, सब अपने केक, शैंपेन, तुरही वगैरह लेकर आए थे! उनमें से एक खास था, लंबा-चौड़ा, सुंदर दिखने वाला, छोटी सी मूंछों वाला, बहुत ही मज़ेदार! और सब लोग उससे बार-बार पूछ रहे थे: ‘चलो, हमें एक कहानी सुनाओ… एडोल्फ़’—या डोडोल्फ़, मुझे लगता है उसका नाम यही था।”

वह काँप उठी।

"क्या आपको असहजता हो रही है?" लियोन ने उसके करीब आते हुए पूछा।

"अरे, कुछ नहीं! बस रात की ठंडी हवा है, शायद।"

"और उसे महिलाओं की कमी भी नहीं होती," बूढ़े नाविक ने धीरे से कहा, यह मानते हुए कि वह अजनबी से कुछ विनम्रतापूर्ण बात कह रहा है।

फिर, अपने हाथों में थूककर, उसने दोबारा चप्पू उठा लिए।

लेकिन उन्हें अलग होना ही था! उनकी विदाई दुख भरी थी। उसे अपने पत्र मेरी रोलेट को भेजने थे; और उसने दोहरे लिफाफे के बारे में इतने सटीक निर्देश दिए कि वह प्रेम में उसकी चतुराई की बहुत प्रशंसा करने लगा।

"तो तुम मुझसे वादा करो कि सब कुछ ठीक है?" उसने आखिरी बार चुंबन करते हुए कहा।

“हाँ, बिल्कुल!”—लेकिन बाद में, अकेले गलियों से लौटते हुए, उसने सोचा, आखिर वह इस पावर ऑफ अटॉर्नी को लेकर इतनी अड़ी क्यों है?

[4]

लियोन जल्द ही अपने साथी क्लर्कों के सामने अकड़ दिखाने लगा, उनकी संगति से बचने लगा और काम की जिम्मेदारियों को पूरी तरह से नजरअंदाज करने लगा।

वह उसके पत्रों का इंतज़ार करता; उन्हें बार-बार पढ़ता। वह उसे पत्र लिखता। वह अपनी सारी इच्छाओं और यादों के बल पर उसकी छवि अपने मन में बसा लेता। उसकी अनुपस्थिति में यह तड़प कम होने के बजाय और बढ़ गई, इतनी कि एक शनिवार की सुबह वह दफ्तर से भाग गया।

जब उसने पहाड़ी की चोटी से नीचे घाटी में स्थित गिरजाघर के शिखर को हवा में लहराते हुए टिन के झंडे के साथ देखा, तो उसे वही आनंद महसूस हुआ, जो विजयी घमंड और अहंकारी स्नेह से मिलकर बना था, जैसा कि एक करोड़पति को अपने पैतृक गांव लौटने पर अनुभव होता है।

वह उसके घर के चारों ओर चक्कर लगाने लगा। रसोई में रोशनी जल रही थी। उसने पर्दों के पीछे उसकी परछाईं देखने की कोशिश की। कुछ भी दिखाई नहीं दिया।

जब मेरे लेफ्रांकोइस ने उसे देखा, तो वह जोर से चिल्लाई और उसे "लंबा और पतला" पाया, जबकि आर्टेमिस ने इसके विपरीत उसे "मोटा और सांवला" पाया।

वह पुराने दिनों की तरह ही छोटे से बैठक कक्ष में भोजन करता था, लेकिन अकेले, कर संग्रहकर्ता के बिना; क्योंकि बिनेट, हिरोंडेले का इंतजार करते-करते थक गया था, इसलिए उसने अपने भोजन का समय एक घंटा आगे बढ़ा दिया था, और अब वह ठीक पाँच बजे भोजन करता था, हालाँकि वह अक्सर यह दावा करता था कि पुरानी घड़ी धीमी चल रही है।

लेकिन लियोन ने हिम्मत जुटाई; वह गया और डॉक्टर के घर का दरवाजा खटखटाया। मैडम अपने कमरे में थीं, जहाँ से वह पंद्रह मिनट बाद तक नहीं उतरीं। महाशय उसे दोबारा देखकर प्रसन्न प्रतीत हुए; लेकिन वह उस पूरी शाम और अगले पूरे दिन घर से बाहर नहीं निकले।

उस रात, बहुत देर रात, उसने उसे अकेले ही बगीचे के पीछे, गली में देखा; — उसी गली में, जहाँ उसने दूसरे को देखा था! तूफान आ रहा था, और वे बिजली की तेज रोशनी में छाते के नीचे बातें कर रहे थे।

अलग रहना असहनीय होता जा रहा था।

“मैं मरना ज़्यादा पसंद करूँगी!” एम्मा कह रही थी।

वह उसकी बाहों में बेचैनी से छटपटा रही थी और रो रही थी।

अलविदा! … अलविदा! … मैं तुमसे दोबारा कब मिलूंगा?

वे एक-दूसरे को फिर से चूमने के लिए मुड़े, और तभी उसने उससे वादा किया कि वह जल्द ही किसी भी तरह से उनके लिए एक ऐसा अवसर ढूंढेगी जिससे वे खुलकर और नियमित रूप से, कम से कम सप्ताह में एक बार मिल सकें। एम्मा को इस बात का पूरा यकीन था। और तो और, वह आशा से भरी हुई थी। उसे कुछ पैसे मिलने वाले थे।

और इसलिए उसने अपने बेडरूम के लिए चौड़ी धारियों वाले पीले पर्दे खरीदे, जिनकी कम कीमत की सिफारिश महाशय ल्यूरेक्स ने की थी; वह एक कालीन का सपना देख रही थी, और ल्यूरेक्स ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा कि "इसे पाने के लिए उसे पूरा समुद्र नहीं निगलना पड़ेगा," और विनम्रतापूर्वक उसे एक कालीन उपलब्ध कराने का वादा किया। अब वह उसकी सेवाओं के बिना नहीं रह सकती थी। दिन भर में बीस बार वह उसे बुलाती, और वह बिना किसी विरोध के तुरंत अपना काम छोड़कर उसके पास पहुँच जाता। और यह भी किसी को समझ नहीं आ रहा था कि मेरी रोलेट हर दिन उसके घर दोपहर का भोजन करने क्यों आती थी और उससे अकेले में क्यों मिलती थी।

लगभग इसी समय, यानी सर्दियों की शुरुआत में, ऐसा लगा कि वह संगीत के प्रति एक महान जुनून से भर गई थी।

एक शाम जब चार्ल्स सुन रहा था, उसने एक ही धुन को लगातार चार बार बजाना शुरू किया, हर बार वह चिढ़ जाती थी, जबकि चार्ल्स को कोई फर्क महसूस नहीं होता था और वह चिल्ला उठता था:

“वाह! … बहुत बढ़िया! … आप गलत हैं! आगे बढ़िए!”

“नहीं! यह तो भयानक है! मेरी उंगलियां बिल्कुल घिस गई हैं।”

अगले दिन, उसने उससे फिर से उसके लिए कुछ बजाने की विनती की।

"ठीक है, बस आपको खुश करने के लिए!"

और चार्ल्स ने स्वीकार किया कि वह थोड़ी लड़खड़ा गई थी। उसने डंडों को आपस में मिला दिया, लड़खड़ा गई; फिर अचानक रुक गई:

“अरे, इसका कोई फायदा नहीं! मुझे सबक लेना चाहिए; लेकिन…”

उसने अपने होंठ दबाए और आगे कहा:

“बीस फ्रैंक प्रति घंटा बहुत महंगा है!”

“हाँ, थोड़ा तो है…,” चार्ल्स ने मूर्खतापूर्ण और संशयपूर्ण हंसी हंसते हुए कहा। “लेकिन मुझे लगता है कि शायद आपको कम पैसे में भी कोई मिल जाए; क्योंकि ऐसे संगीतकार भी होंगे जिनकी कोई ख्याति नहीं है, लेकिन वे प्रसिद्ध संगीतकारों से बेहतर हैं।”

"ठीक है, जाओ उन्हें ढूंढो," एम्मा ने कहा।

अगले दिन जब वह घर आया, तो उसने उसे तिरछी नज़रों से देखा और अंत में टिप्पणी करने से खुद को रोक नहीं पाया:

“आप कभी-कभी कितने जिद्दी होते हैं! मैं आज बारफ्यूचेरेस में था। मैडम लीगार्ड ने मुझे बताया कि उनकी तीनों बेटियाँ, जो मिसरिकॉर्ड में पढ़ती हैं, पचास सू प्रति सत्र के शुल्क पर एक अद्भुत शिक्षक से शिक्षा ले रही हैं!”

उसने कंधे उचकाए और अपना यंत्र दोबारा नहीं खोला।

लेकिन जब भी वह वहां से गुजरती (अगर बोवरी वहां होता), तो वह आह भरती:

"अरे, मेरा बेचारा पियानो!"

और अगर कोई उससे मिलने आता, तो वह हमेशा कहती कि उसने संगीत छोड़ दिया है और अब कुछ मजबूरियों के चलते वह वापस संगीत में नहीं लौट सकती। तब लोग उस पर तरस खाते। कितना बुरा हुआ! उसमें कितनी अद्भुत प्रतिभा थी! लोग बोवरी से भी इस बारे में बात करते थे। वे उसे शर्मिंदा कर देते थे, खासकर फार्मासिस्ट।

“आप गलती कर रहे हैं! किसी को भी अपनी प्राकृतिक प्रतिभाओं को निष्क्रिय नहीं छोड़ना चाहिए। इसके अलावा, मेरे प्रिय मित्र, यह भी ध्यान रखें कि मैडम को संगीत सीखने के लिए प्रोत्साहित करके आप बाद में अपने बच्चे के संगीत प्रशिक्षण पर होने वाले खर्च को कम कर रहे हैं! मेरा मानना है कि माताओं को अपने बच्चों को स्वयं संगीत सिखाना चाहिए। यह रूसो का विचार है; यह शायद अभी थोड़ा नया है, लेकिन मुझे यकीन है कि यह भी माताओं द्वारा स्तनपान कराने और टीकाकरण की तरह ही प्रचलित हो जाएगा।”

और इस तरह चार्ल्स एक बार फिर पियानो के सवाल पर लौट आया। एम्मा ने चिढ़कर जवाब दिया कि इसे बेच देना ही बेहतर होगा। वह बेचारा पियानो, जिसने उसे अक्सर गर्व और संतुष्टि दी थी—उसे जाते देखना, बोवरी के लिए, मानो खुद के एक हिस्से को मार डालने जैसा होगा!

“अगर आप चाहें तो… एक सबक,” वह समय-समय पर कहते थे, “आखिरकार, इससे हमारा कुछ बिगड़ेगा नहीं।”

“लेकिन जब तक पाठों को नियमित रूप से जारी नहीं रखा जाता, तब तक उनसे कोई लाभ नहीं होता,” वह जवाब देतीं।

और इसी तरह उसे अपने पति से सप्ताह में एक बार अपने प्रेमी से मिलने शहर जाने की अनुमति मिल गई। एक महीने बाद तो यह भी माना जाने लगा कि उसने काफी प्रगति कर ली है।

[5]

गुरुवार का दिन था। वह चुपचाप उठकर कपड़े पहनती ताकि चार्ल्स की नींद न टूटे, क्योंकि वह इस बात पर टिप्पणी कर सकता था कि वह इतनी जल्दी तैयार हो रही है। फिर वह इधर-उधर टहलती; खिड़कियों के सामने खड़ी होती, चौक की ओर देखती। दिन की पहली किरण बाज़ार के खंभों के बीच से छनकर आती, और फार्मासिस्ट के घर पर, जिसके शटर बंद थे, भोर की हल्की रोशनी में उसके बोर्ड के बड़े अक्षर दिखाई देते।

जब घड़ी में सवा सात बजते, तो वह लायन डी'ओर चली जाती, जिसका दरवाज़ा आर्टेमिस जम्हाई लेते हुए उसके लिए खोलती। नौकरानी मैडम के लिए राख के नीचे दबे कोयले निकालती। एम्मा रसोई में अकेली रह जाती। बीच-बीच में वह बाहर जाती। हिवर्ट आराम से घोड़ों को जोत रहा होता, और साथ ही मेरी लेफ्रैंकोइस की बातें सुन रहा होता, जो अपनी टोपी पहने सिर को ऊपर की छोटी खिड़की से बाहर निकालकर उसे काम सौंप रही होती और ऐसी बातें समझा रही होतीं जो किसी और तरह के आदमी को हैरान कर देतीं। एम्मा अपने छोटे जूतों के तलवों को आंगन के पत्थरों पर थपथपाती।

अंत में, जब वह अपना सूप पी लेता, अपना भारी लबादा पहन लेता, अपनी पाइप जला लेता और अपना चाबुक उठा लेता, तब वह शांति से अपनी सीट पर बैठ जाता।

हिरोंडेल धीमी गति से चलती और लगभग तीन-चौथाई मील तक जगह-जगह रुकती, ताकि सड़क के किनारे, अपने खेतों के फाटकों के सामने खड़े होकर उसका इंतज़ार कर रहे यात्रियों को बिठा सके। जिन लोगों ने एक दिन पहले सूचना दी थी, वे उसका इंतज़ार करते; कुछ तो अपने घरों में बिस्तर पर ही सो रहे होते; हिवर्ट पुकारता, चिल्लाता, गालियाँ देता, फिर अपनी सीट से उतरकर दरवाज़ा ज़ोर-ज़ोर से खटखटाता। गाड़ी की टूटी खिड़कियों से हवा अंदर आती।

लेकिन बाहर की चारों सीटें भर जातीं, गाड़ी आगे बढ़ती, सेब के पेड़ों की कतारें एक के बाद एक गुजरती जातीं; और पीले पानी से भरी दो लंबी खाइयों के बीच की सड़क क्षितिज की ओर संकरी होती जाती।

एम्मा को यह रास्ता शुरू से अंत तक अच्छी तरह से पता था; उसे पता था कि चरागाह के बाद एक साइनपोस्ट आएगा, फिर एक एल्म का पेड़, एक खलिहान या सड़क की मरम्मत करने वाले की झोपड़ी; कभी-कभी तो वह खुद को आश्चर्यचकित करने के लिए अपनी आँखें बंद कर लेती थी। लेकिन उसे हमेशा यह स्पष्ट रूप से पता रहता था कि अभी कितनी दूरी तय करनी बाकी है।

अंततः, ईंटों से बने मकान एक-दूसरे के करीब आते जाएंगे, पहियों के नीचे ज़मीन कांप उठेगी, और हिरोंडेल उन बगीचों के बीच से गुज़रेगी जहाँ बाड़ के पार से मूर्तियाँ, एक छोटी पहाड़ी जिस पर बेलों का घेरा है, छंटे हुए यू के पेड़ और बच्चों का झूला दिखाई देगा। फिर, एक ही नज़र में शहर सामने आ जाएगा।

एक विशाल मैदान में उतरते हुए, कोहरे में डूबा हुआ, यह पुलों के पार बेतरतीब ढंग से फैल गया। फिर खुला मैदान एकरसता से ऊपर उठता हुआ दिखाई दिया, जब तक कि दूरी में यह धुंधले आकाश के अनिश्चित निचले किनारे को छू नहीं गया। ऊपर से देखने पर, पूरा परिदृश्य किसी चित्र की तरह शांत था; लंगर डाले जहाज एक कोने में इकट्ठे थे; नदी हरी पहाड़ियों की तलहटी के चारों ओर मुड़ी हुई थी; और आयताकार आकार के द्वीप पानी पर रुकी हुई बड़ी काली मछलियों की तरह लग रहे थे। कारखानों की चिमनियों से विशाल भूरे धुएं के गुबार निकल रहे थे जो ऊपर से उड़ रहे थे। कोहरे में से उठती चर्चों की स्पष्ट घंटियों की आवाज़ के साथ-साथ फाउंड्री की गड़गड़ाहट भी सुनाई दे रही थी। बुलेवार्ड के किनारे पत्तों से रहित पेड़ घरों के बीच बैंगनी रंग के घने झुंडों की तरह लग रहे थे, और बारिश से चमकती छतें, पड़ोस की ऊँचाई के अनुसार असमान रूप से जगमगा रही थीं। कभी-कभी हवा का एक झोंका बादलों को सेंट-कैथरीन पहाड़ी की ओर उड़ा ले जाता था, मानो हवाई लहरें किसी चट्टान से चुपचाप टकराकर टूट रही हों।

उसके लिए, उन घनी आबादी वाले जीवन से कुछ ऐसा मोहक सा निकलता था, जिससे उसका हृदय उमड़ पड़ता था, मानो नीचे धड़कती हुई एक लाख बीस हज़ार आत्माओं ने एक ही क्षण में, उन सभी भावनाओं की भाप उस तक पहुँचा दी हो, जिन्हें वह मानती थी कि वे अपने भीतर समेटे हुए हैं। इस विशालता की उपस्थिति में उसका प्रेम और भी बढ़ जाता था और नीचे से उठती हुई अस्पष्ट गूंज से वह उमंग से भर जाता था। वह इस प्रेम को चौकों, सैरगाहों, सड़कों पर उंडेल देती थी, और उसकी आँखों में, पुराना नॉर्मन शहर उसके सामने किसी विशाल राजधानी, किसी बाबुल की तरह फैला हुआ प्रतीत होता था, जिसमें वह प्रवेश कर रही हो। वह गाड़ी की खिड़की से दोनों हाथों के बल बाहर झुककर हवा में सांस लेती थी; तीनों घोड़े सरपट दौड़ते रहते, पत्थर कीचड़ में घिसते, गाड़ी डगमगाती, और हिवर्ट सड़क पर आगे चल रही गाड़ियों को आवाज़ लगाता, जबकि बोइस-गिलौम में सोए हुए नगरवासी अपनी छोटी पारिवारिक गाड़ियों में शांतिपूर्वक पहाड़ी से नीचे उतरते।

वे शहर के द्वार पर रुकते; एम्मा अपनी लकड़ी की चप्पलें खोलती, दूसरे दस्ताने पहनती, अपनी शॉल ठीक करती; और बीस कदम आगे जाकर वह हिरोंडेले को छोड़ देती।

उस समय शहर जाग रहा था। झालरदार टोपियाँ पहने क्लर्क दुकानों की खिड़कियाँ चमका रहे थे, और कमर पर टोकरियाँ लिए महिलाएँ समय-समय पर सड़क के कोनों पर ज़ोर से आवाज़ें निकाल रही थीं। वह ज़मीन पर नज़रें गड़ाए, दीवारों के करीब चलते हुए, अपने झुके हुए काले घूंघट के नीचे खुशी से मुस्कुरा रही थी।

देखे जाने के डर से वह अक्सर छोटा रास्ता नहीं अपनाती थी। वह अंधेरी गलियों में घुस जाती और पसीने से तरबतर होकर रू नेशनेल के निचले हिस्से में, वहाँ बने फव्वारे के पास पहुँचती। यह थिएटर का इलाका है, जो बार और वेश्याओं से भरा हुआ है। अक्सर उसके पास से एक ठेला गुजरता, जिस पर हिलता-डुलता स्टेज सेट

रखा होता। एप्रन पहने वेटर हरी झाड़ियों के बीच पक्के पत्थरों पर रेत बिखेर रहे होते। वहाँ एब्सिन्थे, सिगार और सीपियों की महक फैली होती।

वह एक गली में मुड़ जाती; वह उसे उसकी टोपी के नीचे से झांकते हुए घुंघराले बालों से पहचान लेती।

लियोन फुटपाथ पर आगे बढ़ता रहेगा। वह उसके पीछे-पीछे होटल तक जाएगी; वह ऊपर जाएगा, दरवाजा खोलेगा, अंदर जाएगा... वे एक-दूसरे को कैसे कसकर गले लगाएंगे!

फिर, चुंबनों के बाद, उनके मन में शब्दों का सैलाब उमड़ पड़ता। वे एक-दूसरे को बीते सप्ताह की कठिनाइयों, अपनी आशंकाओं, पत्रों को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में बताते; लेकिन अब सब कुछ भुला दिया जाता, और वे एक-दूसरे की आँखों में देखते, कामुक आनंद से हँसते और एक-दूसरे को प्यार भरे नामों से पुकारते।

बिस्तर महोगनी लकड़ी का बना एक बड़ा सा गोंडोला के आकार का बिस्तर था। छत से लटकते लाल लेवेंटाइन रेशम के पर्दे, चौड़े हेडबोर्ड के पास कुछ ज़्यादा ही नीचे लटके हुए थे; और दुनिया में कुछ भी इतना सुंदर नहीं था जितना कि उसके भूरे बाल और गोरी त्वचा उस गहरे लाल रंग के बीच उभर कर आती थी, जब वह विनम्रता के भाव से अपनी दोनों नंगी बाहों को एक साथ लाकर अपना चेहरा हाथों में छिपा लेती थी।

शांत कालीन, चंचल सजावटी सामान और निर्मल प्रकाश से सुसज्जित वह गर्म कमरा प्रेम के अंतरंग क्षणों के लिए बिल्कुल उपयुक्त प्रतीत होता था। छत की तीरनुमा छड़ें, पीतल के पर्दे के हुक और अलाव पर लगे बड़े-बड़े घुंडी सूरज की रोशनी आते ही चमक उठते थे। मोमबत्ती स्टैंड के बीच मेंटलपीस पर दो बड़े गुलाबी रंग के शंख रखे थे, जिन्हें कान से लगाने पर समुद्र की आवाज़ सुनाई देती थी।

उन्हें वह प्यारा कमरा कितना प्रिय था, जो अपनी कुछ फीकी चमक के बावजूद उमंग से भरा रहता था! उन्हें हमेशा फर्नीचर अपनी जगह पर मिलता था, और कभी-कभी घड़ी के नीचे कुछ हेयरपिन भी मिल जाते थे जो वह पिछले गुरुवार को भूल गई थीं। वे आग के पास, गुलाब की लकड़ी से जड़ी एक छोटी सी मेज पर दोपहर का भोजन करते थे। एम्मा नक्काशी करती, और टुकड़ों को उसकी थाली में रखते हुए तरह-तरह की प्यार भरी बातें करती; और जब शैम्पेन का झाग नाजुक गिलास के किनारे से छलक कर उसकी उंगलियों की अंगूठियों पर गिरता, तो वह एक गहरी, मदहोश कर देने वाली हंसी हंसती। वे एक-दूसरे के प्यार में इतने खोए रहते थे कि उन्हें लगता था कि वे अपने निजी घर में हैं और हमेशा जवान पति-पत्नी बनकर वहीं रहने के लिए बने हैं। वे "हमारा कमरा," "हमारा कालीन," "हमारी कुर्सियाँ" कहते थे, वह तो लियोन द्वारा उपहार में दी गई "मेरी चप्पलों" के बारे में भी बात करती थी, जो उसकी एक सनक थी। वे गुलाबी साटन की चप्पलें थीं, जिन पर हंस के पंखों की किनारी लगी थी। जब वह उसकी गोद में बैठती थी, तो उसका पैर, जो अब फर्श तक पहुंचने के लिए

बहुत छोटा हो गया था, हवा में झूलता रहता था; और वह सुंदर चप्पल, जिसका पिछला हिस्सा नहीं था, उसके नंगे पैर की उंगलियों से लटकती रहती थी।

वह पहली बार नारी के अलंकरण की अवर्णनीय कोमलता का आनंद ले रहा था। उसने पहले कभी भाषा में ऐसी शालीनता, वस्त्रों में ऐसा संयम, और कबूतर जैसी ऐसी शांत मुद्राएँ नहीं देखी थीं। वह उसकी आत्मा की उदात्तता और पेटीकोट पर लगी लेस की प्रशंसा कर रहा था। और तो और, क्या वह दुनियादारी जानने वाली और विवाहित महिला नहीं थी! — दूसरे शब्दों में, एक सच्ची प्रेमिका?

क्योंकि उसके मिजाज इतने बदलते रहते थे, कभी रहस्यमयी तो कभी आनंदमय, कभी बातूनी, कभी शांत, कभी जोशीली, कभी बेपरवाह, कि वह उसके मन में हजारों इच्छाएं जगा देती थी, उसकी सहज भावनाओं या यादों को झकझोर देती थी। वह हर उपन्यास की प्रेमिका, हर नाटक की नायिका, हर कविता संग्रह की अस्पष्ट छवि थी। उसने उसके कंधों पर स्नान करती हुई युवती के गर्म सुनहरे रंग को फिर से पाया; उसकी कमर सामंती महल की महिलाओं जैसी लंबी थी; वह बार्सिलोना की पीली सुंदरता से भी मिलती-जुलती थी, लेकिन सबसे बढ़कर वह एक परी थी!

अक्सर, जब वह उसे देखता था, तो उसे ऐसा लगता था कि उसकी आत्मा उसकी ओर दौड़ती हुई, उसके सिर की आकृति पर एक लहर की तरह फैल जाती है और फिर उसकी छाती की सफेदी में समा जाती है।

वह उसके सामने घुटने टेक देता था; और अपनी कोहनियों को उसके घुटनों पर रखकर, मुस्कुराते हुए उसे देखता रहता था, अपना माथा उसकी ओर उठाए हुए।

वह उसकी ओर झुककर बुदबुदाती, मानो नशे में बेहाल हो रही हो:

“ओह, हिलना मत! कुछ मत कहना! मेरी तरफ देखो! तुम्हारी आँखों में कुछ ऐसा प्यारा सा है; उसे देखकर मुझे बहुत अच्छा लगता है!”

वह उसे "बच्चा" कहकर पुकारती थी:

"बच्चे, क्या तुम मुझसे प्यार करते हो?"

और वह उसका जवाब मुश्किल से ही सुन पाई, क्योंकि उसके होंठ इतनी तेजी से उसके मुंह की ओर बढ़ गए।

घड़ी पर एक छोटी सी कांसे की बनी कामदेव की मूर्ति थी, जो अपनी बाहों में सोने की माला थामे हुए थी। वे अक्सर उस पर हंसते थे; लेकिन जब विदाई का क्षण आता, तो सब कुछ उनके लिए गंभीर हो जाता था।

वे बिना हिले-डुले, आमने-सामने खड़े होकर बार-बार यही कहते थे:

“गुरुवार तक! ...गुरुवार तक!”

फिर वह अचानक उसका सिर अपने हाथों में ले लेती, उसके माथे पर जल्दी से एक चुंबन देती, रोते हुए कहती, "अलविदा!" और सीढ़ियों की ओर दौड़ जाती।

वह रुए डे ला कॉमेडी में एक हेयरड्रेसर की दुकान पर जाती थी, ताकि अपने बालों की लटों को संवार सके। रात होने लगती थी; वे दुकान में गैस जलाते थे।

वह रंगमंच की छोटी घंटी की आवाज़ सुनती थी जो कलाकारों को प्रदर्शन के लिए बुलाती थी; और सड़क के उस पार वह फीके कपड़े पहने हुए गोरे चेहरे वाले पुरुषों और महिलाओं को मंच के दरवाजे से गुजरते और प्रवेश करते हुए देखती थी।

उस छोटे से कमरे में, जिसकी छत बहुत नीची थी, काफी गर्मी थी, जहाँ विग और पोमेड के बीच चूल्हा गुनगुना रहा था। कर्लिंग आयरन की महक और उसके बालों पर काम कर रहे उन मोटे हाथों की आवाज़ से उसे जल्द ही नींद आने लगती थी और वह अपनी कमीज़ में ही थोड़ी देर के लिए सो जाती थी। अक्सर सहायक, उसके बाल संवारते हुए, उसे मास्क वाले डांस पार्टी के टिकट दे देता था।

फिर वो निकल पड़ती! वो गलियों से होते हुए वापस आती; क्रोक्स रूज पहुँचती; वो अपनी चप्पलें निकालती, जिन्हें उसने सुबह एक सीट के नीचे छिपा रखा था, और अधीर यात्रियों के बीच अपनी जगह बना लेती। उनमें से कुछ लोग पहाड़ी की तलहटी में उतर जाते। वो गाड़ी में अकेली रह जाती।

हर मोड़ पर, शहर की रोशनी और भी ज़्यादा दिखाई देने लगती, मानो घरों के समूह पर एक चमकदार धुंध की चौड़ी परत बना रही हो। एम्मा गद्दियों पर घुटने टेककर बैठ जाती और उस रोशनी को निहारती। वह सिसकियाँ भरती, लियोन को पुकारती और उसे कोमल संदेश और चुंबन भेजती जो हवा में खो जाते।

पहाड़ी पर, एक बेचारा अपनी छड़ी लिए, सभी गाड़ियों के बीच भटक रहा था। उसके कंधों पर चिथड़ों की कई परतें थीं, और एक पुरानी, खुरदरी टोपी, जो कटोरे के आकार में नीचे खींची हुई थी, उसके चेहरे को छुपा रही थी; लेकिन जब उसने उसे उतारा, तो पलकों की जगह दो फटी हुई, खून से लथपथ आँखें दिखाई दीं। उसका मांस लाल टुकड़ों में छिल रहा था; और उससे रिसता हुआ तरल पदार्थ उसकी नाक तक हरे रंग की पपड़ी बनकर सूख रहा था, जहाँ उसके काले नथुने फड़कते हुए सूंघ रहे थे। जब वह आपसे बात करता, तो वह मूर्खतापूर्ण हंसी के साथ अपना सिर बहुत पीछे झुका लेता; फिर उसकी नीली आँखें, लगातार घूमती हुई, उसकी कनपटी के पास, खुले घावों के किनारों पर बार-बार आती रहतीं।

वह गाड़ियों के पीछे-पीछे चलते हुए एक छोटा सा गीत गाता था:

अक्सर गर्मी के दिनों की उमस में

एक युवती के प्रेम के विचार भटक सकते हैं।

और बाकी सब पक्षियों, धूप और पत्तियों के बारे में था।

कभी-कभी वह अचानक एम्मा के पीछे बिना टोपी के प्रकट हो जाता था। एम्मा चीखते हुए पीछे हट जाती थी। हिवर्ट को उसे चिढ़ाने में मज़ा आता था। वह उसे सेंट-रोमेन मेले में एक स्टॉल लगाने के लिए उकसाता था या हंसते हुए पूछता था कि उसकी प्रेमिका कैसी है।

अक्सर, वे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे होते, तभी अचानक उसकी टोपी छोटी खिड़की से कोच के अंदर आ जाती, जबकि वह दूसरे हाथ से उसे पकड़े हुए, छिटकते पहियों के बीच फुटबोर्ड पर खड़ा रहता। उसकी आवाज़, पहले तो कमज़ोर और विलाप भरी, फिर तीखी हो जाती। वह अँधेरे में गूंजती रहती, मानो किसी अस्पष्ट पीड़ा का विलाप हो; और लगाम की घंटियों की झंकार, पेड़ों की सरसराहट और कोच के खोखले ढांचे की गड़गड़ाहट के बीच सुनाई देती, उसमें कुछ ऐसा दूर कापन होता जो एम्मा को व्याकुल कर देता। वह उसकी आत्मा की गहराई में बवंडर की तरह उतर जाती और उसे असीम उदासी के सागर में ले जाती। लेकिन हिवर्ट, इस संतुलन को भांपते हुए, उस अंधे आदमी पर अपने चाबुक के लंबे वार करता। चाबुक की नोक उसके घावों पर चुभती, और वह कराहते हुए कीचड़ में गिर जाता।

फिर हिरोंडेले के यात्री आखिरकार सो जाते, कुछ मुंह खोले, कुछ ठुड्डी झुकाए, किसी पड़ोसी के कंधे पर सिर टिकाए, या किसी का हाथ गाड़ी के पट्टे में फंसाकर, गाड़ी की गति के साथ तालबद्ध ढंग से झूलते हुए; और बाहर झूलते दीपक की टिमटिमाती रोशनी घोड़ों के पिछले हिस्से पर पड़ती, चॉकलेट रंग के कैलिको के पर्दों से छनकर अंदर आती, और उन सभी बेजान लोगों पर खून जैसी लाल परछाइयाँ डालती। एम्मा, उदासी में डूबी हुई, अपने कपड़ों में कांपती; और उसके पैर ठंडे होते जाते, मानो उसकी आत्मा में मृत्यु समा गई हो।

चार्ल्स घर पर उसका इंतज़ार कर रहा होगा; हिरोंडेल ट्रेन गुरुवार को हमेशा देर से आती थी। आखिरकार, मैडम आ गईं! उन्होंने बच्ची को बस चूमा। खाना तैयार नहीं था, पर कोई बात नहीं! - उन्होंने रसोइए से बहाने बनाए। अब ऐसा लग रहा था कि लड़की को कुछ भी करने की छूट मिल गई है।

अक्सर उसका पति, उसकी पीली त्वचा देखकर, पूछता था कि क्या वह बीमार तो नहीं है।

“नहीं,” एम्मा कहती।

“लेकिन,” वह जवाब देता, “आज शाम तुम बहुत अजीब लग रही हो!”

"अरे, कुछ नहीं है, कुछ नहीं है!"

कई बार तो ऐसा भी होता था कि आते ही वो अपने कमरे में चली जातीं; और जस्टिन, जो संयोगवश वहीं होता था, चुपचाप कदमों से इधर-उधर घूमता, मानो किसी कुशल नौकरानी से भी ज्यादा उनकी सेवा करने में माहिर हो। वो माचिस, मोमबत्ती स्टैंड, किताब निकालता, उनका बेड जैकेट ठीक करता और चादरें समेटता।

“ठीक है,” वह कहतीं, “बस इतना ही काफी है, अब तुम जाओ!”

क्योंकि वह अभी भी वहीं खड़ा होगा, उसके हाथ बगल में लटके होंगे और उसकी आंखें चौड़ी खुली होंगी, मानो वह अचानक आई किसी कल्पना की असंख्य कड़ियों में उलझा हुआ हो।

अगला दिन भयानक था, और उसके बाद के दिन तो और भी असहनीय थे, क्योंकि एम्मा अपनी खुशी को फिर से पाने के लिए बेचैन थी—उसकी बेचैनी जानी-पहचानी यादों से भड़की एक तीव्र लालसा थी, जो सातवें दिन लियोन के स्पर्श से खुलकर फूट पड़ी। लियोन का अपना आनंद आश्चर्य और कृतज्ञता के भावों में छिपा हुआ था। एम्मा उस प्रेम का स्वाद संयमित और एकाग्रता से लेती, अपने स्नेह के सभी दिखावों से उसे थामे रखती, इस डर से कि कहीं वह एक दिन गायब न हो जाए।

अक्सर वह उदास स्वर में उससे धीरे से कहती थी:

“अरे, मुझे पता है एक दिन तुम मुझे छोड़ दोगी! … तुम्हारी शादी हो जाएगी! … तुम भी बाकी सब जैसी ही हो जाओगी।”

वह पूछता था:

“और कौन से?”

“ओह—पुरुषों की बात हो रही है ना,” वह जवाब देती।

फिर वह उसे धीरे से दूर धकेलते हुए कहती:

तुम सब नीच प्राणी हो!

एक दिन जब वे दुनिया से मोहभंग होने के बारे में दार्शनिक बातें कर रहे थे, तो उसने (उसकी ईर्ष्या को परखने के लिए, या शायद खुद को हल्का करने की अत्यधिक तीव्र आवश्यकता के आगे झुकते हुए) कह दिया कि अतीत में, उससे पहले, वह किसी और से प्यार करती थी - "जिस तरह से मैं तुमसे प्यार करती हूँ, उस तरह से नहीं!" उसने तुरंत कहा, अपनी बेटी की कसम खाते हुए कि ऐसा कुछ नहीं हुआ था।

युवक ने उसकी बात पर विश्वास किया, लेकिन फिर भी उससे यह जानने के लिए पूछताछ की कि उसने क्या किया था।

"वह एक जहाज का कप्तान था, मेरी प्यारी।"

क्या उसने ऐसा इसलिए नहीं कहा ताकि वह और अधिक जानने की कोशिश न करे, और साथ ही साथ खुद को एक बहुत ही ऊंचे स्थान पर स्थापित कर सके, यह दावा करके कि उसने एक ऐसे व्यक्ति पर ऐसा आकर्षण डाला है जो स्वभाव से आक्रामक और सम्मानजनक व्यवहार का आदी दोनों ही होना चाहिए?

तब क्लर्क को अपनी नीची स्थिति का एहसास हुआ; उसे सम्मान चिह्नों, पदकों और उपाधियों की लालसा हुई। उसे ये सब पसंद होना चाहिए था: उसे उसके खर्चीलेपन के कारण ऐसा संदेह हुआ।

हालांकि, एम्मा अपने कई अव्यवहारिक विचारों के बारे में चुप रहती थी, जैसे कि उसकी यह इच्छा कि एक नीले रंग के टिलबरी घोड़े को अंग्रेजी घोड़े से जोता जाए और एक ऊँचे बूट पहने हुए सेवक द्वारा उसे रूएन ले जाया जाए। जस्टिन ने ही उसे इस सनक के लिए प्रेरित किया था, जब उसने उससे विनती की थी कि वह उसे अपने घर में नौकर के रूप में रख ले; और यदि इस अभाव ने लियोन के साथ उसकी प्रत्येक मुलाकात में उसके आगमन के आनंद को कम नहीं किया, तो घर लौटने की कड़वाहट को निश्चित रूप से बढ़ा दिया।

अक्सर जब वे पेरिस के बारे में बात कर रहे होते थे, तो वह अंत में धीरे से बुदबुदाती थी:

“आह! वहां रहना हमारे लिए कितना अच्छा होगा!”

“क्या हम खुश नहीं हैं?” युवक ने धीरे से जवाब दिया, और अपना हाथ उसके बालों की लटों पर फेरा।

“हाँ, यह सच है,” वह कहती। “मैं मूर्खता कर रही हूँ; मुझे चूम लो!”

वह अपने पति के लिए पहले से कहीं अधिक आकर्षक थी; वह उनके लिए पिस्ता क्रीम बनाती और रात के खाने के बाद वाल्ट्ज़ बजाती। इसलिए उन्हें विश्वास था कि वे सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हैं, और एम्मा का जीवन चिंतामुक्त था, तभी एक शाम, अचानक:

"ये तो मैडमोजेल लेम्पेरर ही हैं, है ना, जो आपको सबक दे रही हैं?"

"हाँ।"

“मैंने अभी-अभी उसे देखा,” चार्ल्स ने आगे कहा, “मैडम लीगार्ड के यहाँ। मैंने तुम्हारे बारे में उससे बात की; वह तुम्हें नहीं जानती।”

यह मानो बिजली का झटका था। लेकिन उसने सहज भाव से जवाब दिया:

“ओह! शायद वह मेरा नाम भूल गई है।”

“लेकिन शायद रूएन में,” डॉक्टर ने कहा, “कई डेमोजेल्स लेम्पेरर हों जो पियानो सिखाती हों?”

"यह संभव है!"

फिर जल्दी से:

लेकिन मेरे पास उसके सबूत हैं! ये लो, देखो!

और वह सचिव के डेस्क पर गई, सभी दराजों में छानबीन की, सभी कागजात आपस में मिला दिए, और अंत में इतनी भ्रमित हो गई कि चार्ल्स ने उसे उन घटिया रसीदों के लिए इतनी परेशानी न उठाने के लिए दृढ़ता से आग्रह किया।

“ओह, मैं उन्हें ढूंढ लूंगी,” उसने कहा।

दरअसल, अगले ही शुक्रवार को, चार्ल्स जब अपने कपड़ों के रखे छोटे, बिना खिड़की वाले कमरे में अपने जूतों में से एक जूता पहन रहा था, तो उसने चमड़े और अपने मोजे के बीच कागज का एक टुकड़ा महसूस किया; उसने उसे निकाला और पढ़ा:

तीन महीने के पाठों के लिए, विभिन्न सामग्रियों के अतिरिक्त, पैंसठ फ़्रैंक की राशि प्राप्त हुई। फ़ेलिसी लेम्पेरूर, संगीत प्रशिक्षक।

"यह मेरी कार की डिक्की में कैसे आ गया?"

“शायद यह बिलों के उस पुराने बक्से से गिर गया होगा,” उसने जवाब दिया, “शेल्फ के किनारे पर पड़ा हुआ था।”

उस क्षण से, उसका जीवन झूठ का एक ऐसा जाल बन गया जिसमें वह अपने प्यार को, मानो घूंघट में लपेटकर, छिपाती थी।

झूठ बोलना एक जरूरत, एक जुनून, एक आनंद बन गया था, इस हद तक कि अगर वह कहती कि वह कल सड़क के दाहिनी ओर से गई थी, तो कोई भी निश्चित रूप से कह सकता था कि वह बाईं ओर से गई थी।

एक सुबह जब वह अपनी आदत के अनुसार हल्के-फुल्के कपड़े पहनकर निकली ही थीं कि अचानक हिमपात हो गया; चार्ल्स खिड़की से मौसम देख रहे थे, तभी उनकी नज़र श्री तुवाचे की गाड़ी में श्री बोर्निसिएन पर पड़ी, जो उन्हें रूएन ले जा रहे थे। इसलिए वह नीचे गए और पादरी को एक मोटा शॉल सौंप दिया ताकि वह क्रोक्स रूज पहुँचते ही उसे मैडम को दे दें। सराय पहुँचते ही बोर्निसिएन ने पूछा कि योनविल के डॉक्टर की पत्नी कहाँ हैं। होटल मालिक ने जवाब दिया कि वह अपने होटल में बहुत कम समय बिताती हैं। और इसलिए, उस शाम, जब उन्होंने हिरोंडेले में मैडम बोवरी को पहचाना, तो पादरी ने उन्हें अपनी परेशानी के बारे में बताया, हालाँकि उन्होंने इसे कोई महत्व नहीं दिया; क्योंकि उन्होंने उस समय गिरजाघर में चमत्कार कर रहे एक उपदेशक की प्रशंसा करना शुरू कर दिया, जिसे सुनने के लिए सभी महिलाएं उमड़ रही थीं।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उसने स्पष्टीकरण नहीं मांगा था, क्योंकि बाद में दूसरे लोग शायद इतने सतर्क न हों। इसलिए उसने हर बार क्रोक्स रूज में उतरना उचित समझा, ताकि उसके गांव के भले लोग जो उसे सीढ़ियों पर देखते थे, उन्हें कुछ शक न हो।

लेकिन एक दिन, जब वह लियोन का हाथ थामे होटल डी बोलोन से निकल रही थी, तभी उसकी मुलाकात मिस्टर ल्यूरेक्स से हो गई; और वह डर गई, उसे लगा कि वह उससे कुछ बात करेगा। लेकिन वह इतना मूर्ख नहीं था।

लेकिन तीन दिन बाद, वह उसके कमरे में दाखिल हुआ, दरवाजा बंद किया और बोला:

मुझे कुछ पैसों की जरूरत है।

उसने कहा कि वह उसे कुछ नहीं दे सकती। ल्यूरेक्स ने खूब शिकायत की और उसके द्वारा किए गए सभी एहसानों को याद किया।

दरअसल, चार्ल्स द्वारा हस्ताक्षरित दो नोटों में से एम्मा ने अब तक केवल एक का ही भुगतान किया था। दूसरे नोट के लिए दुकानदार ने उसकी विनती पर दो अन्य नोट देने की सहमति दे दी थी, जिन्हें काफी लंबे समय के लिए नवीनीकृत कर दिया गया था। फिर उसने अपनी जेब से उन वस्तुओं की सूची निकाली जिनका भुगतान नहीं किया गया था, जिनमें पर्दे, कालीन, आरामकुर्सी का कपड़ा, कई पोशाकें और विभिन्न सौंदर्य प्रसाधन सामग्री शामिल थीं, जिनका कुल मूल्य लगभग दो हजार फ्रैंक था।

उसने अपना सिर झुकाया; वह आगे बोला:

लेकिन अगर आपके पास नकदी नहीं है, तो आपके पास संपत्ति तो होगी ही।

और उन्होंने औमाले के पास बार्नविले में स्थित एक जर्जर, खस्ताहाल झोपड़ी का जिक्र किया, जिससे ज्यादा आमदनी नहीं होती थी। यह कभी बड़े श्री बोवरी द्वारा बेचे गए एक छोटे से खेत का हिस्सा हुआ करती थी - क्योंकि ल्यूरेक्स को इसके बारे में सब कुछ पता था, यहां तक कि हेक्टेयर में इसका क्षेत्रफल और पड़ोसियों के नाम भी।

वह कह रहा था, "तुम्हारी जगह मैं होता तो कर्ज चुका देता, और फिर भी मेरे पास जो भी पैसा बचता वह रहता।"

उसने खरीदार ढूंढने में आ रही कठिनाई का हवाला दिया; उसने खरीदार मिलने की उम्मीद जताई; लेकिन उसने पूछा कि उसे इसे बेचने के लिए क्या करना होगा।

“क्या आपके पास पावर ऑफ अटॉर्नी नहीं है?” उसने उत्तर दिया।

ये शब्द उसके लिए ताजी हवा के झोंके की तरह आए।

“मुझे वह नोट छोड़ दो,” एम्मा ने कहा।

"अरे, यह सब झंझट के लायक नहीं है!" ल्यूरेक्स ने कहा।

वह अगले सप्ताह वापस आया और शेखी बघारते हुए बोला कि कुछ प्रयासों के बाद, अंततः उसने एक लैंगलोइस नाम के व्यक्ति को खोज निकाला है, जो लंबे समय से उस संपत्ति पर कब्जा करना चाहता था लेकिन अपनी कीमत नहीं बता रहा था।

“कीमत मायने नहीं रखती!” वह चिल्लाई।

इसके विपरीत, इंतज़ार करना और उस व्यक्ति से बात करना ज़रूरी था। यह सौदा यात्रा की परेशानी के लायक था, और चूंकि वह यात्रा नहीं कर सकती थी, इसलिए उसने खुद जाकर लैंगलोइस से बात करने की पेशकश की। लौटने पर उसने बताया कि खरीदार चार हज़ार फ़्रैंक की पेशकश कर रहा है।

यह खबर सुनकर एम्मा के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई।

उन्होंने आगे कहा, "सच कहूं तो, यह एक अच्छी कीमत है।"

उसे तुरंत आधी रकम मिल गई, और जब वह उसका हिसाब चुकाने वाली थी, तो व्यापारी ने उससे कहा:

"सच कहूं तो, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि आप एक साथ इतनी बड़ी रकम सौंप रहे हैं।"

फिर उसने नोटों पर नजर डाली; और उन दो हजार फ्रैंकों द्वारा दर्शाई गई अनगिनत मुलाकातों के सपने देखने लगी:

“क्यों… क्या…?” वह हकलाते हुए बोली।

“अरे!” उसने हंसते हुए जवाब दिया, “बिल पर जो चाहे लिखवा सकते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि मुझे घरेलू मामलों की कुछ जानकारी है?”

और वह उसे टकटकी लगाकर देखता रहा, साथ ही अपने हाथ में दो लंबे कागज़ के टुकड़े पकड़े हुए उन्हें अपनी उंगलियों के बीच आगे-पीछे सरकाता रहा। अंत में, उसने अपना बटुआ खोला और मेज पर एक-एक हजार फ्रैंक के चार वचन पत्र फैला दिए।

उन्होंने कहा, "मेरे लिए इन पर हस्ताक्षर कर दो और इसे अपने पास रख लो।"

वह सदमे से चीख पड़ी।

"लेकिन अगर मैं आपको अतिरिक्त राशि दे दूं," महाशय ल्यूरेक्स ने बेशर्मी से जवाब दिया, "तो क्या मैं वास्तव में आपकी सेवा नहीं कर रहा हूँ?"

और फिर, कलम लेकर, उसने बिल के नीचे लिखा: "मैडम बोवरी से प्राप्त, चार हजार फ्रैंक।"

"तुम्हें किस बात की चिंता है, क्योंकि छह महीने में तुम्हें अपनी झोपड़ी का बकाया मिल जाएगा, और मैं आखिरी किस्त का भुगतान उस भुगतान के बाद ही तय करूँगा?"

एम्मा को उसकी गणनाओं से थोड़ी उलझन होने लगी थी, और उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसके कानों में झनझनाहट हो रही हो, मानो सोने के सिक्के थैलों से निकलकर चारों ओर ज़मीन पर खनक रहे हों। अंत में ल्यूरेक्स ने समझाया कि उसका एक मित्र है जिसका नाम विन्सार्ट है, जो रूएन में एक बैंकर है, जो इन चारों नोटों को भुना लेगा, और फिर वह स्वयं वास्तविक ऋण की शेष राशि मैडम को लौटा देगा।

लेकिन दो हजार फ्रैंक के बजाय, वह केवल अठारह सौ फ्रैंक ही लाया, क्योंकि उसके मित्र विन्सार्ट ने (जैसा कि उचित ही था) कमीशन और छूट को कवर करने के लिए दो सौ फ्रैंक की कटौती कर ली थी।

फिर उसने सहज भाव से रसीद मांगी।

“आप समझते हैं... व्यापार में... कभी-कभी... और कृपया तारीख भी बता दीजिए।”

फिर एम्मा के सामने साकार हो सकने वाली कल्पनाओं का एक विशाल संसार खुल गया। उसने एक हजार इक्कुस बचाकर रखे थे, जिनसे देय तिथि पर पहले तीन नोट चुका दिए गए; लेकिन संयोगवश चौथा नोट गुरुवार को घर पहुंचा, और चार्ल्स स्तब्ध होकर अपनी पत्नी के लौटने का धैर्यपूर्वक इंतजार करने लगा ताकि वह अपनी बात समझा सके।

अगर उसने उसे इस नोट के बारे में नहीं बताया था, तो इसका मकसद उसे घरेलू चिंताओं से बचाना था; वह उसकी गोद में बैठ गई, उसे सहलाया, उससे प्यार से बातें कीं, और उन सभी जरूरी चीजों की लंबी सूची बताई जो उसने उधार ली थीं।

"तो आपको यह मानना पड़ेगा कि, जितनी चीजें थीं, उन्हें देखते हुए यह उतना महंगा नहीं था।"

चार्ल्स, हताश होकर, जल्द ही हमेशा की तरह ल्यूरेक्स के पास गया, जिसने वादा किया कि अगर महाशय उसे दो नोटों पर हस्ताक्षर कर दें, जिनमें से एक सात सौ फ़्रैंक का होगा और तीन महीने में देय होगा, तो वह मामला शांत कर देगा। ऐसा करने के लिए, उसने अपनी माँ को एक मार्मिक पत्र लिखा। जवाब भेजने के बजाय, वह खुद आ गई; और जब एम्मा ने जानना चाहा कि क्या उसे उसकी ओर से कुछ मिला है:

“हां,” उसने जवाब दिया। “लेकिन वह बिल देखना चाहती है।”

अगले दिन, भोर होते ही, एम्मा जल्दी से महाशय ल्यूरेक्स के पास गई और उनसे एक और नोट तैयार करने की विनती की, जो एक हजार फ्रैंक से अधिक का न हो; क्योंकि यदि वह चार हजार फ्रैंक वाला नोट दिखाती, तो उसे यह कहना पड़ता कि उसने उसका दो-तिहाई भुगतान कर दिया है और इस प्रकार इमारत की बिक्री को स्वीकार करना पड़ता, जिसका सौदा व्यापारी ने बड़ी कुशलता से किया था और वास्तव में बाद में ही इसका खुलासा किया गया था।

प्रत्येक वस्तु की कीमत बहुत कम होने के बावजूद, मैडम बोवरी की बुजुर्ग महिला को यह खर्च अत्यधिक लगा।

“क्या आप कालीन के बिना काम नहीं चला सकती थीं? आरामकुर्सियों का कपड़ा क्यों बदलना? मेरे ज़माने में, घरों में सिर्फ़ एक ही आरामकुर्सी होती थी, बुज़ुर्गों के लिए—कम से कम मेरी माँ के घर में तो ऐसा ही था, और वो एक इज़्ज़तदार औरत थीं, मैं आपको यकीन दिला सकती हूँ। हर कोई अमीर नहीं हो सकता! कोई भी दौलत लगातार फिजूलखर्ची के आगे टिक नहीं सकती! मैं तो आपकी तरह खुद को लाड़-प्यार करने में शर्म महसूस

करूँगी! और फिर भी मैं एक बुज़ुर्ग औरत हूँ, मुझे देखभाल और ध्यान की ज़रूरत है... कितना कुछ! कितना दिखावा और फिजूलखर्ची! क्या! अस्तर के लिए रेशम, दो फ्रैंक में! ... जबकि आपको दस सू में, यहाँ तक कि आठ सू में भी मलमल मिल जाता है, जो काम बखूबी कर देता है।"

सोफे पर आराम से लेटी हुई एम्मा ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया:

"ओह, महोदया, बस करो! बस करो!..."

दूसरा व्यक्ति उसे उपदेश देता रहा और भविष्यवाणी करता रहा कि वे अंततः कंगाल हो जाएँगे। खैर, यह बोवरी की गलती थी। सौभाग्य से, उसने उस पावर ऑफ अटॉर्नी को रद्द करने का वादा किया था...

"क्या?"

"आह! उसने मुझसे कसम खाई थी कि वह ऐसा करेगा," उस भली महिला ने आगे कहा।

एम्मा ने खिड़की खोली, चार्ल्स को आवाज़ दी, और बेचारे को अपनी माँ द्वारा जबरन लिए गए वादे को कबूल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

एम्मा गायब हो गई, फिर तेजी से लौटी और बड़े ही शालीनता से उसे कागज का एक बड़ा टुकड़ा थमा दिया।

"धन्यवाद," बूढ़ी औरत ने कहा।

और उसने पावर ऑफ अटॉर्नी को आग में फेंक दिया।

एम्मा एक कर्कश, तीखी हंसी में फूट पड़ी जो लगातार जारी रही: उसे हिस्टीरिया का दौरा पड़ रहा था।

"हे भगवान!" चार्ल्स चिल्लाया। "तुम भी दोषी हो! तुम आकर उसके लिए मुसीबत खड़ी करते हो!..."

उसकी मां ने कंधे उचकाते हुए दावा किया कि यह सब सिर्फ नाटक था।

लेकिन चार्ल्स ने पहली बार विद्रोह करते हुए अपनी पत्नी का बचाव किया, जिसके कारण मैडम बोवरी ने घर छोड़ने का फैसला कर लिया। वह अगले ही दिन चली गईं, और जब चार्ल्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने दरवाजे पर खड़े होकर जवाब दिया:

नहीं, नहीं! तुम उससे मुझसे ज़्यादा प्यार करते हो, और तुम सही हो, यही होना चाहिए। बाकी सब तो बहुत बुरा हुआ! तुम देखोगे! ... अपना ख्याल रखना! ... क्योंकि मैं जल्दी वापस आकर उसके लिए मुसीबत खड़ी नहीं करने वाला, जैसा कि तुम कहते हो।

फिर भी चार्ल्स एम्मा के सामने बहुत शर्मिंदा रहा, जिसने उसके अविश्वास के कारण उसके प्रति अपने मन में मौजूद नाराजगी को नहीं छिपाया; कई बार विनती करने के बाद ही वह अपना पावर ऑफ अटॉर्नी वापस लेने के लिए राजी हुई, और वह उसके साथ मिस्टर गिलौमिन के पास भी गया ताकि वह बिल्कुल वैसा ही दूसरा पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर सकें।

नोटरी ने कहा, "मैं समझता हूँ; एक वैज्ञानिक से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह जीवन के व्यावहारिक विवरणों में उलझे।"

और चार्ल्स को इस चिकनी-चुपड़ी बातों से राहत मिली, जिसने उसकी कमजोरी को उच्चतर चीजों में व्यस्तता का आभास दिया।

अगले गुरुवार को होटल में, उनके कमरे में, लियोन के साथ, क्या ही माहौल था! वह हँसी, रोई, गाई, नाची, शर्बत मंगवाया, सिगरेट पीने पर अड़ी रही, लियोन को वह खर्चीली लगी, लेकिन प्यारी और शानदार भी।

उसे समझ नहीं आ रहा था कि किस भावना के कारण वह अपने पूरे अस्तित्व के साथ सुख की खोज में और भी गहराई तक डूबती जा रही थी। वह चिड़चिड़ी, लालची और कामुक होती जा रही थी; और वह उसके साथ सड़कों पर सिर ऊंचा करके चलती थी—वह कहती थी कि उसे खुद को खतरे में डालने का कोई डर नहीं है। हालांकि, कभी-कभी एम्मा रोडोल्फ से मिलने के अचानक ख्याल से ही कांप उठती थी; क्योंकि उसे लगता था, भले ही वे हमेशा के लिए अलग हो गए थे, कि वह उसके प्रभुत्व से पूरी तरह मुक्त नहीं हुई थी।

एक शाम, वह योन्विल लौटी ही नहीं। चार्ल्स बहुत परेशान हो गया, और छोटी बर्थे, अपनी माँ के बिना सोना नहीं चाहती थी, इसलिए वह ऐसे रो रही थी मानो उसका दिल टूट जाएगा। जस्टिन सड़क पर इधर-उधर उसकी तलाश में निकल पड़ा। श्री होमेस अपनी फार्मेसी से जा चुके थे।

अंततः, ग्यारह बजे, और बर्दाश्त न कर पाने पर, चार्ल्स ने अपनी बोक (घोड़ागाड़ी) को तैयार किया, उसमें कूद गया, अपने घोड़े को चाबुक मारा और सुबह लगभग दो बजे क्रोक्स रूज पहुँचा। वहाँ कोई नहीं था। उसने सोचा कि क्लर्क ने शायद उसे देखा होगा; लेकिन वह कहाँ रहता था? सौभाग्य से, चार्ल्स को अपने मालिक का पता याद आ गया। वह तुरंत वहाँ पहुँचा।

सुबह होने लगी थी। उसने एक दरवाजे के ऊपर कुछ धातु की नामपट्टियाँ देखीं; उसने दस्तक दी। किसी ने दरवाजा खोले बिना ही, उसकी माँगी हुई जानकारी चिल्लाकर बता दी, साथ ही रात में दूसरों को परेशान करने वालों के लिए कई अपशब्द भी कहे।

क्लर्क के घर में न घंटी थी, न दरवाज़े पर दस्तक देने की जगह, न ही चौकीदार। चार्ल्स ने मुट्ठी से खिड़की के शटर पर ज़ोर-ज़ोर से मारा। तभी एक पुलिसवाला वहाँ से गुज़र रहा था; फिर वह डर गया और चला गया।

“मैं पागल हो गया हूँ,” वह मन ही मन कह रहा था; “शायद उन्होंने उसे मिस्टर लोमाँक्स के यहाँ रात के खाने के लिए रोक लिया होगा।”

लोर्मो परिवार अब रूएन में नहीं रहता था।

“वह मैडम डुब्रूइल की देखभाल के लिए रुकी होगी। ओह! मैडम डुब्रूइल को मरे हुए दस महीने हो गए हैं! … अच्छा, वह कहाँ है?”

उन्हें एक विचार आया। उन्होंने एक कैफे में डायरेक्टरी मांगी और जल्दी से मैडमोजेल लेम्पेरर का नाम खोजा, जो रुए डे ला रेनेल-डेस-मारोक्विनियर्स में नंबर 74 पर रहती थीं।

जैसे ही वह उस गली में दाखिल हुआ, एम्मा खुद दूसरे छोर पर प्रकट हुई; उसने उसे गले लगाने के बजाय उस पर झपटते हुए कहा:

“कल आपको किस बात ने रोके रखा था?”

मैं बीमार पड़ गया था।

“किससे? … कहाँ से? … कैसे? …”

उसने अपने माथे पर हाथ फेरा और जवाब दिया:

"मैडेमोसेले लेम्पेरेउर में।"

मुझे पूरा यकीन था! मैं वहीं जा रहा था।

“अरे, ये सब झंझट करने लायक नहीं है!” एम्मा ने कहा। “वो अभी-अभी बाहर गई है; लेकिन आगे से परेशान मत होना। मैं खाली नहीं हूँ, तुम्हें समझ नहीं आ रहा, अगर मुझे पता चले कि ज़रा सी देरी से भी तुम इतना परेशान हो जाते हो।”

वह अपने कारनामों में किसी भी तरह की बाधा न पड़ने की छूट खुद को दे रही थी। और, उसने इसका भरपूर फायदा उठाया। जब भी उसे लियोन से मिलने की इच्छा होती, वह किसी भी बहाने से निकल जाती, और चूंकि उस दिन लियोन को उसकी उम्मीद नहीं थी, इसलिए वह उसके दफ्तर में जाकर उसे ढूंढने लगती।

शुरू-शुरू में तो उसे बहुत खुशी हुई; लेकिन जल्द ही उसने सच्चाई को छिपाना बंद कर दिया, यानी कि उसका मालिक इन व्यवधानों के बारे में जोर-शोर से शिकायत कर रहा था।

“अरे, बकवास! चलो भी,” वह कहती थी।

और वह चुपके से निकल जाता था।

वह चाहती थी कि वह पूरे काले कपड़े पहने और अपनी ठुड्डी पर एक छोटी सी नुकीली दाढ़ी बढ़ाए ताकि वह लुई XIII के चित्रों जैसा दिखे। वह उसके कमरे देखना चाहती थी, उसे साधारण लगे; वह इस पर शरमा गया; उसने इस पर ध्यान नहीं दिया, फिर उसे अपने जैसे पर्दे खरीदने की सलाह दी; और जब उसने खर्च पर आपत्ति जताई:

"ओह, आप अपने छोटे ईक्यूसी को बहुत मजबूती से पकड़े रहते हैं, है ना!" उसने हंसते हुए कहा।

लियोन को हर बार उसे बताना पड़ता था कि पिछली मुलाकात के बाद से उसने क्या-क्या किया है। वह उससे कविताएँ माँगती थी, उसके लिए रचित कविताएँ, उसके सम्मान में एक प्रेम कविता; वह कभी भी दूसरी पंक्ति के लिए तुकबंदी नहीं ढूँढ पाता था, और अंत में उसने एक यादगार एल्बम से एक सॉनेट की नकल कर ली।

उसने यह सब घमंड से ज़्यादा उसे प्रसन्न करने के उद्देश्य से किया था। उसने उसके विचारों पर कोई सवाल नहीं उठाया; उसने उसकी सभी रुचियों को स्वीकार किया; वह उसकी प्रेमिका बनता जा रहा था, उससे कहीं ज़्यादा कि वह उसकी प्रेमिका बन रही थी। उसने उससे कोमल बातें कहीं और ऐसे चुंबन दिए जिनसे उसकी आत्मा आनंदित हो उठी। उसने यह दुराचार कहाँ से सीखा होगा, जो इतना गहरा और इतना छिपा हुआ था कि लगभग निराकार था?

[6]

जब लियोन उससे मिलने जाता था, तो वह अक्सर फार्मासिस्ट के घर पर भोजन करता था, और शिष्टाचारवश, वह उसे बदले में आमंत्रित करना अपना कर्तव्य समझता था।

“ज़रूर!” श्री होमेस ने जवाब दिया। “वैसे भी, मुझे थोड़ा तरोताज़ा होने की ज़रूरत है, क्योंकि मैं यहाँ एक ही ढर्रे पर चलने से ऊब गया हूँ। हम थिएटर चलेंगे, किसी रेस्टोरेंट में खाना खाएँगे, और खूब मौज-मस्ती करेंगे!”

“आह! मेरे प्यारे!” मैडम होमेस ने कोमल स्वर में कहा, उन अज्ञात खतरों से घबराते हुए जिन्हें वह झेलने की तैयारी कर रहा था।

“अच्छा, ये क्या है? क्या आपको नहीं लगता कि मैं पहले से ही दवाखाने से निकलने वाली लगातार गंधों के बीच रहकर अपनी सेहत खराब कर रहा हूँ! वैसे, महिलाओं का स्वभाव ही ऐसा होता है: वे विज्ञान से ईर्ष्या करती हैं, फिर किसी को सबसे जायज़ मनोरंजन का आनंद लेने से रोकती हैं। कोई बात नहीं, आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं; एक दिन मैं रूएन में आऊँगा और हम मिलकर मोनाको को उड़ा देंगे।”

पुराने समय में, दवा विक्रेता इस तरह के शब्दों का प्रयोग करने से सावधानीपूर्वक बचता था; लेकिन अब वह चंचल पेरिसियन शैली की ओर झुक गया था, जिसे वह बेहतर मानता था; और, अपनी पड़ोसी मैडम बोवरी की तरह, वह क्लर्क से राजधानी के रीति-रिवाजों के बारे में उत्सुकतापूर्वक पूछताछ करता था; वह बुर्जुआ वर्ग को प्रभावित करने के लिए बोलचाल की भाषा का भी प्रयोग करता था, जैसे "टर्न" (डिग्स), "बाज़ार" (स्टफ), "चिकार्ड" (क्लासी), "चिकैंडर्ड" (मोस्ट क्लासी), "ब्रेडा-स्ट्रीट" (रेड-लाइट डिस्ट्रिक्ट), और "जे मे ला कैस" (मैं अभी जा रहा हूँ)।

और इस तरह, एक गुरुवार को, एम्मा को लायन डी'ओर के रसोईघर में श्री होमेस को यात्रा के कपड़ों में देखकर आश्चर्य हुआ। उन्होंने एक पुराना लबादा ओढ़ा हुआ था जिसके बारे में किसी को पता नहीं था कि वह उनका है, और एक हाथ में सूटकेस और दूसरे हाथ में अपनी दुकान का फुटमफ (पैरों पर पहनने वाला कपड़ा) लिए हुए थे। उन्होंने अपनी इस योजना के बारे में किसी को नहीं बताया था, क्योंकि उन्हें डर था कि उनकी अनुपस्थिति से जनता चिंतित हो जाएगी।

जिन जगहों पर उन्होंने अपना बचपन बिताया था, वहां दोबारा जाने का विचार निस्संदेह उन्हें उत्साहित कर रहा था, क्योंकि वे पूरे रास्ते भर बातें करते रहे; फिर, जैसे ही वे पहुंचे, वे फुर्ती से गाड़ी से उतरे और लियोन की तलाश में निकल पड़े; और हालांकि क्लर्क ने विरोध किया, महाशय होमेस उन्हें खींचकर बड़े से कैफे डे नॉर्मंडी ले गए, जिसमें वे बिना टोपी उतारे शान से दाखिल हुए, क्योंकि सार्वजनिक स्थान पर सिर नंगा रखना उन्हें बहुत ही देहाती लगता था।

एम्मा ने लियोन का पौने घंटे तक इंतजार किया। आखिरकार वह जल्दी से उसके कार्यालय पहुंची और तरह-तरह के अनुमानों में डूबी हुई, उस पर उदासीनता का आरोप लगाती हुई और अपनी कमजोरी के लिए खुद को कोसती हुई, उसने पूरी दोपहर खिड़की के शीशे से अपना माथा सटाकर बिताई।

दो बजे भी वे मेज पर आमने-सामने बैठे थे। बड़ा कमरा खाली हो रहा था; ताड़ के पेड़ के आकार का चूल्हा सफेद छत पर सुनहरे पंखे की तरह फैला हुआ था; और उनके पास, खिड़की के पीछे, तेज धूप में, पानी की एक छोटी सी धार संगमरमर के बेसिन में गिर रही थी, जहाँ जलकुंभी और शतावरी के बीच, तीन सुस्त लॉबस्टर अपने पंजे बगल में लेटी हुई बटेरों के ढेर की ओर बढ़ा रहे थे।

होमेस खूब मजे कर रहा था। हालांकि वह किसी शानदार भोजन से भी ज्यादा विलासिता में डूबा हुआ था, फिर भी पोमार्ड शराब उसकी इंद्रियों को थोड़ा उत्तेजित कर रही थी, और जब रम ऑमलेट परोसा गया, तो उसने महिलाओं के बारे में कुछ अनैतिक विचार रखने शुरू कर दिए। उसे सबसे ज्यादा शान-शौकत आकर्षित करती थी। उसे सजे-धजे कमरे में सुरुचिपूर्ण वेशभूषा बहुत पसंद थी, और शारीरिक सुंदरता के मामले में भी उसे कोई आपत्ति नहीं थी।

लियोन हताशा से घड़ी को घूर रहा था। दवा विक्रेता पी रहा था, खा रहा था और बातें कर रहा था।

“रूएन में तुम्हें काफी अकेलापन महसूस हो रहा होगा। लेकिन तुम्हारा प्यार तुमसे ज्यादा दूर नहीं रहता।” उसने अचानक कहा।

और जब दूसरा शरमा गया:

“अब खुलकर बताओ! तुम इस बात से इनकार नहीं करोगे कि योनविल में…”

वह युवक हकलाने लगा।

“मैडम बोवरी के यहाँ, क्या आप किसी से प्रेम निवेदन नहीं कर रहे थे…”

"अच्छा, कौन?"

“नौकरानी!”

वह मजाक नहीं कर रहा था; लेकिन, विवेक पर अहंकार हावी होने के कारण, लियोन ने अनिच्छा से ही विरोध किया। इसके अलावा, उसे केवल काले बालों वाली महिलाएं ही पसंद थीं।

“मैं आपसे सहमत हूँ,” फार्मासिस्ट ने कहा; “वे अधिक उग्र स्वभाव के होते हैं।”

अपने दोस्त के कान के पास झुककर उसने उन संकेतों की ओर इशारा किया जिनसे एक जोशीली महिला को पहचाना जा सकता है। उसने तो यहाँ तक कह दिया कि जर्मन महिलाएं मूडी होती हैं, फ्रांसीसी महिलाएं कामुक होती हैं और इतालवी महिलाएं भावुक होती हैं।

“और अश्वेत महिलाओं के बारे में क्या?” क्लर्क ने पूछा।

“यह कलाकारों द्वारा विकसित किया गया स्वाद है,” होमेस ने कहा। “—वेटर! दो डेमिटास (एक प्रकार का गिलास) दीजिए।”

अंततः अधीर होते हुए लियोन ने कहा, "क्या हम चलें?"

"हां," होमेस ने अंग्रेजी में कहा।

लेकिन जाने से पहले, उन्होंने संस्थान के प्रमुख से मिलने की इच्छा जताई और उन्हें बधाई दी।

फिर उस युवक ने अकेले रहने की उम्मीद में बहाना बनाया कि उसे कुछ काम निपटाना है।

“आह! मैं आपको साथ ले चलूँगा!” होमेस ने कहा।

और जब वह उसके साथ सड़कों पर चल रहा था, तो होमेस ने उसकी पत्नी, उसके बच्चों, उनके भविष्य और उसकी फार्मेसी के बारे में बात की, और बताया कि एक समय यह किस खराब स्थिति में थी और उसने इसे किस हद तक पूर्णता तक पहुंचाया था।

होटल डी बोलोन के सामने पहुँचकर, लियोन अचानक उसे छोड़कर सीढ़ियाँ चढ़ गया और उसने अपनी प्रेमिका को अत्यधिक भावुक पाया।

फार्मासिस्ट का नाम सुनते ही वह आग बबूला हो गई। लेकिन वह एक के बाद एक अच्छे बहाने बना रहा था: इसमें उसकी कोई गलती नहीं थी। क्या वह मिस्टर होमेस को नहीं जानती थी? क्या वह मान सकती थी कि वह उसकी संगति को ज़्यादा पसंद करता है? लेकिन वह मुँह फेरकर चली गई; उसने उसे रोक लिया; और घुटनों के बल बैठकर उसने अपनी बाहों को उसकी कमर में इस तरह लपेट लिया जैसे उसे वासना और विनती भरी हो।

वह वहीं खड़ी रही; उसकी बड़ी-बड़ी, प्रचंड आँखें उसे इस तरह से घूर रही थीं मानो मानो वह लगभग भयभीत कर देने वाली स्थिति में हो। फिर वे आँसुओं से भर उठीं, उसकी गुलाबी पलकें झुक गईं, उसने अपने हाथ आगे बढ़ा दिए, और लियोन उन्हें अपने होठों तक ले ही रहा था कि एक नौकर आया और उसने महाशय को बताया कि कोई उनसे मिलने आया है।

“क्या तुम वापस आओगे?” उसने पूछा।

"हाँ।"

"कब?"

"बिल्कुल अभी।"

“यह एक बहाना था,” फार्मासिस्ट ने लियोन को देखकर कहा। “मैं आपकी इस मुलाकात में दखल देना चाहता था, जिसके बारे में मुझे लगा कि आप खुश नहीं हैं। चलिए ब्रिडॉक्स चलते हैं और एक गिलास गारस पीते हैं।”

लियोन ने कसम खाई कि उसे अपने कार्यालय लौटना होगा। तभी दवा विक्रेता ने कागजी कार्रवाई और कानूनी कार्यवाही के बारे में कुछ चुटकुले सुनाए।

"कुछ देर के लिए कुजास और बार्टोले के बारे में भूल जाओ—अरे! तुम्हें कौन रोक रहा है? हिम्मत दिखाओ! ब्रिडॉक्स के यहाँ आओ; उसके कुत्ते को देखो। वह बहुत अजीब है!"

और जब क्लर्क ने अपनी बात पर अड़ा रहा:

“तो मैं भी आ जाऊँगा। इंतज़ार करते हुए मैं अखबार पढ़ लूँगा, या फिर किसी कोड को पढ़ लूँगा।”

एम्मा के गुस्से, महाशय होमेस की बकबक और शायद अपने दोपहर के भोजन की भारीपन से स्तब्ध लियोन अनिर्णय की स्थिति में रहा, मानो फार्मासिस्ट के जादू में आ गया हो, जो बार-बार यही दोहरा रहा था:

ब्रिडॉक्स में आइए! यह मालपालू गली में बस कुछ ही कदम दूर है।

और इसलिए, कायरता, मूर्खता और उस शर्मनाक भावना के कारण जो हमें सबसे घृणित कार्यों के लिए प्रेरित करती है, उसने खुद को ब्रिडॉक्स के पास ले जाने दिया; और वे उसे उसके छोटे से आंगन में, तीन वेटरों की देखरेख करते हुए पाए गए जो सेल्टज़र पानी बनाने वाली मशीन के बड़े पहिये को घुमाते हुए हांफ रहे थे। होमेस ने उन्हें कुछ सलाह दी; उसने ब्रिडॉक्स को गले लगाया; उन्हें अपना गारस मिल गया। लियोन ने बीस बार जाने की कोशिश की; लेकिन फार्मासिस्ट ने उसे बांह से पकड़कर रोक लिया और कहा:

“एक मिनट में! मैं जा रहा हूँ। हम ले फनल डे रूएन में रुकेंगे और उन सज्जनों से मिलेंगे। मैं आपको थॉमसिन से मिलवा दूँगा।”

लेकिन उसने उसे वहां से भगा दिया और तेजी से होटल की ओर वापस भागा। एम्मा वहां नहीं थी।

वह अभी-अभी क्रोधित होकर वहाँ से निकली थी। अब वह उससे नफरत करती थी। मुलाकात के समय किया गया वह टूटा हुआ वादा उसे अपमान जैसा लगा, और वह उससे अलग होने के और भी कारण खोजने लगी: वह वीरता दिखाने में असमर्थ था, वह कमजोर, साधारण, स्त्री से भी अधिक कोमल, और साथ ही लालची और डरपोक भी था।

फिर, शांत होते हुए, उसे एहसास हुआ कि शायद उसने उसके बारे में अनुचित रूप से ही बुरा-भला कहा था। लेकिन जिनसे हम प्यार करते हैं, उनकी बुराई करने से हम उनसे थोड़ा दूर हो जाते हैं। हमें अपने आदर्शों को नहीं छूना चाहिए: क्योंकि उनकी चमक हमारे हाथों पर ही रह जाएगी।

अब वे अक्सर उन विषयों पर बात करते थे जिनका उनके प्रेम से कोई लेना-देना नहीं था; और एम्मा द्वारा भेजे गए पत्र फूलों, कविताओं, चाँद और तारों से भरे होते थे, मानो वह भोलेपन से बाहरी उत्तेजनाओं से अपने कमजोर प्रेम को फिर से जगाने की कोशिश कर रही हो। वह खुद से वादा करती रहती थी कि अपनी अगली

यात्रा पर वह बेहद खुश होगी; फिर वह मान लेती कि उसे कुछ भी असाधारण महसूस नहीं हुआ। यह निराशा नई आशा के आगमन के साथ ही जल्दी दूर हो जाती, और एम्मा अधिक जोश और उत्साह के साथ उसके पास लौट आती। वह बेतहाशा कपड़े उतारती, अपने कोर्सेट की पतली डोरी को फाड़ देती, जो उसकी कमर के चारों ओर रेंगते हुए साँप की तरह सीटी बजाती। वह नंगे पैर की उंगलियों पर खड़ी होकर एक बार फिर देखती कि दरवाजा बंद है, फिर एक ही झटके में अपने सारे कपड़े उतार देती; और, पीली पड़कर, चुपचाप, गंभीर होकर, एक लंबी कंपकंपी के साथ उसके सीने से लग जाती।

लेकिन ठंडी बूंदों से भीगे उस माथे पर, उन हकलाते होंठों पर, उन जंगली आँखों में, उन बाहों के आलिंगन में, कुछ चरम, अपरिभाषित और निराशाजनक था जो लियोन को उनके बीच सूक्ष्मता से फिसलता हुआ प्रतीत हुआ मानो उन्हें अलग कर रहा हो।

उसमें उससे सवाल करने की हिम्मत नहीं थी; लेकिन, उसकी अनुभवशीलता को समझते हुए, वह मन ही मन सोचता कि उसने सुख-दुख के हर दौर को झेला होगा। जो चीज़ कभी उसे आकर्षित करती थी, अब उसे थोड़ी डरावनी लगने लगी थी। इसके अलावा, वह इस बात से नाराज़ था कि उसका व्यक्तित्व दिन-ब-दिन उसमें समाहित होता जा रहा था। वह एम्मा की इस निरंतर जीत से नाराज़ था। उसने उससे प्रेम करना भी छोड़ने की कोशिश की; फिर, उसके छोटे जूतों की चरमराहट सुनकर, उसे अपनी कायरता का एहसास होता, ठीक वैसे ही जैसे कोई शराबी तेज़ शराब देखकर कांप उठता है।

सच है, वह हमेशा हर तरह से उस पर अपना स्नेह बरसाती थी, चाहे वह खाने की मेज पर परोसे जाने वाले स्वादिष्ट व्यंजन हों, उसके स्टाइलिश कपड़े हों या उसकी मोहक निगाहें। वह योनविल से गुलाब लाती और उन्हें उसके चेहरे पर फेंकती; वह उसके स्वास्थ्य की चिंता करती, उसे व्यवहार के बारे में सलाह देती; और उस पर अपना अधिकार बनाए रखने के लिए, इस उम्मीद में कि शायद ईश्वर उसकी मदद करे, उसने उसके गले में पवित्र वर्जिन मैरी का पदक पहना दिया। एक नेक माँ की तरह, वह उसके दोस्तों के बारे में जानकारी रखती थी। वह उससे कहती:

"उनसे मत मिलो, बाहर मत जाओ, सिर्फ हमारे बारे में सोचो; मुझसे प्यार करो!"

वह उस पर लगातार नज़र रखना चाहती थी, और उसके मन में यह ख्याल आया कि गलियों में उसका पीछा करवाया जाए। होटल के पास एक आवारा किस्म का आदमी रहता था जो हमेशा यात्रियों को परेशान करता था और मना नहीं करता था... लेकिन उसका स्वाभिमान इसके आगे नहीं झुका।

"अरे, बहुत बुरा हुआ! अगर वह मुझे धोखा दे रहा है, तो मुझे क्या फर्क पड़ता है! क्या इससे मुझे कोई परवाह है?"

एक दिन जब वे जल्दी एक-दूसरे से अलग हो गए और वह अकेले ही सड़क पर वापस लौट रही थी, तभी उसकी नज़र अपने मठ की दीवारों पर पड़ी; वह एल्म के पेड़ों की छाँव में एक बेंच पर बैठ गई। वे दिन कितने सुकून भरे थे! वह प्रेम की उन अवर्णनीय भावनाओं के लिए कितनी तरस रही थी, जिन्हें उसने अपनी किताबों की मदद से कल्पना करने की कोशिश की थी!

शादी के शुरुआती महीने, जंगल में घुड़सवारी, विस्काउंट का वाल्ट्ज नृत्य और लगार्डी का गायन, सब कुछ उसकी आंखों के सामने फिर से गुजर गया... और अचानक लियोन उसे दूसरों की तरह ही दूर दिखाई दिया।

“और फिर भी मैं उससे प्यार करती हूँ!” उसने मन ही मन कहा।

कोई फर्क नहीं पड़ता! वह खुश नहीं थी और कभी रही भी नहीं थी। जीवन इतना अधूरा क्यों था, जिन चीजों पर वह निर्भर थी वे पल भर में धूल में क्यों मिल जाती थीं? ... फिर भी, अगर कहीं कोई बलवान, सुंदर, वीर स्वभाव वाला, उदात्त और परिष्कृत, देवदूत के रूप में कवि का हृदय रखने वाला, पीतल के तारों वाला वीणा लिए स्वर्ग तक शोकगीत बजाने वाला कोई प्राणी विद्यमान हो, तो संयोग से वह उसे क्यों न पा ले? ओह, यह कितना असंभव है! और वैसे भी, ऐसी खोज की मेहनत व्यर्थ थी; सब कुछ झूठ था! हर मुस्कान ऊब की जम्हाई छुपाती थी, हर खुशी अभिशाप, हर सुख अपनी ही घृणा, और होठों पर सबसे मीठे चुंबन भी किसी उदात्त सुख की व्यर्थ लालसा के अलावा कुछ नहीं छोड़ते थे।

हवा में एक लंबी धातुई खड़खड़ाहट गूंजी और कॉन्वेंट की घंटी से चार बार आवाज़ आई। चार बज गए! और उसे ऐसा लगा जैसे वह उस बेंच पर अनंत काल से बैठी है। लेकिन एक मिनट में अनगिनत भावनाएँ समा सकती हैं, जैसे किसी छोटी सी जगह में लोगों की भीड़।

एम्मा का जीवन पूरी तरह से उसकी रुचियों में डूबा हुआ था, और वह एक आर्कडचेस की तरह ही पैसे की चिंता करती थी।

लेकिन एक दिन, एक बीमार-सा दिखने वाला, लाल चेहरे वाला और गंजा आदमी उसके घर में दाखिल हुआ और कहने लगा कि उसे रूएन के महाशय विन्सार्ट ने भेजा है। उसने अपने लंबे हरे फ्रॉक कोट की बगल वाली जेब की पिनें निकालीं, उन्हें अपनी आस्तीन में फंसाया और विनम्रता से एक कागज का टुकड़ा आगे बढ़ाया।

यह सात सौ फ्रैंक का एक नोट था, जिस पर उसके हस्ताक्षर थे, जिसे ल्यूरेक्स ने अपने तमाम विरोधों के बावजूद विन्सार्ट को सौंप दिया था।

उसने अपने नौकर को उसके घर भेजा। वह आने में असमर्थ था।

फिर, वह अजनबी, जो वहीं खड़ा रहा और अपनी घनी सुनहरी भौहों के पीछे उत्सुकता से दाएं-बाएं देखता रहा, भोलेपन भरे लहजे में पूछा:

मैं महाशय विन्सार्ट को क्या उत्तर दूंगा?

“ठीक है,” एम्मा ने उत्तर दिया, “उसे बता दो… कि मेरे पास वह नहीं है… यह अगले सप्ताह ही हो पाएगा… उसे इंतजार करना चाहिए… हाँ। अगले सप्ताह।”

और वह व्यक्ति बिना कुछ बोले चला गया।

लेकिन अगले दिन दोपहर को, उसे भुगतान न होने की शिकायत मिली; और उस आधिकारिक दस्तावेज़ को देखकर, जिस पर कई जगहों पर बड़े अक्षरों में "मैत्रे हरेन्ग, बुसी में बेलीफ" शब्द लिखे थे, वह इतनी भयभीत हो गई कि वह जल्दबाजी में कपड़े के व्यापारी के पास भागी।

उसने उसे उसकी दुकान में एक पार्सल बांधते हुए पाया।

“आपका सेवक!” उसने कहा; “मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?”

फिर भी ल्यूरेक्स अपना काम जारी रखता रहा, जिसमें लगभग तेरह साल की एक थोड़ी कुबड़ी लड़की उसकी मदद करती थी, जो दुकान सहायक और रसोइया दोनों के रूप में उसकी सेवा करती थी।

फिर, दुकान के फर्श पर उनके लकड़ी के जूतों की खड़खड़ाहट के साथ, वह मैडम से पहले दूसरी मंजिल पर गए और उन्हें एक तंग दफ्तर में ले गए जहाँ एक बड़ी चीड़ की मेज पर कई बहीखाते रखे थे, जो एक लोहे की छड़ से तिरछे ताले से सुरक्षित थे। दीवार के सहारे, कुछ कैलिको के पर्दों के नीचे, एक तिजोरी दिखाई दे रही थी, जिसका आकार इतना बड़ा था कि उसमें केवल वचन पत्र और नकदी ही होनी चाहिए थी। दरअसल, महाशय ल्यूरेक्स एक गिरवी रखने वाले थे, और यहीं उन्होंने मैडम बोवरी की सोने की चेन, साथ ही बेचारे पेरे टेलियर के कुछ झुमके रखे थे, जिन्हें अंततः अपना कारोबार बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा था और उन्होंने क्विनकैम्पोइक्स में एक छोटा-सा किराने का व्यवसाय खरीद लिया था, जहाँ वे जुकाम से मर रहे थे, उनका चेहरा उनके चारों ओर जल रही मोमबत्तियों से भी अधिक पीला था।

ल्यूरेक्स अपनी बड़ी पुआल की कुर्सी पर बैठ गए और बोले:

“अब क्या है?”

"यहाँ।"

और उसने उसे वह कागज दिखाया।

"अच्छा, मैं इसके बारे में क्या कर सकता हूँ?"

फिर वह क्रोधित हो उठी और उसे उस वादे की याद दिलाई जो उसने उससे किया था कि वह उसके नोट्स को प्रसारित नहीं करेगा; उसने इसे स्वीकार कर लिया।

लेकिन मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया था। मेरी गर्दन पर चाकू रखा हुआ था।

“और अब क्या होने वाला है?” उसने आगे पूछा।

“अरे, ये तो बहुत आसान है: अदालत का आदेश, और फिर ज़ब्ती…; इसका कोई इलाज नहीं!”

एम्मा को खुद को उसे मारने से रोकना पड़ा। उसने दबे स्वर में पूछा कि क्या महाशय विन्सार्ट को शांत करने का कोई उपाय नहीं है?

“ओह, हाँ… विन्सार्ट को शांत करो। तुम उसे नहीं जानते; वह एक अरब से भी ज्यादा क्रूर है।”

लेकिन श्री ल्यूरेक्स को हस्तक्षेप करना ही पड़ा।

“सुनो! मुझे लगता है कि अब तक मैं तुम्हारे साथ काफी अच्छा व्यवहार करता रहा हूँ।”

और, उनकी एक बहीखाता खोलते हुए:

"यहाँ!"

फिर, अपनी उंगली से पन्ने पर ऊपर की ओर बढ़ते हुए:

चलिए देखते हैं… चलिए देखते हैं… अगस्त की तीन तारीख को दो सौ फ्रैंक… जून की सत्रह तारीख को एक सौ पचास… मार्च की तेईस तारीख को छियालीस… अप्रैल में…”

वह रुक गया, मानो उसे किसी मूर्खतापूर्ण काम करने का डर हो।

“और मैं महाशय द्वारा हस्ताक्षरित नोटों के बारे में कुछ नहीं कह रहा हूँ, एक सात सौ फ़्रैंक का, दूसरा तीन सौ फ़्रैंक का! जहाँ तक आपके छोटे-छोटे भुगतानों और ब्याज की बात है, उसका तो कोई अंत ही नहीं है, यह सब एक बड़ा झंझट है। मैं अब इसमें और नहीं उलझना चाहता!”

वह रो रही थी; उसने तो उसे अपना "भला श्रीमान ल्यूरेक्स" तक कह दिया। लेकिन वह सारा दोष उस "धूर्त कुत्ते विन्सार्ट" पर डालता रहा। वैसे भी, उसके पास एक पैसा भी नहीं था; इस समय कोई उसे भुगतान नहीं कर रहा था; लोग उसकी पीठ पीछे उसकी चापलूसी कर रहे थे; उसके जैसा गरीब दुकानदार किसी को अग्रिम भुगतान नहीं दे सकता था।

एम्मा चुप हो गई; और श्री ल्यूरेक्स, जो पंख वाले कलम की नोकों को कुतर रहे थे, शायद उसकी चुप्पी से चिंतित होने लगे, क्योंकि उन्होंने बोलना जारी रखा:

"बेशक, अगर किसी दिन मुझे कुछ भुगतान प्राप्त हो जाएं... तो शायद मैं..."

“आखिरकार,” उसने कहा, “जैसे ही बार्नेविले पर बकाया राशि का निपटारा हो जाएगा…”

"क्या? …"

और, यह जानकर कि लैंगलोइस ने अभी तक भुगतान नहीं किया था, वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। फिर, मधुर स्वर में:

और आप कहते हैं कि हम सहमत हो सकते हैं…

"अरे, जो आपको पसंद हो!"

फिर उसने सोचने के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं, कुछ आंकड़े लिखे, और यह कहते हुए कि यह उसके लिए बहुत कठिन होगा, यह काम जोखिम भरा है और वह खुद को पूरी तरह से कंगाल कर रहा है, उसने 250 फ्रैंक के चार नोट लिखवाए, जिनकी देय तिथियां एक-एक महीने के अंतराल पर थीं।

"बशर्ते विन्सार्ट मेरी बात सुनने को तैयार हो! खैर, हम सहमत हैं, मैं तुमसे मजाक नहीं कर रहा, मैं एकदम स्पष्टवादी हूँ।"

फिर उसने लापरवाही से उसे कई नए सामान दिखाए, हालांकि उसकी राय में उनमें से एक भी मैडम के लायक नहीं था।

“ज़रा सोचो—यहाँ सात सू प्रति मीटर के हिसाब से कपड़े मिल रहे हैं, और वो भी पक्के रंग के! फिर भी लोग इसे मान लेते हैं! उन्हें कुछ और बताया ही नहीं जाता, तुम शायद यही मानोगी,” दूसरों को ठगने की इस बात को कबूल करके वो उसे अपनी पूरी ईमानदारी का यकीन दिलाना चाहता था।

फिर उसने उसे वापस बुलाया और उसे तीन गज लंबी पॉइंटेड लेस दिखाई जो उसने अभी-अभी "नीलामी में" खरीदी थी।

“यह कितना बढ़िया है!” ल्यूरेक्स ने कहा; “आजकल इसका खूब इस्तेमाल होता है, एंटीमैकैसरों के लिए—यही तो फैशन है।”

और जादूगर से भी तेज गति से, उसने लेस को नीले कागज में लपेटा और एम्मा के हाथों में रख दिया।

“कम से कम, क्या आप मुझे बता सकते हैं…?”

“अरे! बाद में,” उसने मुड़ते हुए कहा।

उस शाम, उसने बोवरी पर दबाव डाला कि वह अपनी माँ को पत्र लिखकर उनसे विरासत की शेष राशि तुरंत भेजने का अनुरोध करे। उसकी सास ने उत्तर दिया कि उनके पास अब और कुछ नहीं है: समझौता हो चुका है, और बार्नेविले के अलावा उनके लिए केवल छह सौ लिवर वार्षिक आय बची है, जिसे वह उन्हें समय पर दे देंगी।

फिर मैडम ने दो-तीन ग्राहकों को बिल भेजे और जल्द ही इस युक्ति का भरपूर उपयोग करने लगीं, जो सफल रही। वह हमेशा बिल के अंत में यह जोड़ना नहीं भूलती थीं: "मेरे पति से इस बारे में बात मत करना, तुम जानती हो कि उन्हें कितना गर्व है... क्षमा चाहती हूँ... आपकी सेविका..." कुछ शिकायतें आईं; उन्होंने उन्हें बीच में ही रोक दिया।

अपना खर्च चलाने के लिए उसने अपने पुराने दस्ताने, पुरानी टोपियाँ और पुराना कबाड़ लोहा बेचना शुरू कर दिया; और वह लालच से मोलभाव करती थी—उसकी किसानी प्रवृत्ति उसे मुनाफा कमाने के लिए प्रेरित करती थी। फिर, शहर की यात्राओं के दौरान, वह पुराने सामान बेचने वालों से ऐसी छोटी-मोटी चीजें खरीदती थी जिन्हें महाशय ल्यूरेक्स, अगर कोई और नहीं तो, उससे जरूर खरीदते थे। उसने शुतुरमुर्ग के पंख, चीनी मिट्टी के बर्तन और गोल ढक्कन वाले बक्से खरीदे; उसने फेलिसिटे से, मैडम लेफ्रैंकोइस से, क्रोक्स रूज की मालकिन से, किसी से भी, कहीं से भी उधार लिया। अंत में बार्नेविले से मिले पैसों में से उसने दो नोट चुकाए; बाकी पंद्रह सौ फ्रैंक गायब हो गए। उसने नए नोटों पर हस्ताक्षर किए, और यह सिलसिला चलता रहा!

कभी-कभी, यह सच है, वह कुछ गणनाएँ करने का प्रयास करती थी; लेकिन उसे ऐसी अप्रत्याशित लागतें पता चलतीं जिन पर वह विश्वास नहीं कर पाती थी। इसलिए वह फिर से शुरू करती, जल्दी ही उलझन में पड़ जाती, वहीं पर सब कुछ छोड़ देती और उसके बारे में फिर कभी नहीं सोचती।

घर अब वाकई बेहद उदास था! कारीगर गुस्से से भरे चेहरों के साथ घर छोड़ते नज़र आ रहे थे। चूल्हों पर रुमाल लटके हुए थे; और छोटी बर्थे, मैडम होमेस की नाराज़गी के बावजूद, फटी हुई मोज़े पहने हुए थी। अगर चार्ल्स डरते-डरते कुछ कहता, तो वह रूखेपन से जवाब देती कि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है!

ये गुस्से के दौरे क्यों? वह इसका सारा दोष उसकी पुरानी तंत्रिका संबंधी बीमारी पर डालता था; और, उसकी कमजोरियों को चरित्र दोष समझने की गलती के लिए खुद को दोषी ठहराते हुए, वह खुद को स्वार्थी मानता था, और उसे गले लगाने के लिए दौड़कर जाना चाहता था।

“अरे नहीं!” वह मन ही मन कहता। “मैं तो उसे परेशान ही कर दूंगा!”

और वह वहीं रुका रहेगा।

रात के खाने के बाद, वह अकेले बगीचे में टहलने जाते; वह छोटी बर्थे को अपनी गोद में बिठाते और अपनी मेडिकल पत्रिका फैलाकर उसे पढ़ना सिखाने की कोशिश करते। बच्ची, जिसे कभी कोई स्कूली शिक्षा नहीं मिली थी, जल्द ही अपनी बड़ी-बड़ी उदास आँखें खोलकर रोने लगती। तब वह उसे दिलासा देते; वह उसके लिए पानी लाने वाले डिब्बे में थोड़ा पानी भरते ताकि रेत में नदियाँ बना सकें, या प्रिवेट की झाड़ी की शाखाएँ तोड़कर फूलों की क्यारियों में पेड़ लगाते, जो बगीचे को ज़्यादा खराब नहीं करते थे, क्योंकि वह पहले से ही लंबी घास से भरा हुआ था; उन्हें लेस्टिबूडोइस की कई दिनों की तनख्वाह देनी थी! फिर बच्ची को ठंड लगने लगती और वह अपनी माँ को पुकारती।

“मेरी प्यारी बच्ची, अपनी आया को बुलाओ,” चार्ल्स कहते थे। “तुम अच्छी तरह जानती हो कि तुम्हारी माँ को परेशान होना पसंद नहीं है।”

पतझड़ शुरू हो रहा था और पत्ते गिरने लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे दो साल पहले, जब वह इतनी बीमार थी! यह सब कब खत्म होगा! ...और वह अपने हाथ पीठ पर बांधे चलता रहा।

मैडम अपने कमरे में थीं। ऊपर जाने की कोई गुंजाइश नहीं थी। वह सारा दिन वहीं सुस्त, अधनंगी अवस्था में पड़ी रहतीं और बीच-बीच में रूएन में एक अल्जीरियाई व्यक्ति की दुकान से खरीदी हुई अगरबत्ती जलाती रहतीं। रात को अपने बगल में सो रहे उस आदमी से बचने के लिए, वह अपने अप्रिय चेहरों से उसे तीसरी मंजिल पर भेज देतीं; और सुबह तक वह कामुक और खून-खराबे से भरी सनसनीखेज किताबें पढ़ती रहतीं। अक्सर वह डर जातीं, चीख उठतीं, और चार्ल्स दौड़ता हुआ आ जाता।

“ओह, चले जाओ!” वह कहती थी।

या फिर, कभी-कभी, व्यभिचार से जागृत उस गुप्त प्रेम की आग में और भी उग्र होकर, बेदम, बेचैन, वासना से व्याकुल होकर, वह अपनी खिड़की खोलती, ठंडी हवा में सांस लेती, अपने घने बालों को हवा में लहराती और तारों को देखते हुए राजकुमारों के प्रेम की कामना करती। वह उसके बारे में, लियोन के बारे में सोचती। ऐसे क्षणों में, वह उससे एक मुलाकात के लिए कुछ भी देने को तैयार रहती, जो उसे इतनी तृप्त करती थी।

वे उसके खास दिन थे। वह चाहती थी कि वे दिन शानदार हों! और जब वह खुद सारे खर्चे नहीं उठा पाता था, तो वह उदारतापूर्वक बाकी पैसे दे देती थी, जो लगभग हर बार होता था। उसने उसे समझाने की कोशिश की कि वे कहीं और, किसी साधारण होटल में भी उतने ही खुश रहेंगे; लेकिन उसे आपत्ति थी।

एक दिन, उसने अपने थैले से चांदी की परत चढ़ी छह छोटी चम्मचें निकालीं (ये पेरे रूऑल्ट का शादी का तोहफा थीं) और लियोन से उन्हें तुरंत गिरवी रखने वाले के पास ले जाने के लिए कहा; और लियोन मान गया, हालाँकि उसे ऐसा करना अच्छा नहीं लग रहा था। उसे खुद को खतरे में डालने का डर था।

फिर, बाद में जब उसने इस बारे में सोचा, तो उसे लगा कि उसकी प्रेमिका अजीब तरह से व्यवहार कर रही थी और शायद लोग उसे उससे अलग करना चाहते थे, और यह गलत नहीं था।

दरअसल, किसी ने उसकी माँ को एक लंबा गुमनाम पत्र भेजा था, जिसमें उसे चेतावनी दी गई थी कि वह एक विवाहित महिला के साथ रहकर अपना जीवन बर्बाद कर रहा है; और तुरंत ही, उस भली-भांति महिला को पारिवारिक जीवन के उस चिरपरिचित डर, उस अस्पष्ट, हानिकारक प्राणी, उस मोहिनी, प्रेम की गहराइयों में बसे उस काल्पनिक राक्षस की याद आ गई, और उसने उसके मालिक, मैत्रे डुबोकेज को पत्र लिखा, जिसने इस मामले में पूरी तरह से सही व्यवहार किया। उसने उसे पौने घंटे तक रोककर उसकी आँखें खोलने की कोशिश की, उसे उसके सामने आने वाली खाई के बारे में आगाह किया। इस तरह की साज़िश बाद में उसके खुद को

स्थापित करने के अवसरों को नुकसान पहुँचाएगी। उसने उससे इस रिश्ते को तोड़ने की विनती की, और अगर वह अपने हित में यह बलिदान नहीं कर सकता, तो कम से कम उसके लिए ही कर दे, डुबोकेज!

अंत में, लियोन ने एम्मा से दोबारा न मिलने की कसम खाई थी; और वह अपना वादा न निभाने के लिए खुद को कोस रहा था, यह सोचकर कि यह औरत उसके लिए कितनी मुसीबतें और बातें खड़ी कर सकती है, और साथ ही उसके साथी क्लर्कों के हर सुबह चूल्हे के पास होने वाले मज़ाक भी। इसके अलावा, उसे जल्द ही मुख्य क्लर्क बनाया जाने वाला था: अब गंभीर होने का समय आ गया था। और इसलिए उसने बांसुरी, ऊंचे विचारों और कल्पनाओं को त्याग दिया; क्योंकि जवानी के जोश में, हर बुर्जुआ आदमी ने, भले ही एक दिन के लिए, एक मिनट के लिए ही सही, यह मान लिया है कि वह असीम भावनाओं और ऊंचे कामों में सक्षम है। सबसे कमज़ोर मन वाला व्यभिचारी भी सुल्तानों की पत्नियों के सपने देखता है; हर नोटरी के भीतर एक कवि के अंश छिपे होते हैं।

अब वह ऊबने लगा था, जब एम्मा अचानक उसकी छाती पर सिर रखकर फूट-फूटकर रोने लगी; और, उन लोगों की तरह जो संगीत की एक निश्चित मात्रा से अधिक सहन नहीं कर सकते, उसका दिल उस प्रेम के शोर के प्रति उदासीनता से सुस्त पड़ने लगा, जिसकी बारीकियों को वह अब देख नहीं सकता था।

वे एक-दूसरे को इतनी अच्छी तरह जानते थे कि उनके आपसी संबंध में उस आश्चर्य का अनुभव ही नहीं कर पा रहे थे जो आनंद को सौ गुना बढ़ा देता है। वह उससे उतनी ही ऊब चुकी थी जितना वह उससे। एम्मा व्यभिचार में विवाह की सारी रूढ़ियों को फिर से खोज रही थी।

लेकिन वह उससे छुटकारा कैसे पा सकती थी? और फिर, भले ही उसे इस तरह की खुशी की नीचता पर शर्मिंदगी महसूस होती, फिर भी वह आदत या विकृति के कारण इससे चिपकी रही; और हर दिन, वह इसे और अधिक उत्सुकता से पाने की कोशिश करती रही, इसे अत्यधिक पाने की चाह में सारा आनंद खो बैठी। उसने अपनी टूटी हुई उम्मीदों के लिए लियोन को दोषी ठहराया, मानो उसने उसे धोखा दिया हो; और वह तो किसी ऐसी विपत्ति की कामना भी करती थी जिससे उनका अलगाव हो जाए, क्योंकि उसमें खुद ऐसा करने का साहस नहीं था।

फिर भी वह उसे प्रेम पत्र लिखती रही, इस सिद्धांत में विश्वास रखते हुए कि एक महिला को हमेशा अपने प्रेमी को पत्र लिखना चाहिए।

लेकिन जैसे-जैसे वह लिखती गई, उसे एक अलग ही पुरुष दिखाई देने लगा, एक ऐसा प्रेत जो उसकी सबसे गहरी यादों, पढ़ी हुई सबसे खूबसूरत चीज़ों और उसकी प्रबल इच्छाओं से बना था; और अंत में वह इतना वास्तविक और इतना सुलभ हो गया कि वह विस्मय से कांप उठती, फिर भी उसे स्पष्ट रूप से कल्पना नहीं कर

पाती, वह अपने गुणों की प्रचुरता में किसी देवता की तरह खो जाता था। वह उस नीले रंग की भूमि में निवास करता था जहाँ रेशमी सीढ़ियाँ बालकनियों से लहराती हैं, फूलों की सुगंध के बीच, चाँदनी में। वह उसे अपने पास महसूस करती; वह आने वाला था और उसे एक ही चुंबन में अपने साथ ले जाने वाला था। फिर वह चकनाचूर होकर गिर पड़ती; क्योंकि प्रेम के ये अस्पष्ट आवेग उसे लंबे समय तक चलने वाले व्यभिचार से भी अधिक थका देते थे।

अब उसे लगातार और असहनीय दर्द और थकावट महसूस हो रही थी। अक्सर एम्मा को समन मिलते थे, आधिकारिक मुहर लगे दस्तावेज़ जिन्हें वह शायद ही कभी देखती थी। उसकी इच्छा होती थी कि वह जीना छोड़ दे या हर समय सोती रहे।

मध्य-लेंट के दिन, वह योनविले नहीं लौटी; शाम को वह एक नकाबपोश पार्टी में गई। उसने मखमली पैंट और लाल मोज़े पहने थे, सिर पर चोटी वाली विग और एक कान पर टोपी लगाई हुई थी। वह पूरी रात ट्रॉम्बोन की जोशीली धुन पर उछल-कूद करती रही; लोग उसके चारों ओर घेरा बनाकर जमा हो गए; और सुबह उसने खुद को थिएटर के बरामदे में लियोन के दोस्तों, पाँच-छह नकाबपोशों, मज़दूरों और नाविकों के साथ पाया, जो रात के खाने के लिए कहीं जाने की बातें कर रहे थे।

आस-पास के कैफे भरे हुए थे। बंदरगाह के पास, उन्हें एक बहुत ही साधारण सा रेस्तरां दिखाई दिया, जिसके मालिक ने पांचवीं मंजिल पर उनके लिए एक छोटा सा कमरा खोल दिया।

पुरुष एक कोने में फुसफुसा रहे थे, शायद लागत के बारे में आपस में चर्चा कर रहे थे। वहाँ एक क्लर्क, दो मेडिकल छात्र और एक दुकानदार थे: उसके लिए कैसी संगत! जहाँ तक महिलाओं की बात है, एम्मा उनकी आवाज़ के लहजे से तुरंत समझ गई कि वे लगभग सभी निम्न वर्ग की होंगी। वह डर गई, फिर उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और नज़रें नीचे कर लीं।

बाकी लोग खाने लगे। उसने कुछ नहीं खाया; उसका माथा जल रहा था, पलकें झपक रही थीं और त्वचा बर्फ़ की तरह ठंडी थी। उसके दिमाग में अब भी नाचते हुए हज़ारों लोगों के कदमों की लयबद्ध धड़कन से हिलता हुआ डांस फ्लोर महसूस हो रहा था। फिर उसे पंच की गंध और सिगार के धुएं से चक्कर आने लगे। वह बेहोश हो गई; उसे उठाकर खिड़की के पास ले जाया गया।

दिन निकलने लगा था, और सेंट-कैथरीन पहाड़ी की ओर धुंधले आकाश में लाल रंग का एक बड़ा धब्बा फैल रहा था। नदी की पीली सतह हवा में कांप रही थी; पुल सुनसान थे; सड़कों की बत्तियाँ बुझ रही थीं।

हालांकि, उसे होश आया और संयोगवश उसे बर्थे का ख्याल आया, जो पीछे अपनी आया के कमरे में सो रही थी। तभी लोहे की लंबी पट्टियों से भरी एक गाड़ी गुजरी, जिससे घरों की दीवारों पर कान फाड़ देने वाली धातुई कंपन हुई।

वह अचानक वहां से चली गई, अपना पहनावा उतार दिया, लियोन से कहा कि उसे घर जाना है, और अंत में होटल डी बोलोन में अकेली रह गई। उसे सब कुछ असहनीय लग रहा था, यहाँ तक कि खुद वह भी। उसकी इच्छा थी कि वह एक पक्षी की तरह उड़ जाए, कहीं दूर, अंतरिक्ष की निर्मल गहराइयों में जाकर अपनी जवानी को फिर से जी ले।

वह बाहर निकली, उसने बुलेवार्ड, प्लेस कौचोइस और शहर के बाहरी इलाके को पार किया और एक खुली सड़क पर आ पहुँची जहाँ से कुछ बगीचे दिखाई देते थे। वह तेज़ी से चल रही थी; ताज़ी हवा ने उसे शांत कर दिया; और धीरे-धीरे भीड़ के चेहरे, मुखौटे, चौकड़ीदार नृत्य, झूमर, बाद का भोजन, वे औरतें—सब कुछ हवा से उड़ती धुंध की तरह गायब हो गया। फिर, क्रोक्स रूज लौटकर, उसने तीसरी मंज़िल पर स्थित अपने छोटे से कमरे में, जहाँ नेस्ले के टावर की तस्वीरें लगी थीं, अपने बिस्तर पर लेट गई। दोपहर चार बजे, हिवर्ट ने उसे जगाया।

जब वह घर लौटी, तो फेलिसिटे ने उसे घड़ी के पीछे एक धूसर कागज का टुकड़ा दिखाया। उसने पढ़ा:

“लिखित दस्तावेज के अनुसार, किसी निर्णय के औपचारिक निष्पादन में…”

कैसा फैसला? दरअसल, एक दिन पहले एक और दस्तावेज़ दिया गया था, जिसकी उसे कोई जानकारी नहीं थी; और इसलिए वह निम्नलिखित शब्दों को सुनकर स्तब्ध रह गई:

“महामहिम बोवरी को राजा, कानून और न्यायालयों के आदेशानुसार यह आदेश दिया जाता है…”

फिर, कुछ पंक्तियाँ छोड़कर, उसने देखा:

“चौबीस घंटे से अधिक समय के भीतर नहीं।”—क्या? “आठ हजार फ्रैंक की कुल राशि का भुगतान करना होगा।” और इससे भी नीचे लिखा था: “उसे हर कानूनी उपाय, और विशेष रूप से उसके फर्नीचर और सामान की ज़ब्ती द्वारा ऐसा करने के लिए बाध्य किया जाएगा।”

अब वह क्या करती? … चौबीस घंटे के भीतर; कल! उसने सोचा, ल्यूरेक्स निस्संदेह उसे फिर से डराना चाहता था; क्योंकि वह अचानक उसकी सारी चालें, उसके विनम्र व्यवहार के पीछे का मकसद समझ गई थी। उसे तसल्ली इस बात से मिली कि रकम को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया था।

फिर भी, खरीददारी करने, कभी भुगतान न करने, उधार लेने, ऋण पर हस्ताक्षर करने और फिर उन ऋणों का नवीनीकरण करने के कारण, जिनकी देय तिथि हर बार आने पर बढ़ती जाती थी, उसने अंततः सिएर ल्यूरेक्स

के लिए इतनी पूंजी जमा कर ली थी जिसका वह अपने सट्टेबाजी में उपयोग करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा था।

वह बड़े ही सहज अंदाज में उसकी दुकान पर पहुंची।

“क्या तुम्हें पता है मेरे साथ क्या हुआ है? ये तो मजाक ही होगा!”

"नहीं।"

"आपका क्या मतलब है?"

वह धीरे से मुड़ा और अपनी बाहों को मोड़ते हुए बोला:

“क्या आपको लगा था, मेरी प्रिय महिला, कि मैं केवल ईश्वर के प्रेम के लिए अनंत काल तक आपका सामान और धन उपलब्ध कराने वाला बन जाऊँगा? मुझे अपना खर्च तो वसूल करना ही होगा—चलिए निष्पक्ष रहें!”

उसने कर्ज को लेकर हैरानी जताई।

“बहुत बुरा हुआ! अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया है! फैसला आ चुका है! आपको सूचित कर दिया गया था! इसके अलावा, यह मैं नहीं, विन्सार्ट है।”

लेकिन क्या आप ऐसा नहीं कर सकते…?

"कोई बात नहीं!"

लेकिन… फिर भी… चलिए इस पर बात कर लेते हैं।

और वह बहाने ढूंढने लगी; उसे कुछ पता ही नहीं था... यह उसके लिए एक आश्चर्य था...

ल्यूरेक्स ने व्यंग्यपूर्वक झुकते हुए कहा, "इसमें किसकी गलती है? मैं तो एक नीग्रो की तरह गुलामी करता हूँ, और तुम मौज-मस्ती कर रही हो।"

“अरे! उपदेश देना बंद करो!”

“इससे कभी दर्द नहीं होता,” उसने जवाब दिया।

वह कायर थी, उसने उससे विनती की; और उसने अपना सुंदर लंबा, सफेद हाथ व्यापारी के घुटने पर रख दिया।

मुझे मत छुओ! ऐसा लगेगा जैसे तुम मुझे बहकाने की कोशिश कर रहे हो!

“तुम बदमाश हो!” वह चिल्लाई।

“ओह, ओह! आप तो बोलते ही रहते हैं!” उसने हंसते हुए जवाब दिया।

मैं सबको बता दूंगी कि तुम क्या हो। मैं अपने पति को भी बता दूंगी…”

"अच्छा, मुझे उसे कुछ दिखाना है - तुम्हारा पति!"

और ल्यूरेक्स ने अपने तिजोरी से अठारह सौ फ्रैंक की रसीद निकाली जो उसने विन्सार्ट छूट के समय उसे दी थी।

उन्होंने आगे कहा, "क्या आपको लगता है कि बेचारा आपकी इस छोटी सी चोरी को नहीं समझेगा?"

वह गिर पड़ी, मानो किसी ने उसके सिर पर लाठी से वार किया हो, उससे भी ज़्यादा अचंभित। वह खिड़की और मेज के बीच आगे-पीछे घूम रहा था और बार-बार कह रहा था:

“ओह, मैं उसे दिखाऊंगा… मैं उसे दिखाऊंगा…”

फिर वह उसके पास गया और धीमी आवाज़ में बोला:

“मुझे पता है, यह मज़ाकिया नहीं है; फिर भी इससे आज तक किसी की मौत नहीं हुई है, और चूंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे आप मुझे मेरा पैसा वापस कर सकते हैं…”

“लेकिन मुझे यह कहाँ मिलेगा?” एम्मा ने अपने हाथ मलते हुए कहा।

“अरे, बकवास! तुम्हारे पास जितने दोस्त हैं, उसके बावजूद…!”

और उसने उसे इतनी धूर्त और भयानक निगाहों से देखा कि वह अपने अस्तित्व की गहराई तक कांप उठी।

“मैं आपसे वादा करती हूँ,” उसने कहा, “मैं हस्ताक्षर कर दूँगी…”

मुझे तुम्हारे हस्ताक्षरों से बहुत हो गया है!

मैं बेच दूंगा…

“अरे, अब!” उसने कंधे उचकाते हुए कहा, “तुम्हारे पास कुछ बचा ही नहीं है।”

और उसने दुकान में खुलने वाले छोटे छेद से आवाज़ लगाई:

“एनेट! चौदहवें नंबर के तीन बचे हुए हिस्सों को मत भूलना।”

नौकर प्रकट हुआ; एम्मा समझ गई और उसने पूछा कि सारी कार्यवाही रोकने के लिए उसे कितने पैसे चाहिए होंगे।

अब बहुत देर हो चुकी है!

"लेकिन अगर मैं आपको कुछ हजार फ्रैंक, एक चौथाई राशि, एक तिहाई या लगभग पूरी राशि लाकर दूं तो क्या होगा?"

नहीं! इसका कोई फायदा नहीं है!

उसने उसे धीरे से सीढ़ियों की ओर धकेल दिया।

"मैं आपसे विनती करता हूं, महाशय ल्युरेक्स, बस कुछ और दिन!"

वह सिसक रही थी।

“अरे वाह, ये तो बहुत अच्छा है! आँखों में आंसू आ गए!”

तुम मुझे निराशा की ओर धकेल रहे हो!

“मुझे बिल्कुल परवाह नहीं!” उसने उसके पीछे दरवाजा बंद करते हुए कहा।

[7]

अगले दिन जब मजिस्ट्रेट मैत्रे हरेन्ग दो गवाहों के साथ जब्त की गई वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उसके घर पहुंचे, तो वह शांत और संयमित थी।

उन्होंने बोवरी के परामर्श कक्ष से शुरुआत की और मस्तिष्क रेखा मापन का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा, जिसे उनके पेशे का एक उपकरण माना जाता था; लेकिन रसोई में उन्होंने थालियाँ, बर्तन, कुर्सियाँ, मोमबत्तियाँ और उनके शयनकक्ष में अलमारी पर रखी हर छोटी-मोटी वस्तु को गिना। उन्होंने उनके कपड़े, चादरें, ड्रेसिंग रूम की जाँच की; और उनका पूरा जीवन, यहाँ तक कि उसके सबसे निजी पहलू भी, इन तीन व्यक्तियों की निगाहों के सामने एक शव की तरह पूरी तरह से उजागर हो गया।

मैत्रे हरेन्ग, पतले काले कोट में बटन लगाए, सफेद टाई और बहुत कसे हुए जूतों के फीते पहने हुए, समय-समय पर दोहराते थे:

“अगर आप मुझे अनुमति देंगी, महोदया? अगर आप मुझे अनुमति देंगी?”

वह अक्सर कहते थे:

“मनमोहक! … बेहद खूबसूरत!”

फिर वह अपने बाएं हाथ में पकड़ी हुई सींग की स्याही की दवात में कलम डुबोकर लिखने में जुट जाता।

जब उन्होंने बाकी कमरों का काम खत्म कर लिया, तो वे अटारी में चले गए।

उसने वहाँ एक डेस्क रख रखी थी जिसमें रोडोल्फ के पत्र बंद करके रखे जाते थे। उसे खोलना ही पड़ेगा।

“आह! एक पत्र!” मैत्रे हरेन्ग ने हल्की मुस्कान के साथ कहा। “लेकिन अगर आप मुझे अनुमति दें तो…! क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होगा कि बक्से में और कुछ न हो।”

और उसने कागजों को थोड़ा सा झुकाया, मानो उनमें से कुछ नेपोलियन गिराना चाहता हो। उस मोटे, लाल हाथ को देखकर वह आक्रोश से भर उठी, जिसकी उंगलियां घोंघे की तरह कोमल थीं, और जो उन पन्नों पर टिका था जिन पर उसका दिल धड़कता था।

आखिरकार वे चले गए! फेलिसिटे वापस आ गई। उसने उसे निगरानी रखने और बोवरी को रोकने के लिए भेजा था; और उन्होंने जल्दी से बेलीफ के चौकीदार को छत के नीचे तैनात कर दिया, जहाँ उसने कसम खाई कि वह वहीं रहेगा।

शाम के समय, चार्ल्स उसे चिंतित-परेशान सा लग रहा था। एम्मा उसे व्यथित निगाहों से देखती रही, मानो उसके चेहरे की झुर्रियों में छिपे आरोपों को पढ़ रही हो। फिर, जब उसकी नज़र चीनी पर्दों से सजे शेल्फ, चौड़े पर्दों, आरामकुर्सियों, उन सभी चीज़ों पर पड़ी जिन्होंने उसके जीवन की कड़वाहट को मीठा किया था, तो वह

पश्चाताप से भर उठी, या यूँ कहें कि एक गहरे अफसोस से जो उसकी भावनाओं को बुझाने के बजाय और भड़का रहा था। चार्ल्स शांति से आग को कुरेद रहा था, उसके पैर चूल्हे पर टिके थे।

एक क्षण में चौकीदार, शायद अपने छिपने की जगह से ऊबकर, हल्की सी आवाज निकाली।

"क्या ऊपर कोई घूम रहा है?" चार्ल्स ने कहा।

“नहीं!” उसने जवाब दिया। “अटारी की एक खिड़की खुली रह गई है, हवा उसे हिला रही है।”

अगले दिन, रविवार को, वह रूएन के लिए रवाना हुई ताकि उन सभी बैंकरों से मिल सके जिनके नाम वह जानती थी। वे या तो देश में थे या किसी यात्रा पर गए हुए थे। उसने हार नहीं मानी; और जिनसे वह मिल सकी, उनसे उसने पैसे मांगे और कहा कि उसे पैसों की ज़रूरत है और वह उन्हें चुका देगी। उनमें से कुछ ने उसका मज़ाक उड़ाया; सभी ने उसे मना कर दिया।

दो बजे वह जल्दी से लियोन के घर पहुंची और उसके दरवाजे पर दस्तक दी। किसी ने दरवाजा नहीं खोला। आखिरकार वह प्रकट हुआ।

"आप यहाँ क्या लेकर आये हो?"

"क्या यह आपको परेशान करता है?"

"नहीं, लेकिन ..."

और उसने स्वीकार किया कि मकान मालिक को यह पसंद नहीं था कि वे "महिलाओं" का मनोरंजन करें।

“मुझे आपसे बात करनी है,” उसने कहा।

फिर उसने अपनी चाबी निकालने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने उसे रोक दिया।

नहीं! हमारे यहाँ।

और वे होटल डी बोलोन में अपने कमरे में चले गए।

वहाँ पहुँचते ही उसने एक बड़ा गिलास पानी पिया। उसका चेहरा बहुत पीला पड़ गया था। उसने कहा:

"लियोन, तुम्हें मेरा एक काम करना होगा।"

और, उसके दोनों हाथों को कसकर पकड़े हुए, उसे हिलाते हुए उसने आगे कहा:

सुनो, मुझे आठ हजार फ्रैंक चाहिए!

"तुम्हारा दिमाग ख़राब हो गया है!"

"अभी तक नहीं!"

और तुरंत ही, उसने उसे इस घटना के बारे में सब कुछ बताते हुए अपनी मुसीबत का खुलासा कर दिया; क्योंकि चार्ल्स को कुछ भी पता नहीं था, उसकी सास उससे नफरत करती थी, पिता रूऑल्ट कुछ नहीं कर सकते थे; लेकिन लियोन को ही इस अपरिहार्य राशि को खोजने का बीड़ा उठाना होगा…

“आप मुझसे यह उम्मीद कैसे करते हैं कि मैं…?”

“तुम कितने कायर हो!” उसने हैरानी से कहा।

फिर उसने मूर्खतापूर्ण ढंग से कहा:

“आप स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं। शायद एक हजार ईसीयू के साथ आपका आदमी शांत हो जाए।”

इसलिए कुछ न कुछ कोशिश करना और भी ज़रूरी था; तीन हज़ार फ़्रैंक तो उन्हें मिल ही जाते। इसके अलावा, लियोन उसकी जगह हस्ताक्षर कर सकता था।

“आगे बढ़ो! कोशिश करो! तुम्हें करना ही होगा! जल्दी करो! … ओह, कोशिश करो! कोशिश करो! मैं तुमसे बहुत प्यार करूंगा!”

वह बाहर गया, एक घंटे बाद लौटा और गंभीर चेहरे से बोला:

मैं तीन लोगों के पास गया... कोई फायदा नहीं हुआ!

वे अंगीठी के दोनों ओर आमने-सामने, बिना हिले-डुले, चुपचाप बैठे थे। एम्मा अपने कंधे उचका रही थी और बेचैनी से अपने पैर थपथपा रही थी। तभी उसने उसे धीरे से बुदबुदाते हुए सुना:

"अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो मुझे यकीनन पता होता कि इसे कहाँ ढूंढना है!"

"अच्छा, कहाँ?"

"अपने कार्यालय में!"

और उसने उसकी ओर देखा।

उसकी धधकती आँखों से एक शैतानी दुस्साहस झलक रहा था, और उसकी पलकें कामुक और उत्तेजक ढंग से झुकी हुई थीं; —जिससे वह युवक उस स्त्री की मौन इच्छाशक्ति के आगे कमजोर पड़ने लगा जो उसे अपराध करने के लिए उकसा रही थी। फिर वह डर गया, और आगे की व्याख्याओं से बचने के लिए, उसने अपने माथे पर हाथ मारा और चिल्लाया:

“मोरेल आज रात वापस आने वाला है! उम्मीद है वो मना नहीं करेगा।” (यह उसका एक दोस्त था, एक अमीर व्यापारी का बेटा।) “और मैं इसे कल आपके पास ले आऊंगा,” उसने आगे कहा।

एम्मा ने इस उम्मीद को उतनी खुशी से नहीं लिया जितना उसने सोचा था। क्या उसे शक था कि वह झूठ बोल रहा है? शरमाते हुए उसने आगे कहा:

लेकिन अगर तुम मुझे तीन बजे तक न देखो, तो और इंतज़ार मत करना, प्रिय। मुझे जाना होगा, मुझे माफ़ कर देना। अलविदा!

उसने उसका हाथ थाम लिया, लेकिन उसे वह बिल्कुल बेजान सा लगा। एम्मा में अब कुछ भी महसूस करने की ताकत नहीं बची थी।

चार बजने की घंटी बजी; और वह अपनी आदतों के बल पर एक मशीन की तरह आज्ञा मानते हुए, योनविले वापस जाने के लिए उठ खड़ी हुई।

मौसम सुहावना था; मार्च के उन साफ, उम्दा दिनों में से एक था जब आसमान बिल्कुल साफ और बादलों से रहित होता है और सूरज चमक रहा होता है। रूएन के लोग अपने सबसे अच्छे कपड़ों में सज-धज कर टहलने निकले थे और खुश दिख रहे थे। वह प्लेस डू पार्विस पहुँची। लोग शाम की प्रार्थना करके लौट रहे थे; भीड़ तीनों दरवाजों से ऐसे बह रही थी जैसे किसी पुल के तीन मेहराबों से नदी बहती है, और उनके बीच, चट्टान की तरह स्थिर, चर्च का चौकीदार खड़ा था।

फिर उसे वह दिन याद आया जब वह चिंतित और आशा से भरी हुई उस विशाल गलियारे में दाखिल हुई थी, जो उसके सामने फैला हुआ था, लेकिन उसके प्रेम जितना गहरा नहीं था; और वह अपने घूंघट के नीचे रोती हुई, स्तब्ध, लड़खड़ाती हुई, लगभग बेहोश होती हुई आगे बढ़ती रही।

"सावधान!" गाड़ी का गेट खुलते ही उसके पीछे से एक आवाज आई।

वह एक काले घोड़े के लिए रास्ता बनाने के लिए रुकी, जो सैबल फर के वस्त्र पहने एक सज्जन द्वारा चलाई जा रही टिम्बरी गाड़ी के डंडों के बीच से उछलता हुआ निकला। यह कौन था? वह उसे जानती थी... गाड़ी तेजी से आगे बढ़ी और गायब हो गई।

अरे, ये तो विस्काउंट थे! उसने पीछे मुड़कर देखा: सड़क सुनसान थी। और वह इतनी स्तब्ध और दुखी थी कि गिरने से बचने के लिए उसने दीवार का सहारा ले लिया।

फिर उसे लगा कि उससे गलती हो गई है। सच तो यह था कि उसे कुछ पता ही नहीं था। उसके भीतर और बाहर, सब कुछ उसका साथ छोड़ रहा था। वह खोई हुई सी महसूस कर रही थी, जैसे अनिश्चित खाईयों में बेतरतीब ढंग से गिर रही हो; और जब वह क्रोक्स रूज नदी पर पहुँची, तो उसने लगभग खुशी से देखा कि भले-बुरे होमेस एक बड़े बक्से को, जिसमें दवाइयों का सामान भरा था, हिरोंडेल पर लादते हुए देख रहे थे। उनके हाथ में, एक दुपट्टे में लिपटी हुई, अपनी पत्नी के लिए छह छोटी घड़ियाँ थीं।

मैडम होमेस को पगड़ी के आकार की ये छोटी-छोटी भारी रोटियाँ बहुत पसंद थीं, जिन्हें उपवास के दौरान नमकीन मक्खन के साथ खाया जाता है: ये गोथिक काल के भोजन की अंतिम निशानी हैं, जो शायद धर्मयुद्धों के

युग से चली आ रही हैं। ये रोटियाँ बलवान नॉर्मन्स बड़े चाव से खाते थे, यह मानते हुए कि उनके सामने मेज पर, उनकी पीली मशालों की रोशनी में, हिप्पोक्रास के घड़ों और सूअर के मांस के विशाल टुकड़ों के बीच, सारसेन्स के सिर रखे हैं जिन्हें वे खाए जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दवा विक्रेता की पत्नी, अपने खराब दांतों के बावजूद, नॉर्मन्स की तरह ही इन्हें बड़े चाव से खाती थीं; और इसलिए, जब भी श्री होमेस शहर जाते थे, वे उनके लिए कुछ रोटियाँ लाना नहीं भूलते थे, और हमेशा उन्हें रुए मैसाक्रे के बड़े बेकर से खरीदते थे।

"तुम्हें देखकर बहुत खुशी हुई!" उसने कहा और एम्मा को हिरोंडेल में चढ़ने में मदद करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया।

फिर उसने अपने जूतों को सामान रखने वाले जाल की पतली पट्टियों से लटका दिया और वहाँ नंगे सिर, बाहें मोड़े, चिंतनशील और नेपोलियन जैसी मुद्रा में बैठ गया।

लेकिन जब अंधा आदमी हमेशा की तरह पहाड़ी की तलहटी में प्रकट हुआ, तो उसने कहा:

“मुझे समझ नहीं आता कि अधिकारी ऐसे बेईमानी भरे कामों को क्यों बर्दाश्त करते रहते हैं! इन बदकिस्मत लोगों को जेल में बंद करके किसी न किसी तरह का काम करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए! मेरी कसम, तरक्की कछुए की रफ्तार से चलती है! हम घोर बर्बरता में डूबे हुए हैं!”

अंधा आदमी अपनी टोपी पकड़े हुए था, और वह गाड़ी की खिड़की के किनारे पर इधर-उधर झूल रही थी, मानो कोई कपड़ा अपनी कील से उखड़ गया हो।

फार्मासिस्ट ने कहा, "यह तो स्क्रॉफुलस रोग है!"

और यद्यपि वह उस बेचारे को जानता था, उसने ऐसा दिखावा किया जैसे वह उसे पहली बार देख रहा हो, उसने "कॉर्निया," "अपारदर्शी कॉर्निया," "स्क्लेरोटिक," "चेहरा" जैसे शब्द बुदबुदाए, फिर उससे एक पिता तुल्य स्वर में पूछा:

“क्या तुम्हें यह भयानक बीमारी लंबे समय से है, मेरे दोस्त? कैफे में जाकर शराब पीने के बजाय, तुम्हारे लिए एक नियमित दिनचर्या का पालन करना बेहतर होगा।”

उन्होंने उसे केवल अच्छी शराब और अच्छी बीयर पीने और अच्छा भुना हुआ मांस खाने की सलाह दी। अंधा आदमी अपना गीत गाता रहा; वास्तव में वह लगभग मंदबुद्धि प्रतीत हो रहा था। अंत में, महाशय होमेस ने अपना बटुआ खोला।

"लो—लो एक सू; मुझे दो लियार्ड वापस दे दो; और मेरी सलाह मत भूलना; तुम्हें पता चलेगा कि इससे तुम्हारा भला ही होगा।"

हिवर्ट ने इसकी प्रभावकारिता के बारे में कुछ संदेह व्यक्त किए। लेकिन वैद्य ने आश्वासन दिया कि वह स्वयं अपने द्वारा निर्मित सूजनरोधी मरहम से उस व्यक्ति का इलाज करेगा, और उसने अपना पता बताया:

"महाशय होमेस, बाजार के पास, वहाँ आसपास काफी जाने-माने हैं।"

"अब, हमारी मेहनत के बदले में," हिवर्ट ने कहा, "आप अपना अभिनय करेंगे।"

अंधा आदमी घुटनों के बल बैठ गया, अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और अपनी हरी आँखों को घुमाते हुए और जीभ बाहर निकालते हुए, दोनों हाथों से अपना पेट सहलाने लगा, साथ ही एक भूखे कुत्ते की तरह दबी हुई सी आवाज़ में रोने लगा। एम्मा घृणा से भर उठी और उसने अपने कंधे के ऊपर से उसे पाँच फ्रैंक का सिक्का फेंक दिया। यह उसकी सारी दौलत थी। उसे लगा कि इस तरह इसे फेंक देना एक बड़ा सम्मान है।

गाड़ी फिर से चलने लगी थी कि अचानक महाशय होमेस खिड़की से बाहर झुके और चिल्लाए:

“घने आटे और दुग्ध उत्पादों का सेवन न करें! त्वचा पर ऊनी वस्त्र पहनें और रोगग्रस्त क्षेत्रों को जुनिपर बेरी के धुएं के संपर्क में लाएं!”

अपनी जानी-पहचानी चीजों को आंखों के सामने से गुजरते देखकर एम्मा का ध्यान धीरे-धीरे उसके वर्तमान दर्द से हट गया। असहनीय थकान उस पर हावी हो गई और वह सुन्न, निराश और लगभग सोई हुई अवस्था में घर पहुंची।

“जो होना है, होने दो!” उसने मन ही मन कहा।

और वैसे भी, कौन कह सकता है—किसी भी क्षण कुछ असाधारण क्यों न घट जाए? ल्यूरेक्स की मृत्यु भी हो सकती है।

अगली सुबह नौ बजे चौक में आ रही आवाजों से उसकी नींद खुली। बाजार में एक खंभे पर चिपके एक बड़े नोटिस को पढ़ने के लिए भीड़ जमा हो गई थी, और उसने देखा कि जस्टिन एक पत्थर पर चढ़कर नोटिस को फाड़ रहा है। लेकिन उसी क्षण, ग्रामीण पुलिसकर्मी ने उसे कॉलर से पकड़ लिया। श्री होमेस फार्मेसी से बाहर आए, और भीड़ के बीच में खड़ी मेरी लेफ्रैंकोइस कुछ बोलती हुई प्रतीत हो रही थी।

“मैडम! मैडम!” फेलिसिटे अंदर आते ही चिल्लाई; “यह तो शर्मनाक है!”

और बेचारी लड़की, बहुत दुखी होकर, उसे पीले कागज का एक टुकड़ा पकड़ा दिया जिसे उसने अभी-अभी दरवाजे से फाड़ा था। एक नज़र में ही एम्मा ने पढ़ लिया कि उसका सारा सामान बेचा जाना था।

फिर वे चुपचाप एक-दूसरे को निहारने लगे। नौकरानी और मालकिन, उन दोनों के बीच कोई राज़ नहीं था। अंत में फेलिसिटे ने आह भरी:

"अगर मैं आपकी जगह होता, मैडम, तो मैं मिस्टर गिलौमिन से मिलने जाता।"

"क्या तुम्हें लगता है … ?"

और उस प्रश्न का अर्थ था:

"आप घर के बारे में नौकर के माध्यम से जानते हैं—क्या आपको लगता है कि मालिक कभी-कभी मेरे बारे में बात करता होगा?"

"हां, वहां जाओ—तुम्हें जाना ही चाहिए।"

उसने कपड़े पहने, अपना काला गाउन और जेट मोतियों वाली टोपी पहनी; और ताकि कोई उसे देख न सके (चौक में अभी भी बहुत से लोग थे), वह पानी के किनारे वाले रास्ते से गांव से बाहर निकल गई।

जब वह नोटरी के गेट पर पहुंची तो उसकी सांस फूल रही थी; आसमान में अंधेरा छाया हुआ था और हल्की बर्फ गिर रही थी।

घंटी बजते ही, लाल बनियान पहने थियोडोर सामने की सीढ़ियों पर प्रकट हुआ; वह लगभग परिचित अंदाज में उसके लिए द्वार खोलने आया, मानो वह किसी ऐसे व्यक्ति के लिए हो जिसे वह अच्छी तरह जानता हो, और उसे भोजन कक्ष में ले गया।

एक कोने में रखे कैक्टस के पौधे के नीचे एक बड़ा चीनी मिट्टी का चूल्हा धीमी आंच पर चल रहा था, और ओक की लकड़ी के वॉलपेपर के सामने काले लकड़ी के फ्रेम में स्टुबेन की एस्मेराल्डा और शोपिन की पोटिफर की पेंटिंग टंगी हुई थीं। सजी हुई मेज, चांदी के दो गर्म बर्तन, क्रिस्टल के दरवाज़े के हैंडल, लकड़ी का फर्श और फर्नीचर, सभी एक साफ-सुथरी अंग्रेजी शैली में चमक रहे थे; खिड़कियों के हर कोने पर रंगीन कांच जड़े हुए थे।

एम्मा सोच रही थी, "मुझे इस तरह का डाइनिंग रूम चाहिए।"

नोटरी ताड़ के पेड़ों की छपाई वाला ड्रेसिंग गाउन पहने हुए अंदर आया, जिसे उसने अपने बाएं हाथ से अपने शरीर से सटा लिया, जबकि अपने दाहिने हाथ से उसने अपनी मैरून मखमली टोपी को उतारा और फिर जल्दी से वापस पहन लिया, जिसे उसने दिखावटी ढंग से दाहिनी ओर रखा हुआ था; उससे सुनहरे बालों की तीन लटें निकली हुई थीं, जो उसके सिर के पीछे से शुरू होकर उसकी गंजी खोपड़ी को घेरे हुए थीं।

उसे बैठने के लिए सीट देने के बाद, वह नाश्ता करने बैठ गया और अपनी असभ्यता के लिए बार-बार माफी मांगने लगा।

“महाशय,” उसने कहा, “मैं आपसे कुछ पूछना चाहती हूँ…”

“क्या, महोदया? मैं सुन रहा हूँ।”

उसने अपनी स्थिति का वर्णन करना शुरू किया।

मैत्रे गुइलाउमिन को इसकी जानकारी थी, क्योंकि उनका कपड़े के व्यापारी के साथ एक गुप्त संबंध था, जिससे वह नियमित रूप से उन बंधक ऋणों के लिए पूंजी प्राप्त करते थे जिन्हें उन्हें अनुबंधित करने के लिए कहा जाता था।

इसलिए वह (उससे भी बेहतर) उन नोटों के लंबे इतिहास को जानता था, जो शुरू में बहुत छोटे थे, जिन पर विभिन्न दाताओं के नाम अंकित थे, जिनकी देय तिथियां लंबे अंतराल पर थीं और जिन्हें लगातार नवीनीकृत किया जाता था, जब तक कि एक दिन व्यापारी ने सभी गैर-भुगतान संबंधी मुकदमों को इकट्ठा करके अपने मित्र विन्सार्ट को अपने नाम से आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का जिम्मा सौंप दिया, क्योंकि वह अपने साथी ग्रामीणों द्वारा राक्षस के रूप में नहीं देखा जाना चाहता था।

उसने अपनी कहानी में ल्यूरेक्स के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा दी, जिनका जवाब नोटरी ने बीच-बीच में अर्थहीन शब्दों से दिया। अपना कटलेट खाते और चाय पीते हुए, उसने अपनी ठुड्डी को अपनी आसमानी नीली टाई में झुका लिया, जिसमें एक छोटी सोने की चेन से जुड़े दो हीरे के पिन जड़े थे; और वह एक अनोखी, बनावटी और अस्पष्ट मुस्कान लिए मुस्कुरा रहा था। लेकिन यह देखकर कि उसके पैर गीले थे:

"चूल्हे के और करीब आ जाइए... उन्हें थोड़ा ऊपर रखिए... चीनी मिट्टी के बर्तन के सामने।"

उसे इसे गंदा करने का डर था। नोटरी ने बड़े ही विनम्र भाव से अपनी बात जारी रखी:

"सुंदर चीजें कभी नुकसान नहीं पहुंचातीं।"

फिर उसने उसे सहानुभूति दिलाने की कोशिश की और खुद भी भावुक होकर उसे अपने घर की तंग आमदनी, अपनी परेशानियों और अपनी ज़रूरतों के बारे में बताया। वह समझ गया—कितनी शालीन महिला!—और अपना खाना रोके बिना ही वह उसकी ओर मुड़ गया, जिससे उसका घुटना उसके जूते से छू गया, जिसका तलवा चूल्हे पर मुड़ा हुआ था और उससे भाप निकल रही थी।

लेकिन जब उसने उससे एक हजार इक्कु मांगे, तो उसने अपने होंठ भींच लिए, फिर कहा कि उसे बहुत अफसोस है कि उसने पहले उसकी पूंजी का प्रबंधन नहीं किया, क्योंकि एक महिला के लिए भी अपनी संपत्ति बढ़ाने के सौ आसान तरीके थे। ग्रुमेस्निल के दलदली इलाकों या ले हावरे के आसपास की भूमि में, कोई भी बेहतरीन निवेश कर सकता था, लगभग निश्चित लाभ के साथ; और उसने उसे उन अविश्वसनीय रकमों के बारे में सोचकर क्रोधित होने दिया जो वह निश्चित रूप से कमा सकती थी।

उन्होंने आगे कहा, "ऐसा कैसे हुआ कि तुम कभी मेरे पास नहीं आए?"

“मुझे सच में नहीं पता,” उसने कहा।

“क्यों? हैं? … क्या तुम मुझसे डरती थी? शिकायत तो मुझे करनी चाहिए! हम एक-दूसरे को ठीक से जानते भी नहीं! फिर भी मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ; मुझे उम्मीद है कि अब तुम्हें इस बात पर कोई शक नहीं होगा?” उसने अपना हाथ बढ़ाया, उसका हाथ पकड़ा, उस पर एक लालची चुंबन दिया, फिर उसे अपने घुटने पर रख लिया; और उसने उसकी उंगलियों से कोमल भाव से खेलते हुए, उसके लिए हजारों मीठी बातें फुसफुसाईं। उसकी भावहीन आवाज़ बहती हुई नदी की तरह फुसफुसाती रही; उसके चश्मे के चमकदार लेंस से उसकी आँख में एक चमक सी झलकी; और उसके हाथ एम्मा की आस्तीन के अंदर चले गए, उसकी बांह को सहलाने लगे। उसके गाल पर उसकी अनियमित साँसों का स्पर्श महसूस हुआ। वह आदमी उसे बुरी तरह परेशान कर रहा था। वह झट से खड़ी हो गई और बोली:

“महाशय, मैं प्रतीक्षा कर रहा हूँ!”

"किसलिए?" नोटरी अचानक बेहद पीला पड़ते हुए चिल्लाया।

"धन!"

"लेकिन …"

फिर, प्रबल इच्छा के आवेग के आगे झुकते हुए:

“हाँ, ठीक है!…”

वह अपने ड्रेसिंग गाउन की परवाह किए बिना, घुटनों के बल रेंगते हुए उसकी ओर बढ़ रहा था।

हे भगवान! मत जाओ! मैं तुमसे प्यार करता हूँ!

उसने उसकी कमर पकड़ ली।

मैडम बोवरी के चेहरे पर लालिमा की बाढ़ सी आ गई। वह भयानक चेहरे के साथ पीछे हट गई और रो पड़ी:

"महाशय, मेरी पीड़ा का फायदा उठाना आपकी बेशर्मी है! मुझ पर दया की पात्र हूँ, लेकिन मैं बिकने वाली नहीं हूँ!"

और वह बाहर चली गई।

नोटरी बिल्कुल अचंभित रह गया, उसकी निगाहें अपनी खूबसूरत कालीन की चप्पलों पर टिकी हुई थीं। ये चप्पलें उसे उसके प्रेमी ने उपहार में दी थीं। उन्हें देखकर उसे आखिरकार सुकून मिला। वैसे भी, वह सोच रहा था, ऐसा साहसिक कार्य उसे बहुत दूर ले जाता।

“कितना नीच है! कितना गंवार है! … कितना घिनौना काम है!” वह मन ही मन कह रही थी, सड़क के किनारे लगे एस्पेन पेड़ों के नीचे से तेज़ी से भागते हुए। अपनी असफलता से मिली निराशा ने उसकी लज्जा के अपमान के प्रति उसके आक्रोश को और बढ़ा दिया था; उसे लग रहा था मानो ईश्वर उसका निर्दयता से पीछा कर रहा

हो, और इस विचार से अहंकार से भर कर उसने कभी भी अपने लिए इतना सम्मान और दूसरों के लिए इतनी घृणा महसूस नहीं की थी। कोई लड़ने की भावना उसे प्रेरित कर रही थी। वह सभी पुरुषों पर प्रहार करना चाहती थी, उनके चेहरों पर थूकना चाहती थी, उन सभी को कुचल देना चाहती थी; और वह तेज़ी से सीधी चलती रही, पीली पड़ी हुई, कांपती हुई, क्रोधित, आँसू भरी आँखों से खाली क्षितिज को निहारती हुई, मानो उस घृणा में मग्न हो जो उसे घुटन दे रही थी।

जब उसकी नज़र अपने घर पर पड़ी, तो वह अचानक सुन्न पड़ गई। वह आगे नहीं जा सकती थी; फिर भी उसे जाना ही था; इसके अलावा, वह भागकर कहाँ जाती?

फेलिसिटे दरवाजे पर उसका इंतजार कर रही थी।

"कुंआ?"

“नहीं!” एम्मा ने कहा।

और पंद्रह मिनट तक, उन दोनों ने योनविले के उन विभिन्न लोगों के बारे में चर्चा की जो उसकी मदद करने के लिए तैयार हो सकते थे। लेकिन हर बार जब फेलिसिटे किसी का नाम लेती, तो एम्मा जवाब देती:

“असंभव! वे ऐसा नहीं करेंगे!”

और महाशय घर लौट रहे हैं!

मुझे पता है, मुझे पता है... मुझे अकेला छोड़ दो, मैं अकेला रहना चाहता हूँ।

उसने हर संभव कोशिश कर ली थी। अब कुछ भी बाकी नहीं बचा था; और इसलिए जब चार्ल्स प्रकट हुआ, तो वह उससे कहने वाली थी:

“बाहर जाओ। जिस कालीन पर तुम चल रहे हो, वह अब हमारा नहीं है। तुम्हारे घर में अब कोई भी चीज़ तुम्हारी नहीं है, न फर्नीचर का एक टुकड़ा, न पिन, न तिनका, और मैंने ही तुम्हें बर्बाद किया है, बेचारे!”

फिर वह जोर-जोर से सिसकता, फिर रोता रहता, और अंत में, जब उसका आश्चर्य समाप्त हो जाता, तो वह उसे माफ कर देता।

“हाँ,” उसने दांत भींचते हुए बुदबुदाया, “वह मुझे माफ कर देगा। वह! —जबकि अगर वह मुझे दस लाख भी दे दे तो भी मैं उसे मुझे जानने के लिए माफ नहीं करूँगी… कभी नहीं! कभी नहीं!”

बोवरी की श्रेष्ठता का विचार उसे क्रोधित कर रहा था। और चाहे वह कबूल करे या न करे, उसे किसी भी क्षण, जल्द ही, कल तक इस विपत्ति के बारे में पता चल जाएगा; इसलिए, उसे उस भयानक दृश्य का इंतजार करना होगा और उसकी उदारता का बोझ सहना होगा। उसे ल्यूरेक्स की दुकान पर लौटने की इच्छा हुई: क्या फायदा? अपने पिता को पत्र लिखने का क्या फायदा? बहुत देर हो चुकी थी। और शायद अब उसे पछतावा हो रहा था

कि उसने दूसरे आदमी के सामने हार क्यों नहीं मानी, तभी उसने गली में घोड़े के दौड़ने की आवाज सुनी। वह वही था, वह गेट खोल रहा था, उसका रंग प्लास्टर की दीवार से भी पीला था। सीढ़ियों से नीचे भागते हुए, वह चौक से होकर निकल गई; और महापौर की पत्नी, जो चर्च के सामने लेस्टिबूडोइस से बात कर रही थी, ने उसे कर संग्रहकर्ता के घर में जाते हुए देखा।

मैडम तुवाचे मैडम कैरन को बताने के लिए जल्दी से चली गईं। दोनों महिलाएं अटारी में गईं; और, सुखाने वाले रैक पर बिछाए गए कुछ लिनेन की आड़ में, वे आराम से ऐसी जगह बैठ गईं जहाँ से वे बिनेट के घर का पूरा अंदरूनी हिस्सा देख सकें।

वह अपने अटारी वाले कमरे में अकेला था, लकड़ी पर एक ऐसी हाथीदांत की कलाकृति की नकल करने में व्यस्त था जिसका वर्णन करना असंभव था, जो अर्धचंद्र और गोलों से बनी थी, एक के अंदर एक खुदी हुई, पूरी कलाकृति एक ओबिलिस्क की तरह खड़ी थी और किसी काम की नहीं थी; और वह बस आखिरी हिस्से को काट रहा था, वह अंत तक पहुँच रहा था! उसकी कार्यशाला के प्रकाश और छाया के बीच, उसके औजारों से सुनहरी धूल ऐसे उड़ रही थी जैसे सरपट दौड़ते घोड़े के लोहे के जूतों के नीचे चिंगारियों का गुच्छा; दोनों पहिए घूम रहे थे, भिनभिना रहे थे; बिनेट मुस्कुरा रहा था, उसकी ठुड्डी झुकी हुई थी, उसके नथुने चौड़े थे; और वह उस पूर्ण आनंद की अवस्था में खोया हुआ प्रतीत हो रहा था, जो संभवतः केवल एक साधारण काम से ही प्राप्त होता है जो मन को आसान चुनौतियों से मनोरंजन देता है और उसे ऐसी सफलता से संतुष्ट करता है जिसके आगे आकांक्षा करने के लिए कुछ भी नहीं बचता।

“आह! वह रही!” मैडम तुवाचे ने कहा।

लेकिन खराद मशीन की वजह से उसकी बातें सुनना लगभग असंभव था।

अंततः, महिलाओं को लगा कि वे "फ्रैंक" शब्द को पहचान सकती हैं, और मेरे तुवाचे ने बहुत धीमी सांस ली:

वह उनसे अपने टैक्स चुकाने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध कर रही है।

“ऐसा ही लगता है!” दूसरे ने कहा।

उन्होंने उसे इधर-उधर टहलते हुए, दीवारों पर प्रदर्शित नैपकिन रिंग, कैंडलस्टिक और रेलिंग के नॉब का निरीक्षण करते हुए देखा, जबकि बिनेट संतुष्टि से अपनी दाढ़ी सहला रहा था।

"क्या वह उससे कुछ खरीदने आई है?" मैडम तुवाचे ने पूछा।

“लेकिन वह तो कभी कुछ बेचता ही नहीं!” उसकी पड़ोसी ने आपत्ति जताई।

नोटरी मानो सुन रहा था, साथ ही साथ अपनी आँखें चौड़ी कर रहा था जैसे उसे कुछ समझ न आया हो। वह बोलती रही, उसका लहजा स्नेहपूर्ण और विनती भरा था। वह उसके करीब आई; उसकी छाती ऊपर-नीचे हो रही थी; अब वे बात नहीं कर रहे थे।

“क्या वह उससे संबंध बनाने की कोशिश कर रही है?” मैडम तुवाचे ने पूछा।

बिनेट का चेहरा शर्म से लाल हो गया था। उसने उसके हाथ पकड़ लिए।

“अरे! ये तो बहुत ज्यादा है!”

और इसमें कोई संदेह नहीं कि वह कुछ शर्मनाक प्रस्ताव रख रही थी; क्योंकि कर संग्रहकर्ता—यद्यपि वह एक बहादुर व्यक्ति था, उसने बौत्ज़ेन और लुत्ज़ेन की लड़ाइयों में भाग लिया था, फ्रांसीसी अभियान में हिस्सा लिया था, और यहाँ तक कि उसे लीजन ऑफ ऑनर के लिए भी नामांकित किया गया था—अचानक उससे काफी पीछे हट गया, मानो उसने कोई साँप देख लिया हो, और चिल्लाया:

“महामहिम! आप क्या सोच रही हैं?…”

“ऐसी महिलाओं को कोड़े मारने चाहिए!” मैडम तुवाचे ने कहा।

“अब वह कहाँ है?” मैडम कैरन ने कहा।

क्योंकि जब वे बात कर रहे थे तभी वह गायब हो गई थी; फिर उन्होंने उसे ग्रांडे-रू से नीचे जाते और दाहिनी ओर मुड़ते हुए देखा, मानो वह कब्रिस्तान की ओर जा रही हो, और वे अटकलों में खो गए।

जब वह धाय के घर पहुंची तो उसने कहा, "मेरी रोलेट, मैं सांस नहीं ले पा रही हूँ! ... मेरे जूतों के फीते खोल दो।"

वह बिस्तर पर गिर पड़ी; वह सिसक रही थी। मेरी रोलेट ने उसे पेटीकोट से ढक दिया और उसके पास खड़ी रही। फिर, जब उसने कोई जवाब नहीं दिया, तो वह महिला वहाँ से हट गई, अपना चरखा उठाया और सन कातने लगी।

“ओह! इसे बंद करो!” उसने बुदबुदाते हुए कहा, उसे लगा कि उसने बिनेट की खराद मशीन की आवाज सुनी है।

“उसे क्या परेशानी है?” नर्स ने सोचा। “वह यहाँ क्यों आई है?”

वह वहां एक ऐसे भय से विवश होकर पहुंची थी, जिसने उसे अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया था।

पीठ के बल लेटी, बेसुध, आँखें गड़ाए, वह चीजों को धुंधला ही देख पा रही थी, हालाँकि वह बेतुकी लगन से उन पर ध्यान केंद्रित कर रही थी। वह दीवारों पर गिरे प्लास्टर के टुकड़ों, दो जलती हुई लकड़ियों को, और अपने सिर के ऊपर बीम की दरार में चलती एक बड़ी मकड़ी को घूर रही थी। आखिरकार उसने अपने विचारों को समेटा। उसे याद आया… एक दिन, लियोन के साथ… ओह, कितना दूर का समय था!… नदी पर सूरज चमक

रहा था, और क्लेमाटिस की खुशबू मनमोहक थी... फिर, जैसे किसी उफनती धारा में बहते हुए, उसे बीते दिन की याद आ गई।

“कितने बजे हैं?” उसने पूछा।

मेरे रोलेट बाहर गईं, अपने दाहिने हाथ की उंगलियों को आकाश के सबसे चमकीले हिस्से की ओर उठाया और धीरे-धीरे अंदर आकर बोलीं:

"लगभग तीन बज रहे हैं।"

“ओह! धन्यवाद, धन्यवाद!”

वह ज़रूर आएगा। उसे पूरा यकीन था! वह कुछ पैसे लेकर आएगा। लेकिन शायद वह बिना शक किए उसके घर चला जाए कि वह यहाँ है; इसलिए उसने नर्स को अपने घर जाकर उसे लाने का आदेश दिया।

"जल्दी करो!"

लेकिन मेरी प्रिय महिला, मैं जा रहा हूँ! मैं जा रहा हूँ!

अब उसे आश्चर्य हो रहा था कि उसने तुरंत उसके बारे में क्यों नहीं सोचा; कल उसने वचन दिया था कि वह उसे नहीं तोड़ेगा; और वह पहले से ही खुद को ल्यूरेक्स के घर पर, उसकी मेज पर तीन नोट फैलाते हुए देख रही थी। फिर उसे बोवरी को समझाने के लिए एक कहानी गढ़नी पड़ेगी। वह कहानी क्या होगी?

इस बीच, नर्स को लौटने में बहुत देर लग रही थी। लेकिन चूंकि कुटिया में कोई घड़ी नहीं थी, एम्मा को डर था कि कहीं वह बीते हुए समय को बढ़ा-चढ़ाकर तो नहीं बता रही है। वह धीरे-धीरे बगीचे में चक्कर लगाने लगी; वह बाड़ के किनारे वाले रास्ते से गई और जल्दी लौट आई, इस उम्मीद में कि शायद वह महिला किसी और रास्ते से घर आई हो। आखिरकार, इंतज़ार करते-करते थककर, मन में उठ रहे संदेहों से घिरी हुई, यह न जानते हुए कि वह वहां सौ साल से है या एक मिनट से, वह एक कोने में बैठ गई और अपनी आँखें बंद कर लीं और कान बंद कर लिए। गेट चरमराया: वह उछल पड़ी; इससे पहले कि वह कुछ बोल पाती, मेरी रोलेट ने कहा:

तुम्हारे घर पर कोई नहीं है!

"क्या?"

“नहीं! कोई नहीं! और महाशय रो रहे हैं। वे आपको बुला रहे हैं। वे आपको ढूंढ रहे हैं।”

एम्मा ने कोई जवाब नहीं दिया। वह ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रही थी और चारों ओर बेतहाशा घूर रही थी, जबकि गाँव की महिला, उसका चेहरा देखकर डर गई और सहज रूप से पीछे हट रही थी, यह सोचकर कि वह पागल है। अचानक उसने अपना माथा पीटा और चीख पड़ी, क्योंकि रोडोल्फ़ की याद, अंधेरी रात में बिजली की तेज़ चमक की तरह, उसके दिमाग में कौंध गई थी। वह कितना अच्छा, कितना संवेदनशील, कितना उदार था! और

इसके अलावा, अगर वह उसकी यह सेवा करने में हिचकिचाता, तो वह अच्छी तरह जानती थी कि कैसे उसे मजबूर करना है, बस एक नज़र से, उनके खोए हुए प्यार की याद दिलाकर। इसलिए वह ला हुशेट की ओर चल पड़ी, इस बात से बिल्कुल अनजान कि वह उसी चीज़ के आगे झुकने की जल्दी कर रही थी जिसने कुछ ही देर पहले उसे इतना क्रोधित किया था, और उसे ज़रा भी शक नहीं था कि वह खुद को बेच रही है।

[8]

चलते-चलते उसने खुद से पूछा: “मैं क्या कहूँगी? कहाँ से शुरू करूँ?” और जैसे-जैसे वह करीब आती गई, उसने झाड़ियों, पेड़ों, पहाड़ी पर उगी काँटेदार झाड़ियों और दूर स्थित महल को पहचान लिया। उसे एक बार फिर अपने पहले प्यार की अनुभूति होने लगी और उसका कोमल हृदय स्नेह से भर उठा। उसके चेहरे पर गर्म हवा चल रही थी; पिघलती बर्फ कलियों से बूंद-बूंद करके घास पर गिर रही थी।

वह हमेशा की तरह छोटे से फाटक से पार्क में दाखिल हुई, फिर मुख्य आंगन में आई, जिसके चारों ओर घनी पत्तियों वाले चूने के पेड़ों की दोहरी कतार थी। उनकी शाखाएँ लहरा रही थीं और सीटी जैसी आवाज़ कर रही थीं। कुत्तेघर में मौजूद सभी कुत्ते भौंकने लगे, और उनकी आवाज़ों का शोर गूंजता रहा, लेकिन कोई दिखाई नहीं दिया।

वह लकड़ी की रेलिंग वाली चौड़ी, सीधी सीढ़ियों से ऊपर चढ़ी, जो धूल भरी पत्थरों से बने गलियारे में खुलती थीं, जहाँ कई शयनकक्ष एक के बाद एक खुलते थे, मानो किसी मठ या सराय में हों। उसका कमरा सबसे पीछे, बाईं ओर था। जैसे ही उसने कुंडी पर उंगलियां रखीं, उसकी सारी ताकत अचानक जवाब दे गई। उसे डर था कि वह वहाँ नहीं होगा, लगभग यही चाहती थी कि वह न हो, फिर भी यही उसकी एकमात्र आशा थी, मुक्ति का उसका आखिरी मौका। उसने एक पल के लिए खुद को संभाला, और फिर, वर्तमान आवश्यकता को समझते हुए, अपने संकल्प को मजबूत करते हुए, वह अंदर चली गई।

वह आग के सामने बैठा था, उसके पैर शेल्फ पर टिके थे और वह पाइप पी रहा था।

"अरे, तुम हो!" वह अचानक खड़े होते हुए बोला।

“हां, मैं ही हूँ! … रोडोल्फ, मुझे आपकी सलाह चाहिए।”

और तमाम कोशिशों के बावजूद, उसके लिए अपने दांतों को खोलना नामुमकिन था।

“तुम बिलकुल नहीं बदले, तुम पहले की तरह ही आकर्षक हो!”

“ओह—मेरी खूबसूरती!” उसने कड़वाहट से कहा। “मेरे प्यारे दोस्त, ये तो काफी दयनीय ही होंगे, क्योंकि तुमने इन्हें ठुकरा दिया।”

फिर उसने अपने व्यवहार की व्याख्या शुरू की, और अस्पष्ट शब्दों में खुद को सही ठहराने की कोशिश की, क्योंकि वह इससे बेहतर कुछ सोच नहीं सकता था।

वह उसके शब्दों से, उससे भी अधिक उसकी आवाज से और उसके हावभाव से इतनी प्रभावित हो गई कि उसने दिखावा किया कि वह उस बहाने पर विश्वास करती है, या शायद वास्तव में विश्वास करती है, जो उसने उनके

बीच संबंध तोड़ने के लिए दिया था: यह एक ऐसा रहस्य था जिस पर किसी तीसरे व्यक्ति का सम्मान और यहां तक कि जीवन भी निर्भर था।

“कोई बात नहीं!” उसने उदास होकर उसकी ओर देखते हुए कहा। “मैंने बहुत कष्ट सहा है!”

उन्होंने दार्शनिक लहजे में उत्तर दिया:

जीवन ऐसा ही है!

एम्मा ने आगे पूछा, "क्या अलग होने के बाद से कम से कम तुम्हारे लिए सब कुछ ठीक रहा है?"

“ओह! न अच्छा… न बुरा…”

"शायद बेहतर होता अगर हम कभी एक-दूसरे से अलग न हुए होते।"

“हाँ… शायद!”

“क्या आपको ऐसा लगता है?” उसने उसके करीब आते हुए कहा।

और उसने आह भरी:

“ओह, रोडोल्फ! काश तुम्हें पता होता! … मैं तुमसे बहुत प्यार करती थी!”

तभी उसने उसका हाथ थाम लिया, और वे कुछ देर तक अपनी उंगलियों को एक दूसरे में फंसाए रहे—ठीक वैसे ही जैसे पहले दिन कृषि मेले में हुआ था! गर्व के कारण वह अपनी कोमल भावनाओं से जूझ रहा था। लेकिन, उसकी छाती से लगकर उसने उससे कहा:

“तुम मुझसे तुम्हारे बिना जीने की उम्मीद कैसे कर सकते थे? खुश रहने की आदत तो टूटती नहीं, तुम्हें पता है! मैं बहुत परेशान थी! मुझे लगा मैं मर जाऊंगी! मैं तुम्हें सब बताऊंगी; तुम्हें पता चल जाएगा कि क्या हुआ था। और तुम... तुम मुझसे दूर रहे! ..."

क्योंकि वास्तव में उसने पिछले तीन वर्षों से, पुरुषों की स्वाभाविक कायरता के कारण, उससे सावधानीपूर्वक दूरी बनाए रखी थी; और एम्मा अपने सिर के मनमोहक छोटे-छोटे इशारों के साथ आगे बढ़ती रही, जो एक प्रेम में डूबी बिल्ली से भी अधिक आकर्षक थे:

“तुमने दूसरी महिलाओं से प्रेम किया है, मान लो। ओह, मैं उन्हें समझती हूँ! मैं उन्हें माफ़ करती हूँ; शायद तुमने उन्हें भी उसी तरह बहकाया होगा, जैसे मुझे। तुम एक मर्द हो! तुम्हारी हर बात किसी भी औरत को तुमसे प्यार करने पर मजबूर कर देगी। लेकिन हम दोनों फिर से शुरुआत करेंगे, है ना? हम एक-दूसरे से प्यार करेंगे! देखो, मैं हँस रही हूँ, मैं खुश हूँ! … कुछ तो बोलो ना?”

और वह देखने में बेहद मनमोहक थी, उसकी आंख में एक आंसू ऐसे कांप रहा था जैसे किसी फूल के नीले प्याले में बारिश का पानी बह रहा हो।

उसने उसे अपनी गोद में बिठा लिया और अपने हाथ के पिछले हिस्से से उसके मुलायम बालों को सहलाया, जहाँ शाम की हल्की रोशनी में सूरज की आखिरी किरण सोने के तीर की तरह चमक रही थी। उसने अपना सिर झुकाया; अंत में उसने अपने होठों की नोक से उसकी पलकों पर बहुत धीरे से चुंबन किया।

“लेकिन तुम रो रही हो!” उसने कहा। “क्यों?”

वह फूट-फूटकर रोने लगी। रोडोल्फ ने सोचा कि यह उसके प्रेम की तीव्रता के कारण है; जब उसने कुछ नहीं कहा, तो उसने उस चुप्पी को अंतिम विनम्रता की भावना समझा और वह चिल्ला उठा:

“अरे, मुझे माफ़ कर दो! तुम ही हो जिसकी मुझे परवाह है। मैं मूर्ख और दुष्ट था! मैं तुमसे प्यार करता हूँ, हमेशा करता रहूँगा! … क्या बात है? कृपया मुझे बताओ!”

वह घुटनों के बल बैठा था।

“अच्छा, तो फिर… मैं बर्बाद हो गया, रोडोल्फ! तुम्हें मुझे तीन हजार फ्रैंक उधार देने होंगे!”

“लेकिन… लेकिन…,” उसने धीरे-धीरे उठते हुए कहा, उसके चेहरे पर एक गंभीर भाव आ गया।

“आपको पता है,” वह जल्दी से बोली, “मेरे पति ने अपनी सारी संपत्ति एक नोटरी के पास रख दी थी; वह भाग गया। हमने कर्ज लिया; मरीज भुगतान नहीं कर रहे थे। दरअसल, संपत्ति का बंटवारा अभी तक नहीं हुआ है; हमें बाद में कुछ मिलेगा। लेकिन आज, क्योंकि हमारे पास तीन हजार फ्रैंक नहीं हैं, वे हमारी चीजों पर कब्जा कर रहे हैं; यह अभी इसी वक्त हो रहा है; और इसलिए, आपकी मित्रता पर भरोसा करते हुए, मैं आपके पास आई हूँ।”

“आह!” रोडोल्फ ने सोचा, अचानक उसका चेहरा पीला पड़ गया। “इसीलिए तो वह आई थी!”

अंत में उन्होंने शांत भाव से कहा:

"मेरे पास यह नहीं है, प्रिय महोदया।"

वह झूठ नहीं बोल रहा था। अगर उसके पास होता, तो शायद वह दे देता, हालाँकि इस तरह के आकर्षक इशारे करना आमतौर पर अप्रिय होता है: प्रेम पर आने वाले सभी तूफानों में से, पैसे की माँग करना सबसे ठंडा और सबसे गहरा विनाशकारी होता है।

पहले तो वह काफी देर तक उसे घूरती रही।

“तुम्हारे पास यह नहीं है!”

उसने यह बात कई बार दोहराई:

“तुममें वो बात नहीं है! … मुझे खुद को इस आखिरी अपमान से बचा लेना चाहिए था। तुमने मुझसे कभी प्यार नहीं किया! तुम बाकियों से बेहतर नहीं हो!”

वह खुद को ही खो रही थी, वह खुद को ही बर्बाद कर रही थी।

रोडोल्फ ने बीच में दखल देते हुए कहा कि वह खुद भी "कठिनाई" में है।

“ओह, मुझे आपके लिए बहुत दुख हो रहा है!” एम्मा ने कहा। “मुझे आपके लिए बहुत दुख हो रहा है!…”

और, उसकी नजर हथियारों के प्रदर्शन में चमकती हुई दमिश्क की नक्काशीदार राइफल पर पड़ी:

“लेकिन जब आप इतने गरीब होते हैं, तो आप अपनी राइफल के बट पर चांदी नहीं लगाते! आप कछुए की खोल की जड़ाई वाली घड़ी नहीं खरीदते!” उसने बाउल घड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा। “या अपने चाबुक के लिए चांदी की सीटी”—उसने उन्हें छुआ—“या अपनी घड़ी की चेन के लिए घड़ी के लॉकेट! अरे! उसके पास किसी चीज की कमी नहीं है! उसके बेडरूम में तो शराब रखने का स्टैंड भी है; क्योंकि आप खुद को लाड़-प्यार करते हैं, आप अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपके पास महल है, खेत हैं, जंगल हैं; आप शिकार करते हैं, आप पेरिस की यात्रा करते हैं… अरे! ये भी—” उसने शेल्फ से उसके कफ़लिंक उठाते हुए कहा, “आपकी ये सबसे छोटी बेवकूफी भरी चीजें भी!—पैसे में बदली जा सकती हैं! … अरे! लेकिन मुझे ये नहीं चाहिए!—इन्हें अपने पास रखो!”

और उसने अपने कफ़लिंक्स को फेंक दिया, दीवार से टकराते ही उनकी सोने की चेन टूट गई।

“लेकिन मैं—मैं तुम्हें सब कुछ दे देती, मैं सब कुछ बेच देती, मैं अपने हाथों से काम करती, मैं सड़क किनारे भीख मांगती, एक मुस्कान के लिए, एक नज़र के लिए, बस तुम्हारे मुंह से ‘धन्यवाद!’ सुनने के लिए। और तुम चुपचाप अपनी कुर्सी पर बैठी हो, मानो तुमने मुझे पहले ही काफी दुख न दिया हो? तुम्हारे बिना, तुम अच्छी तरह जानती हो, मैं खुश रह सकती थी! तुमने ऐसा क्यों किया? क्या यह कोई शर्त थी? फिर भी तुम मुझसे प्यार करती थी, तुम ऐसा कहा करती थी… और अभी तुमने फिर से कहा… आह! मुझे बाहर निकाल देना तुम्हारे लिए बेहतर होता! मेरे हाथ अभी भी तुम्हारे चुम्बनों से गर्म हैं, और यही वह जगह है, कालीन पर, जहाँ तुम मेरे घुटनों पर बैठी थी और कसम खाई थी कि तुम मुझसे हमेशा प्यार करोगी। तुमने मुझे इस पर विश्वास दिलाया: दो साल तक, तुमने मुझे सबसे शानदार, सबसे मीठे सपनों में बहलाया! … ओह, हाँ! और हमारे दूर जाने की योजनाएँ, क्या तुम्हें याद हैं? ओह, तुम्हारा पत्र! तुम्हारे पत्र ने मेरे दिल को टुकड़े-टुकड़े कर दिया! … और फिर, जब मैं उसके पास वापस आती हूँ—और वह अमीर है, खुश है और आज़ाद है!—जब मैं उससे मदद की भीख मांगती हूँ, ऐसी मदद जो दुनिया का कोई भी इंसान दे देगा, जब मैं भीख मांगते हुए, अपना सारा प्यार लेकर आती हूँ, तो वह मुझे ठुकरा देता है, क्योंकि इसमें उसे तीन हज़ार फ्रैंक खर्च करने पड़ेंगे!

“मेरे पास यह नहीं है!” रोडोल्फ ने उस पूर्ण शांति के साथ उत्तर दिया, जिसके साथ संयमित क्रोध एक ढाल की तरह खुद को ढक लेता है।

वह बाहर निकली। दीवारें कांप रही थीं, छत उसे कुचल रही थी; और वह लंबी सड़क पर वापस चलने लगी, हवा में बिखरते सूखे पत्तों के ढेरों पर लड़खड़ाती हुई। आखिरकार वह गेट के सामने खाई तक पहुंची; उसे खोलने की इतनी बेचैनी थी कि उसके नाखून कुंडी पर टूट गए। फिर, सौ कदम आगे जाकर, हांफते हुए, लगभग गिरते-गिरते, वह रुक गई। और मुड़कर, उसने एक बार फिर उस शांत महल को देखा, जिसमें उसका पार्क, उसके बगीचे, उसके तीन आंगन और उसके अग्रभाग की कई खिड़कियां थीं।

वह वहाँ स्तब्ध खड़ी थी, मानो किसी स्तब्धता में डूबी हो, उसे अपने आप का कोई आभास नहीं था सिवाय अपनी धमनियों की धड़कन के, जो उसे अपने से बाहर किसी बहरे कर देने वाले संगीत की तरह सुनाई दे रही थी। उसके पैरों के नीचे की धरती लहर से भी कोमल थी, और खेत की लकीरें उसे विशाल भूरी लहरों की तरह खुलती हुई प्रतीत हो रही थीं। उसके मन में समाई सारी यादें और विचार एक साथ, एक ही विस्फोट में, आतिशबाजी के हज़ार टुकड़ों की तरह बाहर निकल रहे थे। उसे अपने पिता, ल्यूरेक्स का कार्यालय, उनका पिछला कमरा, एक और परिदृश्य दिखाई दिया। पागलपन उस पर हावी हो रहा था; वह भयभीत हो गई और किसी तरह खुद को संभाल पाई, हालांकि उलझन में थी; क्योंकि उसे अपनी इस भयानक मानसिक स्थिति का कारण याद नहीं आ रहा था, यानी पैसे का सवाल। वह केवल अपने प्रेम के कारण पीड़ा सह रही थी, और उसे लग रहा था कि उसकी आत्मा उस प्रेम की यादों के कारण उससे विलीन हो रही है, ठीक वैसे ही जैसे घायल व्यक्ति अपनी अंतिम पीड़ा में अपने खून बहते घावों से जीवन को निकलते हुए महसूस करता है।

रात होने लगी थी, कौवे ऊपर उड़ रहे थे।

अचानक उसे ऐसा लगा मानो छोटी-छोटी लौ के रंग की गोलियाँ हवा में गोलियों की तरह फट रही हों, चपटी हो रही हों, बार-बार घूम रही हों, फिर पेड़ों की शाखाओं के बीच बर्फ पर पिघल रही हों। हर एक के केंद्र में रोडोल्फ का चेहरा दिखाई दे रहा था। वे बढ़ती जा रही थीं, आपस में मिल रही थीं, उसके भीतर समा रही थीं; सब कुछ गायब हो गया। उसने धुंध के बीच से दूर से चमकती हुई घरों की रोशनी को पहचाना।

अचानक उसकी स्थिति एक अथाह खाई की तरह उसके सामने प्रकट हो गई। वह इतनी हांफ रही थी मानो उसकी पसलियां टूट जाएंगी। फिर, वीरता के उस उमंग में, जो उसे लगभग आनंद से भर देता था, वह पहाड़ी से नीचे भागी, तख़्ते वाले पुल को पार किया, पगडंडी और गली से होते हुए बाज़ार को पार किया और अंत में फार्मासिस्ट की दुकान के सामने आ पहुंची।

वहाँ कोई नहीं था। वह अंदर जाने ही वाली थी कि दुकान की घंटी की आवाज़ सुनकर शायद कोई आ जाए; इसलिए, साँस रोककर, दीवारों का सहारा लेते हुए, वह चुपके से फाटक से अंदर घुस गई और रसोई के दरवाजे

तक पहुँची, जहाँ चूल्हे पर एक मोमबत्ती जल रही थी। जस्टिन, आस्तीन ऊपर किए, एक बर्तन बाहर ले जा रहा था।

“अरे! वे खाना खा रहे हैं। रुको।”

वह लौट आया। उसने खिड़की पर दस्तक दी। वह बाहर आया।

“चाबी! ऊपर वाले कमरे की चाबी, जहाँ…”

"क्या?"

और उसने उसकी ओर देखा, उसके चेहरे की पीली रंगत देखकर वह दंग रह गया, जो रात के काले अंधेरे में बिल्कुल सफेद दिख रही थी। वह उसे असाधारण रूप से सुंदर और किसी प्रेत की तरह राजसी लग रही थी; वह क्या चाहती है, यह समझे बिना ही उसे किसी भयानक घटना का पूर्वाभास हो गया।

लेकिन वह धीमी, कोमल और मधुर आवाज में जल्दी से बोलती रही:

मुझे यह चाहिए! मुझे दे दो।

दीवार पतली थी, और भोजन कक्ष में प्लेटों पर कांटों की खड़खड़ाहट सुनाई देती थी।

उसने दावा किया कि उसे कुछ चूहों को मारना था जो उसे सोने नहीं दे रहे थे।

मुझे महाशय को बता देना चाहिए।

नहीं! यहीं रहो!

फिर, सहज भाव से:

"अरे, इसमें समय बर्बाद करने की कोई ज़रूरत नहीं है, मैं उसे बाद में खुद बता दूँगा। चलो, मेरे लिए रास्ता रोशन करो!"

वह गलियारे में गई जहाँ प्रयोगशाला का दरवाजा खुलता था। दीवार पर एक चाबी लटकी हुई थी जिस पर कैफरनम लिखा हुआ था।

“जस्टिन!” अधीर होते जा रहे दवा विक्रेता ने चिल्लाकर कहा।

"चलो ऊपर जाओ!"

और वह उसके पीछे-पीछे गया।

ताले में चाबी घूमी और वह सीधे तीसरी शेल्फ पर गई, उसकी याददाश्त ने उसे इतनी अच्छी तरह से रास्ता दिखाया, उसने नीले जार को उठाया, उसका ढक्कन खींचा, अपना हाथ अंदर डाला और सफेद पाउडर से भरा हुआ हाथ बाहर निकालकर उसे खाने लगी।

“रुको!” वह चिल्लाया और खुद को उस पर फेंक दिया।

“चुप रहो! कोई आ सकता है…”

वह हताश था और चिल्लाना चाहता था।

“इस बारे में कुछ मत कहना। सारा दोष तुम्हारे मालिक पर आ जाएगा!”

फिर वह अचानक शांत और लगभग निर्मल अवस्था में आकर मुड़ गई, मानो उसने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया हो।

जब चार्ल्स, इस घटना की खबर सुनकर सदमे से टूटकर घर लौटा, तो एम्मा जा चुकी थी। वह चिल्लाया, रोया, बेहोश हो गया, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। वह कहाँ हो सकती है? उसने फेलिसिटे को होमेस के यहाँ, महाशय तुवाचे के यहाँ, ल्यूरेक्स के यहाँ, लायन डी'ओर के यहाँ, हर जगह भेजा; और जब उसका दुख थोड़ा कम हुआ, तो उसने देखा कि उसकी प्रतिष्ठा नष्ट हो गई है, उनकी सारी संपत्ति छिन गई है, बर्थे का भविष्य अंधकारमय हो गया है! इसका कारण क्या था? … एक शब्द भी नहीं! वह उस शाम छह बजे तक इंतजार करता रहा। आखिरकार, और सहन न कर पाने पर, और यह सोचकर कि वह रूएन चली गई होगी, वह सड़क पर निकल गया, आधा मील चला, किसी से नहीं मिला, थोड़ी देर और इंतजार किया, और वापस आ गया।

वह लौट आई थी।

“क्या हुआ? … क्यों? … मुझे समझाओ! …”

वह अपनी मेज पर बैठी और एक पत्र लिखा, जिसे उसने धीरे से सील किया और उस पर दिन की तारीख और समय लिखा। फिर उसने गंभीर स्वर में कहा:

“आप इसे कल पढ़ेंगे; तब तक, मैं आपसे विनती करता हूँ, मुझसे एक भी सवाल मत पूछिए! … नहीं, एक भी नहीं!”

"लेकिन …"

"अरे, मुझे अकेला छोड़ दो!"

और वह अपने बिस्तर पर पूरी तरह लेट गई।

उसके मुंह में कड़वापन महसूस होने से उसकी नींद खुल गई। उसने चार्ल्स को देखा और फिर से अपनी आँखें बंद कर लीं।

वह उत्सुकता से खुद को देख रही थी, यह जानने के लिए कि क्या उसे दर्द हो रहा है। लेकिन नहीं! अभी तक कुछ भी नहीं। उसे घड़ी की टिक-टिक, आग की आवाज़ और चार्ल्स की साँसें सुनाई दे रही थीं, जो उसके बिस्तर के पास खड़ा था।

“अरे! ये तो बहुत छोटी सी बात है—मौत!” उसने सोचा; “मैं सो जाऊंगी, और सब कुछ खत्म हो जाएगा!”

उसने एक घूंट पानी पिया और दीवार की ओर मुड़ गई।

स्याही का वह घिनौना स्वाद बना रहा।

“मुझे प्यास लगी है! … ओह, मुझे बहुत प्यास लगी है!” उसने आह भरते हुए कहा।

"तुम्हें क्या हुआ है?" चार्ल्स ने उससे कहा, जो उसे एक गिलास दे रहा था।

“कुछ नहीं! …खिड़की खोलो … मेरा दम घुट रहा है!”

और उसे अचानक इतनी तेज मतली हुई कि उसे तकिए के नीचे से अपना रूमाल निकालने का भी समय नहीं मिला।

“इसे ले जाओ!” उसने झट से कहा। “इसे फेंक दो!”

उसने उससे सवाल किया; उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह चुपचाप बैठी रही, इस डर से कि जरा सी हलचल से उसे उल्टी हो जाएगी। इसी बीच, उसे अपने पैरों से लेकर दिल तक एक बर्फीली ठंड महसूस होने लगी।

“आह! अब शुरू हो रहा है!” उसने धीरे से कहा।

"क्या कहा आपने?"

वह पीड़ा से भरी कोमल गति से अपना सिर इधर-उधर घुमा रही थी, साथ ही बार-बार अपने जबड़े खोल रही थी, मानो उसकी जीभ पर कोई बहुत भारी चीज़ दबी हो। आठ बजे, उल्टी फिर से शुरू हो गई।

चार्ल्स ने देखा कि बेसिन के तल में एक प्रकार की सफेद बजरी थी जो चीनी मिट्टी के बर्तन की दीवारों से चिपकी हुई थी।

“कितना असाधारण! कितना अनोखा!” वह बार-बार यही कहता रहा।

लेकिन उसने जोर से कहा:

नहीं। आप गलत हैं!

फिर, कोमलता से, लगभग प्यार से, उसने अपना हाथ उसके पेट पर फेरा। वह चीख पड़ी। वह घबराकर पीछे हट गया।

फिर वह धीरे-धीरे कराहने लगी, पहले तो धीमी आवाज़ में। उसके कंधे ज़ोर से कांप उठे और उसका चेहरा उस चादर से भी ज़्यादा पीला पड़ गया जिसमें उसकी मुट्ठी बंद उंगलियां दबी हुई थीं। उसकी अनियमित नब्ज़ अब लगभग महसूस ही नहीं हो रही थी।

उसके चेहरे पर पसीने की बूँदें उभरी हुई थीं, चेहरा नीला पड़ गया था और लगभग अकड़ा हुआ था, मानो किसी धातुई वाष्प के निकलने से जम गया हो। उसके दाँत किटकिटा रहे थे, उसकी फैली हुई आँखें इधर-उधर देख रही थीं, और हर सवाल का उसका एकमात्र जवाब सिर को आगे-पीछे हिलाना था; वह दो-तीन बार

मुस्कुराई भी। धीरे-धीरे उसकी कराहें तेज़ होती गईं। एक दबी हुई चीख उसके मुँह से निकली; उसने कहा कि वह बेहतर महसूस कर रही है और जल्द ही उठ जाएगी। लेकिन उसे ऐंठन होने लगी; वह चिल्लाई:

“अरे! ये तो बहुत बुरा है। हे भगवान!”

वह उसके बिस्तर के पास घुटनों के बल बैठ गया।

“मुझसे बात करो! तुमने क्या खाया? भगवान के नाम पर जवाब दो!”

और उसने उसे ऐसी प्रेम भरी निगाहों से देखा जो उसने पहले कभी नहीं देखी थी।

“अच्छा… वहाँ… उधर!…” उसने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा।

वह मेज की ओर उछला, सील तोड़ी और जोर से पढ़ा: “ ‘किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए…’ ”

वह रुका, अपनी आंखों पर हाथ फेरा और फिर से पढ़ा।

“क्या! … मदद करो! ओह, मदद करो!”

और वह बार-बार यही शब्द दोहराता रहा: "ज़हर दिया गया! ज़हर दिया गया!" फेलिसिटे दौड़कर होमेस के पास गई, जिसने चौक में ज़ोर से यही कहा; मैडम लेफ्रैंकोइस ने इसे लायन डी'ओर में सुना; कई लोग अपने पड़ोसियों को बताने के लिए बिस्तर से उठ गए; और पूरी रात गाँव के लोग जागते रहे।

घबराया हुआ, हकलाता हुआ, लगभग बेहोश होने की कगार पर, चार्ल्स कमरे में इधर-उधर घूम रहा था। वह फर्नीचर से टकराता, अपने बाल नोचता; और फार्मासिस्ट ने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि ऐसा भयावह दृश्य हो सकता है।

वह महाशय कैनीवेट और डॉक्टर लारिवियर को पत्र लिखने के लिए अपने घर लौट आया। वह घबराया हुआ था; उसने पंद्रह से अधिक मसौदे तैयार किए। हिप्पोलिटे न्यूफ़चैटेल चला गया, और जस्टिन ने बोवरी के घोड़े को इतनी ज़ोर से दौड़ाया कि उसे बोइस-गिलौम की पहाड़ी पर ही छोड़ना पड़ा, जहाँ वह बुरी तरह घायल और लगभग मरणासन्न अवस्था में था।

चार्ल्स ने अपनी मेडिकल डिक्शनरी के पन्ने पलटने की कोशिश की; उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, पन्ने नाच रहे थे।

“शांत हो जाओ!” वैद्य ने कहा। “बस एक शक्तिशाली विषनाशक देने की बात है। यह कौन सा जहर था?”

चार्ल्स ने उसे वह पत्र दिखाया। उसमें आर्सेनिक था।

"तो फिर," होमेस ने आगे कहा, "एक विश्लेषण किया जाना चाहिए।"

क्योंकि वह जानता था कि जहर के मामलों में हमेशा विश्लेषण करना पड़ता है; और चार्ल्स, यह न समझते हुए, उत्तर दिया:

“आह! करो! करो! उसे बचाओ…”

फिर, उसके पास लौटकर, वह कालीन पर बैठ गया, और वहीं बिस्तर के किनारे पर अपना सिर टिकाकर सिसकियाँ लेता रहा।

“रो मत!” उसने उससे कहा। “मैं अब तुम्हें ज्यादा देर तक परेशान नहीं करूंगी!”

“क्यों? ऐसा करने के लिए आपको किसने मजबूर किया?”

उसने उत्तर दिया:

मुझे ऐसा करना पड़ा, मेरी प्यारी।

“क्या तुम खुश नहीं थे? क्या यह मेरी गलती है? और फिर भी मैंने अपनी तरफ से हर संभव कोशिश की!”

“हाँ… यह सच है… तुम अच्छे हो। तुम वाकई अच्छे हो!”

और उसने धीरे से उसके बालों में हाथ फेरा। उस कोमल अनुभूति ने उसके दुख को असहनीय कर दिया; उसे लगा जैसे उसका पूरा अस्तित्व निराशा में डूब गया हो, उसे यह सोचकर कि उसे उसे खोना पड़ेगा, ठीक उसी समय जब वह पहले से कहीं अधिक प्यार जता रही थी; और वह कुछ सोच नहीं पा रहा था; उसे कुछ पता नहीं था, कुछ करने की हिम्मत नहीं थी; तत्काल निर्णय लेने की तीव्र आवश्यकता ही उसे पूरी तरह से व्याकुल कर रही थी।

वह सोच रही थी कि अब वह उन सभी विश्वासघातों, अत्याचारों और अंतहीन लालसाओं से मुक्त हो चुकी थी जिन्होंने उसे सताया था। अब वह किसी से नफरत नहीं करती थी; उसके विचारों पर धुंधली सी उलझन छा रही थी, और सभी सांसारिक ध्वनियों में से एम्मा को अब केवल उस बेचारे दिल की रुक-रुक कर आती विलाप की आवाज़ सुनाई दे रही थी, जो कोमल और अस्पष्ट थी, मानो किसी संगीत की अंतिम गूंज दूर जाती जा रही हो।

"छोटी बर्थे को मेरे पास लाओ," उसने अपनी कोहनी के बल उठते हुए कहा।

“तुम मुझसे बुरे तो नहीं हो?” चार्ल्स ने पूछा।

"नहीं - नहीं!"

बच्ची अपनी आया की गोद में अंदर आई, उसने एक लंबी नाइटगाउन पहनी हुई थी जिसमें से उसके नंगे पैर बाहर निकल रहे थे, उसका चेहरा गंभीर था, मानो अभी भी आधी नींद में हो। उसने अव्यवस्थित कमरे को हैरानी से देखा और अपनी आँखें झपकाईं, फर्नीचर पर इधर-उधर जल रही मोमबत्तियों की रोशनी से उसकी आँखें चौंधिया गईं। शायद ये मोमबत्तियाँ उसे नए साल के दिन या उपवास के मध्य की सुबह की याद दिला रही

थीं, जब इसी तरह सुबह-सुबह मोमबत्ती की रोशनी में जागकर उसे उसकी माँ के बिस्तर पर उपहार दिए जाते थे, क्योंकि वह कहने लगी:

“यह कहाँ है, माँ?”

और जब किसी ने कुछ नहीं कहा:

लेकिन मुझे मेरा छोटा जूता नहीं दिख रहा!

फेलिसिटे ने उसे बिस्तर के ऊपर पकड़ रखा था, जबकि वह अभी भी चिमनी की ओर देख रही थी।

“क्या इसे नर्स ने लिया था?” उसने पूछा।

और उस शब्द को सुनते ही, जिसने उसे अपने व्यभिचारों और दुर्भाग्य की याद दिला दी, मैडम बोवरी ने अपना सिर दूसरी ओर घुमा लिया, मानो किसी और, अधिक तीव्र जहर से घृणा कर रही हो जो उसके मुंह में उमड़ रहा था। इस बीच, बर्थे अभी भी बिस्तर पर थी।

“ओह, माँ, तुम्हारी आँखें कितनी बड़ी हैं! तुम कितनी पीली पड़ गई हो! तुम्हें पसीना आ रहा है!…”

उसकी मां ने उसकी ओर देखा।

“मुझे डर लग रहा है!” छोटी बच्ची ने पीछे हटते हुए कहा।

एम्मा ने उसका हाथ चूमने के लिए बढ़ाया; वह छटपटाने लगी।

“बस बहुत हो गया! इसे यहाँ से ले जाओ!” चार्ल्स चिल्लाया, जो उस कोने में बैठकर रो रहा था।

फिर कुछ पल के लिए लक्षण थम गए; वह कम बेचैन लग रही थी; और उसके बोले हर निरर्थक शब्द के साथ, उसकी छाती से निकलती हर शांत सांस के साथ, उसे नई उम्मीद मिली। अंत में, जब कैनिवेट अंदर आया, तो वह रोते हुए उसकी बाहों में गिर पड़ा।

“अरे! आप तो हैं! धन्यवाद! आप बहुत दयालु हैं! लेकिन अब हालात बेहतर हैं। देखिए, इसे…”

उनके सहकर्मी की राय इससे बिल्कुल अलग थी, और उन्होंने सीधे-सीधे बात करते हुए, जैसा कि उन्होंने कहा, पेट को पूरी तरह से खाली करने के लिए उल्टी लाने वाली दवा लिख दी।

कुछ ही देर में उसे खून की उल्टी होने लगी। उसके होंठ और भी कसकर बंद हो गए। उसके अंग सिकुड़ गए, उसका शरीर भूरे धब्बों से भर गया, और उसकी नब्ज़ उनकी उंगलियों के नीचे एक तने हुए धागे की तरह, टूटने की कगार पर खड़े वीणा के तार की तरह फिसल रही थी।

फिर वह चीखने-चिल्लाने लगी। उसने ज़हर को कोसना शुरू कर दिया, उसे गालियाँ दीं, उससे जल्दी असर करने की गुहार लगाई, और अपने अकड़े हुए हाथों से उन सभी चीज़ों को दूर धकेल दिया जो चार्ल्स, जो उससे भी ज़्यादा पीड़ा में था, उसे पिलाने की कोशिश कर रहा था। वह खड़ा था, उसके होठों पर रुमाल था, उसकी

साँसें गले में अटक रही थीं, वह रो रहा था और सिसकियों से उसका गला भर आया था; फेलिसिटे कमरे में इधर-उधर भाग रही थी; होमेस, बिना हिले-डुले, गहरी साँसें ले रहा था; और महाशय कैनिवेट, हालाँकि अभी भी अपना संयम बनाए हुए थे, परेशान होने लगे थे।

“शैतान! … और फिर भी … वह शुद्ध हो गई है, और एक बार कारण दूर हो जाए तो …”

होमेस ने कहा, "इसका प्रभाव समाप्त हो जाना चाहिए; यह स्वतः स्पष्ट है।"

“अच्छा, उसे बचाओ!” बोवरी ने कहा।

और इसलिए, फार्मासिस्ट की बात सुने बिना, जो यह अनुमान लगा रहा था कि "यह एक लाभकारी दौरा हो सकता है," कैनीवेट कुछ थेरियाका देने ही वाला था कि तभी उन्हें चाबुक की आवाज सुनाई दी; सभी खिड़कियों के शीशे खड़खड़ा उठे, और तीन घोड़े, जो अपनी छाती की पट्टियों के बल जोर लगा रहे थे और कानों तक कीचड़ से सने हुए थे, एक ही छलांग में बाजार के कोने से बाहर आ गए। यह डॉक्टर लारिविियर थे।

किसी देवता के अचानक प्रकट होने से भी इतनी भावनाएँ नहीं उमड़तीं। बोवरी ने अपने हाथ ऊपर उठा लिए, कैनिवेट एकदम रुक गया, और होमेस ने डॉक्टर के आने से पहले ही अपनी टोपी उतार दी।

वे बिचैट से प्रेरित शल्य चिकित्सा के उस महान विद्यालय से संबंध रखते थे, उस लुप्त हो चुकी पीढ़ी के दार्शनिक-चिकित्सकों से, जो अपनी कला को कट्टर प्रेम से संजोते थे और उत्साह एवं बुद्धिमत्ता के साथ उसका अभ्यास करते थे! जब वे क्रोधित होते थे तो पूरा अस्पताल कांप उठता था, और उनके शिष्य उनका इतना आदर करते थे कि जैसे ही वे स्थापित होते, वे यथासंभव उनका अनुकरण करने का प्रयास करते थे; इस प्रकार, आसपास के कस्बों में, उनकी लंबी रजाईदार मेरिनो ओवरकोट और उनके चौड़े काले टेलकोट को उनकी पीठ पर देखा जा सकता था, जिसकी खुली हुई कफ उनके मांसल हाथों को आंशिक रूप से ढकती थी—उनके बेहद सुंदर हाथ, हमेशा बिना दस्तानों के, मानो मानवीय पीड़ा में डूबने के लिए अधिक तैयार हों। पदकों, उपाधियों और अकादमियों से विमुख, आतिथ्यवान, उदार, गरीबों के प्रति पिता तुल्य, और सद्गुणों में विश्वास किए बिना उनका अभ्यास करने वाले, वे लगभग एक संत ही माने जाते, यदि उनके तेज दिमाग ने उन्हें शैतान की तरह भयभीत न किया होता। उनकी पैनी निगाह, उनके तेज तीर से भी कहीं अधिक तीक्ष्ण, सीधे आपकी आत्मा में उतर जाती, आपके बहाने और संकोच को भेदकर आपके हर झूठ को उजागर कर देती। और इस तरह वे दिन-प्रतिदिन आगे बढ़ते रहे, महान प्रतिभा, धन और चालीस वर्षों के निर्मल परिश्रम से प्राप्त सहज गरिमा से परिपूर्ण।

दरवाजे पर खड़े-खड़े ही उसने एम्मा का बेजान चेहरा देखा, जो पीठ के बल लेटी हुई थी और उसका मुंह खुला हुआ था। फिर, कैनीवेट की बात सुनने का नाटक करते हुए, उसने अपनी तर्जनी उंगली अपनी नाक के नीचे फेरते हुए कई बार कहा:

"अच्छा अच्छा।"

लेकिन उसने धीरे से अपने कंधे उचका दिए। बोवरी ने इसे देखा; दोनों ने एक-दूसरे की ओर देखा; और यह आदमी, हालांकि शोक के दृश्यों का आदी था, अपनी झुर्रीदार कमीज पर एक आंसू गिरने से नहीं रोक सका।

वह कैनिवेट को अगले कमरे में ले जाना चाहता था। चार्ल्स उसके पीछे-पीछे गया।

“उसकी हालत बहुत खराब है, है ना? अगर हम सरसों की पट्टी लगा दें तो क्या होगा—मुझे नहीं पता! आपको कुछ तो सोचना ही होगा—आपने तो इतनी जिंदगियां बचाई हैं!”

चार्ल्स ने उसे बाहों में भर लिया और भय और विनती भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, मानो उसकी छाती पर सिर रखकर बेहोश हो गया हो।

“चलो अब, मेरे बेचारे, हिम्मत जुटाओ! अब कुछ किया नहीं जा सकता।”

और डॉक्टर लारिवियर मुंह फेरकर चले गए।

"तुम जा रहे हो?"

मैं वापस आऊंगा।

वह चौकीदार को आदेश देने के लिए बाहर निकला, उसके साथ सिएर कैनिवेट भी था, जो एम्मा को अपने हाथों मरते देखने के लिए उतना ही बेताब था जितना कि वह खुद।

फार्मासिस्ट भी उनके साथ चौक पर आ गया। स्वभाव से वह किसी प्रसिद्ध व्यक्ति से दूर नहीं रह सकता था। इसलिए उसने महाशय लारिवियर से विनती की कि वे उसे दोपहर के भोजन पर अतिथि बनकर सम्मानित करें।

उन्होंने तुरंत लायन डी'ओर से कबूतर मंगवाए, कसाई के पास जो भी कटलेट थे, तुवाचे से क्रीम, लेस्टिबूडोइस से अंडे मंगवाए, और स्वयं औषध विक्रेता ने भी तैयारियों में मदद की, जबकि मैडम होमेस अपनी चोली के फीते खींचते हुए बोलीं:

“कृपया हमें क्षमा करें, महोदय; इस सुनसान जगह पर, अगर हमें एक दिन पहले चेतावनी न मिले तो…”

“डंठल वाले गिलास!!!” होमेस ने फुफकारा।

"अगर हम शहर में रहते, तो कम से कम हमारे पास भरवां सूअर के पैरों का सहारा तो होता।"

“चुप रहो! … कृपया बैठ जाओ, डॉक्टर!”

पहले कुछ निवाले खाने के बाद, उन्होंने इस त्रासदी के बारे में कुछ विवरण देना उचित समझा:

"पहले हमें गले में सूखापन महसूस हुआ, फिर पेट के ऊपरी हिस्से में असहनीय दर्द हुआ, फिर दस्त और कोमा की स्थिति आ गई।"

“उसने खुद को जहर कैसे दिया?”

"मुझे नहीं पता, डॉक्टर—मुझे तो यह भी नहीं पता कि उसे आर्सेनियस ऑक्साइड कहाँ से मिला होगा।"

जस्टिन, जो उस समय प्लेटों का एक ढेर लेकर आ रहा था, अचानक कांपने लगा।

“तुम्हें क्या हुआ है?” फार्मासिस्ट ने पूछा।

उस सवाल के जवाब में, उस युवक ने सब कुछ ज़ोरदार आवाज़ के साथ ज़मीन पर गिरा दिया।

“बेवकूफ!” होमेस चिल्लाया। “अनाड़ी! बेचारा गधा!”

लेकिन, अचानक खुद को संभालते हुए:

“डॉक्टर साहब, मैं एक विश्लेषण करने का प्रयास करना चाहता था, और सबसे पहले, मैंने सावधानीपूर्वक एक ट्यूब डाली…”

सर्जन ने कहा, "उसके गले में उंगलियां डालना बेहतर होता।"

उनके सहकर्मी ने कुछ नहीं कहा, क्योंकि कुछ ही समय पहले उन्हें निजी तौर पर उनकी उल्टी कराने वाली दवा के बारे में कड़ी फटकार मिली थी, इसलिए यह सम्मानित कैनीवेट, जो क्लबफुट के मामले में इतना अहंकारी और वाचाल था, आज बहुत विनम्र था; उसने बिना रुके, एक स्वीकृतिपूर्ण मुस्कान दी।

होमेस एम्फिट्रियन की भूमिका में गर्व से फूला हुआ था, और बोवरी के बारे में परेशान करने वाले विचार ने उसकी खुशी में कुछ हद तक इज़ाफ़ा किया, क्योंकि इससे वह स्वार्थी होकर अपनी स्थिति पर विचार करने लगा। इसके अलावा, डॉक्टर की उपस्थिति ने उसे मदहोश कर दिया था। वह अपनी विद्वत्ता का प्रदर्शन कर रहा था, और कंथाराइड्स, उपास वृक्ष, मंचिनील और विषैले साँप के बारे में उलझन भरे और जल्दबाज़ी भरे संदर्भ दे रहा था।

“और मैंने तो यहाँ तक पढ़ा है, डॉक्टर साहब, कि कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्हें अत्यधिक धूमन किए गए रक्त सॉसेज खाने से जहर हो गया था—पूरी तरह से बीमार पड़ गए थे! कम से कम, हमारे एक प्रमुख फार्मासिस्ट, हमारे उस्ताद, प्रख्यात कैडेट डी गैसीकोर्ट द्वारा तैयार की गई एक बहुत ही बढ़िया रिपोर्ट में तो यही कहा गया है!”

मैडम होमेस फिर से प्रकट हुईं, अपने साथ शराब से गर्म किया हुआ एक अस्थिर बर्तन लिए हुए; क्योंकि होमेस मेज पर ही अपनी कॉफी बनाने पर अड़े हुए थे, जिसे उन्होंने खुद ही गर्म किया था, पीसा था और तैयार किया था।

“सैकरम, डॉक्टर,” उसने कुछ चीनी देते हुए कहा।

फिर उसने अपने सभी बच्चों को नीचे बुलाया, क्योंकि वे यह जानने के लिए उत्सुक थे कि सर्जन उनके स्वास्थ्य के बारे में क्या राय देता है।

अंततः, जब महाशय लारिवियर जाने ही वाले थे, तब मैडम होमेस ने उनसे अपने पति के बारे में सलाह मांगी। उनके पति का खून गाढ़ा हो रहा था क्योंकि वे हर शाम खाना खाने के बाद सो जाते थे।

“अरे! उसका खून गाढ़ा नहीं है।”

इस अनसुने मजाक पर हल्की सी मुस्कान बिखेरते हुए डॉक्टर ने दरवाजा खोला। लेकिन फार्मेसी लोगों से खचाखच भरी थी; और उन्हें सिएर तुवाचे से खुद को छुड़ाने में बड़ी मुश्किल हुई, जिन्हें डर था कि राख में थूकने की आदत के कारण उनकी पत्नी के फेफड़ों में सूजन न हो जाए; फिर मॉन्सियर बिनेट, जिन्हें कभी-कभी तेज भूख लगती थी, और मैडम कैरन, जिन्हें झुनझुनी महसूस होती थी; ल्यूरेक्स, जिन्हें चक्कर आते थे; लेस्टिबूडोइस, जिन्हें गठिया था; मैडम लेफ्रैंकोइस, जिन्हें पेट में एसिडिटी थी। अंत में तीनों घोड़े तेजी से भाग गए, और आम तौर पर यह महसूस किया गया कि डॉक्टर ने बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया था।

बाजार में पवित्र तेल लेकर घूम रहे श्री बोर्निसीन के प्रकट होने से जनता का ध्यान भटक गया।

होमेस ने अपने सिद्धांतों का सम्मान करते हुए पुजारियों की तुलना मृतकों की गंध से आकर्षित होने वाले कौवों से की; एक पादरी को देखना व्यक्तिगत रूप से उन्हें अप्रिय लगता था, क्योंकि एक साउटाने (पुजारी का वस्त्र) उन्हें कफन की याद दिलाता था, और वे एक से घृणा करते थे, आंशिक रूप से दूसरे के प्रति भय के कारण।

फिर भी, अपने मिशन से पीछे न हटते हुए, वह कैनीवेट के साथ बोवरी के घर लौट आए, जिन्हें महाशय लारिवियर ने जाने से पहले रुकने के लिए दृढ़ता से आग्रह किया था, और यदि उनकी पत्नी की आपत्तियां न होतीं, तो वह अपने दोनों बेटों को भी अपने साथ ले जाते, ताकि उन्हें गंभीर परिस्थितियों से परिचित कराया जा सके, ताकि उन्हें एक सबक, एक उदाहरण, एक गंभीर दृश्य मिल सके जो बाद में उनके मन में बना रहे।

जब वे कमरे में दाखिल हुए, तो वहाँ उदासी और गंभीरता का माहौल था। सिलाई की मेज, जो अब एक सफेद रुमाल से ढकी थी, पर एक चांदी की थाली में रुई के पाँच-छह छोटे गोले रखे थे, और उसके पास दो जलती हुई मोमबत्तियों के बीच एक बड़ा क्रूस रखा था। एम्मा की ठुड्डी उसकी छाती से लगी हुई थी, उसकी आँखें असामान्य रूप से खुली हुई थीं; और उसके कमजोर हाथ चादर पर मरते हुए व्यक्ति की उस भयानक कोमल

गति से चल रहे थे, मानो वे खुद को कफ़न से ढकने की कोशिश कर रहे हों। मूर्ति की तरह पीला पड़ा हुआ, अंगारों की तरह लाल आँखों वाला चार्ल्स, जो अब रो नहीं रहा था, बिस्तर के पास एम्मा के सामने खड़ा था, जबकि पादरी एक घुटने पर बैठा हुआ धीमी आवाज़ में कुछ बुदबुदा रहा था।

उसने धीरे से अपना चेहरा घुमाया और बैंगनी रंग के शॉल को अचानक देखकर खुशी से अभिभूत हो गई, निस्संदेह शांति की इस असाधारण भावना के बीच, उसने अपनी पहली रहस्यमय इच्छाओं के खोए हुए परमानंद को फिर से अनुभव किया, साथ ही शाश्वत परमानंद के पहले दर्शन भी प्राप्त किए।

पुजारी क्रूस उठाने के लिए उठे; तभी उसने प्यास से बेहाल होकर अपनी गर्दन आगे झुकाई और अपने होठों को ईश्वर के शरीर से लगाकर, अपनी अंतिम शक्ति से उस पर प्रेम का सबसे भावुक चुंबन दिया। फिर उन्होंने मिज़ेरेटूर और इंडलजेंटियम का पाठ किया, अपने दाहिने अंगूठे को तेल में डुबोया और अभिषेक शुरू किया: पहले आँखों पर, जिन्होंने सांसारिक वैभव की लालसा की थी; फिर नाक पर, जो कोमल हवाओं और प्रेम की सुगंध के लिए तरसती थीं; फिर मुँह पर, जो झूठ बोलने के लिए खुला था, जो अभिमान से कराहता था और वासना में चिल्लाता था; फिर हाथों पर, जो चिकने वस्त्र के स्पर्श से आनंदित होते थे; और अंत में पैरों के तलवों पर, जो कभी उसकी इच्छाओं को तृप्त करने के लिए बहुत फुर्तीले थे और अब फिर कभी नहीं चल पाएंगे।

पादरी ने अपनी उंगलियां पोंछीं, तेल से भीगे हुए रुई के टुकड़ों को आग में फेंक दिया और मरणासन्न महिला के पास बैठकर उसे बताया कि अब उसे अपने कष्टों को यीशु मसीह के कष्टों के साथ जोड़ लेना चाहिए और स्वयं को ईश्वर की दया के हवाले कर देना चाहिए।

अपने उपदेश समाप्त करते हुए, उन्होंने एम्मा के हाथ में एक पवित्र मोमबत्ती रखने का प्रयास किया, जो उन दिव्य महिमाओं का प्रतीक थी जिनसे वह शीघ्र ही घिरी रहने वाली थी। एम्मा बहुत कमजोर थी और अपनी उंगलियां बंद नहीं कर सकी; यदि श्री बर्निसियन वहां न होते, तो मोमबत्ती ज़मीन पर गिर जाती।

फिर भी, अब उसका चेहरा उतना पीला नहीं था, और उसके चेहरे पर शांति का भाव था, मानो संस्कार ने उसे ठीक कर दिया हो।

पुजारी ने इस बात को बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी; उन्होंने बोवरी को यह भी समझाया कि प्रभु कभी-कभी लोगों के जीवन को तब लंबा कर देते हैं जब उन्हें लगता है कि यह उनके उद्धार के लिए उचित है; और चार्ल्स को एक और दिन याद आया जब, अभी की तरह, वह मृत्यु के करीब थी और उसने पवित्र भोज ग्रहण किया था।

"शायद हमें उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए," उसने सोचा।

सचमुच, उसने धीरे-धीरे अपने चारों ओर देखा, मानो कोई सपने से जाग रहा हो; फिर, एक स्पष्ट आवाज़ में, उसने अपना दर्पण माँगा, और कुछ देर तक उस पर झुकी रही, जब तक कि उसकी आँखों से बड़े-बड़े आँसू बहने लगे। फिर उसने आह भरते हुए अपना सिर पीछे झुकाया और तकिए पर लेट गई।

अचानक ही उसकी छाती तेजी से ऊपर-नीचे होने लगी। उसकी जीभ मुंह से पूरी तरह बाहर निकली हुई थी; उसकी घूमती हुई आंखें पीली पड़ गईं, मानो बुझने वाले दो दीयों के गोले हों, जिससे ऐसा लग रहा था मानो वह मर चुकी हो, सिवाय उसकी पसलियों की भयानक, तेज गति के, जो उसकी उग्र सांसों से कांप रही थीं, मानो उसकी आत्मा मुक्त होने के लिए उछल रही हो। फेलिसिटे क्रूस के सामने घुटने टेककर बैठ गई, और यहां तक कि फार्मासिस्ट भी थोड़ा घुटने टेककर बैठ गया, जबकि महाशय कैनिवेट चौक की ओर धुंधली निगाहों से देख रहे थे। बोर्निसियन ने प्रार्थना फिर से शुरू कर दी थी, उसका चेहरा बिस्तर के किनारे से टिका हुआ था, उसका लंबा काला चोगा कमरे में उसके पीछे घिसट रहा था। चार्ल्स दूसरी तरफ, घुटनों के बल बैठा था, उसकी बाहें एम्मा की ओर फैली हुई थीं। उसने उसके हाथ पकड़ रखे थे और उन्हें दबा रहा था, उसके दिल की हर धड़कन पर कांप रहा था जैसे किसी ढहते खंडहर के कंपन पर। जैसे-जैसे मृत्यु की कराह तेज होती गई, पादरी ने अपनी प्रार्थनाएं तेज कर दीं; वे बोवरी की दबी हुई सिसकियों के साथ घुलमिल गए; और कभी-कभी ऐसा लगता था कि सब कुछ लैटिन अक्षरों की धीमी बड़बड़ाहट में डूब गया है, जो एक गुजरती घंटी की तरह बजती थी।

अचानक उन्हें नीचे फुटपाथ पर भारी लकड़ी के जूतों की आवाज और एक छड़ी के रगड़ने की आवाज सुनाई दी; और एक कर्कश आवाज उठी, जो गा रही थी:

ऊपर सूरज की गर्मी कैसी लगती है?

इससे एक खूबसूरत युवती को प्यार के सपने देखने की प्रेरणा मिलती है।

एम्मा एक मृत शरीर की तरह अचानक उठ बैठी, उसके बाल बिखरे हुए थे, उसकी आँखें टकटकी लगाए चौड़ी खुली हुई थीं।

कटाई करने वाले दरांती के पीछे,

वह सभा में जाती है,

मेरी नैनेट गेहूं की ओर झुकी हुई है

चौड़ी कतारों में नीचे की ओर।

“अंधा आदमी!” वह चिल्लाई।

और एम्मा एक भयानक, उन्मत्त, निराशा भरी हंसी हंसने लगी, यह सोचकर कि उसने उस अभागे आदमी का घिनौना चेहरा अनंत काल के अंधेरे में आतंक की तरह मंडराते हुए देखा।

उस दिन हवा बहुत तेज चल रही थी।

और उसने उसका पेटीकोट छीन लिया!

एक तीव्र कंपकंपी के कारण वह गद्दे पर गिर पड़ी। सब लोग उसके पास आ गए। उसका अस्तित्व समाप्त हो चुका था।

[9]

किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद, एक प्रकार का सन्नाटा छा जाता है, हमेशा, क्योंकि इस अचानक आए शून्यता के आगमन को समझना और इसे स्वीकार करना इतना कठिन होता है। लेकिन जब उसने देखा कि वह कितनी शांत है, तो चार्ल्स रोते हुए उस पर गिर पड़ा:

"अलविदा अलविदा!"

होमेस और कैनिवेट उसे कमरे से बाहर ले गए।

"खुद पर नियंत्रण रखो!"

“ठीक है,” उसने संघर्ष करते हुए कहा, “मैं समझदारी से काम लूंगा, मैं कोई नुकसान नहीं करूंगा। लेकिन मुझे अकेला छोड़ दो! मैं उससे मिलना चाहता हूं! वह मेरी पत्नी है!”

और वह रोने लगा।

“रो लो,” फार्मासिस्ट ने कहा। “प्रकृति को अपना काम करने दो। इससे तुम्हें राहत मिलेगी!”

अब एक बच्चे से भी कमजोर हो चुके चार्ल्स ने खुद को नीचे, बैठक कक्ष में ले जाने दिया, और जल्द ही महाशय होम्स घर लौट आए।

चौक पर, उसका सामना उस अंधे व्यक्ति से हुआ, जो सूजनरोधी मरहम की उम्मीद में खुद को घसीटते हुए योनविले तक आया था और वहां से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति से पूछ रहा था कि औषध विक्रेता कहां रहता है।

“अरे, अब! जैसे मेरे पास और कुत्ते नहीं हैं जिन्हें मुझे कोड़े मारने हैं! बहुत बुरा हुआ—फिर कभी आना!”

और वह जल्दी से फार्मेसी में घुस गया।

उसे दो पत्र लिखने थे, बोवरी के लिए एक शांत करने वाली औषधि तैयार करनी थी, जहर को छिपाने के लिए एक झूठ सोचना था और ले फनल के लिए इस बारे में एक लेख लिखना था, उन लोगों का तो जिक्र ही नहीं जो उससे खबर की प्रतीक्षा कर रहे थे; और जब योनविलियनों ने उसकी कहानी सुन ली कि कैसे उसने वेनिला कस्टर्ड बनाते समय गलती से आर्सेनिक को चीनी समझ लिया था, तो होमेस एक बार फिर बोवरी के घर लौट आया।

उसने उसे अकेला पाया (श्रीमान कैनिवेट अभी-अभी चले गए थे), वह खिड़की के पास वाली कुर्सी पर बैठा था और कमरे के पत्थर के फर्श को मूर्खतापूर्ण निगाहों से घूर रहा था।

फार्मासिस्ट ने कहा, "अब आपको समारोह के लिए एक समय तय करना होगा।"

“क्यों? कौन सा समारोह?”

फिर, भयभीत होकर हकलाते हुए:

“अरे नहीं! सच में—नहीं! मैं उसे अपने पास रखना चाहता हूँ।”

अपनी शर्मिंदगी को छुपाने के लिए होमेस ने तंबू से एक जग निकाला और गेरेनियम के पौधों को पानी देना शुरू कर दिया।

“ओह, धन्यवाद!” चार्ल्स ने कहा। “आप बहुत दयालु हैं!”

और वह बोलते-बोलते रुक गया, फार्मासिस्ट के उस इशारे से उमड़ी यादों के बोझ तले वह घुट रहा था।

फिर, उसका ध्यान भटकाने के लिए, होमेस ने बागवानी के बारे में थोड़ी बात करना उचित समझा; पौधों को नमी की आवश्यकता होती है। चार्ल्स ने सहमति में सिर झुकाया।

खैर, अब गर्म मौसम वापस आने वाला है।

“आह!” बोवरी ने कहा।

कोई उपाय न सूझने पर, दवा विक्रेता ने चुपचाप खिड़की पर लगे छोटे पर्दे हटा दिए।

"अरे, देखो तो महाशय तुवाचे यहाँ से गुजर रहे हैं।"

चार्ल्स ने यंत्रवत रूप से दोहराया:

"महाशय तुवाचे गुजर रहे हैं।"

होमेस ने अंतिम संस्कार की व्यवस्थाओं के बारे में उससे दोबारा बात करने की हिम्मत नहीं की; यह पादरी ही था जिसने उसे इसके लिए राजी किया।

उसने खुद को अपने दफ्तर में बंद कर लिया, कलम उठाई और कुछ देर रोने के बाद लिखा:

मैं चाहती हूँ कि उसे उसकी शादी की पोशाक में, सफेद जूतों में, और फूलों की माला के साथ दफनाया जाए। उसके बाल उसके कंधों पर बिखरे हों; तीन ताबूत हों, एक ओक का, एक महोगनी का, और एक सीसे का। कोई मुझे कुछ न कहे, मैं इतनी मजबूत रहूँगी। उसे हरे मखमल के एक बड़े टुकड़े से पूरी तरह ढक दो। यही मेरी इच्छा है। ऐसा ही करो।

बोवरी के रोमांटिक विचारों से वे सज्जन बहुत आश्चर्यचकित हुए, और फार्मासिस्ट तुरंत उनके पास गया और बोला:

“मुझे तो मखमल अनावश्यक लगता है। खर्च की तो बात ही छोड़ो…”

“क्या इससे तुम्हारा कोई लेना-देना है?” चार्ल्स चिल्लाया। “मुझे अकेला छोड़ दो! तुमने उससे प्यार नहीं किया! यहाँ से चले जाओ!”

पादरी ने उसका हाथ पकड़ा और उसे बगीचे में टहलने के लिए ले गया। उसने सांसारिक वस्तुओं की व्यर्थता पर प्रवचन दिए। ईश्वर महान है, ईश्वर दयालु है; हमें बिना किसी शिकायत के उसके आदेशों का पालन करना चाहिए, बल्कि उसका धन्यवाद भी करना चाहिए।

चार्ल्स ने ईश्वर की निंदा करते हुए जमकर अपशब्द कहे।

मैं उससे घृणा करता हूँ—तुम्हारे भगवान से!

“विद्रोह की भावना अब भी आपमें मौजूद है,” पादरी ने आह भरते हुए कहा।

बोवरी बहुत दूर था। वह बेलों के बगल वाली दीवार के साथ-साथ चल रहा था, और वह दांत पीस रहा था, आँखों में गालियाँ लिए आसमान की ओर देख रहा था; लेकिन एक पत्ता भी नहीं हिला।

हल्की बारिश हो रही थी। चार्ल्स, जिसका सीना खुला हुआ था, आखिरकार कांपने लगा; वह वापस अंदर गया और रसोई में बैठ गया।

शाम छह बजे चौक में एक खड़खड़ाहट सुनाई दी: हिरोंडेले जहाज आ रहा था; और वह खिड़की के शीशों से अपना माथा टिकाए वहीं बैठा रहा, एक-एक करके सभी यात्रियों को उतरते हुए देखता रहा। फेलिसिटे ने उसके लिए बैठक में एक गद्दा बिछा दिया; वह उस पर लेट गया और सो गया।

यद्यपि श्री होमेस एक तर्कवादी थे, फिर भी वे मृतकों का सम्मान करते थे। इसलिए, बेचारे चार्ल्स के प्रति कोई द्वेष रखे बिना, वे उस शाम शव के पास बैठने के लिए वापस लौटे, और अपने साथ तीन पुस्तकें और नोट्स लेने के लिए एक पोर्टफोलियो भी लाए।

श्रीमान बोर्निसीन पहले से ही वहां मौजूद थे, और बिस्तर के किनारे दो लंबी मोमबत्तियां जल रही थीं, जिसे आले से बाहर निकाल लिया गया था।

दवा विक्रेता, जिसे यह चुप्पी असहनीय लग रही थी, ने जल्द ही उस "दुर्भाग्यशाली युवती" के बारे में कुछ विलाप व्यक्त किया; और पुजारी ने उत्तर दिया कि अब हम केवल उसके लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं।

“फिर भी,” होमेस ने कहा, “यह दो बातों में से एक है: या तो वह ईश्वर की कृपा में रहते हुए मरी (जैसा कि चर्च द्वारा व्यक्त किया गया है) और इसलिए उसे हमारी प्रार्थनाओं की आवश्यकता नहीं है; या वह पश्चातापहीन मरी (अर्थात, मुझे लगता है, चर्च की अभिव्यक्ति यही है), इस स्थिति में…”

बोरनीसियन ने बीच में ही टोकते हुए चिड़चिड़े स्वर में उत्तर दिया कि प्रार्थना तो करनी ही पड़ती है।

लेकिन,” फार्मासिस्ट ने आपत्ति जताते हुए कहा, “चूंकि ईश्वर हमारी सभी जरूरतों से अवगत है, तो प्रार्थना का क्या लाभ हो सकता है?”

“क्या!” पादरी ने हैरानी से कहा। “प्रार्थना! तो आप ईसाई नहीं हैं?”

“मुझे क्षमा करें!” होमेस ने कहा। “मैं ईसाई धर्म की प्रशंसा करता हूँ। सबसे पहले तो इसने गुलामों को आज़ाद किया, इसने दुनिया में एक नैतिक संहिता का परिचय दिया…”

“बात वो नहीं है! सारे संदेश…”

“अरे! अरे! ये ग्रंथ! बस अपनी इतिहास की किताब खोलिए; सबको पता है कि इन्हें जेसुइट्स ने गलत तरीके से गढ़ा था।”

चार्ल्स अंदर आया और बिस्तर की ओर चलते हुए उसने धीरे से पर्दे हटा दिए।

एम्मा का सिर उसके दाहिने कंधे पर टिका हुआ था। उसके खुले हुए मुँह का कोना उसके चेहरे के निचले हिस्से में एक काले छेद जैसा लग रहा था; उसके अंगूठे हथेलियों की ओर मुड़े हुए थे; उसकी पलकों पर एक तरह की सफेद धूल जमी हुई थी; और उसकी आँखें एक चिपचिपी पीली रंगत में गायब होने लगी थीं, जो किसी पतले कपड़े जैसी लग रही थी, मानो मकड़ियों ने उन पर जाले बुने हों। चादर उसके स्तनों से घुटनों तक लटक रही थी, और फिर पैर की उंगलियों पर उठ रही थी; और चार्ल्स को ऐसा लग रहा था मानो कोई अनंत द्रव्यमान, कोई भारी भार, उस पर दबाव डाल रहा हो।

गिरजाघर की घड़ी में दो बज गए। छज्जे के नीचे अंधेरे में बहती हुई धारा की धीमी कलकल ध्वनि सुनाई दे रही थी। श्रीमान बोर्निसियन बीच-बीच में जोर से नाक साफ करते और होमेस की कलम कागज पर चल रही थी।

“चलो अब, मेरे प्यारे दोस्त,” उसने कहा, “तुम्हें यहाँ नहीं रुकना चाहिए। उसे देखकर तुम्हारा दिल टूट रहा है!”

चार्ल्स के चले जाने के बाद, फार्मासिस्ट और पादरी ने अपनी बहसें फिर से शुरू कर दीं।

“वोल्टेयर को पढ़ो!” एक व्यक्ति कह रहा था; “डी'होलबैक को पढ़ो, विश्वकोश पढ़ो!”

“कुछ पुर्तगाली यहूदियों के पत्र पढ़ो!” दूसरा कह रहा था; “पूर्व मजिस्ट्रेट निकोलस द्वारा लिखित ‘ईसाई धर्म का प्रमाण’ पढ़ो!”

वे आपस में बहस कर रहे थे, उनका चेहरा लाल हो गया था, वे दोनों एक-दूसरे की बात सुने बिना लगातार बोल रहे थे; बोर्निसियन उनकी इस धृष्टता से चकित थे; होमेस उनकी इस मूर्खता पर हैरान थे; और वे लगभग एक-दूसरे को अपशब्द कहने ही वाले थे कि अचानक चार्ल्स प्रकट हो गए। वे किसी आकर्षण से खिंचे चले आए थे। वे बार-बार सीढ़ियों से ऊपर आ रहे थे।

उसने खुद को उसके सामने इस तरह से बैठाया ताकि वह उसे बेहतर ढंग से देख सके, और वह एक ऐसे गहन चिंतन में डूब गया कि अब उसमें कोई पीड़ा नहीं थी।

उसे कैटालेप्सी (स्तंभन) की कहानियाँ और चुंबकत्व के चमत्कार याद आ गए; और उसने खुद से कहा कि अपनी इच्छाशक्ति को पूरी तरह से इस्तेमाल करके शायद वह उसे होश में ला सके। एक बार तो वह उसकी ओर

झुककर बहुत धीमी आवाज़ में पुकारा: “एम्मा! एम्मा!” उसकी ज़ोर से निकली साँस से मोमबत्ती की लौ दीवार पर झिलमिला उठी।

सूर्योदय होते ही, बड़ी मैडम बोवरी आ गईं; जब चार्ल्स ने उन्हें गले लगाया, तो वह फिर से फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने फार्मासिस्ट की तरह ही अंतिम संस्कार के खर्चों के बारे में उनसे कुछ कहने की कोशिश की। चार्ल्स इतने क्रोधित हो गए कि वह चुप हो गईं, और उन्होंने उन्हें तुरंत शहर जाकर आवश्यक सामान खरीदने के लिए भी कहा।

चार्ल्स पूरी दोपहर अकेले ही रहे: बर्थे को मैडम होमेस के पास ले जाया गया था; फेलिसिटे ऊपर के कमरे में, बेडरूम में, मेरे लेफ्रांकोइस के साथ ठहरी हुई थी।

शाम को उनके पास आगंतुक आते थे। वे खड़े होकर उनसे हाथ मिलाते, बोलने में असमर्थ होते; फिर वे सब एक-दूसरे के बगल में बैठ जाते, और अंगीठी के सामने एक बड़ा अर्धवृत्त बना लेते। चेहरे झुके और पैर मोड़े हुए, वे अपने पैर हिलाते रहते और बीच-बीच में गहरी आह भरते; और वे सब बेहद ऊब चुके होते; फिर भी कोई भी सबसे पहले जाने वाला नहीं होता।

जब होमेस नौ बजे लौटा (पिछले दो दिनों से उसे लगातार चौक पार करते देखा गया था), तो वह कपूर, बेंजोइन और सुगंधित जड़ी-बूटियों का भंडार लेकर आया था। वह अपने साथ क्लोरीन से भरा एक फूलदान भी लाया था, ताकि दुर्गंध को दूर भगाया जा सके। ठीक उसी समय, नौकरानी मैडम लेफ्रांकोइस और मेरे बोवरी एम्मा के चारों ओर चक्कर लगा रही थीं और उसे कपड़े पहना रही थीं; अब उन्होंने उसका लंबा, कड़ा घूंघट नीचे किया, जो उसके सैटिन के जूतों तक उसे ढके हुए था।

फेलिसिटे सिसक रही थी:

“ओह, मेरी बेचारी मालकिन! मेरी बेचारी मालकिन!”

“उसे देखो,” सराय मालिक आह भरते हुए बोला। “वह अब भी कितनी सुंदर है! ऐसा लगता है मानो वह अभी किसी भी क्षण उठ जाएगी।”

फिर वे झुककर उसके सिर पर फूलों की माला पहनाने लगे।

उन्हें उसका सिर थोड़ा ऊपर उठाना पड़ा, और ऐसा करते ही उसके मुंह से काले रंग का तरल पदार्थ उल्टी की तरह बहने लगा।

“हे भगवान! ये ड्रेस—ज़रा सावधान!” मैडम लेफ्रांकोइस चिल्लाईं। “हमारी मदद कीजिए!” उन्होंने फार्मासिस्ट से कहा। “आप डर तो नहीं रहे हैं?”

“मैं, डर जाऊँ?” उसने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया। “अरे नहीं! मैंने इससे पहले भी ऐसे दृश्य देखे हैं, होटल-डियू में, जब मैं फार्मेसी की पढ़ाई कर रहा था! हम चीर-फाड़ कक्ष में पंच बनाते थे! खालीपन एक तर्कवादी को डराता नहीं है; वास्तव में, जैसा कि मैं अक्सर कहता हूँ, मैं अपना शरीर अस्पतालों को दान करने का इरादा रखता हूँ, ताकि बाद में मैं विज्ञान की सेवा कर सकूँ।”

जब वह पहुंचा, तो पादरी ने पूछा कि महोदय कैसे हैं; और वैद्य के जवाब पर उसने कहा:

"आप समझ रहे हैं, यह सदमा अभी भी ताजा है!"

तब होमेस ने उन्हें इस बात पर बधाई दी कि वे अन्य पुरुषों की तरह किसी प्रिय साथी को खोने के जोखिम से सुरक्षित हैं; जिसके बाद पुजारियों के ब्रह्मचर्य के बारे में चर्चा शुरू हुई।

“आखिरकार,” फार्मासिस्ट ने कहा, “पुरुषों के लिए महिलाओं के बिना रहना स्वाभाविक नहीं है! हम सभी ने ऐसे अपराधों के बारे में सुना है…”

“अरे, छोड़ो भी!” पादरी ने हैरानी से कहा। “आप किसी विवाहित व्यक्ति से यह उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि वह स्वीकारोक्ति के रहस्यों को गुप्त रखेगा?”

होमेस ने इकबालिया बयान पर हमला किया। बोर्निसियन ने इसका बचाव किया; उन्होंने इसके परिणामस्वरूप होने वाले प्रायश्चित के कार्यों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने अचानक ईमानदार बन चुके चोरों से संबंधित कई किस्से सुनाए। प्रायश्चित न्यायालय में उपस्थित सैनिकों को मानो उनकी आंखें खुल गई हों। फ़ाइबर्ग में एक पादरी थे...

उसका साथी सो रहा था। तभी, कमरे की हवा भारी होने के कारण उसे सांस लेने में थोड़ी तकलीफ महसूस हुई, तो उसने खिड़की खोल दी, जिससे फार्मासिस्ट जाग गया।

“लो, चुटकी भर तंबाकू खाओ!” उसने कहा। “इसे खाओ, इससे दिमाग साफ हो जाता है।”

दूर कहीं से लगातार कुत्ते के भौंकने की आवाज आ रही थी।

“क्या आपको कुत्ते के भौंकने की आवाज़ सुनाई दे रही है?” फार्मासिस्ट ने पूछा।

“लोग कहते हैं कि वे मृतकों की गंध पहचान लेते हैं,” पादरी ने उत्तर दिया। “मधुमक्खियों के साथ भी ऐसा ही होता है: जब लोग मर जाते हैं तो वे अपने छत्ते से उड़ जाती हैं।” होमेस ने इन अंधविश्वासों को चुनौती नहीं दी, क्योंकि वह फिर से सो गया था।

श्री बर्निसियन, अधिक संयमी होते हुए, कुछ देर तक अपने होंठों को बहुत धीरे से हिलाते रहे; फिर, धीरे से, उन्होंने अपनी ठुड्डी नीचे की, अपनी मोटी काली किताब को छोड़ दिया, और खर्राटे लेने लगे।

वे एक-दूसरे के सामने बैठे थे, उनके पेट फूले हुए थे, चेहरे सूजे हुए थे, दोनों के चेहरे गुस्से से भरे हुए थे; इतने मतभेद के बाद, अंततः वे एक ही मानवीय कमजोरी में एकजुट हो गए थे; और वे अपने बगल में पड़े शव से ज्यादा हिल-डुल नहीं रहे थे, जो मानो सो रहा था।

जब चार्ल्स अंदर आया, तो उसने उन्हें नहीं जगाया। यह आखिरी बार था। वह उससे आखिरी विदाई लेने आया था।

सुगंधित जड़ी-बूटियों से अभी भी धुआं निकल रहा था, और खिड़की के किनारे से नीले रंग की भाप के गुच्छे अंदर आ रही धुंध के साथ मिल रहे थे। कुछ तारे दिखाई दे रहे थे, और रात सुहावनी थी।

मोमबत्तियों से मोम की बड़ी-बड़ी बूंदें बिस्तर की चादर पर गिर रही थीं। चार्ल्स उन्हें जलते हुए देख रहा था, उनकी पीली लपटों की चमक से उसकी आंखें थक रही थीं।

उसकी पोशाक का भीगा हुआ साटन चाँदनी की तरह सफेद चमक रहा था। एम्मा उसमें विलीन होती जा रही थी; और उसे ऐसा लग रहा था मानो वह स्वयं से परे फैल रही हो, अपने आस-पास की चीजों में, सन्नाटे में, रात में, बहती हवा में, और उठती हुई नमी भरी गंधों में, भ्रमित होकर घुलमिल रही हो।

फिर अचानक, उसने उसे टोस्टेस के बगीचे में, बेंच पर, कंटीली झाड़ी के सहारे, या रूएन की गलियों में, अपने घर के दरवाजे की चौखट पर, लेस बर्टौक्स के फार्महाउस में देखा। एक बार फिर उसने सेब के पेड़ों के नीचे नाचते हुए उमंग भरे लड़कों की हंसी सुनी; कमरा उसके बालों की खुशबू से भरा हुआ था; और उसकी पोशाक उसकी बाहों में चिंगारियों की आवाज के साथ सरसरा रही थी। यह वही पोशाक थी!

वह काफी देर तक इसी तरह बैठा रहा, अपनी खोई हुई खुशियों को याद करता रहा, उसके बैठने-खड़े होने का तरीका, उसके हाव-भाव, उसकी आवाज़ का लहजा। निराशा की एक भावना के बाद दूसरी आती, और यह सिलसिला लगातार चलता रहता, जैसे उफनती लहरें।

उसके मन में तीव्र जिज्ञासा जागी: धीरे-धीरे, अपनी उंगलियों के सिरों से, धड़कते दिल के साथ, उसने उसका घूंघट उठाया। लेकिन वह डर के मारे चीख पड़ा, जिससे बाकी दोनों जाग गए। वे उसे नीचे बैठक में ले गए।

फिर फेलिसिटे ने आकर कहा कि वह उसके कुछ बाल मांग रहा था।

“कुछ काट लो!” वैद्य ने उत्तर दिया।

और चूंकि उसने हिम्मत नहीं की, इसलिए वह खुद कैंची हाथ में लिए आगे बढ़ा। वह इतना कांप रहा था कि उसने कनपटी की त्वचा पर कई जगह छेद कर दिए। अंत में, अपनी भावनाओं को काबू में रखते हुए, होमेस ने बेतरतीब ढंग से दो-तीन बड़े कट लगाए, जिससे उसके सुंदर काले बालों पर सफेद निशान पड़ गए।

फार्मासिस्ट और पादरी एक बार फिर अपने-अपने काम में जुट गए, बीच-बीच में उन्हें झपकी भी आ जाती थी, जिसके लिए वे हर बार जागने पर एक-दूसरे को ताना मारते थे। फिर मिस्टर बोर्निसीन कमरे में पवित्र जल छिड़कते और होमेस फर्श पर थोड़ा क्लोरीन डाल देते।

फेलिसिटे ने दराजों वाली अलमारी पर उनके लिए शराब की एक बोतल, एक पनीर और एक बड़ा ब्रियोश रखने का ध्यान रखा था। और इसलिए, दवा विक्रेता, जो अब और बर्दाश्त नहीं कर सका, सुबह लगभग चार बजे आह भरते हुए बोला:

मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मुझे थोड़ा सा भोजन मिल जाए तो मुझे खुशी होगी!

पादरी को मनाने की ज़रूरत नहीं पड़ी; वह अपनी प्रार्थना करने बाहर गए, वापस आए; फिर उन्होंने खाना खाया और गिलास टकराए, थोड़ा मुस्कुराए, अनजाने में ही सही, उदासी के दौर के बाद आने वाली उस अस्पष्ट प्रकार की खुशी से उत्साहित होकर; और आखिरी छोटे गिलास के साथ, पादरी ने फार्मासिस्ट के कंधे पर थपथपाते हुए कहा:

हम एक दिन दोस्त जरूर बन जाएंगे!

नीचे, सामने के हॉल में, उनका सामना अंदर आ रहे मजदूरों से हुआ। दो घंटे तक, चार्ल्स को लकड़ी के तख्तों पर हथौड़े की गूंजती हुई यातना सहनी पड़ी। फिर वे उसे उसके ओक के ताबूत में नीचे लाए, जिसे उन्होंने बाकी दो ताबूतों के अंदर रख दिया; लेकिन ताबूत बहुत चौड़ा होने के कारण, उन्हें गद्दे से ऊन निकालकर उसके बीच की जगह भरनी पड़ी। अंत में, जब तीनों आवरणों को चिकना करके, कीलें ठोककर और जोड़-तोड़ करके तैयार कर लिया गया, तो उसे दरवाजे के सामने प्रदर्शित किया गया; उन्होंने घर के दरवाजे खोल दिए, और योनविल के लोग अंदर आने लगे।

पेरे रूऑल्ट आ गए। काले कपड़े को देखते ही वे चौक में बेहोश हो गए।

[10]

घटना के छत्तीस घंटे बाद तक उन्हें फार्मासिस्ट का पत्र नहीं मिला था; और उनकी संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए, महाशय होमेस ने इसे इस तरह से लिखा था कि यह जानना असंभव था कि इसके बारे में क्या सोचा जाए।

पहले तो वह सज्जन मानो लकवाग्रस्त होकर गिर पड़े। फिर उन्हें एहसास हुआ कि वह मरी नहीं है। लेकिन हो भी सकती है... आखिरकार उन्होंने अपना कुर्ता पहना, टोपी उठाई, जूते में एड़ी बांधी और पूरी रफ्तार से घोड़े पर सवार होकर निकल पड़े; और पूरे रास्ते भर, पिता रूऑल्ट हांफते-हांफते चिंता से व्याकुल थे। एक बार तो उन्हें घोड़े से उतरना भी पड़ा। उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, चारों ओर आवाजें सुनाई दे रही थीं, उन्हें लग रहा था जैसे वे पागल हो रहे हों।

दिन निकल आया। उसने एक पेड़ पर तीन काली मुर्गियाँ सोती हुई देखीं; वह इस अपशगुन से भयभीत होकर काँप उठा। फिर उसने पवित्र कुंवारी को गिरजाघर के लिए तीन वस्त्र दान करने का वादा किया और लेस् बर्टोंक्स के कब्रिस्तान से वासोनविले के गिरजाघर तक नंगे पैर चलने की प्रतिज्ञा की।

वह सराय में लोगों का अभिवादन करते हुए मारोम में दाखिल हुआ, अपने कंधे से एक जोरदार प्रहार करके दरवाजा तोड़ दिया, जई के थैले की ओर उछला, चरनी में मीठे साइडर की एक बोतल उंडेल दी और अपने घोड़े पर वापस चढ़ गया, जिससे उसके खुरों के नीचे से चिंगारियां उड़ने लगीं।

उसने मन ही मन सोचा कि वे उसे ज़रूर बचा लेंगे; डॉक्टर ज़रूर इलाज ढूंढ लेंगे। उसे वे सभी चमत्कारिक इलाज याद आ गए जिनके बारे में उसने सुना था।

फिर वह उसे मृत अवस्था में दिखाई दी। वह उसके सामने, सड़क के बीचोंबीच, पीठ के बल लेटी हुई थी। उसने लगाम खींची और वह भ्रम गायब हो गया।

क्विनकैम्पोइक्स में, अपना हौसला बनाए रखने के लिए, उन्होंने एक के बाद एक तीन कॉफी पी लीं।

उसे लगा कि चिट्ठी लिखते समय उन्होंने नाम गलत लिख दिया होगा। उसने अपनी जेब में चिट्ठी ढूंढी, उसे छूकर देखा, लेकिन खोलने की हिम्मत नहीं की।

अंततः उसे लगा कि शायद यह कोई मज़ाक था, किसी का बदला था, किसी ऐसे व्यक्ति की सोची-समझी चाल थी जिसने ज़रूरत से ज़्यादा शराब पी रखी थी; आख़िरकार, अगर वह मर गई होती, तो क्या उसे पता नहीं चलता? लेकिन नहीं! ग्रामीण इलाके में कुछ भी असामान्य नहीं था: आसमान नीला था, पेड़ लहरा रहे थे, भेड़ों का एक झुंड गुज़र रहा था। उसने गाँव को देखा; उन्होंने उसे अपने घोड़े पर झुके हुए तेज़ी से आगे बढ़ते देखा; वह उसे ज़ोर से चाबुक मार रहा था, और उसकी लगाम से खून टपक रहा था।

जब उसे होश आया तो वह रोते हुए बोवरी की बाहों में गिर पड़ा:

“मेरी बेटी! एम्मा! मेरी बच्ची! मुझे बताओ…”

और दूसरी ने रोते हुए उत्तर दिया:

मुझे नहीं पता, मुझे नहीं पता! यह तो अभिशाप है!

औषधालय ने उन्हें अलग कर दिया।

“ये भयानक विवरण देना व्यर्थ है। मैं महोदय को समझा दूँगा। लोग आ रहे हैं। थोड़ी तो गरिमा बनाए रखें, भगवान के लिए! समझदारी से काम लें!”

वह बेचारा मजबूत दिखना चाहता था, और उसने कई बार कहा:

“हाँ… हिम्मत रखो!”

“ठीक है, तो फिर,” बूढ़े व्यक्ति ने उत्साह से कहा, “हे स्वर्ग में विराजमान महान ईश्वर! मैं अंत तक उसके साथ रहूंगा।”

घंटी बज रही थी। सब कुछ तैयार था। निकलने का समय हो गया था।

गायक-मंडली में अगल-बगल बैठे हुए वे तीनों गायकों को अपने सामने बार-बार आते-जाते और भजन गाते हुए देख रहे थे। सर्प वादक पूरी ताकत से वाद्य यंत्र बजा रहा था। श्रीमान बोर्निसीन, पूरे वस्त्रों में, तीखी आवाज़ में गा रहे थे; उन्होंने वेदी को प्रणाम किया, हाथ उठाए, बाहें फैलाईं। लेस्टिबूडोइस अपनी व्हेल की हड्डी की छड़ी लिए चर्च में घूम रहे थे; मंच के पास, मोमबत्तियों की चार पंक्तियों के बीच ताबूत रखा था। चार्ल्स उठकर उन्हें बुझाना चाहता था।

फिर भी वह अपने भीतर श्रद्धा की भावना जगाने की कोशिश कर रहा था, उस भविष्य की आशा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा था जिसमें वह उसे फिर से देख सकेगा। उसने कल्पना की कि वह बहुत दूर, बहुत समय पहले किसी यात्रा पर चली गई है। लेकिन फिर, जब उसने सोचा कि वह यहीं है, इन सबके बीच, और सब कुछ खत्म हो चुका है, कि उसे ले जाकर दफना दिया जाएगा, तो वह एक भयानक, अंधकारमय, निराशापूर्ण क्रोध से भर गया। कुछ क्षणों के लिए उसे लगा कि अब उसे कुछ भी महसूस नहीं हो रहा है; और वह अपने दर्द के कम होने का आनंद ले रहा था, भले ही वह खुद को एक नीच इंसान होने के लिए दोषी ठहरा रहा था।

लोहे की नोक वाली छड़ी की तीखी आवाज़ नियमित अंतराल पर पत्थरों पर सुनाई दे रही थी। यह आवाज़ पीछे से आ रही थी और गिरजाघर के किनारे वाले गलियारे में आकर रुक गई। एक खुरदरी भूरी जैकेट पहने एक आदमी बड़ी मुश्किल से घुटनों के बल बैठा। वह हिप्पोलिटे था, जो लायन डी'ओर में अस्तबल का नौकर था। उसने अपना नया पैर लगा लिया था।

गायक मंडली के सदस्यों में से एक चंदा लेने के लिए चर्च के मुख्य भाग से गुजरा, और भारी मात्रा में धन एक के बाद एक चांदी की थाली में गिरता चला गया।

“जल्दी करो! मैं बहुत तकलीफ में हूँ!” बोवरी ने गुस्से में चिल्लाते हुए उसे पाँच फ्रैंक का सिक्का फेंक दिया।

पादरी ने झुककर उनका धन्यवाद किया।

वे गाते रहे, घुटने टेकते रहे, फिर उठते रहे, यह सिलसिला चलता रहा! उन्हें याद आया कि शुरुआती दिनों में एक बार वे सब साथ में प्रार्थना सभा में शामिल हुए थे और दीवार के सहारे दाहिनी ओर बैठे थे। घंटी फिर बजने लगी। कुर्सियों में हलचल मच गई। शव ले जाने वालों ने अपने तीन डंडे शवपेटिका के नीचे सरका दिए और सब लोग चर्च से बाहर निकल गए।

उसी क्षण जस्टिन फार्मेसी के दरवाजे पर दिखाई दिया। वह अचानक अंदर चला गया, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह लड़खड़ा रहा था।

लोग जुलूस को देखने के लिए अपनी खिड़कियों पर खड़े थे। सबसे आगे चल रहे चार्ल्स एकदम सीधे खड़े थे। वे साहस का परिचय देते हुए गलियों या दरवाजों से निकलकर भीड़ में शामिल होने वालों का सिर हिलाकर अभिवादन कर रहे थे।

छह आदमी, तीन-तीन दोनों ओर, छोटे-छोटे कदमों से चल रहे थे और थोड़ा हांफ रहे थे। पुजारी, गायक और दो वेदी सेवक 'डी प्रोफंडिस' का पाठ कर रहे थे; और उनकी आवाज़ें लहरों की तरह उठती-गिरती हुई ग्रामीण इलाकों में गूंज रही थीं। कभी-कभी वे रास्ते के मोड़ पर गायब हो जाते थे; लेकिन विशाल चांदी का क्रॉस हमेशा पेड़ों के बीच से निकलता हुआ दिखाई देता था।

काली चादर ओढ़े, सिर पर हुड मोड़े हुए औरतें पीछे-पीछे चल रही थीं; हर एक के एक हाथ में मोटी, जलती हुई मोमबत्ती थी; और मोम और साउटेन की घिनौनी गंध के बीच प्रार्थनाओं और ज्वालाओं की अंतहीन पुनरावृत्ति से चार्ल्स बेहोश होने लगा। एक ताज़ी हवा चल रही थी, राई और सरसों के बीज हरे हो रहे थे, सड़क के किनारे कंटीली झाड़ियों पर ओस की छोटी-छोटी बूँदें काँप रही थीं। हर तरह की आनंददायक आवाज़ें हवा में गूँज रही थीं: उबड़-खाबड़ सड़क पर लुढ़कती हुई बैलगाड़ी की दूर से आती खड़खड़ाहट, बार-बार बांग देते मुर्गे की बांग, या सेब के पेड़ों के नीचे दौड़ते हुए घोड़े के बच्चे की सरपट दौड़। साफ आसमान गुलाबी बादलों से भरा था; नीले धुएँ के गुच्छे आइरिस से ढकी फूस की झोपड़ियों के ऊपर से नीचे आ रहे थे; चार्ल्स ने गुजरते हुए खेतों को पहचान लिया। उसे ऐसी ही सुबहें याद आ गईं, जब किसी मरीज से मिलने के बाद वह बाहर आता और फिर उसके पास लौट जाता।

सफेद आंसुओं से सजी काली चादर समय-समय पर उठती और ताबूत को उजागर करती। थके हुए शववाहक धीमे हो रहे थे और शवयात्रा छोटी-छोटी झटकों के साथ आगे बढ़ रही थी, मानो कोई नाव हर लहर के साथ ऊपर-नीचे हो रही हो।

वे पहुँच गए।

वे लोग आगे बढ़ते हुए अंतिम छोर तक गए, जहाँ घास के मैदान में कब्र खोदी गई थी।

वे सब उसके चारों ओर कतार बनाकर खड़े हो गए; और जब पुजारी बोल रहा था, तो किनारों पर उछाली गई लाल मिट्टी लगातार, बिना किसी आवाज के, कोनों से नीचे रिसती रही।

फिर, जब चारों रस्सियाँ सही जगह पर लग गईं, तो उन्होंने अर्थी को उन पर धकेल दिया। उसने उसे नीचे जाते हुए देखा। वह अभी भी नीचे जा रही थी।

अंततः उन्हें एक ज़ोरदार आवाज़ सुनाई दी; रस्सियाँ चरमराती हुई ऊपर आ गईं। फिर बोर्निसियन ने लेस्टिबूडोइस द्वारा बढ़ाए गए फावड़े को उठाया; अपने बाएँ हाथ से, और दाएँ हाथ से पवित्र जल छिड़कते हुए, उसने ज़ोर से एक बड़ा फावड़ा भरकर पानी अंदर धकेल दिया; और कंकड़ों के ताबूत की लकड़ी से टकराने से वह भयानक ध्वनि उत्पन्न हुई जो हमें अनंत काल की गूंज जैसी लगती है।

पादरी ने एस्परगिलम (एक प्रकार का गूदा) अपने पड़ोसी को दे दिया। वह श्री होमेस थे। उन्होंने उसे गंभीरता से हिलाया, फिर चार्ल्स की ओर बढ़ाया, जो घुटनों के बल ज़मीन में धंस गया और मुट्ठी भर गूदा उसमें फेंकते हुए चिल्लाया: "अलविदा!" उसने उसे चुंबन दिए; वह कब्र की ओर घिसटता हुआ गया ताकि वह भी उसके साथ उसमें समा जाए।

वे उसे अपने साथ ले गए; और वह जल्द ही शांत हो गया, शायद बाकी सभी की तरह, उसे भी इस काम से छुटकारा पाने की एक अस्पष्ट संतुष्टि महसूस हो रही थी।

वापसी के रास्ते में, पेरे रूऑल्ट शांति से पाइप पीने लगे; जिसे होमेस ने मन ही मन अनुचित समझा। उन्होंने यह भी देखा कि श्री बिनेट उपस्थित नहीं थे, तुवाचे प्रार्थना के बाद "चले गए" थे, और नोटरी के नौकर थियोडोर ने नीले रंग का कोट पहना हुआ था, "जैसे कि उन्हें काला कोट नहीं मिला हो, जबकि रिवाज तो काला ही होता है!" और वे एक समूह से दूसरे समूह में जाकर अपनी बातें बताते रहे। वे सभी एम्मा की मृत्यु पर शोक मना रहे थे, विशेषकर ल्यूरेक्स, जो अंतिम संस्कार में अवश्य उपस्थित थे।

“वह बेचारी महिला! उसके पति को कितना कष्ट हो रहा होगा!”

औषधालय ने कहा:

"अगर मैं न होता, तो आप यकीन मानिए, वह खुद को जान से मारने की कोशिश जरूर करता!"

“कितनी अच्छी इंसान हैं वो! लेकिन सोचो तो सही, मैंने उन्हें पिछले शनिवार को ही अपनी दुकान में देखा था!”

होमेस ने कहा, "मुझे इतना समय नहीं मिला कि मैं उसकी कब्र पर बोलने के लिए कुछ शब्द तैयार कर सकूं।"

घर पहुँचकर चार्ल्स ने अपने अंतिम संस्कार के कपड़े उतार दिए, और पिता रूऑल्ट ने अपनी नीली कमीज़ फिर से पहन ली। यह नई थी, और क्योंकि उन्होंने रास्ते में कई बार आस्तीनों से अपनी आँखें पोंछी थीं, इसलिए रंग उनके चेहरे पर लग गया था; और उनके आँसुओं ने धूल की परत पर छोटे-छोटे निशान बना दिए थे जिससे कमीज़ गंदी हो गई थी।

उनके साथ बुजुर्ग महिला मैडम बोवरी भी थीं। तीनों चुप थे। अंत में बूढ़े व्यक्ति ने आह भरते हुए कहा:

“तुम्हें याद है ना, मेरे दोस्त, मैं एक बार टोस्टेस आया था, जब तुमने अपनी पहली पत्नी को खोया था। उन दिनों मैं तुम्हें सांत्वना दे पाया था! मुझे कुछ कहने को सूझा था; लेकिन अब…”

फिर, एक लंबी कराह के साथ जिसने उसकी पूरी छाती को हिला दिया:

आह! मेरा तो अंत हो गया! मैंने अपनी पत्नी को जाते हुए देखा... उसके बाद मेरे बेटे को... और अब, आज, मेरी बेटी को भी!

उन्होंने तुरंत लेस बर्टो लौटने का इरादा जताया और कहा कि वे उस घर में सो नहीं सकते। उन्होंने अपनी पोती से मिलने से भी इनकार कर दिया।

“नहीं, नहीं! इससे मुझे बहुत दुख होगा। बस, मेरी तरफ से उसे एक बड़ा सा चुंबन दे देना! अलविदा! … तुम बहुत अच्छे इंसान हो! और चिंता मत करो, मैं नहीं भूलूंगा,” उसने अपनी जांघ पर हाथ मारते हुए कहा। “तुम्हें तुम्हारा टर्की ज़रूर मिलेगा।”

लेकिन जब वह पहाड़ी की चोटी पर पहुँचा, तो वह मुड़ गया, जैसा कि वह सेंट-विक्टर जाने वाली सड़क पर उससे विदा लेते समय एक बार पहले भी मुड़ा था। गाँव की खिड़कियाँ सूरज की तिरछी किरणों से जगमगा रही थीं, जो घास के मैदान के पार डूब रहा था। उसने अपने हाथ से अपनी आँखों को छाया दी; और क्षितिज पर उसने एक चारदीवारी वाला बाड़ा देखा जहाँ सफेद पत्थरों के बीच जगह-जगह घने पेड़ों के झुंड खड़े थे; फिर वह धीरे-धीरे अपने रास्ते पर आगे बढ़ गया, क्योंकि उसका घोड़ा लंगड़ा रहा था।

उस रात चार्ल्स और उसकी माँ थकान के बावजूद काफी देर तक बातें करते रहे। उन्होंने बीते दिनों और भविष्य के बारे में चर्चा की। वह योनविले में आकर रहेगी, उसके लिए घर का काम करेगी, और वे फिर कभी अलग नहीं होंगे। वह चतुर और मिलनसार थी, और इतने वर्षों तक उससे वंचित रहे स्नेह को फिर से पाकर बहुत खुश थी। आधी रात हो गई। गाँव हमेशा की तरह शांत था, और चार्ल्स, जागते हुए, अभी भी उसके बारे में सोच रहा था।

दिनभर जंगल में शिकार करके अपना ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा रोडोल्फ अपने महल में शांति से सो रहा था; और दूर स्थित लियोन भी सो रहा था।

उस समय एक और व्यक्ति सो नहीं रहा था।

चीड़ के पेड़ों के बीच कब्र पर एक लड़का घुटनों के बल बैठकर रो रहा था, सिसकियों से उसका सीना अंधेरे में ऊपर-नीचे हो रहा था, एक ऐसे गहरे दुख से दबा हुआ था जो चाँद से भी कोमल और रात से भी अथाह था। अचानक फावड़ा चरमराया। यह लेस्टिबूडोइस था; वह अपना फावड़ा ढूंढने आया था, जिसे वह पहले भूल गया था। उसने जस्टिन को दीवार फांदते हुए पहचान लिया, और तब उसे उस बदमाश के बारे में सच्चाई पता चली जो उसके आलू चुरा रहा था।

[11]

अगले दिन, चार्ल्स बच्ची को वापस ले आया। बच्ची ने अपनी माँ के बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि वह बाहर गई हुई है और उसके लिए कुछ खिलौने लेकर आएगी। बर्थे ने कई बार अपनी माँ के बारे में बात की; फिर आखिरकार उसने उसके बारे में सोचना बंद कर दिया। बच्ची की खुशी ने बोवरी के दिल को बहुत दुख पहुँचाया, और साथ ही उसे फार्मासिस्ट की असहनीय सहानुभूति भी सहनी पड़ी।

जल्द ही पैसों की दिक्कतें फिर से शुरू हो गईं। श्री ल्यूरेक्स ने अपने मित्र विन्सार्ट को पहले की तरह उकसाया, और चार्ल्स ने भारी रकम के कागजात पर हस्ताक्षर कर दिए; क्योंकि वह अपनी माँ की किसी भी चीज़ को बेचने के लिए कभी राज़ी नहीं हुआ था। उसकी माँ इससे बहुत क्रोधित हुई। वह उससे भी ज़्यादा गुस्सा हो गया। वह पूरी तरह बदल गया था। उसकी माँ हमेशा के लिए घर छोड़कर चली गई।

फिर सभी ने उससे लाभ कमाने का प्रयास किया। मैडमोजेल लेम्पेरर ने छह महीने के पाठों का दावा किया, जबकि एम्मा ने कभी एक भी पाठ नहीं लिया था (भले ही उसने बोवरी को रसीद वाला बिल दिखाया था): दोनों महिलाओं के बीच एक समझौता था; उधार देने वाले पुस्तकालय ने तीन साल की सदस्यता फीस का दावा किया; मेरे रोलेट ने लगभग बीस पत्रों पर डाक शुल्क का दावा किया; और जब चार्ल्स ने स्पष्टीकरण मांगा, तो उसके पास जवाब देने का विवेक था।

“अरे! मुझे तो इसके बारे में कुछ पता ही नहीं! यह तो कारोबार था।”

हर कर्ज चुकाने के साथ, चार्ल्स को लगता था कि अब सारे कर्ज खत्म हो गए हैं। लेकिन नए कर्ज लगातार आते रहते थे।

उन्होंने पेशेवर दौरों के लिए लंबे समय से बकाया भुगतान वसूलने की कोशिश की। उन्हें उनकी पत्नी द्वारा भेजे गए पत्र दिखाए गए। तब उन्हें माफी मांगनी पड़ी।

फेलिसिटे अब मैडम के कपड़े पहनती थी; हालांकि सभी नहीं, क्योंकि उसने कुछ कपड़े अपने पास रखे थे, और वह उन्हें देखने के लिए उनके ड्रेसिंग रूम में जाकर खुद को अंदर बंद कर लेता था; वह लगभग उन्हीं के आकार की थी, और अक्सर जब चार्ल्स उसे पीछे से देखता था, तो वह भ्रम का शिकार हो जाता था और चिल्ला उठता था:

“ओह! रुको! रुको!”

लेकिन पेंटेकोस्ट के दिन, वह योनविले से भाग गई, थियोडोर उसे अपने साथ ले गया और उसने अलमारी में बचा हुआ सारा सामान चुरा लिया।

लगभग इसी समय विधवा डुपुइस को यह सूचित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ कि "उनके पुत्र, यवेटोट के नोटरी श्री लियोन डुपुइस का विवाह बोंडेविले की मैडमोजेल लियोकाडी लेबोफ से हो गया है।" चार्ल्स ने उन्हें भेजे गए बधाई संदेशों में यह वाक्य लिखा:

"मेरी बेचारी पत्नी कितनी खुश होती!"

एक दिन, जब वह घर में यूँ ही इधर-उधर भटकते हुए अटारी में गया, तो उसे अपनी चप्पल के नीचे पतले कागज़ का एक छोटा सा टुकड़ा महसूस हुआ। उसने उसे खोला और पढ़ा: “हिम्मत रखो, एम्मा! हिम्मत रखो! मैं तुम्हारा जीवन बर्बाद नहीं करना चाहता।” यह रोडोल्फ़ का पत्र था, जो कुछ बक्सों के बीच ज़मीन पर गिर गया था और वहीं पड़ा रहा, और जिसे अटारी की खिड़की से आती हवा ने दरवाज़े की ओर उड़ा दिया था। चार्ल्स वहीं मुँह खुला रखकर, बिना हिले-डुले खड़ा रहा, उसी जगह पर जहाँ कभी, उससे भी ज़्यादा पीली पड़ी हुई, एम्मा निराशा में मरना चाहती थी। आख़िरकार, उसने दूसरे पृष्ठ के नीचे एक छोटा सा R देखा। यह किसका पत्र था? उसे रोडोल्फ़ का लगातार ध्यान रखना, उसका अचानक गायब हो जाना, और उसके बाद दो-तीन बार उससे मिलने पर उसका संयमित व्यवहार याद आया। लेकिन वह पत्र के सम्मानजनक लहजे से धोखा खा गया था।

"शायद वे एक-दूसरे से निस्वार्थ भाव से प्यार करते थे," उसने मन ही मन कहा।

किसी भी सूरत में, चार्ल्स उन लोगों में से नहीं थे जिन्हें चीजों की तह तक जाना पसंद था: वह सबूतों के सामने ही पीछे हट जाते थे, और उनकी क्षणिक ईर्ष्या उनके अपार दुःख में विलीन हो जाती थी।

उसने सोचा, वे उसे बहुत प्यार करते होंगे। यकीनन सभी पुरुष उसे पाने की चाह रखते होंगे। अब वह उसे और भी खूबसूरत लगने लगी; और इस विचार ने उसके भीतर एक निरंतर, प्रचंड इच्छा जगा दी जिसने उसकी निराशा को और बढ़ा दिया और जिसकी कोई सीमा नहीं थी क्योंकि अब वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकती थी।

उसे प्रसन्न करने के लिए, मानो वह अभी भी जीवित हो, उसने उसकी पसंद-नापसंद और विचारों को अपना लिया; उसने पेटेंट लेदर के जूते खरीदे, सफेद टाई पहनने की आदत डाल ली। उसने अपनी मूंछों पर ब्रिलिएंटाइन लगाया; उसकी तरह ही उसने भी वचन पत्र लिखे। वह मरने के बाद भी उसे प्रभावित कर रही थी।

उन्हें चांदी के सारे सामान एक-एक करके बेचने पड़े; फिर उन्होंने बैठक का सारा फर्नीचर बेच दिया। सारे कमरे खाली कर दिए गए; लेकिन उनका शयनकक्ष, उनका कमरा, जैसा था वैसा ही रहा। रात के खाने के बाद चार्ल्स वहां जाते। वे गोल मेज को आग के पास खिसका देते और उनकी कुर्सी आगे खींच लेते। वे सामने बैठ जाते। सोने

के पानी चढ़े मोमबत्ती स्टैंड में एक मोमबत्ती जल रही थी। बर्थे उनके बगल में बैठकर छपे चित्रों में रंग भर रही थीं।

उस बेचारे को उसे इतने फटेहाल कपड़ों में देखकर बहुत दुख होता था, उसके टखने तक के बूटों के फीते गायब थे और उसकी कमीज़ों के आस्तीन कमर तक फटे हुए थे—क्योंकि सफाई करने आई औरत ने उस पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया था। लेकिन वह इतनी कोमल, इतनी प्यारी थी, और वह अपना छोटा सा सिर इतनी खूबसूरती से झुकाती थी कि उसके सुनहरे बाल उसके गुलाबी गालों पर बिखर जाते थे, जिससे वह असीम आनंद से भर जाता था, एक ऐसा आनंद जिसमें कड़वाहट भी मिली होती थी, ठीक वैसे ही जैसे खराब बनी शराब में राल की गंध होती है। वह उसके खिलौनों की मरम्मत करता, उसके लिए गत्ते से जंपिंग जैक बनाता, या उसकी गुड़ियों के फटे पेट सिलता। फिर, अगर उसकी नज़र सिलाई के डिब्बे पर, लटकते रिबन पर या मेज़ की दरार में फंसी पिन पर भी पड़ती, तो वह ख्यालों में खो जाता, और इतना उदास दिखता कि वह भी उसकी तरह उदास हो जाती।

अब उनसे मिलने कोई नहीं आता था; क्योंकि जस्टिन रूएन भाग गया था, जहाँ वह एक किराने का सामान बेचने वाला लड़का बन गया था, और दवा विक्रेता के बच्चे उस छोटी लड़की से मिलने कम ही आते थे, क्योंकि महाशय होमेस, उनकी सामाजिक स्थिति में अंतर को देखते हुए, यह पसंद नहीं करते थे कि उनका मेलजोल लंबा चले।

वह अंधा आदमी, जिसे वह अपने मरहम से ठीक नहीं कर पाया था, बोइस-गिलौम की पहाड़ी पर लौट आया था, जहाँ उसने यात्रियों को फार्मासिस्ट के व्यर्थ प्रयास की कहानी सुनाई। इसका नतीजा यह हुआ कि होमेस जब भी शहर जाता, तो उससे बचने के लिए हिरोंडेल के पर्दों के पीछे छिप जाता। वह उससे घृणा करता था; और अपनी प्रतिष्ठा के हित में, हर कीमत पर उससे छुटकारा पाने की चाह में, उसने उसके खिलाफ एक गुप्त अभियान चलाया जिसने उसकी बुद्धिमत्ता की गहराई और उसके घमंड की दुष्टता दोनों को उजागर किया। इस प्रकार, लगातार छह महीनों तक, ले फनल डे रूएन में निम्नलिखित जैसे अनुच्छेद पढ़े जा सकते थे:

पिकार्डी के उपजाऊ खेतों की ओर जाने वाले किसी भी व्यक्ति ने बोइस-गिलौम की पहाड़ी पर एक ऐसे दयनीय व्यक्ति को अवश्य देखा होगा, जिसके चेहरे पर एक भयानक घाव है। वह हर यात्री को परेशान करता है, उसका उत्पीड़न करता है और उससे एक तरह का कर वसूलता है। क्या हम अभी भी मध्य युग के उन भयावह दिनों में जी रहे हैं, जब आवारा लोगों को हमारे सार्वजनिक स्थानों पर कुष्ठ रोग और स्क्रॉफ़ुला (एक प्रकार का रोग) प्रदर्शित करने की अनुमति थी, जिसे वे धर्मयुद्ध से वापस लाए थे?

या:

"आवारागर्दी के खिलाफ कानूनों के बावजूद, हमारे बड़े शहरों के रास्तों पर अब भी बेघर लोगों के गिरोह घूमते रहते हैं। कुछ तो अकेले भी घूमते नजर आते हैं, और ये शायद कम खतरनाक नहीं हैं। हमारे मजिस्ट्रेट आखिर सोच क्या रहे हैं?"

फिर होमेस ने मनगढ़ंत किस्से सुनाने शुरू कर दिए:

“कल, बोइस-गिलौम की पहाड़ी पर, एक चंचल घोड़ा…” और फिर उस अंधे आदमी की उपस्थिति के कारण हुई एक दुर्घटना की कहानी शुरू हुई।

वह इतना प्रभावशाली था कि अंधे व्यक्ति को कैद कर लिया गया। लेकिन उसे रिहा कर दिया गया। उसने फिर से शुरुआत की, और होमेस ने भी फिर से शुरुआत की। यह एक लड़ाई थी। जीत होमेस की हुई; क्योंकि उसके शत्रु को आजीवन पागलखाने में रहने की सजा मिली।

इस सफलता ने उसका हौसला बढ़ा दिया; और तब से, जब भी जिले में किसी कुत्ते को गाड़ी से कुचल दिया जाता, या कोई खलिहान जल जाता, या किसी महिला की पिटाई हो जाती, वह तुरंत जनता को इसकी सूचना देता, हमेशा प्रगति के प्रेम और पुजारियों के प्रति घृणा से प्रेरित होकर। उसने प्राथमिक विद्यालयों और अज्ञानी भिक्षुओं के बीच तुलना की, जिससे अज्ञानी भिक्षुओं की निंदा हुई, चर्च को सौ फ्रैंक आवंटित करने के संबंध में संत बार्थोलोम्यू दिवस का उल्लेख किया, कुप्रथाओं की आलोचना की और चुटकुलों की बौछार की। यही उसका शब्द था। होमेस नींव को हिला रहा था; वह खतरनाक होता जा रहा था।

फिर भी, पत्रकारिता की संकीर्ण सीमाओं में उनका दम घुट रहा था, और जल्द ही उन्हें एक पुस्तक, एक रचना लिखने की आवश्यकता महसूस हुई! और इस प्रकार उन्होंने योनविले कैंटन के सामान्य आँकड़े और कुछ जलवायु संबंधी अवलोकन लिखे, और सांख्यिकी ने उन्हें दर्शनशास्त्र की ओर अग्रसर किया। वे सामाजिक सुधार, गरीबों में नैतिकता का संचार, मछली पालन, रबर, रेलमार्ग आदि जैसे प्रमुख प्रश्नों में लीन हो गए। अब उन्हें बुर्जुआ होने पर शर्म आती थी। उन्होंने कलात्मक शैली अपनाई; वे धूम्रपान करने लगे! उन्होंने अपने बैठक कक्ष को सजाने के लिए पोम्पाडोर शैली की दो आकर्षक मूर्तियाँ खरीदीं।

उन्होंने फार्मेसी का काम बिलकुल नहीं छोड़ा; बल्कि इसके विपरीत! वे नवीनतम आविष्कारों से अवगत रहे। उन्होंने चॉकलेट के बढ़ते चलन का अनुसरण किया। वे सीन-इन्फेरियर नदी के किनारे चो-का और रेवेलेंटिया लाने वाले पहले व्यक्ति थे। वे पुल्वरमाकर जलविद्युत बेल्टों के प्रति बेहद उत्साहित थे; वे स्वयं भी एक बेल्ट पहनते थे; और रात में, जब वे अपनी फलालैन की बनियान उतारते थे, तो मैडम होमेस उस सुनहरे सर्पिल को देखकर दंग रह जाती थीं जिसमें वे लगभग ओझल हो जाते थे, और इस व्यक्ति के प्रति उनका प्रेम और भी प्रबल हो जाता था, जो किसी स्किथियन से भी अधिक दृढ़ और किसी मैजियन पुजारी की तरह शानदार था।

एम्मा की समाधि के लिए उनके पास कुछ शानदार विचार थे। पहले उन्होंने वस्त्रों से ढके एक टूटे हुए स्तंभ का प्रस्ताव रखा, फिर एक पिरामिड, उसके बाद वेस्टा का मंदिर, एक प्रकार का गोल गुंबद... या शायद "खंडहरों का ढेर"। और हर योजना में, होमेस ने दृढ़तापूर्वक एक रोते हुए विलो वृक्ष को शामिल किया, जिसे वे उदासी का अनिवार्य प्रतीक मानते थे।

चार्ल्स और वह एक स्मारक निर्माता के यहाँ कुछ समाधि-पत्थर देखने के लिए एक साथ रूएन गए—उनके साथ चित्रकार वाउफ्रिलार्ड भी थे, जो ब्रिडॉक्स के मित्र थे और पूरे समय व्यंग्यात्मक चुटकुले सुनाते रहे। अंततः, लगभग सौ रेखाचित्रों का निरीक्षण करने, एक अनुमान मंगवाने और रूएन की दूसरी यात्रा करने के बाद, चार्ल्स ने एक समाधि का चयन किया जिसकी दो मुख्य दीवारों पर "बुझी हुई मशाल लिए एक संरक्षक आत्मा" का चित्रण होना था।

शिलालेख के लिए, होमेस को "स्टा विएटर" से अधिक सुंदर कुछ नहीं मिला, और वह इससे आगे नहीं बढ़ सका; उसने बहुत दिमाग लगाया; वह बार-बार "स्टा विएटर" दोहराता रहा... अंत में, उसे मिला: "अमाबिलेम कॉन्जुगेम कैल्कास!" और इसे ही अपनाया गया।

एक अजीब बात यह थी कि बोवरी, हालांकि वह लगातार एम्मा के बारे में सोचता रहता था, उसे भूलता जा रहा था; और वह निराश हो जाता था क्योंकि उसे लगता था कि एम्मा की छवि उसकी स्मृति से मिटती जा रही है, यहाँ तक कि उसे याद रखने की उसकी तमाम कोशिशों के बावजूद भी। हालांकि, हर रात वह उसके बारे में सपना देखता था; सपना हमेशा एक जैसा होता था: वह उसके पास जाता, लेकिन जैसे ही वह उसे गले लगाने वाला होता, वह उसकी बाहों में ही मर जाती।

एक सप्ताह तक उसे हर शाम चर्च में प्रवेश करते देखा गया। श्री बोर्निसीन ने भी उससे दो-तीन बार मुलाकात की, फिर उससे मिलना बंद कर दिया। होमेस ने कहा कि वैसे भी, पादरी का स्वभाव असहिष्णु और कट्टरपंथी था; वह समकालीन विचारों के विरुद्ध उग्र रूप से बोलता था, और हर दूसरे सप्ताह, बिना किसी चूक के, अपने उपदेश में वोल्टेयर की अंतिम पीड़ा का वर्णन अवश्य करता था, जिसकी मृत्यु मल खाते हुए हुई थी, जैसा कि सभी जानते हैं।

बोवरी मितव्ययिता से जीवन व्यतीत कर रहा था, फिर भी वह अपने पुराने कर्ज चुकाने के कगार पर नहीं था। ल्यूरेक्स ने किसी भी ऋण का नवीनीकरण करने से इनकार कर दिया। ज़ब्ती का खतरा मंडरा रहा था। उस समय उसने अपनी माँ से संपर्क किया, जो उसे अपनी संपत्ति पर ऋण लेने देने के लिए सहमत हो गई, लेकिन साथ ही उसने एम्मा के विरुद्ध आरोपों की झड़ी लगा दी; और अपने इस त्याग के बदले में उसने फेलिसिटे के अत्याचारों से बची हुई एक शॉल की मांग की। चार्ल्स ने इसे देने से इनकार कर दिया। दोनों में झगड़ा हुआ।

उसने सुलह की पहली पहल करते हुए छोटी बच्ची को अपने साथ रहने का प्रस्ताव रखा; वह घर के कामों में उसकी मदद करेगी। चार्ल्स मान गया। लेकिन जब उसके जाने का समय आया, तो उसका सारा साहस जवाब दे गया। इस बार संबंध पूरी तरह टूट चुका था और इसे सुधारा नहीं जा सकता था।

जैसे-जैसे दूसरों के प्रति उसका स्नेह कमज़ोर होता गया, वैसे-वैसे वह अपनी बच्ची के प्रति अपने प्रेम को और भी मज़बूती से थामे बैठा रहा। हालाँकि, वह उसे चिंतित करती थी; क्योंकि वह कभी-कभी खांसती थी और उसके गालों पर लाल धब्बे पड़ गए थे।

उनके सामने, हर पल खुशहाल और खुशहाल फार्मासिस्ट का परिवार रहता था, जिसके पास संतुष्ट रहने के सभी कारण थे। नेपोलियन प्रयोगशाला में उनकी मदद करता था, एथली उनके लिए एक टोपी बुन रही थी, इरमा जैम के ढक्कनों को ढकने के लिए कागज के छोटे-छोटे गोले काट रही थी, और फ्रैंकलिन गुणा का पहाड़ा एक ही सांस में सुना सकता था। वह सबसे खुश पिता और सबसे भाग्यशाली व्यक्ति थे।

ऐसा नहीं था! एक गुप्त महत्वाकांक्षा उसे सता रही थी: होमेस लीजन ऑफ ऑनर का क्रॉस चाहता था। उसके पास योग्यताओं की कोई कमी नहीं थी:

“पहला, हैजा महामारी के समय मैंने अपने कर्तव्य के प्रति असीम समर्पण से स्वयं को विशिष्ट साबित किया; दूसरा, मैंने अपने खर्च पर जनता के लिए उपयोगी कई रचनाएँ प्रकाशित कीं, जैसे कि…” (और यहाँ उन्होंने अपनी कृति 'साइडर, इसका निर्माण और प्रभाव' का उल्लेख किया; साथ ही, अकादमी को भेजे गए ऊनी एफिड्स पर अपने अवलोकन; सांख्यिकी का अपना संग्रह; और यहाँ तक कि अपना औषधीय शोध प्रबंध भी) “इसके अलावा, मैं कई विद्वान समाजों का सदस्य हूँ” (वे केवल एक ही समाज के सदस्य थे)।

“अंत में,” उसने घूमते हुए कहा, “सिर्फ इसलिए कि मैंने एक अग्निशामक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है!”

फिर होमेस सत्ताधारियों की ओर आकर्षित हो गया। उसने चुनाव के समय गुप्त रूप से महाशय प्रीफेक्ट के लिए काफी सेवाएँ दीं। संक्षेप में, उसने स्वयं को बेच दिया; उसने अपना आपा खो दिया। उसने तो राजा को एक याचिका भी लिखी जिसमें उसने न्याय की भीख माँगी; उसने राजा को "हमारे भले राजा" कहा और उसकी तुलना हेनरी चतुर्थ से की।

और हर सुबह, दवा विक्रेता अखबार पर अपना नामांकन खोजने के लिए झपट पड़ता था; लेकिन वह कभी नहीं छपता था। अंततः, और सहन न कर पाने पर, उसने अपने बगीचे में एक तारे के आकार का लॉन बनवाया, जो उस पुरस्कार का प्रतीक था, और उसके ऊपर दो घास के गुच्छे उगाए जो रिबन की नकल करते थे। वह उस लॉन के चारों ओर हाथ जोड़कर घूमता, सरकार की अक्षमता और मनुष्यों की कृतघ्नता पर चिंतन करता।

आदरवश, या शायद किसी ऐसी कामुकता के कारण जिसने उसे अपनी जाँच-पड़ताल में धीरे-धीरे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, चार्ल्स ने अभी तक उस रोज़वुड डेस्क के गुप्त डिब्बे को नहीं खोला था जिसका इस्तेमाल एम्मा अक्सर किया करती थी। आखिरकार, एक दिन, वह उसके सामने बैठ गया, चाबी घुमाई और स्प्रिंग दबा दी। लियोन के सारे पत्र वहीं थे। इस बार कोई शक नहीं! उसने एक-एक पत्र पढ़ा, फिर हर कोने, हर फर्नीचर, हर दराज, दीवारों के पीछे तक, हर जगह तलाशी ली, रोते-चिल्लाते हुए, पागलों की तरह, होश खो बैठा। उसे एक बक्सा मिला और उसने उसे पैर से ज़ोर से पटक दिया। उलटे-पुल्टे प्रेम पत्रों से घिरे रोडोल्फ का चित्र उसकी आँखों के सामने आ उठा।

लोग उसकी निराशा देखकर हैरान थे। वह बाहर जाना बंद कर चुका था, किसी से मिलता नहीं था, यहाँ तक कि अपने मरीजों से मिलने भी नहीं जाता था। फिर लोगों ने कहा कि वह शराब पीने के लिए खुद को कमरे में बंद कर लेता है।

लेकिन कभी-कभार, कोई जिज्ञासु व्यक्ति बगीचे की बाड़ के ऊपर चढ़कर उस बर्बर व्यक्ति को आश्चर्य से देखता, जिसकी लंबी दाढ़ी थी, गंदे कपड़े थे और जो चलते समय जोर-जोर से रो रहा था।

गर्मियों की शामों में, वह अपनी छोटी बेटी को साथ लेकर कब्रिस्तान जाया करता था। वे अंधेरा होने के बाद घर लौटते थे, जब चौक में एकमात्र रोशनी बिनेट के अटारी की खिड़की से आती थी।

फिर भी, वह अपने दुख को पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर सका, क्योंकि उसके पास कोई ऐसा करीबी नहीं था जो उसके साथ इसे साझा कर सके; और वह समय-समय पर मेरी लेफ्रांकोइस से मिलने जाता था ताकि उसके बारे में बात कर सके। लेकिन सराय की मालकिन उसकी बात अनसुनी कर देती थी, क्योंकि उसकी भी अपनी परेशानियाँ थीं, क्योंकि श्री ल्यूरेक्स ने आखिरकार अपनी परिवहन सेवा, लेस फेवरेट्स डू कॉमर्स, शुरू कर दी थी, और हिवर्ट, जो छोटे-मोटे काम करने के लिए मशहूर था, वेतन में वृद्धि की मांग कर रहा था और "प्रतिस्पर्धा" के लिए काम करने की धमकी दे रहा था।

एक दिन जब वह अपना घोड़ा बेचने के लिए आर्गिल के बाजार गया था - जो उसका आखिरी सहारा था - तब उसकी मुलाकात रोडोल्फ से हुई।

एक-दूसरे को देखते ही उनका चेहरा पीला पड़ गया। रोडोल्फ, जिसने केवल अपना कार्ड भेजा था, पहले तो कुछ बहाने बनाते हुए हकलाया, फिर हिम्मत जुटाकर (अगस्त का महीना था और मौसम बहुत गर्म था) उसे सराय में एक बोतल बीयर पीने के लिए आमंत्रित करने का साहस भी कर बैठा।

उसके सामने कोहनियों के बल झुककर, वह सिगार चबाते हुए बातें कर रहा था, और चार्ल्स उस चेहरे की मौजूदगी में ख्यालों में खो गया था जिसे वह प्यार करती थी। उसे लगा जैसे वह उसे फिर से देख रहा हो। यह अद्भुत था। काश वह भी वैसा ही होता।

दूसरा व्यक्ति हल चलाने, पशुओं, खाद आदि के बारे में बातें करता रहा, और उन सभी खाली जगहों को भरने के लिए सामान्य वाक्यांशों का प्रयोग करता रहा जिनमें किसी बात का संकेत मिल सकता था। चार्ल्स उसकी बात नहीं सुन रहा था; रोडोल्फ ने यह देखा, और चार्ल्स के चेहरे की गति में वह उसकी यादों की प्रगति को समझ गया। उसका चेहरा धीरे-धीरे लाल होता जा रहा था, उसकी नाक के नथुने तेजी से सिकुड़ और फैल रहे थे, उसके होंठ कांप रहे थे; एक क्षण ऐसा भी आया जब चार्ल्स, गंभीर क्रोध से भर कर, रोडोल्फ पर अपनी निगाहें गड़ा दीं, जिससे रोडोल्फ एक तरह के भय में चुप हो गया। लेकिन जल्द ही उसके चेहरे पर वही निराशाजनक उदासी फिर से दिखाई दी।

उन्होंने कहा, "मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं है।"

रोडोल्फ चुप रहा। और चार्ल्स, अपने सिर को हाथों में थामे हुए, अंतहीन पीड़ा के निराशाजनक स्वर में, नीरस आवाज़ में बोलता रहा:

नहीं, अब मुझे इस बात का तुमसे कोई मलाल नहीं है!

उन्होंने एक भव्य वाक्य भी जोड़ा, जो उन्होंने अपने जीवन में केवल एक बार बोला था:

"इसके लिए भाग्य ही जिम्मेदार है!"

रोडोल्फ, जिसने उस भाग्य का निर्धारण किया था, ने उसे अपनी स्थिति के हिसाब से बहुत आज्ञाकारी, हास्यास्पद और काफी नीच पाया।

अगले दिन, चार्ल्स मंडप में बनी बेंच पर जाकर बैठ गया। प्रकाश की किरणें जाली से छनकर आ रही थीं; अंगूर के पत्ते रेत पर अपनी छाया बना रहे थे, चमेली की खुशबू हवा में घुल रही थी, आकाश नीला था, कैंथारिस भृंग खिले हुए लिली के फूलों के आसपास भिनभिना रहे थे, और चार्ल्स अपने शोकग्रस्त हृदय में उमड़ रहे प्रेम के अस्पष्ट भावों के नीचे एक किशोर की तरह घुट रहा था।

सात बजे, छोटी बर्थे, जिसने उसे पूरी दोपहर नहीं देखा था, उसे रात के खाने के लिए बुलाने आई।

उसका सिर दीवार से टिका हुआ था, उसकी आंखें बंद थीं, उसका मुंह खुला हुआ था, और उसने अपने हाथों में काले बालों की एक लंबी लट पकड़ रखी थी।

“पापा, आइए!” उसने कहा।

और यह सोचकर कि वह खेलना चाहता है, उसने उसे धीरे से धक्का दिया। वह जमीन पर गिर गया। उसकी मौत हो गई थी।

छत्तीस घंटे बाद, औषध विक्रेता के अनुरोध पर, महाशय कैनिवेट आए। उन्होंने उसे खोला और उसमें कुछ नहीं पाया।

जब सब कुछ बिक गया, तो बारह फ्रैंक पचहत्तर सेंटिम बचे, जिनका इस्तेमाल मैडमोजेल बोवरी को उनकी दादी के घर का किराया चुकाने के लिए किया गया। उसी साल बुढ़िया का निधन हो गया; पिता रूऑल्ट लकवाग्रस्त थे, इसलिए उनकी देखभाल का जिम्मा उनकी चाची ने संभाला। वह गरीब हैं और उन्हें अपनी जीविका चलाने के लिए एक सूती चक्की में काम करने भेजती हैं।

बोवरी की मृत्यु के बाद, योनविले में तीन डॉक्टरों ने एक के बाद एक प्रयास किए, लेकिन सभी असफल रहे, क्योंकि महाशय होमेस ने उन्हें इतनी शीघ्रता और कुशलता से परास्त कर दिया। उनके स्वयं के मरीज़ों की संख्या बेहद अच्छी है; अधिकारी उनके साथ नरमी से पेश आते हैं और जनमत उनका समर्थन करता है।

उन्हें हाल ही में लीजन ऑफ ऑनर का क्रॉस प्रदान किया गया है।

नोट्स

नोट्स में दिए गए पृष्ठ संदर्भ मुद्रित संस्करण को संदर्भित करते हैं। लिंक आपको उस पृष्ठ पर ले जाएंगे जहां लिंक शब्द का संदर्भ दिया गया है (सटीकता फ़ॉन्ट आकार पर निर्भर करती है) और आगे नेविगेशन विकल्पों के लिए आप अपने रीडर की खोज सुविधा का उपयोग भी कर सकते हैं।

शिलालेख

xxxi

मैरी-एंटोइन-जूल्स सेनार्ड को: सेनार्ड वह वकील थे जिन्होंने ला रिव्यू डे पेरिस में मैडम बोवरी के पहले धारावाहिक प्रकाशन के बाद, जब फ्लाउबर्ट पर नैतिकता और धर्म के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया गया था, तब सफलतापूर्वक उनका प्रतिनिधित्व किया था। वकील को धन्यवाद देते हुए यह समर्पण उपन्यास के पुस्तक रूप में प्रकाशित होने पर जोड़ा गया था।

xxxiii

लुई बौइल्हेट को: बौइल्हेट, एक कवि, रूएन के मूल निवासी, फ्लाउबर्ट के शुरुआती मित्र और लगभग पच्चीस वर्ष की आयु से उनके सबसे करीबी दोस्त थे। उपन्यास पर काम करने के दौरान, बौइल्हेट लगभग हर रविवार उनके साथ बिताते थे और अक्सर उनके काम पर बहुमूल्य आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएँ देते थे। यह समर्पण उपन्यास के पहले, धारावाहिक रूप में एकमात्र समर्पण था।

भाग I

3

बसबी: फर से बना एक बेलनाकार सैन्य टोपी, जिसके ऊपर से एक तरफ एक थैली लटकी होती है।

5

क्रोस एगो: दंड की धमकी; वर्जिल की एनीड, I, 135 में, ये वे शब्द हैं जो क्रोधित देवता नेपच्यून ने तब कहे थे जब वह एनीस की यात्रा में मदद करने के लिए अवज्ञाकारी हवाओं को दंडित करने वाले थे।

5

टोपी: एक सपाट शीर्ष वाली, बिना किनारे वाली टोपी।

5

रिडिकुलस योग: लैटिन का अर्थ है "मैं हास्यास्पद हूं।"

6

एक प्रबुद्ध विचारक: फ्रांसीसी शब्द फिलोसोफ़े है, जिसका शाब्दिक अर्थ "दार्शनिक" है,

लेकिन इस संदर्भ में यह प्रबुद्धता युग के विचारकों, वैज्ञानिकों और साहित्यकारों के उस समूह को संदर्भित करता है जिन्होंने अठारहवीं शताब्दी के बौद्धिक वातावरण पर अपना प्रभुत्व जमाया और क्रांति में प्रत्यक्ष योगदान दिया; इसमें वोल्टेयर (पृष्ठ 68 पर टिप्पणी देखें), डिडेरोट (पृष्ठ 294 पर टिप्पणी देखें) और रूसो शामिल थे, जिनके उपन्यास एमिल ने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के प्रगतिशील सिद्धांतों का प्रस्ताव रखा था।

7 एन्जेलस: यह घंटी एन्जेलस के समय की घोषणा करती है, जो रोमन कैथोलिक धर्म में सुबह, दोपहर और शाम को की जाने वाली एक धार्मिक प्रार्थना है।

8 प्रथम भोज: भोज एक ईसाई संस्कार है जिसमें मसीह की मृत्यु की स्मृति में रोटी और शराब का सेवन किया जाता है। कैथोलिक चर्च में, लगभग सात वर्ष की आयु के बच्चों को कैटेकिज़्म के रूप में चर्च के सिद्धांतों की शिक्षा देकर उनके प्रथम भोज के लिए गहन रूप से तैयार किया जाता है; फिर उनके प्रथम भोज का दिन बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

8 सेंट-रोमेन मेला: रूएन में हर साल नवंबर में आयोजित होने वाला एक मेला।

8 अनाचारसिस: शायद यह जीन जैक्स बार्थेलेमी की ग्रीस में अनाचारसिस द यंगर की यात्राएँ थीं, जो एक विद्वतापूर्ण काल्पनिक यात्रा वृत्तांत और पहले ऐतिहासिक उपन्यासों में से एक है।

8 स्नातक उपाधि: फ्रांसीसी शिक्षा प्रणाली में, माध्यमिक या हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने वाली परीक्षाओं के बाद प्रदान की जाने वाली डिग्री।

8 ओउ डे रोबेक: सीन नदी की एक सहायक नदी जो रूएन के सबसे गरीब इलाकों से होकर बहती थी; नदी के किनारे स्थित रंग कारखानों का अपशिष्ट जल इसमें बहाया जाता था, इसीलिए इसका रंग मैला और रंग-बिरंगा दिखता था। आज के रूएन में, ओउ डे रोबेक सड़क के किनारे पुनर्निर्मित लकड़ी के बने मकान हैं; सहायक नदी का अधिकांश भाग पक्का कर दिया गया है और अब यह एक संकरी, सीमित धारा के रूप में बची है जिस पर पैदल पुल और फूलों से सजी मेहराबें बनी हैं - यह एक सुंदर पर्यटक आकर्षण है।

9 मटेरिया मेडिका: चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा जो रोगों के उपचार में प्रयुक्त पदार्थों से संबंधित है।

9 दीवार पर पैर पटकना: यानी, खाते समय खड़े होकर अपने पैरों को गर्म करने के लिए दीवार पर पटकना—जैसा कि फ्लाउबर्ट ने पहले के मसौदों में स्पष्ट किया है।

10 बेरेंजर: पियरे जीन डी बेरेंजर (1780-1857) एक लोकप्रिय फ्रांसीसी गीतकार कवि थे, जिनका पहला गीत संग्रह 1815 में प्रकाशित हुआ था। फ्लाउबर्ट की उनके बारे में राय अच्छी नहीं थी, जैसा कि उन्होंने एक पत्र में लिखा है: "कुछ चीजें हैं जो मुझे किसी व्यक्ति का तुरंत आकलन करने की अनुमति देती हैं: पहली, बेरेंजर के लिए प्रशंसा..."

10 सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी: लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक के विपरीत, एक सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी को केवल एक निश्चित विभाग के भीतर ही चिकित्सा का अभ्यास करने की अनुमति थी और वह डॉक्टर की उपस्थिति के बिना महत्वपूर्ण सर्जरी नहीं कर सकता था। यह प्रमाणन 1892 में समाप्त कर दिया गया था।

10 लिवर: लिवर एक मुद्रा इकाई थी जिसका मूल्य समय के साथ घटता-बढ़ता रहता था, लेकिन यहाँ यह एक फ्रैंक के बराबर था।

10 मेरे बोवरी: मेरे और पेरे ("माँ" और "पिता"), जब उपनाम के साथ प्रयोग किए जाते हैं, तो किसी विशेष (उन्नत) उम्र की महिला या पुरुष से बात करते समय "मैडम" और "मोंसियर" के स्थान पर उपयोग किए जाने वाले संबोधन शब्द हैं। ये कम औपचारिक शब्द हैं और इनमें स्नेह या विनम्रता का भाव निहित हो सकता है—लेकिन यह आवश्यक नहीं है (उदाहरण के लिए, बाल्ज़ाक के उपन्यास ले पेरे गोरियोट को देखें)।

11 लीग: लीग दूरी की एक इकाई है जो समय और स्थान के अनुसार बदलती रहती थी, लेकिन उस समय फ्लाउबर्ट के लिए यह लगभग 2.5 मील के बराबर थी।

12 ट्वेल्थ नाइट मनाना: फ्रांसीसी भाषा में इसे faire les Rois कहते हैं ("राजाओं का अभिनय करना")। सोलहवीं शताब्दी से चली आ रही इस कैथोलिक परंपरा में, लोग ट्वेल्थ नाइट या एपिफेनी को दोस्तों या परिवार के साथ भोजन या रात्रिभोज करके मनाते हैं और एक केक खाते हैं जिसमें एक सेम छिपा होता है—जो भी उस सेम को ढूंढता है, वह तीन राजाओं में से एक की भूमिका निभाता है।

12 उसकी युवती: फ्रेंच में, सा डेमोइसेल—अर्थात, उसकी बेटी।

13 सूती टोपी: उन दिनों पुरुष आमतौर पर सोते समय सूती टोपी और सूती नाइटशर्ट पहनते थे। टोपी के बजाय, वे अपने सिर पर स्कार्फ भी लपेट सकते थे, जैसा कि चार्ल्स बाद में करते हैं। महिलाएं भी ठुड्डी के नीचे बंधी सूती टोपी और नाइटगाउन पहनती थीं। उस समय रात की ठंडी हवा का डर अधिक रहता था, इसलिए न केवल सिर ढका जाता था, बल्कि बिस्तर

पर पर्दे भी लगे होते थे ताकि ठंडी हवा अंदर न आए, और यह आमतौर पर दीवार से सटा हुआ होता था, शायद किसी आले में, जैसा कि चार्ल्स और एम्मा का बिस्तर बाद में किताब में दिखाया गया है।

13 ईओ-डी-वी: शाब्दिक अर्थ है "जीवन का जल"। यह एक साफ़ फल ब्रांडी है जिसमें फलों का हल्का स्वाद और अल्कोहल की मात्रा अधिक होती है। इसे आमतौर पर नाशपाती, सेब, बेर, चेरी, रसभरी या आड़ू से किण्वन और आसवन द्वारा बनाया जाता है। इसे आमतौर पर परिपक्व नहीं किया जाता बल्कि तुरंत बोतलबंद कर दिया जाता है और ताज़ा ही पिया जाता है, अक्सर रात के खाने के बाद पाचन के लिए। इसी तरह के पेय जर्मन श्नैप्स और चेक स्लीवोविट्ज़ हैं।

14 डिएप्पे की हाथीदांत की कलाकृतियाँ: नॉर्मंडी में स्थित डिएप्पे बंदरगाह, सोलहवीं से उन्नीसवीं शताब्दी तक फ्रांसीसी हाथीदांत की नक्काशी का केंद्र था। उस दौरान हाथीदांत और मसाले दो प्रमुख आयात थे। उदाहरण के लिए, थॉमस जेफरसन के पास अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में डिएप्पे के हाथीदांत से तराशे गए शतरंज के मोहरों का एक सेट था।

14 कैलिको: एक सादा सूती कपड़ा।

14 ऑरिसरूट: यह कई प्रकार के आइरिस की जड़ों से तैयार किया गया एक मिश्रण है; इसे साफ करके, सुखाकर (इसके सुगंधित तेलों को केंद्रित करने के लिए), और पीसकर पाउडर बनाया जाता है; इसकी खुशबू वायलेट जैसी होती है और यह लिनेन को एक अच्छी खुशबू देता है।

14 साल्टपीटर: पोटेशियम नाइट्रेट नामक रासायनिक यौगिक का सामान्य नाम। यह प्राकृतिक रूप से दीवारों पर सफेद उभारों या "ब्रशों" के रूप में बनता है, जो अक्सर किसी अस्तबल या तहखाने की दीवार पर पाए जाते हैं, और यह मुलायम रेशों के गुच्छे जैसा दिखता है।

14 मिनर्वा: रोमन धर्म में, ज्ञान, चिकित्सा, कला, वाणिज्य, हस्तशिल्प और युद्ध की देवी, जिनकी पहचान आमतौर पर ग्रीक देवी एथेना के साथ की जाती है।

14 लॉर्गनेट: चश्मे के लेंस का एक जोड़ा जिसमें एक तरफ छोटा हैंडल लगा होता है, जिससे इसे आंखों के सामने पकड़ा जा सके। ये न केवल व्यावहारिक उपयोग के लिए थे, बल्कि महिलाएं इन्हें फैशन एक्सेसरी के रूप में भी पहनती थीं।

15 फार्मयार्ड: फ्लाउबर्ट ने masure शब्द का प्रयोग किया है, इसे इटैलिक में लिखा है—यह नॉर्मन शब्द है।

15 उसके टखने तक के बूटों का चमड़ा: विशेष रूप से खेतों में, सदियों पुरानी यह प्रथा थी, जो आज भी कुछ समुदायों में कायम है, कि बाहर जाते समय या रसोई में जाते समय चप्पलों या जूतों के ऊपर लकड़ी के जूते या क्लॉग (सबोट) पहने जाते थे, ताकि उनकी सुरक्षा हो सके। क्लॉग घर पर बनाए जा सकते थे, या उन्हें बाज़ार से खरीदा जा सकता था। (पृष्ठ 142 पर सबोट बनाने वालों की झोपड़ी का उल्लेख देखें।) आजकल के इनके समकक्ष, जो ढाले हुए कठोर प्लास्टिक से बने होते हैं, अभी भी फ्रांसीसी बाज़ारों में बिकते हैं। एम्मा के क्लॉग में मोटी एड़ी और तलवे होते। उसके बूट, जो क्लॉग के अंदर फिट होते थे, पतले, नाजुक चमड़े के थे, और संभवतः उनकी एड़ी नीची थी।

16 छोटी मैडम बोवरी: हैरानी की बात यह है कि उपन्यास में वास्तव में तीन "मैडम बोवरी" हैं: चार्ल्स की माँ, जिन्हें कभी-कभी "बड़ी मैडम बोवरी" या "वरिष्ठ मैडम बोवरी" या "मेरे बोवरी" कहा जाता है; चार्ल्स की पहली पत्नी, जिन्हें कभी-कभी, जैसा कि यहाँ है, "छोटी मैडम बोवरी" कहा जाता है; और चार्ल्स की दूसरी पत्नी, एम्मा बोवरी, जिनके नाम पर उपन्यास का शीर्षक रखा गया है, जो कहानी के इस मोड़ पर अभी भी "मैडमोजेल रूऑल्ट" हैं, लेकिन बाद में उन्हें "छोटी मैडम बोवरी" के रूप में भी संदर्भित किया जाएगा। (इसी तरह, "बड़े श्रीमान बोवरी" चार्ल्स के पिता हैं।)

16 टेपेस्ट्री का काम: कैनवास पर की गई कढ़ाई जो बुनी हुई टेपेस्ट्री जैसी दिखती है। चित्रकारी और संगीत के साथ-साथ किसी न किसी प्रकार की कढ़ाई, मध्यम से उच्च वर्ग की युवतियों की पारंपरिक शिक्षा का हिस्सा थी, और वे आमतौर पर अपने जीवन भर अपने खाली समय का कुछ हिस्सा कढ़ाई करने में व्यतीत करती थीं।

17 खरोंचना: यानी उसे चीरना या उसकी खाल उतारना: यहाँ, डॉक्टर के बेटे फ्लाउबर्ट जानबूझकर एक चिकित्सा शब्द का प्रयोग कर रहे हैं, जिसका सर्जरी में अर्थ है खरोंच या छोटे कट लगाना (जैसे त्वचा पर)।

17 खंभे: डाइपे जैसे समुद्रतटीय क्षेत्र में, अस्थिर या गीली भूमि पर बने घर के लिए पहले खंभे गाड़े जाते थे, जिन पर बाद में उसकी नींव रखी जाती थी।

17 एक्यू: एक्यू एक पुराना चांदी का सिक्का था जिस पर मूल रूप से एक तरफ फ्रांस की ढाल (écu) बनी होती थी और उस समय इसकी कीमत लगभग तीन फ्रैंक थी।

18 सू: निकल से बना एक पुराना सिक्का, जिसकी कीमत एक फ्रैंक के बीसवें हिस्से के बराबर

होती है।

21 ग्लोरिया: ग्लोरिया एक गर्म मादक पेय है जो कॉफी, चीनी और ईओ-डी-वी या रम से मिलकर बनता है।

21 माइकलमास के आसपास: इस मुख्य रूप से कैथोलिक देश में, वर्ष के विभिन्न समयों को अक्सर कैलेंडर तिथियों के बजाय संतों के दिनों द्वारा नामित किया जाता था। माइकलमास, संत माइकल दिवस, या महादूत संत माइकल का पर्व 29 सितंबर को पड़ता है।

22 Maître: शाब्दिक रूप से, "स्वामी," एक सम्मानजनक शब्द जिसका प्रयोग आमतौर पर शिक्षकों, वकीलों और साथ ही, जैसा कि इस मामले में है, बड़े जमींदारों को संबोधित करते समय किया जाता है।

23 जॉन्टिंग-कारें... चारबैनक... गिग्स... स्प्रिंग-कार्ट: जॉन्टिंग-कार एक हल्की, नीची, खुली, दो पहियों वाली गाड़ी होती थी जिसमें यात्री एक दूसरे के बगल में, या तो पीठ से पीठ मिलाकर या आमने-सामने बैठते थे; चारबैनक एक लंबी, चार पहियों वाली, खुली गाड़ी होती थी जिसमें आगे की ओर मुंह करके कई पंक्तियों में आड़ी बेंच या सीटें लगी होती थीं; गिग एक हल्की, खुली, दो पहियों वाली, एक घोड़े वाली गाड़ी होती थी जिसमें एक सीट होती थी; स्प्रिंग-कार्ट एक हल्की, दो पहियों वाली गाड़ी होती थी जो चारों तरफ से खुली होती थी, जिसमें सड़क पर चलने वाले स्प्रिंग लगे होते थे, जिसका उपयोग मुख्य रूप से फर्नीचर या अन्य सामान ले जाने या कभी-कभार यात्रियों को ले जाने के लिए किया जाता था।

23 टिपेट: टिपेट एक प्रकार का स्कार्फ होता है जिसका उपयोग गर्दन या गर्दन और कंधों को ढकने के लिए किया जाता है, जिसके सिरे आमतौर पर ढीले लटके रहते हैं।

23 फिचू: फिचू एक हल्का, त्रिकोणीय स्कार्फ होता है जिसे सिर पर या कंधों पर पहना जाता है, जब इसे सामने की ओर बांधा या कसा जाता है, तो कभी-कभी इसे निचले गले में टक किया जाता है।

23 ड्रेस स्मॉक: स्मॉक एक ढीला, कमीज़ जैसा ऊपरी वस्त्र होता था जो कमर से थोड़ा नीचे या कूल्हों तक आता था; इसे कपड़ों को ढकने के लिए अन्य कपड़ों के ऊपर पहना जाता था; बीसवीं शताब्दी में इसके लुप्त होने से पहले तक फ्रांस में कई सौ वर्षों तक इसे आम तौर पर किसान और श्रमिक वर्ग के पुरुष पहनते रहे थे। ड्रेस स्मॉक, या ब्लाउज डे सेरेमोनी, किसान

या मजदूर द्वारा रविवार या किसी अन्य विशेष अवसर पर पहना जाता था: इसके कॉलर और आस्तीनों पर कड़क प्लीट्स हो सकती थीं या कंधों और सामने की तरफ सफेद लेस की कढ़ाई हो सकती थी; इसे आमतौर पर कमर पर बेल्ट से बांधा जाता था। किसान को यह अपने पिता या दादा से विरासत में मिला हो सकता था। (उसके पास रेडिंगोट, या फ्रॉक कोट भी हो सकता था, लेकिन वह इसे साल में केवल एक या दो बार ही अलमारी के पीछे से निकालता था—जैसे, ईस्टर पर।)

25 नॉनपेरिल्स: छोटे-छोटे चीनी से ढके बादाम, पतली रिबन जैसी मिठाई या चीनी के छोटे-छोटे दाने।

25 कॉर्क-पेनी: एक ऐसा खेल जिसमें व्यक्ति कॉर्क पर सिक्के रखता है और क्वॉइट या पक की मदद से कॉर्क को गिराने का प्रयास करता है।

25 “अंडर माई थंब”: संभवतः यह वह खेल है जिसमें एक खिलाड़ी दूसरे खिलाड़ी की उंगलियों को पकड़ता है और प्रतिद्वंद्वी के अंगूठे को फंसाने और दबाने का प्रयास करता है।

26 उसे तू कहकर संबोधित किया: फ्रेंच में, तू शब्द "तुम" का अनौपचारिक, स्नेहपूर्ण या आत्मीय रूप है, जबकि औपचारिक रूप "वू" होता है। यह अंतर अब धीरे-धीरे लुप्त हो रहा है, लेकिन तीस साल पहले तक इसे सावधानीपूर्वक संरक्षित और जटिल माना जाता था। पति-पत्नी एक-दूसरे को औपचारिक रूप से "वू" कहकर संबोधित करते रहते थे। किसी मित्रता या प्रेम संबंध में एक महत्वपूर्ण पड़ाव "वू" से "तू" में परिवर्तन से चिह्नित होता था। एक विशेष आयु और वर्ग के कुछ व्यक्ति औपचारिक "वू" का प्रयोग कभी नहीं छोड़ते थे, सिवाय तब जब वे किसी बच्चे को संबोधित कर रहे हों।

26 चोली: महिलाओं के परिधान का ऊपरी भाग, जो गर्दन से कमर तक या उससे थोड़ा नीचे तक शरीर को ढकता है।

27 काउचॉइस हेडड्रेस: इस कहानी के समय, काउक्स क्षेत्र, फ्रांस के अन्य सभी क्षेत्रों की तरह, अपनी विशिष्ट वेशभूषा रखता था, जिसमें महिलाओं के हेडड्रेस भी शामिल थे, और ये हेडड्रेस प्रत्येक कस्बे और यहां तक कि गांव के लिए भी विशिष्ट थे।

28 चिकित्सा विज्ञान का शब्दकोश: यह चार्ल्स-लुई-फ्लेरी पैनकौके द्वारा संपादित और पेरिस में पच्चीस खंडों में प्रकाशित (1812-22) चिकित्सा विज्ञान का शब्दकोश है।

28 जिनके पन्ने कटे नहीं थे: कुछ समय पहले तक, फ्रांस में किताबें आमतौर पर बिना कटे पन्नों

के साथ बेची जाती थीं (अर्थात, किताब बनाने वाले छपे हुए पन्नों को मोड़कर, सिलकर और बांधकर बेचा जाता था, लेकिन उनके किनारे नहीं काटे जाते थे)। उदाहरण के लिए, किसी कैफे में बैठकर चाकू से पन्नों के किनारों को काटना, किताब पढ़ने से पहले की जाने वाली एक सुखद रस्म हुआ करती थी। यहाँ, ज़ाहिर है, इसका तात्पर्य यह है कि इन किताबों के कई मालिकों में से किसी ने भी इन्हें कभी पढ़ा नहीं था।

28 एस्पेलियर्ड खुबानी: अर्थात्, खुबानी के पेड़ जिन्हें दीवार के सहारे सपाट रूप से बढ़ने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

28 बोक... टिलबरी: बोक शब्द नॉर्मन बोली से आया है और इसका अर्थ है एक छोटी खुली कैब्रियोलेट, यानी हल्की, दो पहियों वाली, एक घोड़े की गाड़ी। टिलबरी, एक अन्य प्रकार की हल्की, दो पहियों वाली गाड़ी, हाल ही में इंग्लैंड से लाई गई थी और इसे बहुत फैशनेबल माना जाता था। उन दिनों किसी व्यक्ति की दौलत और रुतबे का अंदाजा उसकी गाड़ी और घोड़े या घोड़ों के जोड़े की शान-शौकत से लगाया जाता था।

29 उसने अपने सिर पर जो स्कार्फ पहना था: पृष्ठ 13 पर टिप्पणी देखें।

29 सुरक्षा पत्थर: किसी दीवार के पास, इमारत के कोने पर या किसी द्वार या दरवाजे के बगल में लगाया गया एक पत्थर, जो गुजरते हुए वाहन से टकराकर उसे क्षतिग्रस्त होने से बचाता है। फ्रांसीसी भाषा में इसे 'बोर्न' कहा जाता है, जो 'मील का पत्थर' के लिए भी इस्तेमाल होता है, क्योंकि यह उससे मिलता-जुलता है।

29 राजमार्ग: इस शब्द का प्रयोग पूरे उपन्यास में "बड़ी सड़क" या "मुख्य सड़क" के साथ किया गया है, जिसका अर्थ है वह सड़क जो आसपास के गांवों और कस्बों तथा रूएन शहर को जोड़ती थी।

29 जैसे कोई आदमी... खाने के बाद: इस विचित्र तुलना के लिए फ्रेंच शब्द है comme ceux qui mâchent encore, après dîner, le goût des truffes qu'ils digèrent. चार्ल्स के आनंदमय "मनन" (शब्द "मनन" का अर्थ गाय के संदर्भ में जुगाली करना भी होता है—अर्थात, कुछ ऐसा जो पहले ही निगल लिया गया हो) की तुलना ट्रफल के बाद के स्वाद से करना, निश्चित रूप से फ्लाउबर्ट की ओर से एक एंटी-रोमांटिक इशारा है। हर किसी को पसंद न आने वाले, फिर भी कुछ लोगों द्वारा अत्यधिक सम्मानित और बहुत महंगे, ट्रफल तेज स्वाद वाले काले रंग के कवक होते हैं जो ओक के पेड़ों की जड़ों पर उगते हैं और विशेष

रूप से प्रशिक्षित कुत्तों और सूअरों द्वारा सूंघकर खोजे जाते हैं। इनका कई तरह से पाक उपयोग होता है, जैसे पास्ता या सलाद पर कद्दूकस करके, भुने हुए मांस या पनीर के साथ मिलाकर, या, यदि कोई किसान स्वयं इनका शिकार करता है, तो इन्हें सीधे आमलेट में मिला दिया जाता है।

29 मफ: ठंड के मौसम में, दस्ताने या मिट्टेंस पहनने के अलावा, एक महिला अपने साथ मफ रख सकती है - यानी एक गर्म, नलीदार आवरण, जो अक्सर फर से बना होता है - या तो अपने हाथों को गर्म रखने के लिए या केवल एक फैशन एक्सेसरी के रूप में।

30 पॉल और वर्जीनिया: जैक्स-हेनरी बर्नार्डिन डी सेंट-पियरे द्वारा लिखित एक प्रेम कहानी, जो 1788 में प्रकाशित हुई थी। कहानी हिंद महासागर में स्थित फ्रांस द्वीप (अब मॉरीशस) में घटित होती है, जिसे भ्रष्ट सभ्यता से दूर एक स्वर्ग के रूप में चित्रित किया गया है। दोनों युवा प्रेमियों का भाग्य दुर्भाग्यपूर्ण होता है: वर्जीनिया की जहाज़ दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है, और पॉल शोक से मर जाता है। यह कहानी, अत्यंत रोमांटिक और बेहद लोकप्रिय, सर्वकालिक प्रसिद्ध हो गई।

30 मैडमोजेल डे ला वैलिएर: लुई फ्रांस्वा डे ला बॉम ले ब्लैंक डे ला वैलिएर (1644-1710), सत्रह वर्ष की आयु से लुई XIV की प्रेमिका थीं और उन्होंने चार बच्चों को जन्म दिया। अंततः लुई XIV का स्नेह उनसे हट गया और वह एक कार्मलाइट कॉन्वेंट में सेवानिवृत्त हो गईं, जहाँ वे अपनी धार्मिकता के लिए प्रसिद्ध हुईं।

30 कैटेकिज़्म: ईसाई धर्म के सिद्धांतों की धार्मिक शिक्षा देने वाली एक पुस्तिका जिसमें याद करने के लिए प्रश्न और उत्तर होते हैं।

31 अब्बे फ्रायसिनस के व्याख्यान: अब्बे डेनिस डी फ्रायसिनस (1765-1841) मुख्य रूप से नोट्रे-डेम और पेरिस के अन्य चर्चों में दिए गए अपने व्याख्यानों और पुनर्स्थापना काल (1814-30) के दौरान धार्मिक पुनरुत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं।

31 ईसाई धर्म की प्रतिभा: फ़्रांस्वा-रेने डे चेटोब्रियांड द्वारा फ़्रांसीसी प्रबुद्धता युग के दार्शनिकों और क्रांतिकारी राजनीतिज्ञों के हमलों के विरुद्ध ईसाई धर्म का बचाव। 1802 में इसके प्रकाशन ने चेटोब्रियांड को फ़्रांस के सबसे महत्वपूर्ण लेखकों में से एक बना दिया। उनकी रचनाएँ, जो उदासी, प्रकृति के मनमोहक वर्णन और भावपूर्ण भाषा से परिपूर्ण हैं, ने उन्नीसवीं सदी की फ़्रांसीसी संस्कृति पर व्यापक प्रभाव डाला; विशेष रूप से, उन्हें फ़्रांसीसी

साहित्य में रोमांटिसिज़्म का संस्थापक या अग्रदूत माना जाता है, जो पुनर्स्थापना काल में फला-फूला।

32 हर पड़ाव पर तैनात सैनिकों की हत्या कर दी जाती थी: जिस काल में मैडम बोवरी की कहानी घटित होती है, उस दौरान लंबी दूरी की यात्रा का एक साधन स्टेजकोच था: कोच में सीट के लिए किराया देना पड़ता था; कोच को एक या एक से अधिक जोड़ी घोड़ों द्वारा खींचा जाता था; थके हुए घोड़ों को उन पड़ावों पर नए घोड़ों से बदल दिया जाता था, जहाँ अस्तबल वाला कोई सराय होता था; तैनात सैनिक वे लोग होते थे जो टीम का मार्गदर्शन करने के लिए आगे के घोड़ों में से एक पर सवार होते थे।

32 वाल्टर स्कॉट: सर वाल्टर स्कॉट (1771-1832), रोमांटिक काल के एक स्कॉटिश कवि और उपन्यासकार थे, जिन्होंने ऐतिहासिक उपन्यास के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

32 ओजाइव: ओजाइव गोथिक वॉल्ट के आर-पार एक विकर्ण मेहराब या रिब होता है; यह गोथिक वास्तुकला की विशिष्ट विशेषताओं में से एक है।

32 मैरी स्टुअर्ट... जोन ऑफ आर्क, हेलोइस, एग्नेस सोरेल, ला बेले फेरोनियरे और क्लेमेंस इसौर: मैरी स्टुअर्ट को स्कॉटलैंड की रानी मैरी (1542-87) के नाम से जाना जाता था, जो स्कॉटलैंड के जेम्स पंचम की इकलौती संतान थीं। इंग्लैंड के सिंहासन पर उनके प्रबल दावे के कारण, वे अपनी सौतेली बहन एलिजाबेथ प्रथम के लिए खतरा थीं, जिन्होंने अंततः उन्हें मृत्युदंड दे दिया। फ्रांसीसी इतिहास की नायिका जोन ऑफ आर्क ने 1429 में ऑरलियन्स में अंग्रेजों के खिलाफ अपनी सेना का नेतृत्व करते हुए जीत हासिल की, जबकि वे अभी बच्ची ही थीं। बाद में अंग्रेजों ने उन्हें डायन बताकर जला दिया। हेलोइस (1101-64), एक सुंदर और विद्वान महिला, अपने पति और पूर्व शिक्षक, दार्शनिक पियरे एबेलार्ड को लिखे प्रेम पत्रों के लिए प्रसिद्ध हुईं, जब उन्हें जबरन अलग कर दिया गया था; वह एक नन आश्रम में चली गई थीं और वह एक मठ में। एग्नेस सोरेल (लगभग 1422-50), फ्रांस के चार्ल्स सप्तम की राजनीतिक रूप से शक्तिशाली प्रेमिका, को राजकुमार लुई 11 द्वारा जहर देकर मार डाला गया था। ला बेले फेरोनियर, फ्रांस्वा प्रथम की प्रेमिकाओं में से एक का उपनाम था; उनकी अचानक मृत्यु से वह बहुत दुखी हुए थे। क्लेमेंस इसाउर, फ्रांस के लैंगडॉक क्षेत्र में पंद्रहवीं शताब्दी की एक धनी काव्य संरक्षक थीं, हालांकि टूलूज़ और पेरिस में उनकी मूर्तियाँ हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि वह केवल एक किंवदंती थीं।

32 सेंट-लुई… बायर्ड की मृत्यु… लुई XI की क्रूरता… सेंट बार्थोलोम्यू, बेअरनैस का प्रतीक… लुई XIV: सेंट लुई, या लुई IX (1214-70), फ्रांस के एक धर्मनिष्ठ, तपस्वी और कूटनीतिक राजा थे, 1226-70; कहा जाता है कि वे विन्सेनेस के जंगल में एक विशाल ओक के पेड़ के नीचे बैठकर दरबार लगाते थे और फैसले सुनाते थे। पियरे डू टेराइल डी बायर्ड (1474-1524) एक फ्रांसीसी सैन्य नायक थे जिनकी युद्ध में मृत्यु हो गई। लुई XI (1423-83) कई वर्षों के विद्रोह और षड्यंत्र के बाद फ्रांस के राजा (1461-83) बने (ऊपर एग्नेस सोरेल देखें)। सेंट बार्थोलोम्यू यीशु के बारह प्रेरितों में से एक थे; यहां संभवतः प्रसिद्ध सेंट बार्थोलोम्यू दिवस नरसंहार (24 अगस्त, 1572) का संदर्भ है, जिसमें बड़ी संख्या में ह्यूगनोट्स, या फ्रांसीसी प्रोटेस्टेंट मारे गए थे और जिसके परिणामस्वरूप फ्रांस में गृहयुद्ध फिर से शुरू हो गया था। लोकप्रिय हेनरी चतुर्थ, बॉर्बन राजाओं में प्रथम, जिन्हें "बेयरनैस" उपनाम दिया गया था, अपने हेलमेट पर बर्फ़-सफ़ेद पंख लगाकर अपनी सेना का नेतृत्व करते थे (विशेष रूप से 1590 में विजयी इवरी की लड़ाई में)। लुई XIV, "सूर्य राजा", कला और साहित्य के उदार संरक्षक थे; उनके लंबे शासनकाल (1643-1715) में फ्रांसीसी सभ्यता का महान उत्कर्ष हुआ; मैडमोजेल डे ला वलियर पर पृष्ठ 30 पर टिप्पणी भी देखें।

32 स्मृति चिन्ह: मूल रूप से अंग्रेजी में।

32 नए साल के उपहार: फ्रांस में नए साल के दिन उपहार देने की प्रथा तेरहवीं शताब्दी में शुरू हुई और उन्नीसवीं शताब्दी के अंत तक जारी रही, जब क्रिसमस के दिन उपहार देने की प्रथा ने इसकी जगह ले ली।

33 महिलाओं के लिए: मूल अंग्रेजी में।

33 तुर्की चप्पलें: बहुत लंबी, नुकीली नोक वाली बूट या जूते।

33 गियाउर्स: यह शब्द तुर्की शब्द गियाउर से आया है, जिसका अर्थ है "अविश्वासी," यह एक अपमानजनक शब्द है जिसका प्रयोग तुर्क लोग कभी विधर्मियों—अर्थात, आमतौर पर ईसाइयों—के लिए करते थे।

33 आर्गैंड लैंप: अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में आविष्कार किया गया एक लैंप जो व्हेल के तेल से जलता था और पहले के तेल के लैंपों की तुलना में अधिक चमकदार रोशनी देता था। यह लैंप तब तक लोकप्रिय रहा जब तक कि लगभग 1850 में सस्ते केरोसिन लैंप ने इसे प्रतिस्थापित नहीं कर दिया।

33 हैकनी कैब: आज की टैक्सी के समकक्ष।

33 लामार्टिन की शैली में लिखी गई कल्पनाएँ: यानी अल्फोंस मैरी लुई डी प्रैट डी लामार्टिन (1790-1869) की शैली में लिखी गई कल्पनाएँ। लामार्टिन एक कवि, लेखक और राजनेता थे जिन्हें फ्रांसीसी साहित्य का पहला सच्चा रोमांटिक कवि माना जाता है। उनके विषय प्रकृति, धर्म और प्रेम थे, जिन्हें उन्होंने व्यक्तिपरक ढंग से प्रस्तुत किया। फ्लाउबर्ट ने उनकी आलोचना की: लुईस कोलेट को लिखे एक पत्र में उन्होंने टिप्पणी की, "हमें स्रोतों की ओर देखना चाहिए - लामार्टिन तो बस एक नल मात्र हैं।" एक अन्य पत्र में उन्होंने लामार्टिन की कविताओं को "कचरा" कहा।

34 पोस्ट चेज़: चार पहियों वाली एक यात्रा गाड़ी, जिसमें आमतौर पर दो से चार लोगों के बैठने की व्यवस्था होती थी। इसे या तो एक पड़ाव से दूसरे पड़ाव तक किराए पर लिया जाता था या फिर अलग-अलग पड़ावों से किराए पर लिए गए घोड़ों द्वारा खींचा जाता था, और चालक या पोस्टिलियन घोड़ों में से एक पर सवार होता था। जो लोग इसे वहन कर सकते थे, उनके लिए यह तेज़ और सुविधाजनक थी।

35 कॉटेज: मूल अंग्रेजी में।

35 ब्रेड क्रम्ब्स की गोलियां: इन गोलियों का इस्तेमाल चारकोल से बने चित्रों को मिटाने के लिए किया जाता था।

36 मुँह धोने के कटोरे: भोजन के अंत में मुँह और उंगलियों को धोने के लिए गर्म, सुगंधित पानी से भरे कटोरे परोसे जाते थे। इन्हें उच्च वर्ग के लोगों के लिए ही एक विशेष सुविधा माना जाता था।

38 बैरियर डिच: मूल पाठ में इसे सॉट-डे-लूप कहते हैं; इसे "हा-हा" भी कहा जाता है। यह एक गहरी खाई में लगाई गई बाड़ होती है, जिससे दूर से देखने पर घास के मैदान में कोई स्पष्ट रुकावट दिखाई नहीं देती। यह अंश उन अंशों में से एक है जिनमें फ्लाउबर्ट अचानक भूतकाल से वर्तमान काल में बदल जाते हैं, मानो यह दर्शाना चाहते हों कि उनका परिदृश्य वास्तविक है और आज भी मौजूद है। प्रॉस्ट ने वर्तमान काल के इन अचानक बदलावों को एक अधिक स्थायी वास्तविकता का संकेत माना।

38 प्रुनेला के कपड़े से बने जूते: प्रुनेला एक भारी ऊनी कपड़ा है जिसका उपयोग बूट और जूतों के ऊपरी हिस्से के लिए किया जाता है। प्रुनेला के जूते चमड़े के जूतों से नरम होते थे, लेकिन

केवल गर्मियों में पहनने के लिए ही उपयुक्त थे।

38 बारूच: बारूच एक फैशनेबल चार पहियों वाली गाड़ी थी जिसमें ड्राइवर की सीट आगे की तरफ ऊंची होती थी, अंदर आमने-सामने दो डबल सीटें होती थीं, और एक छत होती थी जो पिछली सीट पर अकॉर्डियन की तरह मुड़ जाती थी।

39 जाली: एम्मा के कुत्ते का नाम स्पष्ट रूप से विक्टर ह्यूगो के उपन्यास नोट्रे-डेम डी पेरिस (1831; द हंचबैक ऑफ नोट्रे-डेम) में वर्णित एक पालतू बकरी के नाम पर रखा गया है।

39 लैंसेट: रक्तस्राव, टीकाकरण और छोटे चीरे लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक छोटा, नुकीला, चपटा ब्लेड वाला शल्य चिकित्सा उपकरण।

40 गाड़ी के एप्रन के सामने: गाड़ी का एप्रन चालक की सीट के सामने बारिश या कीचड़ से बचाव के लिए लगाया गया एक जलरोधी कपड़ा होता था।

40 पार्क: किसी महल या समृद्ध ग्रामीण घर से लगा हुआ निजी परिसर, जिसमें आमतौर पर लॉन, जंगल और चारागाह शामिल होते हैं। घर तक पहुँचने का रास्ता फ्रांसीसी भाषा में एवेन्यू कहलाता है, जिसे हेनरी जेम्स भी एवेन्यू कहते थे, और जिसे हम ड्राइव या सड़क कहते हैं। पार्क के भीतर एलीज़ या गलियाँ होती हैं - पेड़ों या झाड़ियों से घिरे रास्ते।

40 अलंकृत: अर्थात्, विभिन्न सम्मानों को दर्शाने वाले पदक या रिबन या तो उनके बटनहोल में हों या उनकी जैकेट पर पिन किए गए हों।

40–41 “जीन-एंटोइन … 1693”: हालांकि नाम काल्पनिक हैं, लेकिन युद्ध वास्तव में हुए थे।

41 जैबोट: शर्ट के कॉलर के आधार या नेकबैंड के सामने वाले हिस्से से जुड़ा हुआ और छाती पर फैला हुआ, लेस या मलमल जैसे पतले कपड़े का एक अलंकरण।

42 उनके गिलासों में दस्ताने: इससे यह संकेत मिलता कि वे शराब नहीं पीना चाहते थे।

42 कॉम्टे डी'आर्टोइस... मार्क्विस डी कॉन्फ्लान्स... मैरी एंटोनेट... मॉन्सियर डी कोइग्नी... मॉन्सियर डी लौज़ुन: लुई XIV के भाई कॉम्टे डी'आर्टोइस (1757-1836) बाद में फ्रांस के राजा चार्ल्स X (1824-30) बने और मैरी एंटोनेट के मित्र थे; उन्हें लुई-फिलिप के पक्ष में पदच्युत कर दिया गया था। लुई गैब्रियल डी'आर्मेंटियर, मार्क्विस डी कॉन्फ्लान्स (1772-1849), फ्रांस के एक कुलीन और फील्ड मार्शल थे। मैरी एंटोनेट (1755-93), जिनकी शादी पंद्रह वर्ष की आयु में फ्रांस के डरपोक लुई XVI से हुई थी, ने अपने विवाह के शुरुआती वर्षों में कई प्रेम प्रसंग रखे; क्रांति के समय उन्हें गिलोटिन से मृत्युदंड दिया गया था। मैरी

फ्रांकोइस हेनरी डी फ्रैंक्वेटोट, ड्यूक डी कोइग्नी (1737-1821), मैरी एंटोनेट के अंतरंग मंडली का हिस्सा थीं। आर्मंड लुइस डी गोन्टेंट-बिरोन, ड्यूक डी लाउज़ुन (1744-93), के बारे में अफवाह थी कि वह मैरी एंटोनेट के प्रेमियों में से एक थे।

42 खुद को तैयार करना: फ्रेंच में, faire sa toilette, जिसे हम अंग्रेजी में "performing her toilette" कहते थे, में किसी के साथ बाहर जाने से पहले खुद को तैयार करने से जुड़ी हर चीज़ शामिल थी: कपड़े पहनना, मेकअप करना, बालों को संवारना। यह सामाजिक मेलजोल का समय भी हो सकता था, जिसके दौरान कोई दोस्तों का मनोरंजन करता था।

42 बारेज: इसका नाम इसके उत्पत्ति स्थान, पाइरेनीज़ पर्वतमाला में स्थित बारेजेस नामक शहर के नाम पर रखा गया है; यह ऊन, रेशम या कपास से बना एक जालीदार कपड़ा होता है।

42 पैर की पट्टियाँ: ये पट्टियाँ पैंट के निचले हिस्से से नीचे की ओर फैली होती थीं और पैर के नीचे से गुजरती थीं; उस समय ये काफी आम थीं।

43 रिटोर्नेलो: एक छोटा वाद्य संगीत, जो किसी गीत के प्रत्येक दोहे या किसी नृत्य की प्रत्येक पुनरावृत्ति से पहले दोहराया जाता है।

43 क्वाड्रिल: क्वाड्रिल एक जटिल चार या पांच भागों वाला नृत्य है जो वर्गाकार संरचना में चार जोड़ों द्वारा किया जाता है, जो अठारहवीं और उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में प्रचलित था।

43 सोने के ढक्कन वाली छोटी बोतलें: हालाँकि कई पिछले अनुवादों में वर्णन में "इत्र" या "सुगंध" शब्द जोड़ा गया है, लेकिन फ्रांसीसी मूल में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि बोतलों में क्या है। वास्तव में, इस अंश के पुराने मसौदों से यह स्पष्ट है कि फ्लाउबर्ट के मन में इत्र नहीं बल्कि सिरका था—संभवतः गर्मी, घुटन भरी हवा, परिश्रम और शायद तंग कोर्सेट के कारण चक्कर खा रही महिला को होश में लाने के लिए। उपन्यास में आगे चलकर, इसी उद्देश्य से सिरका का उपयोग किया जाता है, पहले रक्तपात के दृश्य में, जब युवा जस्टिन खून देखकर बेहोश हो जाता है (पृष्ठ 112 देखें) और फिर जब एम्मा स्वयं रात के खाने के दौरान बेहोश हो जाती है (पृष्ठ 182 देखें)।

43 नंगे हाथों पर फीते की झंकारें खनक उठीं: उपन्यास में कम से कम तीन बार, फ्लाउबर्ट एक विशिष्ट वाक्य रचना का प्रयोग करते हैं, जिसमें पहले तीन कर्ता और फिर उनसे मेल खाते तीन क्रियापदों को एक साथ रखा जाता है, जिनमें से प्रत्येक क्रियापद केवल एक कर्तापद से

संबंधित होता है। दूसरा और तीसरा उदाहरण कृषि मेले के दृश्य में मिलता है (पृष्ठ 115 और 131 देखें)।

43 लुई: एक लुई की कीमत बीस फ्रैंक थी।

44 सेंट पीटर कैथेड्रल... कोलोसियम: सेंट पीटर कैथेड्रल रोम में स्थित है। टिवोली रोम के पास एक प्राचीन शहर है जो अपने सुंदर परिवेश, झरनों और खंडहरों के लिए प्रसिद्ध है। दक्षिणी इटली में स्थित कैस्टेलमारे डि स्टैबिया, एक रिसॉर्ट शहर और स्पा है, जो माउंट वेसुवियस के विस्फोट से दब गए एक रोमन रिसॉर्ट के स्थल पर बसा है। माउंट वेसुवियस यूरोपीय मुख्य भूमि पर एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है। कैस्किन फ्लोरेंस में अर्नो नदी के किनारे स्थित एक बहुत बड़ा पार्क था; यह विशेष रूप से उन्नीसवीं शताब्दी में एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण था और हमेशा "अवश्य देखने योग्य स्थानों" की सूची में शामिल रहा है। रिवेरा पर स्थित जेनोआ, इटली का प्रमुख बंदरगाह है; इसके पुराने हिस्से की खड़ी और संकरी गलियाँ बेहद मनोरम हैं। फोरम के पास रोम में स्थित कोलोसियम, एक एम्फीथिएटर है, जो रोमन प्राचीन वस्तुओं में सबसे प्रभावशाली है। लगभग पैंतालीस हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता वाला यह स्थान, 404 ईस्वी तक ग्लेडिएटरों के युद्धों का स्थल था। अपने विशिष्ट व्यंग्य के साथ, फ्लाउबर्ट अपने पात्रों को केवल सबसे विशिष्ट पर्यटक आकर्षणों की प्रशंसा करते हुए दिखाते हैं।

44 खाई कूदना: यह घुड़सवारी (स्टीपलचेज़िंग) का संदर्भ है। घुड़दौड़ के मैदान फ्रांस में हाल ही में शुरू हुए थे—जॉकी क्लब की स्थापना 1833 में हुई थी—इसलिए एम्मा के लिए घुड़दौड़ से संबंधित शब्दावली शायद अपरिचित रही होगी।

45 रात के खाने के बाद: उन दिनों बॉल में जलपान परोसने का कार्यक्रम काफी तय होता था। एम्मा द्वारा खाई गई मैराशिनो आइसक्रीम शायद रात 11:00 बजे परोसी गई होगी, और भरपूर भोजन सुबह 2:00 बजे परोसा गया होगा।

45 ट्रैफ़लगर पुडिंग: इसे जैम रोली-पॉली, शर्टस्लीव पुडिंग, डेड मैन्स लेग और डेड मैन्स आर्म के नाम से भी जाना जाता है। यह एक पारंपरिक अंग्रेज़ी मिठाई है जिसका आविष्कार संभवतः उन्नीसवीं शताब्दी की शुरुआत में हुआ था। इसमें सुअर की चर्बी से बनी पुडिंग को बेलकर, उस पर जैम फैलाकर फिर से लपेट दिया जाता था। हालाँकि यह पारंपरिक फ्रेंच मिठाई से ज़्यादा स्वादिष्ट नहीं थी, लेकिन उस समय इसका आकर्षण अंग्रेज़ी होने के कारण था।

45 कोटिलियन: जाहिर तौर पर, कोटिलियन के कुछ संस्करण इससे कहीं अधिक शोरगुल वाले थे, जिनमें शरारतें और चुनौतियां शामिल थीं, लेकिन कम से कम यह वह नृत्य था जिससे शाम का समापन होता था और जिसमें साथी का बार-बार बदलना शामिल था।

45 एम्मा को वाल्ट्ज़ नृत्य नहीं आता था: उन्नीसवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में जर्मनी से फ्रांस में आया वाल्ट्ज़ नृत्य, पारंपरिक क्वाड्रिल नृत्य की तुलना में कहीं अधिक जोखिम भरा माना जाता था, क्योंकि इसमें शारीरिक संपर्क और उग्र गति बहुत अधिक होती थी। क्वाड्रिल नृत्य में आमने-सामने की रेखाएँ और उंगलियों के स्पर्श जैसे शांत नृत्य शामिल होते हैं। माताएँ अपनी बेटियों के लिए चिंतित रहती थीं क्योंकि वे नृत्य-समारोह की गहमागहमी में इधर-उधर घूमती रहती थीं।

46 व्हिस्ट: उस समय का एक लोकप्रिय कार्ड गेम, जिसका आनंद स्वयं राजा लुई-फिलिप भी लेते थे।

46 ब्रियोश: अंडे और मक्खन से समृद्ध हल्के खमीर वाले आटे से बना एक रोल।

47 ब्रीचिंग: लगाम का वह हिस्सा जो घोड़े की पूंछ के नीचे, उसके पिछले हिस्से के चारों ओर से होकर गुजरता है।

49 पोम्पाडोर घड़ियाँ: मार्क्विज़ डी पोम्पाडोर (1721-64) लुई XV की प्रेमिका और वोल्टेयर की अनुयायी थीं; उन्होंने अपने आवासों को सजाने के लिए कलाकारों को नियुक्त किया और सेवरस मिट्टी के बर्तनों के निर्माण को प्रोत्साहित किया।

49 "मार्जोलेन": "लेस कंपैनियन्स डे ला मार्जोलेन" का एक परिचित संक्षिप्त संदर्भ, जो कई छंदों वाला एक प्रसिद्ध, गुमनाम, सदियों पुराना लोकप्रिय गीत है, जिसमें दुल्हन की तलाश कर रहे रात्रि चौकीदारों के एक समूह के बारे में बताया गया है।

49 कोर्बेल … ले सिल्फे डेस सैलून: कोर्बेल (1836-78) एक फैशन पत्रिका थी। ले सिल्फे डेस सैलून (1829-82, विभिन्न नामों से) ने समय-समय पर और विभिन्न संयोजनों में साहित्य, ललित कला, रंगमंच और फैशन को कवर किया।

49 बोइस: बोइस डी बोलोन, पेरिस के बाहरी इलाके में स्थित एक जंगल है जिसमें ऑट्यूइल और लॉन्गचैम्प्स के रेसट्रैक और कई रास्ते और घुड़सवारी के पगडंडियां हैं; यह सत्रहवीं शताब्दी से ही एक पसंदीदा मनोरंजन स्थल रहा है।

49–50 यूजीन सू… बाल्ज़ाक… जॉर्ज सैंड: यूजीन सू (1804-57) पेरिस के अंडरवर्ल्ड और झुग्गी-

झोपड़ी के जीवन पर आधारित लोकप्रिय और सनसनीखेज उपन्यासों के लेखक थे; ये उपन्यास 1830 के दशक में समाचार पत्रों में धारावाहिक रूप में प्रकाशित होते थे। होनोरे डी बाल्ज़ाक (1799-1850) फ्रांस के अग्रणी उपन्यासकारों में से एक थे, जिन्होंने विशाल 'ह्यूमन कॉमेडी' लिखी थी। जॉर्ज सैंड, अमांडीन-ऑरोर-लुसी डुपिन का छद्म नाम था, जिन्होंने लगभग अस्सी उपन्यास लिखे और अपने समय में व्यापक रूप से लोकप्रिय थीं।

50 पेटिट बुर्जुआ: निम्न मध्यम वर्ग के सदस्यों के लिए फ्रांसीसी शब्द "पेटिट बुर्जुआ" का प्रयोग किया जाता है, जिसमें छोटे व्यापारी, लिपिकीय कर्मचारी, शिल्पकार और दुकानदार जैसे व्यापारी शामिल होते हैं। उच्च मध्यम वर्ग के विपरीत, निम्न मध्यम वर्ग के सदस्य अपने कर्मचारियों के साथ काम कर सकते हैं। यह वर्ग श्रमिक वर्ग से भी अलग है, जो केवल अपने श्रम को बेचकर ही अपना जीवन यापन करता है। एम्मा, यहाँ निश्चित रूप से, फ्लाउबर्ट से सहमत हैं, और इस वर्ग की मानसिकता को संकीर्ण, पूर्वाग्रही, रूढ़िवादी और सांस्कृतिक रूप से अज्ञानी बताकर उसकी आलोचना कर रही हैं।

51 रक्तपात: "रक्तपात" या "खून निकालना", जिसमें रोगी की धमनी या शिरा से कुछ रक्त निकाला जाता था, प्राचीन काल से लेकर अठारहवीं शताब्दी तक पश्चिमी चिकित्सा में कई बीमारियों के इलाज के रूप में व्यापक रूप से प्रचलित था, जिनमें तीव्र हृदय विफलता के बाद होने वाली रक्त वाहिका में जकड़न भी शामिल थी (जिसके लिए यह वास्तव में प्रभावी है)। (रक्तपात का दृश्य देखें, पृष्ठ 111)। छोटी रक्त वाहिकाओं से रक्त निकालने के लिए जोंक का प्रयोग किया जाता था।

52 कफ: कफ नाक और वायुमार्ग में श्लेष्म झिल्ली की दीर्घकालिक सूजन है।

52 उल्टी लाने वाला पदार्थ: एक ऐसा पदार्थ जो उल्टी उत्पन्न करता है।

52 ला रुचे मेडिकेल: "चिकित्सा मधुमक्खी का छत्ता"; यह फ्लाउबर्ट द्वारा पेरिस में 1844 से 1899 तक प्रकाशित एक चिकित्सा पत्रिका, एल'एबेइल मेडिकेल (चिकित्सा मधुमक्खी) के नाम का रूपांतरण है, जिसके साथ ला रुचे साइंटिफिक (वैज्ञानिक मधुमक्खी का छत्ता) नामक एक परिशिष्ट भी प्रकाशित होता था।

54 एरार्ड पियानो: सेबेस्टियन एराड एक फ्रांसीसी वाद्य यंत्र निर्माता थे जो पियानो और वीणा के उत्पादन में विशेषज्ञ थे, उन्होंने दोनों की क्षमताओं को काफी विकसित किया और आधुनिक पियानो का आविष्कार किया; लुई XVI और मैरी एंटोनेट ने उनसे पियानो

बनवाए थे, और उनके पियानो के अन्य प्रमुख मालिकों में बीथोवेन, चोपिन, फोर, हेडन और लिस्ज़्ट शामिल थे।

भाग II

61 योनविले-ल'एबे: यह एक काल्पनिक स्थान है, लेकिन आंशिक रूप से राय और फोर्ज-लेस-ईओक्स नामक वास्तविक कस्बों पर आधारित है, जिनमें से फोर्ज-लेस-ईओक्स में फ्लाउबर्ट ने अपने परिवार के साथ समय बिताया था। यह रूएन से लगभग बीस मील की दूरी पर स्थित है।

61 छोटी नदी: फ्लाउबर्ट एक पत्र में कहते हैं कि उनके मन में ओउ डे रोबेक के आकार की एक नदी है, जिसके किनारे चार्ल्स छात्र जीवन बिताते थे - जाहिर तौर पर इतनी संकरी कि उस पर मवेशियों के लिए एक तख़्ते का पुल बनाया जा सके और जरूरत पड़ने पर उसे हटाया जा सके।

62 लोहार: घोड़ों और अन्य काम करने वाले जानवरों जैसे बैल और खच्चरों के खुरों में नाल लगाने और उनकी देखभाल करने में विशेषज्ञ।

62 चार्ल्स X के शासनकाल के अंतिम वर्षों में: यानी 1820 के दशक के उत्तरार्ध में। प्रतिक्रियावादी और दमनकारी चार्ल्स X को 1830 में तीन दिवसीय खूनी जुलाई क्रांति के बाद पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

62 पुआल की चटाई का एक टुकड़ा: यानी, ठंड से बचाव के लिए।

63 एक फ्रांसीसी मुर्गा, चार्टर पर एक पैर रखे हुए: मुर्गा, या रूस्टर, फ्रांस का प्रतीक था। चार्टर एक दस्तावेज था जिसे पहली बार 1814 में लुई XVIII के शासनकाल में तैयार किया गया और प्रदान किया गया, जिसने राजशाही को एक संविधान से बांध दिया जो फ्रांसीसी नागरिकों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता जैसे कुछ अधिकारों की गारंटी देता था; 1830 में चार्ल्स X को पदच्युत किए जाने के बाद इसमें संशोधन किया गया, लेकिन यह 1848 तक फ्रांस के संविधान का आधार बना रहा।

63 बंगाल लाइट्स: समुद्र में संकेत देने और रोशनी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नीली बत्तियाँ; साथ ही, विभिन्न रंगों की बत्तियाँ या फ्लेयर्स। इनका नाम इस तथ्य से पड़ा है कि इनमें इस्तेमाल होने वाले एक घटक, साल्टपीटर का मुख्य स्रोत भारत है।

63 "विची, सेल्टज़र और बारेजेस जल, शुद्धिकरण सिरप, रास्पेल की दवा, अरेबियन राकाहौट, डारसेट की गोलियां, रेग्नाल्ट का मरहम, पट्टियां, स्नान, औषधीय चॉकलेट आदि": ये सभी उस समय के आम उपचार थे, जिनमें से कुछ पेटेंट किए गए थे; राकाहौट, एक दलिया जिसका मुख्य घटक बलूत का आटा था, तुर्कों और अरबों द्वारा आमतौर पर इस्तेमाल किया जाता था और उन्नीसवीं शताब्दी के आरंभ में फ्रांस और अमेरिका में बीमार, तपेदिक से पीड़ित और कमजोर पेट वाले लोगों के लिए भोजन के रूप में पेश किया गया था। उस समय चॉकलेट को आमतौर पर मिठाई और पेय पदार्थों में आनंद लेने के बजाय एक औषधीय पदार्थ के रूप में माना जाता था।

63 हैजा का प्रकोप: हैजा की महामारी अप्रैल 1832 में रूएन क्षेत्र में पहुंची और अक्टूबर तक बनी रही।

64 व्हाइट पंक: यह एक सूखा, हल्का, स्पंजी पदार्थ है जो ब्रैकेट कवक से प्राप्त होता है, जिसे "हॉर्सहूफ" या "टिन्डर" कवक के रूप में जाना जाता है, जो कुछ पर्णपाती वृक्षों जैसे कि बर्च, बीच और ओक पर उगता है। यह अत्यधिक ज्वलनशील होता है और इसका उपयोग फ्यूज जलाने के लिए किया जाता है।

65 हिरोंडेल: शाब्दिक रूप से, "निगल"—अक्सर नाव या स्थलीय वाहन के नाम के रूप में प्रयोग किया जाता है, और तेज़ी का संकेत देता है; इस मामले में, निश्चित रूप से, फ्लाउबर्ट द्वारा नाम का चुनाव व्यंग्यात्मक है।

65 पोलैंड के लिए... ल्योन की बाढ़ के पीड़ित: वारसॉ विद्रोह 29 नवंबर, 1830 को हुआ था; लुई-फिलिप के शासनकाल के दौरान दमन के शिकार पोलिश लोगों के लिए सहायता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। ल्योन में बाढ़ 1840 में आई थी।

65 हमारे जूतों में घास भरी है: फ्रांसीसी मुहावरा "अपने जूतों में घास रखना" अंग्रेजी मुहावरे "अपने घोंसले को सजाना" के समान है। घास से जुड़े कई फ्रांसीसी मुहावरे हैं: कृषि प्रधान समाज में, घास का अच्छा भंडार आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक था।

66 फ्रॉक कोट: पुरुषों का कोट, आमतौर पर दो तरफा, जिसके आगे और पीछे घुटने तक की लंबाई वाली स्कर्ट होती है। फ्लाउबर्ट किसी पात्र के पहनावे पर विशेष ध्यान देते थे क्योंकि इससे उसके व्यक्तित्व और जीवनशैली के बारे में बहुत कुछ पता चलता था।

66 एक बुर्जुआ का अहंकार: फ्लाउबर्ट की मुख्य शत्रुताओं में से एक बुर्जुआ वर्ग और बुर्जुआ सोच

के तरीकों के खिलाफ थी, जिन्हें वह संकीर्ण मानसिकता, आत्मसंतुष्टि, अभिमान, भौतिक लाभ और भौतिक संपत्ति के प्रति अत्यधिक लगाव और गहरी संस्कृति की कमी मानते थे।

66 जैसे मरी हुई मछली: मूल पाठ में यह "एक शैड मछली की तरह" है, शैड एक महत्वपूर्ण खाद्य मछली है, इसलिए यह संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में यूरोप में अधिक परिचित है।

67 दशांश: वार्षिक आय का लगभग दसवां हिस्सा धन या वस्तु के रूप में चर्च को दिया जाने वाला एक प्रकार का दान, जो पहले स्वैच्छिक था और बाद में एक कानूनी कर के रूप में स्थापित हो गया। फ्रांसीसी क्रांति के समय इसे गैरकानूनी घोषित कर दिया गया था।

68 सुकरात, फ्रैंकलिन, वोल्टेयर और बेरेंजर: सुकरात (469-399 ईसा पूर्व), एक प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक थे, जो दर्शन को सभी बुद्धिमान पुरुषों के लिए उचित और आवश्यक कार्य मानते थे; उन्होंने अपने सिद्धांतों का पालन किया, भले ही अंततः इसी कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। बेंजामिन फ्रैंकलिन (1706-90), स्वतंत्र विचारों वाले अमेरिकी राजनेता, आविष्कारक, वैज्ञानिक और लेखक थे, जो फ्रांस में लोकप्रिय थे, जहां उन्हें अमेरिकी क्रांति के बाद एक राजनयिक मिशन पर भेजा गया था। फ्रांकोइस-मैरी अरौएट डी वोल्टेयर (1694-1778), एक संशयवादी, तर्कवादी, व्यावहारिक दार्शनिक, लेखक, शौकिया वैज्ञानिक और फ्रांसीसी प्रबोधन के प्रमुख प्रतिनिधि थे, जिनकी फ्लाउबर्ट बहुत प्रशंसा करते थे। बेरेंजर की कविताओं (पृष्ठ 10 पर टिप्पणी देखें) में गणतंत्रवादी और बोनापार्टवादी विचार व्यक्त किए गए थे, जिसके लिए कवि को दो बार जेल जाना पड़ा।

68 एक सैवोयार्ड विकर की आस्था की घोषणा: जीन-जैक्स रूसो (1712-78) के उपन्यास एमिल का चौथा भाग, जिसमें एमिल की नैतिक और धार्मिक शिक्षा का सारांश दिया गया है; रूसो, स्विस-फ्रांसीसी दार्शनिक, लेखक और राजनीतिक सिद्धांतकार, ने एक प्राकृतिक धर्म की वकालत की जिसने चर्च के अधिकारियों को नाराज कर दिया।

68 1789 के अमर सिद्धांत: फ्रांसीसी क्रांति के सिद्धांत, जैसा कि विशेष रूप से "मानव और नागरिक अधिकारों की घोषणा" (1789) में व्यक्त किया गया है।

68 टोपी विक्रेता: महिलाओं की टोपियों का निर्माता और विक्रेता—जो उस समय के पहनावे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिस समय में उपन्यास की कहानी घटित होती है।

69 दाई: वह महिला जो दूसरे बच्चों की देखभाल करती है और उन्हें दूध पिलाती है—यह काम

पैसे लेकर किया जाता था, और उच्च वर्ग और संभ्रांत वर्ग की महिलाएं आमतौर पर अपने बच्चों को शैशवावस्था या शुरुआती बचपन के कई वर्षों तक दाई की देखरेख में छोड़ देती थीं। उपन्यास में, एम्मा बोवरी अपने बच्चे के लिए एक दाई को नियुक्त करेगी।

70 कोरिज़ा: सामान्य सर्दी-जुकाम। फार्मासिस्ट होमेस आमतौर पर विशिष्ट वैज्ञानिक शब्दावली का प्रयोग करना पसंद करते हैं।

70 स्क्रॉफ़ुला: लसीका ग्रंथियों का तपेदिक, विशेषकर गर्दन में स्थित लसीका ग्रंथियों का, जो बच्चों में सबसे आम है; या इसके लक्षण स्वरूप होने वाली सूजन या फोड़े।

70 नोवेना: किसी संत के सम्मान में नौ दिनों तक की जाने वाली प्रार्थनाओं की एक श्रृंखला, जिसमें उनकी मध्यस्थता की प्रार्थना की जाती है।

70 रेउमुर: एक तापमान पैमाना जिसमें 0 को पानी के हिमांक बिंदु पर और 80 को पानी के क्वथनांक बिंदु पर रखा जाता है। रेउमुर एक समय व्यापक रूप से उपयोग में था, लेकिन उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान धीरे-धीरे अन्य पैमानों द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया।

72 “ल'एंज गार्डियन”: यह मार्सेलीन डेसबोर्ड्स-वालमोर (1786-1859) की एक कविता हो सकती है - एक उच्च सम्मानित कवयित्री, जिनकी उनके समकालीनों द्वारा बहुत प्रशंसा की जाती थी, और जिनकी प्रतिष्ठा कायम रही है - जिसे संगीतकार और गायिका पॉलीन डुचम्बगे (1786-1859) द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, या बेरेंजर का एक गीत (पृष्ठ 10 पर टिप्पणी देखें)।

73 डेलिल … ल'इको डेस फ्यूइलेटन्स: जैक्स, अब्बे डेलिल (1738-1813), एक फ्रांसीसी कवि और अनुवादक थे और एकेडेमी फ्रांसेज़ के सदस्य थे, जो वर्णनात्मक प्रकृति कविताओं में विशेषज्ञता रखते थे। ल'इको डेस फ्यूइलेटन्स (साहित्यिक अनुपूरकों की प्रतिध्वनि) समकालीन समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से संकलित कहानियों, उपाख्यानों आदि का एक संग्रह था।

73 ले फैनल डे रूएन: "द रूएन बीकन"—रूएन का एक काल्पनिक समाचार पत्र। फ्लाउबर्ट पहले होमेस को असली जर्नल डे रूएन के लिए लिखने को कह रहे थे, जिसे वे नापसंद करते थे, लेकिन बाद में उन्हें समाचार पत्र का नाम बदलने के लिए मना लिया गया।

73 बुची, फोर्जेस, न्यूफ़चैटेल, योनविले और आसपास का क्षेत्र: इन स्थानों में से केवल योनविले ही काल्पनिक है।

73 लिस्ट स्लिपर: चप्पलें, जो अक्सर घर पर बनाई जाती हैं और मोटे, आमतौर पर ऊनी कपड़े की पट्टियों से बुनी या गूंथी जाती हैं।

75 ट्रेबल क्लेफ: फ्लाउबर्ट संगीत में उच्च स्वरों को दर्शाने की एक प्रणाली का जिक्र कर रहे हैं, जिसका उपयोग उदाहरण के लिए टेनर पार्ट लिखने के लिए किया जाता है। उनका इशारा यह हो सकता है कि लियोन को संगीत पढ़ने का केवल आंशिक या सतही ज्ञान है।

75 सैक्रिस्टन: गिरजाघर का वह अधिकारी जो पूजा कक्ष और धार्मिक अनुष्ठानों से संबंधित उपकरणों का प्रभारी होता है।

75 19 वेंटोज़, वर्ष 11, अनुच्छेद 1 का कानून: एक कानून (10 मार्च, 1803 को) पारित किया गया था जब फ्रांस अभी भी क्रांतिकारी कैलेंडर का उपयोग कर रहा था, जो 1793 में स्थापित किया गया था और 1805 तक चला था। वेंटोज़ उस कैलेंडर का छठा महीना था, और यह 19 या 21 फरवरी से 19 या 21 मार्च तक चलता था।

76 अर्माइन: अभियोजक के औपचारिक वस्त्र को पारंपरिक रूप से अर्माइन की पट्टी से सजाया जाता था, जो नेवले की सफेद शीतकालीन खाल होती है।

78 इस पापी का नाम: मेडेलीन नाम बाइबिल की मैग्डेलेना के नाम से लिया गया है, जिसे हाल तक गलती से वेश्या माना जाता था।

78 नेपोलियन … फ्रैंकलिन … इरमा … एथली: नेपोलियन बोनापार्ट (नेपोलियन प्रथम, 1769–1821) फ्रांस के सम्राट थे (1804–15)। बेंजामिन फ्रैंकलिन के लिए, पृष्ठ 68 पर टिप्पणी देखें। इरमा का नाम संभवतः एलिजाबेथ गुएनार्ड डी मेरे (1751–1829) द्वारा लिखित भारतीय कहानी "इरमा, या एक युवा अनाथ के दुर्भाग्य" के पात्र के नाम पर रखा गया है। एथली, फ्रांस के अग्रणी शास्त्रीय नाटककार जीन रेसीन (1639–99) द्वारा लिखित इसी नाम की त्रासदी की नायिका हैं।

78 खजूर के छह डिब्बे: खजूर, जिसे चीनी खजूर भी कहा जाता है, खजूर के पेड़ का फल है। इसका पेस्ट बनाकर खांसी, ब्रोंकाइटिस और निमोनिया के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है।

78 “अच्छे लोगों का ईश्वर”: बेरेंजर द्वारा रचित एक पादरी-विरोधी कविता (1817) (पृष्ठ 10 पर टिप्पणी देखें)।

78 बारकारोल: एक वेनिस नाव गीत।

78 साम्राज्य: नेपोलियन प्रथम का शासनकाल, 1804-15।

79 "देवताओं का युद्ध": वोल्टेयर की "पुसेल" शैली में रचित एक कविता, जिसे एवरेस्ट डेसिरे डे फोर्जेस, विस्काउंट डे पार्नी (1753-1814) ने लिखा था और 1799 में प्रकाशित किया था। चर्च के विरुद्ध निर्देशित यह व्यंग्य-महाकाव्य कविता, 1827 में सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दी गई थी।

79 वर्जिन मैरी के छह सप्ताह: क्रिसमस और शुद्धिकरण (2 फरवरी) के बीच के छह सप्ताह; ऐसा माना जाता था कि एक नई माँ को इतनी ही अवधि के दौरान शारीरिक व्यायाम से परहेज करना चाहिए।

80 लकड़ी के पट्टे वाली गायें... सींग: मूल पाठ में, vaches embricolées; उस समय नॉरमैंडी में, गायों को एक प्रकार का लकड़ी का पट्टा पहनाया जाता था जो उन्हें पेड़ों से चरने और विशेष रूप से अपने चरागाहों में लगे सेब के पेड़ों से सेब खाने से रोकता था। साथ ही, उनके सींग आमतौर पर नहीं काटे जाते थे, जैसा कि आजकल संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग हमेशा किया जाता है।

80 मैथ्यू लैंसबर्ग: लीज में उत्पन्न होने वाला एक प्रसिद्ध पंचांग, जो पहली बार सत्रहवीं शताब्दी में सामने आया और उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान फेरीवालों द्वारा वितरित किया गया।

81 नानकीन: एक मजबूत, पीले रंग का कपड़ा जिसे मूल रूप से चीन के नानकिंग में प्राकृतिक रूप से पीले-भूरे रंग की कपास की किस्म से हाथ से बुना जाता था।

85 ओस्माज़ोम: एक समय ऐसा माना जाता था कि यह कुछ प्रकार के मांस और परिपक्व मुर्गी के मांस का मुख्य स्वाद बढ़ाने वाला घटक है, जिसे स्टॉक या शोरबा बनाने में प्राप्त किया जा सकता है।

85 कैलेफैक्टर्स: होमेस द्वारा "चूल्हों" के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला गूढ़ वैज्ञानिक शब्द।

85 écarté: दो लोगों के लिए खेला जाने वाला एक कार्ड गेम जिसमें बत्तीस कार्डों का उपयोग किया जाता है, जिसमें दस कार्ड बांटे जाते हैं, प्रत्येक खिलाड़ी को पांच-पांच कार्ड मिलते हैं, और ग्यारहवां कार्ड ट्रम्प होता है।

86 एल'इलस्ट्रेशन: राजनीति, शिष्टाचार, कला और फैशन को कवर करने वाली एक दीर्घकालिक (1843-1944) लोकप्रिय पत्रिका।

86 डबल सिक्स: डोमिनोज़ का खेल तब तक चलता है जब तक एक खिलाड़ी तीन सौ अंक

अर्जित नहीं कर लेता; डबल सिक्स वह टाइल है जिसमें सबसे अधिक अंक होते हैं।

86 पिएरोट्स: पिएरोट्स फ्रांसीसी मूक अभिनय का एक लोकप्रिय हास्य किरदार था, जिसे सफेद चेहरे और ढीले, कभी-कभी बहुत ही आकर्षक ब्लाउज और पैंट के साथ निभाया जाता था। इस किरदार को, व्यापक या सूक्ष्म रूप से, परंपरागत रूप से भोला और भावुक रूप से रोमांटिक माना जाता है।

86 नाम दिवस: वह दिन जो उस संत के सम्मान में मनाया जाता है जिसके नाम पर किसी व्यक्ति का नाम रखा गया हो; उस समय फ्रांस में यह दिन किसी व्यक्ति के जन्मदिन से भी अधिक महत्वपूर्ण था।

86 फ्रेनोलॉजिकल हेड: मानव सिर का एक मॉडल जिस पर व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करने वाले माने जाने वाले विभिन्न क्षेत्रों को चिह्नित किया जाता है; फ्रेनोलॉजी, या खोपड़ी के आकार का अध्ययन, उस समय कई अनुयायियों के साथ एक गंभीर विज्ञान था।

89 गैस्कॉनी में जन्म: गैस्कॉनी फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक क्षेत्र है जिसमें पाइरेनीज़ पर्वत श्रृंखला शामिल है, जो स्पेन के साथ सीमा बनाती है, साथ ही अटलांटिक तट के किनारे दलदली और रेतीले लैंडेस क्षेत्र भी शामिल हैं।

90 तीन भाई... महान जंगली: रूएन में काल्पनिक कहानियां।

92 नोट्रे-डेम डी पेरिस में ला सैचेट: विक्टर ह्यूगो के 1831 के उपन्यास का एक पात्र—व्लादिमीर नाबोकोव के अनुसार एक "दयनीय प्राणी"—जो एक अकेली माँ है और अपनी बेटी से बेहद प्यार करती है।

95 ले पोलेट: डिएप्पे का एक बाहरी जिला जहाँ मछुआरे रहते थे।

96 कवल: कवल भिक्षुओं या भिक्षुणियों द्वारा पहना जाने वाला हुड या हुडयुक्त लबादा होता है।

96 प्री-डियू: प्री-डियू (शाब्दिक रूप से, "भगवान से प्रार्थना करें") एक छोटी लकड़ी की प्रार्थना मेज होती है जिसमें एक गद्देदार घुटने टेकने वाली बेंच और एक ढलान वाली शेल्फ होती है जिस पर किताब रखी जा सकती है।

98 मोंट-रिबौडेट: शब्दों पर एक नाटक- मोन रिबौडेट, "माई रिबौडेट," मॉन्ट-रिबौडेट, "माउंट रिबौडेट" का एक होमोफोन है।

100 स्वर्गारोहण: ईसाई धर्म में, स्वर्गारोहण दिवस ईस्टर के चालीस दिन बाद आने वाले गुरुवार

को मनाया जाता है और यह ईसा मसीह के स्वर्ग में आरोहण का स्मरणोत्सव है।

100 घुटने टेकना: एक धर्मनिष्ठ कैथोलिक, चर्च में प्रवेश करते समय या चर्च के अंदर, वेदी के सामने से गुजरते समय, वेदी की ओर मुख करके एक घुटना मोड़ता है और साथ ही साथ क्रॉस का चिन्ह बनाता है।

101 डायचिलोन: एक मरहम जो मूल रूप से वनस्पति रसों से बना होता था, बाद में इसमें सीसा मिलाया जाने लगा; इसका उपयोग खरोंच और घावों पर सूजन कम करने के लिए प्लास्टर के रूप में किया जाता था।

102 कैरिब्स या बोटोकुडोस: कैरिब्स लेसर एंटिल्स द्वीप समूह के अमेरिकी मूल निवासी थे जिनके नाम पर कैरिबियन सागर का नाम रखा गया था; बोटोकुडोस पूर्वी ब्राजील के दक्षिण अमेरिकी मूल निवासियों की एक जनजाति थी जो अपने कान के निचले हिस्से और निचले होंठ में बड़े लकड़ी के प्लग पहनते थे।

103 ग्रिसेट: कामकाजी वर्ग की युवा महिलाएं जो छात्रों के साथ डेटिंग करती थीं और अपने नैतिक मूल्यों में कुछ हद तक ढीली मानी जाती थीं।

106 जेसुइट: सोसाइटी ऑफ जीसस का एक सदस्य, जो इग्नाटियस लोयोला द्वारा 1534 में स्थापित एक धार्मिक संस्था है; हालाँकि, इस मामले में, होमेस का सीधा सा मतलब है कि लियोन पाखंडी या "दूसरों से अधिक पवित्र" प्रतीत होगा।

106 लैटिन क्वार्टर: पेरिस का वह ज़िला जो सीन नदी के बाएं किनारे पर स्थित है, जहाँ पुराना विश्वविद्यालय स्थित था—जहाँ शिक्षा लैटिन भाषा में दी जाती थी—और जहाँ आज भी उच्च शिक्षा के कई संस्थान स्थित हैं; यह आज भी छात्रों का प्रमुख क्षेत्र है, जहाँ कलात्मक, बौद्धिक और रात्रिजीवन जीवंत रहता है।

106 फाउबर्ग सेंट-जर्मेन: कभी पेरिस का एक बाहरी इलाका (फाउबर्ग) रहा फाउबर्ग सेंट-जर्मेन, जो सीन नदी के बाएं किनारे पर स्थित है, पूर्व में लैटिन क्वार्टर से सटा हुआ है और उपन्यास के समय पेरिस के सबसे धनी और फैशनेबल इलाकों में से एक था। इसका नाम इसकी छठी शताब्दी के एबे चर्च, सेंट-जर्मेन-डेस-प्रेज़ से लिया गया है।

110 वाष्प: उस समय की मान्यताओं के अनुसार, रक्त, "रस" या शारीरिक अंगों से निकलने वाली वाष्प के मस्तिष्क में उठने के कारण होने वाली तंत्रिका या मानसिक गड़बड़ी।

111 पीले दस्ताने... गैटर: फ्लाउबर्ट रोडोल्फ के पहनावे के विभिन्न तत्वों की तुलना कर रहे हैं।

उस समय पीले दस्ताने फैशनेबल लोगों की शान थे (ओपेरा का दृश्य देखें, पृष्ठ 195); दूसरी ओर, गैटर—एक कपड़ा या चमड़े का वस्त्र जो जूते के ऊपरी हिस्से और कभी-कभी पैर के निचले हिस्से को ढकता था—अधिक प्रचलित था।

111 सिंकोप: बेहोशी के दौरे के लिए चिकित्सा शब्द।

112 फ्लेबोटोमी: होमेस द्वारा रक्त निकालने के लिए प्रयुक्त अधिक तकनीकी शब्द। पृष्ठ 51 पर टिप्पणी देखें।

115 कड़क कड़क टोपी... और उनके बिखरे हुए रंगों से निखरती हुई: यह फ्लाउबर्ट की वाक्य रचना की विलक्षण शैली का दूसरा उदाहरण है, जिसमें तीन कर्ता क्रमानुसार प्रस्तुत किए गए हैं, और उनके साथ तीन संगत क्रियाएँ भी हैं (पृष्ठ 43 पर टिप्पणी देखें)। इस प्रकार, कड़क कड़क टोपी बर्फ से भी अधिक सफेद चमक रही थी, इत्यादि।

116 पनीर में बूढ़े आदमी का चूहा: यह जीन डे ला फॉन्टेन (1621-95) की एक कहानी "दुनिया से अलग रहने वाला चूहा" का संदर्भ है, जिसमें एक एकांतवासी चूहा पनीर के अंदर एकांत में रहता है और जरूरतमंद साथी चूहों के एक समूह की मदद करने से इनकार कर देता है। यह धार्मिक संन्यासियों और भिक्षुओं पर एक व्यंग्यात्मक कटाक्ष है।

117 रूएन की कृषि समिति: यह संगठन काल्पनिक है, लेकिन वास्तव में सीन-इन्फेरियर कृषि समिति का अस्तित्व था।

118 वचन पत्र: वचन पत्र एक लिखित वादा होता है, जिसमें किसी अन्य व्यक्ति को या उसके खाते में पहली बार प्रस्तुत करने पर या पूर्व निर्धारित भविष्य के समय पर एक निश्चित राशि का भुगतान करने का वादा किया जाता है।

120 कैम्ब्रिक: एक अत्यंत नाजुक लिनेन का कपड़ा।

120 ट्विल: लिनन या सूती कपड़े की एक ऐसी बुनाई जो इतनी सघन होती है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो उस पर तिरछी रेखाएं बनी हों।

120 वैम्प्ड: जूते या बूट का वह हिस्सा जिसे वैम्प कहते हैं, पैर के अगले भाग—यानी पैर के ऊपरी हिस्से और उंगलियों—को ढकता है।

122 लैंडौ: एक भारी, चार पहियों वाली गाड़ी जिसका हुड दो भागों में विभाजित होता था और जिसे पीछे की ओर मोड़ा जा सकता था।

124 राज्य का रथ: "ले चार डे ल'एटैट" किसी राष्ट्र के शासन के लिए उतना ही आम काव्यात्मक

या साहित्यिक अभिव्यक्ति है जितना कि अंग्रेजी में "शिप ऑफ स्टेट", और इसका अनुवाद उसी तरह किया जा सकता था; हालाँकि, महाशय लियूवेन के भाषण में, यह मिश्रित रूपक —लहरों में डगमगाता रथ—न केवल भाषण कला पर फ्लाउबर्ट का जानबूझकर किया गया व्यंग्य है, बल्कि उपन्यास में बाद में आने वाले एक महत्वपूर्ण प्रसंग का पूर्वाभास भी देता है।

124 नींव को कमजोर करना: पुस्तक के अंत में, होमेस ही थोड़े समय के लिए नींव को कमजोर कर रहा है।

130 ex aequo: यह लैटिन वाक्यांश ex aequo et bono की शुरुआत है, जो एक कानूनी शब्द है जिसका अर्थ है "न्यायसंगत और उचित के अनुसार"। इसका प्रयोग परिस्थितियों के अनुसार उचित और न्यायसंगत सिद्धांतों के आधार पर लिए गए निर्णयों में किया जाता है, जो कानून के कठोर नियमों को दरकिनार कर देता है। यहाँ, ज़ाहिर है, इसे सर्वश्रेष्ठ सुअर के लिए पुरस्कार देते समय एक अधिकारी के मुख से कहलवाया गया है, ताकि वह अपना आडंबर प्रदर्शित कर सके।

131 खलिहान की धूल ने उन्हें कठोर बना दिया: यह फ्लाउबर्ट द्वारा एक विलक्षण वाक्यविन्यास के उपयोग का तीसरा उदाहरण है जो तीन विषयों की एक श्रृंखला को उनकी तीन संबंधित क्रियाओं से मिलाता है।

132 शाकोस: एक प्रकार की लंबी, बेलनाकार सैन्य टोपी जिसमें एक चोटी या विज़र होता है, कभी-कभी पंख, चेन या रिबन से सजाई जाती है, और आमतौर पर सामने की तरफ एक धातु का बैज होता है जिस पर एक प्रतीक चिन्ह या कभी-कभी रेजिमेंट संख्या अंकित होती है।

133 फियाक्रे: सामान्यतः, किराए पर उपलब्ध एक घोड़ागाड़ी; इस मामले में, वह लैंडौ जिसमें पार्षद यात्रा कर रहे हैं।

134 डिथिरैम्बिक पंक्तियाँ: डिथिरैम्ब एक ऐसी श्रद्धांजलि है जो उदात्त या आडंबरपूर्ण शैली में लिखी जाती है।

134 एक हजार एक रातें: अरेबियन नाइट्स एंटरटेनमेंट्स के नाम से भी जानी जाने वाली यह प्राचीन फारसी-भारतीय-अरबी कहानियों का संग्रह है, जो मूल रूप से अरबी भाषा में लिखी गई थीं। इन्हें लगभग 1450 में वर्तमान स्वरूप में व्यवस्थित किया गया और 1707 से 1717 के बीच एंटोनी गैलैंड द्वारा फ्रेंच में अनुवादित और प्रकाशित किया गया। ये

कहानियाँ, जिनमें से प्रत्येक अपने आप में पूर्ण है, उनकी कथावाचक शेहेरज़ादे से जुड़ी हुई हैं, जिन्हें उनके पति द्वारा मृत्युदंड दिया गया था। वह हर रात एक कहानी सुनाती हैं, प्रत्येक कहानी के चरमोत्कर्ष को अगली रात तक टालती रहती हैं और इस प्रकार अपनी मृत्युदंड को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करती रहती हैं। (अंततः उन्हें क्षमा कर दिया जाता है।)

135 वेस्टरी: वेस्टरी या सैक्रिस्टी, चर्च का वह कमरा है जहाँ पवित्र पात्र और पुरोहितों के वस्त्र रखे जाते हैं; इस शब्द का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से भी किया जाता है, जैसा कि यहाँ है, धर्म या पादरीवाद का प्रतिनिधित्व करने के लिए।

135 लोयोला के अनुयायी: जेसुइट्स (पृष्ठ 106 पर टिप्पणी देखें)।

138 ट्राइकॉट: ऊन या ऊन और कपास से बना एक सघन, मजबूत ट्विल्ड कपड़ा।

139 हांफना: सांस लेना, सांस वापस पाना।

144 पाइप: फ्लाउबर्ट खुद अपने बिस्तर के पास वाली मेज पर एक पाइप और एक गिलास पानी रखते थे।

146 ऑक्सालिक अम्ल… राल… अस्थि काला: ऑक्सालिक अम्ल एक प्रबल अम्ल है जिसका उपयोग विरंजन और सफाई के लिए किया जाता है, विशेष रूप से जंग हटाने के लिए; राल चीड़ के पेड़ों और अन्य पौधों से प्राप्त राल का एक ठोस रूप है और इसका उपयोग वार्निश बनाने में किया जाता है; अस्थि काला जानवरों की हड्डियों को जलाकर प्राप्त किया गया पदार्थ है और इसका उपयोग विशेष रूप से रंगद्रव्य या अवशोषक के रूप में किया जाता है।

149 पिकोट्स: नॉर्मन बोली में "टर्की" के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द।

150 बेचारी एम्मा: खुद फ्लाउबर्ट के लिए, "बेचारी" अक्सर स्नेह का एक शब्द था।

151 फर्ज़: एक कांटेदार सदाबहार झाड़ी।

152 स्ट्रेफोपोडिया: क्लबफुट के लिए चिकित्सा शब्द। इस अध्याय में क्लबफुट के विभिन्न प्रकारों के लिए प्रयुक्त शब्दों का प्रयोग किया जाएगा, आमतौर पर पाठ में ही उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा।

152 डॉक्टर डुवाल की पुस्तक: विंसेंट डुवाल की 'ट्रेटे प्रैटिक डू पीड-बॉट' (टेढ़े पैर पर एक व्यावहारिक ग्रंथ, 1839—ऑनलाइन उपलब्ध) इस अध्याय में चिकित्सा संबंधी जानकारी के लिए फ्लाउबर्ट का मुख्य स्रोत थी। इस पुस्तक में प्रासंगिक जानकारी दी गई है कि फ्लाउबर्ट के पिता, अचिले-क्लियोफास फ्लाउबर्ट ने एक महिला के टेढ़े पैर को नौ महीने तक लोहे के

ब्रेस में जकड़ कर रखने का असफल प्रयास किया था। इस मामले में डॉक्टर डुवाल ने स्वयं बाद में रोगी का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया था।

153 लंगड़ापन: लंगड़ाकर चलना।

154 एम्ब्रोइस पारे ... सेल्सस ... डुप्यूट्रेन ... जेनसोल: एम्ब्रोइस पारे (लगभग 1510-90), फ्रांस के चार राजाओं के सर्जन, ने अधिक मानवीय चिकित्सा पद्धतियों की शुरुआत की और कृत्रिम अंगों के उपयोग को बढ़ावा दिया। औलस कॉर्नेलियस सेल्सस (14 ईस्वी) ने चिकित्सा पर आठ खंडों का ग्रंथ, 'डी रे मेडिसिना' लिखा, जो पुनर्जागरण काल के दौरान पुनः खोजे जाने और प्रकाशित होने पर बहुत प्रभावशाली बन गया। गुइलौम डुप्यूट्रेन (1777-1835), प्रमुख फ्रांसीसी सर्जन, व्याख्याता और लेखक, ने हाथ के एक संकुचन का वर्णन किया, जिसका नाम उनके नाम पर रखा गया है। जोसेफ जेनसोल (1797-1858), आंखों, नाक, मुंह और कानों के विशेषज्ञ फ्रांसीसी सर्जन, ने ऊपरी जबड़े को हटाने का पहला ऑपरेशन किया।

154 एन्सेफेलॉन ... एब्लेशन ... सुपीरियर मैक्सिला ... टेनोटॉमी नाइफ ... लिंट: एन्सेफेलॉन, मस्तिष्क; एब्लेशन, शल्य चिकित्सा द्वारा हटाना; सुपीरियर मैक्सिला, ऊपरी जबड़ा; टेनोटॉमी नाइफ, एक सर्जन का पतला चाकू जिसका सिरा कुंद और घुमावदार होता है, जिसका उपयोग टेंडन को त्वचा के नीचे काटने के लिए किया जाता है; लिंट, घावों पर पट्टी बांधने के लिए एक नरम, रोएँदार पदार्थ, जिसे लिनन या सूती कपड़े को खुरचकर या फाड़कर तैयार किया जाता है।

155 दे विसु: लैटिन भाषा का एक कानूनी मुहावरा, जिसका अर्थ है "हमने इसे स्वयं देखा है।"

156 एंट्रेचैट: बैले में एंट्रेचैट एक प्रकार की छलांग होती है जिसमें नर्तक हवा में उछलता है और बार-बार तेजी से बारी-बारी से अपने पैरों को आगे-पीछे करता है।

156 एक्किमोसिस... एडिमा... ट्यूमेफैक्शन... फ्लिक्टेने: एक बार फिर, फ्लाउबर्ट चिकित्सा जगत के विशिष्ट शब्दों की एक श्रृंखला प्रस्तुत कर रहे हैं: एक्किमोसिस, चोट के निशान; एडिमा, संयोजी ऊतकों में तरल पदार्थ का असामान्य संचय; ट्यूमेफैक्शन, सूजन; फ्लिक्टेने, पारदर्शी तरल पदार्थ से भरे छोटे छाले।

157 पुल्टिस: पुल्टिस चोकर, ब्रेड या किसी अन्य पदार्थ का एक नरम टुकड़ा होता है, जिसे कपड़े पर फैलाकर आमतौर पर गर्म किया जाता है और शरीर के चोटिल या संक्रमित हिस्सों पर लगाया जाता है; यह कई तरह की बीमारियों के लिए एक और पसंदीदा उपचार था।

158 बॉन-सेकर्स: ब्लोसेविले में स्थित नोट्रे-डेम डू बॉन सेकर्स, रूएन के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक भव्य रूप से सजाया गया तीर्थस्थल है, जो सीन नदी के किनारे एक ऊंचे स्थान पर स्थित है।

158 पवित्र जल: वह जल जिसे किसी पुजारी द्वारा आशीर्वादित किया गया हो और जिसका उपयोग ईसाई अनुष्ठानों में शुद्धिकरण के लिए किया जाता है।

159 भेंगापन, क्लोरोफॉर्म, पथरी निकालना: भेंगापन मांसपेशियों के असंतुलन के कारण आंखों का असामान्य संरेखण है—शायद डॉक्टर इसे ठीक करने के लिए किसी ऑपरेशन का जिक्र कर रहे हैं; क्लोरोफॉर्म, एक रंगहीन, मीठी गंध वाला जहरीला तरल पदार्थ है जो कभी सामान्य बेहोशी की दवा के रूप में लोकप्रिय था; पथरी निकालना मूत्राशय या मूत्रमार्ग में पथरी को कुचलने के लिए की जाने वाली एक शल्य चिकित्सा है ताकि उन्हें शरीर से बाहर निकाला जा सके।

160 एपॉप्लेक्सी: स्ट्रोक के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पुराना शब्द—मस्तिष्क में धमनी का फटना या अवरुद्ध होना।

164 कोल्ड क्रीम: मूल पाठ अंग्रेजी में है।

164 डिमिटी: महीन डोरियों वाला एक हल्का, पारदर्शी सूती कपड़ा।

165 सेंटाइम: एक सेंटाइम एक फ्रैंक का सौवां हिस्सा होता था।

165 सेंट पीटर दिवस: 29 जून।

166 पंद्रह नेपोलियन: एक नेपोलियन बीस फ्रैंक का सोने का सिक्का था।

166 अमोर नेल कोर: इतालवी भाषा में इसका अर्थ है "दिल में प्यार"। फ्लाउबर्ट की प्रेमिका, लुईस कोलेट ने उन्हें इसी वाक्य वाला एक सिगार केस (या होल्डर) उपहार में दिया था। उपन्यास प्रकाशित होने तक उनका प्रेम संबंध समाप्त हो चुका था। इस विवरण को शामिल करने से वह आहत हुईं और प्रतिशोध में उन्होंने "अमोर नेल कोर" नामक एक कविता लिखी और प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने एक उपन्यास को "घूमने-फिरने वाले विक्रेता" की रचना बताया।

168 ड्यूक ऑफ क्लेरेंस अपने माल्मसी वाइन के बर्तन में: जॉर्ज प्लांटाजेनेट, ड्यूक ऑफ क्लेरेंस (1449-78), एक उपद्रवी शाही रिश्तेदार, के बारे में अफवाह थी कि उन्हें लंदन टावर में माल्मसी वाइन के एक बर्तन में डुबोकर "गुप्त रूप से मार डाला गया" था। शेक्सपियर ने उन्हें रिचर्ड तृतीय में एक पात्र के रूप में शामिल किया।

175 होटल डी प्रोवेंस: सीन नदी के किनारे स्थित रूएन का एक काल्पनिक होटल। एम्मा बाद में लियोन के साथ अपने "हनीमून" पर वहीं ठहरेगी।

178 मैनचिनेल का पेड़: यह उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक सदाबहार पेड़ है। इसमें सेब के आकार का एक छोटा, जहरीला फल लगता है, और इसके नीचे खड़े होना खतरनाक होता है क्योंकि इसके गाढ़े, दूधिया रस के संपर्क में आने से जहरीला प्रभाव पड़ता है।

178 अ डियू!: शाब्दिक रूप से, "ईश्वर को"; इससे पहले आने वाला शब्द "अलविदा" या "फेयरवेल" मूल शब्द à Dieu का एक-शब्द रूप है, ठीक वैसे ही जैसे अंग्रेजी का "गुड बाय" मूल "गॉड बी विद ये" का संक्षिप्त रूप है।

183 स्नफ़ बॉक्स: स्नफ़ पिसा हुआ तंबाकू होता है जिसे नाक के छिद्रों के माध्यम से साँस द्वारा अंदर लिया जाता है।

183 बोइस-गिलौम: रूएन के ठीक बाहर स्थित एक कस्बा।

183 स्टर्न्यूटिव: होमेस का एक ऐसा शब्द जो किसी ऐसे पदार्थ के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिससे छींक आती है—उदाहरण के लिए, नसवार।

183 एमोलिएंट्स, डलसिफायर्स: एमोलिएंट एक ऐसा पदार्थ है जो सूजन वाले ऊतकों को नरम या शांत करता है; डलसिफायर एक प्रकार का ट्रैंक्विलाइज़र है।

183 यही तो सवाल है!: शेक्सपियर के नाटक हैमलेट के तीसरे अंक, पहले दृश्य में हैमलेट के एकालाप से लिया गया एक अपेक्षाकृत अप्रासंगिक, लेकिन लोकप्रिय उद्धरण।

184 सरसों का प्लास्टर: सरसों का प्लास्टर एक औषधीय मिश्रण था, जिसका एक घटक पिसी हुई सरसों थी, जो मरहम से अधिक गाढ़ी होती थी और आमतौर पर कपड़े के टुकड़े पर फैलाकर शरीर पर लगाई जाती थी; यह एक प्रतिजलकारक था और इसका उपयोग रक्त को त्वचा की सतह पर लाने के लिए किया जाता था।

186 हर्बल चाय: हर्बल चाय एक ऐसा पेय है जिसमें औषधीय पौधे के पदार्थ की थोड़ी मात्रा होती है।

187 पवित्र भोज (होस्ट) ... सिबोरियम: पवित्र भोज (होस्ट) यूखरिस्ट की रोटी (बिना खमीर वाले गेहूं और प्राकृतिक जल से बनी) है, जो ईसाई धर्म के पवित्र भोज (कम्युनियन) में मसीह के शरीर का प्रतीक है। सिबोरियम एक प्याले के आकार का पात्र है जिसका उपयोग

पवित्र भोज को रखने के लिए किया जाता है।

187 अवशेष पात्र: किसी धार्मिक अवशेष को रखने का पात्र—अर्थात्, किसी ऐसी वस्तु को रखने का पात्र जिसकी पूजा किसी संत या शहीद से उसके संबंध के कारण की जाती है।

188 मोनसिग्नोर: रूएन के आर्कबिशप।

188 मोंसियर डी मैस्ट्रे: जोसेफ डी मैस्ट्रे (लगभग 1754-1821), लेखक, एक कट्टर रोमन कैथोलिक, कुशल शैलीकार और अठारहवीं शताब्दी के तर्कवाद के साहित्यिक विरोधी थे; उनका मानना था कि दुनिया पर पोप का पूर्ण शासन होना चाहिए, जो आध्यात्मिक नेता हैं। इस विचारक के प्रति फ्लाउबर्ट की अवमानना इस बात से ज़ाहिर होती है कि उन्होंने उनका पूरा नाम लेने के बजाय व्यंग्यात्मक रूप से उन्हें "मोंसियर" कहकर संबोधित किया।

188 कवि-कवि बनने की चाह रखने वाले सेमिनरी छात्र या पश्चातापी ब्लूस्टॉकिंग्स: कवि बनने का प्रयास करने वाले सेमिनरी छात्र; "ब्लूस्टॉकिंग" एक अपमानजनक शब्द था जो मूल रूप से अठारहवीं शताब्दी की कुछ महिलाओं पर लागू होता था जो बौद्धिक चर्चाओं के लिए समर्पित शाम के गोष्ठों का आयोजन करती थीं या उनमें भाग लेती थीं।

188 इस पर अच्छी तरह विचार करें... युवाओं के लिए: पहला शीर्षक है "इस पर अच्छी तरह विचार करें, या जेसुइट पॉल डी बैरी (1587-1661) द्वारा चार अंतिम लक्ष्यों पर चिंतन"; दूसरा, विक्टर डी'एंग्लर्स द्वारा "मैरी के चरणों में दुनिया का आदमी" (1836); और तीसरा, जेसुइट क्लाउड-एड्रियान नॉनोटे (1711-93) द्वारा "वोल्टेयर विरोधी डेस एरर्स डी वोल्टेयर" (1762) का रूपांतरण।

189 गुड फ्राइडे… सॉसेज: ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार, ईस्टर से पहले आने वाला शुक्रवार, गुड फ्राइडे, क्रूस पर ईसा मसीह की मृत्यु की वर्षगांठ है और इसे शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस दिन (या कैथोलिक रीति-रिवाजों के अनुसार किसी भी शुक्रवार को) मांस नहीं खाया जाता है; इसलिए बड़े बोवरी का व्यवहार उनकी धर्मनिष्ठ पत्नी के लिए अत्यंत अपमानजनक होगा।

190 धर्मशिक्षा कक्षा: ईसाई धर्म सिद्धांतों में शिक्षा देने वाली एक कक्षा, जिसमें धर्मशिक्षा का उपयोग किया जाता है।

191 प्रसिद्ध गायक लगार्डी: एक काल्पनिक पात्र।

191 Castigat ridendo mores: “यह हँसी के साथ हमारे नैतिक मूल्यों को सुधारता है”—अंततः

शास्त्रीय हास्य का आदर्श वाक्य बन गया, इसे कवि (और “जीवंत लैटिन” के समर्थक) जीन डी सैंटुइल (1630-97) ने इतालवी विदूषक डोमिनिक के लिए अपने रंगमंच में उपयोग करने के लिए रचा था।

191 वोल्टेयर की त्रासदीयाँ: पृष्ठ 68 पर टिप्पणी देखें।

191 पेरिस का बच्चा: जीन-फ्रांकोइस-अल्फ्रेड बेयार्ड (1796-1853) और एमिल वेंडरब्रुक (1794-1862) द्वारा दो अंकों का एक वाडेविल नाटक (1836)।

191 गैलीलियो: गैलीलियो गैलीली (1564-1642), इतालवी खगोलशास्त्री, गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने कोपरनिकस के उस सिद्धांत का समर्थन किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है - एक ऐसा सिद्धांत जिसे धर्म के लिए खतरनाक बताकर निंदा की गई - और 1633 में उन पर धर्म जांच आयोग द्वारा मुकदमा चलाया गया। यातना की धमकी के तहत, उन्हें कोपरनिकस के सौर मंडल के सिद्धांत को त्यागने के लिए मजबूर किया गया और सिएना में नजरबंद करके निर्वासित कर दिया गया।

191 चर्च के जनक: पहली शताब्दी ईस्वी से लेकर संत ग्रेगरी प्रथम (लगभग 540-604) तक के प्रारंभिक ईसाई लेखक; उन्होंने सिद्धांतों को प्रतिपादित किया और धार्मिक अनुष्ठानों को संहिताबद्ध किया, और उनके विद्वतापूर्ण कार्यों को बाद में मिसाल के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

193 सियूर ल्यूरेक्स: सियूर (शाब्दिक अर्थ, "स्वामी") शब्द एक औपचारिक उपाधि है जो मॉन्सियर (शाब्दिक अर्थ, "मेरे स्वामी") के समकक्ष है, जो अब या तो अप्रचलित है या केवल कानूनी उपयोग तक सीमित है। इसका प्रयोग व्यंग्य के रूप में भी किया जा सकता था। लुईस कोलेट को लिखे अपने एक पत्र में, फ्लाउबर्ट ने अपने मित्र मैक्सिम को चिढ़कर "सियूर डू कैंप" कहा था; डू कैंप ने सुझाव दिया था कि एक लेखक के रूप में सफल होने के लिए उन्हें पेरिस में रहना चाहिए। डू कैंप ने फ्लाउबर्ट को अपने समय से पहले गंजेपन को छिपाने के लिए "छोटी विग" पहनने का सुझाव देकर और भी चिढ़ पैदा कर दी।

194 पारटेरे … लोगेस: पारटेरे थिएटर के फर्श का वह हिस्सा है जो ऑर्केस्ट्रा के पीछे होता है; लोगेस थिएटर के विभिन्न खंडों में बने छोटे-छोटे कक्ष या बॉक्स होते हैं, जिनमें कुछ सीटें होती हैं।

194 लुसी डे लैमरमूर: लोकप्रिय इतालवी संगीतकार गेटानो डोनिज़ेट्टी (1797-1848) द्वारा

रचित ओपेरा लुसिया डि लैमरमूर (1836) का फ्रांसीसी संस्करण पहली बार 1839 में पेरिस में प्रदर्शित किया गया था। यह सर वाल्टर स्कॉट की द ब्राइड ऑफ लैमरमूर (1819) पर आधारित था।

195 कैवटीना: ओपेरा में, एक लघु अरिया।

196 डबलट … डर्क: डबलट पुरुषों की शरीर से चिपकी हुई जैकेट होती है; डर्क स्कॉटिश भाषा में "खंजर" के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है।

198 जौ का पानी: इसे ऑर्गेट भी कहा जाता है, यह एक पेय है जो मूल रूप से जौ से बने सिरप पर आधारित होता है, बाद में इसमें मीठे और कड़वे बादाम का इमल्शन मिलाया जाता था; इन वर्षों के दौरान इसे शाम की नृत्य पार्टियों के साथ-साथ थिएटर में भी परोसा जाता था।

201 ओ बेल एंज, मा लुसी!: लुसी के प्रेमी एडगर द्वारा खुद को चाकू मारने के बाद गाए गए अंतिम शब्द (फ्रेंच संस्करण में, अंक 3, दृश्य 2 में)।

201 टैम्बुरिनी, रुबिनी, फ़ारसी, ग्रिसी: क्रमशः, एंटोनियो टैम्बुरिनी, एक इतालवी बैरिटोन; जियोवन्नी बतिस्ता रुबिनी, एक इतालवी किरायेदार; फ़ैनी टैचिनार्डी-फ़ारसियानी, एक इतालवी सोप्रानो; और गिउलिया ग्रिसी, एक इतालवी सोप्रानो, उन्नीसवीं सदी की शुरुआत के सभी प्रसिद्ध ओपेरा गायक।

भाग III

205 ला चौमिएर: ला ग्रांडे चौमिएर, रास्पेल बुलेवार्ड (जिसे तब एनफेर बुलेवार्ड के नाम से जाना जाता था) के पास मोंटपार्नास बुलेवार्ड पर स्थित एक नृत्यशाला थी। इसकी शुरुआत 1783 में एक अंग्रेज, टिक्सन द्वारा एक मनोरंजन पार्क और बीयर गार्डन के रूप में की गई थी। इसका नाम इसलिए पड़ा क्योंकि उस समय यह छप्पर वाली झोपड़ियों (चौमिएर) का एक समूह था। 1837 में स्वामित्व में बदलाव के बाद, यह इतना लोकप्रिय हो गया कि मोंटपार्नास बुलेवार्ड को "ला ग्रांडे चौमिएर की ओर जाने वाला बुलेवार्ड" कहा जाने लगा। इसके अधिकांश ग्राहक छात्र थे, और पोल्का और कैनकैन नृत्य पहली बार यहीं किए गए थे।

205 लक्समबर्ग: लक्समबर्ग गार्डन, पेरिस में स्थित एक विशाल पार्क है जो लैटिन क्वार्टर से सटा हुआ है।

205 संहिता: यह नेपोलियन की या नागरिक संहिता है, जिसे नेपोलियन प्रथम ने 1804 में लागू

किया था और इसमें फ्रांस के निजी कानून (अर्थात व्यक्तियों के बीच संबंधों को विनियमित करने वाला कानून) का प्रावधान है। इसका एक संस्करण अभी भी लागू है।

205 भव्य अपार्टमेंट... गैरेट: मूल फ्रांसीसी पाठ में एंट्रेसोल (मेज़ानाइन) और क्वाट्रिएम एटेज (चौथी मंजिल) के बीच अंतर बताया गया है। एंट्रेसोल अपार्टमेंट मेज़ानाइन मंजिल पर स्थित होता था, जो आमतौर पर भूतल और दूसरी मंजिल के बीच होता था। उस समय पेरिस में प्रचलित किरायेदारी व्यवस्था के अनुसार, धनी परिवार इमारत की निचली मंजिलों पर रहते थे, और जैसे-जैसे ऊपर की मंजिलें आती थीं, किरायेदार उत्तरोत्तर गरीब होते जाते थे, क्योंकि ऊपरी मंजिलें कम आकर्षक होती थीं—ठंडी और कम ऊंची छतों वाली, साथ ही लिफ्ट के आने से पहले वहां पहुंचना भी मुश्किल होता था—किराया सस्ता होता था।

208 क्लेमाटिस: तीन पत्तियों वाली एक बेल, जिसमें आमतौर पर सफेद या बैंगनी रंग के फूल खिलते हैं।

209 नेस्ले टॉवर के चार दृश्य: ला टूर डे नेस्ले फ्रेडरिक गैलार्डेट (1808-82) द्वारा लिखित एक अत्यंत लोकप्रिय ऐतिहासिक नाटक (1832) था, जिसे एलेक्जेंडर डुमास (1802-70) ने पुनर्लिखित किया था। चौदहवीं शताब्दी के आरंभिक काल में रचित यह नाटक फिलिप चतुर्थ की बहुओं के बीच हुए प्रेम प्रसंगों से संबंधित एक किंवदंती पर आधारित था। यह टॉवर स्वयं तेरहवीं शताब्दी के आरंभिक काल का एक सुरक्षा टॉवर था, जो सीन नदी के बाएँ किनारे पर लूव्र के पुराने महल के सामने स्थित था, और वर्तमान में वहीं पर इंस्टीट्यूट डे फ्रांस स्थित है।

212 पार्विस: "स्वर्ग" शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है आंगन, चौक या चर्च के सामने का घिरा हुआ स्थान।

212 तिपत्तीनुमा: तीन गोल पत्तियों वाली एक शैलीबद्ध पत्ती से सुशोभित।

212 वर्जर: चर्च का एक अधिकारी जो चर्च की देखभाल करने, सेवाओं के दौरान व्यवस्था बनाए रखने, या व्यवस्थापक या सेक्रिस्टन के रूप में सेवा करने का प्रभारी होता है (पृष्ठ 75 पर टिप्पणी देखें)।

212 मैरिएन डांसिंग: यह तेरहवीं शताब्दी की पत्थर की नक्काशी का लोक नाम है, जो बाएं द्वार पर स्थित है और जिसमें फिलिस्तीन के राजा हेरोड, जिन्होंने जॉन द बैपटिस्ट को मृत्युदंड

देने का आदेश दिया था, के सामने सलोमी नृत्य कर रही हैं। इस अध्याय में गिरजाघर का वर्णन पूर्णतः सटीक है, सिवाय उन पवित्र जल कुंडों के जो मुख्य हॉल को प्रतिबिंबित करते हैं; ये कुंड रूएन के एक अन्य गिरजाघर, सेंट-ओएन में पाए जाते हैं।

213 पवित्र जल पात्र: चर्च के प्रवेश द्वार के अंदर एक स्तंभ या दीवार से जुड़े छोटे पात्र जिनमें पुजारी द्वारा पवित्र किया गया जल होता है; श्रद्धालु, चर्च में प्रवेश करते समय और अक्सर, चर्च से बाहर निकलने से पहले (पृष्ठ 216 देखें), तीन उंगलियां (त्रिमूर्ति का प्रतीक) या पांच (यीशु के घावों का प्रतीक) या किसी अन्य संख्या या संयोजन में उंगलियां पानी में डुबोकर स्वयं पर क्रॉस का निशान बनाते हैं।

213 नीली खिड़की जिसमें नाविक दिखाई दे रहे हैं: जैसा कि पृष्ठ 38 के नोट में बताया गया है, फ्लाउबर्ट का वर्णन समय-समय पर वर्तमान काल में बदल जाता है, जब वे किसी ऐसी चीज़ का वर्णन कर रहे होते हैं जो उनके लेखन के समय भी मौजूद थी, या जिसे वे इस तरह चित्रित करना चाहते हैं जैसे वह अभी भी मौजूद हो। इस उदाहरण में वर्तमान काल वास्तविकता को दर्शाता है: गिरजाघर अभी भी मौजूद है, और यह खिड़की भी।

214 एम्बोइस घंटा: 1501 में निर्मित, इसका वजन वास्तव में छत्तीस हजार पाउंड से अधिक था और यह लगभग तीन सौ वर्षों तक टिका रहा, जब तक कि यह टूट नहीं गया और तोपों के लिए पिघला दिया गया। 1847 में एक अंग्रेज पर्यटक द्वारा लिखे गए संस्मरण के अनुसार, इसका एक टुकड़ा अभी भी रूएन संग्रहालय में देखा जा सकता था।

214 पियरे डी ब्रेज़े: चार्ल्स सप्तम की सेवा में एक सैनिक और राजनीतिज्ञ (लगभग 1410-65), जो कुछ समय के लिए दरबार में बहुत शक्तिशाली थे, और जिनकी मृत्यु नॉर्मंडी के सेनेस्चल के रूप में हुई।

215 लुई डी ब्रेज़े: पियरे डी ब्रेज़े के पोते (1463-1531), लुई चार्ल्स VII और एग्नेस सोरेल के पोते भी थे।

215 डायने डे पोइटियर्स: एक कुलीन महिला (1499-1566), अपने से काफी बड़े लुई डे ब्रेज़े की विधवा, और बाद में हेनरी द्वितीय की प्रेमिका, जिनका 1559 में उनकी मृत्यु तक उन पर गहरा प्रभाव था।

215 अम्बोइस परिवार: चाचा और भतीजा, दोनों कार्डिनल थे। चाचा, जॉर्जेस डी'अम्बोइस (1460-1510), लुई XII के मंत्री थे और कला के संरक्षक होने के साथ-साथ उन्होंने फ्रांस में

पुनर्जागरण को बढ़ावा देने में भी योगदान दिया। भतीजे, जॉर्जेस द्वितीय डी'अम्बोइस (1488-1550) को 1511 में रूएन का आर्कबिशप और 1545 में कार्डिनल चुना गया।

215 रिचर्ड द लायनहार्टेड: इंग्लैंड के रिचर्ड प्रथम (1157-99), जो शायद ही कभी इंग्लैंड में रहे और उनका शासनकाल संघर्षों से भरा हुआ था। वे सर वाल्टर स्कॉट के उपन्यासों इवानहो और द टैलिस्मैन में दिखाई देते हैं।

215 कैल्विनवादी: फ्रांसीसी प्रोटेस्टेंट धर्मशास्त्री जॉन कैल्विन (1509-64) द्वारा शुरू किए गए आंदोलन के अनुयायी।

215 चर्च का शिखर: उस समय इसका निर्माण कार्य जारी था, इसे लोहे से बनाया गया था और इसने आग से नष्ट हुए कई पुराने लकड़ी के शिखरों का स्थान लिया था; इसमें खुली जगहें शामिल की गई थीं ताकि यह तेज हवाओं से कम प्रभावित हो।

216 उत्तरी द्वार... नरक की ज्वालाएँ: यह संदर्भ कैथेड्रल के पार्श्व प्रवेश द्वारों में से एक, पोर्टाइल डेस लिब्रायर्स से है, जिसमें तेरहवीं और चौदहवीं शताब्दी की नक्काशी है।

216 और भारी वाहन चल पड़ा: गाड़ी द्वारा तय किया गया यात्रा कार्यक्रम तर्कसंगत से अधिक काल्पनिक है, हालांकि इसके मार्ग में उल्लिखित स्थान वास्तविक हैं।

216 पियरे कॉर्नेल: नाटककार (1606-84) और रूएन के मूल निवासी।

219 कैफरनाउम: यह नाम उत्तरपूर्वी फिलिस्तीन के एक शहर का है जो नाज़रेथ के यीशु के उपदेशों से जुड़ा हुआ है, लेकिन यह शब्द, जिसका अर्थ है अव्यवस्थित रूप से कई वस्तुओं से भरा स्थान, संभवतः कैफोरनियाउ से जुड़ा हुआ था, जिसका अर्थ है "अतिरिक्त सामान रखने का कमरा" या "बक्सा कक्ष"।

220 न्यायालय: दीवानी और आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय।

220 डैमोकल्स की तलवार: एक सर्वव्यापी खतरा; शास्त्रीय पौराणिक कथाओं की उस कहानी से लिया गया है जिसमें सिराकुसा के अत्याचारी डायोनिसियस प्रथम (लगभग 430-367 ईसा पूर्व) ने एक भोज के दौरान अपने दरबारी डैमोकल्स को उसके सिर के ऊपर एक बाल से तलवार लटकाकर पद और शक्ति की अनिश्चितता का प्रदर्शन किया था।

220 Fabricando fit faber, age quod agis: “अभ्यास से ही पूर्णता आती है” या, अधिक शाब्दिक रूप से, “जो कुछ भी आप करते हैं, उसे करने से ही आप एक निर्माता बनते हैं।”

221 “वैवाहिक प्रेम!”: यह निकोलस वेनेट (1632-98) द्वारा रचित “टैब्लू डे ल'अमोर कॉन्जुगल”

नामक चित्र है, जो ला रोशेल में शरीर रचना विज्ञान और शल्य चिकित्सा के प्रोफेसर थे। 1686 में प्रकाशित इस चित्र को पश्चिम में मानव कामुकता का पहला अध्ययन माना जाता है और इसे कई बार पुनर्मुद्रित किया गया, हालांकि फ्लाउबर्ट ने लुईस कोलेट को लिखे एक पत्र में इसे "एक अयोग्य रचना" कहा था।

226 पावर ऑफ अटॉर्नी: एक कानूनी दस्तावेज जो किसी व्यक्ति को इसे देने वाले व्यक्ति के अटॉर्नी या एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत करता है - यानी, यदि चार्ल्स एम्मा को पावर ऑफ अटॉर्नी देता है, तो वह कानूनी और वित्तीय रूप से उसके लिए कार्य करने में सक्षम होगी।

228 "एक शाम—क्या तुम्हें याद है?—हम नाव चला रहे थे…": लामार्टिन की "ले लेक" नामक कविता की चौथी पंक्ति की शुरुआत (पृष्ठ 33 पर टिप्पणी देखें), जो 1820 में उनके "मेडिटेशन्स पोएटिक्स" में प्रकाशित हुई थी। यह कविता झील को संबोधित है और कवि के अनुपस्थित प्रेम को दर्शाती है।

229 ब्रीफ: ब्रीफ किसी मुकदमे में मुवक्किल के मामले का एक संक्षिप्त विवरण होता है, जिसे मुकदमे की सुनवाई के दौरान वकील को निर्देश देने के लिए तैयार किया जाता है।

230 मेरे रोलेट आईं: प्रेमी मेरे रोलेट के माध्यम से पत्र व्यवहार करते थे—इसीलिए वह अक्सर घर आती थीं।

230 स्टाफ: संगीत में स्टाफ पांच क्षैतिज रेखाओं और उनके बीच के चार रिक्त स्थानों का एक समूह होता है, जिन पर बजाए जाने वाले स्वर अंकित होते हैं; पियानो संगीत की एक रचना में दो स्टाफ होते हैं—सामान्यतः, दाहिना हाथ उच्च स्वर (ऊपरी स्टाफ पर) और बायां हाथ निम्न स्वर बजाता है।

231 द मिसेरिकोर्डे: रूएन में एक कॉन्वेंट स्कूल।

235 स्नान करती ओडालिस्क: यह जीन ऑगस्ट डोमिनिक इंग्रेस (1780-1867) द्वारा बनाई गई चित्रों की एक श्रृंखला का संदर्भ है। ओडालिस्क, जो हरम में एक महिला दास या रखैल होती थी, उस समय और उससे पहले के चित्रों का एक लोकप्रिय विषय थी।

235 बार्सिलोना की पीली सुंदरता: यह संदर्भ संभवतः अल्फ्रेड डी मुसेट (1810-57) की "एल'अंडालूस" नामक कविता से है, जो उनके पहले संग्रह, कॉन्टेस डी'एस्पेन एट डी'इटली (स्पेन और इटली की कहानियां, 1829) में प्रकाशित हुई थी।

236 उनमें से कुछ घोड़े से उतर जाते थे: दूसरे शब्दों में, वे घोड़े पर बोझ कम करने के लिए पहाड़ी पर चढ़ जाते थे।

236 बीवर हैट: बीवर की खाल या उससे बने कपड़े से बनी टोपी।

237 अक्सर गर्मी में... : फ्लाउबर्ट ने स्पष्ट रूप से अपने पांडुलिपि पृष्ठ पर उल्लेख किया था कि उन्होंने अंधे आदमी का गीत निकोलस एडमे रेस्टिफ डे ला ब्रेटोन (1734-1806) से लिया था, जो एक उपन्यासकार और नाटककार थे, जिन्होंने पेरिस के निम्न वर्ग के जीवन, विशेष रूप से उसकी महिलाओं के बारे में, साथ ही सामाजिक सुधार पर कई लेखों के बारे में विपुल रूप से लिखा था।

241 हेक्टेयर: क्षेत्रफल मापने की मीट्रिक इकाई, प्रत्येक हेक्टेयर लगभग ढाई एकड़ के बराबर होता है।

247 मोनाकोस: पैसे या नकदी के लिए इस्तेमाल होने वाला एक बोलचाल का शब्द (शाब्दिक रूप से, मोनाको का सिक्का)।

247 बुर्जुआ वर्ग को चकाचौंध करना: अपने वाक्यांश, éblouir … les bourgeois में एलिप्सिस के साथ, फ्लाउबर्ट शायद आम अभिव्यक्ति épater les bourgeois ("परंपरागत रूप से सोचने वालों को झटका देना") का संकेत दे रहे हैं।

247 फुटमफ: पैरों को गर्म रखने के लिए फर से ढका हुआ एक खुला डिब्बा या थैला।

248 पोमार्ड: पूर्वी फ्रांस के बरगंडी से एक कोटे डी ब्यून वाइन।

249 गारस: दालचीनी, केसर, जायफल इत्यादि से बना एक अमृत, जिसका उपयोग पाचन में सहायता के लिए किया जाता है।

249 कुजास और बार्टोले: जैक्स कुजास सोलहवीं शताब्दी के एक फ्रांसीसी वकील थे; बार्टोलो दा सासोफेराटो चौदहवीं शताब्दी के एक इतालवी न्यायविद थे।

252 भुगतान न होने का विरोध: लिखित में शपथपूर्वक दिया गया एक बयान जिसमें यह कहा गया हो कि किसी वचन पत्र या बिल का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है।

254 एल्स: एल्स लंबाई की एक इकाई थी, मुख्य रूप से कपड़े के लिए, जो लगभग पैंतालीस इंच के बराबर होती थी।

254 एंटीमैकासर: एंटीमैकासर ("एंटी-" और "मैकासर" (एक हेयर ऑयल ब्रांड) से मिलकर बना एक आवरण था जो फर्नीचर के पिछले हिस्से या भुजाओं की सुरक्षा करता था।

256 नैनी: फ्लाउबर्ट ने फेलिसिटे का वर्णन विभिन्न रूपों में किया है, जैसे "नौकरानी," "नौकरानी," "रसोइया," "नैनी"—वह इन सभी भूमिकाओं में काम करती थी।

258 मध्य-लेंट दिवस: रोमन कैथोलिक धर्म में उपवास और पश्चाताप की अवधि, लेंट के मध्य का एक दिन; कुछ स्थानों पर और कुछ समयों पर, इसे उत्सवों के साथ मनाया जाता था।

265 केमिनोट्स: आमतौर पर केमिनॉक्स लिखा जाता है, यह नाम रूएन में छोटी खमीर रहित रोटियों को दिया जाता था जिन्हें लेंट के दौरान खाया जाता था। मूल रूप से फ्लाउबर्ट ने इस रोटी के प्रति होमैस के प्रेम को उसकी "एकमात्र मानवीय कमजोरी" के रूप में चित्रित करने की योजना बनाई थी, और फिर उस कमजोरी को उसकी पत्नी में स्थानांतरित कर दिया था।

265 धर्मयुद्धों की शताब्दी: धर्मयुद्ध बारहवीं और तेरहवीं शताब्दी में हुए युद्धों की एक श्रृंखला थी, जो यूरोपीय ईसाइयों द्वारा मुसलमानों से पवित्र भूमि (ऐतिहासिक फिलिस्तीन) को वापस लेने के लिए की गई थी।

265 हिप्पोक्रास: दालचीनी और लौंग या अन्य मसालों से युक्त एक मीठी शराब, जो मध्ययुगीन यूरोप में लोकप्रिय थी।

266 “कॉर्निया” … “स्क्लेरोटिक,” “फेसिस”: कॉर्निया आंख का पारदर्शी भाग है जो आइरिस और पुतली को ढकता है और प्रकाश को अंदर जाने देता है; स्क्लेरोटिक का अर्थ है स्क्लेरोसिस से प्रभावित होना, या शरीर के कुछ ऊतकों का सख्त होना; फेसिस चेहरे की बनावट और भाव-भंगिमा है जो किसी विशिष्ट चिकित्सीय स्थिति की विशेषता है।

266 लियार्ड: लियार्ड तांबे का बना एक सिक्का था जिसकी कीमत एक सू के एक-चौथाई के बराबर थी।

266 सूजनरोधी मरहम: एक ऐसा मरहम जो सूजन को कम करता है।

268 स्टुबेन की एस्मेराल्डा और शोपिन की पोटिफ़र: उस समय की लोकप्रिय पेंटिंग्स की प्रतिकृतियाँ। जर्मन चित्रकार चार्ल्स ऑगस्टे गुइलौम स्टुबेन, या कार्ल ऑगस्ट वॉन स्टुबेन (1788-1856), ने एक से अधिक पेंटिंग बनाईं जिनमें जिप्सी एस्मेराल्डा दिखाई देती है, जिनमें से कम से कम एक में उसकी पालतू बकरी डजाली भी शामिल है; वह विक्टर ह्यूगो के उपन्यास नोट्रे-डेम डी पेरिस (1831; नोट्रे-डेम का कुबड़ा) में एक पात्र थी। हेनरी-फ्रेडरिक शोपिन (1804-80) जर्मनी में जन्मे, फ्रांसीसी नागरिकता प्राप्त चित्रकार थे जो ऐतिहासिक

और बाइबिल संबंधी विषयों पर चित्र बनाते थे; यह स्पष्ट नहीं है कि यह उनकी कौन सी पेंटिंग है।

272 बाउटज़ेन और लुट्ज़ेन में: 1813 में रूसियों और प्रशियाई लोगों पर नेपोलियन प्रथम की विजय।

272 फ्रांसीसी अभियान: जनवरी से अप्रैल 1814 तक चलने वाला यह अभियान नेपोलियन प्रथम का मित्र देशों की सेनाओं द्वारा फ्रांस पर किए गए आक्रमणों का प्रतिरोध करने और अपने सिंहासन को बनाए रखने का एक असफल प्रयास था।

272 लीजन ऑफ ऑनर: यह एक राष्ट्रीय पदानुक्रमित व्यवस्था है जिसे नेपोलियन प्रथम ने 1802 में नागरिक और सैन्य सेवा के लिए पुरस्कार के रूप में स्थापित किया था।

277 दमिश्कनयुक्त: कीमती धातुओं का उपयोग करके जड़ाऊ काम से अलंकृत।

277 शस्त्रों का प्रदर्शन: एक दीवार पर लगाई जाने वाली सजावट जिसमें हथियारों को एक विशेष पैटर्न में व्यवस्थित किया जाता है।

277 बूले घड़ी: कछुए की खोल, पीली धातु और सफेद धातु की जड़ाई से सजी एक घड़ी, जिसका नाम आंद्रे चार्ल्स बूले के नाम पर रखा गया है, जो एक फर्नीचर निर्माता थे और जिनकी मृत्यु 1732 में हुई थी।

283 मेरा छोटा जूता: यह प्रथा थी कि एक बच्ची नव वर्ष दिवस या मध्य-लेंट दिवस से पहले की रात को अपना एक जूता बाहर रख देती थी; सुबह उसमें एक या एक से अधिक छोटे उपहार या सिक्के होते थे।

284 थेरियाका: कई पशु, पौधे और खनिज तत्वों तथा शहद का मिश्रण, जिसे कभी जहर का विषनाशक माना जाता था।

284 बर्लिन: एक तेज, हल्की, फैशनेबल ढकी हुई गाड़ी जिसमें दो आंतरिक सीटें, चार पहिए और एक अलग से ढकी हुई पीछे की सीट है।

284 बिचैट: मैरी फ़्रांस्वा ज़ेवियर बिचैट (1771-1802), फ्रांसीसी शरीर रचना विज्ञानी और शरीर क्रिया विज्ञान विशेषज्ञ थे। उन्होंने ऊतकों का अध्ययन और वर्गीकरण किया तथा शरीर रचना विज्ञान पर कई पुस्तकें लिखीं। उनका कार्य आधुनिक ऊतक विज्ञान का आधार बना, जो शरीर रचना विज्ञान की वह शाखा है जो पौधों और जानवरों के ऊतकों की सूक्ष्म संरचना का अध्ययन करती है।

286 सिसिटी ... ग्रसनी ... एपिगैस्ट्रियम ... सुपरपर्गेशन: एक बार फिर, होमेस कुछ विशेष चिकित्सा शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं; सिसिटी का अर्थ है सूखापन; ग्रसनी मुख गुहा और ग्रासनली के बीच स्थित आहार नाल का भाग है; एपिगैस्ट्रियम पेट के ऊपर और सामने स्थित उदर का भाग है; सुपरपर्गेशन का अर्थ है अत्यधिक दस्त—जैसा कि उल्टी लाने वाली दवा के उपयोग से होता है।

286 एम्फिट्रियन: यह नाम ग्रीक पौराणिक कथाओं के एक राजा का है, जिनकी अनुपस्थिति में देवता ज़्यूस ने उनका रूप धारण करके एक भोज का आयोजन किया और मेहमानों के साथ-साथ एम्फिट्रियन की पत्नी एल्कमने को भी धोखा दिया। इस कहानी को कई नाट्य कृतियों में दोहराया गया है। मोलियर द्वारा इसी नाम के नाटक में प्रस्तुत संस्करण में, जब एम्फिट्रियन भोज के बीच में घर लौटता है और उपस्थित लोगों को चुनौती देता है कि वे तय करें कि उनमें से, वह या ज़्यूस, सच्चा मेज़बान कौन है, तो उनका उत्तर होता है, "Le véritable Amphitryon est l'Amphitryon où l'on dine" ("सच्चा एम्फिट्रियन वह है जिसने भोज का आयोजन किया है")। तब से "एम्फिट्रियन" "उदार मेज़बान" का पर्याय बन गया है।

287 कैंथराइड्स, उपास वृक्ष, मंचिनील, विषैला साँप: कैंथराइड्स सूखे भृंगों (जैसे स्पैनिश मक्खियाँ) से बना एक मिश्रण था जिसका उपयोग जलनरोधी के रूप में किया जाता था; उपास वृक्ष एशिया और पूर्वी भारत का एक वृक्ष है जिसके लेटेक्स में विषैले पदार्थ होते हैं जिनका उपयोग तीर के विष के रूप में किया जाता है; मंचिनील के लिए पृष्ठ 178 पर टिप्पणी देखें; विषैला साँप एक विषैला साँप है।

287 कैडेट डी गैसीकोर्ट: चार्ल्स-लुई कैडेट डी गैसीकोर्ट (1769-1821), लुई XV के एक नाजायज बेटे और अंततः नेपोलियन I (1809) के मुख्य फार्मासिस्ट, ने विज्ञान और अन्य विषयों पर कई रचनाएँ प्रकाशित कीं।

287 उन्होंने इसे खुद भुना, खुद पीसा और खुद तैयार किया: एक बार फिर, होमेस तकनीकी शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं, इस मामले में औषधीय शब्दावली का - उन्होंने कॉफी को भुना, पीसा और मिलाया है।

287 सैकरम: लैटिन भाषा में "चीनी"—होमेस एक बार फिर अपने (सतही) ज्ञान का प्रदर्शन कर रहे हैं।

287 पवित्र तेल: रोमन कैथोलिक संस्कार में उपयोग के लिए बिशप द्वारा आशीर्वादित जैतून का तेल, इस मामले में अंतिम संस्कार, एक अनुष्ठान जिसमें पुजारी एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति का अभिषेक करता है और उसके ठीक होने और मुक्ति के लिए प्रार्थना करता है।

287 सूटेन: रोमन कैथोलिक धर्मनिरपेक्ष पादरियों द्वारा पहना जाने वाला टखने तक लंबा, शरीर से चिपकी हुई आस्तीनों वाला और सामने की तरफ बटनों से सुसज्जित एक चोगा।

288 स्टोल: बिशप और पुरोहितों द्वारा गले में पहनी जाने वाली एक लंबी, पतली पट्टी।

288 मिज़ेरेटूर ... इंडलजेंटियम: रोमन कैथोलिक रीति में, ये दो छोटी प्रार्थनाएँ सामान्यतः पापस्वीकारोक्ति के बाद और अंतिम संस्कार से पहले की जाती हैं। मिज़ेरेटूर में निम्नलिखित शब्द हैं: "सर्वशक्तिमान ईश्वर आप पर दया करें, आपके सभी पापों को क्षमा करें और आपको अनन्त जीवन प्रदान करें।" इंडलजेंटियम में निम्नलिखित शब्द हैं: "सर्वशक्तिमान और दयालु प्रभु हमें हमारे पापों की क्षमा, मुक्ति और मुक्ति प्रदान करें।"

288 अभिषेक की शुरुआत हुई: अभिषेक के दौरान, पुजारी पारंपरिक रूप से शरीर के कुछ विशिष्ट अंगों पर अभिषेक करते हुए निम्नलिखित कहते हैं: "इस पवित्र अभिषेक के द्वारा, और उनकी अपार दया के द्वारा, ईश्वर तुम्हें उन सभी पापों के लिए क्षमा करें जो तुमने (दृष्टि, श्रवण, गंध, स्वाद, वाणी, स्पर्श और चलने की क्षमता) के दुरुपयोग से किए हैं।" पारंपरिक रूप से पुजारी छह स्थानों पर अभिषेक करते हैं; इस दृश्य में फ्लाउबर्ट ने पाँच स्थानों का उल्लेख किया है, किसी कारणवश कानों (और उनके साथ श्रवण शक्ति) को छोड़ दिया है।

289 मृत्यु की सूचना देने के लिए चर्च में बजाई जाने वाली घंटी: मृत्यु की सूचना देने के लिए बजाई जाने वाली घंटी।

292 उसे हरे मखमल के एक बड़े टुकड़े से पूरी तरह ढक दें: हालांकि मूल पाठ का अर्थ यह हो सकता है कि कपड़ा सबसे बाहरी ताबूत को ढक दे, लेकिन फ्लाउबर्ट के शुरुआती मसौदों से यह स्पष्ट होता है कि कपड़ा सीधे ओक के ताबूत के अंदर उसके शरीर पर रखा जाना था।

292 तर्कवादी: फ्रांसीसी शब्द है 'फिलोसॉफ'। फिलोसॉफ्स का मानना था कि मानवीय मामलों में मानव तर्क ही सर्वोच्च मार्गदर्शक होना चाहिए, और इसलिए वे धार्मिक और राजनीतिक सत्ता के प्रति संशयवादी थे। हमेशा की तरह, होमेस को फिलोसॉफ कहना फ्लाउबर्ट की ईमानदारी नहीं है: होमेस खुद को तर्कवादी कहते हैं, न कि फ्लाउबर्ट उन्हें ऐसा मानते हैं।

294 वोल्टेयर … डी'होलबैक … विश्वकोश: वोल्टेयर के लिए, पृष्ठ 68 पर टिप्पणी देखें। फ्रांसीसी दार्शनिक पॉल हेनरी थिरी, बैरन डी'होलबैक (1723-89), प्रकृतिवादी और भौतिकवादी विचारों के समर्थक थे और उन्होंने ईसाई धर्म का पुरजोर विरोध किया। 1751 और 1789 के बीच प्रकाशित अट्ठाईस खंडों वाला विश्वकोश, या विज्ञान, कला और व्यापार का पद्धतिगत शब्दकोश, मुख्य रूप से फ्रांसीसी दार्शनिक, उपन्यासकार और नाटककार डेनिस डिडेरोट का काम था। यह अठारहवीं शताब्दी की महान साहित्यिक कृतियों में से एक थी, जिसमें विश्वकोशकार या दार्शनिकों के नाम से जाने जाने वाले समूह (जिसमें वोल्टेयर भी शामिल थे) द्वारा योगदान किए गए लेख थे; इसकी तर्कसंगत जांच की भावना ने इसे धार्मिक सत्ता, अंधविश्वास और इसी तरह की चीजों का विरोध करने के लिए प्रेरित किया।

294 कुछ पुर्तगाली यहूदियों के पत्र... ईसाई धर्म का प्रमाण, पूर्व मजिस्ट्रेट निकोलस द्वारा: पहला पत्र, श्रीमान वोल्टेयर को लिखे गए कुछ पुर्तगाली, जर्मन और पोलिश यहूदियों के पत्रों (1772) का संक्षिप्त शीर्षक है, जो वोल्टेयर के संशयवाद का खंडन करने वाला एक प्रमुख ईसाई धर्म प्रचारक अब्बे एंटोइन गुएनी (1717-1803) का पत्र है। दूसरा पत्र स्पष्ट रूप से निकोलस द्वारा नहीं, बल्कि वास्तव में एम. डी गेनौडे (1792-1849) द्वारा लिखा गया है।

294 कैटालेप्सी: एक ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति की शारीरिक मुद्राएं या चेहरे के भाव स्थायी रूप से बने रहते हैं और बाहरी उत्तेजनाओं के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं होती है।

294 चुंबकत्व: संभवतः यह जर्मन चिकित्सक फ्रांज एंटोन मेस्मर (1734-1815) के चुंबकीय बल क्षेत्रों की उपचारात्मक शक्तियों से संबंधित सिद्धांतों का संदर्भ है, जो विशेष रूप से अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पेरिस में एक समय के लिए लोकप्रिय थे।

295 कपूर, बेंजोइन: कपूर कपूर के पेड़ से प्राप्त एक सुगंधित यौगिक है; बेंजोइन एक सुगंधित बाल्समिक राल है, जिसका एक उपयोग धूप के रूप में किया जाता है।

295 मियास्मा: हानिकारक वातावरण, या वाष्पशील उत्सर्जन जिन्हें पहले बीमारी का कारण माना जाता था।

297 ऊन से रिक्त स्थान भरें: हालांकि मूल पाठ अस्पष्ट है, फ्लाउबर्ट के शुरुआती मसौदों से यह स्पष्ट होता है कि उनके मन में जो रिक्त स्थान थे वे उसके शरीर और ओक के ताबूत के बीच थे, न कि दो बाहरी ताबूतों के बीच।

297 उसे प्रदर्शन के लिए रखा गया था: फ्रांसीसी भाषा में इसे l'exposa कहते हैं—वह "राजकीय

रूप से रखी गई थी।"

298 चासुबल: चासुबल एक लंबा, बिना आस्तीन का बाहरी वस्त्र है जिसे मास के दौरान पुजारी पहनते हैं।

299 सर्पाकार: लकड़ी से बना और सांप के आकार का बास कॉर्नेट, जो अब आम उपयोग में नहीं है।

300 दे प्रोफंडिस: यह भजन 130 है, जो पश्चाताप का भजन है—अर्थात्, पाप के लिए विशेष रूप से शोक व्यक्त करने वाला भजन; इसका उपयोग दिवंगत विश्वासियों के लिए धार्मिक प्रार्थनाओं में किया जाता है और इसका नाम इसकी शुरुआती पंक्ति से लिया गया है, "गहराई से मैंने तुझसे पुकार की है, हे प्रभु।"

301 एस्परगिलम: एक छिद्रित पात्र जिसमें गीला स्पंज रखा होता है और जिसका उपयोग पवित्र जल छिड़कने के लिए किया जाता है।

304 पेंटेकोस्ट: एक बार फिर, इस तिथि की पहचान इससे जुड़े धार्मिक अनुष्ठान से होती है। पेंटेकोस्ट ईस्टर के बाद सातवें रविवार को मनाया जाता है और यह प्रेरितों पर पवित्र आत्मा के अवतरण की याद में मनाया जाता है।

306 कुष्ठ रोग: एक दीर्घकालिक, संक्रामक जीवाणु रोग जो मुख्य रूप से त्वचा और परिधीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और जिसके परिणामस्वरूप चकत्ते, सुन्नता, मांसपेशियों का कमजोर होना और अक्सर विकृति हो जाती है।

306 प्राथमिक विद्यालय... इग्नोरेंटाइन भिक्षु: फ्रांस में प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना 1833 में लुई-फिलिप के अधीन शिक्षा मंत्री फ्रांस्वा गुइज़ोट द्वारा की गई थी; इग्नोरेंटाइन (फ्रायर्स इग्नोरेंटिन्स) ईसाई स्कूलों के सदस्य थे, जो 1680 में स्थापित एक धार्मिक बिरादरी थी और विशेष रूप से गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करती थी। 1705 से 1770 तक रूएन उनका मुख्यालय था। वे एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के रूप में फल-फूल रहे हैं।

306 सेंट बार्थोलोम्यू दिवस: यह संदर्भ सेंट बार्थोलोम्यू दिवस नरसंहार से है; पृष्ठ 32 पर टिप्पणी देखें।

306 चो-का और रेवेलेंटिया: स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ, जो सबसे पहले चॉकलेट से बनाए गए थे और उन्नीसवीं शताब्दी के अंत तक बहुत लोकप्रिय और व्यापक रूप से फैल गए थे।

307 पुल्वरमाकर जलविद्युत बेल्ट: ये सबसे पहले 1850 या उससे पहले इंग्लैंड में दिखाई दिए;

इनमें आपस में जुड़ी धातु की प्लेटें होती थीं, जिनके बारे में माना जाता था कि वे शरीर पर हल्के बिजली के झटके लगाकर स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, लेकिन अंततः चिकित्सा जगत ने इन्हें झाड़-फूंक करार देकर खारिज कर दिया।

307 स्किथियन: स्किथियन लोग, जो ईसा पूर्व चौथी और आठवीं शताब्दी के बीच फले-फूले, मुख्य रूप से डेन्यूब और डॉन नदियों के बीच के क्षेत्र में रहते थे। वे कमरबंद वाले वस्त्र पहनते थे जिन पर अक्सर सोने की पट्टियाँ लगी होती थीं।

307 एक मैजियन पुजारी: प्राचीन मेदियों और फारसियों के बीच पुरोहित वर्ग का एक सदस्य।

307 वेस्टा का मंदिर: वेस्टा चूल्हे की रोमन देवी थीं; उनके सार्वजनिक पंथ में एक मंदिर था जिसमें उनकी पुजारिनें, वेस्टल वर्जिन, एक ऐसी अग्नि की देखभाल करती थीं जिसे कभी बुझने नहीं दिया जाता था।

307 Sta viator … amabilem conjugem calcas: लैटिन पाठ का अर्थ है, “रुको, यात्री… तुम एक प्रिय [या प्यारी] पत्नी पर पैर रख रहे हो।” होमेस को स्पष्ट रूप से वोल्टेयर की रचनाओं को पढ़ते समय मिले एक समाधि लेख के पहले शब्द याद आए होंगे, जिसमें वोल्टेयर ने इसका उल्लेख किया है: “Sta, viator, heroem calcas”—“रुको, यात्री, तुम एक नायक की धूल पर पैर रख रहे हो।”

310 कैंथारिस भृंग: पृष्ठ 287 पर कैंथारिड्स के बारे में टिप्पणी देखें। इस सुनहरे-हरे भृंग को स्पैनिश मक्खी के नाम से भी जाना जाता है।